

Inch an Usius The Gazette of India

्रपाधिकार से प्रकाशित १७६८।ऽसहरू ६७ ४० उस्तर्भाग

भं o 36] नई बिस्ली, शनिवार, सितम्बर 8, 1984 (भाद्रपद 17, 1906)

No. 36] NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 8, 1984 (BHADRA 17, 1906)

जस भाग में भिन्त पूर्वे संख्या वी जाती है जिसते कि यह अलग संक्र नेन हे कर में रखा जा नके (Soperate paging is given to this Part in order that it saxy be filed as a separate compilation:

माव 111---खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विमाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

Notifications issued by the High Courts the Couptroller and Additor General, the Union Public Service Countission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

सघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ले, दिनाक 18 जुलाई 1984

स० ए. 32013/1/83-प्रशा०-II--इम कार्यालय की किया अधिसूचना दिनाक 27 अप्रैल, 1984 के अनुक्रम में अध्यक्ष, सब लोक मेवा आयोग एनद्द्वारा सघ लोक मेवा आयोग के कार्यालय में स्थायः इंज नियर श्र प्रदीप सहनी को 1-7-1984 से 31-7-1984 तक अथवा आगामी आदेणो तक, जो भा पहले हो, सघ लोक मेवा आयाग के कार्यालय में तदर्ष आधार पर विरुट्ठ इंज नियर (ग्रप "क") के पद पर नियुक्त करत है।

- 2 विश्विष्ठ इज्ञानियण के पद पर श्रा प्रदीप मेहना का उक्त नियुक्ति सम्म लोग सेवा अत्योग के अनसोदन के अध्यक्षतन है।
- 3 उनकी यह नियुक्ति पूर्णतया त्रार्थ आधार पर हे ग्रीर इससे इनको विरष्ठ इजीनियर के पद पर नियमित नियुक्ति, वरिष्ठत। उत्यादि का निर्दे हरीनहीं सित्रेगा।

दिनाक 19 जलाई 1984

स० ए० 35014-2-80-प्रशा । (1)--इस पार्यालय का समसख्यक अधिसूचना दिनाक 18-6-84 के अनु-1-226GI/84

कम में मचिव, सघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा सघ लोक मेवा आयोग में कर लेखा अधिकार। श्राः एमर्पार माथुर को 16-7-84 में 31-8-84 तक तान माम की अग्रेतर अवधि के लिए अथवा नियमित नियुक्ति होने तक जो भी पहले हो, सघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में लेखा अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन स्प में कार्य करने के लिए नियत करते हैं।

म० ए०→35014/2/80-प्रशा० (11)—हम कार्यालय का समसङ्यक अधिसूचना दिनाक 18-6-84 के अनुक्रम में साच्च, सघ लोक सेवा अगाग एतद्द्वारा निम्नलिखित अधिकारियों को 16-7-1984 में 31-8-84 के अग्रेनर अनिध तक अथवा नियमिन नियक्ति होने तक, जो भी पहले हो सघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में लेखा अधिकार के सवर्ग बाह्य पद पर तदर्थ आधार पर संथानापन्न रूप में कार्य करने के लिए नियक्त करने हैं।

% नाम व पदनाम

т.

- 1 श्र) सुदर्शन कुमार, अनुभाग अधिकारी (के०स०स० सवर्ग)
- 2 श्री बी०सी० काजला, अनुभाग अधिकारी (के०स० से० संवर्ग)

(20555)

- 3. श्री ए० के० शर्मा, अनुधाग अधिकारी (के०स०से० संबर्ग)
- 2. उपर्युक्त अधिकारी लेखा अधिकारी के मंत्रमें बाह्य पद पर प्रांतिनियुक्ति पर रहेंगें गौर उनका बेतन समय-समय पर यथासंशोधित विक्त मंत्रालय, व्यय विभाग के का०जा० मं० एक० 1(II)ई० III(ल)/75 दिनांक 7-11-75 में सन्नहित अनुदेशों की शर्तों के अनुसार विनियमित रहेगा।

विनांक 28 ज्लाई 1984

मं० ए० 32013/2/84-प्रणा०-1--इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 27-3-84 के अनुक्रम में राष्ट्रपति निम्नलिखित के०स०मे० के स्थायी ग्रेड 1 अधिका-रियों को मंघ लोक सेवा आयोग के वार्यालय में उप मचिव के पद पर नियमित/सदर्थ आधार पर महर्ष नियक्त करते हैं :--

ऋ०सं० अधिकारीकानाम			नियुक्ति का तिथि/अवधि		
	श्री बी० एस० (जगपोता	,	5-4-84 मे 1-5-84 नक तदर्थ आधार पर		
	,	2)	2-5-84 मे नियमिन आधार		
2.	श्री एल०बी०		पर 20-6-84 में तीन		
	सिनाटे		महीने के लिये तदर्थ आधार		
			पर अथवा आगामी आदेश		
			तक, जो भी पहले हो।		

एम०पो० जैन अवर सचिव (प्रशा०) मंघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 31 जुलाई 1984

सं०पो० 1583/प्रणा० 11—माहित्य अकादमा के भारतीय साहित्य विश्व ज्ञान कोष एकक मे महायक सम्भादक के पद पर विदेश सेवा णतौं के आधार पर उनके चयन श्रीर उक्त पद की उनकी रवीकृति के परिणामस्वस्य संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्थाया अनुसंधान महायक (भाषा) श्रीर तदर्थ आधार पर एत्यंग्न अनुसंधान अधिकारी (प०मु०) श्री एम०एल० वरादपांडे को एनद्द्वारा आयोग के कार्यालय में 31 जुलाई 1984 (अपराह्म) में कार्यभार से मुक्त किया जाता है।

श्री बरादपांडे को एतद्दारा निदेण दिया जाता है कि वह सचिव, साहित्य अकादमा, नई दिल्लो को रिपोर्ट करे।

> मुहाम बनर्जी, अवर यत्रिव मघ लोफ सेवा आयोग

नई दिल्ली, दिलांक 4 अगस्त 1984

सं० ए० 32014/1/81-प्रशा० II--इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 20 दिसम्बर 1983 के अनुक्रम में पिचय, पंच लोक सेवा आयोग एत्तद्वारा राष्ट्रीय भयन निर्माण सगठन के विरिष्ट अन्वेषक थी। एस० राम-कृष्णन की आयोग के कार्यालय में 11-7-1984 से 10-10-1984 तक आगामां तीन महीने ये लिये अथवा आगामा आदेगों तक जो भी पहले हो किनष्ट अनुसंधान अधिकार। (विश्लेषण अनुसंधान) के पद पर प्रतिनियुक्ति आधार पर नियुक्त करते हैं।

- 2. प्रतिनियुक्ति की अविधि विभागाध्यक्ष अध्यक्ष, संघ लोक मेवा आयोग के अनुमोदन से बढ़ाई गई है।
- 3. श्री एस० रामाक्कष्णन का वेशन विन्त मंत्रालय (व्यय विभाग) के का०ज्ञा० स०एफ० I (I प्रा प्रा (बी) / 75 दिनांक 7-11-1975 में उल्लिखिन अनुदेशों के अनुसार विनियमित होता रहेगा।

विजय भल्ला अनुभाग अधिकारा (प्रशा० II) मंघ लोक सेवा आयोग

केन्द्रीय सतर्कता आयोग नई दिल्ला, दिनांक 7 अगस्त 1984

सं० 2/22/83-प्रशासन---इस आयोग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 21 मई, 1984 के प्रतिस्थापन में, केन्द्रांय सतर्कता आयोग के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री ब्रह्म दत्त को इस आयोग में स्थानापन्न रूप से अबर सचिव के पद पर ६० 1200-1600 के बेतनमान में दिनांक 31 जुलाई, 1984 पूर्वाञ्च से अगले आदेश तक नियुक्त करने हैं।

विनांक 14 अगस्त 1984

मं० 2/1/83-प्रणासन—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद्द्रारा केन्द्रीय सतर्कता आयोग के स्थाई सहायक श्री जगदीश चन्द्र कपूर को तदर्थ अनुभाग अधिकार। के पद पर क० 650(710)-1200/— के वेतनमान में दिनांक 31-7-84 मे 28-10-84 तक या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, स्थानापन्न रूप में नियुवत करते हैं \mathbb{T}

कृष्ण लाल मल्होती अवर मचित्र कृते केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त

गृह मतालय कर्मिक एव प्र० सु० विभाग केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 14 अगस्त 1984

मं० ए-19021/6/81-प्रणासन-5--प्रत्यावर्तन हो जाने पर, श्री पी०के०बी० चक्रवर्ती, भा०पु० सेवा (महाराष्ट्र-1971), पुलिस अधीक्षक, केद्वीय अन्वेषण त्यूरो, विषेष पुलिस स्थापना, सा०अ०स्कंध, वस्त्रई णाखा का सेवाएं, दिनांक 2 अगस्त, 1984 के अपराह्म से महाराष्ट्र सरकार को सींपी जाती हैं।

मं० ए.०-19014/8/84-प्रणासन-5---राष्ट्रपति केन्द्रीय अन्वेषण ट्यूरो, नई दिल्ला के पुलिस उपाधीक्षक श्री वा० आर॰ पुरी को केन्द्रीय अन्त्रेषण ब्यूरों में दिनांक 31 जुलाई, 1984 के पूर्वाह्न से प्रतिनियुक्ति कोटा में रिक्त पद पर छ: महंकि की अवधि के लिए पुलिस अधोक्षक के रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

आर० एस० नागपाल प्रशासनिक अधिकारी (स्था०) केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिवेशालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 13 अनस्त 1984

मं० ई-31013(2)/2/82-सा०प्रशा०- I---राष्ट्रपति, श्री टी॰ के० चौधरी को 11 अक्तूबर, 1983 के पूर्वाह्म से नियमित आधार पर सहायक कमांडेंट के रैंक में स्थानापन्न रूप से भोन्नत करते हैं।

सं० ई-31013(2)/6/84-सा० प्रशा०—I—-राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारियों (तदर्थ-सहायक कमांडेंटों) को 28-7-84 से, अन्य सहायक कमांडेंटों—-तदर्थ निरीक्षकों (कार्यपालक), जिनके सहायक कमांडेंट के में नियमित/ प्रोप्नति आदेश अलग से जारी किए जा रहे हैं, के दावों पर बिना प्रतिकूल प्रभाव डाले, नियमित आधार पर सहायक कमांडेंट के रैंक में स्थानापन्न रूप में श्रोन्नत करते हैं। इन अधिकारियों की परस्पर विष्ठता के बारे में आदेश उचित समय पर जारी कर दिए जाएंगे:

- 1. श्री कश्मीर सिंह
- 2. श्री आर०सी० गर्मा
- 3. श्री सी०एस० सैनी
- 4 श्री सुदर्शन सिंह पठानिया
- _5∞ श्री एम०के० राय
- 6. श्री वी०के० झा
- 7. श्री एम०जी० दास
- श्री ए०वी० नम्बूदरीपाद
- 9. श्री जे०एम० पिल्लै
- 10. श्री आर०एन० बनर्जी
- 11. श्री जे०के० पहाडी
- 12. श्री रिसाल सिंह
- 13. श्री ए० पालानिय्यपन
- 14. श्री ए०के० घोष
- 15. श्री एन०सी० विश्वास
- 16. श्री एस०सी० राँय
- 17. श्री एस०एल० नागरकर
- 18. श्री डी०के० पाटिल
- 19. श्री बालिक्शान

- 20. श्री के अके शिह
- 21, श्री सेम्अल सैम्पमन
- 22. श्री ए०एम० शेखावत
- 23. श्री ईश्वर सिंह
- 24. श्री विनय सिंह
- 25. श्री जी० एम० स्वामी
- 26. श्री उन्नीयन चन्द्रन
- 27. श्री जी०एस० रीन
- 28. श्री एस०सी० मेहरा
- 29. श्री आर०पी० चड्ढा
- 30. श्री एन०के० तलवार
- 31. श्री जे० ओसफ
- 32. श्री डी ०एस० लाम्बा
- 33. श्री जै०पी० ठाकुर
- 34 श्री शीतल सिंह
- 35. श्री एम०एल० ग्रोवर
- 36. श्री वी०बी० राव मगादम
- 37. श्री के॰पी॰ दीनाकरन
- 38. श्री उत्तम सिंह
- 39. श्री एन०आर० राव
- 40 श्री एस० आर० देव
- 41. श्री पी० चौधरी
- 42. श्री एन०के० बनर्जी
- 4.3. श्री एस०के० मंडल
- 44. श्री आई०आर० उपल
- 4.5. श्री एस०के० दत्ता
- 46. श्री एस०के० पाल
- 47. श्री वाई०पी० एस० बलियान
- 48. श्री आर०बी० शर्मा
- 49. श्री बैरागी राम
- 50. श्री डी बी० राज

दिनांक 16 अगस्त 1984

सं०ई०-32015(4)/78/84-कार्मिक---राष्ट्रपति, श्री एस० एन० एत० भटनागर को, प्रोक्षति पर, 23 जून 1984 के पूर्वाह्म से पूर्णतया तदर्थ आधार पर और अस्थाई रूप में 6 माह की अवधि के लिए या नियमित नियुक्तियां होने तक जो भी पहले हो, के० औ० सु० ब० यूनिट पी० टी० पी० पी० परीक्षा का सहायक कमांडेंट नियुक्त करते हैं।

सं०ई-16013(2)/1/78-कार्मिक -- अपने राज्य काडर को प्रत्यावितित होने के फलस्वरूप, श्री आर०बी० श्रीकुमार, भा०पु०से० (गुजरात: 71) ने 3 जुलाई, 1984 के पूर्वीह्न से के०औ०सु०ब० यूनिट, वी०एस०एस०सी०; थुम्बा के कमार्डेट के पर का कार्यभार छोड़ दिया। सं० ई०-32015(4)/53/84-वार्मिक-राष्ट्रपति, श्री वाई०पी०एम० बालयन को श्रीप्तिपर, 14 जुलाई, 1984 के पूर्वाह्म में 6 माह को अवधि के लिए या निर्यामत नियु-क्तिया होने तक, जो भी पहले हो, पूर्णतया तदर्थ और अस्थाई आधार पर के० औ० मु० ब० यूनिट, बैंध नोट प्रेस, देवास में सहायक कमांडेट के रूप में नियुक्त करते हैं।

> एस० आनन्द राम महानिदेशका, के०औ०स्०ब०

भारत के महार्राजस्ट्रार का कार्यालय नई दिल्ली-110011, दिनांक 21 अगस्त 1984

सं 10/35/81-प्रशा । 1--राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महारजिस्ट्रार के कार्यालय के मानचित्र अधिकार। हां आर०आर० त्रिपाठी को उसी कार्यालय में तारीख 23 जुलाई, 1984 के पूर्वात्र में आले आदेणां तक पदोन्नति हारा अस्थाई रूप से नियमित अधार पर सहायक महा-रिजस्ट्रार (मानचित्र) के पद पर सहर्ष नियुक्त उरते हैं।

2. डा० विपाठो का मुख्यालय नई दिल्ला में हागा।

सं 10/26/83-प्रणा० -- विभागीय पद्योष्ट्रित समिति
की निफारिश पर राष्ट्रपति निम्तिलिखत अन्वेषकों को, जो

इस समय उनके नाम के सामने दर्शाय गए पद पर एथं
कर रहे हैं. अगले आदेशों तक 24 जुलाई, 1984 पूर्वाह्र में अस्थायी क्षमता में नियमित आधार गर सहाय । निदेशका जनगणना अर्थ (तक्नाकों) के पद पर पदोधित द्वारा सहपं नियुक्त करने हैं:--

ऋ०सं० न≀म वर्तमान पद तथा कार्यालय जहां कार्य ःर रहे है

1. श्रः व० वरः वेर्ल्सागाधन

सहायक निदेशक (आंजड़े समाधन) (प्रतिनियुक्ति एवं तदर्थ आधार पर) निदेशक जनगणना काये, तमिलनाडु, मद्रास ।

2. श्री एस०एस० बाहरी

सहाबक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) (तदर्थ आधार पर), भारत के महारजिस्ट्रार का हार्या-लय, नई दिल्ली।

3. आ) मम्बम्बर यर्व(र

महायक निदेशक अनगणना कार्य (तकनीकी) (तदर्थ आधार पर), निदेशक जनगणना कार्य पश्चिम बंगाल, कलकत्ता।

> वी० एस० वर्मा भारत हे महार्ग्जस्ट्रार

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग कार्यालय : निदेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व नई दिल्ली-110002, दिनाक 18 ग्रगस्त 1984

सं० प्रशा० 1/का०म्रा० स० 192---इस कार्यालय के एक स्थायी लेखापरीक्षा म्रिधकारी श्री रामनाथ शर्मा, वार्धक्य भ्रायु प्राप्त करने के परिणामस्वरूप 31 ग्रगस्त, 1984 श्रपराह्य से भारत सरकार की मेवा मे सेवा-निवृत्त हो जाएगे।

ह० ग्रपठनीय उप-निदेशक, ले०प० (प्रशा०)

महालेखाकार का कार्यालय केरल , तिक्वन्तपुरम, दिनांक 13 स्रगस्त 1984

सं० महालेखाकार लेखापरीक्षा/हकदारी रोकड़/1/10-3/ 84-85 — महालेखाकार का कार्यालय (लेखापरीक्षा) केरल के निम्नलिखित लेखापरीक्षा श्रधिकारी, श्रधिविधिता के कारण उनके नाम के सामने लिखित तारीख में सेवानिवृत्त हो गये हैं।

- ा. श्री पी० माधवन नायर---31-7-1984 भ्रपराहा।
- 2. श्री ए० चन्द्रशेखरन-- 31-7-1984 श्रपराह्म।

श्री टी॰एल॰ वर्की, लेखापरीक्षा मधिकारी स्वेच्छा से 1-7-1984 पूर्वाह्य म नेवानिवृत्त हो गये हैं।

> वि० लक्ष्मीनारायणन महालेखाकार

महालेखाकार (लेखा परीक्षा) का कार्यालय, उड़ीसा भुवनेश्वर, दिनाक 30 मई 1984

स० प्रणासन-1-(ले०प०)-17-2-1 (नि०स्था०)-1186--महालेखाकार (लेखा परीक्षा) उड़ोसा, भुवनेश्वर ने सहर्ष स्ची में दर्णाए गए श्रनुभाग श्रिश्वकारियों (लेखा परीक्षा) को उनके नाम के साथ दर्णाए गए तिथियों से श्रामामी प्रादेश तक कार्यवाही सहायक लेखा परीक्षा श्रिधकारिका च्य में केन्द्रीय सेवा के वर्ग "ख" में तथा ६० 650-30-740-35-880-द० श्र०-40-1040 के वेतनमान पर पदोन्नत किया है।

ध्रनुलग्नक--- 1

श्रनुभाग श्रधिकारियों की सूची जिन्हें महायक लेखा परीक्षा श्रधिकारी के रूप में पदोन्नत किया गया।

क्रम सं० सहायक ले॰प० ग्रिधिकारियों के नाम	पदोन्नतिपरान्त कार्ययोग क तिथि	
1 2	3	
1 श्री के० सी० पटजोणी	1-3-1984	
2. श्री एम०ए० श्राहद	""	
 श्री एस० एस० प्रकाश राव 	11	
4. श्री एम० एन० काशीनाथ	1)	

भाग == :	IIIखण्डा 1] 	भारतकारा	जपन्न, सितम्बर ८, १९८४ (भा	द्रिपद 17, 1906)		20559
 1	2	3	1	2	3	
5.	श्रीएम०सी०दे	13-84	 52. ર્શ્વ	- — : 1ो एस० राबव राव	1-3-84	
	श्री वी० वी० रामाराव			ी ग्रार०के० सिह	71	
	श्री डी॰ सूर्यनारायण	"	54. શ્રી	ी एस० भुवनेश्वर राव	11	
	श्री एम०एस०एन० मूर्ति	"		ी ग्रार०एस० दास	,,,	
	श्री एन० सूर्यनारायण	17	_	ी एस० पटनायक	D)	
	श्री पी्०सी० सामन्त	,, ,,	57. র্থ	ी टी०वी० रामास्वामी	11	
	श्री एच० खेमका		58. र्थ	ी यू० पाढ़ी	11	
	श्री ए०के० मुखर्जी	1) 11	59. র্থ	ी के०सी० ग्राघार्य	11	
	श्री जी०एस०एन० मूर्ति	11	60. র্গ	ी पी० दास	17	
	श्री एन०पी० पान्न	"	61. র্প্র	ी जी० महापान्न	11	
	श्री एस०के०सी० साहु	1)	62. ર્શ્વ	ी बी०एम० क्रिपाठी	11	
	श्री ग्रार०के० दास	"	63. શ્ર્ર	ी ए० राय	1)	
	श्री बी॰एस० शास्त्री	11	64. র্প্স	ीभी०भी० ग्रार० जे० राव		
	श्री एस०एस० मिश्र-1I	"	65. ×	भी श्रार०बी० लाल	11	
	श्री बी॰एस॰एन॰ मूर्ति	,,	66. ર્શ્ર	ी बी० बी० दास))	
	श्री टी ०एस० प्रकाश राव	. <i>1</i> 1	67. র্প	ी ए०कें० दास	11	
	श्री बी॰एन० मूर्ति	17	68. র্প্র	ी एस०भो० राजु	11	
	श्री जे०एम० मोइन	"	69. श्री	ी एन०जी० मित्र	†)	
	श्री एन०के० महापात्र	"	70. র্প্র	ी एल० एम० पण्डा	11	
	श्री बी०एस० नारायण	11	71. श्री	ी एस०के० महान्सी	1)	
	श्री एम० भाष्कर राव		72. র্প্র	ों के०सी० दे	11	
	श्री के० नटराजन	"	73. र्श्र	ी डी०एन० दास	"	
	श्री एम०एम० स्वामी	"		ी एन० दास-II	"	
	श्री बी०एम० दास	11	75. र्श्र	ी जी० के० मूर्ति	"	
	er remande ula			ीं कें०्सी० साहु	1)	
	श्री ग्रार०ए० मार० शर्मा	"	77. श्र्वी	ी बी० प्रधान	1)	
	श्रो एम० रमणा राव	,, ,,	78. র্প	ो बी० महान्ती	11	
	श्री डो०वा०एन० मृति	"	79. श्री	ी एस०कं०एच० रहमान	n	
	श्रो एस० भट्टाचार्य	"		ी ए० महान्ती	11	
	श्री क०डी० मण्डल		81. র্প্র	ी पी०के० रावनायडु	1)	
	श्रो एस० एस० देवपुरकायस्थ	11		ी डी० पुहाण	11	
	में एस० ना० वास	" \$		ी एम ० पण्डा	"	
	श्री ग्रार०सी० महान्ता	7 7	84. প্র	ो जी०एन० महापात्र	ļ 1, 11	
	श्री बी०सी० मिश्र	"		ो जे०बी० बासु	•	
•	श्री एस०एल० मिस्त्री	"	86. श्री	ो एम० सरवर	1)	
	ਆ ਹੈ। ਸਤਦ ਸਭ	11	87. প্র	ो पी० के० भृटिया	11	
	श्रो पी०सा० दास			ो एस०सी० मिश्र))	
	श्री बी०पी० स्वांई	11		ो जी०जे० नेहरू 🖟	"	
	2 -	11		ो ए०एन० गिरी	1)	
	श्री के० राजा राव-11			ो एस० पण्डा	* 'A !}	
	श्री जे॰एन॰ पाणीग्राही	"		ो बीठके० चौधुरी	"	
	श्री पी० वेकट राव	"		ो एम० कामेश्वर राव–∐		
	श्री के० मुकुन्द राव	"		ो ए० के० राय	17	
	श्रो एन०एस० प्रकाश राव∦	,, 1 ⁴ 11		ा के०सी० नन्दी	n	
	श्री जी०भी०एन० सुबाराव	La 17		ो बी०सी० पटनायक	,,	
	श्री जे० रामारायः	,,		ो बी० होता	"	
-	श्रा ए०क०, नन्द	"		किं प्रभाकर राव	17	
" o r.	harter when to a Marie of	21	, , , , , , , , , , , , , , , , , , ,		• •	

20 560 भारत का	भारत का राजपन्न, सितम्बर 8, 1984 (भाद्रपद 17, 1906)		
1 2	3	1 2	3
99. र्शा जे०एन० दास 1	-3-84	146 श्री एस० मुदर्शन राव	1-2-04
100. श्री जी०सी० महापात्र	1,	=	,, 1-3-84
101. श्री एस०के० दास	1)	147 श्री भी०भी० रमणराव	11
102. श्री जे०टी० राव	"	148 श्रं। पी०सी० मिस्र	11
103 र्श्वा एम०के० महार्न्ता	1)	149. श्री एन०के० बेहरा) †
104 श्री एस० भगीरथी	1)	150. श्री सी०एस०पो० राव	11
105. श्री आर० चंपत्।	"	151. श्री जी०एस०सी० बोस	1 1
106. श्री टी०आर० विक्वास	11	152. श्री के०आर०के० गास्त्री	12 -3-84 (पूर्वाह्न)
107. श्री एस०सी० बेहरा	11	153 श्री दिनबन्धु महापात्र	13-3-84
108. श्री जी०ए० सोतारमैया	11	154 श्री मणी मुखर्जी	1-3-84 (पूर्वीह्न)
109. श्री एम० कामेश्वर राव-I	11	155 श्री लोकताथ महापाल	• • •
110. श्री एस० महाती	11		"
111. श्री आर०सी० जेना	11	156 श्री एच०वाइ० डोरा	n,
112. श्री बी०सी० दास 113. श्री बी०सी० मण्डल	11	157 श्री जी० कोटेश्वर राव	1.1
113. श्री धारतार मण्डल 114. श्री एन०एन० दास	11	158 श्रो विश्वनाथ मिश्र	11
114. श्री ए०के० दास-I	11	159 श्री चक्रधर बराल	J 1
116. श्री एल०के० पण्डा	11	160. श्री जे० विठ्ठल राव	11
117 श्री एन० साहु	, , , , , , , , , , , , , , , , , , ,	161. श्री मो० शमगुल हरु	1)
118. श्री एम० एस० सुतार	11	162. श्री कें०एस० राव	
119. श्री जै० भी० कृष्ण राव	1)	163. श्री अजिक्कार दास	11
120 श्री जे० महापात	11		11
121. श्री एन० बाला	11	163. श्री शणी शेखर महापात	11
122. श्री आर० परमाणिक	11	165. श्री राधा कुष्ण पटनायक	1)
123. श्री आर०के० साहु	11	166 श्री जो० नारायण णास्त्री	1)
124. श्री एन० राउत	11	167. श्री प्रबीरकुमार साहु))
125. श्री ए० साहु	11	168. श्री वैष्णोव महान्ती	11-4-84
126 श्री बी० चक्रवर्ती	11	169. श्री कालीचरण पटनायक	1-5-84
127. श्री एम० आनन्द राव	11	170. श्री दुर्योधन साहु	1-5-84
128. श्रीं जी०एन० मूर्ति–II	11	171. श्री एस०सी० रमण	2-4-84
129. श्री के०सी० महापात्र))	**************************************	
130. श्री बी॰बी॰ पटनायक	11	<u> </u>	
131. श्री एच०के० स्वांई	"	सं० प्रशासन-1(लेु०प०)-17-	-2-1-1187महालेखाकार -
132. श्री एम० कृष्ण मूर्ति	11	ने विनांक 1-3-84 से आगामी आ	- दिश होने तक अनुलग्नक में
133. श्री टी० नागेम्बर राव	11	दर्शाए गए अनुभाग अधिकारिय	ांको जो कि प्रतिनियुक्ति
134. श्री आर०पी० सरकार) 1 2_ 4_ 9_ 4	अथवा विदेश नेवा में मुख्य काय	लिय को छोड़ कर कार्यरत
135. श्री बाई०भी०आर० पात्र	3-4-84 19-3-84 (पूर्वाह्न)	हैं नेकस्ट बिलों नियभावली के अध	बीन साधारण केन्द्रीय सेवा
136. श्री ए०के० पाल	31-3-84 (मध्याह्न)	के वर्ग "ख" के अन्तर्गत ६०	650-30-740-35-880-
137. श्री ए०भी० नरसिंहम 138. श्री बी० सन्यासी राव	31-3-84 (मध्याह्न)	द०अ०-40-1040 के वेतनमान	पर कार्यवाही सहायक
138. श्री बीर सन्यासा राप 139. श्री छीर चटोपध्याय	2-4-84 (पूर्वाह्म)	लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में	पदोन्नत किया है।
139. श्री ७१० चटापळाच 140. श्री एस०बी० बेहरा	31-3-84 (मध्याह्म)		
140. श्री एवरे पहरा 141. श्री एवरे महान्ती	31-3-84 (मध्याह्न)		
142. श्री ए०के० सेनगुप्त	31-3-84 (मध्याह्म)		
143. श्री भी० सत्यनारायण-II	2-4-84 (पूर्वाह्म)		एस० एस० मेरि
144. श्री वंशीधर नायक	1-3-84		वरिष्ठ उपमहाले खा कार
145. श्री विश्वनाथ बोस	11		(प्रणासने)

अनुष्यंतक-11

अनुभाग अधिकारियों (लेखा परीक्षा) कॅंट सूचीट जिन्हें दिनांध 1-3-84 में नेक्टर बिली नियम के अनुमार पदीन्नत किया गया---

सर्वेश्री

- 1. एस० सं1० मखर्जी
- 2. ए० एस० एन० मृति
- 3. आर० के० राय
- 4. एस० के० राग चौधरा
- 5. एम॰ एम॰ दास
- 6 चन्द्रमोहन पटनायक
- 7. ब्रां० के० दासग्प्ता
- 8. सरोज कुमार भट्टाचार्य
- 9. ए० के० मेनगुप्त
- 10 परमानन्द रथ
- 11. शरत मुधायार पटनायक
- 12. एम० सत्यनारायण
- 13. भी० बी० राजु
- 14. के० भार एसर एसर प्रकाण राव
- 15. एन० एसर० गास्त्र,
- 16. पा० अप्पाराव
- 17. के० एस० आए० मूर्ति पटनायक
- 18 बीट जैट गांग्ली
- 19. मो० इलियाम खान
- 20. इं.० एस० प्रास्तिः
- 21. भीर बिठ्ठल राव
- 22 एन० सा० विस्वाल
- 23. सत्य प्रसाद मुखर्जी
- 2त बार बन्द्र महान्ती
- 25. वारेन्द्र कुमार पाल
- 26. संजीत कुमार भटाचार्य
- 27. श्रज किशोर महान्ती
- **च्छा** ज(० चित्ररंजन
- 29. पा० एम० एन० मुनि
- 30. बॅर० ए० सूर्यनारायण
- 31. जा० वः० भाव-1
- 32. पी० रामाराव-1
- 33. इ.० एम० एन० मृति
- 34. कु० साधना दास
- 35. मन्तोय कु० मुखर्जी
- 36. कमल लीचन दास
- 37. पंक आर० सामगोपालक
- 38. दुर्योधन भौल
- 39. किमोर मोहन पर इा
- 40 हार बीर रमण मुर्ति
- 41. वाराशण वन्द्र सामन्त
- 42. विजय फिशोर यास्
- 43. दिनाप कुमार राय
- 44. जगदाश चन्द्र दास

- 45. भार रामा कृष्णन
- 46. ए० विजयध्वज राव
- 47. जी अरिक एसक शास्त्री
- 48. चंत्रलेश भटाचार्य
- 49. র্জ,০ জাখন দ্বন খাল-1
- 50. दीपना कु० राय-।
- 51. एस० जी० पाल
- 52 आर० जं.० के० नायर
- 53. अरुण चन्द्र भट्ट
- 54. भी० एस० राव-1
- 55. एस० भटाचार्य
- 56 डी० पी० कमैकार
- 57. तूलसीदास मण्डल
- 58. आए० भी० जे० दास
- 59. डॉ॰ जे॰ के॰ मिन
- 60. समरेन्द्र नाथ सेठी
- 61. चन्द्रकांत पाल
- 62 गोपाल दास बनर्जी
- 63. वासरथी महापान्न
- 64. बी० बी० घटक
- 65. के० एस० क्रुष्णमृति
- 66. जी० एल० भा० के० मुर्ति
- 67 रतीश मुखोपाध्याय
- 68. इ० एच० राव
- 69. के० एस० स्वामा
- 70. बार एस० दास
- 71. जीव साव मिश्र-11
- 72. जयदेव साह
- 73. जीं० सीं० रथ
- 74. आई० वं ० रत्नम
- 75 एम० रथ
- 76. एम० आर० गृहा
- 77 पितवास पार्णः
- 78. मनानन **सा**ह्
- 79. सी० एच० एस० राव
- 80. एस० के० घोषाल
- 81. अधार दास गुप्त
- 82 पं ं० के० महान्ती
- 83. एम० बासु
- 84. माखन लाल धर
- 85 निर्मलेन्दु राय
- 86. पद्मनाभ महापाव
- 87. एल० एन० जगदेव
- 88. आर० एस० आर० ए० ग्रमी
- 89 एवं० एन० विमाई
- 90. पंारु केरु मिश्र-H
- 91. एस० के० वास्
- 92. निताई चन्द्र शाहा
- 93. प्रियनाथ मजुमदार

महालेखाकार का कार्यालय (लेखा परीक्षा)-I, उत्तरप्रदेण इलाहाबाद, दिनांक ८ अगस्त 1984

मं० प्रणा०/ए० जा० (लेखा पर्धा) 1/13--7/519---निम्निलिखन लेखा पर्धा अधिकारी निवर्षन की आयु प्राप्त कार दिनांक 31 जुलाई 1984 (अपराह्म) की सेवानिवत हो गए हैं:--

- 1. श्री हर फिणन लाल, कार्यालय महालेखाकार (लेखा परोक्षा)-II, उ० प्र०।
- 2. श्रा राम बेनी प्रसाद तिवारी, कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीक्षा) -II, उ० प्र०।
- 3. श्री श्याम लाल श्रीवास्तव-II, ार्यालय महालेखाकार-I उ० प्रणा

ब ० के० नट्टोपाध्याय. यरिष्ठ उप महालेखाकार (प्र०)

कार्यालय महालेखाकार (लेखापर्रक्षा-1) तमिलनाडु एवं पांडिचेरी,

मद्रास, दिनांक 8 अगस्त 1984

सं० म० ले० (ले० प०-1)/प्रणा०-1/जी० बी०/84-85/209—श्रामता सा० एस० जगदाम्बाल (जन्म ताराख 12-05-1928) लेखापरीक्षा अधिकारी, कार्यालय महालेखा-कार (लेखापरीक्षा-1) तिमलनाडु एवं पांडिचेरी मद्रास, विनांक 24-7-1984 में देहांत हई।

एम० वी० स्वामोनाथन, महालेखाकार (लेखापरोक्षा-1)

श्रम एवं पुनर्वास मंत्रालय श्रम ब्यूरो

शिमला-171004, दिनांक 1 सितम्बर 1984

मं 23/3/84-सी. पी. आई. --- ज्लाई, 1984 में आधारिक श्रीमकों का श्रीस्त्र भारतीय उपभोक्ता मृल्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960=100) जून, 1984 के स्तर सं ग्यारह अंक बढ़ कर 585 (पांच सी पच्चामी) रहा। ज्लाई, 1984 माह का सूचकांक (आधार वर्ष 1949=100) पर परिवर्तित किए जाने पर 711 (सात सो ग्यारह) आता है।

आनन्द स्वरूप भार**द्**वाण निद्यालक

श्रम विभाग

मुख्य अभायकृत (केन्द्रीय) कार्यालय नर्ड दिल्लं), दिनांक 23 जुलाई 1984

मं० प्रशा०-1/4(12)/84-(1)—क्षेत्रोय श्रमायुक्त (कें०), धनबाद कार्यालय के उक्त श्रेर्ण लिपिक श्रं। बं ι ० पार्ड को 3-1-84 (पूर्वास्त्र) से ऐयजं।तीर पर विजयवाड़ा

के श्रम प्रवर्तन अधिकार (कें०) के पद पर नियुक्त किया गया ।

भं पणा०-1/4(12)/84-(2)--भुष्य श्रमायुक्त (के०) हारा इस संगठन में ग्रम्थाई तीर पर नियुक्त किये जाने पर श्री दोपक जैन ने 21-1-1984 (ग्रपराह्म) को नई दिल्ली में श्रम प्रवर्तन ग्राधकारी (कें०), भीलवाड़ा कैम्प का कार्यभार संभाल लिया।

मं प्रणा • 1/4(12)/84-(3)--मुख्य श्रमायुक्त (कें) द्वारा इस संगठन में ग्रस्थाई तौर पर नियुक्त किये शाने पर श्रो बाबू लाल ने 21-1-84 (ग्रपराह्म) को नई दिल्ली में श्रम प्रवर्तन ग्राधकारी (कें) जालन्धर कैम्प का कार्यभार संभास लिया।

सं० प्रणा०-1/4(12)/84-(1)--सेवा-निवृत्ति की प्रायु प्राप्त होने पर श्री के० डी० श्रीवास्तव ने 31-1-84 (ग्रपराह्न) को श्रम प्रवर्तन ग्राधिकारी (कें०) कानपुर कार्या-लय का कार्यभार छोड दिया।

सं० प्रमा०-1/4(12)/84-(5)-सेवा-निवृत्ति की प्रायु प्राप्त होने पर श्री सुन्दर लाल ने 31-1-84 (ग्रपराह्न) को श्रम प्रवर्तन ग्रधिकारी (कें०), नीमतपुर कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० प्रणा०--1/4(12)/84-(6)--मुख्य श्रमायुक्त (कें०) हारा इस संगठन में सस्थाई रूप से नियुक्त किये जाने पर श्री राधाकृष्ण मीणा ने 28-1-84 (श्रपराह्न) को नई दिल्ली में श्रम प्रवर्तन ग्रधिकारी (कें०), राजकीट कैंम्प का कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रशा०-1/4(12)/84-(7)--मुख्य श्रमायुक्त (केद्रीय) द्वारा इस संगठन में ग्रस्थाई रूप से नियुक्त किये जाने पर श्री लिलन कुमार शर्मा ने 30-1-84 (पूर्वाह्न) को नई दिल्ला में श्रम प्रवर्तन ग्राधकारी (कें०) ग्रजमेर कैम्प का कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रणा०-1/4(12)/84-(8)-स्थानान्तरण होने पर श्री जे० वैकटरमण ने 27-12-1983 (श्रपराह्म) को श्रम प्रवर्तन श्रधिकारी (कों०) मंगलीर कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया और छुट्टी इत्यादि विताकर 22-2-84 (पूर्वाह्म) को उसी हैसियत से पोर्ट ब्लेयर का कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रशा०-1/4(12)/84-(9)--मुख्य श्रमायुक्त (कें०) द्वारा इस संगठन में अस्थाई तौर पर नियुक्त किये जाने पर श्री सुदर्शन पारीख ने 15-2-84 (पूर्वाक्ष) को अजमेर में श्रम प्रवर्तन श्रीधकारों (कें०) जोधपुर कैंप का कार्यभार संभान लिया।

सं० प्रशाल-1/4(12)/84-(10)-- उच्च श्रेणी लिपिक के पद पर प्रत्यावर्तन होने पर श्री ग्रार० एस० श्रोमा ने 31-1-84 (पूर्वाह्म) को श्रम प्रवर्तन श्रीधकारी (कें०) ग्रजमेर का कार्यभार छोड दिया। सं प्रणा०-1/4(12)/84-(11)--उच्च श्रेणी लिपिक के 'पद 'पर प्रत्यावर्तन होने पर श्री टी० पी० राजवार ने 31-1-84 (पूर्वाह्म) को श्रम प्रवर्तन ग्राधिकारी (कें०), चण्डीगढ का कार्यभार छोड़ दिया।

सं श्रणा०-1/4(12)/84-(12)--जम्म श्रेणी लिपिक के पद पर प्रत्यावर्तन होने पर श्री ग्रार् एस० ग्रग्नवाल ने 15-2-84 (पूर्वाह्म) को श्रम प्रवर्तन ग्रधिकारी (कें०), जोधपुर का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० प्रणा०-1/4(12)/84-(13)—इलाहाबाद से स्थानान्तरण होने पर श्री एच० ग्रार० सुरील ने 14-2-84 (ग्रपराह्न) में श्रम प्रवर्तन ग्रधिकारी (कें०) कानपुर कार्यान्स्य का कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रणा०-1/4(12)/84-(14)— मुख्य श्रमायुक्त (कें०) द्वारा इस संगठन में श्रस्थाई रूप से नियुक्त किये जाने पर श्री मनोहर लाल ने 31-1-84 (पूर्वाह्म) को श्रम प्रवर्तन श्रधिकारी (कें०) चण्डीगढ़ कार्यालय का कार्य-भार संभाल लिया।

सं० प्रशा०-1/4(12)/84-(15)--मुख्य श्रमायुक्त (कें०) द्वारा इस संगठन में श्रस्थाई रूप में नियुक्त किये जाने पर श्री श्रानन्द कुमार ने 15-2-84 (पूर्वाह्न) को कानपुर कैंम्प में श्रम प्रवर्तन श्रधिकारी (कें०) इलाहाबाद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रणा०-1/4(12)/84-(16)--मुख्य श्रमायुक्त (कें०) द्वारा इस संगठन में अस्थाई रूप से नियुक्त किये जाने पर श्री बी० सूर्यनारायण ने 5-3-84 (पूर्वाह्म) को श्रम प्रवर्तन ग्राधकारी (कें०), हैदराबाद कार्यालय का कार्य-भार संभाल लिया।

सं० प्रणा०-1/4(12)/84-(17)—-मुख्य श्रमायुक्त (कें०) द्वारा इस संगठन मे श्रस्थाई रूप से नियुक्त किये जाने पर श्री प्रिधी सिंह ने 29-2-84 (पूर्वाञ्च) को धनबाद कैम्प में श्रम प्रवर्तन श्राधकारी (कें०), बर्मा कार्यालय का कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रणा०-1/4(12)/84-(18)---मुख्य श्रमायुक्त (कें०) द्वारा द्वम संगठन में श्रस्थाई तौर पर नियुक्त किये जाने पर श्रो नरेन्द्र सिंह पंवार ने धनबाद में 16-3-84 (पूर्वाह्म) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०) सरिया का कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रशा०-1/4(12)/84-(19)--मुख्य श्रमायुक्त (कें०) ब्राग रस संगठन मे श्रम्थाई स्पपर नियुक्त किये जाने पर श्री रघुनाथ मिंह ने 12-3-84 (पूर्वाह्म) को धनबाद कैम्प में श्रम प्रवर्तन ग्राधिकारी (कें०), रांची कार्या-स्य का कार्यभार संभान लिया।

सं० प्रणा०-1/4(12)/84-(20)--मुख्य श्रमायुक्त (कं०) द्वारा इम संगठन में ग्रस्थाई रूप ने नियुक्त किये जाने पर श्री: मतीण कुमार विशव्छ ने 12-3-84 (पूर्वाह्म) 2--226 G1|84 को श्रम प्रवर्तन म्रधिकारो (कें०), म्रासनसौल कार्यालय का कार्यभार संभाल सिया।

सं० प्रणा०-1/4(12)/84(21)--मुख्य श्रमायुक्त (कें०) द्वारा इम संगठन में ग्रस्थाई रूप से नियुक्त किये जाने पर श्री के० गोपीक्रण ने 26-3-84 (ग्रपराह्न) को हैदराबाद कैंम्प में श्रम प्रवर्तन श्रधिकारो (कें०), गृटाकल कार्यालय का कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रशा०-1/4(12)/84(22)--मुख्य श्रमायुक्त (कें०) द्वारा इस संगठन में श्रस्थाई रूप से नियुक्त किये जाने पर कु० वासदेवी श्रवीचन्दातो, ने 16-3-84 (पूर्वाह्म) को श्रम प्रवर्तन ग्रधिकारी (कें०) जबलपुर कार्यालय का कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रभा०-1/4(12)/84-(23)—जन्म श्रेणी लिपिक के पद पर प्रत्यावर्तन होने पर श्री एन० गनपति ने 26-3-84 (भ्रपराह्म) को श्रम प्रवर्तन भ्रधिकारी (कें०) गुन्टाकल कार्यालय का कार्यभार छोड दिया।

सं० प्रमा०-1/4(12)/84-(24)—सेवा निवृत्ति की आयु प्राप्त होने पर श्री एल० एन० सिन्हा ने 31-3-84 (ग्रपराह्म) को मुख्य श्रमायुक्त के मुख्यालय नई दिल्लो में श्रम प्रवर्तन ग्रधिकारी (कें०) कार्यालय का कार्याभार छोड़ दिया।

सं० प्रणा०-1/4(12)/84~(25)--मुख्य श्रमायुक्त (कें०) द्वारा इस संगठन में ग्रन्थाई रूप से नियुक्त किये जाने पर श्री पी० एस० फोगट ने 29-3-84 (पूर्वाह्म) को ग्रासनसील कैंम्प में श्रम प्रवर्तन ग्रधिकारो (कें०) नीमतपुर कार्याख्य का कार्यभार संभाल लिया

सं० प्रशा०-1/4(12)/84-(26)--तहायक श्रमायुक्त^{्रिक} (कें०) के पद पर नियुक्ति होते पर श्री बी० ग्रार० एस० रेड्डी ने 9-4-84 (पूर्वाह्म) को मुख्य श्रमायुक्त (कें०) मुख्यालय, नई दिल्ली में श्रम प्रवर्तन ग्रिधिकारी (कें०) कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० प्रशा०-1/4(12)/84(27)--श्रम प्रधिकारी (सो० पी०) के पद पर नियुक्त होते पर श्रां बी० मुरलो ने 6-1-84 (प्राराह्न) की श्रम प्रवर्तन प्रधिकारो (किं०), हैदराबाद कार्याच्य का कार्यभार छोड़ दिया।

मं० प्रणा०--1/4(12)/84(28)--श्रम ग्रिधिकारी (सी० पी०) के पद पर तियुक्त किये जाते गर श्रीमती जा० विजयज्ञामी ते 16-1-84 (प्राराह्म) की श्रम प्रवर्तन प्रधिकारा (कें०) हैदराबाद कार्यातम का पार्थभार छोड़ दिया

सं० प्रणा०-1/4(12)/84(29) --उग्न श्रोत, लिपिक के पद पर प्रत्यावर्तन होंने पर श्रा, एस० के० दत्ता ने 31-1-84 (अपराह्म) को कल इता स्थिर श्रम प्रवर्तन अधिकार, (कें०) कार्यालय का कार्यभार छोड दिया।

म० प्रमा0-1/4(12)/84(30)—-मुख्य श्रमायुक्त (के०) द्वारा इस संगठन में अस्थाई रूप पर नियुक्त किये

जाने पर श्री पी० के० विशष्ठ ने 7-4-84 (पूर्वाह्म) की धनबाद कैम्प में श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०) हजारीबाग कार्याक्षय का कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रणा०-1/4(12)/84(31)--मुख्य श्रमायुक्त (किं०) द्वारा इस संगठन में अस्थाई रूप से नियुक्त किए जाने पर श्रो आर० वॉ० कुलकर्णी ने 2-4-84 (पूर्वाह्म) को जबलपुर कैम्प में श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०), भोपाल कार्यालय का कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रशा०-1/4(12)/84(32)--स्थानांतरण होने पर श्री एम० आर० दास ने 31-3-84 (अपराह्म) को गोहाटी स्थित श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०) कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया श्रीर 19-4-84 (पूर्वाह्म) को उसी हैसियत से बरबीस में कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रणा० ~1/4(12)/84(33)—स्वैच्छिक सेवाः निवृत्ति पर श्री एम० रामाराव ने 31-3-84 (अपराह्न) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०), हैदराबाद कार्यालय का कार्यभार छोड दिया।

सं० प्रणा०-1/4(12)/84(33)—मुख्य श्रमायक्त (कों०) द्वारा इस संगठन में अस्थाई रूप से नियुक्त किए जाने पर श्रो के० कण्डास्वामी ने 4-4-84 (पूर्वाह्न) को मद्रास कैम्प में श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कों०) निर्ची का कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रणा०-1/4(12)/84-(35)--मुख्य श्रमायुक्त (कें०) द्वारा इस संगठन में अस्थाई रूप मे नियुक्त किये जाने-पर श्री पी० के० जादिया ने 16-4-84 (पूर्वाह्म) को धनबाद कैम्प में श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०) बाधमारा कार्यालय का कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रशा०-1/4(12)/84-(36)---मुख्य श्रमायुक्त (कें०) द्वारा इस संगठन में अस्थाई रूप से नियुक्त किये जाने पर श्री एम० एस० वर्मा ने 16-4-84 (अप०) को गोहाटी कैम्प में श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०) तेजपुर का कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रणा०-1/4(12)/84(37)→-उच्च श्रेणी लिपिक के पद पर प्रत्यावर्तन होने पर श्री एस० वी० चौधरी:II ने 17-4-84 (पूर्वाह्म) की श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०) तेजपुर कार्याक्षय का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० प्रणा०-1/4(12)/84(38)—मुख्य श्रमायुक्त (कें०) द्वारा इस संगठन में अस्थाई रूप से नियुक्त किये जाने पर श्रो वो० वी० पाण्डे ने 30-4-84 (अपराह्म) को नई दिल्ली मुख्यालय में श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०) का कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रणा०-1/4(12)/84(39)--स्थानांसरण होने पर श्री ए० बी० बसु ने 30-4-84 (पूर्वाह्न) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०), विरुली-II कायिलय का बितार्यभार छोड़ दिया श्रीर 30-4-84 (पूर्वाह्न) को मुख्य श्रमायुक्त (कें०) मुख्यालय में उसी हैसियत से कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रमा०-1/4(12)/84(40)--स्थानांतरण होने पर श्री एस० एन० पाण्डे ने 18-4-84 (अपराह्म) की श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०) बारबिल कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया श्रीर 3-5-84 (पूर्वाह्म) को उसी हैमियत से गोहाटी में कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रशा०-1/4(12)/84(41)--उच्च श्रेणः लिपिक के पद पर प्रत्यावर्तन होने पर श्रो के० नरायनन ने 3-4-84 (अपराह्म) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०) तिरची कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० प्रणा०-1/4(12)/84(42)-- मुख्य श्रमायुक्त (कें०) द्वारा इस संगठन में अस्थाई रूप से नियुक्त किये जाने पर श्रो ज्ञानेन्द्र सिंह ने 23-4-84 (पूर्वाह्न) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०) बम्बई कार्यालय का कार्यभार संभाल लिया।

र्सं० प्रणा० 1/4(12)/84(43)--सहायक श्रमायुक्त (कैं०) के पद पर नियुक्त किये जाने पर श्रीः एल० एन० पाठक ने 24-4-84 (अपराह्म) को श्रम प्रवर्तन अधिकार्गः (कैं०), धनवाद कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० प्रशा०-1/4(12)/84(44)--मुख्य श्रमायुक्त (कें०) द्वारा इस संगठन में अस्थाई रूप से नियुक्त किये जाने पर श्रो एम० जगसाथ राव ने 26-4-84 (पूर्वाह्म) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०) हैदराबाद कार्यालय का कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रणा०-1/4(12)/84(45)---मुख्य श्रमायुक्त (कें०) द्वारा इस संगठन में अस्थाई रूप से नियुक्त किये जाने पर श्री एस० कें० झा ने 30-4-84 (पूर्याह्न) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०), धनबाद कार्यालय का कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रशा०-1/4(12)/84(46)---सहायक श्रमायुक्त (कें०) के पद पर नियुक्त किये जाने पर श्री बीं० एस० दुगल ने 30-4-84 (पूर्वाह्म) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०), चिरीमिरी कार्यालय का कार्यभार छोड दिया।

सं० प्रशा०--1/4(12)/84(47)---सेवा निवृत्ति की आयु प्राप्त होने पर श्री सी० आर० साहा ने 30-4-84 (अपराह्म) की श्रम प्रवर्तन अधिकारी (की०) कलकत्ता कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया।

प्रशा०-1/4(12)/84(48)---मुख्य श्रमायुक्त (कें०) धारा इस संगठन में अस्याई रूप से नियुक्त किये जाने पर श्री एल० जै० बबाड़े ने 3-5-84 (पूर्वाह्म) को बंगलीर कैम्प में श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०) मंगलीर का कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रशा०-1/4(12)/84(49)--मुख्य श्रमायुक्त (कें०) द्वारा इस संगठन में अस्थाई रूप में नियुक्त किय जाने पर श्री अमरकांत ने 2-5-84 (पूर्वाह्म) की श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०) चण्डीगढ़ कार्यालय का कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रशा०-1/4(12)/84(50)---मुख्य श्रमायुक्त (कें) द्वारा इस संगठन में अस्थाई तौर पर नियुक्त किये जाने पर श्री रूपचन्द ने 2-5-84 (पूर्वाह्म) को चण्डीगढ़ कैम्प में श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०), शिमला कार्यालय का कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रशा०-1/4(12)/84(51)---मुख्य श्रमायुक्त (कें०) द्वारा इस संगठन में अस्थाई रूप से नियुक्त किये जाने पर श्री ए० कें० कपूर ने 30-4-84 (पूर्वाह्म) को कानपुर कैंग्प मे श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०) दिल्ली कार्यालय का कार्यभार संभाल लिया।

सं ० प्रभा०-1/4(12)/84(52)—स्थानांतरण होने पर श्री मनोहर लाल ने 30-4-84 (अपरास्त्र) को श्रम-प्रवर्तन अधिकार. (कें०), चण्डीगढ़ कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया और 11-5-84 (पूर्वाह्र) को उसी हैमियम से देहरादून में कार्यभार संमाल लिया।

सं० प्रणा०-1/4(12)/84 (53)—- उच्च श्रेणी लिपिक के पद पर प्रत्यावर्तन होने पर श्री एन० मरिअप्पा ने 4-5-84 (अपराह्म) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०) म्द्रास कार्यालय का कार्यभाग छोड दिया ।

सं० प्रशा०-1/4 (12)/84 (54) मुख्य श्रमायुक्त (कें०) द्वारा इस संगठम में श्रस्थाई घप से नियुक्त किए जाने पर श्री एस० सरोज कुमार ने 7+5-84 (पूर्वाह्म) को श्रम प्रवर्तन श्रधिकारी (कें०) मद्रास कार्यालय का कार्यभार संभास लिया।

सं ० प्रणा०-1/4(12)/84(55) -- उच्च श्रेणी लिपिक के पद पर प्रत्यावर्तन होने पर श्री गेख बसीर अहमद ने 28-5-84 (पूर्वाह्म) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०), मंचेरियल कार्यालय का कार्यभार छोड़ विया ।

सं ० प्रशा०-1/4(12)/84(56) - मुख्य श्रमायुक्न (कं०) द्वारा इस मंगठन में अस्थाई रूप में नियुक्त किये जाने पर श्री एम० शिवरामा ज्याने 28-5-84 (पूर्वाह्म) को हैवराबाद में श्रम प्रवर्तन अधिकारी (के०), मंबेरियस कार्यानय का वार्यभार संभास लिया।

सं ०प्रशा०-1/4(12)/84(57)---सेवा निवृत्ति का आयु प्राप्त होने पर श्री आर०वी० पोवले ने 31-5-84 (अपराह्म) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०),-1, बम्बई कार्यालय का कार्य-भार छोड़ दिया।

म' ०प्रणा०- 1/4(12)/84(58) --- उच्च श्रेणी लिपिक के पद पर प्रत्यावर्तन होने के पर श्रीपी०एन० द्विवेदी ने 27-4-84 (अपराह्म) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (के०), अगरतल्ला कार्या-लय का कार्यभार छोड़ दिया।

> एम० एल० मेहता प्रशासन अधिकारी

वाणिज्य मंत्रालय (वस्त्र विभाग)

पटसन श्रायुक्त का कार्यालय

कलकत्ता, दिनांक 17 प्रगस्त 1984

सं० पटसन (प्र०)/147/58-वा०-V—पटसन भ्रायुक्त ने श्री कल्याण कुमार वास (निरिक्षक तकनीकी) श्रेणी-1 को इस कार्यालय में सहायक निदेशक (पटसन प्रौद्योगिकी) वर्ग "ख" राजपित्रत के रूप में, रू०-650-30-740-35-810-द०-रो०-35-880-40-1000-द० रो०-1200/-के वेतनमान् पर स्थानापन्न सामर्थ पर पटसन भ्रायुक्त के कार्यालय में 12 दिसम्बर, 1983 (दोपहर के पूर्व) से नियुक्त किया है। जब-तक भ्रगला श्रादेश जारी नहीं किया जाता है।

सं० पटसन (प्र०)/147/58-वा० V---पटसन प्रायुक्त ने श्री विलिप कुमार वता, सहायक निवेशक (पटसन प्रौद्यो-गिकी) को इस कार्यालय में सहायक निवेशक (पटसन विनि-मिण) वर्ग "क" राजपित के रूप में, ६० 700-40-900-६० रो०-40-1100-50-1300/- के वेतनमान पर स्थाना-पन्न सामर्थ पर पटसन ग्रायुक्त के कार्यालय में 12 दिसम्बर, 1983 (वोपहर के पूर्व) से नियुक्त किया है। जब तक ग्रगला श्रादेश जारी नहीं किया जाता है।

डी० के० गोस्वामी कार्यपालिका ग्रधिकारी कृते पटसन ग्रायुक्त

उद्योग मंत्रालय विकास भ्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई विल्ली, विनांक 28 भ्रगस्त 1984

सं 1(38)/2-83-उ०वि०का० — भारत सरकार,इसके इारा भारतीय प्रबन्ध संस्थान, अहमवाबाद के भूतपूर्व प्रोफेसर श्री एष०एन० पाठक को, विद्यमान सदस्यों के अलावा, राष्ट्रीय उद्यमिता विकास बोर्ड का सदस्य तरकाल से नियुक्त करती है। उनकी यह सदस्यता, बोर्ड की वर्तमान अविधि तक के लिए है।

एस०के० पुरकायस्थ उपनिदेशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रशासन प्रनुभाग-1)

नई विल्ली, विनांक 10 ग्रगस्त 1984

सं प्राची/2(440) — निरोक्षण निवेशक, बम्बई के कार्यालय के प्रधीक्षक श्री पी०सी० वर्गीज को विनांक 2-7-1984 के पूर्वाह्म से सहायक निवेशक (प्रशा०)(ग्रेड-II) श्री ई०ग्राई० देवासी की ग्रवकाश रिक्ति में उसी कार्यालय

में पूर्णतः तदर्थ श्राधार परं स्थाापम साहयक निदेशक (प्रशा०) (ग्रेड-II) के पद पर नियुक्त किया जातः है। दिनाक 13 ग्रगस्त 1984

सं० प्र-1/1(1189)—-राष्ट्रशंति, पूर्ति तथा निषटान महानिदेशालय के वरिष्ट प्राधिक प्रत्वेषक नर्वश्रा आर०सा० गर्ग ग्रीर एन० राय को दिनाक 27-7-1984 के पूर्वाक्ष से 2 महीने की प्रविध के लिये प्रथवा निर्यागत प्रधार पर ग्रिधकारियों के उत्तब्ध हो जाने तक इनमें से जो भी पहले हो, इसी महानिदेशालय में पूर्णत तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न सहायक निदेशक (साख्यिको) (भारतीय सांख्यिकीय सेवा के ग्रेड-1V) के पद पर नियुक्त करते हैं।

राजनीर सिह उप निर्देशक (प्रशासन)

इम्पात श्रीर खान मंत्रालय (इस्पात विभाग) लोहा श्रीर इस्पात नियत्नण

कलकसा, दिनाक 14 श्रगस्त 1984

स० ई०I-2(3)/75(0) — प्रधोहस्ताक्षण्कर्ता एतद्-द्वारा श्री कार्तिक दत्त, प्रधीक्षक को 13-8-1984 (पूर्वाह्म) से रथानापन्न रूप मे ग्रवकाण रिक्ति के स्थान पर सहायक लोहा श्रीर इस्पात नियंत्रक के पद पर श्रगल श्रादण तक तदर्थ श्राधार पर नियुक्त करते हैं।

> दीपक कुमार घोष लोहा श्रीर इस्पात नियंत्रक

(खान विभाग) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनाक 1981

स० 5650-बी०/ए-19012 (प्रस भ्रापरेटर-एस० भ्रार०)/75-19ए०--भारतीय भूषैज्ञानिक सबक्षण के प्रस भ्रापरेटर श्री सुजित राय ने प्रस भ्रापरेटर के पव का कार्यभार भारतीय भूषैज्ञानिक सर्वेक्षण मे 30-6-1983 के श्रपराह्त से स्वागपत्र पर छोड़ दिया।

ग्रमित कुमारी निदेशक (कार्मिक) **कृते** महानिदेशक भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण

नई विल्ली, 110011, विनाक 14 श्रगस्त 1984 स॰ 10/5/84-स्मारक ---प्राचीन संस्मारक, पुरात्स्वीय स्थल एव श्रवशेष नियमावर्ला, 1959 के नियम 6 के श्रधीन प्रदत्त प्रधिकारो का प्रयोग करते हुए, मैं, जगत पति जोखी, अपर महानिदेशक यह निदेश जारी करता हू कि पुरासत्वीय क्षेत्र लाल किला, विल्ली पर्यटको के लिए 14 प्रगस्त, 1984 को 12 00 बजे प्रपराह्म तक बद रहेगा।

जगत पति जोशी श्रपर महानिदेशक

राष्ट्रीय श्रिभिलेखागार

नई दिल्लो, दिनाक 16 श्रगस्त 1984

स० फा० 8-9-83-स्थापना --इस विभाग के दिनाक 14 जून की सम सख्यक श्रिधसूचना का श्रिधिक्रमण करने हुए, श्र्वं शूरवीर सिंह, श्रस्थायी सहायक रसायनक (ग्रेड-1) की 28 जून 1984 (पूर्विह्न) से, श्रगले श्रादेण होने तक, राष्ट्रीय श्राभिलेखागार, भोषाल में 650-30-740-35-810-द०-रो०35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 भ्यये के वेतनमान से स्थानायन रूप से, वैज्ञानिक श्रिधकारी के पद पर नियुक्ति की जाती है।

शो शूरवीर सिंह का वैज्ञानिक श्रूष्टिकारी के पद पर, राष्ट्रीय श्रिभलखागार भोपाल में यह नियुक्ति उनसे वरिष्ठ श्रिष्टिकारी श्री बी०एल० राजदान, स्थायी सहायक रसानज्ञ ग्रड--1 जो इस समय श्रोमान सल्तनत मसफट, में प्रतिनियुक्ति पर है, के स विभाग में बैज्ञानिक श्रिष्टिकारी के पद के हक के प्रति बिना किसा भद भाव के की गई है।

> राजेश परती श्रभिलेख निदेशक

श्राकाणवार्ण। महा-निद्यशालय

नई विल्ली, दिनाक 23 जुलाई 1984

स० 17-7-84-एस०चार—जदोक्षति होने पर निम्न-लिखित वर्षर्ष्ठ इंजीनियरी सहायको ने प्रत्येक के नाम के ग्रागे लिखी तारीख से विभिन्न प्राकाणवाणी/दूरदर्णन केन्द्रो पर तदर्थ ग्राधार पर सहायक इजोनियर के पद का कार्यभार सभाल लिया है:—

क्रम स∘	नाम	केन्द्र	कार्यभार ग्रहण करने की तारीख
1	2	3	4
₹.	ो सी'० दयानन्व ड्डी ो गजेन्द्र मिह	एल०पी०टी०वी०, निजामाबाद एल०पी०टी०वी०, श्री गंगानगर	25-4-84 (पूर्वाह्न) 30-4-84 (पूर्वाह्न)

(1) (2)	(3)	(4)
3. श्री सी०के० दास	मुख्य अभियंता (पूर्वी क्षेत्र) श्राकाशवाणी, कलकत्ता	18-5-84 (पूर्वाह्न)
4. श्री जै० एल०	एल ्पी ०टी०, करीमनगर	29-5-84 (पूर्वाह्न)
5. श्र्वी एन०ए० · । मिहकी	मुख्य ग्रभियंता, (उत्तरी क्षेत्र) ग्राकाणवाणी, दिल्ली	31-5-84 (पूर्वाह्म)
6. श्री श्रुषि राम	श्राकाशवाणी श्राकाशवाणी नजीबाबाद	6-6-84 (पूर्वाह्न)
7. श्री पी० मजुमदार	यू०डीं०के०, नई दिल्ली	7-6-84 (पूर्वाह्म)
8 श्री भ्रार०एम० सय	मुख्य भ्रभियंता (उत्तरी क्षेत्र) स्राकाणवाणी, दिल्ली	6-6-84 (पूर्वाह्न)
9. श्री एन० कानन	मुख्य श्रिभियंता (दक्षिणी श्लेस) ग्राकाशवाणी, मद्राम	7-6-84 (पूर्वाह्न)
10. श्रं। सीव्पीव सिंह	ग्राकाणका, दिल्ली	1 1- 6- 8 4 (पूर्वाह्न)
11. श्री कें० नारायण	मुख्य भ्रभियंता (दक्षिणो क्षेत्र) ग्राकाणवाणो मद्रास	11-6-84 (पूर्वाह्न)
12. एस०के० सेनगुप्ता	त्राकाणवार्णी, ए जै ल	1 1- 6-8 4 (पूर्वाह्म)
13. श्री जी∘एस० पाटील	एल ०पी ०टी ०वी ०, एम ०सी० - बेलगाम	12-6-84 (भ्रप्तराह्न)
14. श्री पीं० पाडिया राज	एलज्पोज्टील, टाज्बील कुरनुल	1 6- 6-8 ± (पूर्वाह्म)
15. श्री एम ्प्रार ० भमबैक	दूरदर्शन केन्द्र, नई विल्ली	20-6-84 (पुर्वाह्म)
16. श्र ी ए०एस० नूर	श्राकाणवार्णः, नई दिल्ली	20-6-84 (पूर्वाह्न)
17. श्री एस० बालान	एस०पी०टी०वी०, गदाग बेतगेरी	22-6-84 (पूर्वाह्न)
18. श्री वलदेव कस्तु रिया	मु <mark>ख्य प्रभियंता (श्रार</mark> एण्ड डीं) स्राकाणवाणी, नई दिल्ल	29-6-84 (पूर्वाह्न) गि
19. श्री एम०एल० यादव	ा एल०पी०वी०, जोधपुर 	27-6-84 (पूर्वाह्स)

दिनांक 2 ग्रगस्त 1984

सं० 3/61/83-एस-तीन/कार--पदोन्नति होने पर निम्न-लिखित अस्टिठ इंजीनियरी सहायकों ने प्रस्येक के नाम के आगे लिखी ताराख से विभिन्न धाकाणवाणी/दूरवर्णन केन्द्रों पर तदर्थ प्राधार पर सहायक इंजीनियर के पद का कार्यभार संभाल लिया है:--

	क्षेन्द्र	 कार्यभार
40 (0)	1	ग्रहण करने
		की तारीख
(1) श्री चगन	एम०सी०, दूरदर्शन	1 3- 6- 8 4
लाल गोयल	केन्द्र, भीलवाडा	(पूर्वाह्न)
(2) श्री मर्मापाल	श्राकाणवाणी, गोवां	30-4-84
		(पूर्वाह्न)
(3) श्री एम०ए०	टी०वी०ग्रार०सी०,	24-3-84
मोवक	पुणे	(पूर्वाह्म)
(4) श्री ब ि॰	टी०वी०श्रार०सी०,	7-5-84
पटनायक	भु बनेश्व र	(पूर्वाह्न)
(5) श्री ग्रार०के०	मुख्य अभियन्ता	10-4-84
नायर	(नार्थ जोन)	(पूर्वाह्न)
	श्राकाशवाणी, नई दिल्ल	र्वी ।
(६) श्री एल०ग्रार०	एल ०पी०टी०बी०	22-3-84
जयरामन्	एम०सी०, होसपत	(पूर्वाह्न)
(७) श्री प्रेम	एम०सी० नासिक	25-4-84
सादरनगनी		(पूर्वाह्म)
(৪) श्री बी०	म्राकाणवाणो, कुडप्पा	4-5-84
श्रोनिवासन		(पूर्वाह्न)
(9) श्रो गंगा	उच्च गक्ति प्रेषिस्न,	1 7- 4ৰ8 4
सिह	ग्राकाणवाणी, ग्रलीगहु	(पूर्वाह्न)
(10) श्री एस०सी०	दूरवर्शन केन्द्र,	25-1ब84
रैना	श्रीनगर	(पूर्वाह्म)
(11) श्री तोम कें०	टो व्योव्यारव्सीव,	21-3-84
· जोग	इम्फाल	(पूर्वाह्म)
(12) श्री ए०ग्रार०	एम०सी०, ग्रकोला	20-2-84
पोराणिक		(पूर्वाह्म)
		

मार्क्स एन० ईलियास प्रशासन उपनिदेशक (ई) **कृते** महानिदेशक

नई दिल्ली दिनांक ग्रगस्त 1984

सं० 4(58)/84-एस-एक — महानिदेशक, श्राकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री प्रसन्नजीत मोहन्ती को 650-30-740-35-810-द० रो० 35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 • रुपये के वेतनमान में, 27 जून, 1984 से श्रगले श्रादेशों नक, श्राकाशवाणी शिमला में, श्रम्थाई रूप में, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

विनाक 21 ग्रगस्त 1984

शं० ।(।०)/८४-एस-एक --महानिदेशक, श्राकाश-वार्णो, एतद्द्रारा श्रीमतं। एम० कृष्णा कुमारी, को 5 जुलाई, 1984 से अगले आदेश तक, 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000 द०रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में, आकाशवाणी, विजयवाड़ा में अस्थाई रूप में, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4(12)/84-एस-एक --महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री आई०आर० दवे को 650-30-740-35-810-व० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में, 26 जुलाई, 1984 से अगले आदेण तक, आकाशवाणी, अहमदाबाद में, अस्थाई रूप में, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4(53)/84-एस-एक — महानिदेशक, ग्राकाशवाणी एसवृतारा श्री कैलाश चन्द्र वर्मा को ग्राकाशवाणी, रोहतक में, 4 जुलाई, 1984 से ग्रगले ग्रादेशों तक 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर ग्रस्थाई रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 4(59)/84-एस--एक---महानिवेशक, आकाशवार्णा, एतदद्वद्वारा श्री बीं०सीं० सदर की 650-30-740-35-810-द०रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के बेतनमान में 12 जुलाई 1984 से अगले आदेश तक, आकाशवाणी, गुलबी में, अस्थाई रूप में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4(70)/84-एस-1 --महानिदेशकः, आकाशवाणीः एहाद्वारा श्री आनन्द बसन्तः राव पाटिल को 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रू० के वेहनमान में विज्ञापन प्रसारण सेवा आकाशवाणीः, बगन्तौर में 12 जुलाई 1984 में अगले आदेशों तकः, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थाई रूप से नियुक्त करते हैं।

हरी<mark>श चन्द्र</mark> जयाल प्र<mark>शासा उपनिदे</mark>ण र **कृत** महानिदेशक

नई विल्लो, दिनांक 17 अगस्त 1984

सं० 32/1/84-एस II--महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री बी०पी० पाठक, फील्ड रिपोर्टर, आकाशवाणी पूना को आकाशवाणी, नागपुर में दिनांक 27-7-84 (पूर्वान्त्र) से विस्तार अधिकारी के पद पर स्थानापन्न में नियुक्स करते हैं।

2. श्री पाठकने विस्तार अधिकारी का कार्यभार उसी दिन से ग्राकाशवाणी नागपुर में ग्रहण कर लिया ।

> मोहन फाँसिश उप निवेशक प्रशासन कुसे महानिदेशक

सूचना श्रीर प्रसारण मंद्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई, विनाम 30 जुलाई 1984

स०ए०-12026/1/84-ई-1 — श्री एन०बी०बी० चर्ले-पाथा, आवासिक लेखा पराक्षा अधिकारी, महालेखाकार का कार्यालय (लेखा परोक्षा) उद्योसा को फिल्म प्रभाग बम्बई में दिनांक 25 जुलाई 1984 के पूर्वाह्म से प्रतिनियुक्ति आधार पर लेखा अधिकारी के पद पर नियुक्त किया गया है।

दिनांक 9 अगस्त 1984

सं० 5/24/69-ई-1 ——विभागोय पदोन्नति समिति की सिफाण्शों से सक्षम अधिकारी एनद्वारा फिल्म प्रभाग बस्बई के श्री डी॰टो॰ रोकडे, स्थायो नैकग्राउण्ड आर्टिस्ट को उसी कार्यालय में स्थानापन्न ले-आऊट आर्टिस्ट के पद पर विनांक 3 जुलाई 1984 के पूर्वाह्म में नियुक्त करते हैं [वे रु॰ 650-30-740-35-810 द०रो॰ 35-880-40-1000 द०रो॰ 40-1200 के वेतनमान पर रु॰ 960/- प्रतिमाह वेतन पायेंगे।

सं० ए०-19012/1/82-ई-I—श्री बेजनाथ स्थानापन्न, कैमरामैन फिल्म प्रभाग, नई दिल्ला को दिनाक 23 जुलाई 1984 के पूर्वाहन से अगला आदेश होने तक, रू० 840-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में ६० 840/-प्रतिमाह पर फिल्म प्रभाग के श्रीनगर केन्द्र पर स्थानापन्न समाचार चित्र अधिकारी के पद पर सवर्थ आधार पर नियुक्त किया गया है।

सं० ए०-19012/1/82-ई-1—श्री सुंदर सिंह, स्था-नापन्न, कैंसरामैन, फिल्म प्रभाग, नई दिल्ली को दिनांक 5 अगस्त 1984 के पूर्वाह्न मे अगला आदेश होने तक, रु० 840-40-1000-द०रो०40-1200 के वेसनमान में रु० विश्वास केंग्र पर 840/— प्रतिमाह पर फिल्म प्रभाग के चन्छीगढ़ केंग्र पर स्थानापन्न समाचार-चिन्न अधिकारी के पद पर हदर्थ आधार पर नियुक्त किया गया है।

> नरेन्द्रनाथ शर्मा प्रशासकीय अधिकारी कृते प्रशासन निवेशक

विज्ञापन भौर दृश्य प्रचार निवेशालय न**ई दिल्ली**-1, दिनौंक 31 जून 1984

सं० ए०-12011/6/82-प्र०(ए०) — विकापन और दृश्य प्रचार निदेशक निम्नसिखित प्रदर्शनी सहायकी को उनके नामों के सामने दिखाए गए स्थानों पर व निम्न तारीखों से तवर्ष आधार पर अस्थाई रूप मे इस निदेशालय में क्षेत्रीय प्रदर्शनीः अधिकारी नियुक्त करने हैं :---

क्रमण्यं नाम स्था	ग नहीं से	भाग वहाँ प	<u> </u>
1. श्रो एन० बैकटरमनस	'पा बंगलूर	मद्रास	23 1-84
2 श्रीदाना राम	शिमन्त्रा	हैदराबाद	30-4-81
3 श्री स्वपन			
कुमार रे	अगरतल्ला	कलकता	2-5-81
4. श्री टेक चन्द्र	नई विल्ली	लखनऊ	17-4-84
 श्री संजीव गांगुली 	नई दिल्ली	इटानगर	9-5-84
6. श्री एस० सो० भम्भ	ानो लखनऊ	जवलपुर	4-5-81
7. श्री धयाल भटनागर	नई दिल्लो	नई दिल्लो	10-4-84

जा० पी० भट्टो उपनिदेशक (प्रशासन) **कृते** विज्ञापन भ्रौर दृश्य प्रचार निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेणालय

नई दिल्ला, दिनाक अगस्त 1984

सं० ए०-12020/2/80-प्रशासन-1(एन) --स्वाम्थ्य सेवा महानिदेशक े ने कुमारो आर०बो० पोर को 12 मार्च, 1984 पूर्वाह्न से नियमित-अस्थायी आधार पर लेडी रीडिंग हैस्य स्कूल, दिल्ली मे अधीक्षक के पद पर नियुक्त कर दिया है।

टो० एस० राव उप निदेशक प्रशासन (मो०जी०एच०एस०-1)

नई दिल्ली, दिनांक 16 अगस्त 1981

सं०ए.०-12025/7/83-(ए०आई०आई० एच० एंड०पी० एच०)/पो०एच० (सी०डी.०एड०एल०) --मेवा-तिवृत्ति की आयु हो जाने के फलस्वरूप, इस निवेषालय के अधीन अखिल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान एव जन स्वास्थ्य सस्थान, फ्लकत्ता, के प्रोफेसर आफ सेनिटरी इजीतियरी श्री एम० सुबाराव 30 जून, 1984, अपराह्म में भरकारी रीवा में रिटायर हो गए।

दिनांक 21 अगस्त 1984

मं० ए० 12025/8/82 (मी०आर०आई०) प्रणासन-1/ई०पो०आई०--राष्ट्रपति ने श्री रोमेण चन्द्र को 16 मार्च 1984 की पूर्वाह्म मे आगामी आदेशों तक केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान, कसौलों में उप सहायक निदेशक (नॉन मैंडियन्त) के पद पर अस्थायों आधार पर नियुक्त किया है।

संख्या ए० 12025/8/82-(सी० आर० ग्राई०)प्रशापत-1/ई० पो० ग्राई०--राष्ट्रपति ने श्रो दिनेंश कुमार को 19 जून 1984 को पृबक्ति से आगानी आदेंशीं तक केन्द्रोय अनुसंधान संस्थान कसौला में उप सह यक निदेशक नॉन मेडिकल के पद पर प्रस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

> नारायण सिह उप निदेशक प्रशासन (एन०)

ग्रामीण विकास मद्यालय विषणन एवं निरीक्षण निदेशास्त्रय फरोदाबाद दिनौंस 16 अगस्त 1984

स०ए०-19025/17/84-प्र०-III-संघ लोक सेवा अधिग को संस्तुतियों के अनुसार कृषि विपणन सलाहकार, भारत सरकार द्वारा श्री एम० एन० रामाचन्द्रन को इस निदेशालय के अधीन फरीदाबाद में दिनांक 30-7-84 (पूर्वाह्र) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग 1) के रूप में नियुक्त किया गया है।

जे० कृष्णा निदेशक प्रशासन कृते कृषि विपणन सलाहकार

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400085, विनाम 7 अगस्त 1984

म० पीए/80(10)/82-आर-III—नियंत्रक, भाभा परमाण अनुसंधान केन्द्र के स्थायी सहायक सुरक्षा अधिकारी तथा स्थानापन्न सहायक सुरक्षा अधिकारी तथा स्थानापन्न सहायक सुरक्षा अधिकारी (एस जी) श्री तिलक राज होडा को 1 जुलाई 1984 पूर्वाह्न में आगामी आदेण जारी होने तक इसी अनुसधान केन्द्र में सुरक्षा अधिकारी पद पर स्थानापन्न रूप में नियक्त करते हैं।

दिनाक 9 अगस्त 1984

स० पं.ए/80(10) 82-आर०-III---नियन्नक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थायो सहायक सुरक्षा अधिकारो तथा स्थानापन्न सहायक सुरक्षा अधिकारी (एस० जी०) श्री एस एच महासुलकर को 1 अगस्त 1984 पूर्वान्द्र से आगामी आवेण होने तक इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न सुरक्षा अधिकारी नियुक्त करने हैं।

बो०सी० पाल उप-स्थापना अधिकारी

परमाण् ऊर्जा विभाग

नरौरा परमाण विद्यत परियोजन।

ब्लन्दशहर--202 389. दिनांक 18 अगस्त 1984

मं० न०प०वि०प०/भर्ती/12(3)/84 एम/7138 ----पियोजनाः निदेशकः, नरौरा परमाण् विद्युत परियोजनाः, स्थानापन्न
सहायकः सुरक्षा अधिकारोः श्रां विजय पाल मिह को दिनांकः
20-06-1984 के पूर्वाह्न से अग्रिम आदेणों तक के लिए
नरोरा परमाण् विद्युत् परियोजना में रू० 650-30-74035-880-द० रो०-40-960 के वेतनमान में तदर्थ आधार
पर स्थानापन्न सुरक्षा अधिकारों के पद पर नियुक्त करने
हैं।

आर०के० बाली प्रशासन अधिकारी

कय ग्रौर भंडार निवेणालय बंबई, दिनाक 10 अगस्त 1984

स० डीपीएस/41/1/83-प्रणा०/21491 — परमाणु ऊर्जा विभाग, ऋष श्रीर भड़ार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी ऋष सहायक श्री के अन्वरूपण नायर की इसी निदेशालय में दिनांक 6-6-84 (पूर्वाह्म) से 27-7-84 (अपराह्म) तक रुपये 650-30-740-35-810-द रो०-35-880-40 -1000 -द० रो०-40-1200 के वेतनमान में सहायक ऋष अधिकारी के पद पर नवर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में नियक्त किया है। यह नियुक्ति सहायक ऋष अधिकारी श्री आई० राम-कृष्णन के स्थान पर को गई है जिन्हें उक्त अवधि के लिए छुट्टी प्रदान की गई है।

पो० गोपालन प्रमासन अधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नयी दिल्ली, दिनांक 13 अगस्त 1984

मं०ए० 32014/2/83-ई०सो० — महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित मंधार सहायकों को, जो इस समय सहायक संघार अधिकारी के पद पर तदथ आधार पर कार्य कर रहे हैं; दिनांक 31 दिसम्बर, 1983 में तथा अन्य आदेश होने तक सहायक संघार अधिकारी के ग्रेंड में नियमित आधार पर नियक्त किया है —

ऋम सं० नाम

- 1 श्रो बोर्ग्गेर विश्वास
- 2. श्री जी० टाइटम
- 3. श्री सी०आर० कट्टी

भ्रो०पी० अग्रवाल सहायक निदेशक प्रशासन नई विल्ला, दिनांक 14 अगस्त 1984

संबंधित 32014-184-ईब्स्सिंब - सहानिदेशक, नागर विमानन ने निम्नलिखित अबोक्षां का उनके नाम के सामने दा गई नारोख से छ मास को अविध के लिए धीर नोचे लिए गए-रोणन पर, कब 650-30-740-35-810-द्वव रोज-35-880-40-1000 दव रोज-10-1200 के नेननभान में स्थानापन्न रूप में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है:→

क्रम नाम प्रशासिनक प्रशासिनक अधिकारी अधिकारी (तदर्थ) के फद (तदर्थ) के रूप पर नियुक्ति को रूप में तैनातो तारीख स्टेशन

- । श्रो एम० डी० शर्मा 5-7-84 क्षेजीय निदेशक दिल्ली का कार्यालय।
- 2 श्री एम० एल० भसीन 14-6-84 यथोपरि
- 3 श्री एस० के० साहा 29-6-84 क्षेत्रीय निदेशक मद्रास का कार्यालय ।

वि० भौमिक सहायक निदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, विनाक 13 अगस्त 1984

सं० 1/158/84-स्था० — विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एतदद्वारा वि०सं०मे०, मुख्य कार्यालय, बम्बई के स्थानापन्न अधीक्षक, श्री पो०आर०जी० मेनन को 30 जुलाई, 1984 के पूर्वाह्म से आगामी आदेश तक उसी कार्यात्रय में स्थानापन्त रूप में महायण प्रशासन अधि-कारी नियुक्त करते हैं।

> र० का० ठक्कर उप निदेशक (प्रमा०) **कृते** महानिदेशक

निरोक्षण एव लेखा परोक्षा निदेशालय मामा गुल्क व केन्द्रोय उत्पादन गुल्क नई दिल्ली, दिनांक 18 अगम्न 1984

स० 9/84 — वित मतालय, राजर विभाग के दितार 20-7-84 के पत्र फार्ल्स ए० 60011/10/84 प्रगा11 ख तथा निदेशालय के दिनार 31-7-84 के समतं का का खोदेश के अनुसरण में, श्री आरंक्स गुप्ता, निरक्षण अधिकारों ग्रुप "ख" (सेवा निवृत्त) ने इस निदेशालय में एक वर्ष के तिए अपने पुनर्नियोजन पर, उमी ग्रेड में 1-8-84

(पूर्वाह्न) से निर्राक्षण अधिकार। ग्रुपं "ख" के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० 10/84 — नार्धक्य के कारण सेवा निवृत्त होने पर श्री आर० सी० गुप्ता ने. निर्राक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा शुल्क व केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, नयी दिल्ली, से दिनांक 31-7-84 (अपराह्म) में निर्राक्षण अधिकारी, ग्रुप "ख" के पद का कार्यभार स्थाग दिया।

ए०सी० सल्डाना निरीक्षण निदेशक

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण

नई दिल्ली-110066, दिनांक 10 अगस्त 1984

सं०-22/4/83-प्रशासन-1(ब०) — अध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण एतदद्वारा श्री एच०आर० मेहता, पर्यवेक्षक को केन्द्रीय विद्युत् इंजीनियरी (समूह "ख") सेवा के अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियन्ता के ग्रेड में केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में स्थानापन क्षमता में 12-7-1984 की पूर्वाह्र से अगले आदेशों तक नियुक्त करते हैं।

> बी० एम० लाल अवर मचिव कृते अध्यक्ष

निर्माण श्रौर आवास नंत्रालय संपदा निदेशालय

नई दिल्ली दिनांक अगस्त 1984

सं०ए० 12033/1/76-प्रशा० "ख" — राष्ट्रपति संपदा निवेशालय में स्थायो संपदा सहायक निदेशक (लेखा) श्री ए०पी० वहल को 13 जुलाई, 1984 (अपराह्न) मे अगले आवेश तक संपदा निदेशालय में नियमित आधार पर संपदा उप निदेशक (किराया) के रूप में नियक्त करते हैं।

वीना **अ**ह्या संपदा उप निदेशक (स्थापना)

पूर्ति मंत्रालय

राष्ट्रीय परीक्षण गृह, अलीपुर

कलकत्ता-27, दिनाक 16 अगस्त 1984

म० जा-318/ए०—-महानिदेशक. राष्ट्रस्य परक्षण गृह, कलकत्ता श्रो एम०के० देव, सहायक, पूर्ति विभाग, केन्द्रस्य सचिवालय सेवा, को राष्ट्रीय परोक्षण गृह, के बम्बई शाखा 3---226 GI|84 में सहायक निदेशक (प्रशासन) श्रेणी-II के रूप मे नियुक्त करते हैं जो कि 11-6-1984 (पूर्वाह्म) से कार्यकर होगा।

> जो० सी० **दास** सहायक निदेशक (प्रशासन) **कृते** महानिदेशक, राज्यज्युठ, कलकत्ता

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंद्रालय
(कम्पनी कार्य विभाग)
कम्पनी विधि बोर्ड
कम्पनी के रिजस्ट्रार का कार्यालय
कम्पनी श्रधिनियम 1956 और दि रिटिज होटल
मद्रास लिमिटेड के विषय में
मद्रास, दिनाँक 4 अगस्त 1984

सं० 2267/560(3)/84—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद-बारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर दि रिटस्होटलस् (भव्रास) लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा भ्रीर उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

> (ह०) अपठनीय कम्पनियों का सहायक रजिस्टार तमिलनाडु

कम्पर्ना अधिनियम, 1956 के मामले में एवं मैं० मार्श्वल फायनेन्स प्रायबंट लि० के विषय में।

ग्त्रालियर, दिनांक 8 अगस्त 1984

सं० 1119/पिश्यासः /सिश्यीः / 3804 — कम्पनी अधि-नियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के अन्तर्गत एतद्दारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन के दिनांक से तीन मास की समाप्ति पर, मैं० मार्खल फायनेन्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम, यदि इसके विरुद्ध कोई कारण न दर्शाया गया तो, रजिस्टर में काट दिया जायगा एवं कथित कम्पनी समाप्त हो जायगी।

> मुधामोय करमाकर कम्पना र्राजस्ट्रार मध्य प्रदेश

कम्पनी अधिनियम 1956 ग्रौर अलिम प्रेस एंड प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय ।

कलकत्ता, दिनांक 13 अगस्त 1984

 बारा यह सूचना दें जातः है कि इस नारंख से तान मास के अववसा पर अलिस प्रेस एंड प्रिन्टर्स प्राईवेट लिभिटेड का नाम इसके प्रक्तिल हारण वर्णन न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पने विघटिन एर दें। जायगा ।

रूम्पनः अधिनियम 1956 ग्रीर टेकनोक्राफ्ट पढिलकेणन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकता, दिनाक 13 अगस्त 1984

मं० 28848/560(3)—-कम्पनः अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्-द्वारा यह सूचना द। जाता है कि इस नारीख़ से तीन मास के ध्रवसान पर टेकनोकापट पब्लिकेणनस प्राहवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशत न किया गया तो रिजस्ट्रर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायर्गः।

कम्पनं। अधिनियम 1956 ग्रौर आचाटेस कनसल-टेन्स एंड सर्विसेस प्राईवट लिमिटड के विषय में ।

कलकत्ता, दिनांक 13 अगस्त 1984

सं० 30718/560(5) — कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्-द्वारा सूचना दी जाती है कि आचाटिस् कम्सलटैन्ट, एंड-सरविसेस प्राईवट लिमिटड का नाम आज रिजस्ट्रर से काट दिया गया है और उका कम्पनी विषटित हो गई है।

कम्पनीं अधिनियम 1956 श्रीर मिनि पम्पम एंड ईक्षियपमेन्टम प्राईवट लिमिटड के विषय में।

कलग्रला, दिनांक 13 अगस्त 1984

सं० 29197/560(5) — कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अन्सरण में एतदक्षारा सूचना दी जाता है कि मिनि पम्पस एंड ईक्विपमेन्ट्स प्राईबेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है ग्रीर उक्त कम्पनी विवटित हो गई है।

कम्पर्ने। अधिनियम 1956 स्रोर एसोसियेटेक णोटर एंड ्डेलेक्टिकल्प वर्क्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकता, दिनांक 13 अगस्त 1984

मं० 24447/560(5) ।---कम्पनं। अधिनियम, 1956 को धारा 560 का उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्-द्वारा सुचना दा जाता है कि एमोसियेटेड मोटर एंड ईलेट्रि- कल्स वक्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है प्रौर उक्त धम्पना विघटित हो गई है।

कम्पनः अधिनियम 1956 श्रीर प्रार्थेग विट एड सर्विम कम्पनः प्राईवेट लिमिटेड के विषय में। कलकता, दिनांक 13 अगस्त 1984

सं० 30377/560(5) — कम्पनो अधिनियम, 1956 को धारा 560 को उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्-द्वारा सूचना दो जाता है कि प्राईज चिट एंड सेविस कम्पनो प्राईवेट तिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 श्रीर एपेक्स सि फुड प्राइवेट लिभिटड के विषय में। कप हत्ता दिनाक 13 अगस्त 1984

सं० 30543/560(5) — कम्पना अधिनियम, 1956 का धारा 560 का उपधारा (5) के अनुसरण में एतवृद्धारा सूचना दा जाता है कि एपेक्स सि फुड प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है ग्रीर उक्त कम्पन। विघटिस हो गई है।

ए**च० यनर्जी** कम्पनियों का महायक रजिस्ट्रार पश्चिम बंगाल

कम्पनी अधिनियम 1956 और एयर कमप्रेसर नियुमाटिक दुलस् (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 13 अगस्त 1984

सं० 30300/560(5) — कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना वी जाती है कि एयर कमप्रेसर नियुमाटिक टुलस् (इंडिया) प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्ट्रर से काट दिया गया है और उकत कम्पनी विषटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और जनरल मेविंग्स एंड चिट फंडस् प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 13 अगस्त 1984

मं० 30193/560(5) - न्हम्पना अधितियम, 1956 को धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्-द्वारा सूचना वः जाती है कि जनरल सेविंग्स एंड चिट फंडस् प्राईवेड लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गई है। कम्पनी अधितियम 1956 और जोसेफ डारवार्टम एंड कम्पनी लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 13 अगस्त 1984

सं० 24972/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुभरण में एतद्-द्वारा सूचना दी जाती है कि जोसेफ डारवार्टस एंड कम्पनी लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटिन हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और टांगाईल उईमिकपोरंणन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 13 अगस्त 1984

सं० 25236/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुभरण में एएड्द्वारा सूचना दी जाती है कि टागाईल उईमिकपीरेशन प्राईवेट
लिमिटेड का नाम आज र्राजस्टर में काट दिया गया है और
उक्त कम्पनी विघटिस हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और जिउटेकिनिक (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड के विषय मे

कलकत्ता, दिनाक 13 अगस्त 1984

सं० 29348/560(5)— कम्पनो अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुभरण में एतद्-द्वारा सूचना दी जाती है कि जिउटेकिनक (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से एाट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधटित हो गई है।

कम्पर्नः। अधिनियमः 1956 और गोल्डेन स्लिपार क्लब लिमिटेड के विषय मे

कलकत्ता, दिनांक 13 अगस्त 1984

सं० 14306/560(5) ——कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपशारा (5) के अनुसरण में एसद्-द्वारा सूचना दी जाती है कि गोल्डेन स्लिपार क्लब लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रर से काट दिया गया है और उक्स कम्पनी विषटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और कन्टाई मोटर वकर्स द्रासपोर्ट एड ईन्डस्ट्रीज लिभिटेड के विषय मे

कलकत्ता, दिनांक 13 अगस्त 1984

सं० 21599/560(5) —कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्-बारा सूचना दो जाती है कि कन्टाई मोटर वकर्स ट्रान्सपोर्ट एंड इन्डस्ट्रीज निमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है। नगानी अधिनियम 1956 और बीत एंड तन्त प्राह्मवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 13 अगस्त 1984

सं० 9044/560(5)---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण मे एएड्-ब्रास सूचना दी जाती है कि कीस एंड सन्स प्राईवेट निमिटेड का नाम आज रजिस्टर से छाट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और कम्शियल पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 13 अगस्त 1984

मं० 23425/560(5)---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्-द्वारा सूचना दीं जाती है कि कर्माणियल पब्लिशन प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और वोभिक फाईबर ग्नास प्लासटिक्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांकं 13 अगस्त 1984

सं० 27326/560(3) - - सम्पनां अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एटाइ-द्वारा यह मूचना दा जाती है कि इस नारीख से तीन माम के अवसर पर बोमिक फाईबर ग्लाम प्लासटिक्स प्राईबेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिश्ति न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

> एच० बनर्जी कम्पनियों का सहायक र्राजस्ट्रार, पश्चिम बंगाल

कम्पनी अधिनियम, 1956 और इलेक्ट्री केमीक्रम एण्ड इण्डस्ट्रीज लिभिटेड के विषय में

बंगलूर, दिनांक 16 अगस्त 1984

स० 2344/560/84-85—कम्पर्ना अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्-द्वारा यह सूचना दो जाती है कि इस दिनाक में तीर मास के अवसान पर इलेक्ट्रो केमीकल्स एण्ड इण्डस्ट्राज लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिश्वत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधिटत कर दी जाएगी।

> ह० अपठनीय कम्पनियों का रिस्ट्राय औध प्रकेश

कम्पनी अधिनियम 1956 और टेकनिकल एंड मनेजमेन्ट क्लसलटेन्स प्राईवेट लिमिटेड

कोचींन, दिनांक 17 अगस्त 1984

सं० 2798/लिक्क/560(3)/8732/84- — कम्पनी अधि-नियम 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के अनुसार एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन भास के अवसान पर टेकनीकल एन्ड मनेजमेन्ट कनसलटेन्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशित न किया गया तो रिजस्टर में काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 श्रीर एस पिच्<mark>यू</mark> अ्य्यर एन्ड सन्स प्राईवेट लिभिटेड के विषय में

कोचीन, दिनांक 17 अगस्त 1984

सं० 1034/लिक्क/560/(3) 8734/84—कम्पनी अधिनियम 1956 का धारा 560 का उप धारा (3) के अनुसार एतद्धारा यह सूचना दी जाती है कि इस नारीख मे तीन माम के अवसान पर एस पिच्चू अध्यर एन्ड सन्म प्राईवट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिगत न किया गर्या तो रिजस्टर मे काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटिन कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 श्रीर नक्षीमा ग्राफिक्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

सं 2627/लिक्क/560(3)/8736/84—कम्पनी अधि-नियम 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के अनु-सार ए द्द्वारा यह सूचना दो जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मझीमा प्राफिक्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशांत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विषटिन कर दी जायेगी।

> कम्पनो अधिनियम 1956 स्रौर अरूर इन्डस्ट्रीस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

> > कोर्कीन, दिनांक 17 अगस्त 1984

सं० 69/लिक्क/560(3)/8738/84--कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के अनुमार, एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख सेतीन मास के अवसान पर अरूर इण्डट्रींस प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशत न किया गया तो रिजन्टर से काट दिया जाएगा श्रोप उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

कम्पना अक्षिनियम 1956 श्रीर आरकोट लाबस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

कोबान, दिनांक 17 अगस्त 1984

स० 2809/लिक्क/560 (5)/8740/84—कम्पनी अधिनियम 1956 को धारा 560 का उप धारा (5) के अनुसार एतद्द्वारा सूचना दा जातो है कि आरकोट लाबस प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज कम्पनियो के रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनो अधिनियम 1956 श्रीर हिमा चिट्स एन्ड ट्रैड्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में कोचान, दिनाक 17 अगस्त 1984

सं० 2239/लिक्क/560(5)/8742/84—कम्मानी अधि-नियम 1956 की धारा 560 की उप धारा (5) के अनुसार एतद्द्वारा सूचना दी जाती है हिमा चिट्स एन्ड ट्रैड्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज कम्पनियों के रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

> कम्पनो अधिनियम 1956 स्त्रौर श्री विहार प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

> > कोचीन, दिनाक 17 अगस्त 1984 २८*०*/८५

म० 1953/लिक्क/560(5)/8759/84—कम्पनी अधि-नियम 1956 की धारा 560 की उप धारा (5) के अनुसार एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि श्री विहार प्राईवेट लिमिटेंड का नाम आज कम्पनियों के रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 ग्रीर चीरन एन्ड कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

कोचीन, दिनांक 17 अगस्त 1984

मं० 2802/िलक्क्न/560(5)/8757/84—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उप धारा (5) के

अनुसार एतइ द्वारा सूचना दी जाती है कि चंदिन एन्ड कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज कम्पनियों के रिजस्टर से काट दिया गया है ग्रीर उक्त कम्पने। विघटित हो गई है।

> कम्पनी अधिनियम 1956 श्रौर एम० पीरीस एण्ड कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

> > कोचीन, दिनांक 17 अगस्त 1984

सं० 726/लिक्क/560(3)/8728/84→कम्पनी अधि-नियम 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के अनु-सार एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर एम० पीरीस एण्ड कम्पनी प्राईवेट लिमिटेंड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिश्यत न किया गया तो रिजिस्टर से काट दिया जाएगा श्रौर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

> के० पंचापाकेशन कम्पनियों का रजिस्ट्रार, केरल

आयकर अर्पालीय अधिकरण

वम्बई-400020, दिनांक 10 अगस्त 1984

सं० एफ०-48-एडा (एटा) 1984-श्री एन० सा० चतुर्वेदो जो आयकर अपील अधिकरण, इलाहाबाद न्यायपीठ में स्थायी हिन्दी अनुवादक थे जिन्हें आयकर अपील अधिकरण दिल्ली न्यायपीठ, दिल्ली में 16 मई, 1984 से तीन महीने की कालावधि तक अस्थायी क्षमता में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में महायक रिजिस्तार के पढ पर कार्य करने रहने की अनुमति दी गयी थी। अधिसूचना सं० एफ० 48-एडी जुलाई 1984) लोक सेवा आयं चयन हो जाने पर उन्हें आयक त्यायपीठ, नई दिल्ली में अस्थायं 10 अगस्त, 1984 (पूर्वाह्न) से द०आ०-35-880-40-1000-द०

बे 10 अगस्त, 1984 से परिवोक्षाधीन रहेंगे।

पर अग्रेसर आदेश मिलने तक

नियुक्त किया जाता है।

विनांक 13 अग

सं० एफ० 48-एडी (एटी कुष्णन, स्थानापन्न अधीक्षक, बम्बई जो वर्तमान में सामा ए (नियंत्रण) अपीक्षीय प्रधिकर पद पर प्रतिनियुक्ति पर हैं, एफ प्रावधान के लिए यह प्रमाणित सामान्य श्रेणी के बाहर है, के में सहायक पंजीकार के पद पन्नति कोटा में मे) दिनांक 2 वेतनमान रू० 650-30-730-3 1000-द० अ०-40-1200 में है।

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आध्यकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के सधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रैंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 8 श्रगस्त 1984

निदेश मं० बल्लभगद/181/83-84----श्रतः मुझे श्रार० के० भगाना

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विख्याम करने का कारण है कि स्थावर सम्पस्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. में अधिक है

श्रौर जिसकी सं० शाप प्लाट नं० 576, टाईप-बी (35 व०ग०) है तथा जो नेहरू पार्क, फरीदाबाद में स्थित है (ग्रौच इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय बल्लभगढ़ में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख दिसम्बर 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंमें किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अवः, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्तः अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :--- (1) श्रीमती कर्म देवी पत्ती श्रां दिवान चन्द्र, मि० 2 म्०/93 बी, लाजपत नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जितेन्द्र कुमार पुत्र श्री शाम सुन्दर , मि० 3जी/73, एन०श्राई०टी०, फरीदाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविध या तत्नं बंधी अधिकत्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टांकरण: -- इसमे प्रय्क्त शब्दों और पर्दों का, जो उवत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा, जो उस अध्यय में दिया गया है।

वनसर्ची

मम्पत्ति शाप प्लाट नं० 576 टाईप थी (35 व०ग०) नेहरू पार्क, फरीदाबाद में स्थित है जिसका श्रिधिक विवरण रजिब्झीकर्ता के कार्यालय बल्लभगढ़ में, रजिस्ट्री संख्या 9999 दिनांक 9-12-83 पर दिया है।

> ग्नार०के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रैंज, रोह्रदक

तारीख 8 ग्रगस्त 1984 होहर 🛭 प्रारूप बाई.टी.एन.एम ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रैज, रोहतक

रोहतक, 8 श्रगस्त 1984

निदेश मं० बल्लभगत/182/83-84—-श्रतः मुझे श्रार० के० भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित याजार मूल्य 25,000/~ रा. से अधिक है

ध्रौर जिसकी सं० शाप प्लाट नं० 577 टाईप बी (35 व० ग०) है तथा जो नेहरू ग्राउंड, फरीदाबाद में स्थित है (ध्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुस्ची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय वल्लभगढ़ में रिजस्ट्री-करण श्रिधिनियम 1908 (1908का 16) के श्रिधीन तारीख़ दिसम्बर 1983

पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्रथमान प्रितिफ ल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफ ल से, एमे इश्यमान प्रतिफ ल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफ ल, निम्निविचत उद्दश्य स उक्त अन्तरण निचित्त में वास्तविक रूप से किथान नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के दायित्व में कमी फरने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और /या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आफ्लियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

कतः कव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) श्रामतो कर्भ देवी परनी श्री दिवान चन्द्र, नि० 2-ए/93 बी, लाजपत नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री भारत कुमार पुत्र श्री भाम सुन्दर, नि० 3जी/73, एन०ग्राई०टी०, फरीदाबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हित्यवध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकती।

स्वक्ष्टीकरण:--इसमें प्रमुक्त कब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

सम्पति शाप प्लाट नं० 577 टाईप बी. (35 व० ग०) नेहरू ग्राउंड, फरीदाबाद में स्थित है जिसका ग्राधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बल्लभगढ़ में, रजिस्ट्री मंख्या 10000 दिनांक 9-12-83 पर दिया है।

> श्चार०के० भयाना सञ्जम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रापुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रैंज, रोहतक

तारीख: 8-8-1984

प्ररूप आई. टी. एन, एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-व (1) का ग्रीन स्वना

भारत मरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्ष (निरोक्षणः, भ्रजेन रैंजः, रोहतक रोहतकः, दिनांक 8 श्रगस्त 1984 निदेश सं० बल्लभगढ़ं/185/83-84—-ग्रतः मुझे श्रार० के० भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका अचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

ग्रौर जिसको मं० प्लाट नं० 22, ब्लाक जे० (5000-व०ग०) है तथा जो डी०एल०एफ० माडल टाउन, मेक्टर नं० 10 (सिही) फरीदाबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबक्क अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्री-कर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बल्लभगढ़ में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन नारीख दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के बिए तय पाया गया प्रतिफल, किम्निसित उद्देश्य से उक्त अंतरण निवित में बास्तियक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ िक सी आय की बाबत, उथत अधि-नियम के बधीन कर दोने के जंतरक के बायिस्व में सभी करने या उससे वधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त औधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था. कियाने में सुविधा के जिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कों. मी., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ■ अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अधीत :—

- (1) श्री सुदो सिंह बल पुत लें० कर्नल राजेन्द्र सिंह, मंग्नें० 186-ऐं०, सेक्टर नं० 16 ऐं०, चन्डीगढ़ द्वारा लें० कर्नल राजेन्द्र सिंह पुत्र एस० लाल सिंह निवासी मकान नं० 186 ऐं०, सेक्टर नं० 16-ऐं, चन्डीगढ़ (यू०टी०)।
- (2) श्रीमती शकुन्तला गुप्ता पत्नी श्री जय प्रकाश गुप्ता, निवामी 118-ऐ०, श्रशुतोष मुकर्जी रोड, कलकसा।

(भ्रन्तरक)

(श्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्थोंगे।

स्यव्योकरण : --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इ¹, वहीं वर्ष होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

शनुसूची

सम्पति प्लांट नं० 22 ब्लाक जे, 500 व०ग०, डी० एल०एफ० माडल टाउन सेक्टर नं० 10 ((सिही) फरीदा-बाद में स्थिन है जिसका ब्रधिक विवरण रजिस्ट्रोकर्ता के कार्यालय, बल्लभगढ़ में, रजिस्ट्री मंख्या 10264 दिनांक 15-12-83 पर दिया है।

ग्रार० के० भयाना मक्षम प्राधिकारी गहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रैंज, रोहसक

तारीख: 8-8-1984

ब्रह्म बाह्र वी धन एस - ० = ----

नायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म ⁽1) के अभीन स्**म**ना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, रोहनक

रोहतक, दिनाक 8 श्रगस्त 1984

निदेश सं० बरुलभगढ/186/83-84----ग्रत मुझे, ग्राप० के० भयाना

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूख्य 25,000/-रुट में अधिक हैं

श्रीर जिसको न० प्लाट न० 19शी ब्लाफ जे, (500 व० ग०) है तथा जो डी०एल०एफ० मॉडल टाउन सेक्टर न० 10(ग्राम सिही) फरीदाबाद में स्थित है (ग्रीर इसमें उपा- बद्ध अनुसुकों में और पूर्ण स्था में विणत है) र्जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बस्लभगढ़ में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख दिसम्बर, 1983 को पूर्वोक्स सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य स कम के दर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापनीतत सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिश्वत में अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और जंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवन रूप में स्थित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिम्मिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के शिष्ट, और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के निए,

- (1) श्रीमतो पील बाला पत्नी
 ंग्य जगदाण अन्द्रा
 मकान नव 563,
 सेक्टर नव 22,
 हार्ऊसिंग बोर्ड कालोनी,
 फरीदाबाद,
 तहसील बल्लभगढ़ द्वारा
 श्री श्रीम प्रकाण ग्रोवर पुत्र श्री
 जेठा नन्द,
 निवासी मकान नंव 170,
 फमव्श्राईवजीव(बीव)
 सेक्टर नंव 10,
 हार्ऊसिंग बोर्ड,
 कालोनी,
- (2) श्री राशी भूषण गुप्ता पुत्र सर्वेश्री नत्थ्यू राम गुप्ता ,

निवासी 1823 नहीं बस्ती, रिवाडी (हरियाणा)।

(भ्रन्तरीती)

(ग्रन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यजाहिया श्रम करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन क सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप ---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्स व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा.
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिश्चित में किए जा सकोंगे।

स्थानिकरण: --- इसमें प्रवृक्त सन्तों और पर्दों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वनस्यी

सम्पत्ति प्लाट न० 19 बी ब्लाक जै० (500 व०ग०) ही बाल गण्फ माइलटाऊन सेक्टर न० 10 (ग्राम सिही) फर्रादाबाद में स्थित है जिसका ग्राधिक विकल्प रिजिस्ट्रोकर्ता के कार्यालय, बल्लभगढ में रिजिस्ट्री सख्या 10265 दिनाक 15-12-1983 पर दिया है।

> श्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजैन रेंज, रोहतक

तारीख: 8-8-1984

मोहर

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर नायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, रोहतक

रोहनक, दिनांक 8 ग्रगस्त 1984

निर्देश सं० बल्लभगढ/194/83-84--- प्रतः म्झे, प्रार०के० भयाना

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारों को पह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रहे. से अधिक ही

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 10-ए (881 व०ग०) है तथा जो डी॰एल॰एफ॰ इन्डिस्ट्रियल एस्टेट नं० 1, मेवला महा-राजपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय वल्लभगढ़ में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख विसम्बर 1983

को प्रांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मुफे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उराके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे हरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरेय से उक्त अन्तरण लिखित में बान्तियक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) दन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य मास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अच, उत्रतः अधिनियम की धारः 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिचित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) श्रोमती शीला ठाकुर पत्नी बसत्त ठाकुर, निवासी पो० 25. मालवीय नग्द्र, नई दिल्लो।

(ग्रन्तरक)

(2) मैससं गुप्ता कन्सट्टक्शन कं०, जो-3, दीपाली-92, नेहरू लोस, नई दिल्ली-110019।

(भ्रन्तरिती)

को यह सृष्यना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षंप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में तिया गया है।

जन्स्ची

सम्पति प्लाट नं० 10-ए, (881 व०ग०) डी॰एल० एफ० इन्डस्ट्रियल एस्टेट नं० 1, मेवला महाराजपुर में स्थित है जिसका श्रिधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बल्लभ-गढ़ में, रजिस्ट्री संख्या 10844 दिनाक 30-12-83 पर दिया है।

ग्रार०के० भयाना सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) गर्जन रेंज, रोहनक

तारोख : 8-8-1984 मोहर :

प्रकर वाद् . दी . एन् . एव् . -----

भारकर ग्रीभीनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के ग्रेभीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रजंन रेंज, रोहतक

राहतक, दिनाक 8 ग्रगस्त 1984

निदेण गं० वल्लभगढ़/197/83-84---प्रतः मुझे, ग्रार० के० भयाना

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सभाम प्राध्मिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० बंगला प्लाट नं० 3ई-20, का ग्राधा भाग है तथा जो एन०ग्राई०टो० फरोदाबाद में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची मे ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी के कार्यालय बल्लभगढ में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन तारीख दिसम्बर, 1983

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमाय प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिता (अन्तर्गित्या) अ बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया। प्रतिफल निम्नलिखित उद्दश्य में उक्त अन्तरण निम्नत में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आग की बायत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अकने में सुविधा का लिए, और रा
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अंश उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ः— (1) श्रीमती राम प्यारी चावला पत्नी डा० जी०एस० चावला, निवासी 37 पृथ्वी राज रोड, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सन्तोष हस पत्नी श्री जगदीश हंस , निवासी 3-जी-56, एन०श्राई०टी०, फरोदाबाद ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्द, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकनी।

स्पष्टीकरणः—इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क म परिभाषित है, वहीं अर्थ हांगा, जो उस अध्याय में दिशा क्या है।

अनुसूची

सम्पत्ति बंगला प्लाट नं० 3-ई-20 का आधा भाग एन०आई०टी० फरीदाबाद में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बस्लभगढ़ में, रिजस्ट्री संख्या 10864 दिनांक 30-12-83 पर दिया है।

> म्रार०के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, रोहतक

ता**रोखः : 8-8-198**4

मोहरू 🚁

प्रकथ बार्ड .टी एन एम ------

आयकर जीं पनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनाक 8 भगस्त 1984

भया सा

बायकर बिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी मं० भूमि 24 क० 21 म है तथा जो हिमार म स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप म वांगत है) राजिस्ट्रीकर्सा ग्राधिकारी के कार्यालय हिसार में राजिस्ट्रीकरण ग्राधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधान नारीख दिसम्बर, 1983

को पूर्वक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य में उक्त अन्तरण सिखित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है.---

- (क) जन्तरण सं शुर्ड किसी बाय की बाबत, उक्त किशिनियम के अधीन कार दोन के अन्तरक क दायित्व में कभी कारन या उससे बजन मा मृतिक्षा के जिए; जरि/बा
- (क) एमी किमी आय मा किमी धन मा अन्य आमितमा को किम्हां भागतीय वायकर अधिनियम, १९०७ (1920 का 11) या तकत अधिनियम, १९०७ कर विधिनयम, 1957 (1957 का 17) क प्रयोजनार्थ कररिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था की किमा भाग चाहिस था, किमाने में स्विधा के लिए,

अत अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के जनूसरण मृ, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-मक्की उपधारा (1) के संधीन, निम्निचित्र व्यक्तिया, अर्थात्.— (1) 1 श्री गुराया राम पुत्र
श्री में वा राम
2 श्री हिंग चन्द्र,
गिरधारी नाल,
कृष्ण कुमार पुत्राण
श्री गुराया राम,
निवासी बी—XVIII--430,
मौहल्ला डोगरान,
हिसार।

(भ्रन्तरक)

(2) वी महाबीर की-आपरिटय हाउस बिल्डिंग सोसायटो लि० हिसार द्वारा श्री राज नारायण चतुर्वेदी मकेट्री कम-कैणियर, श्री दलबीर सिंह फोगट (प्रेजीडैंट) 45, पटेल नगर, हिसार।

(म्रन्तरिता)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के स्थिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यवित्यों पर पूचना की तासीस से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित्र व्यक्तियों में य किसी व्यक्ति हुत,
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में ड्रिय-ब्रुप किसी जन्म स्थानत द्वारा जथोड्स्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकोंगे।

स्वक्कीकरण .— इसमें प्रयुक्त सन्दों और पनों का, जो उच्छ जीवनियम के जध्याय 20-कं में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस ज्ध्याय में दिका गया है।

मन्त्र्यी

सम्पति भूमि 24 क० 4 मरले हिसार मे स्थित है जिसका ग्रिक्षिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय हिसार मे रजिस्ट्री-सक्या 3648 दिनांक 12-12-83 पर दिया है।

> ग्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारा सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंग, रोहतक

भा*ीख 8-8-1984 मोहर प्रमूप आह. टी धून एस.-----

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज , रोहसक

रोहतक, दिनाक 9 अगस्त 1984

निवाश स हिसार/112/83-84---अत मूओ, आर के. भयाना, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निक्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-

रुपये से अधिक हैं और जिसकी सं दुकान नं 179 (ग्राउण्ड फ्लौर का पूर्वी भाग) है तथा जो न्यू ग्रेन सार्केंट, नहीं मण्डी, टाउनीशप हिसार में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रीजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हिसार में, रिजस्ट्रोकर्रा अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील दिस्स्बर, 1983

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐस किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय अधिकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-प्र अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

भत अन जुना अधिनियम की भारा १५० ग के जनुस्रण भ में प्रजन प्रधिनियन का धारा १५० प्रचारे स्प्रधारा (1) क अधीर, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती सानित्री दानी विधवा श्री इश्विर जन्द गाय व जिला गोरसपूर, त फतेहाबाद, जिला हिसार।

(अन्तरक)

(2) श्री मुन्या राम पुत्र श्री गिरधारी लाल गाव डाकखाना सहरवा तहसाल व जिला, हिसार।

(अन्तर्गिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहिया करता हुन्।

उक्त सपति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप :---

- (ख) इस सूचना क राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखिर में किए जा सकोंगे।

स्पट्छोक रणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ द्वोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अभूस्ची

सम्पत्ति बुकान नं० 179 (ग्राउन्ड फ्लोर का पूर्वी भाग) न्यू ग्रेन मार्केट, नई मन्डा टाउनशिप हिसार में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रोंकर्ता के कार्यालय, हिसार में रिजस्ट्रोंकरण मख्या 3593 दिनाक 8-12-83 पर दिया है।

> आर०के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

तार†ख 9~8—1984` मोहर:

जरूप बाइं.टी.एन.एस.-----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहनक, दिनांक 8 अगस्त 1984

निदश स० हिसार/120/83-84—अतः मुझे, आर०के० भयाना

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समंति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसका सं० दुकान नं० 179 (प्रथम मंजिल पूरा भाग व ग्राऊड फ्लोर का पश्चिमा भाग) है तथा जो न्यू ग्रेन मार्केट, हिसार में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्राँर पूर्ण क्ष्म से विणत है) रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय हिसार में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधान ताराख दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रितिफ ल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाम गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करन या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (का) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कों, में, उक्त अधिनियम कीं धारा 269-श की उपधारा (1) अके अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—- (1) श्रीमती सावित्नी देवा विधवा श्रा ईंग्वर चन्द्र अग्रवाल निवासो गोरखपुर, तहसील फतेहाबाद, जिला हिसार।

(अन्तरक)

(अन्तंरितो)

को यह सुभना जारो करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए दा सकोंगें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्ध्या

सम्पति बुकान नं 179 (प्रथम मंजिल का पूरा भाग व ग्राऊन्ड फ्लोर का पश्चिमों भाग) न्यू ग्रेन मार्केट हिसार में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रोकर्ता के कार्यालय, हिसार में, रजिस्स्ट्रो संख्या 3682, दिनांक 15-12-83 पर विया है।

आर०के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 8-8-84

मोहर 🛭

प्रख्य आहे. शी. एव. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहनक

रोहतक, दिनाक ७ अगस्त 1984

निदेश मं० हिमार/126/83-84--अतः मुझे, आर० के० भयाना

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

द्यौर जिसको सं० इन्डस्ट्रियल प्लाट नं० 45 क्षेत्रफल 60 फूट × 150 फूट है तथा जो इन्डस्ट्रियल डवलपमैन्ट कालोना, देहला रोड, हिमार में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबढ़ अनुसूचों में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रोकर्ना अधिकारों के कार्यालय हिसार में रजिस्ट्राकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीज दिसम्बर, 1983 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखन में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें अभने में भूविधा के निए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, स्त्रिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, नर्भातः— (1) सर्वे श्रो: राधा कृष्ण अग्रवाल पुत हरि राम, निवासो सामने शुणाला भवन, मन्ड। रोड़, हिसार।

(अन्तरक)

(2) श्री फूल चन्द पृष्ठ श्री कुन्दन लाल, मार्फत मै० हरियाणा नट बोल्ट इन्डस्ट्रीज, 45 इन्डस्ट्रियल उवलपमैन्ट कालोनी, हिसार।

(अन्तरितो)

चौ मह प्यना थारी करके पृत्रों कर सम्मिति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उसत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध मा कोड़ भी बाक्षोप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्थितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यांक्त स्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

वन्स्वी

सम्पति इन्डस्ट्रियल प्लाट नं० 45, इन्डस्ट्रियल खबलप-मैन्ट कालोनो देहलो रोड़ हिसार में स्थित है, जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रांकर्ता के कार्यालय हिसार में, रजिस्ट्री संख्या 3858 दिनांक 27-12-83 पर दिया है।

> आर०के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुवत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

नारोख ' 7-8-81 मोनाः

प्रस्थ मार्ड टी एन एस ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 8 अगस्त 1984

निवेश यं० मोनीपत/66/83-84 --अतः मुझो, आर० के० भयाना

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- 'उ में अधिक है

श्रौर जिसको सं० इन्डस्ट्रियल शेंड 170' × 150' व कृषि भूमि 9571 व०ग० (15 क० 16 म०) है तथा जो फिरोजपुर में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूचो में श्रौर पूर्ण रूप मे विणत है) रिजम्ट्रोकर्मा अधिकारों के कार्यालय सोनोपत में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर, 1983

को प्रवेक्ति सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल से पन्दृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पास गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कम से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अतरण में हाई किमी ब्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोनें के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपन अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाओं अनियम किया प्रधार नहीं किया गांग भा या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में सविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .——

(1) सर्वेश्री एम॰के॰ चौधरी-कृपाल सिंह चौधरी पुत्राण नथा सिंह ठाकुर सिंह पुत्र कर्म सिंह, मुरेन्द्र पाल'सिंह पुत्र गकर मिल
ग जा भग भित पुन

मन्तांख सिह पार्टनर

मैं० भारत नेणनल इन्डस्ट्रियल कार्पोरेशन,
बो-6,
मायापुरा,
फेज-II,
न्यू देहलो।

(अन्तरक्)

(2) मैं० कोरल केमिकलम प्रा० लि०. 1008, आकाशद्वीप बिल्डिंग, बारा खम्बा रोड, नई दिल्लो द्वारा श्रो विनय कुमार भ्वानिया डायरेक्टर।

(अन्तरिर्ता)

को यह स्चना जारी करके पर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशहिया करता हा ।

जन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कार्ड भी आक्षेप --

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की ग्रामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोकत राजिता में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्नाक्षरी के पास लिखित में किए आ सकींग।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त क्षत्रयों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्रुपा

सम्पति इन्डस्ट्रियल रोड एवम् भूमि 9571 व०ग० गांव फिरोजपुर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रोकर्ता के कार्यालय सोनीपत में, रजिस्ट्रो सम्ब्या 4596 दिनांक 13-12-83 पर दिया है!

> आर०के० भयाना सक्षम प्राधिकार्गः महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहरूक

तारीखा: 8-8-1984 -

प्ररूप आई. जी. एन. एस. -----

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 7 प्रगस्त 1984 निदेश सं० करनाल/84/83-84 — प्रत. मुझे, ग्रार०के० भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,006/- रा से विध्वत

ग्रीर जिसकी मं० दुकान नं 182 है तथा जो शास्त्री ग्रनाज मन्दी, करनाल में स्थित है (ग्रीन इसमें उपाबद्ध श्रनुसूत्री में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय करनाल में रिजस्ट्रीकरण ग्रेष्ठिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख दिसम्बर, 1983 को पर्योवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दुव्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्व्यमान प्रतिफल का प्रतिक

- (क) अन्तरण स हुई किसी आम को बाबत उपत अति-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उगमें बचने में मुविधा के लिए; और/मा
- (ख) एसी किसी आय या किसी अन या अत्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर आधीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अधिरती द्वार प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निर्मालिखिए व्यक्तियों, अर्थात्:—
5—226GI[84

 श्री ग्रनिल कुमार पुत्र श्री मन्त राम पुत्र श्री प्यारे लाल. नि० 1344, एम०सी०/2ई, खाव्रियन मौहल्ला, करनाल।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री द्वारका दास पुत श्री निरन्जन लाल पुत श्री सूरज मल, निवासी पून्डरक, तहसील श्रौर जिला करनाल।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुए।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध मो आई भी प्रवसंप ---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पुर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दिना स्वारा:
- (क) इस स्वता है राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रश्लेहम्नाक्षणी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमं प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उबत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, बही अर्थ जो उस अध्याय में दिया गवा है।

धन्स्ची

सम्पति दुकान नं० 182, णास्त्री श्रनाज मन्डी, करनाल में स्थित है जिसका ग्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, करनाल में, रजिस्ट्री संख्या 5012 दिनांक 9-12-82 पर दिया है।

> ग्रार०के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 7-- 8-- 1984

प्रकप बार्च. टी. एन. एस.-----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुघना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 10 श्रगस्त 1984

निदेश सं० जगाधरी/92/83-84 —अतः मुझे, ग्रार० के॰ मयाना

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० भूमि 4 करनाल है तथा जो 779-बी, लक्ष्मी गार्बन, यमुना नगर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता भिक्षकारी के कार्यालय जगाधरी में रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख दिसम्बर, 1983

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिकत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण सिकित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के सिए; और/या
- (व) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा खै सिए;

(1) श्रीमती सरिता रानी पत्नी श्री प्रजीत कुमार श्रीमती उमिला रानी पत्नी श्री दलीप कुमार, नि० 799-बी, लक्ष्मी गार्डन, यमुना नगर।

(ध्रन्तरक)

(2) श्री मान्ति सरूप पुत्र श्री मिवराम, निवासी मोन्ति निवास, रेलवे रोड, यमुना नगर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोकत सम्परिस के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उज्जत स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदौं का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पति भूमि 4 कनाल, 799—बी, लक्ष्मी गार्डन, यमुना नगर में स्थित हैं जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय जगाद्यरी में, रजिस्ट्री संख्या, 5590 दिनांक 29-12-83 पर दिया है।

> श्रार०के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

बतः जब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात :---

तारीख: 10-8-1984

प्ररूप माई. टी. एन. एस. - - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 10 भ्रगस्त 1984

निदेश सं० श्रम्बाला/80/83-84 — श्रतः मुझे, श्रार०के० भयाना

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विदेशास करने का कारण हो कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक ही

भौर जिसको सं० प्लाट नं० 11 बाका बलदेव नगर भ्रम्बाला गहर है तथा जो अम्बाला में स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय भ्रम्बाला में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख दिसम्बर 1983 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करा का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गमा गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में अस्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकमी लाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; जॉर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में भूविधा के लिए:

बतः अब, उक्त अधिनियम, की भाग 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की भाग 269-च की उपभाग (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री जीवन राम पुत्र नत्यू राम, रामनिवास, मुरजन राम निवासी मेरठ। जिला-संगरूर

(ग्रन्तरक)

(2) श्री करतार सिंह पुत्र श्री कृपाल सिंह, निवासी 2181, नई भाषादी, बलदेव नगर, ग्रम्बाला शहर।

(प्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिध् कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति को भी सर्वाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वता;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितवइथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नास जिल्हा में किए जा सकेंगे।

स्यव्होकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधितियम के अध्याय 20 कं में परिभावित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय के दिवा गवा है।

ननुसुची

सम्पत्ति प्लाट नं 11 स्थित बलदेव नगर धम्बाला शहर में है जिसका श्रविक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय श्रम्बाला रिजस्ट्री संख्या 5416 दिनांक 8-12-83 पर दिया है।

> आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोह्रसक

तारीख: 10-8-1984

प्रकप नाही. ही. एम. एख.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमना

शारद ब्रह्मस

कार्यात्तय, सहायक कार्यकर बायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, रोहसक रोहतक, दिनांक 10 श्रगस्त 1984 निदेश सं० श्रम्बाला/8/84-83 ---श्रतः मुझे, श्रार०

के० भयाना

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इस के अधीन सक्षम पाधिकारी को, यह विश्वाम करने का करण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार ज्ला 25,000/- उपए से अधिक है

स्रोर जिसको सं० मकान नं० 100 (400 व०ग०) है तथा जो स्रजीत नगर, श्रम्बाला छावनी में स्थित है (स्रोर इसमें उपाबद्ध प्रनुसूची में धौर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्री-कर्ना प्रधिकारी के कार्यालय श्रम्बाला में रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख दिसम्बर.

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक (अन्तरिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बागा गया प्रतिफन, निम्निचित उद्देश्य से उक्त बन्तरण के निए तय

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त लिसिनयम के अर्थान अर दन के अस्तरके के सावित्य में सभी करने या उससे नचन में सुविधा से निए; सार/ना
- (स) एसी किसी लाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-भाग- व्योभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था, स्थिनने में स्विभा के निए;

अतः अव, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण यो. मी. उनत अधिनियम की भारा 269-प की उपभारा (1) की अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री श्रर्जुन लाल कालडा पुत्र श्री पोत्वर दास ग्राम नन्योला, तहसील श्रम्बाला।

(भ्रन्तरक)

(2) कैंप्टन रणजीत सिंह पुत्र श्री जोगिन्द्र सिंह, श्रीमती नीलम धर्म पर्त्ना रन्जीत सिंह, निवासी 100 सी, श्रशीत नगर, श्रम्बाला छावनी ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारा करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस म 45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्पित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्दीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

सम्पत्ति सकान नं० 100, ग्रजीत नगर, श्रम्बाला छायनी में स्थित है जिसका ग्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय श्रम्बाला में, रजिस्ट्री संख्या 5450 दिनांक 12-12-83 पर दिया है।

> म्रार०के० भयाना मक्षम प्राधिकारी पहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, रोहतक

ता**रीख** : 10**–8**–1984

प्ररूप बार्ष: टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहलका

रोहत - , दिनाक 10 अगस्त 1984

निदेश स० अम्बाला/82/83-81 --अत. मुझँ, आर० के० भयाना

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जियका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसको सं० महान नं० 1, 2, 36, 31 द्यार बाग गालोनी है तथा जो महोश नगर, अम्बाला में स्थित है (और इसमें उपावत अनुसूची से और पूर्ण रूप से द्यांगा है) रिजिस्ट्रोक्ती अधिकारी के द्यांगीलय अम्बाता में रिजिस्ट्री-अरण अधिनियम 1908(1908 का 16) ह प्रयोग पाराख दियम्बर, 1983

को प्रवेवित सम्पत्ति के उषित वाजार मृल्य से काम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृश्ते यह विद्धास करते का कारण है कि प्रधान सम्मान का उदिन बाजार गल्य, इसके दृश्यमान की कार है, एक दृश्यमान की का पंद्रह जातिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के लाव एम प्रस्तरण को नण तय पामा गया प्रतिकल, निष्मिनियों नहीं किया प्रश्ति के उपल के उपल सिन्तरण विकास में बास्तिन। का नातिया नहीं किया प्रश्ति हैं :---

- (कः जन्तरण संहुद्दं किसी आय् की वावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के जुन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का , जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम्, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) र्ं के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हु---- (1) श्रो देवेन्द्र नःथ मुक्कर्जी पुत्र श्री नगेन्द्र नाथ, निवासी अम्बाला।

(अन्तरक)

(2) मैं० रमेश नन्द लाल दूस्टी
एअम् अन्य
मार्फत दा वरल्ड रिनीयल स्पिरिचुअल दूक्ट,
बोम्बे,
भार्फत 36-37,
दयाल बाग रालोनी,
महेश नगर,
अम्बाला छावनी।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारों करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन क । त्यर कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारी स से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास मा किए जा सकरा।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया हो।

बनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 1, 2, 36 व 31 दयाल बाग बालोनी, महेश नगर, अम्बाला में स्थित है जिसका अधिक विवरण राजिस्ट्रीकर्ता के बार्यालय अम्बाला मे रिजस्ट्रीकरण संख्या 5487 दिनाक 12-12-83 पर दिया है।

> आर०के० भयाना राक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, रोहतक

तारीख: 10-8-84

वक्य नाहरें. टी. एवं. एतं. - - - ----

भागकर मौधनियन, 1961 (1961 का 43) की वास 269-म (1) के सधीन सुसना

भारत करकार

भागतिय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

रोहनक, दिनांक 10 अगस्त 1984

निदेश सं० अम्बाला/84/83-84 ---अतः मुझे, आर० के० भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मैं० कोठो नं० 96 व 96 ए०बी० आई० मैंस रोड अम्बाला छावनी है तथा जो अम्बाला में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के जायीलय अम्बाला में रिजस्ट्रो-करण अविनियम 1908(1908 का 18) के अधीन नारीख दिसम्बर 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिचित में शस्तिक रूप में क्रियत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तक अच्चने में सुविधा के सिष् आर्/मा
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. किपाने मे स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, दिम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात :—— (1) श्री पी०ए० रोसा अजीत रोगा, रिव रोगा, अगोक रोगा पुत्राम जे०पी० रोगा, निवासी-82 मेंस फील्ड रोड़, अम्बाला।

(अन्तरक)

(2) श्री ए० डी० गुप्ता,

क्षा एच०यू०एम० लक्ष्मनदाम एण्ड

सन्ज,

चन्डीगढ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके वृथोंक्स सपिस के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाओए :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वात की तामील से 30 दिन की बबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए वा सकोंगे।

श्याकारण ---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पर्दों का, जो उक्त जीधीनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

सम्पत्ति कोठी नं० 96 व 96 ए० बी०, एंड आई० मैस रोड अम्बाला छावनो में स्थित है जिसका अधिक क्यारा रिजस्ट्रीकर्सा के कार्यालय अम्बाला में रिजस्ट्री संख्या 5527 तथा दिनांन 14-12-83 पर दिया है।

> आर के भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आथकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

तारी**ख**: 10-8-1984

त्रक्य आर्च्ुटी.एग.एस 🚈-----

भायकर **गांधिनयम, 1961 (1961 का 43) की** धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास मद्रास, दिन[†]ज 9 अगस्त 1984 निदेण सं० 168/डि० 83/रेंज-Ш-अत: मुझे, श्रीमती एम० साम्युल,

शायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाबार मून्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि और मकान अनुघर पालयम, कोयम्ब-तूर डिस्ट्रिक्ट है, जो में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिवारों के कार्यालय, कोयम्बतूर (पत्र सं० 5194/83 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रांतफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित साजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की दाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा कें लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने सें सुविधा के लिए;

अतः सस्. उक्त अधिनियम की धारा 260-ग क अनुसरण में, सैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- श्रीमतो श्रोकण्डनको पत्नो, राजलक्ष्मी और अन्य (अन्तरक)
- 2. श्री वेलुस्यामी नायडू के पुत्र श्री ए० वो० गोविधराजन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हूं।

उन्त सम्परित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षंप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका ने 45 दिन की धक्छि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन ने 30 दिन का धब्छि, जो भी धब्छि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विकास में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ क्षोगः जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

भूमि और महान-अनुघर पालयम कोयंबतूर टाउन लेख मॅ० 5184/83 कोयम्बतूर।

> श्रोमती एम० साम्यूल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज-II, मद्रास

तारीख: 9-8-1984

माहर:

प्ररूप आहे. टी एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन मचना

भारत घरकार

कार्यालयः, सष्टादक ब्रायकार अत्युक्तः (हिन्नोक्षकः) अर्जन रेज-11, महास

मद्राप्त, दिनां' 9 अग"न 1984

निदेण मं० 299/डि०/रेंज-II --अत. मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

शायकर गिंधानियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास 'उथत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च में अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मृज्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसको मं० भूमि अरुणुपानयम् गांव है, जो रंग थ पुरम में स्थित है (और इमर उत्तबद्ध अनुसूचो में और एर्ण रूप में विषक्त है), रिजस्ट्रा एती अधिकारो के कार्यालय, कोयम्बतूर, पत्न सं० 4442/83 में भारतीय क्लिस्ट्री हरण अधिनियम, 1908 (1908 क. 16) के अधीन, लारीख दिसम्बर 1983

को पृथितित सम्पत्ति के उचित बाजार सत्य से कम के द्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तारत की गई है और म्फें वह विद्वास करने का कारण है कि यथापुर्वेकित सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्ययमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत अधिक है और अतरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिण) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अंतरण निलित में वास्तिक कंप में कियत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के **बायित्य में कमी कर**ने या उ**तने बज**ने में स्^{रि}बध। के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आग-धर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या प्रत अधिनियम, या भन-कार अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अभीपति वृद्धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जामा चाहिए था, टिपाने माम्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1). के अधीन, निम्नलिक्षित व्यक्तियों, अर्थात :---

1. श्री ष्टी० सो० विद्याशंकर

(अन्तर्ह)

 मेपस मौली एउड सन्स एन्सिनिरीण प्राइवेट सिमिटेड।

(अन्तरिती)

को यह सूचन। जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यत्राहियां करना हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के समध मा कार्क भी आक्षेप ---

- (क) इस स्कार के राजपत्र म प्रकाशन की तारीक म 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मा समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वाकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा,
- (ख) इस रूचना के राजपण मा प्रकाशक की तारीक्ष म 45 दिन के भीतर उक्त स्थादा सम्पत्ति में हिंत-ब्रह्म किसी अन्य व्यक्तित द्वारा, जानेक्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेने।

स्थाधीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय १०-क म परिभाषित है, बही अर्थ होता को उत्त अभाव के गया है।

अन्**स्चो**

भूमि --अरुष्पात्त्वम् रंगनाथपुरमः कोगम्बनूर पत्र सं० 4442/83, कोयम्बनूर ।

> श्रीमती एमन गामुबेल सक्षम प्राधिकारी सह्यक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-II मद्रास

तारोख: 9-8-1984

प्रकल आई. टी. एत. एत. ------

नायकर निधित्यमं, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत संदुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, विनांक 9 अगस्त 1984

निदेश सं० 293/डि० 83/ेंज-∏-ग्रत. मुझे, श्रीमती० एम० सामुबेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० भूमि श्रीर मकान सेंगनूर ग्राम है जो सेंगनूर ग्राम सर्वे नं० 375, 394, 395 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधि-कारी के कार्यालय गोधिग्राम पत्र सं० 4439/87 में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक दिसम्बर 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है जौर मूओ यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नीसित उच्चेक्य से उक्त अन्तरण निम्नित में बाक्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है---

- (क) ब्रन्तरण से हुइ किसी नाव की बाबत उपत जीध-नियम के जधीन कर दीने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिभा के लिये; बीर/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिस्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, जिपाने में स्विभा के जिए;

क्त: क्रथ, उक्त बाधांवयम, की धारा 269-ग के बनुबरक में, मैं., उक्त किधिवयम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नतिचित व्यक्तिमों, अधीत :---- उटी० बी० भाकी के पुल टी० मी० मणि पावर एजेन्ट एम० सी० इट्टिचेरिया।

(अन्तरक)

 श्री गुणवन्धं राय एम० डोथी और अन्यों।

(अन्तरित))

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारोच सै 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी जन्म व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताकारी के पाम सिचित में किए जा सकेंगे।

शास्त्रीकरणाम -इसमें प्रयुक्त शास्त्रों भीर पदीं का, जी सकत विधित्यम के वश्याय 20-क में परिमाधित है, वही सर्व होगा, जो उम्र अध्याय में विया गया है।

and the

भूमि और मकान क्षेंगनूर ग्राम सर्वे नं० 375, 394. 395।

> श्रीमती एम० सामुबेस सक्षम श्रीविकारी सहायक श्रीयकर श्रीयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- नद्या

नारीख: 9-6-1984

प्रकल्प अन्द्रौ टी एन . एस . -----

बायकार मींभनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत करनगर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, भद्राम

मद्रास, विनांक 9 अगस्त 1984

निदेश मं० 309/डि॰ 83/रेंज-JI--अतः मुझे, श्रीमती एग० सामवेल,

नायकार श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ≰सको पश्चात 'उनत अभिनियम' कहा गया ह[®]), की धारा 269-इब के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कौरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भृत्य 245,000/- एड. से **अधिक हैं**

और जिसकी मं० पत्र मं० 2441/83 के षेडुल में दी गई सम्पत्ति है, जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन् सूचो में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रो-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अडलूर पत्र मं० 2441/83 में, भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्ति सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित वाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, होसे दृश्यमान प्रतिफल का भन्द्रह प्रसिक्षत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिसित उव्दोष्य से उवत अन्तरण लिसित में धास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है ः---

- (क) अन्तरण से हुद्दं किसी जायकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक औ दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/मा
- (च) एेसी किसी अगय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तन अधिनियम, या भन-कर निभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था., छिपाने में मृतिधा के लिए:

द्धतः जब, अञ्रत अधितियमः की धारा 269 ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—-

- 1. मनलं प्रोमियर फटिलाइनसं लिमिटेड (अन्तरक)
- मेगर्सं इन्डम प्रोडयट्ग प्राइवेट लिमिटेड। (अन्तिनि)

को यह सुमना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सबध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपुत्र में प्रकाशन की तारीय श्रं 45 दिनुकी अवधिया तत्सम्बन्धी न्यमितयाँ पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्स ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्वक्यीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, वो उक्त विभिन्नियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

डाक् मेंट पं० 2441/83 की शेड्ल में लिख़ी हुई सर बङ्खर ।

> श्रीमनी एम० गामुबेल नक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-मद्रा म

नारोखं: 9-6-1984

प्रकल् बाह्र हो. तुन् . तुन्ह . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षक)

अर्जन रेज-11, मदास

मद्रास, दिनाक 9 अगस्त 1984

निर्वेण मं० 282/दिवः 83/रेज-II--यनः, मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त निभिनयम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूम्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसका मा० सूमि नां० 2, पेरिया परित स्ट्रीट राज अण्णामलैपुरम हे, तथा जो मद्रास-28 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मलापुर (पन्न सं० 1596/83) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे उत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिषत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पास गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्योध्य में उक्त अन्तरण सिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (का) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अप्रिनियम के जुणीन कर दोने के जन्तहरू के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा भी किए; जौर/या

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् '--- प्रशीमती जय मेरी अम्माल पत्नी श्री आर० मरिया जोसफ और अन्य

(अन्तरक)

2 श्री आर० एकाम्बरम् पुत्र श्री पी० रार्मालगम

(अन्तरिती)

का बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्प्रित के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

दक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधिया तत्से बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाव में समाप्त होती हो, को भीतर पृवों कत व्यक्तियों में से किसी स्थित दुवारा;
- (च) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्रद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निम्नित में किए जा सकर्ग।

स्थव्यक्रिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उन्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मनस ची

भूमि:--2, पेरिय पल्लि स्ट्रीट, राजा अण्णामलैपुरम्, मद्रास-28 (पत्र मं० 1596/83, मैलापुर।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-11, मद्रास

तारीख: 9-6-84

प्रकृप आंद्र्यः दी. एन , एस . -----

मायंकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) को मधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, भन्नास-6

मद्रास-6, दिनांक 9 ग्रगस्त 1984

निदेश सं० 233/डि-83/रेंज-U-ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

कायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमं इसके पश्चात् 'उक्त विभिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के वभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृख्य 25,000/-क. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० भूमि भौर मकान डोर नं० 9, लिग गौडर स्ट्रीट है, जो तिरुप्त ठौन में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध मे भौर पूर्ण रूप से वर्णित है),रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिरुप्तर पक्ष सं० 2063/83 मे रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्ठात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में धारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियां का, जिन्हों शास्तीय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27 प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिकित व्यक्तियों, अधीत् :--

- (1) श्रीभती पोन्नुस्वामी नायकर पत्नी ग्रंगम्माल । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री पोन्नुस्वामी पुन्न, श्री पी० शेलवराज ।

(अप्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के वर्जन के कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्तित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में कियो जा सकारी।

स्पव्यक्तिरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्सूची

भूमि भौर मकान 14-वार्ड लिंग गौंडर स्ट्रीट, तिरुष्पूर ठौन, पत्र सं० 2063/83, तिरुष्पूर ।

> श्रीमत्ती एम० सामुवेल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक मायकर श्रामुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-II, मद्रास-6।

तारीख: 9-8-1984

प्रकृप कार्च. टी. एन. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत बरकार

कार्याक्षय, सहायक भायकर बायुक्त (निर्क्षिण)

ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास-6 मद्रास-6, दिनांक 9 ग्रनस्त 1984

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्नात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुँ), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का फारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि कुमारपालयम गांव है, जो कोयम्बतूर डिस्ट्रिक्ट मे स्थित है (श्रौर इमसे उपावद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर पत्न सं० 100/84 में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख विसम्बर, 1983

को पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तदृ प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और बन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, विश्वनिक्त उप्रदेश से उक्त जन्तरण लिखित में बास्तविक कप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तर्ण से हुई किची जाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर घोने के अन्तरक से बाबित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा में सिए; बॉर/बा
- (क) एसी किसी जाय या किसी थन या अन्य जास्तियों की जिन्हों भारतीय जाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री एम० एस० पलनियप्प मुक्लियार पुत्र श्री के० पी० मरुप्पायलम् ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री के० सी० झारुमुगम्, श्री ए० पाठियप्पन ।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत संपत्ति के अर्थन के संबंध के कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पद्धाकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वयुषुची

भूभि कुमारपालयम् गाव, कोयम्बतूर पत्न सं० 100/84/ कोयम्बतूर ।

> एम० सामुवेज, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), मर्जन रेंज–II, मद्रास

वर्तः वन, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण ने, मी, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के वभीन, निम्नीलियत क्योक्तवों, वर्षात् :—

सारीख: 9-8-1984.

मोहर 🗓

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास-6

मद्रास-6, दिनांक 9 भ्रगस्त 1984

निवेश सं० 380/डि०-83/रेंज-II---ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उधित बाजार मृत्य 25,000/-रुपये से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 9, I आस स्ट्रीट, राजा श्रण्णामलैपुरम् हैं, जो मद्रास—28 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुस्का में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, द्रिप्लिकेन पद्ध सं० 1578/83 में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमाग प्रतिफल के लिए अंतरिस की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, पुरे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिस (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्यक्त से उक्त सन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 जि. 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अभिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के के अभीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती शिवभएयम् श्रम्माल,

(ग्रन्तरक)

(2) श्री के० राजाति श्रीर कनिमोषि, श्री के० श्रार० रंगनाथन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किये जा सकरी।

स्यव्हीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

नग्रुची

भूमि ग्रौर मकान नं० 9-1, काम स्ट्रीट, राजा ग्रण्णामलैपुरम् मन्नास, लेख सं० 1578/83।

> एस० सामुबेल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज–II, मद्रास

तारीख : 9-8-1984.

प्रस्थ भार . टी., रत. एस. =-----

बायकर निधित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च् (1) के नमीन सूचना

भारत दरहाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशण)

श्रजंन रेज-11, मद्रास-6 मद्रास-6, दिनाक 9 श्रगस्त 1984

निदेश सं० 281/डि०-83/रेज-II---ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जि्सका उचित बाजार मूस्य 25,,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 9, वेशिकाचारी रोड़, श्रालवार पेठ, मद्रास है, जो मद्रास-8 मे स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, मैलापूर पत्र स० 1599/83 में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1983

को पूर्वेकिश संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रिशंकल के लिए अन्तरित की गई है और मूओं यह विश्वास करने का फारण है कि सभापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उनके स्वयमान प्रतिकल से एसे स्वयमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नसिचित उच्चेष्य से उक्त कन्तरण किचित्र में बास्तविक रूप से कीयत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की वावत, उनत अभिनित्त के अभीन कड़ दोने के अन्तरक के दावित्व में कभी कड़ने वा उससे वच्ने में सुविधा के सिए; बॉड/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपान से स्विभा के सिष्;

भतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, भें, उक्त अधिनियमं की धारा-269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नियिक्ति स्पिक्तियों, अर्थात ---- (1) मेसर्स टी० के० एन० रैबेठ लिमिटेड, रेप्रेजैन्टेड बाय मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री टी० के० नरसिम्हन,

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एस० गणेशचन्द ग्रौर, श्री एन० राजाराम ।

(ग्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

डक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाह्मेप 🐛

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब सैं 45 दिन की जनिथ या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिथ, जो भी जन्भि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्राटा;
- (च) इस सूचना कें राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमध्थ किसी सन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किएं जा सकारी।

स्थव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों बीर पर्वों का, को उक्त विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं कर्ष होगा, को उस कथ्याय में दिया गया है।

नगृत्यी

भूमि —-ग्रालवारपेट, मैलापुर पत्र मं० 1599/83/मैलापुर ।

एम० सामुवेल, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेंज-II, मत्रास-6

तारीख 9-8-1984 माहर : प्रकम बार्ड. टी. एन. एस.------

नामकार निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) की । भारा 269-न (1) के नभीन स्वना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-II, मद्रास-6

मद्रास-- 6, विनांक 9 प्रगस्त 1984

मिदेश सं० 400/डि०-83/रेंज $-_II$ —प्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुनेल,

बायकर अभिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उपत अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्रापिकारी कां, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रु. से अभिक हैं

श्रीर जिसकी सं० भूमि सं० 10, परमेश्वरी नगर, ऊरूर ग्राम है, जो श्रडयार, मद्रास में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यांलय, शैदापैठ पन्न सं० 3490/83 में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1983

को प्रोंकत सम्पत्ति के उणित नाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उणित वाचार बृत्य, उतके क्रयमान प्रतिकास से एते क्रयमान प्रतिकास का धन्त्रह प्रतिकास से अधिक है और बन्तरक (अन्तरका) और अन्तर-रिती (अन्तरितिया) के बीच एसे बन्तरण के निए तय पाया पया प्रतिकास, निम्नांसिक्त उच्चरेय से उक्त बन्तरण निवित् में बालाईक क्ष्य से कांधित नहीं किया नवा है है—

- (क) स्थारण वे हुए कियी नान् की नावंत, जनक वीपीनवन के अभीन कर दर्जे के अन्तरक के नामित्व में कनी कड़ने वा उन्हों न्यमें में सृष्या के विद्यु: ब्यूडि/का
- (क) एंडी किसी बाव या किसी धन या कम्य जात्तियाँ को, विन्हें भारतीय वावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के जिए;

(1) श्रीमती डी॰ कंस्पना रामकृष्णन के॰, पावर श्राफ श्रटार्नी एजेल्ट गी॰ कॅंबरूजामी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमतीं भानुमती श्ररमिग्धो ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों सूरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षीप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की जनभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जी भी जनभि जाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपसर विभिनयम, के अध्योग 20 के भे परिभावित हैं, वहीं कर्ष होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

STATE

बेकन्ट लैण्ड---प्लाट नं० 10, परमेश्वरी नगर, ऊरूर गांव, (भूमि) ब्रह्मार, महास पत्र मं० 3490/83/शैदापेट।

एम० सामुबेल, संक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), धर्जन रेंज-11; मद्रास-6

कतः कव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के वनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधार :--

तारीख: 9-8-1984.

प्रस्प **थाइं. टी. एग. एस., ----**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-प (1) के मधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास-6

मब्रास-6, दिनांक 9 ग्रगस्त, 1984

निदेश सं० 269/डि०-83/रेंज-I^I:--म्रतः मुझे, श्रीमती एम० साम्**वे**ल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उद्धा औरिनयम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उम्बत बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि स्लूर गांव, कोयम्बत्र हिस्ट्रिक्ट है, जो कीयम्बत्र हिस्ट्रिक्ट में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध में श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, सूलूर पत्न सं० 1616/83 में रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन, तारीख विसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है '——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (अ) एंसी किसी आय या किसी धन या अत्य आस्तियाँ को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने के स्विभा के लिए;

(1) श्री वेंकटरायलू नायडू पुत्न, श्रो जगन्नाथन ग्रीर ग्रन्यों।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री के० बी० कुग्पुस्वामी पत्नी श्रीमनी के० पश्चावती।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप 🖫 🗝

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीकं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्षिकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि : प्लाट गांव, कोयम्बत् रिहिस्ट्रक्ट पत्न सं० 1616/83 सुलूर।

> एम० सामुवेल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज-II, मद्रास ।

अतः अव, उक्त अधिनियमः क्षी भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की शारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति मा, अर्थात् :—
7-226G1/84

तारीख: 9-8-1984

सोहर प्र

प्रकप बाइ. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) प्रर्जन रेंज-II, मद्रास-6

मद्रास-6, दिनांक 14 भ्रगस्त 1984

निदेश सं० 41/जनवरी/84:—-ग्रतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० गांव सं० 161 (विलपट्टी) कोडेक्कानल है, जो मधुरै जिला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मन्नाम सेन्ट्रल दस्तावेज सं० 21/84 में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी, 1984

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल निम्नलिखित उव्वर्षय से उक्त अंतरण के लिए तम

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में क्षमी करने या उससे अचने में सुविधा के अप; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, एा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के अनूसरण मे, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री के विस्वनाथन, डायरेक्टर , मैसर्स पान्डस एक्सपोर्ट लिमिटेड । (भ्रन्सरक)
- (2) श्री वी० नारायणन, चैयरमैन श्रीर मैनेजिंग डायरेक्टर, मैसर्स पान्डस इन्डिया लिमिटेड ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुखना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हुएं !

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेषित स्यक्तियों में से किसी स्थित दुवारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- असूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिसित में किए जा सकेंगे।

स्वध्द्यिकरण: -- इसमें प्रयुक्त वान्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के कथ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

भूमि श्रौर निर्माण गाव सं० 16, (विलपट्टी) कोडैक्कानल, मदुरै जिला, (दस्तावेज सं० 21/84)।

> प्रेम मालिनि वासन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज–II. मद्रास ।

तारीख : 14-8-1984

प्ररूप बाइं. टी. एन. एत.,------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० 1/दिसम्बर/83:—श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

नायक र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 का के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी हैंसं० 273 मौर म्रार० एस० नं० 61, वेम्बाक्कम ग्राम, चेंगलपेट डिस्ट्रिक्ट है, जो मद्रास में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय जे० एस० भ्रार० मद्रास नार्थ पत्र सं० 4126/83 मे, रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिस्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वियों से उक्त अन्तरण निचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उसत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भं, मं, उस्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के सभीन, ट्रिन्निसिसिस व्यक्तियों, जर्भात् ७—

- (1) मैसर्स सिप इन्डस्ट्रीज (प्रा०) लिमिटेड । (ग्रन्सरक)
- (2) एयरो फाषन फासनर्स (प्रा०) लिमिटेड । (ग्रन्तरिती) असमार **पारी करके पर्वोक्त** सम्पत्ति के अर्जन के लिए

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 4/5 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्थावितयों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पस्तीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वपुत्रुची

भूमि :---273, वेबांक्कम् ग्राम, चेंगलपेट डिस्ट्रिक्ट, पन्न सं० 4126/83 ।

> एम० सामुबेल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास ।

तारीख : 12-7-1984.

मोहर 🛭

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. -----

(ट्र) श्रीमती बाक्यांमाल ।

(अन्तरक)

नायकर नांधानयम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-ष (1) के नधीन स्चना

(2) श्री थी. चिन्तदुरी।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० 2/दिसम्बर/83—श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० सर्वे नं० 398/4, टी० एस० नं० 64/1, पुलियूर ग्राम एग्मोर, मद्रास है जो मद्रास में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जे० एस० ग्रार० मद्राम, नार्थ-I, पत्र सं० 4207/83 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मुक्ज से कम के स्थयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थयमान प्रतिफल से एसे स्थयमान प्रतिफल का पण्यह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अम्मरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नसिवित उद्देश्य से उच्न अन्तरण मिचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उत्तसे बचने में सूविधा के लिए; और्/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-गार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपीने में सुविधा के लिए;

जतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) कें अधीन, निम्नलिचित व्यक्तियों, वर्षात् ह—— को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थब्दीकरण: — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मीधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगस्पी

भूमि सर्वे नं० 398/1, टी० एस० नं० 64/1, पुलियूर ग्राम, एम्मोर, मद्रास (पत्र सं० 4207/83)।

> एम० सामुवेल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज—II, मद्रास

तारीख: 12-7-1984.

प्रकम. बाई. टी. एन. एत. -----

धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निर्धिक्षण) अर्जन रेज-II. महास

मद्रास, दिनाक 12 जुलाई, 1984

निदेश सं० 91/दिसम्बर/83:—ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्राँर जिसकी सं० 67, II कास स्ट्रीट, मैलापूर, मद्रास-4 है जो मद्रास मेंस्थित हैं (ग्राँर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे ग्राँर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, मद्रास सेंट्रल पत्न सं० 368/83 मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख नवम्बर, 1983

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रितिफ ल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल के, एसे ख्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी साय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्य में अभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री पी० के० सुन्दरराजन।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एम० एस० सुन्नमणियम्।

(ग्रन्तरिती)

को पह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीड से 45 दिन की अविधि या तत्सीम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति होता;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित्त में किए जा सकोंगे।

नमृत्यी

भूमि श्रीर मकान 6, ऋास स्ट्रीट, मैलापुर, मब्रास-4, पक्ष सं 368/83।

एम० सामुवेल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज⊶∐, मद्रास ।

कत नव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अधीत ह---

तारीख : 12-7-1984.

श्र**रूप बाइं.टी.एन.एस्**⊴वक्टक

नामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मुभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण)। अर्जन रेंज-2, महास

मब्रास, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० 94/विसम्बर/1984——अतः मृक्षे, एम० सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन संभम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसको सं० नं० 3, सोतम्मा एक्सटेंशन 4, कास स्ट्रोट, है तथा जो मद्रास-18 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास सेन्ट्रल पक्ष सं० 340/83 में रजिस्ट्री-करण अधिनियम. 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवस्वर, 1983

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान वितिष्ठल के सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिष्ठल से एसे दश्यमान प्रतिष्ठल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के निए तथ्याया गया प्रतिष्ठल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित् के वास्तिक रूप से कांचत नहीं किया गया है है—

- (क) वन्तरण से हुई किसी बाव की वाबस्, उक्त वृधिनित्म के वधीन कर दोने के वन्तरक के वाजित्व में कभी करने या उत्तसे वजने में सुविधा के हिन्छ; बीर/वा
- (स) एती किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया भाग चाहिए था, कियाने में सुविधा भी लिए;

वतः वकः, उक्त व्यथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्ष्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित अधिक्तयों, अर्थात् ह—— (1) श्री बी० एम० मुहम्मद यूसुफ।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० एन० पी० टी० बहीर।

(अन्तरितो)

भौ यह स्वना चारी करके पूर्वोक्त सन्परित भें अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सबित या तत्त्रंबंदी स्थितित्वों पूर स्वता की तामील से 30 दिन की सबित, यो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्थित्वों में से किसी स्थित्व द्वारा;
- (क्), इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए का करोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्द्यी

भूमि ग्रीर मकान--3, सोतम्मा एक्सटेंशन 4, कास स्ट्रीट, मद्रास-18। (लेख सं॰ 340/83)।

्म० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

वारो**ख** : 12-7-1984

प्रकार बार्ड, टी. पन. एस.------

नायकंद्र निधित्यम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नधीन सुनना

बार्व बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, मद्रास

मद्रास, 12 जुलाई 1984

निवेश सं० 9 6/दिसम्बर /83---अतः, मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के शंधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- रहा से विधिक है

गौर जिसकी सं05, मोबरेस फस्ट क्रास स्ट्रीट, श्री राम नगर है, तथा जो अलवर पेठ, मद्रास-18 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणत है,) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास सेन्ट्रल सं0पत्र 334/83 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1983

ताराख नवस्वर 1983
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के क्यमान
प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुझे यह विक्वास
करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मून्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तम पाया यहा
प्रतिफल, निम्नितिचित चब्दिय से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया यहा है है——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाव की वाबत उक्त बीध-नियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उनसे बचने में सुविधा के सिए; बीर/वा
- (ब) एरेंसी किसी बाय या किसी भग या अन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के सिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिकां, अधीत:---- (1) श्रीमतः आ० लक्ष्मा अम्माल

(अन्सरक)

(2) श्री टें० मोरनम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति की नर्जन को सम्बन्ध में कोई भी नाशेष :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताशील से 30 दिन की अविध, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीसं से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संस्पत्ति में दित-वर्ष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास किसी कम किस का सकेंगे।

स्पद्धिकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उन्त जिथिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

भूमी श्रीर मकान 5, मौबरेस फस्ट कास स्ट्रीट, (फ़स्ट पोरशन) श्रीराम नगर, आलवापेठ, मद्रास-18। (पत्र सं० 334/81)

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 मद्रास

सारीख . 12~7-84

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज - 2, मद्राम

मद्रास, दिनाक 12 जुलाई 1984

निवेश स० 97/दिसम्बर/83---अतः मृझः, श्रीमती एम० सामुवेल

नायकर मिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात् 'उचत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० 241, मान्नेस रोड, मद्रास-18 है तथा जो मद्रास में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णेरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास सेन्ट्रल पत्र स० 9149/83 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन सारीख नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई ही और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से एसे ख्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बरेय से उक्त अन्तरण लिखित में ब्रास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबतं, उन्तर्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

(1) श्रो आर० एस० राजशैखरन

(अन्तरक)

(2)श्री वो० वेकटरामन

(अस्त(ग्मा)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप '--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबय्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्वेकरण: --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भूमो श्रीर मकान --241 मोत्रेस रोड, सद्वार न-18 वेख स० 9149/83

> एम० सामु**वेल.** स**क्षम** प्राधिकारो सहायक आयक्षर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज-2 मद्रास

तारीख : 12-7-84 माहर . प्ररूप शाइ .टी.एन.एस. -----

बायंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर वाय्क्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 महाम

मद्रास, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं 0 1 5 0/दिसम्बर/8 3/रेंज--अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 ं- रा. से अधिक है

षौर जिसको सं० प्लाट नं० 61, टी० एस०७ 7/2, अडयार प्राम है तथा जो अडयार में स्थित है) और इससे उपाध्य अनुसूची में पूर्णरूप से विणत है), में रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास साउथ पक्ष सं० 46/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमों यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका)ं और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्निसिचत उद्विषय से उक्त अन्तरण किस्तित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्तः अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय अयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सृविधा के लिए।

(1) श्री पी० के० राजगेखरन

(अन्सरक)

(2) श्री एस० आनन्दवेलु

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामीस सं 30 दिन की अविधि, को मी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा∳
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए पर सकींगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

भूमी:---कोठूरपुरम, अडवार पत्र मं० 46/84

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 मद्रास

तारी**ख** : 12-7-84

£_.£△:

प्रकाप बार्च. टी. एन्, एस. --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज-2, मब्रास

मद्रास, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं 0124/दिसम्बर/83-अत: मुझे, एम० सामु-वेल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (णिसे इसमें इसके परचात् 'लुक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने क्का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उपित बाजार ग्र्ल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

श्रीर जिसको सं० 174, एलोड्राम रोड़ तेनांमपेठ, मद्रास है तथा जो मद्रास में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूच। में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अध--कारो के कार्यालय मद्रास सेन्ट्रल पत्न सं० 406/83 में भारतीय रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधोन तारोख नवम्बर 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मुल्य से कम के रूपयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फेयह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्तिक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की <mark>बा</mark>बत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था याकिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधाके लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रा दलीप कुमार धौर अन्य

(अन्सरक)

(2) श्री एम० अबुबक्कर

(अन्तरितो)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति को अर्जन की लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तिया म अ फ्रिमी श्रांकित दामारा:
- (क) इस सुचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीख ले 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बबुध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जो सकोंगे।

स्पच्डीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि डोर नं० 174, एलोड्रम रोड़, मद्रास–4। लेख सं० 406/83

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2 मद्रास

तारीख : 12-7-84

त्रक्त वार्षं. दी. एव. एव. ----

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के नधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 अगस्त 1984

निदेश सं**०चन्ड**ं/140/83-84--अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अभिक हैं

प्रौर जिसकी सं० मकान न० 8 है तथा जो सेक्टर 33-ए जिन्हीगढ़ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूचों में भ्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय चन्डोगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1983

को पूर्वों कत संपत्ति के उषित बाजार मृत्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उषित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और मन्तरक (मन्तरका) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गमा प्रतिफल, निम्निलित उद्दर्थों से स्वस्त मन्तरित विविद्य में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गमा है:---

- (क) बन्द<u>र</u> में हुई किसी बान की बान्द्, उपन विभिन्निम के बभीन कर देने के बन्दरक के स्वित्व में कमी करने या उस्ते अपने में सुविधा के सिए; और/या
- (का) एंसी किसी बाय या किसी वन वा बस्य बास्तियाँ की जिन्हें भारतीय बाय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, या धन-कर विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए वा, कियाने में सुविधा के लिए;

जतः जब उक्त जीभीनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीर, निस्तिचित व्यक्तियों, अर्थात् ड--- (श्रो श्री मदनलाल पुत्र श्री लाल चन्द वासी मकान नं 01414 सेक्टर 34-सी, चन्डोगढ़

(अन्तरक)

(2) श्रीमती आशा रानी
पित श्री देस राज एवं
श्रीमती रेखा रानी
पित्न श्री सुभाष चन्द्र
वासी गांव बिलमार (नासाके)
तः गुरु हरसहाय जिला
फिरोजपुर

(अन्तरिती)

को यह स्थना बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के निक् कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरि के पास जिल्लास में किए जा सकोंने।

अनुसूची

मकान नं० 8 सेक्टर 33 ए०, चन्डीगढ़ (अर्थात वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी चन्डीगढ़ के विलेख सं० 1071 माह दिसम्बर 1983 के तहत दर्ज है

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज लुधियाना

तारीख : 13-8-84

प्ररूप बाहुँ . टी. एन. एस. - - -

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुबन।

सारत स्टब्स्

कार्यासम्, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनाक 13 अगस्त 1984

निवेश सं० चन्डोगढ़ 130/83-84--अत. मुझे, जोगेंन्द्र सिंह

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० मकान नं० 1563 है तथा जो मेक्टर 34 डी चन्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़ में ,रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1983

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों), के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक के निम्नितिचित उद्विश्य से उचत कम्तरण में निचित वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- हुँक) नलाह्रण वे हुइं हिंकती नाम की नाभय करवा विचित्रियम के संधीत कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कभी करने वा उससे वचने में सुविधा के लिए; बीर्/मा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन वा जन्म जास्तियों को. जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा, क्रियाने में सुन्धा के लिए;

बतः बब, उक्त बिधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण बों, बों, उक्त बिधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिसयों, अर्थात् :---

- (1) श्रो अशोक बन्सल, एम० डो० मेसर्स माडल बिल्डर्स प्राईवेट लि० 17/10ए० चन्डीगढ़ मार्फत मेजर जे० पी० विजयरजिया (अन्तरक)
- (2) राम सिंह ग्रीर गुरवचन कौर वासी 1563 सेक्टर 34-डो चन्डीगढ

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वान के राजपन में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्मत्ति में हितनक्ष किसी अन्य व्यक्ति इनारा अभोहस्ताक्षरी के गंस लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया नवा है।

-

मकान नं 1563 सेक्टर 34-डी चन्डीगढ़ (अयौत वह जायदाद जो कि रिजिस्ट्री कर्ती अधिकारी चन्डीगढ़ के विलेख सं 1010 माह दिसम्बर 1983 के तहत दर्ज है)

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज लुधियाना

तारीखा : 13-8-84

प्ररूप आहे.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन स्पना

भारत सरकाङ्ग

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

र्लुधियाना, दिनांक 13 अगस्त 1984

निदेश सं० चन्डी/124/83-84-अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह

बायकर ऑधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेषात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं मकान प्लाट नं 27 है तथा जी सेक्टर 27 ए० चन्डीगढ़ का आधा भाग में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में स्रीर पूर्णक्य से वर्णित है); रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारों के कार्यालय चन्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधोन, तारीख दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृस्य से श्रम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृके यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्त्रोंक्त सम्परित ग्रां उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शितफल, निम्नलिखित उद्बेश्य से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया ग्रां है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी अप की बावत उक्त बीध-नियम के अधीन कर दोने के बंतरक के बाबिस्त में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनिवस, 1922 (1922 का 11), या उक्द, अधिनिवस, वा धन-कर अधिनिवस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जन्मा चाहिए था, छिपाने में ब्विभा से सिष्ट्र;

बतः जब, उक्त ग्रीभीनयम की भारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के वभीन, निम्नसिद्धित व्यक्तियों, अर्थात ह—्य (1) श्री महासिंह मार्फत मुख्तार श्री अजय संधारी वासी 412, सेक्टर 22-ए चन्डीगढ़

(अन्तरक)

(2) श्री खुशी राम गुप्ता एक्स एम एल० ए० गांय यदल बजरिया अम्ब जिला ऊना (हि० प्र०)

(अन्सरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के शूर्णन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास लिसित में किए जा सकोंगे।

सम्दोकरुणः ---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो. उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही नर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है। नया है।

अनुसूची

मकान नं० 27 सेक्टर 27-ए० चन्डीगढ़ का आधा भाग (अर्थात वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी चन्डीगढ़ के विलेख 980 माह दिसम्बर 1983 के तहत दर्ज है)

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 13-8-84

प्रस्य बाद'. टी. एन्. एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सूचना भारत सहस्कार

कार्यालय, सहायक क्षायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 अगस्त 1984

निदेश स० लुधि०/183-193-83-84---अत; मुझे, जोगिन्त्र सिंह

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक ही

मीर जिसके। सं० बी-20-1101/1 है तथा जो गुरदेव नगर लुधियाना में स्थित है (मीर इसमे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्णस्प से विणित है), रिजिस्ट्रीफर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम में 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1983

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के प्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निश्नास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथिश नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त विधिनियम के सभीन कर देने के अन्तरण के वायित्व में कमी करने या उससे अचने से सुविधा के सिए; कुट्र/वा
- (क) ऐसी किसी बाय वा किसी भन या अन्य वास्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 14) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ वस्तिरिक्षी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था छिपाने में स्विभा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्रीमतो कुलवत कौर परनी स० करतार सिंह 1090/4 गुरदेव नगर लुधियाना

(अन्तरक)

(2) श्रीमती तृष्णा देवी और श्री अभय कुमार जैन निवासी 7-सी सराभा नगर लुधियाना।

(अन्तरिती)

का यह सूचना वारी करके पृथाँक्त संपरित के अर्थन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत संपरित के वर्जन के संबंध में कोई भी वाकाय है---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वास्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पाक सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पन्नीकरणः-इतमे प्रयुक्त कन्यों भीर पवां का, पो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विधा गया

वतसरी

मकान न० बी०-20-1101/1 गुरदेव नगर लुधियाना अर्थात जयवाद जैसा कि रिजस्ट्रो कर्ता अधिकारी लुधियाना के विलेख सं० 10966 श्रौर 10804 माह दिसम्बर 1983 में है)।

जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 14-8-1984 मोहर

प्रथम बार्चः टी. एन्. एस्.-----

शायकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के वभीन सुचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षणं) अर्जन रोज, लुधियाना

लुधियाना, विनांक 13 अगस्त 1894

निवोध सं. चण्डी./123/73-74--अतः मुभ्ने, जोगिन्द्र सिंह

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की., यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी प्लाट नं. 300 है तथा जो सैक्टर 33-ए. चण्डी-गढ़ में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्श अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख विसम्बर, 1983

का प्वांधत संपत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के श्रममान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई हैं और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथाप्वांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके श्रममान प्रतिफल से, एसे श्रममान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अंतरिती (अन्तरित्याँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयाजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: अब, अवल अधिनिगम की धारा 269-ग के अनमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— श्री गुलजार सिंह पुत्र श्री हजारा सिंह निवास 10 सैक्टर, 19-ए, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2 शी रामसरन दास पुत्र श्री धूल चन्द निवासी मकान नं 212, सँकटर 18-ए, चण्डीगढ ।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यकाहियां शरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में क्रांड्र भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंधी 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वित्यों में से किसी स्वित्त द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अधिकत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त खब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।]

नन्स्ची

प्लाट नं० 300 सेक्टर 33 ए० धरडीगढ़ (जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी घरडीगढ़ के विलेख सं० नं० 979 दिसम्बर 1983 से धर्ज है)

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख 13-8-1984 मोहर 🖫

प्ररूप बाइ ० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 169-व (1) के अधीन स्वना

प्राप्त सहस्रह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 अगस्त 1984

निदेश सं० लुधि०/187 भ्रौर 222 ए०/83-84--अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिंदवास करने के कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं्रुष्लाट नं बीं 23-666/3 ए० है तथा जो टैक्सटाईल्स कालोनो,लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबंड अनुसूचो में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार शूल्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके खरमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य थे उक्त अन्तरण निसित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आज या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भागशीय अधकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गरा था किया जाना चाहिए था, खिपाने में मविधा के निर्णः;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री मुरारी प्रसाव पुत श्री नवल किशोर द्वारा श्री जोगिन्द्र सिंह पुत्र श्री प्रताप सिंह, निवासी बो०-8-566 नया मोहल्ला, लुधियाना ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेन्द्र मोहन भारद्वाज पुत्र श्री गुरप्रकाश निवासी 3/4, टैक्सटाइल्स कालोनी, लुधियाना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्ठीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

प्लाट नं० बी० 23-66/ए० 3 टैक्सटाइस्स कालोनी, लुधियाना (जायजाद जो कि रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के बिलेख संख्या नं० 10882 माह दिसम्बर, 1983 में दर्ज है ।

> िजोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियान।

नारीख: 13-8-1984

प्ररूप आहु . टी . एस . एस . --- --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सक्षायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

ल्धियाना, विनोकः 13 श्रगस्त 1984 निदेश सं० चन्डी०/138/83-84--श्रतः मुझे, ओगिन्दर सिंह

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विकास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रुः से अधिक है

भीर जिसकी सं० मकोन नं० 9 है सथा जो सैक्टर 33-ए, क्लडीगढ़ में स्थित है (भीर इससे उपायद अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कल्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्त्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अजीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य को कभी करने या अन्तने वजने के मृतिका के लिए;
- (क) ऐसी किसी आय या किसी थन या मन्य जास्तिमें को, जिन्हों भारतीय आजकर अधिनियम, 1992 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विशा के सिष्;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निस्मिलिकित क्यिक्तयों, अर्थात ह—- 9—226 GI 84

1 श्री सतीण कुमार पुत्र श्री हरि तकाण वासी गाँव मोहाना, जिला कुरुक्षेत्र ।

(ग्रंतरक)

- (1) श्रीमति वख्णीण और परिन श्री धनदेव गांव नथा डाकखाना कर्नेच, जिला लुधियाना।
 - (2) श्रीमति गुरचरण कौर विधवा कैप्टेन रणजीत सिंह गांध पटारसी खुर्व, न० सरहिन्द ।

(भ्रन्तरिती)

(3) श्री के० भास्करन

वासी मकान नं० 9, सैक्टर 33-ए, चन्डीगढ़। (वह ध्यक्ति जिसके ग्रिक्षिगोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (लं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हां, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनमधीं

मकान नं ० १, सैक्टर 33 ए० चन्डीगढ़ (प्रथात वह जाय-दाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी चन्डीगढ़ के विलेख संख्या 1062, माह दिसम्बर 1983 के तहत दर्ज है।)

> जोगिन्दर सिंह, सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), प्रजैन रेंज, ल धियाना

विनांक: 13-8-1983

मोहर 👸

प्रकृप नाइ³. टी. एन. एस. -----

भाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के अभीत स्पना

भारत सरकार

शार्यालय, सहायक <mark>सायकार बायुक्स (निरीक्षण)</mark> श्रजैन रेज, लूधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 भ्रगस्त 1984 निदेण सं० चन्डी०/135/83-84--श्रतः मुझे, जोगिन्दर सिंह

- आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित शाचार मृत्य 25,000/- इ. सं अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं०1730 है तथा जो सैक्टर 33-डी घण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ में, र्राजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक दिसम्बर 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निश्निचित उद्वर्ष से उकत अन्तरण विश्वत में बास्तीयक रूप स कथित नहीं किया गया है दे—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तिकों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काष्ट्रिए था, कियान में स्विधा के विष्;

अतः अब, उन्त अधिनियम कौ भारा 269-ण के अनुसरक में, मैं, उत्रत अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (१) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

1. कर्नल **हरस**रन सिंह 10/2 सैनिक हस्पताल नई दिल्ली ।

(ग्रंसरक)

 संदार मुखिवन्दर सिंह ढिल्लों पुत्र सरदार करयाम सिंह निवासी सकान न० 1040, सैक्टर 36-सीं० चण्डी-गढ़।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बन्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप:----

- (क) इस सूचना के श्रथम को प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की बनींथ या तत्सकानी व्यक्तियों पूर सूचना की तासीस से 30 दिन की श्रवींथ, जो भी व्यविंध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उच्च स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी कत्य व्यक्ति द्वारा स्थाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थलतीक रण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

मन्सूची

प्लाट नं० 1730, सैक्टर 33-डी० चण्डीगढ़ । (जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी चण्डीगढ के बिलेख संख्या 1047, माह दिसम्बर 1983 में दर्ज है।

> जोगिन्दर सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज, लुधियाना

दिनांक : 13-8-1984

माहर:

प्ररूप आई. टी. एन्. एस. ------

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के न्धीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रजंन रेंज, लुधियाना

सुधियाना, दिनांक 13 ग्रगस्त 1984

निर्देश सं० चण्डी ०/122/83-84--ग्रतः मुझे, जोगिन्दर सिंह

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 2-पी० गली नं० एच है तथा जो नया नं० 214, सैक्टर 11-ए, चण्डीगढ़ का श्राधा भाग में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्री-करण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन विसम्बर 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उण्यत बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतर्कों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के जिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्मलिचित् उप्योध्य से उक्त अन्तरण किश्वित में वास्तिक रूप से कृथित महीं किया गया है है—

- (क) अस्तरण ते हुइ किसी भाव की बाबस्, उन्ह्यू अधिनियस के अधीम् क्षाप् दोने के ब्रुख्यूक के बासित्य में कमी कप्तरे या उससे बचने में सुविधा के सिए; बीट्र/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जन्त अधिनियम, वा भनकर अधिनियम, वा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में ब्विभा के किए;
- अतः, अबं, उन्तः अभिनियमं की भारा 269-ग के अनुसर्ण मों, मीं, उक्त अधिनियमं की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अभृत् ध---

 श्री खुशी राम गुप्ता, ऐक्स एम०एल०ए०, पुत्र श्री नेकी राम वासी गांव थथल बर्जारया अम्ब, जिला ऊना (हिं० प्र०)।

(ग्रन्तरक)

2. श्री सुनील भसीन पुत्र श्री राजिन्द्र कुमार वासी मकान नं० 126, सैक्टर 16-ए, चन्डीगढ़।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पर्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस सूचना के त्राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बक्ष किसी बन्ध स्थावत इवारा विशेष्टस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरि।

स्वक्षीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

मन्त्रची

आधा भाग प्लाट नं० 2-पी, गली नं० एच जिसका नया नं० 214 है तथा जो सैक्टर 11-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है।

प्रथात् वह जायदाद जो कि राजिस्ट्रीकर्ता श्राधकारी-चण्डी-गढ़ ने विलेख संख्या 971 माह दिसम्बर 1983 के तहत दर्ज है।

> जोगिन्दर सिह, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीखः : 13-8-84

बक्ष बार्ड . टी. एन. एस.- - - ----

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के जभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक आयकार आयमत (निरीक्षण) अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, विनाक 13 भ्रगस्त 1984

निदश म॰ ऊना/1/83-84--प्रत मुझे, जोगिन्दर सिंह

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार (उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीम सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति ,जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं जिमीन 32 कनाल है तथा जो ग्राम बामत जिला जना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुसूची मे ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ना ग्रिधिकारी के कार्यालय उन्ना मे, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के के ग्रिधीन दिनांक दिसम्बर 1983

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्ति बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निमिनित उद्देष्य से उक्त जन्तरण सिनित में सास्तिक क्या में कथित नहीं किया गया है:----

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के चौयत्व में कमी करने या उसते बचने में सृषिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सुविधा के सिए;

वर्तः वयं उक्त अधिनियमं की शास 269-गं की अनसरण मों, में राक्त अधिनियमं की शास 269-व की रायसरा (व) के नधीन, निर्णामिक्ति अधिकतमों, सर्वातः- महस्त सुगरीया नन्द चेला आस्मा नन्द चेला महस्त परमा नन्द निवासी डेरा थावा रुद्रा नन्द ग्राम नारी थाना तहसील उन्ना (हि॰ ४०)

(भ्रन्तरक)

2 मै० स० हिमाचल खाङ उद्योग प्राईवेट लिमिटेड नाहर सिंह मन्दिर ग्राम भीर डाक घर वासल जिला उन्ना (हि०प्र०) द्वारा श्री सत्या प्रकाश डायरेक्टर। (ग्रन्तरिती)

का यह मूचना जारी करके पृथींकत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ एक सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में मे किसी व्यक्ति स्वाद्य;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र मा प्रकाशन की शारीबा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरणः ---- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो जनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

जमीन 32 कनाल ग्राम वासल जिला उन्ना (हि॰ प्र॰) (जायदादा जो कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठिकारी ऊना के विलेख संख्या नं॰ 1165 माह विसम्बर 1983 में वर्ज है।)

> जोगिन्दर सिंह, सक्षम प्राधिकारो, सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण), घर्जन रेंज, सुधियाना ।

विनोक : 13-8-84

मोहर '

अक्य बार्डः टी. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनाक 13 भ्रगस्त 1984

निवेश सं० चन्छी०/134/83-84—ग्रतः मुझे, जोगिन्दर सिंह

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. में अधिक है'

ग्रीर जिसकी सं० मकान नं० 2381 है तथा जो सैक्टर 23 सी चन्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कायलिय चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक दिसम्बर 1983।

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विषवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पढ़िंद प्रतिचत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के भीज एमें अन्तरण के लिए से पाया गया पतिफल, निक्तिलिखत उद्योग्यों से उक्त बन्तरण निचित के बास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिथ-अधिनियम के जधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन- अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

जत जब उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के जधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् रु⊶- श्रीमति सोहना देवी परिन श्रो राम कुमार निवासी
 2381 सैक्टर 23सी चन्डीगढ़।

(अन्तरक)

 श्री बलवंत सिंह सुपुत्र सं ० दिलीप सिंह निवासी 2381 सैक्टर 23 सी चम्डीगढ़।

(म्रंतरिती)

मेजर गिल,
 निवासी 2381 सैक्टर 23 सी, चंडीगढ़।
 (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पति है)।

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन क सबध मा कोई भी आक्ष्मंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नन्त्रची

मकान नं० 2381 सैक्टर 23 सी चन्डीगढ़। (जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी चन्डीगढ़ के विलेख संख्या 1043 माह दिसम्बर 1983 में वर्ज है)।

> जोगिन्दर सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्चन रेंज, अुधियाना।

तारीका 13-8-1984 मोहर च । अक्त ा**ड**े ही स्व स्स्य ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) की अधीन स्वना

DISC STATE

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना दिनांक 14 ग्रगस्त 1984

निवेश सं० लुधियाना/158.159/83-84--प्रतः मुझे, जोगिन्दर सिंह।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य, 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० मकान नं० बी-I/809/4 है तथा जो प्रेम नगर, कुन्वन पुरी, सिविल लाईन, लुधियाना में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय लुधियाना मे, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रशीन विनांक विसम्बर 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृष्य सं कम के इष्यमान मितिफ स को लिए बंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफ त से, ऐसे ध्यमान प्रतिफ त का धन्द्रह प्रतिशास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिय तय पाया गया प्रतिफ त निम्नितिबत उच्चेष्य से स्वत अन्तरण कि बित से बास्त्विक कप से कथित गइति कि बा गया है:--

- (क) भ्रम्यप्रम सं धूर गुक्किको मान की बान्स, जनस निधाननम को नधीन कर दोने को अन्तरण को करिया में कनी करने या उससे नचने में सुविधा नो क्रिक्; बीस-/ना
- (क) श्रेसी किसी भाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर जीभनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनी केला दिली ब्वाडी प्रकट नहीं किया यहा था वा किया जाना जाहिए था, जिन्मों में भूभिना के जिए,

अंतः जव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा.(1) के अभीन, निम्निलिक्ति व्यक्तियों, अभीतः :——

 श्री दौलत राम पुत्र श्री गैंडा राम वासी मकान नं० बी—I/809/4 प्रेम नगर, कुन्दन पुरी,सिविल लाईन, लिधगाना ।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमित प्रतिभा रानी परिन श्री कुलदीप कुमार एवं श्रीमिति मीना परिन श्री ग्रजय कुमार वासी मकान नं० बी-4/202 पुराना बाजार, चौक डा० बिमला सयाल, लिखगाना ।

(मन्तरिती)

को बह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उनत सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समान्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारण
- (व) इस ब्यम के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर सकत स्थावर सम्पर्दित में हितबद्ध किसी बन्य क्वनित ब्यारा स्थोहस्ताकारी के पास विश्वित में किस या सकेंगे।

रच्या विषय :--इसमें प्रयुक्त कर्वा और पद्यों का, वो उन्त अधिभाषभ के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., बहुरी सर्थ होगा वो उस अध्याय में दिवर गया है।

बन्ध्यी

मकान नं ० बी I-809/4 प्रेम नगर, कुन्दन पुरी सिविल लाईन, लुधियना।

(ग्रयात वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी लुधि-याना के विलेख संख्या 10349 श्रौर 10556, माह दिसम्बर 1983 के तहत दर्ज है।

> जोगिन्दर सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर झायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना

विनोक: 14-8-84

मोहर 🛭

प्रकल आहे, टी. एन. एस.-----

भागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षक)

श्चर्जन रेंज, लुधियाना

सिंह

नायकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उसत निर्धानयम कहा गया हैं) की भारा 269-व के सभीन सकत प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित नावार मुख्य 25,000/- रा. से मिक हैं

म्रोर जिसकी सं० एस० सी० एफ० नं० 4 है तथा जो सैक्टर 23 सी० चन्छीगढ़ में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध मनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय चन्छीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन विनांक दिसम्बर 1983।

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है बरि मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्निविचत उद्देष्य से उक्त अन्तरण जिचित में शास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (स) जन्तरण से झूइं किसी बाब की बाबत, उनस अधिनियम के स्थीन कर दोने के जन्तरक के सामित्य में कनी करने या उससे ब्यन में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिस्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का वा किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

भतः नव, उन्त निधिनियम की भारा 269-ग के बन्धरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिश्वत न्यक्तियों, अभीत् :--- 1. श्री रणजीत सिंह ढिल्लों पुत्र श्री श्रकर सिंह वासी मकान नं० 664, फेस 1 मोहासी।

(श्रंतरक)

- श्रीमति कृष्णावन्ती परिंन श्री भगवान दास ।
 - (I) श्री प्रदीप भुमार पृत्र श्री भगवान दास
- (I^I) श्रीमिति श्रामा रानी पत्नि श्री प्रदीप कुमार वासी एस० सी० एफ० नं० 7, सैक्टर 18 डी॰ चन्डीगढ़। (ग्रंतरिती)
- 3. फ्रेन्डस फोटोग्राफर एस० सी० एफ० नं० 4, सैंक्टर 23 सी० चन्डीगढ़।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पति है)

को बहु सूचना चारी करके पृवांकित संपरित के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध को कोई भी कारकोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र प्वॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिशित में किए वा सकोंगे।

स्पन्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त सन्यों और पर्वो का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित् हाँ, वही अर्थ हाँगा, को उस अध्याय में विमा स्वा हाँ।

वन्त्र्जी

एस० सी० एफ० नं० 4, सैक्टर 23 सी०, अन्डीगढ़। (श्रयति वह जायदाव जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी चन्डी-गढ़ के विलेख संख्या 990 दिसम्बर 1983 के तहत वर्ज है।

> जोगिन्दर सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण), अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 13-8-1984

प्रकल आहे. सी एन एस. ------

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

ल्धियाना, दिनांक 13 अगस्त 1984

ि निवेश सं० चम्डी०/133/83→84—म्प्रतः मुझे, जोगिन्वर

सिंह

भागकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, विसका उचित बाबार मुक्ब, 25,000/- रह. से अधिक हैं

भीर जिसकी सैं० प्लाट नें० 3272 है तथा जो सैक्टर 35 डी० चन्डीगहु में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़ में, राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर 1983

को प्रबंधित संपत्ति को उचित बाजार मृख्य से कम को अस्यकान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि स्थाप्नोंक्त् संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बंबह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) को बीच एसे अन्तरण को सिए तय गाया वशा ।तिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में

- (क) जन्तरण वे हुइ किवी बाय की बाबत, उपका विविवय के व्योग कड़ येवें के बन्दक की वाजित्व में कजी करने वा ववने जी वृधिया के मिल; बरि/वा
- (थ) एंनी किसी जाब का किसी भन या अन्य आफितर्जं को, जिन्हों भारतीय जाय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्बारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के सिष्टु;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- शि नी० एस० डींगरा पृत्त नी झमर सिंह वासी नं ०१ लाल विल्डिंग देवे। नजदीक सदर पुलिस स्टेशन, श्रमृतसर द्वारा एस० पी० ए० श्री जोगिन्दर लाल कुमरा मकान गं० 3272, सैक्टर 35 डी धन्डीगढ़। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमांत शांनी वेबी परिन श्री जोगिन्धर लाल कुमरा, बासी मकान नं० 3272. मैक्टर 35 डी चरडीगढ़। (ग्रन्तरिती)
- 3. (1) श्री प्रजय कुमार
 - (2) तथाश्री देव दक्त सर्मा वासी मकान नं० 3272/36 डी चन्छीगढ़। (यह व्यक्ति जिसके श्रीधभोग में सम्पति है)।

को यह बुक्ता कारी कोरको पूर्वोक्त बंगील के वर्धन के जिल् कार्वनाहियां कारता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो।
- (क) इस स्थाना को राजपण में प्रकाशन की तारीब सै 45 दिन को भीतर उच्य स्थानर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए का सकते।

त्यस्टीकरणः ----इसमें प्रमुक्त शब्दी बीर पर्यों का, वो शब्दा अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो अस अध्याय में विया भवा है।

मन्त्**यी**

प्लाट नं० 3272, सैक्टर 35 डी०, चन्डीगढ़। (ग्रयात वह जायदाद जी कि राजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी धन्डीगढ़ के विलेख संख्या 1028, माह विसम्भर 1983 के तहत वर्ज है।

> जोगिन्दर सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक धायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजैन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 13-8-84

मोहर

प्ररूप बाह्^र. टी. एव. एस<u>.</u> ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) म्रर्जन रेंज, लुधियाना

ल्धियाना, दिनांक 13 ग्रगस्त 1984

निदेश सं० लुधियाना/251 से 256/83-84---ग्रतः मुझे, जोगिन्दर सिंह

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसने पश्चात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-हर. से अधिक हैं।

ग्रीर जिसकी सं० सकान न० बी--19/94 है तथा जो लड़कियों के सरकारी कालेंज लुधियाना के नजदीक में स्थित है (ग्रीर इसे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण भ्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक जनवरी 1984

को पर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि संथापूर्वीक्त सम्परित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से एोमें दृश्यमान प्रतिकल का वन्द्रह प्रतिवास से अधिक है जोर वंतरक (वंसरकाँ) और बंसरिसी (बंतरितियों) के बीच एंसे बन्तरण के लिए तय पादा गया प्रति-फल निम्नतिषित उद्दर्शस्य से उच्त अंतरण सिचित में बास्तिविक *क*र हे क**िश्त नहीं किया पदा है :---**

- (क) अन्तरण से इं. इं. किसी जान की नानत जनस जीब-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सविधा के नित्त सीर्/भा
- (क्र) होनी जिल्ली भाष या जिल्ली भन वा अन्य अनुस्तिवों को, विन्हें भारतीय जायकर अधिनियज, (1922 का 11) या उक्त अधिनियण, या धन-कर जीभनियमः, 1957 (1957 का 27) कें प्रयोजनार्य जन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया भाया किया जाना चाहिए भा, कियाने में समिधा ने विए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की ल्पधारा (1) क अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:---

- 1. (1) श्रोमित सिवित्रो देवा बनाम शाति देवी विधवा श्री ब्रह्मा नन्द वाली 1101/7 दैगीर नगर, लुधियाना ।
 - (2) श्रोमति बबलो बनाम राधा
 - (3) श्रोमति सीक्षा बनाम सिवता
 - (4) श्रीमिति सुदा बनाम पूनम पुत्रियां श्रो ब्रह्मानन्द
 - (5) श्रोरविन्दर कुमार
 - (6) श्रो सुभाष कुमारपुत्र श्रो ब्रह्मा नन्द वासी 1107 गोर नगर, लुधियाना

(श्रंतरक)

2. श्री सुभाष कुमार जैन पुत्र श्री तेलू राम जैन वासी मकान नं० बो-4/213 गेट ग़ेज, लुधियाना।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविभिया तत्संबंधी अपनितयों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, औा भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वेक्स क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोष्टस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, कि भिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, बही अर्थ होना जो उस अध्याय हों दिया गया है।

अन्स्ची

मकान नं० बी-19/94 जो कि लड़िक्यों के सरकारी कालेज, लुधियाना के निकट है।

(भ्रयति वह जायदाद जोकि रिजस्ट्रोकर्ता प्रधिकारी लिधियाना की विलेख संख्यामें 12633, 12634, 12635, 12636, 12637 और 12638 माह जनवरो 1984 के तहत दर्ज है)

> जोगिन्दर सिंह, मक्षम प्राधिकारो महासक भ्रायकर श्रायकत (निरोक्षण) म्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 13-8-84

अव्या १,६ टी एन.एस.

जायकर जिभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्ख्या

मारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 ग्रगस्त 1984

निवेश सं० णिमला/11/83-84—श्रतः मुझे जोगिन्दर सिंह

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक

को प्वेंक्त सम्मित्त के उणित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत के लिए अंतरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उणित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से, एसे दृश्यमान प्रतिकत का बन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत निम्नितियत उद्देश्य से स्वत अन्तरण निम्नित्त में बान्धियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- ्क) अन्तरण संधुद्धं किसी नाव की वाबत, उक्क अधिनिवृत्र को जभीन कर दोने के जन्तरक खे वाजित्व में केनी करने या उत्तसे वचने में मृतिधा खे सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, चिन्हुं भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, सा धनकर अधिनियम, सा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरितः इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपान में दिवा के निए:

अतः अव, उक्त जिथिनियम, की धारा 269-ग के अनुसारण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (१) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- 1. श्री पूरम चन्द्र, कृष्ण चन्द्र, गोकल चन्द्र श्रीर गोपाल दास ग्राम श्रीर डाकघर श्रागपुर जिला कांगड़ा (श्रंतरक)
- श्री रजीव कुमार पृत्न श्री मोहन लाल वासी सुखसागर विल्डिंग संजौली णिमणा।

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यपाहियां करता हूं।

उपत सम्मति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख सैं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितवबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्वों का, को वक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया गग हैं।

अन्स्ची

ेलाट खसरा नं० 59/ऐ 480 वर्गगजिश्रीर 8 वर्गफुट लकड बाजार शिमला।

(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी शिमला के विलेख संख्या नं० 785 माह दिससबर 1983 में दर्ज है)।

> जोगिन्दर सिह, सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रापुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रेंज, लुधियाना

विनाक: 13-8-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भागकर विधानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सर्कार

कार्यालय , सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुक्षियाना

लुधियाना, दिनांक 14 ग्रगस्त 1984

25 000/- रह. से अधिक है शोर जिसकी संख्या 1/5 हिस्सा मकान नं० बी 12- है तथा जो 337 णाहपुर रोड, लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय लुधियाना मे, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम.

1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रांतफल के लिए अन्तरित की गृह है जार मूक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल सं, एस दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितां) के बीच एसे अंतरित के लिए तय पाय प्रांतफल, विम्नलिखित उद्देश्य से अक्त जंतरक मिलिखत में नास्तांवक रूप से कीवत नहीं किया गया है:--

- (क) जंदरण तें हुइ किसी भाव की वाबत., उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्य में कमी करने वा उनसे बचने में सुविधा के सिष्; करि/वा
- (व) एंसी किसी बाब यर किसी धन या बन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंसरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया प्रया था या किया वाना वाहिए वा खिपाने जें सुविधा के लिए,

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीनका निम्नुतिकित न्यक्तियों, अर्थात् क्ष्य-- श्री जगदीश सिंह तुली पुत्र श्री हाजूर सिंह द्वारा ग्रहानी श्रीमति प्रकाश कौर तुली निवासी बी-12-337 शाहपुर, रोड शुधियाना ।

(श्रंतरक)

 श्री तरसेम लाल पुत्र श्री अर्जन दास निवासी मकान नं० 12-337 शाहपुर रोड, लुधियना ।

(श्रंतरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करसा हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से \$5 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर कचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत क्यक्तियां में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (ख) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी जन्म ध्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिविश में किए का सकेंचे।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विसा नवा है।

वनुसूची

1/5 हिस्सा मकान नं बी-12-337 शाहपुर रोड, लुधियाना (जायदाच जो कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी लुधियाना के विलेख संख्या नं० 11450 माह दिसम्बर 1983 में दर्ज है।

> जोगिन्दर सिह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज, लूधियना ।

दिनांक: 14-8-84

मोह्य 😉

प्रस्थ वार्ड , टी. एन , **एड**़

मासकर मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के सभीन सुचना

भारत अरकार

कार्यातय, सहायक गायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 भगस्त 1984

निदेश स॰ लुधियाना/228/83-84-अतः मुझे, जोगिन्दर सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25 000/रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी स० 1/5 भाग मकान नं० बी-12-337 है तथा जो शाहपुर रोड लुधियाना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप ने विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1808 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिहात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिबित उद्देश्य से उचित कन्तरण शिवित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त सीर्थानवृद्ध से सचीन कर दोने से स्वारफ के सामित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविभा से सिन्धु अहि./का
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनयम, बा धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ यन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा वा किया थाना चाहिए चा, जियाने में स्थिध के सिए;

कतः अवं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-त के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निमनलिस्तित व्यक्तियों, अर्थात् ६—— श्री कुलजीत सिंह तुली सुपुत्र स० हजूर सिंह द्वारा प्रकाश कौर माता निवासी बी-12-337 शाहपुर रोड लुधियाना।

(घंतरक)

 श्रीमित मीना कुमारी पित श्री तरसेम लाल निवासी बी— 12-337, शाहपुर रोड, लुधियाना ।

(ग्रंतरिती)

को यह सूचना जारों करके प्वेक्ति संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

सक्त सम्मत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्:---

- (क) इस स्वना के श्वपन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविध् या तत्सवधी क्यितियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध को भी विषय को में सवाप्त होती हो, को भीतर पृवासित क्यित्यों में से किसी क्यियत दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हिसबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, बधोहस्ताक्षरों के पास मिविस में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसर्म प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम,, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया स्या है।

मनुस्ची

1/5 भाग मकान नं० बी-12-337 शाहेपुर रोड लुधियाना (जायवाद जैस। कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी लुधियाना के विशेख संख्या 12071 माह जनवरी 1984 में दर्ज है।)

> जोगिन्दर सिह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज, लुधियाना

विनांक 14-8-1984 मोहर 🛭 प्ररूप आईं. वी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 ग्रगस्त 1984

निदेश सं० लुधि०/203/83-84--श्रतः मुझे, जोगिन्दर सिंह

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जो कि धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं 1/5 भाग मकान नं बी-12-337 है तथा जो शाहपुर रोड, लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक दिसम्बर 83 को पूर्वेक्षित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान श्रिक्षल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापुवांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान श्रीतफल से एसे दृष्यमान श्रीतफल का पन्द्रह श्रीतश्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रीतफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्क्रत में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) जन्मरण ते हुई किसी आम की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्त्र में कभी करने या उससे बचने में सिविधा के लिए; और/या
- (का) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया धाना चाहिए था छिगाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम् की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित न्त्रिक्तयों, अर्थात् :-- श्री जगदीश सिंह तुली सुपुत स० हजूर सिंह द्वारा श्रीमित प्रकाश कौर तुली निवासी बी-12-337, शाहपुर रोड, लुधियाना ।

(श्रन्तरक)

2. श्री तरसेम लाल मृपुत्र श्री अरजुन वास निवासी मकान नं० बी-12-337 खाह्युर रोड, लुधियाना। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्स सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताजील से 30 दिन की अविध, जो भी कविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यकितयों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विधा गया है।

वन्स्यीं

1/5 **मान मकान** नं० **वी**-12-337, शाहपुर रोड, लुधि-याना ।

(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी, लुधियाना के विलेख सं० 10866 माह दिसम्बर 1983 में दर्ज है।

> जोगिन्दर सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेंज, लुधियाना

विनांक 14-8-84 **मोह**र्:

प्रस्प आइ. . टी . एन . एस . -----

नायकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भा<u>रत सर</u>्कार

कार्यानय, सहायक नायकर नायुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 ग्रगस्त 1984

निषेश सं० लुधियाना/229/83-84--श्रतः मुझे जोगिन्दर सिंह

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी मकान नं बी-12/337 है तथा जो शाहपुर रोड लुधियाना का 1/5 भाग में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ ग्रनु-सूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी 1984

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मुके यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिषत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत ता कित जिन्सम के अधीन कर दोने के अस्तरक औं दासिस्त में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; बॉर/बा
- (ब) एसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाय। शाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिस्णित व्यक्तियों, अर्थात्ः--- श्रीमित प्रकाण कौर विधवा श्री हजूर सिंह तुली वासी मकान नं० बी-12/337 शाहपुर रोड, लुधि-याना ।

(ग्रन्तरक)

 श्री श्रर्जन वास पुत्र श्री रीनक राम वासी मकान नं० बी 12/337 शाहदुर रोड, लुधियाना ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना **पारी करके पूर्वोक्त** सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🖙

- (क) इस सूचना के राजपश में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (ख) इस सृष्टना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबहर्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही कर्य होगा जो उस अध्याय में दिया स्या हाँ।

वस्स्ची

मकान नं० बी-12/337 शाहपुर रोड, लुघियाना का 1/5 भाग (अर्थात वह जायवाद जोकि रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी लुधियाना के विलेख संख्या 12072 माह जनवरी 1984 के तहत दर्ज है।

> जोगिन्दर सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 14-8-84

मोहरः

प्रकार आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनाक 14 श्रगस्त 1984 निदेश सं० लुधियाना $\left|210\right|83-84--$ श्रत मुझे, जोगिन्दर सिंह

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1:000/-75 में अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान नं० बी-12/337 है तथा जो शाहपूर रोड लुधियाना का 1/5 भाग में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के के ग्रधीन दिनाक दिसम्बर 83

को प्वाँक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गर्ह है और मभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितमों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शितफल, निम्नेलिखित उद्योदयों से उक्त अन्तरण निखित में वास्पविक रूप ने दृश्यत नहीं किया गया है '--

- (क) अन्तरण में हुई किसी अप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अकने में जुनिया के निष्ण और/सा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनल अधिनियम, या पट कर प्रीधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती दनारा प्रकट नहा िया करा धा या किया जाना चारिका था जिस्सा के मिए:

कतः अव, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण गै, मैं, उकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के कधीन, जिम्मिलिसित व्यक्तियों, अर्थान :---

- 1. श्रीमित इन्द्रजीत कौर तुली पुत्री स० हजूर सिंह तुली वासी मकान न० बी-12/337 णाहपुर रोड, लुधियाना। (श्रन्सरक)
- 2 श्रीमित परिस्ति देशी पत्नि भी सर्जन दास वासी गर्यान न० बी-12/337 णाहपूर रोड, लुधियाना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यथाहियां करता हुं।

उवत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (१) स्म मृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्र्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित दो किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और यदों का, भी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिश्वाचित्त है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

मन्स्थी

भकान नं० बी-12/337 णाहपुर गेड, लुधियाना का 1/5 भाग ।

(ग्रथीत वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी लुधियाना के विलेख मं० 11451 माह दिसम्बर 1983 के सहत दर्ज है)।

> जोगिन्दर सिह सक्षम प्राधिकारी, सहायक ध्रायकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनाक 14-8-1984 प्रोष्टर प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

सामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 26%-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 9 श्रगस्त 1984 निवेश सं० ऐ० पी० नं० 5548—श्रत मुझे, जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में बीजत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन विनांक दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रिक्तिल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दर्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (श) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

श्री मोहिन्दर सिंह पुत्र गोपाल सिंह वासी कोटी कपूर प्रापर्टी डीलर, ग्रादर्ण नगर, नजदीक फुटबात चीक, जालन्धर मुख्त्यार खास गोपाला सिंह पुत्र सुन्दर दास ।

(भ्रन्सरक)

2 श्री बलवन्त सिंह तेजी पुत्र बाग सिंह बासी 9-गुरू नानक नगर, नजजीक माडल टाउन जालन्धर। (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ता व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्दित में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति स्थारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पव्योकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में, परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न० 5683, दिनांक दिसम्बर -1983 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर ने लिखा है '

> जें० एल० गिरधर, सक्षम अधिकारी, सहायक स्रायकर स्रापृक्त (निरीक्षण), श्रर्जने रेंज, जालन्धर

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

दिनांक :--9-8-84 मोहर : प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भाग्य सरमार

कार्यालय. सहायक आयक्तर आयुक्त (निराक्षण) श्रर्णन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 श्रगस्त 1984 निदेश सं० ऐ० पी० नं० 5549—ग्रतः मुझे जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसक्त म० जैमा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा को जालन्धर में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16')के ग्रिधीन दिनाक जनवरी 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित गाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक और (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में क्षियत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती देवारा प्रकट नहीं 'किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में 'ें हें हो रिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-गं के अन्सरण मीं, मीं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) को गाति । निमालियित व्यक्तियों भर्थाण 11—226 GI[84 श्रीमित निरमल कौर पित्न मोहित्दर सिंह बासी कोटी कपूर प्रतिपरटी डीलरस, प्रादेश नगर, नजदीक फुटबाल चौक, जालस्थर ।

(ग्रन्तरक)

- 2 श्री ह्रजोत सिंह पुत्र बलबन्त सिंह नेजी, बासी 9-गृस नानक नगर, नजदीक माडल टाउन, जालन्धर। (श्रन्तरिती)
- जैसा कि ऊपर नं० 2 मे हैं।
 (वह व्यक्ति जिसके ब्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पत्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निर्मित में विष् जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त गिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5939 दिनांक जन-वरी 1984 को रजिस्ट्रीर्ना ग्रधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, जालन्धर ।

दिनांक 9-8-84 ्

प्ररूप नाइ. टी. एन. एस.---====

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 ग्रगस्त 1984 निदेश सं० ऐ० पी० नं० 5550—ग्रत मुझे जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पर्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रः. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपायग्र अनुसूची में भौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनंक जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान बितकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्वास करन का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य., उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तर रिती (अन्तरितया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्वेषस्य से उक्त अन्तरण जिलित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुर्द्ध किसी आय की वावस, उक्त विभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्याराप्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिये;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिश्चित व्यक्तियों, अर्थाल ;——

 श्री मोहिन्दर सिंह पुत्र गोपाल सिंह, वासी कोटी कपूर प्रापरटी डीलरस, श्रादर्श नगर, नजदीक फुटबाल चौक, जालन्धर ।

(ग्रन्तरक)

 कुमारी मुख्यार कीर पुत्री भगत सिंह वासी 9-गुक नानक नगर, नजदीक माडल टाउन, जालन्धर।

(भन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सप्पति है) :

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्तः सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं हैं 45 विन की जबिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

अनुसूची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख गं० 6094 दिनांक जनवरी 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर ने खिखा है।

> जे० एल० गिरघर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजैन रेंज, जालन्धर

दिनांक 9-8-84 मोहर 🖫 प्ररूप बाई, टी. एन. एस.-----

नायक र निर्मात मार्थ (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नुभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्णन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 10 ग्रगस्त 1984

निवेश सं० ऐ० पी० नं० 5559:-प्रतः मुझे, जे० एल० गिरधर

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उम्रित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि भनुसूची में खा है तथा जो भटिण्ड में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भनुसूचो में भीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रोकर्ता भाष्टकारों के कार्यालय भटिण्डा में रिजस्ट्रोकरण भिष्ठित्मम, 1908 (1908 का 16) के भवीन विनाक दिसम्बर 1983

कौ पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के सिए बन्तरित की गई हैं, और मुक्ते यह विश्वात करने का कारण हैं कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित् बाखार मूल्य, उसके दृश्मान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंड़ह प्रतिकृत से अधिक हैं और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नीसियत उद्देश्य से उसत अन्तरण मिनिवत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण के हुइ किसी नाव की नावत उक्त निध-मिन्न के स्थीप कर दोने के अन्तरक के सावित्य में कभी करणें वा उससे वचने में तृतिभा के निए; बीट/वा
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों करों, विन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया पया वा वा किना जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियमं, की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, नर्भात्:— श्री पाल सिंह पुत्र भगत सिंह वासी गांव वरियाना, तहसील जालन्धर ।

(ग्रन्तरक)

 श्री भवतार सिंह, इकनाल, सिंह जसनिन्दर सिंह ग्रीर सरवजीत सिंह पुत्र गुरवछग सिंह, बासो गांव वरियाना, तहसील जालन्धर ।

(अग्तरिती)

 जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (बहु व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख म 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृज्ञों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

नगत्त्रपी

व्यक्ति तथा सम्पति जैसाकि विलेख नं० 5798 दिनांक दिसम्बर 83 को राजिस्ट्रोकर्ता प्रधिकारी, जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एस० गिरधर सक्षम धिकरी, सहायक द्यायकर घायुक्त (निरोक्षण), धर्जन रेज, जालन्धर

दिनांक 10-8-85 मोहर ः प्रस्य गाई. टी. एन. एस. ----

बायकर बीभिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 ग्रगम्त 1984

निदेश सं० ऐ० पी० न० 5560—म्प्रतः मुझे, जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 का के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी म० जैमा कि श्रनुमूची मे लिखा है तथा जो जालन्धर मे स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची मे श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रोकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजट्रद्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक दिसम्बर 1983

को पूर्बोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का चंग्रह प्रतिश्वत से अधिक हैं और अंतरक (अतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया मया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर धेने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः सन, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) ■ अधीन, तुनम्नसिचित व्यक्तियों, जर्मात् ध— 1. श्री राम महाय पुत्र किणन चन्द वासी 649 मोता सिंह, नगर जालन्धर।

(श्रन्तरक)

 श्री करतार सिंह पुत्र चरन सिंह वासी खोजेवाल, जिला कपूरणला ।

(अन्तरिती)

जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
 (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पति है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपह्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकरें।

स्थष्टोकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और श्वां का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ झोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5753 दिनांक दिसम्बर 1983 को राजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एस० गिरधर, सक्षम प्राधिकारा सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रजन रेंज जालन्धर

विनांक 10-8-84 मो**हर** 🛭 प्ररूप जाई. टी. एन एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्धालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, जालन्धर

जालन्ध्रर, दिनाक 10 ग्रगस्त 1984

निद्या स०ए०पा० न० 5561--यत मुझे, ० १२० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु से अधिक है

श्रीर जिसको स० जैसा कि अनुसूच। में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचों में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्राकर्ती अधिकारों के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीक्ट्रण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित का गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वामन सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एस दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अतरक (अतरको) और अतरिती (बतरितिया) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्वोध्य से उक्त अन्तरण लिखित मे सास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी भाय की बायत, उक्त गीभनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने यें सृविधा के क्रिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आधिनयम, या बन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाय अन्तीरता दुनार प्रकट नहा कि ।। गया था ता किया जाना वर्तहर धन, दिशान में नोवेबा के लिए;

अत. अव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-घ के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमतो निरमला डाबर पल्नो महाराज कृष्ण वासी भकान न० 113 हरबस नगर, जालन्धर ।

(ग्रन्तरक)

(2) राम चन्द पुत्र माछी राम, वासी 113, हरबस नगर नजदीक श्रादर्श नगर, जालन्धर ।

(म्रन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर न० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्तिहै)

(4) जो व्यक्ति सम्पति मे रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता हं कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह स्थाना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस स् 45 दिन की अविधि या तत्सवर्ध व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त हानी हों, के भीतर पूर्वीक्त पालका स्वास्ति करने
- (स) इस सचना के राजपत्र में पकाशन की तारील में 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर भागतित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधावस्ताक्षरी के गास निक्षित में फिए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हागा को उस अध्याय में विश् गया है।

era 📆

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न० 5317, दिना क दिसम्बर 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारो, जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राप्तिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेज, जालन्धर

सारीख : 10-8-84

प्ररूप. बाई. टी. एत. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 प्रगस्त 1984

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5562—यतः मुझै, जे० एल० गिरधर,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राविकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाग्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वाणत है), राजस्ट्रवेकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय जालन्धर में राजस्ट्रीकरण ग्राधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निनिचित स्वृद्धिय से उच्त अंतरण निम्हित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिस्तियम के जुधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः जन, उन्त निभिनियम की धारा 269-ग के नमुषरण में, भी, उन्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के नभीन, मिन्नलिवित व्यक्तियों, जर्भात् ह— श्री नरेश कुमार पुत्र राम किशन, वासी 113, हरबंस नगर, जालन्धर ।

(अन्तरक)

श्री हरबंस लाल, व सुभाष चन्द्र पुत्र राम चन्द्र, बासी
 113 हरबंस नगर, जालन्धर ।

(मन्तरिती)

3. जैसाकि ऊपरनं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके बिधभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में इंचि रखता है। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में द्वितबद्ध है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यायतः;
- (ण) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण:—इसमें प्रय्कत शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया एया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तया व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 6247, दिनांक जनवरी 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी जालम्बर, ने लिखा है।

> जे० एल गिरधर सक्षम प्राधिकरी सहायक ग्रायकर मामुक्त (निरोक्षण), श्रजन रेंज, जालन्धर

तारीख: 10-8-84

मोहर 🖺

प्रकण बाह". टी. एन. एस.-----

जायकर जिभित्रमम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के जभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक मायकर मायकः (निरक्षिण) श्रजैन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 ग्रगस्त 1984

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5563——यत:, मुझी, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता धिधकारी के कार्यालय' जालन्धर में र्राजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन विसम्बर 1983

को पूर्वेचित सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेचित सम्पत्ति का उणित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देष्य से उच्त अन्तरण लिखित में बात्तिबक क्य से किथत नहीं किया गया है :—

- (भन्न) अन्तरण सं हुइ किसी जाय की वायत, उक्त जिभिनियम के नभीन कर योगे के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उत्तसे ज्याने में सुविधा के लिए; जीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आय-कर ऑधानयम.
 1922 (1922 का 11) या उक्त आधिनियम.
 या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

बतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियप की धारा 269-म का उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात :— (1) श्री रणजीत सिंह पुत्र जोगिन्दर सिंह सन्धू वु व मुख्तार ग्राम श्रीतम कौर विधवा, वासी 226-एल, माडल टाउन, जालन्धर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री गुरदित सिंह पुत्र जवाला सिंह, वासी गांव फेरूमान, जिला श्रमृतसर ।

(ग्रन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके पिधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में सचि रखता है। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को वह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रागः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए का सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्र्यी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5584, दिनांक दिसम्बर 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रविकारी, जालन्छर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरघर स्थाम प्राधिकारी, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 13-8-84

मीहर 🛭

प्ररूप आहूर, टी. एन. एस. ******

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) कं अधीन सुभना

> भारत सरकार श्रर्जन रेंज, जालन्धर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) जालन्धर दिनांक 13 श्रगस्त 1984

तिर्देश सं० ए० पी० नं० 5564—यतः, मुझे, जे० एल० गिरघर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्थें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वान करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (ग्रौर इससे उपायद ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारों के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रोकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन फरवरी 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृद्धों यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए स्य पाया गया प्रति-फल, निम्निलिसित उददेश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या लमने रचने में म्थिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1000 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, गाधन-कर अधिनियम, गाधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विचा के सिए;

भतः अस, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः--- (1) श्रो रणजोत भिंह पुत्र गोजिन्दर सिंह मन्धू, युख्ता आन प्रोतम कौर विधवा जोगिन्दर मिह व इन्द्रजात सिंह सन्ध् पुत्र मेजर जोगिन्दर सिंह, वासी सी-100, धजोत नगर, श्रम्बाला कैन्ट ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रो मुखदेव सिंहमान पुत्र गुरदित सिंह, वासी गांव व डाकखाना, फेरूमान जिला अमृतसर ।

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा कि अपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके ब्राधिभोग मे सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है। कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है।

स्त यह संचनः आरं करके पृथां कत मन्परित के अर्थन के लिए कार्यवादियों शरु करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से -क्रि दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति ह्वारा अधोष्ट्रसाक्षरी के पास निभित्त मों किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और उदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 6554 दिनांक फरवरी 1984 को राजिस्ट्रो कर्ता ग्रधिकारो, जालन्धर लिखा है।

> जे एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेज, जालन्धर

तारीख , 13-8-84 मोहर ः प्ररूप आह्रो. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की अपर 269-भ (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर मायूक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 अगस्त 1984

निवेश सं० ए० पो० नं० 5565—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

कायकर सभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'जक्स अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्नौर जिसकी मं० जैसाकि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी 1984

करे पूर्वोक्त संपर्ति के उपनित बाजार मूल्य में कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उपनित बाजार बूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल म ऐसे इष्यमान प्रतिफल का पेढ़ह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरितो (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत्त , निम्तितिथिय उद्देश्य में उन्त त्यायण निश्चित में बास्यविश्व क्यू में कार्यन नहीं किया गया है

- (क) जनसरण से झुड़ं किसी जाय की बाबत उथत अभिनियम के अभीन कार दोने के जनसरक के शियत्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के सिए; जॉड़/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (192 का 11) या उदल अधिनियम, शा धन-कर अधिनियम, शा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में स्विधा के लिए;

(1) मेजर रणजीत सिंह मध्यात्र आस, पालम कौर विध्वा जोगिन्द्र सिंह वासी 226-एल, माडल टाउन, जालन्धर व कैप्टन जी० एस० सम्धू पृत्व मेजर जोगिन्दर सिंह सन्धू

(अस्तरकः)

(2) श्रीमतो परम्जोत कौर पुत्रो कुंचन सिंह, वासो फौर्जा कालोनी, बाजप्र, जिला नैंनीताल (य०पो०)

(अन्तरिती)

न्त्रे मह सूचना चारी करके पृथाँक्त सम्पत्ति के अर्थन के निष्ट्र कार्यशाहियां करता हुं।

उन्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्पान के राजपथ में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृष्टान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी विषयि बाद में समाप्त होती हो, अरे भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से फिन्मी व्यक्तिस दृशारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराध क्षं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन.मा हिंगु जा मकोंगे।

स्पद्धिकरणः — इसमें प्रयक्त शब्दों और पदौं का, को उक्त विधिनयम, के बच्चाय 20 क में प्रिभाविष्ठ है, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया वया है।

वगतची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख सं० 6572. दिनांक फरवरी 1984 को रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी, जालन्धर ने लिखा है ।

> जै० एस० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जासन्धर

सारीख . 13-8 84 मोहर:

प्ररूप काइं. दी. एव. एस. ------

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 अगस्त 1984

निर्देण सं० ए० पी० नं० 5566—अतः, मुझे, जे० एस० गिरधर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25, ○00/- क से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्णस्प में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पन्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमार प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उचत अंतरण जिन्हित में बास्तिणक रूप से किथित नहीं किया गया हैं ---

- (क) बतरण में हुड़े किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनिक्षम हं अधीन कर दोने के अन्तरण की दायित्व मों कामी करने या उससे बचने में सुविधा की लिए, बौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रीतिमाम, 1977 (1957 का 27) के प्रयोगनानी अस्तियों द्वारा प्रकार मही किया गता था ए किया जाना गीतिए था, विशान से सिवधा के लिए;

अतः अब उक्तः अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण हों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधास (1) के अधीन निम्निणिति व्यक्तियों अर्थात :---

(1) र्घ प्रोम प्रकाण णर्मा पुत्र, श्री संस्थित राम, त्रासी कैनाल कालोनी क्यार्टर नं० एस-3 कपूरयला रोड जालन्धर।

(अन्सरक)

(2) श्रं। मस्तान मिह पुत श्री माधु सिंह, वासी 32-गुरु नानक नगर, जालन्धर मार्फत असवंत सिंह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीकत संपरित को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तिस्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यापा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5567, दिसांक दिसम्बर 1983 को रजिस्ट्रोकर्ती अधिकारी ने जालन्धर निखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारो सहायक पायकर ग़ायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंभ, जालन्धर

नारी**ख** : 13-8-84

प्ररूप बार्". दर्रे. एन. एस..-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 13 अगस्त 1984

निदेश नं०/ए० पी० न० 5567—-यतः; मुझे, जे एल गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० जैसा कि अनुमूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्बोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वर्ध्य से उक्त बन्तरण लिखित मे यास्तिक हम किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी काय की शावत अक्त अधि-नियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में स्विधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-स के अन्तरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-स की उपधारा (1) हो अधीन, निम्निविधित व्यक्तियों मधीत् ६(1) श्री महा सिंह पुत्र भगत सिंह बासी 661, माडल टाउन, जालन्धर।

(अन्तरक)

(2(श्री राकेश क्मार अरोड़ा पुत्र श्री प्रेम चन्द, बासी, 491–आर माडल टाउन, जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी यें पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगत्त्रची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 5663, दिनाक दिसम्बर 1983 को रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी जालन्धर, ने लिखा है।

> जै० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख . 13--8--84

प्रकृष वहाँ . डी . पुन् . एक् ८ ------

भायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के ज्भीन सूचना

भारत सःस्कार

कार्यात्त्व, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 13 अगस्त 1984

निर्देश नं० ए० पी० न० 5568—यत , मुझे, जे० एल० गिरधर.

नायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति विसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- में अधिक हैं

श्राँर जिसकी म० जैसाकि अनुसूर्य। में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (भौर इसमें उपाबद्ध अनुसूर्य। में श्रीर पूर्ण रूप में विजित है,) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिकाया 1908 (1908 का 16) के अर्थान, जनवरी 1984

का पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के रहप्रमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पंत्रध्न प्रतिकल का पंत्रध्न प्रतिकत से निभक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के भीत एमें अन्तरण के निए तय पाया नवा है तिकल, निम्नतिवित उद्देश्य से समत अन्तरण विवित्त में अन्तर्वाक कर से कार्यों कार्यों

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाब की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आयकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था. छिपान में स्विभा के लिए:

नतः सन, उन्त निधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण के में, अन्त जिधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के वधीन, निष्यिकितिय व्यक्तिनया , अर्थाम् ल्ला (1) श्री महा सिंह पुत्र भगत सिंह वासी 661-एल, माङल टाउन, जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती आशा रानी पत्नी श्री प्रेम चन्दे, वासी 491-आर, माढल टाउन, जालन्धर।

(अन्तरिती)

का यह सृषना जारी करके पृत्रीक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पन्ति के अर्थन के सबध में कोड़ भी आक्रोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित- व्यक्ति स्थायर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के गर निस्ति में किए जा सकी।

स्पष्टिकिरणः --- इसमें श्युक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पन्ति तथा व्यक्ति जैमा कि विलेख मं० 5855, दिनाम जनवरी 1984 को रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी, जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधरर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्कर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज, जालन्धर

नारीख : 13-8-84 मोहर / प्रक्य आहे". टी. एन्. एस. ------

जासकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक नायकर नायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनाक 13 अगस्त 1984

निर्वेश सं० ए० पी० न 5569—-यतः मुझे, जे०एल० गिरधर,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसको स० जैसा कि श्रनुसूचों में लिखा है तथा जोजालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचों में श्रौर पूर्ग कासे वर्षित है) रजिस्ट्राकर्ता अधिकारों के कायालय, जालन्धर में रजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विसम्बर 1988

को पूर्नेक्त सम्परित के उचित बाजार मूस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का गंत्रह प्रतिकार से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त जन्तरण सिचित में बास्तिबक रूप से किथत महीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाव की बाबत, अवह विधिनियन के नधीन कर दोनें के बन्तरक के बादित्य में कनी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन्-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अस्तिरती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिये ना, जियाने में तुरिया में तिय;

नतः अव, उक्त निधीनयमं की धर्षा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त नीधीनयमं की धारा 269-म की उपधारा (1)-के नधीन, निम्नीनिधन स्वित्तवों, नधीत् :---- (1) श्रो प्रितंपाल सिंह पुत मेजर किरपाल सिंह मुख्तार आम महाराजा सुखजीत सिंह साहिब बहादुर, कपूरथला।

(अन्तरक)

(2) श्रोमती गुरवीप कौर पत्नि श्री सतवंत सिंह वैंस, वासी माहिलपुर तह० गढ़शंकर, जिला होशियारपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यनाहिया करता हो।

उक्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति ब्वारा;
- (चं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिचित में किए वा सकेंगे।

स्वकास्तरणः ---- इसमें प्रयुक्त कव्यों गाँर पर्यो का, वो उक्त निध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, वो उस अध्याय में विया गया है।

वपृत्यी

सम्मित्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5665, दिनांक विसम्बर 1983 को रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी, जालस्थर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरघर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज∤ जालन्धर

तारीखा - 13→2=24 नोहर∎

प्ररूप नाइंटी एन एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज, जालन्ध्रर

जालन्धर, दिनाक 14 अगस्त 1984

निर्देश स० ए० पी० न० 5572--यन मुझे, जे०एल० गिरधर,

भायकर आधानियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन गक्षम प्रविधकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित वाकार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसका स० जैसा कि अनुसूचा में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (भ्रीर इससे उपावड अनुसूचा में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता आधकारा के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं क्षम कं क्ष्यमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण हो कि ग्रथायवाकित स्वास करने का कारण हो कि ग्रथायवाकित स्वास करने उसके द्रश्यमान प्रतिफाल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफाल का पन्त्रहें प्रतिशत सं अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्मतिश्वित खुद्देश्यों से उक्त अन्तरण सिश्वित में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है —

- (क) जन्तरण से हुई जिल्ली जाम की वाब्त, उक्त अभिनियम के अभीत कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य असिस को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती देवारा प्रकट नहीं किया गया शा या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए,

(1) श्री प्यारा सिंह पुत श्री महिंगा सिंह व करमजीत सिंह, हरविन्द्र सिंह, हरपाल सिंह पुत्र श्री प्यारा सिंह वासी ई,32 इन्डस्ट्रीयल एरिया, जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्रामती सतीष कुमारा परित श्रा शम्भु नाथ, बासी डब्लयू० ए० 166, जाक सुवा, जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वार;
- (य) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्री के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्वक्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशावित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उसे अध्याय में दिया गया हैं।

अन्स्वी

सम्पर्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न० 5608, दिनांक दिसम्बर 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर ने लिखा है ।

> जे० एस० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण र्भ, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ॣं——

मारीखा : 14-48-84

मोहुरु 🖺

वस्य आई'. टी. एन्. एस . ------

आयकर **जिथिनियम**, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 अगस्त 1984

निदेश स० /ए० पी० न० 5573—स्यतः मुझे, जे० एल० गिरधरे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 25,000/- रू. में अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रो-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1983

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखितों, में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण सं हुई जिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दीने को अन्तरक को सायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; जरि/या
- हा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ता अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 ना 27) व प्रमोजनार्थ कन्तरिती व्वारा प्रकट महीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा वे सिए:

अरा अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उन्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अभी।, निस्तिनियन व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री राम सिंह पुत्र वे.र सिंह वार्मा--ई॰ ए-186, काजी मोहल्ला गला तेलीओं, जालन्धर ।

(अन्तरक)

(2) श्रो अवतार सिंह पुत्र वोर सिंह, वासी- ई० ए०-186 कार्जा मोहल्ला गली तेलीआं, जालन्धर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करुता हूं।

उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकासन की तारीच के 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी स्पित्रयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविंध, जो भी अविंध बाद में समाप्त होती हो, के भी नर पूर्वोक्स स्पृतिकारों में ने किसी स्पतित द्वापा;
- (क) इस त्थान के राजवत्र में प्रकाशन की सारीज के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिस-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

वन्सची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न० 5494 दिनांक दिसम्बर 1983 को रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी, जालन्ध्रर ने लिखा है।

> जे० एन० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांकः : 14-8-84

प्ररूप . बाही . टी . एन . एस . - - - -

बायकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 अगस्त 1984

निदेश सं०/ए० पी० नं० 5574---यन: मुझे, औ० एल० गिरधर,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-त के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है, तथा जो जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उपायक अनुसूची में ग्रीर पूर्णेरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, विनांक दिसम्बर, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफें, यह विश्वास करने का कारण है कि संधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे ख्रयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिवाद से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अम्तरण से हुई किसी जाय की वावत, उक्त जिभिनियम के जभीन कर दोने के जम्मरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी थन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपान में स्विमा औं सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, कें, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) स्रो तरसेम लाल पृक्ष सीता राम,
आसा बुटा मण्डी, जालन्धर ।
मुख्त्यार खास, रामचन्द पुत्र गरीब चन्द,
वासी—मकान नं० 12-न्यू अम्बेदकर नकोबर रोड,
जालन्धर ।
मुख्त्यार-आम मोहन कौर पुत्री महिंगा सिंह ब कुलवन्त सिंह पुत्र रखा सिंह, कारलयली ग्रांऊड,
साउथ हाल मिडसंक्स (यू० के०)

(अस्तरक)

(2) श्री घोम प्रकाश पुत्र भगतराम वासी—बुटां मण्डी जालस्थर।

(अन्तरिती)

भी वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीव वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा वधीहस्ताकारी के पास तिचित में किए जा सकोंगे।

स्वध्योकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, बही कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

वन्स्वी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5775, विनांक विसम्बर 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 14-8-84

प्ररूप. बर्फ्: टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 अगस्त 1984

निदेश सं० /ए० पी० न० 5571—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर.

आयकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जी धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह प्रिश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उिचत बाजार मूल्य 25,000/- रा से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैमा अनुसूची में लिखा है, तथा जो होश्यारपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्णकप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, होश्यारपुर में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1983,

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य में कम क इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिद्यत से उधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखन में यास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण सं हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए? और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्ध अविषयि द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

(1) श्रामतो शालादेयः विश्ववा राम प्रसाद. प्रसाद नगर, होश्यारपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री नेमचन्द पुत्र जुल्लाराम, वासी---नई आवादी, होश्यारपुर ।

(अन्तरितीं)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्जन के िए ए कार्यवाहियां सुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र मों प्रकासन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के ने कि विधित स्वादित स्वादित स्वादित में संक्रिकी प्रविधा द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्थब्दीकरण :—-इसमो प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियमः के अध्याय 20-क मो परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिवा गया है।

मन्त्रची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख सं० नं०4158 दिनांक दिसम्बर 83 को रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी , होश्यारपुर ने लिखा है ।

> जै० एल० गिरधर मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 14-8-84

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(घ) (1) के सधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांकः 14 अगस्तः 1984 निदेश सं० /ए० पी० नं० 5570—यतः मृझे, जे० एल० गिरधर,

अन्यकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 से के उपीत रक्षिम टाधिकारी को यह विश्वास शरमें का कारण है कि रथावर सम्पत्ति, जिल्ला उधित बाजार मां के 1000 न रहें से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० जैसा अनुसूच! में लिखा है तथा जो होश्यारपुर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूचो में भीर पूर्णरूप से विणित्र है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, होश्यारपुर में प्रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 को 16) के अधीन, दिनाक दिसम्बर 1983,

को गुर्धिक्त सम्पत्ति के टिचत बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है प्रोर मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवींकत सम्पत्ति का उचित बानार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल मं, एम स्थ्यमान प्राचला का पन्ति का पन्ति का प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) औप अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उदत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (स्क) बन्तरण संहुई किसी अाय की बाबत, उन्नत जिम्मियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए, और/मा
- (क्ष) एमे किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1000 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, हिल्पाने में स्विधा के लिए।

अत. धव उक्त अधिनियम की धारा 269-म के लनसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमतो शाला देवी विधवा राम प्रसाद, वितीद कुमार, जवाहरलाल पुत्र राम प्रसाद वासी---प्रलाद नगर, होश्यारपुर ।

(अन्तरकः)

(2) श्रोमता मुलक्ष्णा जैन पत्नी विजय कुमार, नई आबादो, होण्यारपुर ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप '---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में प्रमुख्त होती हो, के भीतर पर्वावत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सम्बना के राजपत्र में प्रकाशन को नारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का मार्किं।

भ्यक्षनिकरण ---इसमी प्रयोश शब्दा और पदी का, जो उन्ह अधिनियम के अध्याय 20-क मी परिभाषित मी, बही अधी होंगा जो अस अध्याय में विया गुवा है।

अमृसूची

व्यक्ति, तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 3987 दिनांक दिसम्बर 83 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी. होण्यारपुर ने लिखा है ।

> जे० एल ० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

विनाम 14-8-1984

भक्ष बाद^{*}, टी. एन. एस. 👵 🕝

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्थना

भारत नरकार

कार्यालय, म**हायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण**) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाफ 14 अगस्त 1984

निदेश स० /ए० पा० नं० 5575--यत. मुझे, जे० एल०

क्षायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अभिक **ह**ै

ग्रौर जिसको स० जैसा अनुसूचा में लिखा है तथा जो फगवाडा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूचा मे ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्टुःकर्ता अधि हारः के कार्यालय, फगवाड़ा में रजिस्टुःकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक दिसम्बर

को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गईं है और मुक्ते बह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सपरित का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल में एसे दश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अंतरक (अंतरकों) यौर अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफास निम्नलिकित उददेश्य से उक्त अन्तरण लिकित में वास्तिबक रूप से काधित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुर्घ किसी भाग की बाबत, उन्नत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने म सुविधा ग तिए, और/या
- (का) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्त्रियो को, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिदियम । 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, क भन-कर **मीभीनयम**, 1957 (1957 का 27) के प्रयांकनार्थ अन्सरिती दवारा प्रकट नहीं विजया पर · तन किन्ना ११, • स्थित था। विद्यान । विद्यान के लिए:

(1) श्री अमरीक सिंह पुत्र माहया, वासी---वंगा रोड, फगवाडा ।

(अन्तरक)

(2) श्रामती मोहिन्द्र कौर पतना लहम्बर सिंह वार्मः—–नगल माजा, तहसील--- फगवाङ्। ।

(अन्तरितः)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

जनत सपरित के जनन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन को अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियाँ पर सूचनाकी तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त द्वाती हा, के भीतर प्यांक्त अविलयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राज्यन म प्रकाशन को तारीख से 45 विन को भीतर उधन स्थायर सपरित में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सर्कोंगे।

सम्बद्धां करणः ----इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, को उनत अधिनियम, के अध्याय 20 % मो परिकासित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख स० 2139 दिनाक दिसम्बर, 83 को रजिस्टोकर्ता अधिकारा, फगवाडा ने लिखा

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

अन्य आव, प्रक्त अधिनियम की भारा 2,69-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धार 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

िद्रमाञ्च ′ 14-8-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 14 अगस्त 1984

निर्देश मं० ए० पं.० न० 5576---यतः, मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण ही कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसका सं० जैसा कि अनुसूर्चा में लिखा है, तथा जो फगवाड़ा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूर्चा में ग्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रावर्ती अधिकारा के कार्यालय, फगवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी 1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति का उपित वाजार मूल्य से कभ के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विस्थास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, लसके दश्यभान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पद्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

यां अबः. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मो उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रा अमरीक सिंह पुत्र माहया वासी-—: मेहली गेट, फगवाड़ा। (अन्तरक)

(2) श्रीमृतीः मोहिन्द्र कौर पत्नी लहम्बर सिंह, वासी---नंगल माजा, तहसील--फगवाडा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिकां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख न० 2277 दिनांक जनवरी, 1984 को रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी, फगवाड़ा ने लिखा है ।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

विनांक : 14-8-1984

मोडर 🚜

प्ररूप आर्ष: टी. एन. एस. ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्तम, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 अगस्त 1984

निदेश स०/ए० पी० नं० 5577---यतः, मुझे, जे० एल० गिरधर,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है') की भारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर मन्पित, जिसका उचित बाजार मन्पै 25,000/-रा. से अधिक है'

श्रीर जिसकी सं० जैमा अनुसूची में लिखा है, तथा जो फगवाड़ा में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णस्प में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारा के कार्यासय, फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी 1984.

कां पूर्वोक्स सम्पर्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के एक्समान प्रतिफल के लिए अंतरित की गईं हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का आरण हैं कि अथापविवित सम्मत्ति का उण्यित ताजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात सं अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकां) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप में किथान नहीं किया गया है .——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम की अधीन कर योने के अन्तरक के दायित्व में कमी करन या उससे बचने में सूविधा के लिए, और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य खास्तिया को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गर्भ था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म, मैं, उक्त अधिनियम की बारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रो अमरीक सिंह पुत्र माहया वासी—वंगा रोड, फगवाड़ा।

(अन्सरक)

(2) श्रीमतो मोहिन्द्र कीप पर्ता लहम्बर सिंह वासो---नंगल माजा, तहसील-फगवाडा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति इसारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे

स्थव्यक्तिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों आरे पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वमृज्ञी

व्यक्ति, तथा सम्मत्ति जैसा कि विलेख नं० 2499 दिनांक फरवरो 1984 को रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी, फगवाड़ा ने लिखा हैं।

> जें० एस० गिरधर समम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 14-8-1984

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एक. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 अगस्त 1984

निदेश स०/ए० पा० न० 5578-यत , मुक्षे, जे० एल० गिरधर,

अग्रयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी की यह विश्वान करने का कारण ह" कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार 25,000/- रत से अभिक है

ग्रौर जिसको स० जैसाकि अनुसूचो में लिखाहै तथाजो फग-वाडा में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारो के कार्यालय, फगवाडा मे रजिस्द्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1984,

को पूर्वेक्स सम्परित के उचित बाजार मृत्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके करपणान प्रतिकल से, एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकास स अधिक है और अंतरक (अंतरकार्) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एं से अन्तरण के लिए सम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित भे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वाबस, उक्त अधिनियम के अभीन कर द'ने के जन्तरक के वायित्व म कमी अरने म उससे बचने में स्विधा के निए; बौर/वा
- (स) ऐसी किसी काय या किसी धन या अन्य आस्त्रियो को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या **धनकर अधिनियम, 1957** (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंसरिती व्वार। प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविभाके सिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बधीम, निम्मलिकित व्यक्तियो, अधीत ----

(1) श्रा अमरीक सिंह पूत्र माहया, बासा--मेहलो गेट, फगवाडा ।

(अन्तरक)

(2) श्रामती मोहिन्द्र कीर पत्नी लहम्बर सिंह, वासी---नगल माजा तहसोल--फगवाड़ा ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पृथिक्त सम्पत्ति क अजन के लिए कार्यवाहिया करता हुः ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के नीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति दवारा
- (स) इस स्चना के राजपण में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उथत स्थावर सम्पत्ति में हित बद्दं किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण .---इसम प्रयूक्त शब्दों और पदा का, जा उत् विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिय नया है €

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख न० 2683 दिनांक मार्च 1984 को रजिस्ट्रोकर्सा अधिकारी, फगवाडा ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

दिनांक ! 14-8-1984

प्ररूप बाइ'. टी. एन. एस, ~~~~~

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) को अधीन सम्बना

भारत सरकार

कार्यालय, स**हायक आयकर बाय्क्स** (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालस्थर

जालन्धर, दिनांदः 14 अगस्त 1984

निदेश सं०/ऐ०पी० नं० 5583~ - अत:, म्झे, जे०एल० गिरधर,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्याम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित्र बाजार मुख्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं जिसा अनुसूची में लिखा है तथा जो जानन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीयाती अधिनारी के जाविलय, जानन्धर में रिजस्ट्रीयरण अधिनियम 1908 (1908 मा 16) में अपीत, दिनांक दिसम्बर, 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है कि मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पल्झ गीत्यत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उपल अन्तरण किसारण में निम्नलिखित उच्चेश्य से उपल अन्तरण किसारण में निम्नलिखित उच्चेश्य से उपल अन्तरण किसारण में निम्नलिखित उच्चेश्य से उपल अन्तरण किसार में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबल, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में भविधा के लिए; और/बा
- (स) ध्रेसी किसी जाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिल्हों भारतीय नास-का अधिनियम, 1929 (1929 का 11, या उसर अधिनियम, 1957 (1957 का 97) के पर्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना था, व्हिपाने को स्विधा के लिए;

नतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भी, भी उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (१) के अधीन, निम्निनियत व्यक्तियों, अर्थात ;---- (1) श्रीमती इन्द्रावती पत्नी हुकमचन्द वासी—53, राजेन्द्र नगर, जालन्धर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विनोध कुमार शर्मा पुत्र रामलुभाया, वासी——ई० एन० 181, चौक कावे शाह, जालन्धर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मग्त्पी

व्यक्ति, तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 5345 दिनांक दिसम्बर, 1983 को रिअस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी, जालन्ध्रर ने लिखा है।

> जे०णल० गिरधर सक्षम पाणिकारी सहायस आयक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

नारीखः 14-8-1984 मोहर प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) वे अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, म**हाय**क आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज श्रमृतसर

अमृतसर दिनाक 3 अगस्त 1984

निवेश स० ए एस भ्रार०/84-85/68---यत , मुझे, बी० एस० किल्लो भ्राई० भ्रार० एस०,

णायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269--स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समंत्रि, जिसका उच्चित बाजार मल्य 25,000 र स अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एक प्लाट बटाला रोड, श्रमृतसर है तथा जो श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इसमें उपायद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप में बिणत है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय एस्० श्रार० श्रमृतसर में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाक दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है जार मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिविक रूप में कथित नहीं किया गया है -

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने मे सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

(1) कुन्दन चन्द पुत्र श्री नारायण धास, कुपर रोड श्रमृतसर ।

(भ्रन्तरक)

- (2) मैसर्स शासी बुलन मिल्ज बटाला रोड द्वारा रामेश कुमार पार्टनर । (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कोई किरायेदार है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिक्षिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मस्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट 533 वर्ग गज बटाला रोड, श्रमृतसर 10416 तिथि 5-12-83 रजिस्ट्रीकर्ता श्रमृतसर ।

> बी० एस० ढिल्लो , श्राई० ग्रार० एस० सक्षम प्राधि हारी सहायक आयक्ष्य आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, श्रमृतसर

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख : 3-8-1984

मोहर

प्ररूप **आई.टी.एर.**एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रिंज, ग्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 4 श्रगस्त 1984

निवेश सं० ए० एस० ग्रार०/84-85/69—यतः मुझे. बी० एस० ढिल्लों, ग्राई० ग्रार० एस०,

बाव र जी (नियम, 1961 (1961 का 43) (जिन्ह रमन इसके परवाद 'उवत अभिनयम कहा गया है), की कार 269- के अथीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने के कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाबार मूल्य 25,000 - रु में अधिक हैं

भीर जिसकी सं० भूमि कृषि गांव भरोली कलां पठानकोट है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, एस० श्रार० पठानकोट में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक दिसम्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार म्ल्य में कम के रहयमान प्रतिफान को निए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास अरने का कारण है कि प्रधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उनके दृश्यमान प्रतिफान से एमें दृश्यमान प्रतिफात का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफान, निम्नलिसित उद्देश्य स उन्तर अन्तरण निस्तिक के पास्तिक क

- (क) अंतरण म हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें कान के के के सिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कां, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) कां अधीन, निम्नलिजित व्यक्तियाँ, अर्थात् ः— 14---226 GI[84 (1) श्री नानकचन्द सुन्दर सिंह पुत्र मारूराम गाव—भरोली कलौ पठान कोट जिला—-गुरदासपुर ।

(ग्रन्तरक)

(2) हिन्दुस्तान बोतल स्टोर गुरदासपुर रोड, पठानकोट ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कारकारिया करता १७।

उक्त सम्पत्ति के अजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा.
- (स) इस स्पना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस सं 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितप्रदेश किसी जन्म स्पत्ति द्वारा अधाहरणक्षर। के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, दहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

मन्यूची

6 कनाल जमीन भरोली कला पठानकोट 2627 दिनांक 16-12-83 रजिस्ट्रीकर्ता पठानकोट ।

> बी० एस० ढिल्लों आई० स्नार० एस० सक्षम प्राधिकारी महायक स्नायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्नर्जन रेंज , स्रमृतमर

विनांक: 4-8-1984

मोहर ३

त्रक्य बार्ड. टी. एन. एस.-----

भारत किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीत सूचना

भारत सुरकार

कायौलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, अमृतसर

भ्रमृतसर, विनांक 30 जुलाई 1984

निदेश सं० ए० एस० भ्रार०/84-85/70-थतः मुझे, बी० एस० ढिल्लों भाई० भ्रार० एस०,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० एक जायदाद कमहरी रोड ग्रमृतसर है तथा जो ग्रमृतसर में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से में विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, एस० ग्रार० ग्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उमित बाजार मृश्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंचह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया यया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में भारतीबक रूप से कथित नहीं किया गया के स्नान्स

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की वावल, उक्त जीपीणयम के जभीन कर दोने के लन्तरक के खिवल्य में कमी धरने या उससे बचने में शिवधा के सिए; बॉर/वा
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तिया की, जिन्हीं भारतीय आयक र अधिनियम, 19?? (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के न्या.

मत: मय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ■ जथीन, निम्नसिधित व्यक्तियों. व्यक्ति क्या (1) श्रीमनी पूर्णकौर विधवा हरभजन सिंह वासी—-31, पंजाब रोडबेज कालोनी, श्रमृतसर ।

(श्रन्तरक)

- (2) श्रीमती प्रकाश कौर विधवा श्री सुरिन्द्र सिंह वासी---20 महिन्द्रा हाउस कोर्ट रोज ग्रमृतसर। (ग्रन्तरिकी)
- (3) जैसा भाग 2 में (किरायेदार है) (यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचन। आरी करके पूनींबत सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सरकल्ध गाँ करेले भी शहरेष ---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उच्का स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कार्य

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त अब्दों और पदो का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, इहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मुबा हैं।

अनुसूची

1/4 हिस्सा प्रापर्टी कचहरी रोड, श्रमृतसर 11134 तिथि 23-12-83 श्रमृतसर ।

बी० एस० ढिल्लों, फ्राई० ग्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, ग्रमृतसर

दिनांक : 30-7-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) शरी भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 30 जुलाई 1984

निदेश सं० ए० एस० श्रार०/84-85/71-यतः मुझे, बी० एस० ढिल्लों, श्राई० श्रार० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एक जायवाद कचहरी रोड, श्रमृतसर है तथा जो श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रीर पूर्णहप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय, एस० श्रार० श्रमृतसर मे रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इह्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके इस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत्त, निम्नलिचित उद्देष्ण से उक्त अन्तरण निम्लिस में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुन्द किसी जाय की बाबत, उक्त जिम्मिन्यस के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में जुनिधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतेथ आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 15) या उक्स अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था किया जाना चाहिए या छिपाने में मृतिया के सिए?

बतः बब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती पूरन कौर विधवा हरभजन सिंह वासी-31 पंजाब रोडवेज कालोनी श्रमृतसर:।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कुलदीश कौर विधवा नैन सिंह वासी—फगवाड़ा सतनाम पुरा द्वारा रिवन्द्रपाल सिंह पुत्र सुरिन्द्र सिंह 20 महिन्द्रा हाउस कालोनी कचहरी रोड, अमतसर ।

(भन्तरिती)

(3) जैसा 2 में कोई किरायेदार है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनस सम्परित के अर्जन के क्षम्बन्ध में कोई" भी शाक्षण इ-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनभि मा तत्सम्बन्धी स्पित्समाँ पर स्थान की तामील से 30 दिम की अविभि, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट स्पृक्तियों में से किसी स्पष्टित द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास किसी में किए जा सकेंगे।

वन्स्ची

1/4 हिस्सा जायदाद कचहरी रोड ग्रमृतसर सेलडीड नं० 12934 तिथि 10-2-84 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रमृतसर है।

> बी० एस० ढिल्लों, ग्राई० ग्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

दिनांक: 30-7-1984

मोहर इ

प्ररूप आइ. टी.एन.एस. -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 30 जुलाई 1984

निदेश स० ए० एस० ग्रार०/84-85/72--यतः मुझे, बी० एस० ढिल्लों, ग्राई० ग्रार० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० एक जायदाद कचहरी रोड, ग्रमृतसर है तथा जो ग्रमृतसर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रमुसूची मे ग्रौर पूर्ण-रूप में वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, एस० ग्रार० श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करमें का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ६ श्यमान प्रतिफल से एसे ६ श्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वदेश से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण ते हुई किसी आय की बाबत, उत्तर जिमितियम के अभीन कर दोने के अन्सरक के दाबित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्टिक व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती पूर्णकौर विश्ववा हरभजन सिंह वासी---31 पंजाब रोडवेज कालोनी, प्रमृतसर । (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती प्रकाश कौर विधवा सुरिन्द्र सिंह वासी--20 महिन्द्रा हाउस कालोनी कोर्ट रोड श्रमृतसर ।

(श्रन्तरिती)

(3) जैसा 2 में कोई किरायेदार है। (यह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यताहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रवास:
- (ख) इस स्मान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किये जा सकरी।

स्पाध्वीकरण :---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पयों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्स् भी

1/4 हिस्सा जायदाद कचहरी रोड ध्रमृतसर 11835 तिथि 11-1-84 रजिस्ट्रीकर्ता ध्रमृतसर ।

> बी० एस० ढिल्लों, श्राई० श्रार० एस० मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृलसर ।

विमांक : 30-7-1984

प्रस्प बाइ . टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेज, श्रमृतसर

भ्रमृतसर, दिनांक 30 जुलाई 1984

निदेश सं० ए० एस० श्रार०/83-84/73-यत. मुझे, बी० एस० ढिल्लों श्राई० श्रार० एस०,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० एक जायदाद कचहरी रोड ग्रमृतसर है तथा जो ग्रमृतसर में स्थित हे (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्णस्प में विणित है), रिजम्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, एस० ग्रार० ग्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक जनवरी 1984,

को पृथां कत सम्पत्ति के उचित, बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के शीच एस अन्तरण के किए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से कंथिस नहीं किया गया है:——

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए, और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उतन अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दकार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था दिशाने में सुदिशा के लिए,

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्थ भो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिकित व्यक्तियों:----

- (1) श्रीमती पूर्णकौर विधवा हरभजन सिंह वासी—31 पंजाब रोडवेज कालोनी ग्रमृतसर । (ग्रस्तरक)
- (2) श्री रिवन्त्रपाल सिंह पुत्र श्री सुरिन्द्रसिंह वासी—20 महिन्द्रा हाउस कोर्ट रोड, श्रमुतसर ।

(म्रन्तरिती)

(3) जैमा कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितयदा है) (वह व्यक्ति, सिके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उत्रय सप्रतित के अर्जन के सबय में कोई भी जाक्षण :--

- (क) इस सूचना के राजपा में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया जनमन्त्री व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जांभी अवधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वांक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्परित में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति ह्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिकित में किए या सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कब्कों और पदां का, जो उच्च अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अभ्याय में दिया गया

अमसची

1/4 हिस्सा जायदाद कचहरी रोड, श्रमृतसर 12202 तिथि 20-1-84 में रजिस्ट्रीकर्ता श्रमृतसर ।

बी० एस० ढिल्लों, भाई० म्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, भमृतसर ।

दिनांक : 30-7-1984

मोहर 🛭

प्रचल काई. टी. एन. एस. - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत संस्कार

कार्याज्ञय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर
श्रमृतसर, दिनांक 4-8-84

निदेश सं० ए०एस० ग्रार०/84-85/74--यतः मुझे, बी० एस० हिल्लों, ग्राई० ग्रार० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० एक जायवाद है तथा जो गुरू बाजार अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1983

को पूर्वेक्त संपरित के उचित बाजार मुख्य से कम के सस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ट सपित का उचित दाजार मूख्य, उसके ब्रथमान प्रतिफल से एसे ब्रथमान प्रतिफल का पन्द्रत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरित्या) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निर्मालिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्मित के बासिक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं शुद्धं किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आब-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना चाहिए था कियाने में चुनिभा के लिए।

बक: क्रथा, उक्त विधिनियम की भारा 269-ण के अनुकारण वो, मी, अक्त विधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) को विधीन, निम्मनिविक्त व्यक्तियों, विधीक डिल्ल्स (1) श्री राम लाल पुत्र सालिग राम कटड़ा म्राहलुवाला म्रमुतसर ।

(मन्तरक)

(2) श्री हरबंस लाल सेठ पुत्र विशन दास सेठ कटड़ा भाई संत सिंह ग्रमृतसर ।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा अपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो श्री विशन दास
 सेठ---75/- महीना ।
 (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) ग्रीर कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोसहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपंति के अर्थन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उस्त सम्परित के कर्जन के संबंध में कोई भी शाक्षेप :-

- (क) इस मूचना क राजपत्र में प्रकासन की तारींच से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भा अविधि बाद में सम्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतान,
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकोंगे।

स्यष्टिकरणः — इसम्भे प्रयुक्त कव्यों नीर पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भग्तूची

1/2 भाग जायदाद जो गुरन बाजष प्रमृतसर में $\ref{8}$ जैसा सेलडीड नं० 10633/8-12-83 रजिस्ट्रीकर्ता प्रिधकारी श्रमृतसर में दर्ज है ।

बी० एस० ढिल्लो, (म्राई० म्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, प्रमृतसर

विनांक : 4-8-1984

मोहर 🛭

अरूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहारक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 4 श्रगस्त 1984

निदेण सं० ए० एस० श्रार०/84-85/75—यतः मुझे, बी० एस० ढिल्लो श्राई० श्रार० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)। (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो गुरू वाजार श्रमृतसर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णरूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक दिसम्बर 1983

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उसित बाजार मूल्य से कम के स्थमान मित्रफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के शीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में बास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुइं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अंतरक के दायित्व में कामी कारने या उसमे बचने में मृतिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के परोजनार्थ अन्तरिती द्वारा किट नहीं किया गया धा या किया जाना शिक्षिए ता रिष्टाने में स्वीवधा के निए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) भ्री राम लाल पुत्रसालिगराम कटड़ा ग्राहुलाबाला श्रमृतसर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्राण नाथ पुत्र विशन बास सेठ कटड़ा भाई संत सिंह ग्रमृतसर ।

(भ्रन्तरिती)

- . (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हैं श्री बिशनदास सेठ—75/~ महीना । (बह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
 - (4) श्रौर कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कारके पूर्विक्त सम्पत्सि को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उबत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में की हैं भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यवित्यों में से कियी व्यवित द्वारा:
- (७) इस मूचना वं राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिश के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हिलबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सर्वेषे।

स्थव्हीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

जन्सूची

1/2 भाग जायदाद का जो गुरू बाजार ग्रमृतसर में है जैसा सेलडीड नं० 10877/16-12-83 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

> बी० एस० ढिल्लों, श्राई० श्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

विनांक: 4-8-1984

मोहर '

प्रकृष बाइ .टी. एन .एव . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज, अमृतसर

भ्रमृतसर, दिनांक 31 जुलाई 1984

निदेश सं० ए० एस० ग्रार०/84-85/76-यतः मुझे, बी० एस० ढिल्सों, ग्राई० ग्रार० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमं इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु*), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हु* कि स्थावर सम्मति, जिसका उच्चित याजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हु*

ग्रीर जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो मजीठा रोड़ अमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण-रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रनृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किस निम्नतिबित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तिवक स्प से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण को धाबित्य में कमी करने या उत्तरों स्थाने में सुविधा चै सिए: सौर/मा
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या त्यंत अधिनियम या पर अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अन्यापता वृक्षारा प्रकट तहा किया गया भा या किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्विधा के निष्

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के सधीन, निम्निलिश्वत व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती नीलम कान्ता पत्नी विजय कुमार वासी—गरीकपुरा द्वारा रिजन्द्र कुमार पुत्र साधूराम वासी—गरीकपुरा श्रीर सुरजीत चन्द्र पुत्र किणन चन्द वासी—तहसील पुरा श्रमृतसर ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री लालचन्द मेहरा पुत्र जय राम दास मेहरा महिन्द्रा कालोनी कोर्ट रोड, ग्रमृतसर ।

(अन्तरिती)

(3) औसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेवार हो (यह व्यक्ति, जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्रीर कोई।

(बह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरो जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब है)

कां यह सुमना चारी करके प्याँकत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यशाहमां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्मन्थ में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इस के 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखत में जिल्ला का सकेंग ।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्धं और पर्यो का, का उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुत अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

बन्त्ची

एक भूमि का प्लाट जो मजीठा रोड निकट माई हस्पताल प्रमृतसर में है जैसा सेलडीड नं० 10920/19-12-83 रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी ग्रमृतसर में दर्ज है।

> बी० एस० ढिल्लों, ग्राई० ग्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन र्रेज, ग्रमुतसर

दिनांक : 31-7-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ---- --

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की गरा 209-वं (1) के जबीन सूचना

भारत सरकार

पत्र्यात्रिय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, अमतसर

श्रमृहत्यर, ितांक 🔠 भूलाई 1984

निदेश सं० ए० एस० भार०/84-85/77---यतः मुझे, बी० एस० ढिल्लो भ्रई० भार० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पठकात् 'उक्त अधिनियम' काहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रांधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो मजीटा रोड अमृतसर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अमुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन. दिनांक दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि मशापूर्वोक्त संपतित का उचित बाजार मूल्य इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के क्षेत्र एमें अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निम्निल के बास्तिक रूप में कथित नहीं किया गवा है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्क में कमी करन या उससे यथने में सूविधा के निए; अधिनयम के अधीन कर यान के मन्तरक के दायित्व बीर/या
- (श) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य अस्तिकों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 1)। या जिन्हों अति ग्राजीस, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) भी कथी।. निम्निनियित व्यक्तियों, अर्थात् —— 15—226 GT 84

- (।) श्रीमिती नीलम कान्ता पत्नी विजय कुमार वासी—गरीफपुरा द्वारा रजिन्द्रकुमार पुत्र साधू राम वासी शरीफपुरा धौर सुरजीत चन्द पुत्र किशन चन्द वासी तहसीलपुरा ध्रमृतसर । (ध्रन्तरक)
- (2) श्री लाल चन्द मेहरा पुत्र जय राम दाम मेहरा वासी---महिन्द्रा कालोनी, कोर्ट रोड. श्रम्तसर ।

(ग्रापरिती)

- (3) जैसा ऊपर मं० 2 में होई िट (येदार है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधमोग में सम्पत्ति है)
- (4) श्रौर कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह स्चना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया श्रूक करता हुः।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संम्बन्ध में कोई भी जाओप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, भी भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्हा में किए जा सकेंचे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

ममुस्ची

एक भूमि का प्लाट जो मजीठा रोड निकट ग्राई हस्पताल ग्रमृतसर में है जैसा सेलडीड नं० 11360/28-12-83 रजिस्ट्री-कर्ता ग्रमृतसर में दर्ज है ।

> बी०एम० दिल्लों. ग्राई० ग्रार०एम० सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर ।

दिनांक : 31-7-1984

प्ररूप आइं. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर आधुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, अमृतस्र

भ्रमृतसर, दिनांक 3 श्रगस्त 1984

निवेश सं० ए० एस० श्रार०/84-85/78--यतः मुझे, बी० एस० ढिल्लों, श्राई० श्रार० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उवत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो कटड़ा खजाना श्रमृतसर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक दिसम्बर, 1983,

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि अधापवेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे ख्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिनिया) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की शायत उक्त अधि-नियम को अधीन कर वोने के अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सृथिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1422 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।;

सतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग कं अनुसरण भैं. मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, चिन्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १---

- (1) धी भीन सेन पुत्र चुनी जाल क्वा बाग घौधरी, कटडा खजाना अमृतसर । (श्वन्तर्क)
- (2) श्री राजकुमार पुत्र हरी किणन वासी—-गृष्ट के महिल, गली भावड़िया श्रम्तसर ।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) भ्रौर कोई (वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह रूपना जारी करक पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करतः हो।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोड भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पथ्दीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्वाय 20-क मे परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अग्स्ची

1/2 भाग जायदाद जो बाग चौधरी कटड़ा खजाना भ्रमृतसर में है जैसा सेलक्षीड नं 0.11350/28-12-83 रजिस्ट्रीकर्ता भ्रमिकारी भ्रमतसर में दर्ज है।

बी० एस० हिल्लों, ग्राई० ग्रार० एस० सक्षम पात्रकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, श्रमृतसर ।

दिनांक : 3-8-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूमना

भारत संस्कार

कार्यालयः, सहायक भायकर बायक्त् (निराक्षण) श्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर ग्रमृतसर, दिनाक 3 ग्रगस्त 1984 निदेश सं० ए० एस० ग्रार०/84-85/79--यतः मुझे, बी० एस० ढिल्लो, ग्राई० ग्रार० एस०,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ६४) इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/~ रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो कटड़ा खजाना अमृतसर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्याल श्रमृतसर में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीम, दिनांक दिसम्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल का प्रमाद प्रतिफल का प्रतिफल का प्रतिफल का प्रतिफल का प्रतिकात अधिक है और खंतरक (अतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रमा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अतरण लिखित को बास्तिक रूप से किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त विभिनियम के जभीन कर दोने के बंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जॉर/बा
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ असरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-गृ के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (11 में समीम, निम्नसिवित व्यक्तियों) अविद् क्रि-- (1) श्रीमती सुरेष्ठा महाजन पत्नी भीमसेन कूचा बाग चौधरी, कटड़ा खजाना, श्रमृतसर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सुनीता सोनी पत्नी राज कुमार गुररुद्वारा गुरू के मोहल, गली भावड़ियां, श्रमृतसर ।

(श्रन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) ग्रीर कोई (वह व्यक्ति, जिसके बारे म ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्मत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्यारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहम्ताक्षणी व पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

1/2 भाग जायबाद जो बाग बौधरी कटड़ा खजाना श्रमृतसर में है जैसा सेलडीड नं० 11349/28-12-83 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

> बी० एस० ढिल्लो, ग्राई० ग्रार० एस० सक्षम प्राधिकारः सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) ग्रर्जन रेज, ग्रमृतसर ।

दिनाक : 3-8-1984

मॉहर्ड ३

प्ररूप बाइ^र. टी. एन. एस.------नायकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, ग्रम्तसर

श्रमृतसर, दिनाक 3 श्रगस्त 1984

निदेश स० ग्रमृतसर/84-85/80---यत. मुझे, बी० एस० ढिल्लो ग्राई० ग्रार० एस०,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बागर मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो गिलवाली गेट श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर मे रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक दिसम्बर, 1983.

को पूर्वोक्त सम्पति के उजित बाजार मूह्य सं क्या के वृत्रयमान प्रिक्ति के लिए ग्रंतरित की गई है और मुख्ने यह निश्वास क्या के का प्राप्त है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूह्य, एसके वृत्रयमान प्रतिफल का पत्रह प्रतिशास सम्बद्ध वृत्रयमान प्रतिफल का पत्रह प्रतिशास सम्बद्ध कोर व्यन्तरक (अन्तरकी) और व्यन्तरिती (वन्तरिति) के बीच ऐसे व्यन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिक्रक, विश्वालिखत उद्देश्य से वक्त प्रन्तरण विश्वित म बास्तविक क्ष्य के खावत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ते हुई िकसी आय की बाबस, उच्चत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में तृथिभा के लिए; आर्ट्र/या
- (ख) एम किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तिया कते, जिल्हों भएनीए अयुक्त अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन कर अपितियास, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्यरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए; और/या

क्तः बद, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) कों क्यीन, निम्निजिस्त व्यक्ति में, अभृति ए---- (1) श्रीमती सुदर्शन कुमारी पत्नी मनोहर लाल, गुनित नगर, भमृतसर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सुनीतवास पुत्न इंगलिशभान, सेठ चौक, चिन्तपुर्णी, ग्रमृतसर ।

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर स० 2 में कोई किराएदार हो (वह व्यक्ति, जिसके ब्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) ग्रीर कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे मे श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (फ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पृथ्वीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मया है।

अनुसूची

1/2 भाग जायबाद का जो अन्दरूनन गिलवाली गेट अमृतसर में हैं जैसा सेलडीड नं० 11235/26-12-83 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज हैं।

> बी० एस० ढिल्लो, श्राई० श्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहाययक आयकर आयुक्त (निरक्षण) श्रजेंन रेज, श्रमुतसर

दिनाक 3-8-1984 मोहर en energy forme a regular control of the energy of the control of the control of the control of the control of

प्रस्प बाद हो एवं एक व्यानन्त्रान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

and their

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, ग्रम्तसर

ग्रम् तसर, दिनांक 3 ग्रगस्त 1984

निदेश सं० ए० एस० ग्रार०/84-85/81--यतः मुझे, बी० एस० ढिल्लो श्राई० ग्रार० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उकत अधिनियम' कहा नवा ही, की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण ही कि स्थानर संपरित, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु से अधिक ही

भ्रौर जिसकी स० एक जायदाद है तथा जो गिलवाली गेट श्रमृतसर में स्थित है (श्रौर इससे उपावह अनुसूची में ग्रौर पूर्णस्प में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक विसम्बर, 1983,

को पूर्वोदित संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफला के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण विखित में वास्त्विक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की यावत. उक्छ अभिनियम के बभीन कर दोने से जल्लरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्यमें में सुविधा के लिए; बाँड/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तिओं कार, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्राजनाथ अन्ताप्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, किएाने में सुविभा करिन्छ,

(1) श्रीमती सुदर्शन कुमारी पत्नी मनोहर लाल शक्तिनगर, ग्रमृतसर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सुनीत दास पुत्र इगलिशभान सेठ चौक चिन्तपुर्णी, ग्रमृतसर ।

(श्रन्सरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 मे कोई किराएदार है (वह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) भौर कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे मे श्रधोहस्ताक्षरी जानता द्भक्ति वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के कर्जन के दिलए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीता पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवव्य किसी अन्य व्यक्ति प्यारा अधोहस्ताक्षरी के पाम निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पटिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उबल अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 माग जायदाद का जो प्रन्दस्त गिलवाली गेट प्रमृतसर में है जैसा सेलडीड नं० 11168/23-12-84 को रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

बी॰ एस॰ ढिल्लो, ग्राई॰ ग्रार॰ एस० सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

अतः प्रवा, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीत, निस्तीतिक्ति व्यक्तियों, अधीत् ह—

विनांक : 3-8-1984

प्ररूप बाई. टी. एम. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर श्रमृतसर, दिनांक 31 जुलाई 1984 निदेश सं० ए० एस० श्रार/84-85/82--यतः मुझे, बी० एस० ढिल्लो, श्राई० श्रार० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपयों से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो प्रताप नगर, अमृतसर में स्थित है (श्रार इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक दिसम्बर 1983,

को पूर्व्योंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिकल के निए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके कश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिचित में शास्तियक रूप से अधित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन फर बने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्/या
- (ख) एस किसी आय या किसी पन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भागतीय आयकर अधिनियम, 1927 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, िष्ठपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिस्थित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमिति हरबंस कोर पत्नी बलवन्त सिंह, 488, ईस्ट मोहन नगर, ग्रमृतसर । ग्रब 96 हकीकत नगर' पटियाला । (ग्रन्सरक)
- (2) श्री वत्तर सिंह पुत्र गणिन्द्र सिंह, 1, न्यू प्रताप नगर, अमृतसर

(ध्रसरिती)

- (3) (जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएवार है।(वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिमोग में सम्पत्ति है)
- (4) ग्रौर कोई (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध , जो भी वयिष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्यध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरेंगे।

स्वव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

मन्स्ची

एक जायदाद जो प्रताप नगर श्रमृतसर में है जैसा सेलडीड नं० 10986/20-12-83 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी अमृत सर में दर्ज है।

> बी० एस० हिल्लो, ग्राई० ग्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रज, ग्रम्तसर

दिनाक : 31-7-1984

प्रकृप आहें, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, श्रम्तमर

श्रमृतसर, दिनांक 31 जुलाई 1984

निवेश सं० ए० एस० श्रार०/84-85/83--यतः मुझे, बी० एस० ढिल्लो, श्राई० श्रार० एस०,

बायकर मिंगियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें एक्जात 'उक्त प्रधितियम' कहा गया हो, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक ही

ग्रीर जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो रखीशकार गाह ग्रमृतसर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक दिसम्बर 1983,

को प्वोंक्त संपरित को उचित वाकार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित काजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक ही और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐरो अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण संहुक् किसी मात्र की पावत, उक्त अधिजियम औं अधीन कर दोने के अन्तरक की दावित्व में कवी करने या समसे क्यने में मृधिका को किए; और/शा
- (क) ऐसी किसी बाय या फिसी धन या बन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवासनाथ अन्तरिती देवारा प्रकट नहीं किया गा। से प्राक्रिय का जाना नहिए या, खिद्यान में संविधा के बिद्य;
- राप राप. राज्यन अ^पभानियम की भारा 269-ग **के अन्तरण** मों, मीं, जनत अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीय: निम्नसिणिन व्यक्तियों, अ**धीत्:**——

- (1) श्री जरनैल सिंह पुत्र लाभ सिंह, वासी गांव नगंली, तहसील व जिला, श्रमृतसर । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री मुधीर कुमार पुत्र चिमन लाल 63 लारेंस रोड, ग्रमृतसर ।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं ० 2 में कोई किराएदार हो (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिक्षभोग में सम्पत्ति है)
- (4) श्रौर कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के बर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आकंप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में / प्रक्रायन की पारीस के 45 दिन की जनिए मा तत्सम्बन्धी का क्तयाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अन्यि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीलर पूत्रों करा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकींगे।

स्पव्हीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, तहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिस्स च्या हैं।

अनुस्ची

एक भूमि का प्लाट 800 व० ग० जो रखीशिकारगाह, बई पास पर श्रमृतसर में है जैसा सेलडीड नं० 11462/30-12-83 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी श्रमृतसर में वर्ज है।

> वी० एस० ढिल्लो, ग्राई० श्रार० एस० पत्तम प्राधिदारी सहायक भागतम आयुवक (निरोक्षण) ग्राजन रॅंज, ग्रम्तसर

दिनांक : 31-7-84

मोहर 🛭

शक्य बाई ही एन एस . ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज, अमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 31 जुलाई 1984

ि इं सं ० ए० एस० श्रार०/84-85/84--यतः मुझे, भी० एस० ढिल्लो, आई० श्रार० एस०,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के कधीन संजम पाधिकारी को यह विश्वास कारने वा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

६ भू िका प्लाट है तथा जो वसंत एवेन्यू श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण-रूप में बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्याक्ष्य, श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक दिसम्बर 1983,

को प्लेंक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति नंपति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल तो, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्ति उव्देष्य से उक्त बन्तरण किस्तित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है; —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधितियंत्र के बजीन कर दोने के अन्तरक की टापिस्थ में क्यी करके था उपये सकते में करिया के लिए; और/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी घर या अस्य आस्तियों की जिल्ही भारतीय आग्रकर अधिनियम, 1427 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, गा भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) का प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्यारा प्रकट नहीं किया गरूर चा या किए। जाना चाहिए था कियाने में हरक्या के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनसरण गों, मीं जक्त अधिनियमं की धारा 269-य की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

- (1) श्री तंबरजीत सिंह पुत्र पुरान सिंह, वासी—वौक बाबा सिंहव द्वारा श्रीमती चरणजीत कीर पत्नी लिलोचन सिंह, 445—यीन एवेन्यू, श्रमृतसर ।
- (2) श्री मोहन सिंह पुत्र बलवन्त सिंह, 524, बसंत एवेन्यू, ग्रमृतसर ।

(भ्रन्तरिती)

(ग्रन्तरक)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो (वह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) श्रौर कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानत है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

कां बह सूचना चारी करके पृवाँकत सम्पृत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्पन हे सम्बन्ध में कोई भी मार्क्षण ह

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स 45 दिन की अविध या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की क्षारीस से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास जिल्हा के किए ता सकोंगे!

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों कौर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि क प्लाट 40 वर्ग गण जो बसंत एन्यू श्रमृतसर में जैसा सेजडीड नं० 11407/24-12-83 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

> बी० एन० ढिल्लों, म्राई० म्रार० एस० मक्षम प्राधिकारी महायक आयशर आयुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंज, म्रमृतसर

दिनांक : 31-7-1984

पुरूप आर्ध टी एन एस. ------

मायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, श्रमतसर

श्रमृतसर, दिनांक 6 श्रगस्त 1984

निवेश सं० ए० एस० श्रार०/84-85/85--यतः मृझे, बी॰ एम० ढिल्लो, श्राई० श्रार० एम०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० एक जायबाद है तथा जो शक्ति नगर भ्रमृतसर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में श्रौर पूर्ण-रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, एस० श्रार० श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1.908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक दिसम्बर 1983,

की प्रविभित्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्येक्ति सम्पत्ति का उचित वाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिनयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उददेश्य से उसत अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप में किथत नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण सं हुई जिसी शाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन भर दोन के असरक के बायित्व में कमी करने या उससे अधने में मुविधा के लिए; बौर/या
- (क) एसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें अप्रतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-क्तर अधिनियम, या धन-क्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था किया में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धार्य 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिकित व्यक्तियों अर्थातः—— 16—226 GI/84 (1) श्री कन्हैयालाल पुत्र श्री रामभन्द, आसी---धात्रार लश्कड़ मण्डी, ग्रब वसंती राम, श्रमृतसर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मदन लाल पुत्र श्री कृष्ण चन्द, वासी---फारीकन नं 1, नमक मण्डी श्रमृतसर ।

(अन्तरिती)

- (3) जैंसे 2 में कोई किरायेदार है (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी बाक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पत्तिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिश्वनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन सची

एक जायदाद शक्ति नगर ग्रमृतसर बदलेवाली (एक्पचेंज) 11432 तिथि 30-12-83 को रजिस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

बी० एस० ढिल्लो, ग्राई० ग्रार० एस०, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

दिसांक : 6-8-1984 मोहर 3 प्ररूप बाहर टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर कामृक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज, श्रमुतसर

श्रमृतगर, दिनांक 6 श्रगस्त 1984

निदेश सं० ए० एस० धार०/84-85/86-यतः मुझे, बी० एस० ढिल्लों, आई० श्रार० एस०,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रा. में अधिक है

श्रोर जिसकी सं० एक जायदाद रेखने लिंक रोड, अमृतसर है तथा जो अमृतसर में स्थित है (श्रोर इससे उपावड़ अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० श्रार० अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक दिसम्बर 1983,

को प्नोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृर्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृर्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से क्षिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरित्यों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निवित में बास्तविक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है द्

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के जन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसमे बचने में सिवधा के सिए; और/या
- 'अ एमी किसी अस था किसी धन या अस्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय याय-कर अधिनियम, 1922 (1972 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गरा या जिया जाना चाहिए था, ज्याने में स्थिमा के निए;

अतः मब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री जन्दन सिंह पृक्ष वधाबा सिंह 51 रेलवे लिंक रोड, श्रम्तसर ।

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री परदीप सिंह पुत्र सुरेन्द्र दास 134 पक्की गली गोपाल नगर, ग्रमृतसर । (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा कोई 2 न० में किरायेदार हो (बह व्यक्ति, जिसके स्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पृथेकित सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उन्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोड़ भी आक्षेप:--

- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा ।
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित्बक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकोंगे।

स्वध्यक्षिरण: -- इसमें प्रयुक्त राज्यों और पृक्षों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गवा है।

जन्स्की

एक जायदाद रेलवे लिक रोड, ग्रमृतसर 10600 निधि 8-12-83 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रमृतसर ।

> बी० एस० ढिल्लो, श्राई० श्रार० एस० मक्षम प्राधिकारी गडायक आगनार आयुक्त (निरी**क्षण**) सर्जन रेंज, श्रमृतसर

दिनांक : 6-8-1984

प्रकप नाइं.टी. एन. एस ., ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज, अ्रमृतसर

श्रमृतसर; दिनाक 6 श्रगस्त 1984

निदेश सं० ए० एस० ग्रार०/84-85/87--यतः मुझे, बी० एस० हिल्लों, ग्राई० ग्रार० एस०,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० एक प्लाट सरदों लेंल बाबा बकाला अमृतसर है तथा जो अमृतसर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० श्रार० बाबा बकाला में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक दिसम्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसं दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्वदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक इप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से शुरू किसी आय की बाबत उक्त बरिश्रानियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के बायित्व में कभी करने या उद्भसे बचने में सुविधा के लिए; बर्गर/या
- (क) एसी किसी भाष या किसी धन सा अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृतारा प्रकट नहीं किया गया था मा किया जाना चाहिए था. कियाने में मृतिधा के सिए।

जतः जयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :-- (1) श्री नरिन्वर सिह पुत्र श्री धर्मसिह वासी भिडर तहसील ग्रमृतसर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्रेम सागर पुत्र श्री चुन्नीलाल गली कलकट्टेयान में कटड़ा सफेद हाउस नं० 3790 ग्रम्तसर।

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा कोई नं० 2 में हो (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति हैं)

की यह स्थाना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के उपजपत्रं में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट एक कनाल सेंदोलेल तहु० बाबा बकाला सेलडीड नं०2639 तिथि 23-12-83 रजिस्ट्रीकर्ता बाबा बकाला ।

> बी० एस० ढिल्लों, म्नाई० ग्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)• मर्जन रेंज, ममृतसर

दिनांक : 6-8-1984

प्ररूप **बाइ**. टी, एन. **ए**स _प-----

नायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) की धाउा 269-म (1) के नधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनाक 6 श्रगस्त 1984

निदेश स० ए० एस० श्रार०/84-85/88--यतः मुझे, बी॰ एस० ढिल्लों, श्राई० श्रार० एस०,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा में अधिक है

मौर जिसकी स० एक प्लाट बाबा बकाला अमृतसर है तथा जो अमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक्क अनुसूची में श्रीर पूर्ण- रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, एस० श्रार० बाबा बकाला मे रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनाक दिसम्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अतरित की गई है और मुक्ते यह विकास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य पन्तृष्ठ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य में उक्त अन्तरण लिखित लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया हां ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी अन्य की वाबत, उपस्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय, जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान से मृतिभा के लिए;

सतः तस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात —— (1) श्री नरिन्द्र सिंह पुत्र धर्म सिंह वासी भिण्डर तहसील श्रमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रेम सागर पुत्र श्री चुन्नीलाल कलेक्टीय मकान न० 3790 ग्रमृतसर ।

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसे ऊपर कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके प्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की नविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की नविध, को भी नविध वाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विचित में किए था सकोंगे।

स्पष्किरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नम्स्ची

एक प्लाट 1 के० 6 एम० 1-6 से० मी० है बाबा बकाला ग्रमृतसर 2635 तिथि 23-12-83 रजिस्ट्रीकर्ता बाबा बकाला ।

> बी० एस० ढिल्लों, भ्राई० श्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर ।

विनोक : 6-8-1984

प्ररूप आहे. दी. एन. एस.-----

नायकर श्रीभीनयन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, श्चमृतसर

श्रमृतसर, दिनाक 3 अगस्त 1984

निदेश स० ए० एस० श्रार०/84-85/89—यतः मुझे, बी० एस० ढिल्लों, श्राई० श्रार० एस०,

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ६सके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाव सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं एक प्रापर्टी, जी ही हो हो खालसा कालेज, अमृतसर है तथा जो अमृतसर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक दिसम्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अतिरिती (संतरितियों) के बीच एासे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निलिख में वास्तविक रूप से नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण वे हुइं किसी नाय की वावत उक्त विचिन नियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायिस्त में कभी करने या उस्ते वचने में सुनिधा के लिये; बीर/वा
- (च) एसी किसी जाय या किसी थन जम्क जास्तियों की, चिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती व्सारा प्रकट नहीं किया गया वा बा किया जाना जाहिए भा कियाने में सुनिभा के खिए;

बत. अब, उक्त अभिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निस्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती णिव कौर पत्नी श्री तुलसा सिंह, 'वासी—कोट, खालसा, श्रमृतसर ।

(भन्तरक)

(2) श्री निर्मल जी। ^fसह पुत्र श्री सुजान सिह, वासी-—644/283 शीर 649/689, कोट खालसा, सामने खालसा कालेज, ग्रमृतसर ।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर स० नं० 2 ग्रीर किरायेदार यदि कोई हो। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)
 - (4) श्रौर कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह मृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए। कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्कीकरणः ----६समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,। वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

1/4 हिस्सा प्रापर्टी, जी० टी० रोड, खालसा कालेज के पास स्थित, जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी अमृतसर के सेलडीड नं० 11372 दिनांक 28-12-83 में दर्ज है।

> बी० एस० ढिल्लों, आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजंन रेंज-3, चम्द्रपुरी टेलर रोड, श्रमृतसर ।

विनांक : 3-8-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीत स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, अमृतसर

ग्रमृतसर, दिनाक 3 अगस्त 1984

निदेश सं० ए० एस० आर०/84-85/90—यत: मुझे०, बी० एस० ढिल्ली, आई० प्रार० एस०, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/र रा. में अधिक हैं श्रीर जिसकी सं० एक प्रापर्टी, जी० टी० रोड, खालसा कालेज, श्रमृतसर में स्थिन है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण-क्य से विज्ञत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रोमधात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

मे रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन,

दिनांक जनवरी 1984,

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दार्ज़िक्त में कभी करने या उससे वचने में सूनिभा के लिए; और/या
- (क्ष) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य अपित्यों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अर अधिनियम, या धन-अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के सिए:

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुगरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) श्रीमती कुलदीप कीर पत्नी नुलसा सिंह राही श्रीमती शिव कौर विधवा तुलसा सिंह, वासी—खालसा कालेज, ग्रमृतसर

(श्रन्तरक)

- (2) श्री निर्मल जीत सिंह, पुत्न श्री सुजान सिंह, वासी---644/288 श्रीर 649/689, कोट खालसा, सामने खालसा कालेज, श्रमृतसर। (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर सं० नं० 2 ग्रॉर किरायेदार यदि कोई हो) (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्यक्ति है)
- (4) और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्शिक के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही मर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगसंची

1/4 भाग प्रापर्टी, जी० टी० रोड, खालसा कालेज. के समीप स्थित, जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी , ग्रमृतसर के सेलडीड मं० 11824 दिनांक 9-1-84 में दर्ज हैं।

धी० एस० ढिल्लों, म्राई० भ्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्राजम रेंज 3, चन्द्रपुरी टेलर रोड, म्रमृतसर ।

दिनांक : 3-8-1984

प्ररूप काइं.टी.एन एत.------

नायकर निभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नभीन मुभ्ना

मारल सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, ग्रमृतगर

ग्रमुतसर, दिनांक 3 ग्रगस्त 1984

निवेश सं० ए० एस० म्रार०/84-85/91-यत भुक्षे, बी० एस० ढिल्लो, म्राई० म्रार० एस०,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-म के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० एक प्रापर्टी, जी० टी० रोड, खालसा कालेज, ग्रमृतसर है तथा जो ग्रमृतसर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रमुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय ग्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक दिसम्बर 1983,

को प्वॉक्त संपर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त मध्यक्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में बास्तिक रूप से किया गया है:——

- (क) बन्तरण सं हुन् किसी शाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कार वेंगे के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उनसे अवने में सुविधा के लिए; बीड/वा
- (क) एंसी किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या प्रवत्त अधिनियम या ना कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरियी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जातिए था, खिपाने में मुध्धिय के निए,

अत: अब, उन्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में. में, उन्तर अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात --- (1) श्रीमती परमजीत कौर पुत्री श्री तुलसा सिंह, राही श्रीमती णिव कौर विधवा तुलमा सिंह वामी---कोट खालसा ग्रमृतसर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती कष्मीर कौर पत्नि श्री निर्मेल जीत सिह दासी रसूलपुरा, तहसील चब्जाल, जिला—श्रमृतसर ।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 श्रीर किराएदार यदि कोई हो। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- (4) श्रीर कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे मे श्रधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

्उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है। वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

नग्त्यी

1/4 हिस्सा प्रापर्टी जी० टी० रोड, खालसा कालेज के समीप स्थित जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी ग्रमृतसर के सेलडीड नं० 11373 दिनांक 28-12-83 में दर्ज हैं।

बी० एम० हिल्लो, श्राई० ग्रार० एग० सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज, 3 चन्द्रपृरी टेलररोड श्रम्नसर

दिभाक 3-8-84 मोहर:

प्रकार आहे, टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर
श्रमृतसर, विनाक 3 श्रगस्त 1984

निदेश सं० ए० एस आर०/84-85/92---यतः मुझे, बी० एम० हिल्लो, आई० आर० एस० ,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एक प्रापर्टी, जी० टी० रोड, खालसा कालेज, श्रमृतसर में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण- रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विनांक जनवरी 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिपत्न को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिपत्न से, एसे दृश्यमान प्रतिपत्न का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सब पामा गया प्रतिपत्न, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण से सिए सब पामा गया प्रतिपत्न, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण से सिए सब पामा गया प्रतिपत्न के स्थान सही किया गया है :----

- (का) अतरण से हुई किसी काय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनाथ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, खिपाने में सृविधा के निए;

£क क्रम जलन अधिनियम की धारा 269-ग **के अ**नसरण

अत. मज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण भों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमंती सुटर्शन कौर पुत्री तुलसा मित्र नामी--कोट, खानगा, ग्रमनगर ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री निर्मलजीत सिंह, पुत्र श्री सुजान सिंह वासी—रसूलपुर, तहसील चब्बाल, जिला—श्रमृतसर ।

(श्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर सं० नं० 2 और किराएदार यदि कोई हो (यह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) श्रीर कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी व्यक्तियों में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन् के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवहुथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकोंगे।

नगुसुभी

1/4 हिस्सा प्रावर्टी, जी० टी० रोड खालसा कालेज के नजदीक स्थित जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी अमृतसर के सेलडीड नं० 11832 दिनांक 9-1-84 में दर्ज है।

> बी० एस० ढिरुलो, भ्राई० भ्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 3 वन्द्रपुरी टेलर रोड

भ्रमृतसर ।

दिनांक : 3-8-1984

मोहर 🕉

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 9 भ्रगस्त 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/37ईई/761/84-85—यतः मुझे, संतोष दत्ता,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 6, पांडुरंग वाडी, डोबिवली (पूर्व) है तथा जो जिला ठाणे में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकत, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पुणे में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक दिसम्बर 1983,

को प्रोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने भें स्विधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) की अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 17—226 GI | 84

(1) श्री सुरेश लक्ष्मण दामले विमल स्मृति, पांडुरंग वाडी, डोंबिवली (पूर्व), जिला ठाणे

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रीकृष्ण ह्वी० केंतकर, विमल स्मृति, फर्स्ट फ्लोर, पांडुरंग वाडी, डोंबिवली (पूर्व), जिला--ठाणे ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त मम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार्व लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरणः ---इसमे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषिक ह², वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुस्ची

पलैंट नं० 6, फर्स्ट फ्लोर, न्यू बिल्डिंग म्रार० एस० नं० 57, हिस्सा नं० 1 ए (म्रंग) विलेज गजबन्धन पाथर्ली, म्राफ मानापाडा रोड, पांडुरंग वाडी, डोंबिवली (पूर्व) जिला ठाणे (क्षेत्र : 58.89 चौरस मीटर्स)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/3710/83-84 जा तारीख दिसम्बर, 1983 को सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पूणे के दफ्तर में लिखा है।)

> संतोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 9-8-1984

मोह्नरः

प्ररूप. नार्च. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन मुखना

भारत सरकार

कार्या तय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 28 जुलाई 1984

निदेश सं० सी'० ए० 5/37ईई/762/84-85--- यतः मुझे, संतोष दत्ता,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारो को, यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 5, थर्ड फ्लोग्नर, बापू श्रपार्टमेंट, सी० टी० एस० न० 688, नाना पेठ है तथा जो पुणे में स्थित हैं (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप मे वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, पुणे में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक दिसम्बर 1983,

को पूर्विक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में गाम्तिक स्मा से कथित नहां किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्य जिन्हा भारतीय आय-कर अधिनियम 1920 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या त्म-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सविधा के लिए;

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मिसेस विजया रमेश तावडे,
 138, रास्ता पेठ, पुणे-411011

(भ्रन्तरक)

(2) श्री हरेश कोटुमल मिरवानी (मायनर), श्रीर पिता श्री कोटुमल ग्यानचन्द मिरवानी, 688, नाना पेठ-पूर्ण-411002 ।

(ग्रन्सरिती)

को यह सम्बना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, खों भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्याग, अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्वी

फ्लैट नं ० 5, थर्ड फ्लोझर, बापू भ्रपार्ट मेंट, सि० टी० एस० नं ० 688, नाना पेठ, पुणे ।

(क्षेत्र—- 992 चौ० फुट)

(जैमे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/3282/83-84/पुणे जो तारीख दिसम्बर 1983 को सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रॅज, पुणे के वफ्तर में लिखा है।)

> संतोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेंज, पूना

दिनांक: 28-7-1984

प्रकृष बाह्रै. टी. एन. एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर**ीक्षण**) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 4 श्रगस्त 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/37ईई/763/84-85---यतः मुझे, संतोष दत्ता,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), केंगे धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रा. से अधिक है

म्रौर जिसकी सं० माप नं० 1, ग्राउंड फ्लोग्रर, नीलकंठ ग्रपार्ट-मेंट, रास्ता पेठ, पुणे—11 है तथा जो पुणे मे स्थित है (भ्रौर इससे उपाबड ग्रनुसूची में भ्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रैं प्रजन रेंज, पुणे में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनांक दिसम्बर 1983,

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए बन्तिरित की गई है और मृश्वे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पावा नवा प्रतिफल, जिम्निचित उच्चेश्य ऐ उक्त अन्तरण जिलित में बास्तिक रूप ते कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी खाम की वाबत, धक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दामित्य में कमी करने वा उससे वचने में बुनिभा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन वा बन्य बास्तियों कां, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा, छिपाने में स्विधा, के निए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के सुधीन, निस्निसिस व्यक्तियों अर्थात् :— (1) मे० मक्वाना कन्स्ट्रक्शन कं० (एस० एस० डब्ल्यू०), डिल्लाइन टेरेस, 911-914, सिनेगांग स्ट्रीट, पुणे कैम्प, पुणे—1

(श्रन्तरक)

(2) श्री कांतिलाल ग्रानन्दराम शेलोट,26, नाना पेठ, पुणे-411002

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संप्र्यात्त के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षाध :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशभ की तारीस में 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक म 45 दिन के भीतर उभत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्द्रभ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निरुक्त में किए जा सकरें।

स्पस्टीकरण:----इसमें प्रयूथन शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम दे अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ हागर, ओ उस अध्याय में दिया ग्याः है।

वन्त्र्या

शाप नं० 1, ग्राउंड क्लोग्नर, 'नीलकंठ' श्रपार्टमेंट, 60, रास्ता पेठ, पुणे-411011 ।

(क्षेत्र--- 380 चौ० फुट)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/2347/83-84/पुणे, जो तारीख दिसम्बर, 1983 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है।)

र्सतोष वसा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना ।

विनांक : 4-8-1984

मोहर ⊌

प्रकृष बाई . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमना

ब्राइत वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 25 जुलाई 1984

निदेश सं० सी० ए.० 5/37ईई/764/84-85—यतः मुझे, संतोष बत्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25 000 - रा. से अधिक है

ष्प्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं०,404, फोर्थ फ्लोग्नर, जीवन धर्माज, ग्रपार्टमेट, मौजे कोपरी, है तथा जो जिला ठाणे में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णस्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मार्च, 1984,

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त- विक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने कें सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त आधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलि<u>खित व्यक्तियों, अर्थात् ६</u>--- (1) मे॰ रूप बिल्डर्स , टेंभी नाका, ठाणे—400601 ।

(ग्रन्तरक)

(2) मिसेस दीपाली राबिन दास,
क्वार्टर नं० जी-30, श्रार्डनन्स इस्टेट,
ग्रम्बरनाथ, पी० श्रो० ग्रो० ई० ग्रम्बरनाथ,
जिला---ठाणे।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु ।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संस्थी व्यक्तियां पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 सिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो, उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

फ्लैंट नं० 404, स० नं० 81 श्रौर 90, मौजे कोपरी ह्लिलेज, ठाणे (जिला)

(क्षेत्र--- 51.65 चौ० मीटर्स)

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नं० 37ईई/4007/83-84/पुणे, जो तारीख मार्च 1984 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है।)

संतोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 25-7-1984

मोहर 🖫

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. -----

मायकर मिश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (ष) (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निर्देशिण)

ग्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 28 जुलाई 1984

निर्देश सं० सी० ए० 5/37ईई/765/84-85--यत: मुझे,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तित बाजार भृत्य 25,000 ∕- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 105 स० नं० 291, घ० नं०3, क्यंकटेश दर्शन, पं० दीन दयाल मार्ग, डोंबिवली है तथा जो ठाणे में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है). रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज पुणे में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनांक जनवरी, 1984,

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एस दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रष्ट प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एंसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिस्य में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (वा) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त विभिन्नियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः —

में ० दीप्ति कन्स्ट्रवशन कं०, राधा सदन, सेकण्ड फ्लोभ्रर, तिलक रोड, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-400077 (भ्रन्तरक)

(2) कुमारी ग्रनिता श्रीवास्तव डिपार्टमेंट ग्राफ मेथेमैटिक्स, सेंट झेवियर कालेज, बम्बई-1

(भ्रन्तरिती)

को बहस्यना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, क भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस स्चना क राजपण म प्रकाशन की ताराख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधाहस्ताक्षरा के पास लिखितम किए जासक ग।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अधिनियम के अध्याय 20-क म परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

अनुसुची

फ्लैट नं० 105, स० नं० 291, घ० नं० 3, ब्यंकदेश दर्शन, पं० दीन दयाल मार्ग, डोंबिवली (पश्चिम), ठाणे । (क्षेत्र-82.48 चौ० मीटर्स)

जिसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/4226/83-84/पुणे जो तारीख जनवरी 1984 को सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, पुणे के वफ्तर में लिखा है।

संतोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्राय्क्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 28-7-1984

मोष्टर:

प्रकृप बार्ड . टी . एन . एस . -----

श्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 10 श्रगस्त 1984

निर्देश सं० सी० ए० 5/1166/84-85—यतः मुझे, संतोष बत्ता,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं जमीन सर्वे नं 273 हाउस नं 1 ठाकुराजी
जिला ठाणा है तथा जो कल्याण में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध
श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी
के कार्यालय, दुय्यम निबन्धक कल्याण में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम,
1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक दिसम्बर, 1983,
को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्वंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरित (अंतरितों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकस, निम्मलिखित उद्विध्य से उसत अन्तरण लिखित में बास्तिक
कप से किथिस नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (वा) ऐसी किसी आय वा किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनक ए अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तरिती ब्रुवारा प्रकट नहीं किया नवा था वा किवाने में सुविधा के लिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के जधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती सुगणती ख्रार० पोतनीस के/ग्राफ मैसर्स एफ० श्रस्वीनी कुमार एडवोकेट 4-ए० करीम चेम्बर्स फोर्ट बम्बई ।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स राजगुरू को० श्रा० हाउसिंग सोसायटी जयहिन्द 'कालोनी डोम्बीवली जिला—ठाणा ।

(भ्रन्तरिती)

स्त्रे यह बुचना चारो खरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वीक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांक सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मन्द्रीकरणः—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नृत्सूची

जमीन सर्वे नं० 273 हाउस नं० 1 ठाकुराजी जिला-करुयाण ।

जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 2591/83 जो तारीख विसम्बर 1983 को दुय्पम निबन्धक कल्पाण के दक्तर में लिखा है।

> संतोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 10-8-1984

माहर 🛭

प्रकल बार्च. टी. इत. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरक्षिण) भ्रजीन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 27 जुलाई 1984

निर्देश सं० सी० ए० 5/37ईई/757/84-85---यतः मुझे, संतोष दत्ता,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक ही

ष्प्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 19, स० नं० 26, मौजे कोथरूड, पुणे शहर है तथा जो पुणे में स्थित है (श्रीर इस से उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यात्मय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, पुणे में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक विसम्बर 1983,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उिष्त काजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उिषत बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण जिक्ति में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अस्तरण से हुई किसी बाय का बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर पंत्रे के अन्तरक के दायित्व में कभी करने था उससे अधने में सिअिथा के लिए; और/या
- (का) एसे किमी आय या किसी पन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 वा 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अन्तः अव्य, उपनत अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मे० साज एंटरप्राइजेस,704, पुलाची वाडी,डेक्कन जिमखाना, पुणे-411004 ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री रघुनाथ उखडु गारोले, 16, मिलन झेनिथ स्टाफ कालोनी, खोपोली, जिला—रायगढ ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीं से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों कर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति स्वारा, अक्षेहस्ताक्षरी के पास तिलित में किए जा सकी।

स्पव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मगत्त्र ची

प्लाट नं० 19, सर्वे नं० 26, मौजे, कोयरूड, जिला-पुणे। (क्षेत्र-680 चौ० फुट)

जिसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/2607/83-84/पुणे जो तारीख दिसम्बर 1983 को सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूणे के दफ्तर में लिखा है।

संतोष दक्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 27-7-1984

मोहर 🖫

प्ररूप नाइं. टी. एत. एस. ----

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 26 जुलाई 1984

निदेश सं० मी० ए० 5/37ईई/758/84-85--- यत: मुक्षे, संतोप दत्ता,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 260-स के अधीन मक्षम प्रशिकारी की. यह विष्वास करने का कार्ण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० पलैट नं० 11, प्रभाव को० स्राप० हाउसिंग सोसायटी 469-ए, सिलसबरी पार्क है तथा जो पृणे—1 में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्ननुसूची में स्रौर पूर्णरूप से विणत है), रिजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, महायक स्रायकर स्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रंज, पृणे में, रिजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनांक दिसम्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पित्स के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल्य के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपत्त, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आयकी वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए आर/धा
- (प) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तिया को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए।

त्रतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 26०-ग के अनसरण में,, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिरुमों, वर्षात् ६—

- (1) श्री जिनेन्द्र नथुलाल गाह, गंकर को० श्रापरेटित्र हाउसिंग सोसायटी, प्लाट न० 23, 427/सी, गुलटेकडी, पुणे--37 (श्रन्तरक)
- (2) मिसेस निर्मलाबाई, जेठानन्द लुल्ला की पत्नी, 21/22/23, रोटेक्स रिह्लर ह्वयू, जुना तोफखाना, शिवाजीनगर, पुणे-411004।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो शै अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रकेष्ण व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा:
- (स) इस म्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस म 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-यद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननुस्ची

पलैंट नं० 11, प्रभाव को० म्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी, 469-ए, सलिस्बरी पार्क, पुणे---1।

(क्षेत्र—950 चौ० फुट कार्पेट एरिया)

जिसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/3069/83-84 /पुणे जोतारीख दिसम्बर 1983को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूणे के दफ्तर में लिखा है।]

> संतोष दक्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 26-7-1984

प्रकृष बाइ .टी. एन. एस. -----

अग्रिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीत स्**भ**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकार भाग्वतः (निरीक्तण)

ग्रर्जन रेज, पुना

पूना दिनांक 8 अश्रम्त 1984

निदेश स० सी० ए० 5/37 सी०/84-85--यवः मझे संतोष दस्तः,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित साप्तार मृन्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संव लाट नंव 1 से 5 सव नंव 55 श्रौर 56, ग्राम ग्रकोले नाव बसई जिव टाणा है तथा जो टाणा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, टाणा रेंज वसई में, रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक दिसम्बर, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्तिन में शस्तिवक रूप से कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) अनुसरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में मृतिधा के सिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सिक्था के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन जिल्लीचिक्त व्यक्तियों, अर्थात ६—— 18—226 GI/84 (1) श्री हरिश्चन्द्र विठ्ठस श्रीधरी, तंडापाडा, गोखाबरे, त० वसई जिला—-ठाणा ।

(अन्तरक)

(2) श्री वसनाजी धारसी देटीया, 7/8, न्यू प्रभा कुटीर को० भ्राप० हाउसिंग सोसायटी, गणेश गल्ली, ललबाग, मंबई-400012 ।

(कल**रिती**)

का यह सूचना बारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपन में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी मवीध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो।
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितंबवृष् किसी बन्य स्थिति द्वारा, बभोहस्ताक्षरी के पास निकित में किये जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों मौर पदों का, वो उक्त अधिनियम के मध्याय 20-क में परिभावित धूँ, बही मध्ं होगा को उस मध्याय में दिया गुवा है।

नग्स्पी

एन० ए० प्लाट नं० 1 से 5, स० नं० 55 थ्रौर 56, ग्राम भकोले ता० वसई, जिला० ठाणा ।

(जैसे कि रजिस्ट्रकृत नं० 1619/83 जो तारीख विसम्बर 1983 को मत्र-रजिस्ट्रार धमर्ड के यफ्तर में लिखा है।)

> संतोष दक्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) ध्रर्पत रेंज, पूना

विनोक: 8-8-1984

मोहर 🖫

प्रकृत बाइ , टी., एन., एस्., =-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आगुक्त (निरीक्षण) श्रर्जर्न रेंज, पूना

पुना, दिनांक 8 श्रगस्त 1984

निदेश म० सी० ए० 5/37सी०/84-85--यत. मुझे, संतोष दता,

शायकर शिंभित्रम, 1961, (1961 का 43) जिसे इसमें इसके एक्जात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाग 269-ज के अभीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वस करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिनका उच्चित्त वाजार मृत्य 25,000/- रुपये प्राधिक हैं

पौर निसकी सुरु प्लाट नं 6 से 11, सरु नं 55 फ्रौर 56 ग्राम यकोले तारु वसई जिला ठाणा है तथा जो ठाणा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रमुस्ची मे ग्रौर पूर्णस्प से बिणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, ठाणा रेंज वसई में , रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिन्यम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, विनांक विसम्बर, 1983.

को पर्चोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य में कम के देश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त रोपित का उचित काजार मूल्य, उसके देश्यमान प्रतिफल से, एसे देश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिज्ञत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्या) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, गिरनिलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अम्तिकल हुए से कथित नहीं किया गया हैं:----

- (फ) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कामी कारन या उसस बचने में सविधा के लिए. और/या
- (छ) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उथत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अल्परिनी द्वारा प्रकाट नहीं जिया गया था या किया आना चाहिए था, कियाने में मृतिधा के लिए।

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अधीत्:—— (1) श्री हरिश्चन्द्र विठ्ठल चोधरी, तज्ञापाडी, गोखीबरे, ग्राम श्रकोले, ता० वसई, जिला ठाणा ।

(ग्रानरक)

(2) श्री केणवर्जी धारमी देदीया. गुलाम हुसैन मंजिल, तीसरा माला, कमरा नं० 26, ललबाग, मुबई—-12 (श्रम्लरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रवीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आओप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीषर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में ज किसी व्यक्तिया,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्नि में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अत्रोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकरें।

स्पद्धीकरणः -- इसमे प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन्स्च(

लैण्ड एट स० २० 55 और 56, ग्राम प्रकोले, ता० वसई जि० ठाणा (क्षेत्रफल—2756 वर्ग मि०)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 1620/83, जो तारीख विसम्बर, 1983 को सब-रजिस्ट्रार नसई के व्यवर में लिखा है।)

संतीय दला सक्षम प्राधिकारी सहायक स्त्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) स्त्रर्जन रेंज, पूना ।

विनाम : 8-8-1984

प्ररूप आवं. टी. एन. एस.-----

भागकार भौधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आर्युक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 8 भ्रगस्त 1984

निदेश सं० मी० ए० 5/37सी/84-85--यतः, मुझे, िसंतोष दसा,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है), की भारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एन० ए० प्लाट नं० 24 से 27 स० नं० 55 श्रीर 56 है तथा जो ग्राम श्रकोंने ता० वसई जि० ठाणा में स्थित है (श्रीर इससे उपावड श्रनुसूची में श्रीर पूर्णक्ष से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, ठाणा रेंज, वसई में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, विनांक दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृशंधित भंधित का उपित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल सो, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण सिसित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य प्रास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए।

अत: अय, उक्रत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधी न, निम्नलिखित ज्यक्तिसमों, अर्थात '---

- (1) श्री हरिक्ष्वन्द्र विठ्ठल चौधरी तंडापाड़ा, गोखीवरे, ता० वसई, जि० ठाणा । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती उषा गिरीय घरोड 'सीता-पार्वती' तीसरा माल, तेलंग रोड, माटुंगा, मुंबई-400019 ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोंई भी आक्षेप :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरिएया 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पब्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

एन० ए० प्लैट नं० 24 से 27 स० नं० 55 फ्रीर 56 ग्रकोले ग्राम, ता० वसई, जिला-ठाणा ।

(क्षेत्रफल---2848 वर्ग मीटर्स)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 1623/83 जो तारीख दिसम्बर 1983 को सब-रजिस्ट्रार वसई के दफ्तर में लिखा है।)

> संतोष दसा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 8-8-1984

भोहर.

प्रस्य बाई. टी. एन. एस.-----

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के सभीन स्चना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनाक 8 श्रगस्त 1984

निदेश स० मी० ए० 5/37मी०/84-85--यत मुझे मतोष धता,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 263-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० प्लाट न० 18 से 23 म० न० 55 ग्रॉर 56 ग्राम श्रकोले ता० वसई जि० ठाणा है तथा जो ठाणा मे स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुभूची मे श्रीर पूणरूप से विणित है), रजिस्ट्री-कर्ताभ्रधिकारी के कार्यालय, ठाणा रेज. वसई मे, रजिस्ट्रीकरण श्रिधितयम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनाक दिसम्बर 1983

को पूर्वेक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, एस दस्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में बास्तिक रूप से किशत नहीं किया गया है --

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय की बावत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे सचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर स्थिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिणाने में मृतिधा के सिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री हरिश्चन्द्र विट्ठल चौधरी तशापाडा, गोखीबरे, ता० वसई, जिला–ठाणा । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री भरतकुमार वसनाओं देढीया 213 पुरानी पोपटलाल मजिल, रानडे रोड, दावर (प० रेलवे) मुंबई-400028 ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति क अर्जन क लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबक्ष में कोई भी आक्षेप ---

- (क) ६स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी भ्यक्तियाँ पर सूचना की तामील स 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (भ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य श्र्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा नकेंगे।

स्पष्टीकरण.---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रमुस्या

एन० ए० प्लाट न० 18 से 23 स० न० 55 श्रोर 56 ग्राम श्रकोले, ता० वसई, जि० ठाणा ।

(क्षेत्रफल--2475 वर्ग मिटर्स)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत न० 1622/83 जो तारीख विसम्बर 1983, को सब-रजिस्ट्रार वसई के दफ्तर में लिखा है)।

> सतोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, पूना

दिनोक 8~8~1984 माँहर प्रकप काइ. टी. एन. एस.------

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आय्क्त (गिरीक्रण)

ग्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 8 ग्रगस्त 1984

निर्देश स० सी० ए० 5/37 सी०/84-85--यतः, मुझे संतोष दत्ता,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं ० एन० ए० फ्लैंट नं ० 12 से 17 स० नं ० 55 श्रौर 56 ग्राम अकोले ता० वसई है तथा जो ठाणा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, ठाणा रंज वसई में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक दिसम्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते दह विद्यास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पद्ध प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदयों से उक्त अंतरण निम्ति के बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण ते हुई किसी भाय की वाबत, उत्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सृविधा से सिए;

अतः अव, उक्त अभिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण भें, भें. उक्त अधिनियम की भाग 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निमिलिक क्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री हरिश्चन्द्र विठ्ठल चौन्नरी तंडापाड़ा गोखीवरे वसई

(ग्रन्तरक)

(2) श्री तरण कुमार देख्या 251, डा० एस० एस० शबु रोड, पारसी श्रय्यारी चाल लालबाग मंबई-400012:।

(भ्रन्सरिती)

को यह सृजना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करका हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति व्यादा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्वभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिकिट में किए आ सकोंगे।

स्थक्कोकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, को उन्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

स्रमुस्षी

एन० ए० प्लाट नं० 12 से 17 स० नं० 55 भीर 5 6 ग्राम अकोले ता० वसई जिला——हाणा ।

(एरिया)--क्षेत्रफल--2962 वर्ग मीटर्स ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 1624/83 जो तारीख दिसम्बर 1983 को सब-रजिस्ट्रार वसई के दफ्तर में लिखा है।)

> मंतोष दता सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

विनांक : 8-8-1984

प्रस्य मार्ड .टी.एन.एस. ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक <mark>बायकर आयक्त (निरीक्षण)</mark> अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 8 भ्रगस्त 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/37सी०/84-85--यतः मृक्षे, संतोष वत्ता,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० एन० ए० प्लाट १० सं० 28 में 33 सर्वे स० 55 तथा 56 ग्राम भ्रकोले ता० वसई है तथा जो टाणा में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, टाणा रंज, वसई में, रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनांक दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के करमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में जास्सियिक रूप से अधित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर बोने के अन्तरक से दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय गय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में त्रीका के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) कं अधीत, निम्निनिखित व्यक्तियों, अर्थात :—— (1) श्री हरिण्चन्द्र यिठ्ठल चौधरी तंडा पाड़ा, गोखीयरे, ता० यसई जिला—टाणा ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री गिरीश शिवाजी घरोड सीता-पावती निवास तीसरा माला, तेलंग रोड, माटुंगा, मंबई-400019 ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी कारकें पृत्रानित सम्मरित के अर्थन के जिए कार्यशाहियां करता हुं।

जनत सम्परित के नर्पन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप:-- '

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए था सकींगे।

स्यक्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँका, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गवा की।

भग्त्ची

एन० ए० प्लाट न० 28 ने 33 स० नं० 55 ग्रौर **5**6 ग्राम श्रकोले, एरिया 3141 वर्ग मीटर ।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नं० 1624/83, जो तारीख दिसम्बर 1983 को सब-रिजस्ट्रार, वसई के दफ्तर में लिखा है।)

> संतोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 8-8-1984

कोहर.

प्ररूप आ**ड**ं, टी. एन. एस.-----

अप्यक्तर रिधनियम (1061 (1061 का 43) **की भारा** 260 व (1) के शाीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयत्र आयत्रः (अनिरीक्षण) श्रर्जन रोज, पूना

पूना, दिनांक 2 श्रगस्त 1984

निवेश सं० मी'० ए० 5/37मी ०/84-85--यतः मुझे, संतोष दसा,

आयकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उधित बाजार मस्य 25.000/- रह. सं अधिक है

श्रौर जिसकी संव प्रापर्धी श्रव सिव सव नंव 8331/1ए श्रौर 8332/1बी, रेवने लाइन्स है संधा को शोलापुर में स्थित है (श्रौर इससे उपावत श्रीपूची में श्रौर पूर्णरूप से बिजत है), राजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, शोलापुर रेंज, शोलापुर में, राजस्ट्रीकरण श्रधिकारी के कार्यालय, शोलापुर रेंज, शोलापुर में, राजस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्त्र में कमी करने या उससे अचने भें सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 दा 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती युवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था छिपाने में मृषिधा खें लिए।

भतः शव, उस्त अभिनियम, की धारा 269-ग को अनुसरण मं, सं, उबत अभिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नालिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्रीमती गोमतीमल जाडोमन राजानी श्रीर इतर, नवजीवन सोमायटी, ज्लाक नं० 2 शोलापुर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ग्रमण व्यंकटराव जाघव, एट त्यांव, जिला—शोलापुर i

(ग्रन्भरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्भीत के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोड़ भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति देवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्योकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, त्रो उच्च अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

मस्स्वी

लैण्ड एट सिटी मोलापुर विदिन द मोलापुर म्यूनिसियल एरिया, रेल्वे लाइन्स, म्यूनिसियल नं० 77 ए, सि० स० नं० 8331/ 1ए और 8332/1बी, क्षेत्र 1526 ची० फुट और 945 ची० फुट) ।

(जैसे कि राजिस्ट्रीकृत नं०3660/83, जो नारीख दिसम्बर 1983 को सब-राजिस्ट्रार, गोलापुर के दफ्तर में लिखा है।)

> र्गतीय दसा सक्स प्राधिकारो महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुपीन रेंज, पुना

दिनांक : 2-8-1984

मोहर 🎐

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

क्ष्म्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 19 ज्लाई 1984

निवेश सं० सी० ए० 5/37ईई/759/84-85---यतः मुझे. संसोष दत्ता,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 408, प्लाट नं० 53, सैक्टर नं० 17, वासी है तथा जो नई बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनु-सूची मे श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूणे में, राजस्ट्रीकरण श्रीधानयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जनवरी, 1984

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मृत्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हूं ओर मृक्षे यह विश्वास करने का कारण हूं कि यथाप्वींक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देश्य से उथत अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/या
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अम उक्तः अधिनियम की भारा 269-ग को अनुसरण कों, मीं, अकत अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) को अधीन, निमालिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

- (1) श्री श्रारं जो० मिन्त, चोफ प्रमोटर श्राफ द प्रयोज्ड की-प्रावरेटिय हाउभिंग सोमायटी लिमिटेड, 51/1194, कन्नमवार नगर, बस्बई—100083 । (श्रन्तरक)
- (2) श्री शेख गौस मुहस्मद द्वारा शेख हैदर, रमाबाई कालोनी, चेस्बूर रेलवे स्टेशन के पास. बस्बई-400 089 ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सभ्यत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्षा से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननुस्थी

फ्लैट नं० 408, प्लाट नं० 53, गेक्टर नं० 17, बाशीं, नई सम्बर्ष ।

(**क्षेत्र** 52.24 चौरस मीटर)

(जैसे कि र्राजस्ट्रीकृत त० 37ईई/3988/ठाणे/83-84 जो तारीख अनवरी, 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है।)

> संतोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर प्राय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

र्दिनांफ : 19**-7-198**4

प्रारुप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यान्य, **महायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)** शर्जन रेज पूना

पूना, दिनाक 4 अगस्त 1984

निदेश स० सी० ए० 5/37ईई/760/84-85---यत मुने, सतोष दत्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस एका 'उत्तः जिजिनयम' कहा गया हैं), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

शौर जिसकी सं० फ्लैट न० 5, 6 श्रींध रोड, बी० पी० डी० है तथा जो पुणे मे स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे श्रीर पूर्णरूप से बाँणत है), राजस्ट्रीकर्ता श्राधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज, पुणे मे, राजस्ट्रीकरण श्राधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाक दिसम्बर 1983 को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूच्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूच्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से बिधक है और अन्तरिक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे. अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, जिम्निलिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के सिए; और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा से लिए;

शतः शकः, उत्कस अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, भी, उत्कत अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) जिल्ला किलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६— 19—226 जा 84 (1) मै० बन्सल एग्ड कम्पनी 6, श्रीध रोड, पुणे--411003 ।

(ग्रन्तरक)

(2) मिस्टर क्लेमंट मैन्युभ्रल डिमिल्बा, 481, मोलेबिना रोड, खडकी, पूणे-411 003।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कुरु करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सपरित मे हितसब्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पट्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जम्सूची

फ्लैट नं० 5, सेकण्ड फ्लोम्नर, 6, म्रीघ रोड, सर्वे नं० 46— डि $-1/1/\nabla-1$, सि० टी० एस० नं० 2043, 2046, 2050, पूणे-3 ।

(क्षेत्र 626 चौरस फुट)

(जैसे कि राजस्ट्रीकृत न० 37ईई/2798/पुगे/83-84, जो तारीख विसम्बर, 1983 को सहायक आयकर प्रायुक्त, (निरीक्षण), अर्जन रेज, पुणे वे शफ्तर में लिखा है।)।

> सतोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, पूना

विनाक 4-8-1984 मोहर ⊔

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ---- ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्**च**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 28 जुलाई 1984

निदेश सं० सी० ए० /37ईई/1161/84-85--यतः मुझे, संतोध दसा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 26,000/- रु. से अधिक है

ग्नीर जिसकी सं० सि० टी० एस० नं० 546 ए, ग्नीर 546, बी महाबलेण्वर, तालुका-बाई है तथा जो जि० साप्तारा में स्थित है (ग्नीर इससे उपाबद्ध प्रनुसुची में ग्नीर पूण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारों के कार्यालय, बम्बई में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक जनवरी, 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यस करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित्त उद्देश्य से उद्देश अन्तरण विवास मन्तरण के लिए त्य

- (क) अन्तरण से सुद्दं किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एमि किसी अय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया शा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधाए (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती लक्ष्मीबाई दत्तात्रय रेगे, बंगला श्रान प्लाट तं० 546की, मास्कम पेठ, महाबलेण्यर, जिला—सातारा ।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्रो प्रकाण ही० फडाँणीस
 - 2. दिगम्बर एस० सालवी
 - 3. बी० भ्रार० भ्रानन्द,, पी० एम० रेगे,
 - 3. बी० ग्रार० ग्रानन्द पार्टनर्से-मे० शिल्पा कन्स्ट्रक्शन्स, ए/3, यूनियन हाउस, सुनावाला ग्रथ्यारो मार्ग माहिम, बम्बई-400016 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्विक्त संपन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगी।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ होंगा जी उस अध्याय में विजा गया हाँ।

धनसर्वी

सि० टो० एम० नं० 546ए श्रौर 546शी, महाबलेश्वर, तलुका—बाई, जिला——सानारा ।

(क्षेत्र---1936.40 चौ० मीटर्स)

(जैसे कि रजिस्ट्रोक्टत नं० 238/37जो/बम्बईजो तारोख जनवरो 1984 को सब-रजिस्ट्रार, यमबई के दश्तर में लिखा है।) संतोग दला,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

दिनांका: 28-7-1984

प्ररूप भार्यः टी. एन. एस.-----

अगयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 2 अगस्त 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/37जो०/84-85--यतः मुझे, संतोष दत्ता,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हुँ कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

भौर जिसको सं० सं० नं० 23/3, 23/32, प्लाट न० 2, 3, 4, 5, 6, 7, आगर-टाक्को, है तथा जो नासिक में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूचों में भौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर.क्षण) अर्जन रेंज, पुणे में, रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, दिनांक दिसम्बर, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एके स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) मीर अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच म्एसे अन्तरण के लिए तय पाया मया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्च व्यय से उक्त अन्तरण लिखित को बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय को बाबत उक्त आधि-नियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे जचने में सृत्रिधा के लिए और/या
- (च) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विभा के लिए;

अंत: अब, उक्त अधिनियम की धारा ?69-ग के अनुसरण मैं, मैं, हक्त अधिनियम की धारा ?69-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मसिचित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रो शिवलिंग विश्वनाथ खादाडे. आगर-टाकका, गोधानगर, नासिक । (अन्तरक)
- (2) व चेअरमैन, आराधन को० आपरेटिव हाउसिंग सोसायट.. द्वारा एल० आई० सो० आफ इंडिया, जीवन प्रकाश, नासिक ।

(अन्सरितो)

को यह स्वना आरी करके पृथांकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां घरः करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए का सर्वोग ।

स्पब्दिकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

लैण्ड एट स॰ नं॰ 23/31, 23/32, प्लाट नं॰ 2, 3, 4, 5, 6, 7 आगर—टाककी, नासिक ।

(क्षेत्र---1934. 79 चौं० मीटर्स)

(जैसे कि रिजस्ट्रोक्कत नम्बर सो० ए० 3/480/नासिक/ 83-84, जो तारीख दिसम्बर 1∉83 को सब-रिजस्ट्रार, नासिक के वफ्तर में लिखा है।)

> सतोष दत्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पुना

विनांक : 2-8-1984

माह्रर 🕉

प्रकृप बाहै. टी. एस. एस. -----

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्भाग

भारत सरकार

कार्याक्रम, सहायक वायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना पूना, विनाक 8 अगस्त 1984

निदेश २० सी० ए० 5/37जी/84-85-यत मुझे. संदोष दत्ता,

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रा. से अधिक है

25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी स० लैण्ड एंट स० न० 83, हिस्सा न० 10, अचीले विलेज, है तथा जो जिला ठाणे में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूचा में भौर पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब-रजिस्ट्रार, वसई में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनाक विसम्बर, 1983, को पूर्वोक्त संपत्ति के उधित गाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उधिक बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गाया गर्या प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य में उपन अन्तरण सिकित में वास्तविक रूप से किमत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरक से हुड़ किसी जाव की बावन, जक्त जिथिनियम के जभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी कारने या उससे बचने में बृत्विधा के किए; जॉर/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिक्षिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में मृतिधा के सिष्ट;

बतः मच, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च को उपशारा (1) को अधीन, निक्तिविधित स्थिकित्यों, अधीर

- (1(श्रीमतो कालुबाई नागो भौधरी ग्रीर इतर, (8) अभोले, तालुका वसई, जिला—ठाणे। (अन्तरक)
 - (2) श्री महावेव भास्कर वर्तक धौर इतर (8) एट तारखेड, तालुका वसई, जिला—ठाणे। (अन्तरिती)

का यह सूचना कारी करके पृत्रोंकत संपरित के जर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुन्।

उन्त सम्परित के अर्थन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज के 45 दिन की अवधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावार संपरित में हितबद्ध किसी जन्म स्थक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टिकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिभिनियम, के सध्याय 20-क में परिशादित हैं वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

भगसूची

लैण्ड एट सर्वो न० 83, हिस्सा न० 10, अचीले जिलेज, (क्षेत्र : 10 गुठे, याने 1210 चौरस याई) (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 288

जो तारीख दिसम्बर 1983 को सब-राजिस्ट्रार, वसई के दफ्तर में लिखा है।)

सतोष दत्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना

दिनाक 8-8-1984 मोहर

प्रकृष काई टी.एन.एस. ------

जायकर अधिनियम, 1951 (1961 का 43) का भार 269 अ (1) के अधीन सूचना

भारत भरकार

कार्यासय, सहायक कायकर नाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनाक 8 अगस्त 1984

निदेश स० सी० ए० 5/37-जी/84-85---यस मुझे, संतोष दसा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. सं अधिक है

श्रीर जिसकी संव सर्वे नव 83, हिस्सा नव 7 (श्रंशतः) अचोल हिल्लेज, तालुका वसई है तथा जो जिला ठाणे में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूच। हू श्रीर पूर्णस्प से विणत है), रजिस्ट्राकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सव-रजिस्ट्रारइ वसई में, रजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनाक दिसम्बर,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मूस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गर्ड है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का स्वित बाजार मूस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे वश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अतरको) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तब पावा गुवा प्रति-कम निम्ना लोकत उद्याध्य म अक्त अन्तरण निक्त में बास्तिक रूप म किथा नहीं किया गया है .--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्क में कमी करने या उससे अचने में सूनिधा केलिए; और/या
- (भा) एसी किसी बाय या किसी भन या बन्य आस्तियों की, जिन्ह भारतीय आय-कर वा निनयम, 1922 । 1932 का 11) जा जार अपिनियम, में भन-कर अभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, जक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों अर्थात :--

- (1) श्रोमती कालूबाई नागो चौधरी ग्रौर इतर, (8), विलेज, अचोले, तालुका, वसई, जिला ठाणे। (अन्तरक)
- (2) श्री महादेव भास्कर वर्तक ग्रीर इतर (8) एट तारखेड, तालुका वसई जिला ठाणे। (अन्तरिता)

को सह स्वना भारी करके पृत्रों क्स सम्पृत्ति के नर्जन के तिहा कार्यवादियों करता हूं।

जबाद सम्मारित के बर्धन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोप:--

- (क) इस भुजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की जबीध या तत्सम्बन्धी क्यन्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित वक्तरा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीय से 45 दिन के भात र उक्त स्थायर सम्पोत्त में हितबबुध किसी सम्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षणी के पास सिकित में किए वा सकोंगे।

स्व्यक्तिकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, वो उक्त विधिनियम, के अभ्याद 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याद में दिवा गया है।

नगत्त्रपी

क्षे लण्ड एट सर्वे न० 83, हिस्सा न० ७ (श्रशतः),अचोले विलेख, तालुका वसई, जिला च्हाणे,

(क्षेत्र . 10 गुँठे)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत न० 619/83 जो तारीख विसम्बर, 1983 को सब-रजिस्ट्रार, को बसई के दफ्तर में लिखा है।)

> संतोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनाक 8-8-1984 मोहर प्रारूप मार्च. टी. एन. एस. -----

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनाक 8 अगस्त 1984

निदेश सं० सी०ए०/3ए-जी/84-85---यतः मुझे. संतोष दत्ता,

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ६सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसका स० सर्वे नं० 83, हिस्सा नं० 7 (श्रंशतः) अचोले विलेज, तालुका वसई, है तथा जो जिला ठाणे में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूचों में श्रौर पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्राकर्ता अधिकारों के कार्यालय, सब-रजिस्ट्रार, वसई में, रजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)के अधान, दिनांक दिसम्बर, 1983,

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के रहथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में भास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है: ---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी अन या सन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या अन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अतः अन, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं हक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अभीत् :---

- (1) श्रोमता काल्बाई नागा चौधरी और इतर (8) विलेज अचौले तालुका वसई, जिला ठाणे। (अन्तरक)
- (2) श्री महावेब भास्कर वर्तक श्रीर इतर (8) एट : तारखेड, तालुका वसई, जिला—ठाणे । (अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कगे।

स्पट्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त क्षव्यों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या ही।

वन्स्ची

लैण्ड एट सर्वे नं० 83, हिस्सा न० ७ (श्रंशातः), अचीले विलेज, तालुका वसई, जिला— ठाणे

(क्षेत्र : 10 गुठे)

(जैसे कि रजिस्ट्रोक्टत नं० 287/37डो/जो तारीख विसम्बर, 1983 को सब-रजिस्ट्रार, वसई के वफ्तर में लिखा है।)

> संतोष दत्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

विनांक : 8-8-1984

प्ररूप आर्द. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) से अभीन सुचना

भारत बरकाडु

कार्यीलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांफ 25 जुलाई 1984

निवेश सं० म् ० 5/37ईई/748/84-85--- यतः मुझे, संतोध दत्ता,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी स० फ्लैंट नं० 204, सेकन्ड फ्लोअर, साउथ साइड-रेअर बिंग आफ साई कुंज, 569, नारायण पेठ हैं तथा जो पुणे में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, पुणे में, रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अक्षोन, दिनांक दिसम्बर 1983.

को प्रवेक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विद्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय भाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण निखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जंतरण ते हुई किसी थाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के जंतरक के दायित्व में कमी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (थ) ऐसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आयकर जिन्नियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1967 को 27) के प्रयोजनार्थ जंतरियों दानार प्याप्त नहीं जिला या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) हे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) मे० कमल बिल्डर्स (पुणे) साई कुंज, 569, नारायण पेठ, पुणे -30 (अन्तरक)
- (2) मिसेस बंदना अरुण कुलकर्णी, 'गुरुकुपा' विजयानगर कालोनी, बम्बई-पूणे रोड, वडगांव मावल

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ः---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति ब्वारा;
- (च) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकोंगे।

स्थब्दीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूर्च।

फ्लैट नं० 204, सेकण्ड फ्लोअर, साउथ साइड, ग्रेअर विंग, साई कुंज, 569, नारायण पेठ, पुणे-30

(क्षेत्र--- 633 चौ० फुट)

(जैसे कि रिजस्ट्रेक्टत नं० 37ईई/2276/पुणे जो नारीका दिसम्बर 1983 को सहायक आयकर आयक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज, पूणे के दफ्तर में लिखा है।)

> संतोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 25-7-84

प्ररूप आध्र¹.टी.एम.एस...----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 260 घ (1) के अधीन गुपना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 25 जुलाई 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/37ईई/749/84-85---यतः मुझे संतोष वसा,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का शारण है कि रथावर तंपति, जिसका उचिन बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पलैट नं 403, चौथा पलोअर, रेअर विंग साई कुंज, 569, नारायण पेठ है तथा जो पुणे—30 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्वी में ग्रीर पूर्णेक्ष से विशित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारों के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निर्दे क्षण) अर्जन रेंज, पुणे में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप मे कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुर्ज किसी आय की बाबत. उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन अन्य आम्लियों को जिन्हें भारतीय आग्रकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जबत अधिनियम, पाधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जारा चाहिए था खिपाने में सुविधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- (1) मे० कमक्ष बिल्डर्स (पुणे) साई कुंज, 569 नारायण पेठ, पुणे-411030 (अन्तरक)
- (2) श्रां भवन ह्वां० महाजन,212, कस्बा पेठ, पुणे—-99

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दन को भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा आ उस अध्याय में विशा नया है।

अनुसूर्या

फ्लैट नं 43, चौथा फ्लोअर, रेअर साईड, साउध ईस्ट कार्नर, साई कुंज, 569, नारायण पेठ, पुणे—30

(क्षेत्र---451.625 ची० फुट)

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नं 37ईह/2293/83-84/पुणें जो तारोख दिसम्बर 1983 को सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूणे के क्पतर में लिखा है।)

> मंतीय दत्ता, गक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

विनांक : 25-7-1984

प्ररूप माइं.टी.एन.एस. - - --

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर नायुक्त (निरीक्क)

अर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 28 जुलाई 1984

निवेश सं० सी० ए० 5/37ईई/750/84-85--- यतः मुझें, संतोष दत्ता,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परमात 'उक्त निधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन मध्यम प्राधिकार्या था। वा पिस्टरण जिन जा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 25,006/- सा से अधिक है

श्रीण जिसकी स० फ्लैट न० 106, थर्ड फ्लोअर, एकात अपार्टमेट, कमला नेहरू पार्क के पास, है तथा जो पुणे में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूच। मे श्रीर पूर्णरूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निश्क्षण) अर्जन रेंज, पुणे मे, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियार) के बीच एसे अन्तरण-के निए तय पाया गका प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निखित करें वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी अगय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधम के स्मिए; बीर/या
- (क) एसे दिन्ती आय रा ित्ती धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सविधा के निए:

जत ज्व, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिस्थित व्यक्तियों, अर्थात:—— 20—226 GI|84 (1) श्री हर्षद कातिलाल वेसा,23, बनगंगा कास लेन,बालकेश्वर, बम्बई---400006

(अन्तरक)

(2) श्री फैन्सी कातिलाल वेसा23, बनगंगा, कास लेन,बालकेश्वर, बम्बई—400006

(अन्तरिती)

कां यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के जर्जन के निए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचन । के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्प्रत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए आ सर्कोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 106, यर्ड फ्लोअर, एकात अपार्टमेंट, एकात को०--आपरेटिय हार्जीसंग सोसायटी लि०, कमला नेहरू पार्क के पास, पुण-411004 ।

(क्षेत्र---1180 चौ० फुट)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/2556/83-84 जो तारीख दिसम्बर 1983 को हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है।)

> सतोष दत्ता सक्षम प्राधिकरी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनोक : 28-7-1984

प्ररूप. आई. टी. एन एम. ----

अध्यक्षण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के अधीन सचनः

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक बायकर वाय्कत (निरक्षिण)

भ्राजैन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 27 जुलाई 1984

निर्वेश सं० सी० ए० 5/37—ईई/84—85--751—यत. मुझे, संतोष दत्ता,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें पर्वेचात् 'उक्त अभिनियम' क्षेष्ठों गया है), की धारा 269-खं के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसको सं० पलैंट नं० 2 धनलक्ष्मो श्रिपोर्टेमेंट, सी० टी० एस० नं० 3025/6, सं० नं० 93-ए०-1, भाबुर्डा है तथा जो पुणे में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बांणत है), राजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज, पुणे में, राजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर 1983

को प्रशिक्त सम्पत्ति के उचित शाजार मृत्य में कम के सम्मान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृभे यह विश्वाम करने का कारण हैं कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित का मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकत्त अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तज्याया गया प्रतिफल, निम्मलिखिल उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्तिम मो वास्तियक हथ में कथित नहीं विद्या गया हैं---

- (क) अन्तरण से हुड़ किसी आय की डाबन, उक्त अधिनियम के अधीन कर डॉन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसम बचन में सविधा के लिए; और/या
- (क) एँसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया को जिन्हें भारतीय आयुक्तर अधिनियम 1020 (1922 का 11) यो उत्तत अधिनियम या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में मुख्या के सिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) अ अधीरा. निम्निणिकन व्यक्तियों, अर्थान् :— मि० के० एम० गुंजाक फैमिली, द्वारा हिन्दुस्तान बिल्डर्स, 836, सदागिव पेठ, पुणे-411030।

(ग्रन्सरक)

2 मिसेस श्रनुराधा श्रणीक गोखले श्रीर, मिस्टर श्रणीक काणिनाथ गोखले, 15, श्रांभजित सीसायटी, कालेज लेन, दादर, बम्बई-400028।

(भ्रन्तरिती)

का यह मृजना जारी करके पृत्रोंकत संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप .--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक स 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूधना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अंधी होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्षी

फ्लैट नं० 2, धनलक्ष्मी अयार्टमेंट्स, सी० टी० एस० नं० 3025/65, नं० 93-ए०-1, भाबुर्डी, पुणे। (क्षेत्र--885 चौ० फुट)

(जैसे कि राजिस्ट्रीकृत नं० 37-ईई/2193/83-84/ पुणे जो तारीख दिसम्बर 1983को सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है।)

> मंतोष दत्ता सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

नारीख: 27-7-1984

प्रकृष भाष्टी, टी. एन. इस. ----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुबना

भारत तरकार

कार्यातच महायक भायकर आयुक्त (निरोक्षण)

म्रजंन रेंज, पूना पूना, दिनोक 26 जुलाई 1984

निर्देश सं० मी० ए० $5/37-\xi\xi/84\sim85/752$ —यन-मुझे, सतोष दत्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (क्रि.स. इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने के कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी स० नात-एग्निकरचरल लिंग्ड, स० न० 140, हिस्सा न० 2, कार्ला, ता० मावल है तथा जो जिना-पुणे में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूच। में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्राकर्ता श्रीधकारों के कार्यालय, महायक आय र श्रायुक्त, (निराक्षण) श्रर्जन रेज, पुणे में, रजिस्ट्रोकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारोख दिसम्बर 1983

को पूर्वाकत सर्पास्त के उचित बाजार मृत्य स कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरत की गई है और मृक्षे यह विद्याम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मपिन का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्वदेश से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बायठ, उक्त किसिनियम के अभीन कर दने के अन्तरक के ग्रीयत्व म कभी करन या उससे बचन मा स्थिभा के लिए और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्या का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, िअपाने में सृविधा के निया।

अतः अब उक्त अधिनियमः की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, ⊇क्क्त अधिनियम की धारा 269-च की व्यधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात --- श्रो हरिभाऊ एन० खिंबले,
 श्रो दन् एन० डिंबले,
 श्रो णंकर एन० डिंबले,
 श्रो कुष्णा एस० डिंबने,
 श्रो मास्ती एस० खिंबले,

(अन्तरक)

- 2. (1) श्री भीमसेन डब्ल्य्० नागिया,
 - (2) मिसेस कांता भी मसेन नागीया
 - (3) श्री इन्द्रसेन भीमसेन नागिया,
 - (4) मिसेस पूनम भ्राय० नागिया
 - (5) श्री चंद्रसेन बी० नागिया,
 - (6) मिसेस रेणु सी० नागिया,

कल्पना विलिक्डम ,प्लाट नं० 546, टो० पी० एस०-III, 33वा रोड, खार, बम्बई-58।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्ष्मेप ---

- (क) इस सुचना के र कीपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक स' 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पण्डोकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशादित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नान एप्रिकल्चरल लैण्ड सं० नं० 140, हिस्सा न० 2 कार्ला, तालुका-मावल, जिला-पुणे।

(क्षेत्र —1 हेक्टर—80 6 म्रार०)

(जैसे कि राजस्ट्रीकृत न० 37-ईई/3093/83-84/ पुणे जो तारीख दिसम्बर 1983 को सहायक ख्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, पुणे के दफ्तर मे लिखा है।

> संतोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख 26-7-1984 मोहर:

भारत सरकार

कार्यालय. सहायक बायकर बायुक्स (निरीक्षण)

ग्रजंन रेज, पूना

पूना, दिनांक 2 श्रगस्त 1984

निर्देश मठ० सी० २०–5/37–ईई/84–85–753–-यतः मझे, संतोष दत्ता

आयक र अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्मित, जिसका उपित बाजार मूल्य 25,000/- रह. में अधिक ही

ष्रौर जिसकी मं० फ्लैट नं० 1, गोता श्रपार्टमेंट, नगर रोड़, है तथा जो पुणे में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचों में श्रौर पूर्ण रूप ने विणत है), रजिस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रीयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, पुणे, में रिजस्ट्रोकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर 1983

को पूर्वेक्षित संपत्ति के उचित बाजार मूस्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (बंतरकार) बार बंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-कल, निग्नेलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिसित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (५) अन्धरं सं सुष्ट किसी बाग की बाबछ, अवस नियान के अधीन कर दोने के जन्तरक के दाजित्व में कभी करने या स्वस्ते वचने मा सुनिधा श्रे के लिए; और/या
- (का) एँसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्टियां का. जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्यरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया यया था या किया जाना वाहिए था, खिपानं भें सुविधा के लिए;

क्षतः जन, उक्त जीधीनयमं की धारा 269-मं के अनुसरण मं, में उक्त अधिनियम् की भाग 269-अ की उपधार्य (1) है नधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, नर्भातः :--- श्री के० छी० श्रोस्वाल (एच० यू० एफ०),
 51, न्यू टिंबर मार्केट,
 पूर्ण-2।

(ग्रन्तरक)

 मिसेस प्रोमिला एस० अगरवाल, गीता प्रपार्टमेंट, फ्लैट नं० 1, नगर रोड़, प्रणे-6 (येरवडा)।

(भ्रन्तरिती)

क्षे यह सूचना जारी करके पृथींकत सर्पात्त के अर्थन के सिए कार्यवाहियां मुरू करता हु।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी नाक्षंप :--

- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सृचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों बीर पर्दा का, आ उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित ह³, पहीं अर्थ होगा जो उप अध्याय में दिया गया है।

नन्त्जी

फ्लैट नं० 1, गीता भ्रपार्टमेंट, नगर रोड़, पुणे-6। (क्षेत्र—1090 चौ० युट)

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नं० 37-ईई/3110/83-84/ पुणे जो तारीख दिसम्बर 1983 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है)।

> संतोष दसा सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

नारीख: 2-8-1984

प्ररूप आर्.टी.एन.एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर नायुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 24 जुलाई 1984

निदेश सं सी0 ए० 5/37ईई/84-85¹754-यतः मुझे, संतोष दत्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्न अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 202, सेकंड फ्लोग्नर कल्पना ग्रपार्टमेट, 388, भवानी पेठ है तथा जो पुणे में स्थित है (ग्रौर इससे उदाबद्ध श्रनुमूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकार, के कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, पुणे, में रिजस्ट्रीकरण ग्रीध-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी

को पूर्वेक्ति सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य. उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिहात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के शीच एम अन्तर्ग के निए तय पाया गया प्रतिफल, तिम्नलिश्वित उदृश्य से उनत धनारण लिखित में बास्न- खिस कम से किया की किया पा है :---

- (क) प्रस्तरण से हुई दिस्यों १५० को बाबस उपक्ष प्रधि-निवम के बादीन कर वेने के प्रस्तरक के वाजिएव वें कमी करने या वसते अचले में सुविधा के किए। बीर/य!
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियी का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, रा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती हमारा प्रकृत नहा । एक प्रयास या या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के निए;

ंत्रम अहं, राष्ट्र विभिन्नियम की भारा 269-ए के अनुसरण हो, ही, उक्त अधिनियम की नारा 269-च की उपधारा (1) हो सभीन, निस्नितिसत स्पितसों, सर्वात ४—— श्रीमती परी घरमदास मनवानी, ग्रभी का नाम, श्रीमती रोमा किशनचंद समतानी, कुमार कार्नर, कान्वेंट स्ट्रीट, पुणे-1।

(श्रन्तरक)

श्रीमती ज्योति पारसराम वधवानी,
 श्री पारसराम मंगनमल वधवानी,
 णास्त्री ग्रपार्टमेंट,
 161/4, मोलेदिना रोड़,
 पुणे-411001।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के वर्षन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि गांद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त स्थावता में से किसी स्थावत स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिसित में किये जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:--इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह*, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नन्स्ची

फ्लैंट नं० 202, सेकंड फ्लोग्नर, कल्पना अपार्टमेंट, 388, भनानी पेठ, पुणे-2।

(क्षेत्रफल 517 चौ० फुट)

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृट नं० 37-ईई/2708/83-84/ पुणे जो तारीख जनवरी 1984 को सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है।)

> संतोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

नारीख: 24-7-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - -

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म(1) के सभीन सुमना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजेंन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 24 जुलाई 1984

निर्देश सं० सी० ए० 5/37-ईई/84-85/755---यत: मुझे, संतोष दत्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृत्य 25 000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० श्राफिस प्रिमायसेस, ऑन फर्स्ट प्लोग्नर गांधी काम्पलैक्स केलकर रोड़, पुणे-30 है तथा जो पुणे में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण कप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, पुणे में, रजिस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, सारीख दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास अध्ये का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बल्य उसके उध्यमान प्रतिफल में, ऐसे इध्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आत या किमी अन या अन्य भाहित्यों की, जिन्हें भारतीय प्रामुक्त प्रधिन्त्रमः, 1922 (1922 का 11) या इस्त प्रधिन्त्रमः, या अन-कर प्रधिन्यमः, 1987 (1987 का 27) के अभागार्थ भन्तरिता द्वारा अकट नहीं किया गया या था किया जामः। चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भँ, भैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की ज्यभाग (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— मे० भावित एंटरप्राइजेस,
 212, नारायण पेठ,
 केलकर रोड़, पुण-30।

(अन्तरक)

मै० दोसवर्षा ट्रस्ट,
 92~ए, शांतिनगर,
 98, नेपियन सी रोड़,
 बम्बई-6।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलान बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याम में विया गया है।

अग्रुजी

आॅफिस प्रिमायसेस, फर्स्ट फ्लोग्नर, गांधी काम्पलैक्स, केलकर रोड़, नारायण पेठ, पुणे-30।

(क्षेत्र--4336 चौ० फुट)
(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नं० 37-ईई/2348/पुणे जो तारीख दिसम्बर 1983 को सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है।)

संतोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 24-7-1984

प्रकृष भाइ .टी.एन.एस. ------

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन स्थाना

भारत तरकार

कार्यासय, महायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 28 जुलाई 1984

निर्वेश सं० सी० ए० 5/37—ईई/84–85/756—-यतः मुक्ते, संतोष दत्ता,

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका जिल्हा बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 3 मेफ्लॉबर श्रपार्टमेंट, 1155-ए, सैफी स्ट्रीट, कैप, है तथा जो पुणे में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुभूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, पुणे में, राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्थ है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल , निम्निलियन उद्देष्ट्य से उद्यक्त अन्तरण लिखन में बास्तिवय सा से करियन नहीं किया गया है —

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की जावत, उभत जिस्तियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्म आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा त्कर नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था (छपाने में मृतिधा के लिए।

अतः अबः, उक्त अधिनियम की भास 269-भ के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नितिसित व्यक्तियों, सर्भात्:— में० बेहरे और राठी, 'कन्स्ट्रम्यान हाउस', 796/189-बी, भाडारकर इन्सिट्यूट रोड, पुणे-411004

(अन्तरक)

श्री शब्बीर ताहेरभाई
 (लिमडीवाला),
 1678, शुक्रवार पेठ,
 नेहरू चौक,
 फिश मार्केट के पास,
 पुण-411002।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीयत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस मृथना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं 45 दिन के भीतर उस स्थापर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास विस्ति में किए जा भकेंगे।

स्पध्नीकरणः — इसमी प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मी परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय मी दिया गया हैं।

अनसची

फ्लैट नं० 3, में फ्लाबर श्रपार्टमेंट्स, 1155—ए, सैफी स्ट्रीट, कैंप, पुणे-1

(क्षेत्र—1184 चौ० फुट)

(जैसे कि राजस्ट्रीकृत नं० 37-ईई/2436/83-84/ पुणे, जो तारीख दिसम्बर, 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पुणे के दफ्तर में लिखा है।)

> मंत्रीय वत्ता सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक स्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, पूना

तारीख: 28-7-19**8**4

मोहर

प्ररूप बाह्".टी.एन.एस

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रजंन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 13 ग्रगस्त 1984

निदेश सं० मी० ए० 5/37जी०/460/84-85---यतः मुझे, संतोष दत्ता,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं ० लेंड श्रीर बिल्डिंग श्रीर मणीनरी श्रीर श्रार० एस० नं ० 4 और स्कडी, तालुका : हातकणंगले, जिला . कोल्हापुर में है तथा जो जिला कोल्हापुर में स्थित है (श्रीर इससे उपावज्ञ श्रनु-सूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणत है), रजिल्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सबर्राजस्ट्रार, हातकणंगले में, र्राजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिम्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्निसिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिवक हुए से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, दाधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया या मा किया जाना चाहिए था, छिपाने में. सिवधा के लिए।

अत: अब उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उसत अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिसित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री टी॰ पी॰ पाटिल,

मक्काम श्रौर पोस्टः रुकडी,

तालुकाः हातकणंगले. जिलाः कोल्हापूरः।

(अन्तरक)

2. श्री ग्रप्पासाहेब पी० पाटिल,

ग्रंट तसूर तालुका: णिरौली,

जिला: कोल्हापुर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किभी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पथ्यीकरण :----इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

जमस्यी

लैंड श्रौर बिल्डिंग श्रौर मणीनरी अँट श्रार० एस० नं० 240, प्लाट नं० 4, श्रट रुकश्ची, तालुका होतकणेंगले, जिला कोल्हापुर।

(क्षेत्र: 3432 चौरस फुट लैण्ड श्रौर 2664 चौरस फुट बिल्ट श्रप एरिया)

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत न० 2382/83 जो तारीख दिस-म्बर, 1983 की सबर्राजस्ट्रार, हातकगंगले के वक्तर में लिखा है)

> मतोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), **श्रजै**न रेंज, पूना

तारीख: 13-8-1984

प्रक्य वार्धे .दी . एन . एक . -----

श्रायश्वर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व(1) के धंधीन सुचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 17 जुलाई 1984

निवंश संव पीव आरव नव 2858/II--अत: मुझे जीव केव पंड्या.

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269- का अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाशार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 414, है तथा जो महेपाणा में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीक्ती अधिकारी के वार्यालय, महेसाणा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन, तारीख 2-12-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उक्ति बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पल्लह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से सुद्दं किसी नाम की नायतः, अक्ष्युं नृधिनियम् के अभीन कर दोने के अस्तरक के वासित्व् में कमी करने या उससे अच्छों में सृष्ट्रिया के लिए; आहु/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था ख्यिपने में सुविधा के सिए;

- 1. (1) श्री रसूल भाई नाथूभाई शेख
 - (2) श्रो उस्मानभाई नायूभाई मोख
 - (3) श्रो भोख्भाई रस्लभाई गेख
 - (4) श्रे अमीतासाई अे० शेख
 - (5) श्री रहेमभाई आर शेख
 - (6) श्री भिखाभाई ओ० सेख
 - (7) श्रो सिकं ररभाई अ० मेख,
 - (8) श्री मुगलखान अ० शेख,
 - (9) श्री महेबुब अरे० शेख
 - (10 श्रो सबरसेन श्रे० गेख.
 - (11) श्री अमीरभाई उस्मानभाई शेख, कस्बा, मस्जिदवाइं. महेसाणा।

(अन्तरक)

2 (1) श्रो प्रलोम दिलगर खां । अनगर खां, प्रेविषा बहाँ लिनबास, महाँसाणा।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वांक्त सम्परिस के वर्णन के सिष् कार्यवाहिया कुरु करता हो।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपन में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तााक्षरी के पास हिलकित में किए जा सकेंगे।

स्वक्योकर्णः — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमोन जो महेस जा में स्थित है जिसका सर्वे न० 414 है और कुल क्षेत्रफल 1 एकक 38 गुंठा है। सब रजि-स्ट्रार महेस जा में 3263 नंबर तारीख 2-12-83 को रजिस्टर्ब की गई है।

> जी० के० पंज्या सक्षम प्राधिकारी सहाधक आयक्तर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमसाबाद

अर्रोख : 17-7-1984

मोहर ।

त्रस्य गाइँ. टी. एन. एस.------

नायक्तर सिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक भायकर आयुक्त (पिरीक्षण)

अर्जन रेज-II अहमदाबाद अहमदाबाद दिनां 17 जुलाई 1981

निदश स० पा० जार न० 2859/II---अत मुझे जी० के० पंडया

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से बिधक है

और जिसको सं० 51 और 52 है तथा जो महेसाण। नागलपुर में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्राक्ष्सी अधिकार। के कार्यालय महेसाणा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का. 16) के अधीन नारीख 31-12-1983

का पूर्वोकत संपत्ति के उिषत बाजार मृल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोकत मालि का उचित बाजार मृत्य, उसके क्रयमान प्रतिफल स, एमें क्षयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाका पदा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरण संबुद्ध किसी शाय की बाबत, उपल विभिनियस के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में जुविधा के लिए, बॉर/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्य जास्तियों को, चिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सर्विधा के लिए।

 श्री बाबु लान नरोम्ममभाई ठाबुर सोनाल सोसायटा महेस,णा।
 (2) श्रा प्रहलाउभाई नरोस्तमभाद,म ठाकुर, ठाकुरबाग मठी, महेसाण।

(अस्परक)

 (1) श्री शभुभाई प्रथवा पटेल नागलपुरी महेसाणा।

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्मित के अर्जन् के निष् कार्यवाहियां घूक करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीक स 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जी भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाधित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

जन् सूची

जमीन जो महेसाणा नागलपुर में स्थित है जिसका मर्वे न० 51 52 है, और कुल क्षेत्रफल 134 गुठा है मब रिजस्ट्रार महेस णा में 3464 नवर पर ताराख 31-12-1983 की रिजरटर्ड का गई है।

> जी० क० पडयः सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-U अक्षमदाबाद

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) ■ अधीन, निम्नितिसित स्यक्तियों, अर्थात् :—

ना**रीख** 17 7-1984 मोहर प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

जासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, अक्रमदाबाद

अहंभनाबाह हिना : 17 ज्लाई 1984

निदेश मं० पा० आर० नं० 2860⁴] अन प्रते, जो० के**० पर**या.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की धारा 269-स के अधीन सदाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रा. से अधिक ह"

और जिसको स० 172/1. 172/2 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूचों से और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रोंकर्ती अधिकारों के अपालय, उठज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रा जिस्ट्रिकारों के विश्वालय अंजान रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अप्रीन, तारोख 29-12-1983

को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य में कम के दश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिक्षण निम्नसिवित उद्वेदय में उसत जन्तरण सिवित में बास्त-विक क्य से सिथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-दिश्य के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कनी करने ना उससे वचने में बृनिया के किए; धरि/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

बतः भव, उक्त गीधनियम की भारा 269-ग के विश्वरण बों, मीं.. नक्त अधिनियम की भारा 269-च की विष्णारा (1) के अभीन, निम्मिलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- ा श्राप्टेय रामजोभाई जोयनारायन उँजा, जिल्महेसाणाः

(अन्तर्कः)

- 2 (1) श्रा जयस्तालाल बालचंददाम पटेल
 - (2) श्रो अनुतनाल बालचंदवास पटेल
 - (3) श्रा नरोत्तमभाई वालचंददास पटेल
 - (1) था बिट्यपभाई कंचाभाई परेल
 - (5) आ पोषाताः भाजिलाल पटेश
 - (६) श्रा कुबेरशाई रामजादास पटेल
 - (7) श्री मोमाभाई पोतांबरक्षाम पटेल उंजा, जि० महेमाणा।

(अन्तरि**र्ता**)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कर्यवाहिया गुरू करता हुं।

उक्त सम्पन्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (च) इस सूचना को राजपण मों प्रकाशन की तारींच से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास जिक्ति में किए वा सकोंगे:

हमक्टीकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस कथ्याय में दिमा गया है।

अनुसृची

जमीन जो उंजा, जि० महसाणा में स्थित है जिसका सर्वे न० 172/1, 172/2 है और कुल क्षेत्रफन 13050 जी० मा० है। सब रिजस्ट्रार उजा में 1238 नबर पर ना० 29~12-83 शो रिजस्टर्ड किया गया है।

> जी० के० पंड्या सधम प्राधिकारी सहायक आय र आपृक्त (किराक्षण) अर्जन रेजि-सिक्क अहमदाबाद

नारीख: 17--7-1984

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-II, म्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 17 जुलाई, 1984

निदेश सं० पी० भ्रार० नं० 2861/II—श्रत.मुझे, जी० के० पंड्या,

कायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विष्यास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रा से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 351, 1464 है तथा जो कड़ी में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), र्जिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, कड़ी में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, 17-12-1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास कर ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिहत से उधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकारें) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निय्निलिखत उद्विश्य से उक्त अन्तरण निल्म में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उसमें क्चने में सविधा के निए; कीर/मा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर प्रतिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था ए जिन्हों जाना चाहिए था, हिल्पान में एकिश के लिए,

कतः जन, जन्म अधिनियम की धारा २६९-ग के जनसरण में, में, उकल अधिनियम की धारा २६९-**च की उ**पधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अधारत :--- (1) श्री पटेल सेघरभाई जोदनाराम, शक्करपुरा, कडी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री तेजेम्बर नगर की० श्री० हा० सोसायटी. द्वारा अजलाल गटीर वर्जी, कडी, जि० महसेगा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

डक्ट सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ८---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविद्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतार;
- (थ) इस स्वना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन को भीतर उद्यक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के यस लिखन में किए जा सकता।

स्वक्कीकर्था. -- - इसमं प्रयक्त सन्दों और पदी का, आं उक्त अधिनियम के अध्याय 20 - क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विचा स्वा हैं।

मन्स्ची

जमीन जो कड़ी में 351, 464/2 नंबर पर स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 8800 चो० सी० है। सब रजिस्ट्रार, कड़ी में 2389, 2390 नंबर पर ता० 17-12-1983 को रजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पं**ड**या, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), शर्जन रेंज-II ग्रहमदाबाद्य

तारीख : 17**-**7-1984

अरूप आर्च.टी. एन . एस . ------

नायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भागालय, सञ्चयक आयक्तर आय्वत (तिरीक्षण) स्रजेन रेंज—II, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 18 जुलाई 1984

निवेश सं०पी० श्रार० नं० 2862/II—-श्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विज्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, भिष्णका उचित बण्जार मूल्य 25,000 /- रह. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० 290—291 है तथा जो वापी०, ता० पारडी जि० बलसाड़ में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, पारडी में राजस्ट्रीकरण स्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 15—12—1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक स्प से किथत नहीं किया गया है '~~

- (क) अन्तरण में हुई किसी नाय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कभी करने या उससे दक्षों में मृद्यिश के सिए और/या
- (स) एरेंगै किसी साथ या किसी धन या सन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्थिश के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) की अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) श्री विजय सानसिंह सजरीया, 108, श्रवणीदय बिल्डिंग, उषा पार्थ, ओरीबल्ली, बम्बई।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री परमानंद रतनशी सजराया, 103, ग्रहणोदय विश्विम, क्षोर वस्ली, वस्बई।

(ग्रन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :----

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिथ, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थिक्तयों में में किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिनबद्ध फिसी अन्य व्यक्ति स्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाष्टि हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा हैं।

बन्त्यी

मिलकत जो वापी में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, वापी में 1878 नंबर पर ता० 25-12-83 को रिजस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंड्या, मञ्जम प्राधिकारो. महायक प्रायक्तर प्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज⊶II, श्रहमदाबाद

मा**रीख**ं 18-7-1984

प्ररूप बाइ. टी, एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भा (1) के अभीन स्थान

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-11, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 18 जुलाई 1984

निदेश सं०पी० प्रार० न० 2863/ Π —-प्रतः मुझे, जी० के पं**ड्**या,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के सभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित साजार मुख्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० 541, 542 है तथा जो पारडी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), राजस्ट्रीकर्ता श्राधकारी के कार्यालय, पारडी में राजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रशीन, तारीख 9-12-1983

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्के यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिखित वे वाम्तिक रूप में कथिन नहीं किया गया है 2---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (व) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्म जास्तिवाँ का, जिन्हें भारतीय जाय-कर जिम्मियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में नुविधा के लिए;

सतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ♣ अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः ३—— (1) श्रीमती सरोजबहन विनोदराय नायक, किल्ला पारडी, ता० पारडी जि० बजसाड ।

(भ्रत्यरक)

(2) श्री मदनलाल दत्तुलाल ग्रग्नवाल, किल्ला पारडी, ना० पारडी।

(ग्रन्त(रती)

कों यह सूचना जारी करके पृथींकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध; जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर, स्थिनत्यों में से किसी स्थित बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्परित में हिसक्दध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्धिक रण:---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, भी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्सूची

मिलकत जो पारडी में स्थित । सब रिजस्ट्रार, पारडी में 1853 नंबर पर ता० 9-12-1983 को रिजस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंड्या
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-II, ग्रह्मदाबाद

सारोख: 18-7-1983.

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

नायकर अधिनियस,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-II, ग्रमहदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनाक 18 जुलाई 1984

निदेश स० पी० ग्रार० न० $2864/I^{2}$ —श्रतः सुझे, जी० के० पष्टया,

नायकर निभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निभिन्नियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- रु. से निभक हैं

भौर जिसकी स० 502, 503 है तथा जो पारडी, जि० बलसा में स्थित (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), र्राजस्ट्रीकर्ता श्रीक्षकारी के कार्यालय, पारडी में र्राजस्ट्रीकरण श्रीक्षितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1983

को प्वींक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वींक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का कन्यह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त का निम्निशिक्षत उद्वेष्य से उक्त अंतरण शिविक्त में वास्तिक क्या से किंगत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के यायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविशा के लिए, और/मा
- (थं) एंसी किसी बाव वा किसी भून वा बन्ध वास्तिवां का, जिन्हों भारतीय आवकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ति अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिकी दवारा प्रकाट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा . वै विद्युः

कतः अस, उच्क जीधीनयम की भारा 269-ग के अनुसरक भें, भें, उच्क अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिसित व्यक्तियों, अर्थात् '—— (1) श्री छनियाभाई माधुभाई पटेल, दयाराम भाजाभाई पटेल, गाय-खाड़की, ता० पारडी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्रभुभाई नत्थुभाई देसाई, श्रोपा कन्स्ट्रक्शन सिस्टम, श्रंधेरी, बम्बई।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना आरी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षप :----

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच त' 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिथ, जो भी जनिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (व) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए का सकेंगे।

स्वच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पद्यों का, जो उथत जीवित्रयम, के जभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं जर्ष होगा जो उस अभ्याय में दिया पद्या है।

नन्त्वी

मिलकत जो पारडी में स्थित है। सब रिजस्ट्रार पारडी में 1328, 1329 नंबर पर दिसम्बर, 1983 में रिजस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंड्या, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज-II, ग्रहमवाबाद

तारीखा . 18-7-1984 मोहर . प्ररूप नाइ . टी. एन. एस. - - -

नायकर निभिन्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-म (1) के नभीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमवाबाद

अहमदाबाद, विनांक 19 जुलाई 1984

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2865/II—यतः, मुझे, जी० के० पंडया.

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं० 94 है तथा जो समा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचों में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधोन, तारीख 22-12-1983

को पूर्वेक्सि सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास काले का कारण है कि यथापूर्वेक्सि सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तियक हुए में कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुड़ किसी जाय की बाबत, उक्त विभिनियम की अधीन कर दोने के बन्तरक के यावित्य में कमी करने या उससे वचने में सूविधा के सिए; जाँद/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः कव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) श्रोमतो कमलाभहन चुनीभाई पटेल, भावरण, ना० बोरसव, जि० खेडा ।

(अन्तरक)

(2) जयशक्ति कन्स्ट्रकशन क०, द्वारा श्री अनुभाई बी० पटेल, पीज, सा० नडीयाद, जि० खेड़ा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए^ कार्यक्षाहियां करता हुं

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई आक्षोप :--

- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी जन्म व्यक्ति क्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरण :—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्यार्य 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नन्सूची

जमीन जो समा गाव में, सर्वे नं० 94 पर स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 5005 चौ० फुट है। सब-रजिस्ट्रार, बड़ौदा में 8856 नंबर पर ता० 22-12-1983 को रजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-^{II}, अहमदाबाद

तारीख : 19-7-1984

मोहर 🗳

प्रकृप आहुँ, टी, एन, एन, न्यान

बायकार बरिधनियम, 1961 (1961 मा 43) मी भारा 269-व (1) को ब्युनिस्कार

भारत सरभार

कार्यालयः, सहायक आमकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज $-I_{\mathrm{I}}$, अहमदाबाद

अमहदाबाद, दिनांक 19 जुलाई 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 2866/II—यतः मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० 94 है तथा जो समा में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-12-1983

को पर्याक्त संपीति को जिस्त वाजार मारा से कम को स्वयभान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गर्ड है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त भम्पत्ति का एक्ति बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रिशात से अधिक है और अन्तरण (अन्तरार्ग) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीप एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी अगय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एमि किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्थ अन्तिरित देवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रो मधुभाई ग्रंबालाल पटेल, भादरण, ना० बोरमद।

(अन्तरक)

(2) जयमक्ति कन्स्ट्रक्शन कं०, द्वाराश्री अनुभाई बं१० पटेल ग्रीर अन्य, पीज, ता० नडीयाद ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना आरी करके पृशंक्ति संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचनां के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन कीं अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकांगे।

स्मक्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

जमी(न जो समा गांव में 94 नंबर पर स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 5005 चौ॰ फुट है। सब-रजिस्ट्रार, बड़ौदा में 8858 नंबर पर ता॰ 22-12-1983 को रजिस्टर्ड की गई है।

> जीं० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज -ाा, अहमदाबाद

नारोख: 19-7-1984

प्ररूप आइ". टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुपना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 19 जुलाई 1984

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2867/II---यतः, मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्ष्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- एक. से अभिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 94 है तथा जो समा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बडौदा में रजिस्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22 विसम्बर, 1983

को पर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मुख्य मे कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य उसके इच्यमान प्रतिफल से, एसे इच्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकारें) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की गबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सविधा के लिए: और/या
- (स्त) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करं. जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11)या उक्त अधिनियम, धन-कर अधिनियम, 1957 (1957) का ७७) के प्रयाजनार्थ अंतरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गणा था या किया जाना चाहिए था, फिलाने भे सरिधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 2.69-ण की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री जयन्ती लाल छोटा लाल पटेल, भादरण, ता० सोरसद, जि० खेडा।

(अन्तरक)

(2) जयशक्ति कंस्ट्रक्शन कं०, द्वारा श्री अनुभाई बी० पटेल, पींज, त**ह**० नडीयाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद मं सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दोका, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में वियागया है।

अनस्पी

जमीन जो समा गांव में 94 नम्बर पर स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 5005 चौ० फुट है। सब- जिस्ट्रार, बड़ौदा में 8857 नंबर पर ता० 22-12-1983 को रजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~II, अहमदाबाद

तारीख: 19-7-1984.

मोहर 🕾

प्ररूप. बाइ . टी. ध्न. एस. - - - -

सायक्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-म (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक बायकर वायुक्त (निर्दोक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 19 जुलाई 1984

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2868/II:--यतः, मुझे, जी० के० पंडया,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्जात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं और जिसकी संग्रीत वड़ीवा में

स्थार जिसका स० 115/2 ह तथा जा सुमानपुरा, बड़ादा म स्थित है(स्त्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचो में स्त्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रोक्तर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5 दिसम्बर, 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित वाजार यूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके रूपमान प्रतिफल सं, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइं किसी आय की बायत, जक्त जिलागम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जीर/वा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) पोकर बिल्डर्स,
 द्वारा करमसोभाई होरजोभाई पटेल,
 सहकार अपार्टमेंट,
 सुभानपुरा,
 बड़ौदा।

(अन्तरक)

(2) श्री केकोभाई होमी दरोगा, सहकार अपार्टमेंट, सुभानपुरा, बडौदा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया ततस्म्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी मनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत स्यक्तियों में से कि की क्यक्ति वृद्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकतें।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्सूची

पलैट जो सहकार अपार्ट-ोंट में, बड़ौबा में स्थित है। सब-रिजस्ट्रार, बड़ौबा में 8413 नंबर पर ता० 5→12→1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> जो० के० पं**ड**या सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—^{II}, अहमदाबाद

अतः शतः, उत्तर अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (।) के अधीन, निम्नसिक्ति व्यक्तियों, वर्षीत् क्र---

तारीख: 19-7-1984

मोधुर 🕄

प्ररूप बाइ", टी. एन. एस. ----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यांलय, सहायक प्रायकर श्रायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 19 जुलाई 1984

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2869/^{II}→स्यतः, मुझे, जी० के० पंडया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसको सं० 115/2 है तथा जो सुभानपुरा, बड़ौदा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचो में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रेंकिता अधिकार। के कार्यालय, वडीदा में रिजस्ट्रेंकिरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ताराख 5 दिसम्बर, 1983

को पृथा कर संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत के सिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत ने, एन्ं दृश्यमान प्रतिकत का दन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्वेश्य से उवत अन्तरण जिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने में उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जस्व आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना जाहिए पा, छिपाने में सूरिता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, 'अर्थात् :--

(1) पोकर बिल्डर्स, द्वारा के० एच० पटेल, सहशार अपार्टमेंट, सुभानपुरा, बडौदा।

(अन्सरक)

(2) श्रो जसवंतभाई चिमनभाई पटेल, सहकार अपार्टमेंट, मुभानपुरा, बड़ीदा।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बगुत्की

फ्लैट जो सहकार अपार्टमेंट, बड़ौदा में, सुभानपुरा में स्थित है। सब-रजिस्ट्रार, बड़ौदा में 8411 नंबर र ता० 5-12--1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> र्जा० के० पडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज--II; अहमदाबाद

नारी**ख** : 19—7—1984

मोहरु 🛢

प्ररूप आहु . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-च(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IJ, अहमदाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 19 जुलाई 1984

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2870/II—यतः, मुझे, जी० के० पंडया,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000ं रहा से अधिक है

श्रीर जिसकी सं 142 है तथा जो रावपुरा, बड़ौदा में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूर्च में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, बड़ौदा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 को 16) के अधिन, सारीख 15→12—1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उक्षके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल जल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किंगत नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (अ) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों का, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री गांतिलाल प्रभुदास गर्मा, मोटी छोपवाड, बडौदा।

(अन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मीलाल भनवरलाल शाह, रावपुरा, नागरवाडा, बडौदा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण '--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पी।भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

जमीन ग्रौर मकान जो रावपुरा में स्थित है। जिसका सर्वे नं० 142है। सब-रजिस्ट्रार, बड़ौदा में 8712 नंबर पर सा० 15--12-1983 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० कें० पं**डया** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊸II, अहमवाबाद

तारीख: 19-7-1984

मोहर 🕄

प्ररूप बार्ष: टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-घ (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11. अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 19 जुलाई 1984

निर्देश सं० पीं० आर० नं० $2871/I^I$ —यतः, मुझे, पीं० जीं० के० पंडया,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसका सं० 647/4 है तथा जो सयाजीगंज, बड़ौदा में स्थित ह (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्राकर्ता अधिकारों के कार्यालय, बड़ौदा में रिजस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-12-1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (फ) अन्तरण से हुई किसी आय की गायत, उक्त अधिन्यिम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रोमती सुधाबहन वी० पटेल श्रीर अन्य, 10, प्रतापगंज, बड़ौदा।

(अन्तरक)

(2) श्रोमतो हंसाबह्दन जीतेन्द्रभाई पटल, गजेरा, ता० जंबुसर, जि० बड़ौदा ।

(अन्सरिती)

का यह सूचना जारी कारके पूर्विक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्ययाहियां। करता हाँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोड़ भी वास्रेप :---

- (क) उस प्रस्ता के राजपंथ में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योक्त व्यक्तियों मा स
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पध्योकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गवा है।

जगसाची

पलैट जो सयाजीगंज, बड़ौदा में स्थित है,जिसका सर्वे नं० 647/4 है श्रोर कुल क्षेत्रफल 1400 चो० फुट है। सब-रजिस्ट्रार, बड़ौदा में 9029 नंबर पर ता० 29-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> जो० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—II, अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अधीत्:--

तारीखा : 19→7—1984

मोहुद्ध 🗉

प्ररूप शार्ष. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत श्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 21 जुलाई 1984

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2872/II—यनः, मुझे, जी० के० पंडया,

नायक र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रीधिकारी को यह निश्यास करने का कारण है कि स्थानर सम्परित, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 487/1, 487/2 है तथा जो चादखेडा में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूचो में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय, गाधीनगर में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17 दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उन्नके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) अरेर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; बौर्/या
- (क) ऐसी किसी आय या भन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हु भारतीय आयक्तर अभिनियम, १०२२ (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, १०५० (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा कि वा जाना चाहिए था, कियाने में सुविभा के विष्;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्चित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

(1) श्रा चतुभाई परशोत्तमदास नायक, कालो, ता० दसकोई, जि० अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) क्रजेश्वरी को० झो० सोसायटी, द्वारा श्री श्रंबालाल गणेशदास पटेल, होरालाल चाल, असारवा, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

क्यों यह सूचना बारी करके पृत्राविक्त नम्परित के अर्जन को सिष्ट् कार्यधाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 किन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वस्तिकरणः — इसमें प्रशुक्त कन्दों और पदों का, जो उसक किमिनयम, के अध्याव 20-क में धीरभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया पदा ही।

भन्त्ची

जमीन जो चांदखेडा में 487/1, 487/2, सर्वे नंबर पर स्थित है। सब-रिजस्ट्रार गांधीनगर में 1309 नंबर पर 17-12-1983 को रिजस्टर्ड की गई है।

जीं० के० पंख्या सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीखा : 21-7-1984

माहर 🚜

प्ररूप मार्द्र.टी एन.एस. ------

Variate appropriate to the first of the fir

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सर्गर

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 20 जुलाई 1984

निर्वेश सं० पो० आर० नं० 2873/II—यतः, मुझे, जा० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'जनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार सन्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसको सं० 41~8, फ्लाट न० ई है, तया जो मजूरा, सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोक्तर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का का 16) के अधीन तारीख 7 विसम्बर 1983

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वरेस से उक्त अन्तरण निचित्त में बास्तिक कृष ने किश्त नहीं किशा गड़ा है है

- (का) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (स) एतेर्स किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों हो किया कार्या कर अधिकिया, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रयोज-गर्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किसा आना चाहिए था खिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रःमतो पृष्पाबहन मनहरलाल वर्षाः, नानपुरा, तिमलिया वाड, सुरत ।

(अन्तरक)

(2) 1. श्रीमता कमलादेवी जगदीशभन्त्र कासट, 2. श्रीमती शांतादेवी जेठमल कासट, 6/1129 भानुस्मृति, हीबरपूरा, सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मृचना की नामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन को हाराख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधोहराक्षरों के पास विभिन्न मो किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: — इसमा प्रयाक्त शब्दों और पदों धा, जा उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा. चा उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो मजूरा में स्थित है। सब-रिजन्द्रार, सूरत में 11122 नंबर पर ता० 7 दिसम्बर 1983 को रिजस्टर्ड की गई है।

> जों० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊸II, अहमदाबाद

दिनांक . 20-7-1984 मोहर् ब

जाभकर विभिन्नम, 1961 (1961 का 43) की भारा 260 मा (1) के अभीम स्वना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायकः आयकः र आय्वतः (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 ज्लाई 1984

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2874/II---यतः, मुझें, जी० के० पंडयाः

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 13/214, आठवा विस्तार, है तथा जो सूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1983

को पृषांकित सम्परित के उचित बाकार मृत्य से कम के श्रायमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके श्रायमान प्रतिफल से एसे श्रायमान प्रतिफल का पंद्रश् प्रतिष्यत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिमों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन निम्नलिकित उद्विष्य से उसत बन्तरण सिचित में बास्तविक स्था से किथात नहीं किया भया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविध। के लिए: और/या
- (ब) एसी किसी बाद या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में सुविधा के लिए;

नतः नव, उन्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अन्सरण बे, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के लथीन. निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् :----23---226 GI|84 (1) 1. भी शमीकाम्त ठाकोरवास कंसारा 2. श्रा जीवनभाई ठाकोरवास कंसाभा मदीधरपुरा, सूरत ।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रकाशचन्द्र णांतिलाल भाह, गोपीपुरा सूरत ।

(अन्सरिती)

की यह सूचना चारी कर्क पृथींक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप हु---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा सत्सम्बन्धी व्यक्तियों कुत सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (व) इस स्वान के रावपन में प्रकाशन की तारीय वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितनवृध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अवाहरताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकोंनें।

स्पष्टिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा. जो उस अध्याय में विवा गया हैं।

अमुस्ची

फ्लैट जो आठवा लाईन्स, सूरत में स्थित है। सब-रिजस्ट्रार, सूरत में 10226 नंबर पर दिसम्बर 1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> र्जा० के० पं**ड**या सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-^U, अहमदाबाद

दिनोंक 20-7-1984

प्ररूप आई. टी, एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 जुलाई 84

निदेश सं० पी० आर० नं०—2875/ध---अतः मुझे. जी० के० पंडया

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसको सं 1074, आठवा लाइन्स सूरत है तथा जो फ्लैट नं 102. सूरत में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान 9 दिसम्बर 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का अन्तर प्रतिफल का अन्तरक से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्ग) और अंतरिती (अंतरित्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखत में वास्तविक रूप से कथित मुक्ती किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई फिसी बाव की बावत उक्त बिंध-नियम के बधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (ध) एसी किसी अप वा किसी भन या अस्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन कर अधिनियम, या अन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया या या किया भाग आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

क्षि: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निस्तिविज्ञित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) र्थः राजेन्द्र मनहरलाल वखारीया
श्चः मनहरलाल चुनोलाल वखारीया
105, अभिजात अपार्टमेंट
नानपूरा,
मूरत ।

(अन्तर्कः)

(2) श्रोमतो विहादेवी हंसराज दावर 102 राघाकुष्ण अपार्टमेंट आठवा लाइन्स सूरत ।

(अन्तरितो)

को यह स्थान जारी करके पृथीक्त सम्परित के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्तर म्यावर संपर्तिन में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के बध्धाय 20-क में परिभाषित है, यहीं कर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्थी

मिलकत तो आठवा लाइन्स सूरत में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 900 चौ० फुट है । सब रजिस्ट्रार सूरत में 11160 नंबर पर दिनांक 9 दिसम्बर 83 को रजिस्टर्ड की गई है ।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक शायकर आयुक्त (तिर∂क्षण) अर्जन रेंज-11, अक्षमदानाद

दिनांकः :- 20-7-84 ्

प्ररूप बाह्र'.टी.एन एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक वावकर जावृक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, अहमदाबाद अहमदाबाद,दिनांक 20 जुलाई 1984

निवेश स० पो० आर० न० $2876/I^{1}$ अतः मुझे, जी० के० पंडया

कायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें दूसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की आरा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रार जिसको सं अमर्वे नं 118-119 और 120, है तथा जो डुमास ता अवोर्यास , जिला सूरत में स्थित हैं (श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण, अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधान दिनांक 12 दिसम्बर 83

कां प्यांकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके स्वयमान प्रतिफल से, एमे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया क्या प्रतिफल निम्निसिचित उद्योक्त से उच्त अंतरण सिचित के बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बंग्रहण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया था मा किया जाना चाहिए था फिपाने में सिक्था के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के स्थीम, निम्नसिकित स्थीक्तुम्, नृष्कि —

(1) मैं ० जे ० जमनादास एण्ड कंपना नवान चंद्र रामनलाल चौखवाला, नवापुरा लाडशेरी, सूरत ।

(अन्तरक)

(2) मै॰ सोव्यु लेन्ड कारपोरेशन 3-4138, नवापुरा दालीया शेरी, सुरत ।

(अन्तरिता)

का यह भूषना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तिया पर स्थान की तामील में 30 दिन की अविधि, जा भी जबिध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्रविक्त स्थितियों में से किसी स्थित बुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षण क पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय म दिया गवा है।

धनुस्की

जमीन जो बुमास में स्थित है जिसका सर्थे नं० 118-119 मीर 120 है। सब रजिस्ट्रार सूरत में 11225 नंबर पर दिनांक 12-12-84 को रजिस्टर्ड कि गई है।

> जी० के० पडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I^I, अहमदाबाद

दिनांक : 20-7-84

म्यद अ१६¹ .टी .एल .स्स . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन समना

THE STREET

कार्यालयः, सहायक जायकर जायक्तः (निरीक्रण)

अर्जन रेज-2. हैदराबाद अहमदाबाद, दिनांक 20 जुलाई 84

तिदेश नं० पी० आर० नं० 2877/II---अत: मुझे, जी० के० पंडया.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह धिष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संव वार्ड नंव 1, नोध नंव 496, प्रिया अपार्ट मेंट, है तथा जो सूरज में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ज्द्रीर्ता अधिक के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्राज्यण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 14-12-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रकृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरहा के बिए तय पाया गया प्रति-कम, निम्नसिचित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिक कम से कथित नहीं किया नवा है ध---

- (क) अन्तर्क वं हुए किती नाथ की वायदा, अन्तर विधिनियम के नभीन कार दोने के बन्तरक के दानित्व में कभी करने या उससे वचने में सुनिक्श के निए; और/बा
- (च) देशी किसी बास या किसी धन या नन्य नास्तिकों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियनम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियनम, या धन-कर निधिनियम, या धन-कर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था मा किया थाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए।

कतः अब, उबत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मे, उकत अधिनियम को धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, अर्थात् — (1) केकीन मनहर कुमार शेठ, फ्लीसेन्ट पार्क, पडेर रोड. बम्बर्ड।

(अन्तरक)

(2) 1. बाबूभाई छगनलाल ग्रेठ 26, मदम पडेर रोड, बम्बई

सुमनगौरी बाबूमाई शेठ,
 अजन, जिला सूरत ।

(अन्तरितो)

का यह स्थाना जारी करके वृत्रीक्त सम्पत्ति के कर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पृत्ति के नर्बन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेद्ः --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की मामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स
 करिनतयों ये से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितथब्थ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अभोहस्ताक्षरों के पास निचित में किए वा सकोंगे।

स्यव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के सध्याय 20-क में परिभाषित हैं, तहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो बार्ड नं० 496, प्रिया अपार्टमेंट में स्थित है और फ्लैट नं० 518 और कुल क्षेत्रफल 700 चौरम फुट है। सब रिजस्ट्रार, सूरत में 11298 नम्बर पर तारीख 14-12-83 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> जी ० के० पंडया नक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

सारीख: 20 7-84

प्ररूप आहा. टी. एन. एस ------

कासकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-ग्रा, अहमदाबाद

अहमबाबाब, दिनांक 20 जुलाई 1984

निवेश नं० पी० आग्० नं० $2878/\Pi$ —अतः मुझे, जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त जिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को ग्रह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 234 सब प्लाट नं० 24 फाईनल प्लाट है। तथा जो नं० अथवा. सूरत में स्थित है (और इसमे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विजत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के आयितिय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 9/12/83

को पूर्वोक्त सपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरममान प्रतिकाल मे एसे दूरममान प्रतिकाल का पंत्रह प्रतिकाल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित मा बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (कं) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा कें लिए; और/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुजिधा के लिए;

बतः अवः, उत्रत निधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण भं, मं, उक्त विधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के बधीन, निम्निविद्या स्थिन्तमां नर्भात् :--- (1) विरनभाई गणर्शतिगंतर मजूमदार, महिला विद्यालय स्कूल के पास गोपीपुर, सूरत

(अन्तरक)

(2) किश्वरी जपार्टमेंट को० ओ० हा० सोसायटी 3596 गोपीपुरा, महिल विद्यालय स्कूल, गोपीपुर . सुरत

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्द सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप;--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पड़ों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

वनुस्ची

मिलका जो अथवा लाईन्स, सूरत में स्थित है जिसका सर्वे न० 234, और सब प्लाट नं० 24 है। सब रजिस्ट्रार सूरत में 11172 नंबर, पर तारीख 9/12/83 को रजिस्टर्ड किय, गया है।

े जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II अहमदाबाद ।

तारीख: 20-7-84

मोहर 🤞

प्रकप आई. टी. एग. एस.-----

नासकर निधानयम्, 1961 (1961 का 43) की चाडा 269-च (1) के नधीन सूचना

भारत त्रकात

कार्यालय, सहायक **आयकर आयुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज-2, अहमवाथाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 जुलाई 84

निवेश सं० पी० आर० न'० 2679/2—-अतः मुझे, जी० के० पन्डया,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 237, आध्वा लाईन्स, है तथा जो सूरत में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्णस्प में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-12-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्क निकासिक उद्देश्य से उन्त बन्तरण निविध्त में बास्तविक का ते कीचत नहीं किया नवा है है—

- (क) बन्धरण वे हाई प्रिक्वी शाद की वावत अकत निय-नियम को अभीन कर दोने को अन्तरक को बायित्व में कमी करने वा अवसे बचने में सुविधा को लिए; बीद/वा
- (च) एसी किसी जाव या किसी भन या अन्य जास्तियाँ की, जिन्हें भारतीय जायकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनियम या भन-कर जिभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाचनार्थ जन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या फिया जाना चाहिए था, छिभाने में मृतिभा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंख व्यक्तियों, अधीत :---

(।) श्री प्रयोणचन्द्र रघुनाथजी नायक. गोपीपूरा, सन्धाडियाघाट सूरत।

(अन्तरक)

(2) किन्नरी अपार्टमेंट चेयरमेन श्री हैमलता किशोरचंद कपाडीया गोपीपूरा महिला विद्यालय मेन्नेटरी श्री मनधुभाई गेलाभाई पारेख बेगमपुरा, सुरत ।

(अन्तरिती)

स्त्रे यह सूचना बा<u>री कर</u>्के पृत्रों क्त सम्परित के वर्षन के सिक् कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्पन के सम्बन्ध में कोई' भी वाक्षेप ----

- (क) इस स्वाम के राज्यन में अकाशन की तारीज सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचनः की तामील से 30 दिव की अवधि, जो भी अवधि वाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की क्षारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अस्य स्थिक्त द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में केग्र जा सकते।

स्वध्यक्तिरण:--इत्तमें प्रयुक्त कर्न्य और पदों का, था उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्भ होगा जो उन्ह कथ्याय में दिवा श्या है।

वन्त्वी

मिलकत जो आध्या लाईन्स सूरत में स्थित है जिसक। सर्वे नं० 234, सब ण्लाटनं० 23, फाईनल ण्लाटनं० 78 है। सब रजिस्ट्रार, सूरत में 1173 नम्बर पर तारीख़ 9-12-83 को रजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पन्डया सक्षम प्राधिकारी सहाथक आध्यकर आधुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख 20-7-84. मोहर:

प्रकल कार्षे . सी . वर्षे . स्था . ------

भागभार अभिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-।। अहमदाबाध

अहमदाबाद, दिनांक 21 जुलाई 1984

तिदेश नं० पी० आर० नं० 2880/H=-376 मुझे, जी० के० पंष्ट्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु. स अधिक हैं

और जिसकी सं० 1031, शीट नं० 35 है। तथा जो विसनगर में स्थित है (और इसमें उपाबक्ष अनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय हैन्डलूम हाउस, अहमद बाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) फार्म नं० 37ईई के अधीन, दिनांक 12-12-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के अस्तिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के अस्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- उस्तरक से हुई किसी नाम की बाबतः, उक्त किथिनियस के जभीन कर दोनें के जन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा की लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था स्थिपने में सिवधा के लिए;

कत:, अभ, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग से अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त अधिकारों, अर्थात् :---- (1) श्रीमती प्रविणा मूलशंकर मेहता प्रविणविल्ला, सरसवित रोके, स्ताक्ष, त्रस्वई-400051 ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हिराबन रितलाल शहर, जवर-बालजीनोमध, विष्यागर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपर्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जो बिसनगर में स्थित है जिसका सर्वे नंक 1031, और जीट नंक 35 है। 3785 का फार्म बरी कार्यालय में 12/12/84 को पेण शिया है।

जी० के० पंडक पक्षम प्राधिकारो गठायक आयक्षर आयुक्षन निरोक्षण) अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

नारीख: 21-7-54

मोहर.

प्रकृष आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-J1 अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 अगस्त 1984

निदेश मं० पो० आर० नं० 2881/∏——अत: मुझे, जी० के० पंडका

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000∕-रुठ से अधिक है

अरेर जिसकी सं० 218-219 सुलतानबाद, उायस है तथा जो कोरशासी जिला सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचो में और पूर्णरूप से वणित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधि-कारो के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1983

को प्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्याँक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में अभी करने या उसने अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्सियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं विज्या गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

 (1) मिनोरवारा नवनमा कपाकिया और अन्य गैथाप्या पारसीवाड, भूपता

(अन्तरक)

- (2) तैयाकी ईमदादभाई काचवाल। पठानवाड, झांपा बाब।र.
- (2) विशनु कुमार होरालाल डोरोबाला सुलतानवाद
- (3) रमदा जेंद्र हैदर मोटा, सूरत

(अन्तरितो)

को यह सूचना पारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी स्थितसर्गे पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वाच अधोहस्ता गरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पटिकरण: -- इसमें प्रयुक्त गुब्धों और पद्यों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ क्षेगा, जो उस अध्याप में दिया गया है।

नन्स्ची

मृिलकत जो मुलतानबाद दुनास में स्थित है जिसका नं∘ 218-219 है सब √जिस्ट्रार सूरत में 11352 नम्बर पर दिसम्बर 83 है।

> जी०के० पन्डया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीत, निम्निजिम्हिल व्यक्तियों. अर्थात् हु----

नारोख : 1-8-84

प्रस्त्य आई टी.एन.एस. ------

गाथकर ग्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II अहमदायाद अहमदासाद, दिनाक 1 अगस्त 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 2882/II---अत मुझे, जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रा में अधिक है

और जिसकी मं० 31 हिम्पा नं० 11 है तथा जो क्लर गम ता० चोर्यासी में स्थित है (और इसमें उपावह न्तुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रोफर्ता अधिकारी के व्यानिय सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-12-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके हर्यमान प्रतिफल से, एसे हर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निनिस्तित उद्देश्य में उकत अंतरण लिखित में वास्त्रिक हुए से कृषिन गृही किया गया है --

- (क) अन्तरण में हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दौने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृतिधा भी लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी थन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्यत अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए.

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिमित व्यक्तिया, अर्थात —— 24—226 लो84 (1) ठाकोर पुरकोनम बेद ना० चार्यामी जिला सुरत ।

(अन्तरक)

भीखाभाई बालाजीभाई बाराच्छा रोड सूरत। पावर और अटार्नी हरजीमार्ज रामजामाई पटेल।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त संपरित के मर्जन के संबंध में कोई भी बार्क्ष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच वें 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पृशेक्ति व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति व्यक्तिए;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम के अध्यय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगसभी

नमं। जो क्लारगाव में स्थित है सब रिजस्ट्रार, सूरन में 11675 नंतर पर तार 20-12-83 की रिजस्टर्ड को गई है।

> ज ० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी गहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख 1-8-84 गहर

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 260-घ (1) के अधीन सुचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 अगस्त 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 2883/II--अनः मृझे, जी० के गंड्या,

सायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचान 'उक्त अधिनियम' कहा गुया हैं), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 31, हिस्सा नं० 5 है तथा जो कलार गांव ता० चीर्यासी में स्थित है (और इससे उपाबड अनु-सूची में और प्रांच्य से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 20-12-83

नेत पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित याजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्के वह विश्वास करने का कारण है कि यथापृशेंक्त सम्पत्ति का उचित आजार भूल्य,, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्सह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ता, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तर्ज सिचित में बास्तरिक कप से अधित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण भं हुई किसी आयं की बाबत उपत जीध-मिनन के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व के कनी करने या उससे अवने में स्विधा के निन्दे; और या/
- (का) एंसी किसी जाय या किसी धन या अन्य अस्तियों कों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती बुबारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाडिए था, खियाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को कधीग, निम्नलिखिल व्यक्तियाँ, अर्थात् ः—— (1) ठाकोर परघोतम वेद, तारु चोरयामी जिरु सूरत

(अन्तरक)

(2) श्री दहियाभाई ठाकदरणे। पटेल, मैथदपुर, गुरुप ।

(अन्तरिक्ष)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के निष् कायवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उथत स्थावर संपरित में हित- व्यथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्यक्कीकरण:—-इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदौं का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा हैं।

जन्स्ची

जमीत जो कलार गांव में स्थित है जिसका सर्वे मं० 31 हैं (सब रजिस्ट्रार सूरत में 11676 तसर पर ता० 20-12-83 की रजिस्ट्री की गई है)

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंग-11 अहमदाबाद

नारीख : 1-8-84

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस्.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज अहमदीबाद

अहमदाबाद, दिनाक 1 अगस्त 1984

निदेण म० पी० आ२० न० 2884/II---अल: मुझो, जी० के०पडया,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सपरित जिसका उचित बाजार मूल्म 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सर् 31 हिस्सा नं 3 है तथा जो कलार गाव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णस्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीहर्ता अधिकारों के बार्यालय, सूरत में रजिस्ट्राइरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-12-83

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ष है और मुभ्ने यह विश्वेषास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल के बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाम्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, बार/या
- (का) ऐसी किसी आय ग किसी भन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृथिधा के लिए;

कतः कवः, उक्त अधिनियम कौ भारा 269-ग कौ अनुसरण भौ, भौ, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ः—— (1) टाकोर पुर्यातम वेद,ता० चार्यासी जि० मुरत ।

(अन्तरक)

(2) बल्लमभाई रावजीभाई पटेल सैयदपुरा, सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पृथोंकत सम्परित के अर्थन के निष्ध कार्यवाहिया करता हुं।

जनत सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाध्येप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर म्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिन-बव्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्ठीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उकक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

नन्स्ची

जमान जो कलारगात्र से स्थित है सब-र्गजस्ट्रार, सुरत मे 116777 नसर पर ता० 20-12-83 को रजिस्टड की गई है।

> ज(० के० पंडय) सक्षम प्राविकारी सहाय : आस्मार शायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-!! अहमदायाक

मारोख : 1 · 8 - 84

भोहर:

प्रका बाई . टी . एन् . एस _-----

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सुचना

भारत बहुकाइ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जनः रेज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 2 अगस्त 1984

निदेश मं० पी० आर० नं० 28&5/IL--अत, मुझे, जी० के० पंडया

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसमें पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पिता, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी स० 31, हिस्सा न० 9 है तथा जो जलार गांव ता० चार्यासी जिं० सूरत में स्थित हैं (आँर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप सं विणत हैं), रिजम्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 29-12-84 की वृष्टेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरिन की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्तर्म प्रतिकृत के किए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्तर्म प्रतिकृत से अधिक हैं और अन्तर्भ (अन्तरकार्य) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्भ के लिए तथ पाया गया प्रति फल निम्निकत उद्दर्भ में उवन अन्तर्ण निध्वत में राज्यिक रूप से कथित नहीं किया वया है हि—

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे नचने में सुविधा के लिए, और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी भन या बन्य क्रास्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए,

बत: बब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के बनुसरण कों., मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीम, निम्मलिबित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) ठाकुर पुरषातम वेद ता० चार्यासी

(अन्तरक)

(2)खलभाई धरमजी नागटशेरी भटीदरपुरा सूरत

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व थे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में संकिसी व्यक्ति इवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अभोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

जमीन जो कलारगाव सूरत में स्थित है जिसकी सं० 31, हिस्सा त० 9 है। सब रजिस्ट्रार सूरत में 11.678 तम्बर पर ता० 19~12-83 को रजिस्टर्ड की गई है।

> र्जा० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख ' 1~8~81 माहर . प्ररूप भाइर. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांअ 1 अगस्त 1984

निदेण मं० पी० आर० 2886/II—-अत:, मुझो, जी० के० पंडया

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है), की भार 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संव नंव 31, हिस्सा नंव 2, जलारगाव है तथा जो जिव सूरत में स्थित है (ऑह इसम उपावड अनुस्व में अगेर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधियारी के क.योलय सूरत में रिजस्ट्रीकरणअधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29-12-83

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमाग प्रतिफल में ऐसे दृश्यभान प्रतिफल का पल्ह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अंतरक (अंतरका) और अंतरिती रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्घेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकक रूप से किथल नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबस, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; और/था
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं जिया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः संब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) क अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :--- (1) ठाकुर पुरयोतम वेद ना० चोर्यासी जि० सूरत

(अस्परक)

(2) श्री ब्रार्जीमाई रामजीमाई पटेल पावर आफ अंटेर्नी होटबुर हरजी भाई रामजी भाई पटेल

(अन्तरिती)

कां यह सुभना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि, जां भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 विन के भौतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ः किसी अन्य व्यक्ति व्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण.---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसूची

जमीत जी कतारणांव में स्थित है सब रिजस्ट्रार सूरत में 11669 नंब पर ताब 29-12-83 को रिजस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पं**ड**या यक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबा द

तारीख : 1-8-मोहर

प्रकप नाइ. टी. एन. ६स. -----

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सृच्ना

भारत सरक्रार

कायतिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्चन रेज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनाक 1 अगस्त 1984

निदेण मं० पी० आर० 2887/II--अतः, मुझे, जी० के०पंड्या

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 11, हिस्सा नंज 1 कलरगाय है तथा जो तां चोर्यासी, जिं सूरत में स्थित है (और प्रगम उपाबंद अनुमूची में और पूर्णक्ष में यणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधि गरी के कार्यार्य, सूरत में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29-12-84 को पूर्विक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के भीष एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्निकत उद्वेष्य से उक्त बन्तरण मिश्वत में वास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किशी आव की वावत, उनत जीर्थनियम के अभीन कर बोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; शीर/या
- (म) एसो किसी आथ या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनीर्ध अन्निरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना आहिए था, किया वी सीए;

जतः अब उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की जन्दरण भें, भें, उक्त अभिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) की अभीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अभीत् ल—— ा ठाकुर पुर्योतम वेद ना० चोर्थासी जि० सूरत

(अन्सरक)

(2) हर्राजभाई राम्जीनाई पटेल सैधदपुरः, मुरत

(अन्तरित)

ना यह सूचना जारी करके प्यांतित सम्मिति के नर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूड सूचना की तानीज से 30 दिन को अविभि, जो भी कविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस मृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाड लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मान्यीकरणः ----इसमें प्रमुक्त शब्दों और वदों का, वो वक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

-

मिलकत जो कलरगाव में स्थित हैं। सब रिजिस्ट्रार सूरत में 11680 नम्बर पर 29-12-83 को रिजिस्टर्ड की गई है

> जी० के० पंडया मक्षम प्राधिकरी सहायक जायबार आयुक्त (निरीक्षण) गर्जन जेज-II अहमदाबाद

नारीख : 1-8-84

प्ररूप् आर्द. टी. एन. एस.------

भागकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर जायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 1 अगस्त 1981

निदेण सं० पी० आ२० 2888/II - अत., मझे, जी० के० पंड्या

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-थ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं 1933 नं 2 पलेट न 9 है तथा जो मजूरा गेट, सूरत में स्थित है (और टनसे उपाध्व अनु— सूची में आर पूर्ण कप म बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधित्यार के दार्यालय, सूरत से रिजर्ट्रीकरण अधितियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूश्यमान प्रतिफल के लिए जन्सरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके रूश्यमान प्रतिफल से एसे रूश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रसिश्चत से अधिक है और एसे अंतरक (अन्तरकों) और वंतरिती (जन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित औ वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) न्यारण से हुई किसी जान की नानत, उसत अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे स्थाने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में स्विभा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान् ---- (1) मेठ गे० ग० इस्टरप्राईन 2/3728 तबनारी बागार मुख्य मार्ग, सूरत

(अस्तर्ध)

(2) श्रीमित रमीलापरन डी गाली इतार नं० 4/315, नर्नदा प्राजक्ट कालानी, वर्डादा-2

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्चनु के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त संपर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति होता;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्सि में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाजित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्पी

मिलकान जो मज्या में स्थित है। 3 ईई का फाम डी० भी० 83 में यह कार्यालय में पेण किया गया है।

> जी० के० पंडरा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रमें रेंत्र-2, अहमदाबाद '

दनांक : 1-8-84

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर मायक्स (निरक्षिण)

अर्जन, रेंज अहमदावाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 अगस्त 1984

निदेण मं० पी० आर० 2889/—][——अत., म्झे, जी० के०पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० ष्लाट नं० 903, राजेक्वर अपार्टमेंट है तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय. सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्स संम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्तन, निम्निलिखत उपुर्वोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कप में अधित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण में हुए किसी जाय की वाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने मा उसमें बचने में मुलिशा के लिए। बीर/धा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना आहिए था, छिपाने में मिवधा की लिए;

कतः, अन्, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उप्धारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1)मेयर्स श्रीराम अपार्टमेट 1/864 अथगर स्ट्रीट, गानपूर। मुरत

(अस्पन्स)

(2) श्रीमती जीभातीक्षेत्र राजननाल मेहना 103 राजेण्यर अपार्टमेट सरन

(अन्तरितो

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन् को सम्बन्ध में को हैं भी श्रक्षेप :--

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स' 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्चान की तामील से 30 दिन की अव्धि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीनर प्रविका व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दुवारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् लिसिन में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, अही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुस्ची

मिनका जो राजेण्यर अगार्टमेंट में स्थित है सूरत ने 37ईई का फार्म पर कार्यालय में तार 19-12-83 की पेश की गई है।

> जी० के० पं**ड्या** सक्षम प्राप्तिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-II, अहम**दाबाद**

नारीख : अ∽8∽84

प्ररूप आई टी एन एस. ----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 13) की भारा 269-**भ** (1) **के अधीन सुमना**

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाए 3 अगस्त 1984

निदेण मं० आर० पी० 2890/H—अतः, मुझे, जी० के० पंड्या

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका पं० वार्ड नं० 2 नोध नं० 4468, है तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्चा में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजिस्ट्रीकरण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधान तांगिख 21-12-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं फिया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की भावता, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, १९०० (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, गा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्राप्त किया जिला स्वीतियम प्राप्त किया जाना चाहिए था, खिपाने में सिवधा के सिए:

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधार्त —— 25—226 GI 84

श्री नवानचन्त्र मनसुखलाल वी प्रमेशचन्द्र भनसुखलाल श्री विनोदचन्द्र मनसुखलाल श्री नरेश मनसुखलाल बाडी कलीया, स्टोर शेरी, स्रन

(अन्तरकः)

- 2 श्रीमती ईन्द्रथमेनन
 - 1. बाबुभाई मगनलाल
 - 2. शिरीष बाबुभाई
 - 3. श्री निलेष बाब्भाई
 - 4. निता बाबुभाई
 - सुधा बाबुभाई
 सम्रामपुरा, शिवदास झावेरी पोल,
 मुरत

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सक्ष्मीता के अर्धन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 विन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि., जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसमी

मिलकत जो वार्ड तुं० 2 नीचे नीघ० 4468, सूरत में स्थित है। सब रिजिस्ट्रार सूरत में 1462 तं० पर ता० 21-12-83 को रिजिस्टार्ड की गर्ड है।

> जी० केट पंडया सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, 2. अहमदाबाद

ना**रीख: 3-8-8**4

भाहर:

भूकप् जार्चा, टी. एन<u>ः</u> पु**र**्जनसम्बद्धसम्ब

णायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन सुचना

भारत चरकार

कार्यात्तय, सहायक भागकर भागकत (निरीक्त) ग्रर्जन रेंज, ग्रहमदाशव

ग्रहमदाबाद, दिनांक 3 ग्रगस्त 1984

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 2891/II--श्रतः मुझे, जी० के० पंडया

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें ध्रतके परचात् 'तुक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अभीन सक्षम प्राभिकारी की वह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अभिक हैं

धौर जिसकी सं० प्लाट नं० 57~58, 63 से 69, हैं तथा जो सलपरसा में स्थित है (घौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सीलपरचा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 21-12-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्बृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय की बायत, उक्त अधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दासिस्थ में कसी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/शा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिकों को जिन्हों भारतीय अस्य-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोबनार्थ अन्तिरी इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में सुविधा को लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) क अधीन, विक्निलिक क्यिक्सियों, कथीन:— (1) मैं० डी० बी० सी० इन्टरप्राइसेस, मीलवस्सा।

(भ्रन्तरक)

(2) मैं० जी० के० फेब्रिक्स प्रा० लि०, सीलथस्सा, फ्लैट नं० 57-58, इण्डस्टीयल इस्टेट।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना आ<u>री करके पृत्रों क्स</u> संपरित के कर्जन के लिए कार्यवाद्वियों कारता हों।

उन्त रामारित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नासेय:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जबित या तत्त्रास्त्राच्यी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध्य, जो भी जबिश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर खिलाओं में से किसी स्पन्ति इसारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितनक्ष्म किसी जन्म स्थानित द्वारा नभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्थळीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वनसूची

मिलकियत जो सिलबस्सा में स्थित हैं। सब रजिस्ट्रार, सिलवस्सा में 489 नं० पर तारीख 31-12-83 को रजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर धायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

तारीख : 3-8-1984

प्ररूप आइ. टी.एन. एस. ------

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निर्काक्षक)

प्रर्जन रेंज-1-2, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, विनांक 3 श्रगस्त 1984

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 2892/II—- ग्रतः मुझे, जी० के० पंडया

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाबार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

र्मार जिसकी स० वार्ड नं० 3, नार्थ नं० 2885 डी है तथा जो सूरत रिंग रोड में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रिधकारी के कार्यालय, ग्रक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्मे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण विविद्य में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य मों कमी करने या उससे अचने मों सुविधा के लिए! और/या
- (च) एसी किसी नाय वा किसी धन या नन्य शास्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्त्रिपाने में सुविधा के किए:

जतः जब उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के जनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिक्त क्योंक्तियों, अधीत् ह— (1) मै० ग्रजन्ता शापिंग एण्ड टेक्सटाइल्स, रिग रोड, सुरत।

(श्रन्तरक)

(2) श्री राम निवास राम जीवन कासद, पारदा, जिला ग्रहमद नगर, (महाराष्ट्र स्टेट)।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के संबंध में कोई वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी श्रावित व्यक्ति व्यापा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्तीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अमुसुची

मिलिकियत जो श्रजन्ता शार्पिण सैन्टर एण्ड टेक्सटाइस्स में स्थित है। 37 ईई का फार्म जो इस कार्यालय में नवस्वर, 1983 को पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1-2, ग्रहमदाबाद

तारीख: 3-8-1984

मोहर 🛭

प्रकृप वार्ड. टी. एन. एस.-----

बायकर बिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्याक्षय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1-2, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 4 अगस्त 1984

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 2893/2—ग्रतः मुझे, जी० के० पंड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रुपये से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 18/3-ए, 18/3-बी है तथा जो ग्रदाग ता० श्रंकलेश्वर, जिला भरुच में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबड़ अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भरुच में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 13-12-83

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उराके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरित्तयो) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित बास्तविक रूप स विधित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ज) एसी किसी अप या धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्नसिकित स्यक्तियों, अर्थात .— (1) महाबीर स्नागॅनाइजर, भाई लाल भाई रणछोड़ जी भाई पटेल, कान्ति भाई नारणदास पटेल, नंदाडा, ना० संकलप्यर।

(श्रन्तरक)

(2) श्री ईश्वर भाई श्रंबालाल पटेल, श्री कृष्ण को०-श्रापरेटिव हा० सोसाइटी श्रंदाडा, ता० श्रंकलेश्वर।

(भ्रन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्थन के कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपश्च में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्यास में दिया गया है।

स्थाकरीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित

अनुसूची

जमीन जो श्रंदाडा गाव में स्थित है जिसको सं० 18/3-ए श्रांर 18/3-बी है । सब रजिस्ट्रार, श्रंकलेश्वर मे 2792 नं० पर ता० 13-12-83 को रजिस्टर्ड की गई है ।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2,* भ्रहमदाबाद

तारी**ध** : 4-8-1984

मोहर ः

प्ररूप आहूँ. टी. एन. एस. ---- (

भायकर भौधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बधीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेज−2, अहमदाबाव

श्रहमदाबाद, दिनाक 4 श्रगस्त 1984

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा से अधिक है

ग्रौरजिसकी सं० 37 है तथा जो ता० गणदेवी, जिला बलमाड में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध ग्रनुमूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, गणदेवी में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख 14-12-1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृज्य से कम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृज्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल में एसे दृश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्दृश्य में उक्त अन्तरण लिखित में भास्तिकिक कप में किथत नहीं किया गया है —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/बा
- (स) एेसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अब-क्कर लिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को बधान, निस्निमिसिस व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री भगिया भाई भाणाभाई पटेल, देवसर, ता० गणदेवी, जिला बलसाड ।

(भ्रन्तरक)

- (2) 1. श्री श्रमित कुमार शिरीचन्द ।
 - 2 श्री सुजीत कुमार शिरीचन्द्र ।
 - 3 श्रीपाम्ल कुमार शिरीचन्द्र ।
 - 4 श्रीमती निशाबहन नतिन कुमार।
 - 5. श्रीमती प्रीति सरन नितन कुमार।
 - 6. श्री प्रिमेश कुमार नीतिन कुमार।
 - 7 श्री मोहन लाल कुबेर दास।
 - 8 श्रीपारसनाथ कुबेर दास।
 - श्री भगन लाल एच०।
 - 10. श्री बाबू भाई नायुभाई।
 - 11. श्री कर्नुभाई ग्राशा भाई।
 - 12. श्रीवसन्त लाल पी० गाधी।
 - 13 श्री खुशालदास एम० चिली।
 - 14 श्री मोहन लाल कुसु भाई छौर ग्रन्य, र्जालीमोला,

गणदेवी ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करक पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कीई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी स्विक्त दुवारा;
 - (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारील वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बच्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निश्वित में किए वर सकींचे।

स्पच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसस अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

जमीन जो धकवाड, ता० गणदेवी में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, गणहवी में 1628 न० पर ता० 14-12-84 को रिजस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज--2, ग्रहमदाबाद

तारीख : 4-8-1984 मोहर: त्रका बाह् 🚉 टी. एव. एव.-----

जायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत् सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदावाद

ग्रहमदाबाद, विनाक 7 ग्रगस्त 1984

निदेश सं० पी० ग्रार**्नं० 2895/2—ग्र**तः मुझे, जी० के० पंडया

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्सके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृख्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 62, फ्लाट नं० 124 है तथा जो ऊंचा मार्किट यार्ड में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूधी में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ऊंजा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीखा 12-12-1983

को पूर्वोक्त संपरित को उणित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूको यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उणित बाजार मूल्य, उसके इद्यमान प्रतिफल से, एसे इद्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिहात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) नृत्यरण से हुए किसी नाय की बाबत उनक अधिनियम के अधीन कर दोने के कलारक के दायित्व में कमी करने या उत्तर्ध बचने में सुनिधा के निष्; अरि/या
- (क) ऐसी किसी अप या किसी भन या अन्य जास्तिनों की जिन्हों भारतीय जायकार जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनियम, या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के किए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ल की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री ईश्वर लाल शंकर दास, कृष्ण सिनेमा के पास, ऊजा, जिला महेसाणा ।

(ग्रन्तरक)

- (2) 1. श्री मणिलाल परषोत्तम दास, ऊजा ।
 - 2. श्री कांतिलाल छगन लाल, ऊजा ।
 - 3. श्री धरविन्दभाई शिवरामदास, ऊजा ।
 - श्री विष्णुभाई मणिभाई, ऊजा ।
 - श्री खोजाभाई काशीरामदास, ऊजा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप:----

- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की बामीस से 30 दिन की अविभ, वां भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के रावप्त्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन के शीएर उक्त स्थावर सम्परित में दिवब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेष्ठस्ताक्षरी के पात सिचित में किए जा सकेंगे।

स्पर्वाकरणः - इसमें प्रयुक्त कन्यों भौर पयों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही धर्ष होगा जो उस प्रध्याय में विया प्रथा हैं ॥

नग्रुची

श्राफिस गोडाउन का फ्लाट नं० 124 जो उजा मार्किट यार्ड में स्थित हैं । सब-रिजस्ट्रार, ऊंजा में 1229 नं० पर ता० 12-12-83 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रैंज-2; ग्रहमदाबाद

तारीख: 7-8-1984

शक्य बाह् .टॉ. एव. एव. -----

माय्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, श्रहमवाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 7 ग्रगस्त 1984

निवेश सं० पी० श्रार० नं० 2896/II—श्रतः मुझे, जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)। (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्तम प्राप्तिकारों को यह विकास करने का आहम है कि स्थापर सम्पत्ति, विकास स्थित वाचार मूस्य 25,000/-रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 7131, फ्लाट नं० 125 है तथा जो उजा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, उंजा में रजि-स्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 कां 16) के श्रधीन, तारीख 26-12-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के हर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्हें हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके हर्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के बधीन कर दीने के अन्तरक क दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और्या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें स्तिभा के सिए;

कतः वबः, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) पढेल हरगोवन भाई शंकर दास गंज बाजार, उजा।

(भ्रन्तरक)

(2) 1. श्री हुर्षेदराय कानजी भाई।

2. श्रीपुष्पा बेन नटवर लाल शिवराम। 125, गंज बाजार,

उजा ।

(म्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मित्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवें कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पछि किरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुस्ची

भ्राफिस-गोडाउन, जो उंजा मार्किट यार्ड में स्थित है जिसका फ्लोर नं० 125 हैं। सब रजिस्ट्रार, ऊजा में 1118 नं० पर ता० 26-12-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

तारी**ब** : 7-8-1984

प्रक्य आहें। यो एन : एस

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 श्रगस्त 1984

निवेश मं० पी० श्रार० नं० 2897/2—श्रत मुझे. जी० के० पंडया

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहनात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विज्ञास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 25.000/- रा. से अधिक की

ग्रौर जिसकी सं० 6/10/102, प्लाट नं० 76 है तथा जो उंजा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, उंजा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 21-12-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिपत्त को लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है '

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की आयत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (ख) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिविधा के लिए

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण वा, वा, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) । भी पटेश संवार भा रामदाम (मधुका कुटुम्ब)।
 - 2. श्रीरणछोड भाई रामदास पटेल।
 - श्री ईश्वर दास राम दास पटेल।
 उजा, जिला महेसाणा।

(ग्रन्तरक)

(2) पटेल हसमुख लाल जयत राम फ्लोर न० 76 मार्केट यार्ड, उंजा, जिला महेमाणा ।

(ग्रन्तरिती)

सरों यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भी र पूर्विक्स व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो।
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकी।

स्पर्धांकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसुची

श्राफिस/गोडाउन प्लाट नं० 76 जो उंजा मार्केंट यार्ड में स्थित है । सब रिजस्ट्रार, उंजा में 4234 नं० पर ता० 21-12-83 की रिजस्टर्ड किया गया है ।

जी० के० पंख्या सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2 श्रहमदाबाद

तारीख 7-8-1984 मोहर: पक्ष आहें टी.र्ग.प्स. ---- ---

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अजंग रेज-2, श्रहमदाबाद

म्रह्मदाबाद, दिनांक 7 म्रगस्त 1984

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 2898/2—श्रत मुझे जी० के० प्रद्या

भीर जिसकी सक 503-1-2-7-8 पलाट नं० 88 है तथा जो सयाजी गंज, यदीदा में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विजद है), रिजस्ट्री कर्म अधिकारों के कार्यालय, बड़ीदा में र्जन्ट्री करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधी, तारीब 27-12-83

को पर्वोक्त सपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिपाल के लिए अन्तिरत की गर्व है उरे मफ्ते रह विश्वाम करन का कारण है कि यथपर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बालार मन्य, उनके तश्यमान प्रतिपाल में, एमि उश्यमान प्रतिपाल का पंद्र प्रतिपाल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिसी (अनिरित्तिकों) के बीच एमें अतरण के लिए तय पाया गया प्रति-पाल निम्निलित उद्देश्य से उज्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप में कथिन नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हाइ किसी आय की बाबत, उसत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व के कसी करने सा तससे बचने में सृविधा के लिए; और/सः
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अस्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उवन अधिनियम, वा धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती बवाग प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अभिनियम की धारा 260-म के अममरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निमालिखित अस्तिस्यों, अर्थात् --- 26 (ता84

(1) श्री कुन्दन लाल श्रीमिति कमु बहन सनमुख लाल, संपत राव कालोनी, वडौदा

(अन्तरक)

(2) श्रीमती निर्मला बहुन चन्दू सदारंगानी श्रलकापुरी बंगला नं । के सामने श्रलकापुरी सोसाइटी. वडीबा ।

(अन्तरिती)

को यह मुखना जारी करके पूर्वाक्स सम्परिस के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुन।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित्स में हित-बव्ध किसी अन्य काक्ति व्वारा अधीह-ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयंक्त इस्तों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इ. बही अर्थ होंगा जो अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

फ्लैट जो निमल भ्रपार्टमेप्ट्स बडाम्ना मे एस० न० 503 पर स्थित है । सब रजिस्ट्रार, बड़ौदा में 8965 नं० पर ता० 27-12-83 को रजिस्टर्ड िया गय है ।

> जी० कें पडया सक्षम प्राधिकारी भहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

नारीख 7-8-1984 मोहर :

प्रस्य बाइं.टी.एन.एत. -----

आयवार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रजंन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांकः ७ ग्रस्गस्त 1984

निदेश सं० पी० म्रार० तं० 2899/2—ग्रतः मुझे, जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25 000/ रहे से अधिक है

श्रांर जिसकी सं० 503, फ्लाट नं० 88 है तथा जो सयाजीगंज, वड़ीदा में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख दिसम्बर, 1983

को पर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इच्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इच्यमान प्रतिफल से एसे इच्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिवन उच्चेष्ठ्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उदसे वचने में सुविधा के निष्ट; सरि/वा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट मही किया नया वा वा किया जाना चाहिए था क्रिपाने में स्विभा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मिलिकित व्यक्तियाँ अर्थात् :--- (1) श्री कुन्दन लाल श्रीमती कमुबेन सन्धमुख लाल, सम्भत राय कालीनी, बडौदा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती रोहिनाजी मलकानी मार्फत : निर्मेला चन्द्र सदारंगानी, ग्रलकापुरी के सामने, बड़ौदा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कायव। हिया करता हूं।

सकत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, बो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्यक्तिया में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उका। अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लाट जो निर्मल स्नपार्टमेंट बड़ौदा में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, बड़ौदा में स्थित 4173 नं० पर दिसम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० के० पंडया
सक्तम प्राधिक री
महायक ग्रायक ग्रायक (निरीक्षण)
ग्रजैन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

तारीख : 7-8-1984

भोहर

प्रकृष बाद्दे ही, एन एस . -----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के स्थीन स्थान

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाब स, दिनांक 7 ग्रगस्त 1984

निदेश सं० जी० भ्रार० नं० 2900/2——श्रतः मुझे, जी० के० पंडया

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकीं सं० ईलेग ग्रपार्टमेंट है तथा जो सुभावपुरा, वड़ौदा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यानय, बड़ौदा में रजिस्ट्रोकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारी ब 19-12-1983

को पर्योक्त सपित्त को उचित बाजार मृत्य से कम को स्थ्यमान प्रतिकाल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य उसके स्थ्यमान प्रतिकाल से, एस दश्यमान प्रतिकाल का वन्त्रह प्रतिकाल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिचित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिपियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सिवधा के स्तर्ण, आधु/या
- (क) ऐसी किसी बाथ या किसी धन या अन्य कास्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था यो किया जाना चाहिए था छिपाने से सविधा के लिए:

भतः भव, उक्त किपिनियम की धारा 269-म के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—— (1) श्री योगेश प्रवीग भाई पटेल, एफ-2-सनदीप ग्रपार्टमेंट, ग्रार० सी० दत्त रोड ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सुभद्रा बेन रविन्द्र भाई श्रमीन चित्रकूट बंगला, श्रार० सी० वस रोड. बडौदा ।

(श्रन्तरिती)

को यह स्थाना चारी करके पृत्राक्ति संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षंप .--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्षत स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

म्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुत अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

अमसची

फ्लैंट (ईलेस एपार्टमेट) बड़ौदा में स्थित है। सब रजिस्ट्रा, बड़ोदा में 8779 नंब पर ताः 10-12-83 को रजिस्टर्ड िया गया है।

> जी० के० पड़या स्त्रम प्राधि अरी महायक्त आयक्त अयुक्त (िरीजण) अर्जन रेंज-2. अहम्याबाद

दिनाकः . 7-8-84 मोहर : प्ररूप आहे.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुपना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदादाद

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 2901/2—श्रतः मुझे, जी० के० पंडया

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पटिल, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० प्लाट गं० 121 है तथा जो जी० स्राई० डी० सी० मकरपुरा, बढ़ौदा में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यलय. स्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1903 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 30-12-83

को प्याप्त सम्पत्ति के उण्यत बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण हो कि यथाप्तांबत मर्पात का उण्यत बाजार मृत्य, उसके रुग्यमान प्रतिफल में. एक रुग्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (कन्तारातया) क बीच एम अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्ताबक इस से कोधन नहीं किया गया है ----

- (क) अन्तरण संधूर्ण किसी आव की बावस, उच्च अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कामी कारने मा सससे अचने में सुविभा के निष्, और था
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कार आधिनियम, 1972 (1922 की 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मृतिधा के सिए;

कतः अब, उक्त आधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण की, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) की अधीन, निम्यतिस्थित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री महेन्द्र छुपार शिकारी. मैं० कोमेटोग्राफी एण्ड इण्डस्ट्रीयल क०. 122, जी० श्राई० डी०मी० इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, मकरपुरा, बड़ौदा ।

(श्रन्सरक)

(2) मै० कोमेटोग्राफ्ट एण्ड इण्डस्ट्रीयल कं० 122, श्राई० डी० सी० इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, मकरपुरा, बसौदा ।

(भ्रन्तिरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदद्यारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि को भी जबिध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्वाक्त स्थावतयों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपन मो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर अकत स्थापर संपत्ति मा हित्यव्य किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहम्लाक्षरी के पास लिसित में किए या सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयावत शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, को अध्याय 20-क मी परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्याही

अनुसूची

फैक्टरी रोड, प्लाट नं० 121, जी० आई० डी० सी० मकरपुरा में स्थित है। 37 ईई० वा फार्म मह कार्यालय में 30-12-83 को पेग किया गया है।

> जी० के० पं**डया** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरी∡ण) ग्रर्जन रेंज~2, ग्रहमदाबाव

नारीख : 7-8-198₄

प्रकथ आई. टी. एन. एस. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 7 अगस्त 1984

निदेश मं० पो० आर० नं० $2902/\mathrm{iI}$ --अतः मुझे $_{j}$ जें० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित काजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

स्रीर जिसका सं ठा० पा० एस० 3, एफ० पी० नं 159 है तथा जो अनंद में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूच, में स्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्र कर्ता अधिकारों के कार्यालय, अनंद में रजिस्ट्र करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 83

को पुत्रीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रितिक के जिल अन्तरित की गई है पौर मुझे यह जिल्लास सरनं का कारण है कि स्थाप्यींक्त सम्पत्ति का उल्लेस साजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रितिश्व से स्थिक है और अल्लरिक (प्रत्नरकों) प्रौर अन्तरिकों (स्रन्तरित्यों) के बीत ऐस शन्तरण के लिए तस पापा गया प्रतिफल, निम्नलिखित अद्देश्य से उक्त मन्तरण विखित में नाम्भीका कल से संस्थित नहीं किया एए है ---

- (क) बारा १८० किए मा के बायत, प्रका प्रक्रित् नाम हे, स्रोति कर देते के सम्मरक के दायित्व में कमी करते या उपण दचने में मुक्किया के लिए। स्रोर/या
 - (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनयम. 19/2 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तिरती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, स्थिपाने में सिवधा के लिए:

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) दर्शन बिल्डर्स स /म्रो कान्त लाल छगनलाल गोहेल रूप्णा रोड. आपंद

(अन्तरक)

(2) दर्शनपार्क को भ्रोपरेटिव सांसायटो लि॰ सः०/भ्रो० आर० एम० जाला , आनंद

(अन्तरिनी)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविध या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकन।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नप्स्ची

जमीत जो आनंध में टें० पी० एस० नं० 3 एफ० पी० नं० 159 पर स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 3031 चौ० मीटर्स है। सब रजिस्ट्रार आनंद में 4903, 4904, 4905, 4906, 4907 नंबर पर दिनांक 9 दिसम्बर 83 की रजिस्टर्ड की गई है।

> जो० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारो महायक आयकर आयुक्त (निर क्षण) अर्जन रेंज-2,अहमदाबाद

विनांक : 7-8-84

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) को अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर भायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 7 अगस्त 1984

निवेश नं० पा० आए० नं० 2903 $/\!\!\!/ \mathrm{II}$ —-अतः मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 260-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारों को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

स्रोर जिसक सं० ट ० प ० एस० नं० 3 है तथा जो हाडी बडोदा में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्र कर्ता अधिकार के कार्यालय, बडोदा में रजिस्ट्र करण अधिनियम 1908 (1908 का

16) के अधीन विनांक 29 दिसम्बर 83
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल हे लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विष्यास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उहके दृश्यमान प्रतिफल से, एसि दृश्यमान प्रतिफल का पंदह
प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वर्षय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक
रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (फ) अन्तरण मं हुई किसी आय की धावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के उन्तरक के दर्शयत्व मों कमी करने या उससे अचने में सर्विधा के लिए; आर/वा
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियां कते, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्नत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में सुविधा के लिए;

अतः अब सम्भ अधिनियम की धारा 269-म के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्षित व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) श्रीमती अमीता बीबी गुलाम हाजी नूरसीहम्द भीगलवाडा, बडौदा ।

(अन्तरक)

(2) श्रा कोत्यार्कनगर को० आपरेटिय हाऊमिंग मोसायटा स ०/प्रो० फाना लाज मोलोलाल 89 कोटायार्कनगर सख्यिका वाडो बढादा, -- श्रंबालाल सोमाभाई पंचाल, वाडो, बढीटा।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति **के अर्जन के** लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सरीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए भा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयक्त शब्दों और पर्वो का., ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

जभी,न जो वार्ड बडीबा में टि^५० पि^५० **एस० नं० 3,** एफ पो० नं० 4 पर स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 9055, 9057, 9059, 9054, 9058, 9076 पर ता०दिसम्ब**र** 83 को रिजिस्ट की गई है।

जों० के० पं**डया,** संतम पात्रिकारो गहायक आयकर आयुक्त **(निर क्षण)** अर्जन रेंज, **अक्षमदाबाद**

दिनांक:- 7-8-8-1

प्रस्प बाइ . टी. एन्. एस .---- --

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यानय, महायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 अगस्त 1984

निदेश नं० पी० आर० नं० 2904/II अत: मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िस्से इसमें इसके पदमात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, अर्थ धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिराका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिपको सं० 863/2 है। तथा जा आणंद में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूत्ता में भीर पूर्ण घप से विणित हैं), रिजिस्ट्राक्ती अधिकार, के कार्यालय, आणंद में रिजिस्ट्र — करण अधिनियम 1908 (1908 दा 16) के अधीन विसम्बर 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्क यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपिता का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य ने उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथिस नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण में हुई किसी बाब की बाबत, उक्त ब्रिधिनियम के बधीन केर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृत्रिधा के लिए; ब्रीर/गा
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिता द्वारा एकट नहीं विषया गया या या किया जाना चाहिए था, लिपारे में सिए।

अत: अस, उक्त अधिनियम का पान २६९-ग के, अनसरण माँ, माँ, उक्त अधिनियम की धारा २६० प की उपधारा (1) चे बधीन, निस्मानिखित स्वयित्यों, अर्थालः - (1) श्रामतः चंत्रपतरत छोटामाई नाना अडर्थ, गोसाई फलाया, ञाणंद

(अन्हःरकः)

(2) डाहयाभाई फ्लाभाई पटेल अडास, ना०आणंद ।

(अन्तरिसं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्बन्ध के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद म समान्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत जीवा में किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सम्मन के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए न

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम क अध्याय 20-क म गरिभागत है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्री

जर्म न जो आणंद में 863/2 नंबर पर स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 2833 चीं० मो० है। सब रजिस्ट्रार आणंद में 5016 नम्बर पर दिनांक 19 दिसम्बर 83 की रजिस्टर्ड की गई है।

> जी० कें ० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जने रेंज-2, अह+दाबाद

विनाक ७-४-६। मोह्यः ब्रक्ष. बार्ड. डी. एत्. एत. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- ष (1) के अधीन सुषना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अहमधाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 अगस्त 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 290,5/II---अतः मुझे, जी० के० पंडया,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 260-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी की यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पीरत, जिस्का उचित बाजार मूल्य 25 000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० 563, 564 है तथा जो बडीदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुपूष्ता में और पूर्ण रूप से विणित है), रिस्ट्र-एर्ता अधिकारा वे कार्यालय, बडीदा में रिस्ट्रे-करण अधिरियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिलाय 1 दिसम्बर 83

की पर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके द्वयमान प्रतिफल सं, एसे स्वयमान प्रतिफल का भंद्रह् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्कृतिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की शासत, अक्त अधिनियम के कधीन कर दोने के अन्तरक क दायित्व में कभी करने या उसमें बचन में सृविधा के लिए; और/धा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उवत अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिकिरी व्याग प्रकर नहीं िया गया था या किया जाना पाहिए था किपान में नृतिया के सिए;

अतः अत उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनवरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिलित व्यक्तियों, अधीर :---- (1) मैं० सिप्सान 134/136 झवेरो बाजार वस्बई-400002

(সংগ্রেছ)

(2) श्री चेयरमैन बाम्बे शोगींग सेटर आर०सा०सर्कल बडीका

(अन्तं स्त्रं)

को बह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मुजना के राजपत्र भा प्रकाशन को तारीस म 45 दिन बी अर्थीय या तत्मामधी पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अर्थीय बाद मा समाप्त हाती हो, के भीतर प्रवेशित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा
- (स) इस सचना क राजपत्र मा प्रकाशत की ताराज से 45 विन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त व्यक्षिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित ही वसी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा हैं।

मन्स्ची

सल्टी स्टोरीयल बिल्डिंग, आग्न सील दम पर्जण, बडीदा में स्थित है। सब रिजिझार बड़ीया में 5836 सम्बर पर दिसांक 1 दिसम्बर 83 की रिजिस्टर्ड किया गया है।

> जा० है ० १ डया सक्षम प्राधि आरो महायक आयकार अायुका (निराक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

विनांक : 7-8-84

प्रक्य बाह्, टी. एन. एस. -----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक **बायकर बाय्क्त** (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 अगस्त 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 2906/II—अतः मुझै, जी० के० पडया

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/~ रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 504 है तथा जो नडोयाद में स्थित है (भौर इससे उपाबड अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नडोयाद में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधोन दिनांक दिसम्बर 83

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिस्ता के दिए अर्ल रन की गई ही और मुक्त यह निष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफाल से, एसे रूपमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सास्त्रिक कप में किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुए सिन्दी बाव की वावस, क्षणक विभिनियम के अभीन कार दोने के अन्तरक के वानिस्य में कभी करने या उत्तर्ध वचने में सृष्टिभा के सिक्ट, कीए/वा
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरती व्यास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में मुविधा के लिए.

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण मो, मी प्रथम अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अधीत :—— 27—226 GI/84 (1) 1. श्रो परसोतमभाई वायमोभाई पटेल 2. श्रो बाबुभाई बाघमाभाई पटेल लाखा पाड, नडीयाद ।

(अन्तरक)

(2) 1. क्षतुभाई घंबालाल देसाई
2. श्रामता निर्मलासदन कनुधाई देसाई
"गंगामैया"
कालेज रोड, नदीययाद

(अन्तरितो)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सभ्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

अनुसुखी

जमीन जो नडीयाद में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 2 एस 2 गूंठा है ग्रीर सं० नं० 503, 504 है । सब रजिस्ट्रार, नडीयाद में 3949 नम्बर पर दिनांक 12 दिसम्बर 83 को रजिस्टर्ड की गहै है ।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंजः II, अहमदाबाद

दिनांक . 7-8-84

प्रक्ष बाई टी. एन. एस.----

आयकर बांधनियम, 1961 (1961 का 43) की धार्य 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 7 अगस्त 1984

निदेश नं० पी० आर० नं० $2907/\Pi$ —अत मुझे, जी०के०पंडया,

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इरामें इसके वश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उदित दाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

स्प्रीर जिसका सं० 623, है। तथा जो बड़ौदा में स्थित है (भ्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के बार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 26 दिसम्बर 83

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल क लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात स अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय् पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, जक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के अधिक्य में कभी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए, और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकृष्ट नहीं किया गया था या विषया जाना चाहिए था, छिपाने में मुलिधा के निए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्षित व्यक्तियों, अर्थात् (1) श्रीमती दोप्तीसरन जयसुखलाल भायापी बी० 4 स्टलींग अपार्टमेन्ट यत्तरोड़, बडौदा ।

(अन्तरक)

(2) श्री दिपेन जयसुखलाल भायामी स्टलींग अपार्टमेट, बडौवा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्मिति के अर्थन के सबंध में कांद्र भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए ज सकेंग।

स्पष्टिकरण :---इसमाँ प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उथत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

ग्रनुसूची

पनैट जो स्टर्लींग अपार्टमेंट, बडौदा में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, बडौदा में 8922 नम्बर पर दिनास 26 दिसम्बर 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पा० के० पंडया, सक्षम प्राधिकार। सङ्ख्यक आयक्षर आयुक्त (निर्रक्षण) अर्जनरेज-2,अ**इ**मदाबाद

दिनाक . 7→8→84 मोहर : प्रभव हाद टी. एन. एस.-----

नायकर सीपनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के सपीन स्वना

भागता स्वास्त्रत

कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जः रेग-I अहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 17 अगस्त 1984

निदेश सं० पाँ० आर० नं० 3057—अत: मुझे, जी० के० पडया,

शायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट पालोडीम सीम सर्वे न० 193, 194 है तथा जो स्मृती अपार्टमेंन्ट, श्रोल्ड सिववालय के सामने आम्बवाडी अहमदाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूचि में श्रौर पूर्ण रूप से विणात है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 25 अप्रैल 83. (दिसम्बर 83 में मिला)

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तक पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त- विक रूप से अधित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, दिन्माने में सुविधा के लिए;

भतः जब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियमं की धारा 269-व की उपभारा (1) के स्थीन, निम्मलिखित स्थानियमों, नर्थात् ६(1) से जल कंस्ट्रकशन कंपनी भागोदार सतोश बाबूलाल गीता बाग के नजदोक सेठ जो० जी० रोड़, पालडो, अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) नरेन्द्र पुरंजन घोलकीया स्मृती अपार्टमेंट, ग्रोल्ड मचिवालय के समने आम्बावाडी, अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह भूवना धारी करके प्वोंक्त स्मिति के अर्थन के विष् कार्यवाहियां करता हुं।

र कर सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई वाक्षेत्-

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि; जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ।
- (स) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विचा गया है।

अनुसूची

प्लैट जो पालड़ी सीम सर्वे नं० 193 ग्रौर 194 एफ० पी० 328 स्मृतो अपार्टमेंट में स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 5734 है।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) जर्जन रेंज⊶I अहमदाबाद

विनांक : 17-7-84

प्रकृप बाह". टी., एन., एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 17 अगस्त 1984

निवेश सं० पा० आर० नं० 3058—अतः मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित धाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ष्ट्रीर जिसको सं० जमोन वेजलपुर में सर्वे न० 1157 प्लाट नं० 27 है तथा जो सत्याग्रह छावनी सेक्टर 3 में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूचि में ग्रीर पूण रूप से विणित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधान दिनांक 29 नवम्बर 83 (दिसम्बर 1983 को मिला)

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के शश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिश्वत उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिश्चित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए: और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में सुविधा के सिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निस्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :--- (1) अमृतलाल चुनीलाल पारेख पोस्ट आफिस के नजदीक, छायाबाह, वलसाह, जिला सुरत ।

(अन्तरक)

(2) बाबुभाई द्वारकादास माह ए-2, न्यू अमीतकुन्ज फ्लैट पंचवटी लेन-2 अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उस्त संपत्ति के कर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- , (च) इत सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध्
 किश्वी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास
 निचित्त में किए का सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया हैं।

अनुसूची

जमीन जो सत्याग्रह छावनी, बेजलपुर सर्वे न० 1157 सेक्टर नं० 3, प्लाट नं० 27 पर स्थित है तथा रजिस्ट्रेड नं० 16486 है ।

जी० के० पडया, सक्षम प्राधिकारी स**हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज—I अहमदाबाद

दिनांक : 17-8-84

मोहर 🛭

प्ररूप बार्ड . टी . एन . एस .,-----

आशकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-I अहमदाबाद,

अहमदाबाद, दिनांक 17 जुलाई 1984

निवेश नं० पी० आर० न० 3059-23-1/84-85-अत. मुझो, जी० के० पंडया.

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रीर जिसका सं० फ्लैट वाङ्गजम सर्वे न० 326 है तथा जो विजयनगर, फ्लैट नं०, 93-554, में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबज अनुसूची में श्रीर पूर्ण रुप मे वर्णित है), र्जिस्ट्राक्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में र्जिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान दिनांक 3 दिसम्बर 83

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के श्रूयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त उन्तरण निखित मे प्रास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) सन्तरण ते हुइ किसी भागकी नासत, सनत सिंपित्यम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तसे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन मा अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना भाहिए था, खिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, नियनलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—

 (1) श्रो वालक्करण बापलभाई जादव 93-554, विजयनगर फ्लेट, नारन पुरा, अहमवाबाद-13

(अन्तरक)

(2) श्री मानेकलाल मोहनलाल पटेल 118, नारनपुरा ग्राम, अहमदाबाद −13 नया सरनामा फ्लैट नं० 93-554, विजयनगर फ्लैंट, नारनपुरा, अहमदाबाध-13

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कांग्रें भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवाहा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितजब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाप लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

अनुसूर्जी

फ्लैट जो विजयनगर नारनपुरा में स्थित है फ्लैट नं॰ 93-554 है नथा रिजस्ट्रीकर्ता रिजस्ट्रेशन नं॰ 16694/3-12-83 है।

र्जा० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~I, अहमदाबाद

दिनांक : 17-7-84

प्रक्ष बाद् . दी . एत् . एत् . ------

भाशकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 17 जुलाई 84

निदेश स० पा० आग० 3060-/23-1/84-85-अत मुझे जो० के० पडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है:

ग्रीर जिसका सं० फ्लैंट जो टा पा एम 20 एफ पा० 290 1 है तथा जो न्य गिरधरपार्क, आवाबाडा अहमदाबाद में स्थित हैं (ग्रीर इसेसे उपाबद्ध अनुमूची में ग्रीर पूर्ण न्य से विणित है), रिजस्ट्रान्यनी अधिकार के ग्रीयिवा, अहमदा बाद में रिस्बट्रान्सरण अधिनियम 1908 (1908का 16) के अर्धान दिनाक 5 दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्स संपित्त के उचित वाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एम दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्बित में अस्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) जुन्तरण से हुई किसी आम की वासत, उक्त जिपिन्तम के अभीन कर दोगें के जन्तरक के दारित्य में कभी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; आह्र/बा
- (ख) एसी किसी बाय वा किसी धन या बन्य जारित्यां का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वार प्रकट नहीं किया गया था मा किया जाना वाहिए था, जियाने में सुविधा वे सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनस्यण भा, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

(1) सरोजबेन नवीनभाई कामदार 1, गवर्नमेन्ट श्रोफिसर्स सोसायटा, सरदार पटेल इन्स्टीटयूट के सामने ड्राइप इन रोष्ट्र अहमदाबाद ।

(अस्तरक)

(2) श्रीमता एसेमती रमेशचन्द्र पटेल न्यू गिरक्षरपार्क सोसायटी, ब्लाक न० एक/4, अम्बा बाडी, अस्मवाबाद

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

इक्त स्पांत क अर्जन के सब्ध में काई भी जाओंप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अनिभ या हत्मंगधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दित है भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास दिख्य में किए जा सकरें।

स्पब्सेकरण - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची '

फ्लैट जो टी० पी० एस०20 एफ० पी० 390/1 न्यू गिरधरपार्क आंबावाडी में स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता रजि-स्ट्रेशन नं० 15588/ दिनांक 5 दिसम्बर 83 है।

> जी० कें० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अ**ह्**मदाबाद

दिनांक : 17-7-84

प्रक्रम सम्बन्तः हो। एतः स -

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) क अधीर स्चरा

सारम भएकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाव, दिनांक 17 ज्लाई 84

निदेश सं०पी० आप० नं० 3061-/23-1/85--अतः मुझे, जी० के० पंडया,

नायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमवा उत्ति वाज्य गुल्य 25,000 - रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० फ्लैट जो कोवरण में, टी० पा० एस०. 20 एक० पी० 390/1, है तथा जो स्यू गेन्धरपार्क सोसायटी आंश्रावाडी अहमदाबाद, में स्थित है (भ्रौत इसमे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 दा 16) के अधन दिनाक 1 अक्टूबर 83 (दिसम्बर 83 में मिला)

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृबेक्ति संपत्ति का उचित अजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का गंग्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निकिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण सिशित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में किसी करने या उसने बचने में सविधा के लिए; ग्रीर/या
- (क) ऐसी किसी आय मा किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हां भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) व प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, स्त्रिपाने या मिट्टा के जिए:

बार अ वा बार विकास की भारा 269-ग को बान्स को मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बाधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रामतो पदमान्दरकुमारा हुवीरसीग मृदुल पार्क मोमागटी जोगयाची अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) श्रामतो हप्मतो रगातात **शाह** पत्रैट त० वः/1, न्यू गोरधरपार्क गोमायटा, आवाबाडा, अहमदाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्ता राम्पन्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कार्ड भी बार्सप :-

- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स 30 दिन की अवधि, जो भी अविच नात में समाप्त होती हो के भीतर पर्वोकत व्यक्तियों में मं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निष्यत में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

फ्लैंट जो न्यू भारधरपाकं आवाबाद्य टें \circ प ० एस० 20 एक पा० 390/1 पर स्थित है तथा सब रिजस्ट्रकर्ता रिजस्ट्रेगन नं० 13816 है ।

जे(० के० पडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1 अहमदाबाद

दिनाः '← 17-ँ--84 मोहर प्ररूप बाह्", टी. एन एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमवाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 जुलाई 1984

निदेश नं० पी० आर० नं० 3062/23-1/84-85---अतः मुझे, जी० के० पंड्या.

अग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रु. से अधिक हैं:

ष्टीर जिसकी सं० फ्लैट जो पालडें, सर्वे नं० 56—1 है सथा जो एफ पी० नं० 192, टी० पी० एस० 22 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्राकरण अधिनयम 1908 (1908 छा 16) के अधीन दिनांक 8 दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम रूथमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित्त बाजार बृल्य, उसके रूथमान प्रतिफल से, एसे रूथमान प्रतिफल के बन्द्रह प्रतिकृत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखिन वे तास्तिवक रूप से कथित से नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए।

अत. अत, उक्त अधिनियम को धारा २६९-म के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रोमता नयनाबेन चंद्रकान्त जवेरी बस स्टाप कोर्नर, नारायणनगर, पालडी, अहमदाबाद -7

(अन्तरक)

(2) श्रामती अश्वादावेन किरनकुमार शाह मुगम अपार्टमेंट, बासना, अहमदाबाद

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखन में किए का सकींगे।

स्पत्स किरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं बही अर्थ होगा भी उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्वी

फ्लैट जिसका सर्वे नं० 56--1 श्रीर एफ पाँ० 192 है जो पालडों में स्थित है तथा रजिस्ट्रोकर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 4124/ दिनांक 8 दिसम्बर 1983 है।

> जो० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक : 17-7-84

परूप नाइ. टी. ६न. एस. -----

कायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीन सुचना

मारत सरकार

कार्याजिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-1 श्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 17 जुलाई 84

निदेश नं० पी० श्रार० नं० 3063—श्रत मुझे, जी० के० पंडया,

शायकर अधिनियम, 1961 (19 $_{\odot}$ 1 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका जिसत गाजार मुल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० जमीन जो टी० पी० एस० 21 वासना में हैं। तथा जो एफ पी० 635 एस, पी० नं० 2 में स्थित हैं (ग्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूचि में श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदा-बाद मे रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 15 दिसम्बर 83

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रांतफ ल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सांपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का रन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और मृत्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप में कथित नहीं किया गया है .---

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बागत उक्स अधिनियम के अधीन कार दोने के बन्तरक के क्षितरण मा कभी कारने या उसमे बचन में मृतिधा के लिए; और/या
- (म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उप्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मा भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (।) के पंधीन, ।नम्निलियत व्यक्तियों, अर्थात .—— 28—226 GII84 (1) श्री रायजीमाई एंकरभाई पटेल, शीवकुंज फोर्मशीयल कोलेज के पीछे, बैक श्रोफ इन्डीया स्टाफ सोसायटी, नवरंग पुर , श्रहमवाबाद-9

(ग्रन्तरक)

(2) पटेल श्राणाभाई वाबचभाई कर्ता चन्द्रकान्त ग्राणभाई पटेल टैगोर रोड़, ग्रानंद जिला खेडा श्रहमदाबाद

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथीक्त सपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को टारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारे।

स्पक्किरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अम्सूची

जमीन जो वासना सीम मे स्थित है जिसका टी० पी० एस 21, एफ पी० 635 एस० पी० नं० 2 है तथा जिसका रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 17324दिनांक 15 दिसम्बर 1983 को है ।

जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-I श्रहमदाबाद

दिनांक :- 1*7-7*-84

मोहर :-

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

कायक"र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के जभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 17 ज्लाई 1984

निदेश नं० पी० श्रार० नं० 3064—-श्रतः मुझे, जी० के० पंडया

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट जो समीर श्रपार्टमेंट में है तथा जो फ्लैट नं० 8, श्राजाद सोसायटी ग्रांबावाडी, श्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूचि में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16 के ग्रधीन दिनाक 13 दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह ियश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्त याजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निचित उद्देश्य से उच्च अन्तरण निम्निचत में चाम्तिक क्या थे के भित नहीं किया थया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय क। बाबत, उक्त निवस के अधीन कर दोने के अन्तरक के बागित्य में कमी करने वा उत्तरी वचने में मिक्स के जिला बीर/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन था अन्य आरित्यो का, चिन्ह भारतीय जायकर जीधनियम, 1922 (1922 का 11) या तकत जीधनियम, दा धन कर जीधनियम, दा धन कर जीधनियम, 1957 (1957 का 27) क स्वीचनार्थ जन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए जा, छिपान में सविधा खें सिए;

जत:, अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ के अन्यरण मों, मों. उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधाना (1) के अधीन, निम्नित्यित व्यक्तियों, अधात — (1) श्रीमती हेमलताबेन रमनलाल पटेल ए-2, समीर श्रपार्टमेंट, ग्राजाद सोनायटी, श्रांबापाडी, श्रहमदाबाद-15

(अन्तरक)

(2) कुमारी यामीनी भुपेन्द्र गांधी पलैट नं० 8, समीर अपार्टमेन्ट, आजाद सोमाईटी, श्रांवापाडी ग्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृषांकित सपस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

तक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षण ----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारी स से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर प्रांकल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अव्ध किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए का सकेरी।

स्वष्टीकरण — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

नन्त्रनी

फ्लैट जो म्रांबावाडी म्राजाद सोमायटी में स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 17168 दिनांक 23 दिसम्बर 1983 है।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I श्रहमदाबाद

विनोक : 17-7-84

मोहर :-

प्ररूप आई. टी. एत. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहारक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंड-I भ्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 19 जुलाई 84

निदेश नं० पी० ग्रार० नं० 3065—ग्रतः मुझे, जी० के० पंडया

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० खेती की जमीन सर्वे नं० 30 है तथा जो गांव दोलतपंरा, जीला जुनागढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचि में श्रीर पूर्ण रुप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जुनागढ़ में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधिन दिनांक 13 दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करणे का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तिगित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नालिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—— (1) श्री भीखाभाई काबाभाई योशीया श्रीमती रंभावेन कावाभाई पोशीया सगीर जशमत काबाभाई समीर गोयाल काबाभाई मुखत्यार-श्रीमती रमावेन काबाभाई गांव दोलतपरा जिला जुनागढ़

(भ्रन्तरक)

(2) खेतीबाडी उत्पन बजार समीती चैयरमैन श्री भीखाभाई चनामाई बनजारी चोक जुनागढ़।

(भ्रन्तरिती)

काँ वह स्वना जारी करके पृशाँकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अयिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकरी।

स्पव्हीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नन्स्यो

खेती की जमीन जिसका सर्थे नं० 30 गांव दोलतपरा जिला जुनागढ में स्थित है तथा रिजस्ट्रीकर्ता रिजस्ट्रेशन नं० 2609 भीर 2610 दिनांक 13 दिसम्बर 1983 है।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 ग्रहमदाबाद ।

विनांक :-- 19--7-84 मोहर :--

प्ररूप नाई, टी. एन. एस.------

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

म्रहमदावाद, दिनांक 20 जुलाई 84

निदेश नं० पी० श्रार० नं० 3066—श्रत. मुझे जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० मकान मील्कत पेलेस रोड फोर्ट के नजवीक है तथा जो गोडल जीला राजकोट में स्थित है (भीर इससे उपाब अनुसूचि में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है). रजिस्ट्रीकर्ता भिधकारी के कार्यालय, गोडल में रजिस्ट्रीकरण भिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 17 दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गईं है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का गंब्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में गम्लिक रूप में कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे यचने में स्विधा के लिए; बीर/या
- (भ) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1927 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए,

अत क्रम, उक्त अधिनियम की धारा 260-ग के अन्यरण में, भैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिशित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती सरलाबेन नौतमलाल गुक्ल श्रीमती हीनाबेन नौतमलाल श्री रोहीत कुमार नौतमलाल श्री नीलोक कुमार नौतमलाल पेलेस रोड़, गोडल

(भ्रन्तरक)

(2) श्री देवेन्द्र भाई रायजीभाई फरकर पेलेस रोड कोर्ट के नजदीक. गोडल, जिला राजकोट

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना कि तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- सद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पध्दोकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वन्स्ची

मकान मीस्कित जो पेलेस रोड, कोर्ट के नजदीक गोडल जिला राजकोट में स्थित है ।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I ग्रहमदाबाद ।

दिनाक **№** 20-7-84 मोहर - प्ररूप आई. टी. एन. एरा. -----

नायकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के विभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय. सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 जुलाई 1984

निदेश सं० पी० भ्रार० नं० 3067—श्रत मुझे, जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25.000 '- राम अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जमीन सर्वे नं० 1750 पैकी 1586-43 वर्ग याई है। तथा जो बडवान जिला सुरेन्द्रनगर में स्थित हैं(श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वडवान में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक 23 दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एमें इश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य में उक्त अन्तरण विशेषक मा वास्तिक मा से यिथा नहीं किया गया है ---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या अन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियार्न में मुक्रिण के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकिस व्यक्तियों, अर्थात् ---- (1) श्री इन्द्रवदन लाल शंकर तीवेदी श्रीमती प्रेमीलाबेन लाल शंकर तीवेदी शुकलका दहेला, बाधेस्वरी, बडवान, जिला सुरेन्द्रनगर ।

(भ्रन्तरक)

- (2) 1. श्री दीनेश भाई जयंतीलाल शाह
 - 2. वालाबेन जयंतीलाल शाह
 - 3. ज्यांतिबेन महेन्द्र शक्ल
 - 4 जी० एन० सोनी
 - इन्दुमतीबेन रमेशचन्द्र' शाह
 - 6. नीतीनकुमार भ्रंबालाल शाह
 - 7. माधबलाल प्रभुदास
 - 8. हसमुखलाल दलसुखधाई
 - 9. रमेशचन्द्र शाह
 - 10. श्ररवींदर कुमार चीमनलाल शाह पुरोहित एण्ड कंपनी महेता मारकेट सुरेन्द्रनगर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सबंध में कांडे भी लाक्षंप :---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा.
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्याष्टित द्वारा अधांहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उनके अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मम्सची

जमीन जिसका सर्वे नं० 1750 पैकी 1586-43 वर्ग यार्ड है जो वडवान जिला सुरेन्द्रनगर में स्थित है ।

जी० के० पडया,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 20-7-84

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-1, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 20 जुलाई 1984

निहम सं० पी० भ्रार नं० 3068—ग्रत: मुझे, जी० के० पंडया

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें सके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिंकी सं० जमीन सर्वे नं० 1750 पैकी 1784-75 वर्ग पर्वे है तथा जो बडवान जिला भुरेन्द्रनगर में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, बडवान में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 8 दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उय्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय काँ भावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक औ दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (श) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उत्थत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १—

- (1) 1. केशवलाल प्रभाशंकर स्रीवेदी
 - 2. प्रवीनकुमार केशवलाल त्रीवेदी
 - 3. प्रारवींद कूमार केशवलाल जीवेदी
 - 4. मनहर लाल उर्फ मन्त्रसाद के० त्रीवेदी
 - 5. जनकराय केशवलाल क्रीवेदी बंगला नं० 8-त्री गक्ति कोलोनी, मुलाभाई पार्क,

गीता मंदिर रोड़ श्रहमदाबाद

(ग्रन्तरक)

- (2) श्री दीनेश जयंतीलाल शाह
 - 2. बालाबेन जयंतीलाल शाह
 - 3. ज्योती बेन महेन्द्र कुामार रावल
 - 4. जी० एन० सोनी
 - 5. इन्दुमतीबेन रमेशचन्द्र शाह
 - 6. नीतीन कुमार श्रंबालाल शाह
 - 7. माधवलाल प्रभुदास
 - 8. हसमुखलाल दलसुखभाई
 - 9. रमेश चन्द्र दीपचंद शाह
 - 10. अरबीद कुमार चीमनलाल शाह पुरोहीत एण्ड कंपनी महेत्ता मार्केट

महत्ता माकट सुरेन्द्रर नगर

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वमा आरी करके पूर्वोक्स संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्संवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीश से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वो कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्यव्हीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गयां है।

मन्सूची

जमीन जिसका सर्वे नं० 1750 पैकी 1784—75 वर्ग यार्ड है जो बडधान जिला सुरेन्द्रनगर में स्थित है। जी० के० पंडया,

सक्षम प्राधिकारी

सदायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

दिनांक : 20-7-84

प्ररूप आइ⁴.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) $\frac{1}{2}$ श्रहमदाबाव

श्रहमदाबाद, दिनांक 20 ज्लाई 1984

निदेश सं० पी० श्रार० नं० ३०६९—-श्रतः मुझे, जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भाग 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जमीन सर्वे नं० 1750 पैकी 892-37 वर्ग यार्ड है तथा जो वडवान जिला मुरेन्द्रनगर में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध ग्रनुस्चि मे ग्रौर पूर्ण रेप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय, बडवान में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 8 दिसम्बर 1983

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उच्ति बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने की कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्न्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के शीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी अरने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिस्त व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) श्री किशोर कुमार परसोत्तम त्रीवेदी श्री कीरितकुमार परसोत्तम त्रीवेदी तारा बेन परसोत्तम त्रीवेदी शीव कृष्णा सोसायटी श्रोफिस मंजलपुरा, बडोदरा (वडीडा)

(भ्रन्तरक)

- (2) 1. बालाबेन जयंतीलाल शाह
 - 2. ज्योतिबेन महेन्द्र कुमार रावल
 - 3. जी० एन० मोनी
 - 4. इन्द्रमती बेन रमेशचंद्र शाह
 - 5. नीतीन कुमार श्रंवालाल शाह
 - 6. माधवलाल प्रभुदांस
 - 7. हसम्खनाल दलख्सभाई
 - 8. रमेण चंद्र दीप चंद्र णाह
 - 9. ग्ररवीद कुमार चीमनलाल
 - 10. दीनेशभाई जयतीलाल शाह शाह पुरोहीत एण्ड कंपनी महत्ता मार्केट . सुरेन्द्र नगर

(श्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस सूचना के राज्यभ में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकती।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शन्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका सर्वे नं० 1750 पैकी 892.37 वर्ग यार्ड है जो वडवान जिला सुरेन्द्रनगर में स्थित हैं।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

दिनांक : 20-7-84

प्ररूप भाइं. टी. एन. एस. - - - ----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सहकार

कायाज्ञयः, महायक आयकार आयुक्तः (निरीक्षण) π प्रजीन π अहमदाबाद π सहमादबादः, दिनांक π 20 जुलाई π 1984

निदेश नं० पी० श्रार० नं० 3070——ग्रतः मुझे, जी० के० पंडया

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की भारा ?69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का फ्रांग्ण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा से अधिक ही

श्रौर जिसकी सं० जमीन जिसका सर्वे नं० 1750 पैकी 892-37 वर्ग यार्च है तथा जो वडवान जिला मुरेन्द्रनगर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूचि में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ला श्रधिकारी के कार्यालय, वडवान मे रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 23 दिसम्बर 1983

को प्योंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित्री (अन्तरित्या) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबता, उबता अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या
- (था) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के निग्:

(1) श्री प्रधुमन जयंतीलाल तीवेदी कर्नैयालाल जयंतीलाल त्रीवेदी नटवर लाल जयंतीलाल त्रीवेदी कालू महेता की पोल, बान्धेश्वरी नजदीक, वडवान, जिला सुरेन्द्रनगर

(ग्रन्तरक)

(2) श्री दिनेण भाई जंयतीलाल शाह ग्रीर श्रन्य पी० श्रार० नं० 3069 के श्रन्तरिती मुजब (श्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति को अजन के लिए कार्यवाहिया श्रुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या करसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर नम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

नन्त्यी

जमीन जिसका सर्वे नं० 1750 पैकी 892-37 वर्ग यार्ड हैतथा वडवान, जिला सुरेन्द्रनगर में स्थित है।

> जी० के० पंडया, मुक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I,ग्रहमदाबाद

दिनांक : 20-7-84

भोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंत व्यक्तियों, अर्थात :---

भूकाष् वाष्ट्रं . दी <u>. द्</u>या . द्या हा १००० <u>००० ०००</u>

नाथफर निधिनयम् 1961 (1961 का 43) की थारा 269-म (1) के नुभीन तुमना

भारत तरकार

थावांचय, सञ्चायक गायकार वायुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज. ग्रहमदाबाद

घहमदाबाद, दिनाक 20 जुलाई 1984

निर्देश सं० पी० भ्रार० न० 3071—श्रतः मुझे जी० के० पंडया

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धाउ 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह निक्त्मस करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, विसका उचित बाबार स्न्य 25,000/- रा. से विधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० जमीन 58-4 वर्ग यार्ड सथा जो पुराना बिल्डिंग, भूपेन्द्र रोड़, राजकोट में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचि में ग्रौर पूर्ण रूप से बिजित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनाक दिसम्बर 1983

को पूर्वेक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रवमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रवमान प्रतिफल से, ऐसे श्रवमान प्रतिफल का गन्दह प्रतिशत से अधिय. है और अन्तरक (अतरकों) और अतरिती (अन्तरितिसों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षल निम्नितिस्त उद्देश्य से उपन अन्तरण सिक्ति में वास्त विक स्प से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) भरनाया ते पूर्व शिक्षी लाव की नानाय, उन्तर, अधिनिष्ठ के अधीर कर की की मानायक की वानित्य में कभी करने या उससे वयाने की साथिश। की लिए; और/वा
- (क) एमी निसी आय या किसी भन था जन्य जारिसवाँ कर्र जिल्ही भारतीय जाय-कर अधितिमय, १९२२ (१९२२ का ११) था अक्त अभिनियम, १९२२ का ११) था अक्त अभिनियम, या भन्य अधितियम १९५७ (१९५७ का २७) के पर्योजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना वाहिए मा कियाने में सुविभा के किए;

जन अस, रुक्त जीभनियम की भारा 269-ग क अन्सरण भो, भी उक्त सभिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निस्तितिसित व्यक्तियों, अभीत —— 29—226 GI/84 (1) जै जि बोटाई एच प्रू एफ के कर्ती
ग्रीर अवयस्य के भुखत्यार
श्रीमती चद्रमनी जे चोटाई
एम एम एम महेता
एच प्रू एफ के मनेजर
ग्रीर अवयस्क के मुख्त्यार
श्रीमती जीलावती सी चोटाई

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एल एच० लखानी

ए० एल० लखानी
बी० एल० लखानी

एल० एल० लखानी
वी० एल० लखानी
श्रीमती गुनवंतीबेन एल० लखानी
श्रीमती प्रमीलाबेन ए० लखानी
मगला रोड,

(अन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके प्यॉक्त सम्परित के अर्थन के निष् कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के क्वान के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुर्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोइस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा मकोंगे।

स्पद्धीकरणः - इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्दों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगेर जो उस अध्याय में विया गया है।

मण्सूषी

जमीन जिसका क्षेत्रफल 58 4 वर्क यार्ड श्रीर प्राना बील्डिंग जो भूपेन्द्र रोड राजकोट में स्थित है ।

> 'जी० के० पडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज–I, ग्रहमदाबाद

दिनांक 20-7-84 मोहर ः

प्रकप बाइं. टी. एत. एस.------

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुपना

भाउत् बरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 23 जुलाई 1984 निदेश सं०पी० आर० नं० 3072/23-1/84-85---अत: मुझे, जी० के० पंडया

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनिक्म' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं बिल्डिंग टो पी० पी० एस०-3 एफ० पी०-124, एस० पी० नं 1 है सथा जो सुराषनगर को० ग्रो० सोमायटी अहमदाबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुस्वी में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 27-12-83

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में बास्यविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाय की बायत ख़क्त जिथ-निवस की वधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये, कर्तु/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तिवां की, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं जन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया ज्या धा या जिया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

अतः अंब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिश्तिस व्यक्तियों, अर्थास :-- (1) श्री रसमुखलाल परवोतम वास माह 1, नुरावनगर को० जो० सोसायर्ट। स्पर्स्टाक सुपर मार्र्काट के पाछे आश्रम रोड, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री भालचन्द रतीलाल मोदी
कर्ता भालचन्द्र आर० मोदी
(एच० यु० एफ०) ए०-17
छटा माल, रायल अपार्टमेंट,
खानपुर अहमदाबाद ।
नया सरनाम--श्री भालचन्द्र
रतीलाल मोदी 1,
सुराचनगर को० श्रो० सोसायटी,
स्पस्तीक सुपर मारकीट के पीछे
आश्रम रोड़, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु"।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के मस्वरथ में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की बर्बाभ मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित स्विमी व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बयुभ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निधात में किए जा सकेंगे।

स्पण्डीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशामित हैं, वहीं अर्थ होगा को सस अध्याय में दिया गया है।

अम्स्ची

बिस्डिंग जो टी० पी० एस०-3 एफ० पी० 124, एस० पी० न० 1 सुराचनगर मोसायटी में स्थित है तथा सब रिजस्ट्रोकर्ती विक्रीखन नं० 18212/27-12-1983 है।

जी० के० पंडया सक्षम प्राक्षिकारी सहायक स्नायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

लारीख : 23-7-1984

प्रक्यं भार्षे. ही एंग. ऐव.-----

बायकर बिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 23 जुलाई 1984

निदेश म० पी० आर० नं० 3073/23-I/84-85--- अतः मुझे जो० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक ही

भीर जिसकी सं० फ्लैट जो टा० पाँ० एस० 19 पर है तथा जो एफ० पाँ० 487 सब-प्लाट नं० 26 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है रिजस्ट्रीयर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-12-1983

को प्वींक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वींकन सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एम दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेंश्य से उच्च अन्तरण मिखिन मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क्क) अन्तरण से हुद्दं किसी बाब की बाबत, उक्क अधिनियम के अधीन कर धेने के अन्तरक के दायिक्ष में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के बिष्; बॉर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जोना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

कतः मन, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण मो, मीं अक्त अधिनिशमं की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीन, निम्मसिचित व्यक्तियों, अभीतु :--- (1) इन्द्राबेन के० एगडा डी०-2, सनगाहण गोपिंग सेन्टर, ड्राइब-इन सिनेमा के सामने मेमनगर गेड़ अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री कैलाणचन्द्र शुभकरन सुरेखा श्रीमती किरनबेन कैलाणचन्द्र सुरेखा 11, अक्नेष सोमायटी, सेट सेवीयसं हाई स्कूल रीड़, नारनपुरा, अहमदाबाद ।

(अन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार'म में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

नन्त्यो

फ्लैंट जो टी० पी० एस० 19, एफ० पी० 487 सब-प्लाट नं० 26, फ्लेट नं० 5 पर स्थित है तथा रिजस्ट्रीकर्ता रिजस्ट्रेशन नं० 1857/30-12-1983 है।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सक्षायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अक्षमदाबाद

तारीख : 23-7-1984

प्ररूप बार्च. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-रि, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनाक 23 जुलाई 1984

निदेश म० पी० आर० न० 3074/23-1/84-85-- अतः मुझे, जो० के० पंड्या

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसको स० फ्लैट आम्बडी सेटलाइट रोड़ है तथा जा पारूल फ्लैट अहमदाबाद में स्थित है (ग्रांग इसमे उपाबद्व अनुसूचो में पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रोकार्ती अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रोकारण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अवान नारोख 26→12~1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एस अन्तरण के लिए तय स्था गया प्रतिफल, निम्नितिखत उच्चदेष से उक्त अन्तरण जिल्हित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उचत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसो या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निस्तिविधिय की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निस्तिविधित स्योक्तियों, अधीत् .-- (1) शांताबेन परषोतमभाई पटेल 4, नदामगर सोसायटी, बापूनगर, अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) छगनभाई शेलुभाई कर्थारीया एच०-11, पारुल फ्लैटस, सेंटलाइट रोड़ श्रंबावाड, अहमदाबाद।

(अन्तरिर्ताः)

कां यह स्वामा जारी कारके प्रवेक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सर्वंभ में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी ध्यिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरें।

स्पव्योकरणः -- इसमे अयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया नवा हैं।

नग्स्वी

ैं प्लैट जी अम्बावपाडी सेंटलाइट रोड पारूले प्लैट में स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 18146/26-12-1983 है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, हैंपराबाद

तारी**ख** 23-7-1984

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.------

नायकार जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के जधीन सुमता

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाघ्र, हेनांक 23 जुलाई 1984

निदेश नं पी० आर० नं 3075/23-1/84-85---अतः मुझे, जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, विश्वका उचित बाजार मृत्व 25,000/- रु. में अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० बिलिंडिंग जो शाह्नपुर 2 सर्वे नं० 3296/7/1 है तथा जी पारमकुज सामायटी खानपुर, अहमदाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप में बिजित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अग्रिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28-12-1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूथमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रनि-कल निम्नलिक्ति उच्चक्य से उन्तत अंतरण निक्कित में अस्तिकिक

- (क) नम्बरण से हुन्दूर निम्मी अन्य की बाबत उपस् शीपशिवन के बंधीन कर देने के बन्तरुक के बाबिरण में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या जन्य बास्तिवों की, जिन्ह भारतीय आध-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया नया वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविभा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् —— (1) हिम्मतलाल मोहनलाल शाह 7, पारसकुंज सोसायटी, खानपुर, अहमदाबाद

(अन्तरक)

(अन्सरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हित्ब व्यक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्साक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पच्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है,

अनुसूची

बिल्डिंग जो पारसकुंज सोसायर्टा खानपुर, माह्पुर- Π में स्थित है तथा रजिस्ट्रोकर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 1822/28-12-1983 है ।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अद्वसदाबाध

तारीख: 23-7-1984

प्रकृष नाहै , दी. प्रस् , रहा. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार कार्यालय , सहस्यक जायकार **वायुक्त (विहरीक्**क)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 जुलाई 1984

निदेण सं० पो० आर० नं० 3076/23-I/84-85-- अतः मुझे, जी० के० पडया

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपस्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

भौर जिसका स० फ्लैंट शेखपुर, खानपुर, प्लाट न० 4 है तथा जो नवरंगपुरा, टी० पा० एस० नं० 19, सर्वे न० 177-2 से स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में श्रार पूर्ण रूप स विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर, 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिश्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के भीच एमे अंतरण के सिए नय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्योग्य में उक्त अन्तरण लिखित में अन्तिबिक कप से किथत नहीं किया गया है '——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आब की बाबत, उक्त निधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; औऱ/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में युविधा के सिक्ट:

नतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात .— (1) श्रा राज कुमार ईश्वरदास, 88, न्यू क्लोथ मार्केट, रायपुर दरवाजा बाहर, अहमदाबाव ।

(अन्तरक)

(2) श्री अतुल जरा भाई अमीन गोभावेन अतुल अमीन 26, किरन सोसायटी, रायपुर दरवाजा बहार, अहमदाबाव ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्धन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जनं के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 रित की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्वक्यक्षिक्षः --- इसमें प्रयुक्त सन्धे बीए पर्वो का, वो हक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस् अध्याय में दिया गया है।

नन्त्वी

फ्लैंट जो टी० पी० एस० 19 गेखपुर—खानपुर सीम सर्वे नं० 177-2 पर स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 14429/37-जी० विसम्बर 1983 में लिखा है।

> जी० के० पश्चया सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण), अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

नारीख - 23-7-1984 मोहर:

प्रकप बार्ड. थी. एन. एस.-----

नामकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन स्वना

भारत मरकार

कार्यासय, सहायक नायकर नायक्त (निरीक्त) अर्जन रेज. [, अहंमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 23 जुलाई 1984

निवेश स० पो० आर० न० 3077/23-1/84-85--अनः मुझे, जो० के० पंड्या,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन, सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जित बाजार मृस्य 25,000/- रह. में अधिक हां

श्रीर जिसकी स० पलैट बाइज सीमा में टा० पी० एस०-29 है तथा जो एफ० पी० 305 (पार्ट) अहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से अणित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 19-12-1983

को प्वोंक्त सम्पन्ति के उचिन बाजार मृत्य से क्षम के श्वयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और बृझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाबार मृत्य, उसके श्रयमान प्रतिफन से, ऐसे श्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया ग्वा बतिफस, निम्नसिवित उव्यवस्थ से उक्त अन्तरण सिवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) कन्तरण सं हुई किसी आन की बायत उनक निभिन्यन के नभीन कर दोने के अन्तरक के स्वीयत्व में कमी करने वा सकते वकते में सूविभा के लिए; जीर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्यार ५०७ का प्राचिक की लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (!) के अधीन, निम्निजियिक व्यक्तियो, अधीत :----

(1) लक्ष्मी नेपान्द्रम जोटवानी श्वेस विह्यार मोसायटी, थाजरायोल, अहमदाबाद ।

(अन्सरकः)

2() श्री जगदाणकुमार जमतमले भालुकानी एम०-67/401, जीवन साधना फो० ओ० ए० मोसायटी लिमिटेड प्रगतिनगर, नारतपुरा, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यक् मा प्रकाशन की तारी व वे 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जब्धि बाद मो समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध फिसी अन्य व्यक्ति द्वार अधाहस्ताक्षरी के पास निकित्र मां किए ना मकोंगे।

स्पष्ठीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

फ्लेट जो टी॰ पी॰ एस॰ 29 एफ॰ पी॰ 305 (पार्ट) वाडन सीमा में स्थित है तथा रिजस्ट्रेक्सी रिजस्ट्रेशन नं॰ $17702/19\sim12-1983$ है

जा० के० पडया सक्षम प्र'धिकारी सहायक जायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज—ॉ, अक्ष्मवायाद

तारीख 23-7-1984 मोहर :

प्रकृप कार्य टी गन एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 289-ज (1) के प्रधीन सूचना

भारत बहुकार

कार्यासय, सहायक मायकर नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I, अहमवाबाद अहमवाबाद, दिनांक 23 जुलाई 1984

निदेश नं० आर० पी० नं० 3078/23-I/84-85---

अतः मुझे, जी के० पंडया,

प्रायकर प्रजितियम, 19\$1 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें दमके पश्चात् 'उन्द प्रजितियम' कहा गया है), की घारा 26 अब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्मति, गिनकः उन्तित नाजार मूहण 25,000/- ६० से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० पलैट बाइज में सीमा सर्वे नं० 725, 306 है तथा जो ब्लॉक नं० 75 टी० पी० एस० 29 अहमदाबाद से स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्णक्ष से बर्णित है) रिजस्ट्रोकर्ती अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22~12-1983

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के सिए जन्तिरित की गई है जार मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मुख्य, असके क्रयमान प्रतिफल सो, एसे इत्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देष्य से उन्नत अन्तरण लिखित में बास्सिक रूप से कथित महीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में भृतिभा के लिए; और्/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भा या अन्य अस्तियों को त्रिन्हों भारतीय आयश्य अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, खियाने में सविधा के लिए;

त्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) नुकुक्लाय मुराधाई पारीख 29, यशकुंण सोसायटी, खन्ना पार्क के सामने, धाटलेडीया, अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) वासुदेवकुमार भुरालाल बाहेमी 37, न्यू क्लाथ मारकीट, रायपुर दरवाजा वाहर, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोच्स सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुक करता हूं।

जनत सम्पुरित को कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाह्मेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीज सें 45 दिन की भवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तिको पर मूचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा:
- (भ) जास सूजना के राजपत्र म प्रकासन की खारीखा से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सक्यित में हितबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रकोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्वक्षीकरणः -- इसमें पयुक्त शस्त्रों और पत्रों का, जो उक्त प्रतिनिधम के प्रशास 20-कर्ने परिभाषित है वही अर्थे होगा, जो उस अध्याप में दिया गया है।

मन्स्ची

पलैंट जो टी० पी० एस० 29 बाइज सीमा सर्वे नं० 325→3 ब्लाक नं० 75 पर स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 17876/22—12—1983 है ।

> जो० के० पं**डया** स**क्षम प्राधिकारी** स**हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज-¹, अहमदाबा**व**

तारीख : 23-7-1984

प्रकप नाइ. टी. एन. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

बार्यालय, महायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-!, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 ज्लाई 1984

निदेश नं० आऱ० पी० नं० 3079/23--¹/84-85---अतः मुझे, जी० के० पंडया,

कायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम पाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० फ्लैंट बाइज सीमा सर्वे नं० 325 है तथा जो 306 अहंमदाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में ग्रीर पूर्णका से विणान है), रिजस्ट्रीकर्ता अधि—कारो के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1,908 का 16) के अधीन तारीख 28–12–83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्हे हैं और मुक्तें यह निष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसकें दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्हे हैं और मुक्तें यह निष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसकें दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण निस्वत वे बास्तविक कप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आव की वाबत, उचत वीधिनियम के वधीन कर दोने के अंतरण के वाबित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय सा किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आगन्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, टिगाने में म्हिन के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्भ मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत :— -30 —226 GI|84 (1) बसबंत सिंह एन० गुग्ता ब्लाक नं० 14, रूम नं० 109 बॉम्बे हाउसिंग कालोनी, सरसपुर, अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) लीलावती बेन शंकरलाल शाह 75/445, विजयनगर फ्लैटस, नारनपुरा, अहमदाबाद ।

(अन्तरितीं)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति स्विवारों में से किसी ध्यक्ति ब्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपक् में प्रकाशन की तारीस सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पर्ध्यांकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस् अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट जो बाङज सीमा सर्वे नं० 326-305 पर स्थित है तथा रजिस्ट्रांकर्ता रजिस्ट्रेणन नं० 18284/28-12-1983 है ।

> ँजी०के० पं**ड**या सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज ^I, अक्षमदाबाद

नारोख: 23-7-1984

म्रोहर:

प्ररूप, बाइं, टी. एन. एस. - - - -

कांगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्थना

भारत राष्ट्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 जुलाई 1984

निदेश सं० आर० पी० नं० 3080/23-1/84-85---अतः मुझे, जी० के० पंडया,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें एसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी मं० पर्लैट शेखपुर, खानपुर नवरंगपुरा सीमा, है तथा जो मं नं० 177/2 अहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अक्षिकारों के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधि— नियम 1908 (1908 का 16) के अधोन नारीख 28~12~1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाण गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिकित में सम्मलिख हम से कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुद्धं किती आयु की बाबत, उसत अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अक्ते में सुविधा के लिए: औड़/बा
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था छिपाने में मूत्रिधा के लिए;

शत. जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमृतरण भो, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, नर्थात् हु— (1) श्री केवल किशचरनदास एस० बी० आर० पलैटस, नवरंगपुरा, अहमदाबाद ।

(अन्तकरक)

(2) सवाताबेन वृन्दापन थोथर श्रोमतो दमाबेन रक्ष्मोकान्त पोपट 10,जय सुकेतु फ्लैट, नवरंगपुरा न्यू मारकीट के सामने, अहमदाबाद ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मा से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूजना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण :--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रची

फ्लैंट जो शेखपुर, खानपुर नवरंगपुरा सीमा में स्थित है सर्वे नं॰ 17712 तथा रिजस्ट्रीकर्ता रिजस्ट्रेणन नं॰ 13461/ 28-12-1983 है ।

> जो० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज- ^I, अइमदाझाद

तारी**खा** : 23-7-84

मोहर 🗠

प्ररूप. आर्ड. टी. एन्. एस. ----⊴

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज⊶1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 23 जुलाई 1984

निदेश न० पी० आर० नं० 3081/23-I/84-85--अत. मझे, जी० के० पडया।

मायकर मिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० जमीन टो० पी० एस० 21, वासना एफ० पी० 578, 579 है तथा जो 604,605 तपोवन को० ग्रो० सोसायटी सब-प्लाट न० 20 मे स्थित है) ग्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची से और र्रूपूर्णरूप मे वर्णित है), राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारो के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रोकरण अधि-नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 27-12-1983

को पृत्रोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रूपयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सभे यह विश्वास भारने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उरयमान प्रतिफल से, एसे उरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया वया है:---

- (क) अस्तरुण से हुए किसी जाय की बायत उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अग्नरक को वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियौ को जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उपक्त अधिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थायाकिया जाना चाहिए था, छिपान से सुविधा के लिए।

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा 📳 को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात्:---

(1) श्री कान्सीलाल दलसुखभाई माह 1077 फयूर वोलिंग, रामनगर साबरमती, अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री भगयानती मेधजीभाई पटेल श्रीमती पूष्पा भजपानती पटेल 10, सीमा सोसायटी, डाइव–रन--रोड. मेमनगर, अहमदाबाद । नया पता 20, तपोवन को० भ्रो० सोसायटी मानेकबाग सोसायटो के नजदीक. वासना रोड. अहमदाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सपत्ति के अर्जन को लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ ५र सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सुभाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में हिसवदध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

जमीन टी० पी०ए स० 21, एफ० पी० 578, 579, 604, 605, के तपोवन को० ग्रो॰ सोसायटी सब प्लांट 20 है तथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन न० 18176/ 27-12-1983 है।

> जी० कें प्रया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

नार्भेख : 23-7-1984

प्ररूप बाह्र , टी., एन., एस.,-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक शायकर शायकत (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 जुलाई 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 3082/23-1/84-85 अतः मुझे, जी० के० पंडया,

कायुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु⁴), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसको मं० पर्लंट टी० पी० एस० 20, एफ० पी० 286 मंत्रना सोसायटो है तथा जो एल० डी० इंजानियरिंग होस्टल के पीछे, अहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिगारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1983

की पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करन का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में अभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विका और लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) ■ अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री एस० एस० चौधरी ए०--4, मंत्रना सोसायटी, एस० डी० ईजीनियरिंग कालेज होस्टल के पीछे, नवरंगपुरा, अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) रसमुखलाल बाबुभाई राजदेव निरंजन बाबुभाई राजदेव भरत बाबुभाई राजदेव अनिल बाबुभाई राजदेव ए०-4, मंत्रंना सोसायटी, एल० डी० इंजीनियरिंग होस्टल के पीछे, नवरंगपुरा, अहमदाबाद ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध मा काई भी आक्षेप :- --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबूध किसी अन्य व्यक्ति इनाम अधाहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्थष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

फ्लैंट जो टीं० पी० एस० 20 एफ० पी० 286 एल० डीं० इंजीनियरिंग होस्टल के पीछे, मंजना सोसायटी में स्थित है तथा रजिस्ट्रोकर्ती रजिस्ट्रेगन नं० 17901 है।

> जी० के० पं**ड**या सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-^I, अ**ह**मदाबाद

ताराख : 23-7-1984

प्रस्य वार्ड .टी .एत .एस . ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 जुलाई 1984

निदेश नं० पी० आर० नं० 3083/23-1/84-85-अतः, मुझे, जी० के० पंडया,
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसकें पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-जा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसक।
उचित बाजार भुल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
प्रौर जिसको सं० फ्लैट टी० पी० एस० 29 वाइन सीमा
है तथा जो सर्वे नं० 290, 267, अहमदाबाद में स्थित है
(ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्च। में ग्रीर पूर्ण क्य से वर्णित है)
रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 26-12-1983

तो पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के कृष्यमान प्रतिकल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकन सम्पत्ति का उचित, बाजार मूल्य, उमकि कृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत ने प्रविक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीन ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गरा प्रतिकल, निम्नलिखित अन्यस्य से उक्त प्रन्तरम लिखित में वास्तविक कप से किवन मही किया नया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी साम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिएथा, छिपाने में प्रकार के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) दलपतराम भानुशंकर जोशी विश्रामनगर को० ग्रो० सोसायटी, मेमनगर, अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) कमलाबेन नरपतलाल कोकीलाबेन नटक्रलाल आडिट अच्लोरन को० ग्रां० सोसायटी . बाइज, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 विन की भविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावक सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अस्य क्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त सन्दों श्रीर पदों का, जो उन्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही श्रर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया गया है।

अगुलुची

फ्लैंट जो वाइज सोमा सर्वे नं० 290—67 पर स्थित है तथा रजिस्ट्रोकर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 18191/26—12—1983 है ।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्कर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—I, अहमदाबाद

नारीख : 23-7-1984

मोहर ;

प्रस्प नाइं.टी.एम.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत स्रकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) अजन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 जुलाई 1984 निदेश नं० पो० आर० नं० 3084/23-1/84-85---अतः मुझे, जी० के० पंडया

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिप्तकी संव बिल्डिंग टांव पोव एसव-3 है तथा जो एफव पोव 124 सब प्लाट 20 अहमदाबाद में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणित है), रिजिस्ट्रीयती अधिकारों के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजिस्ट्रीकरण, अधिनियम 1908 (1908 रा 16) के अधीन नारीख 28-12-1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अतारितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिज्ञल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:--

- '(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायिरण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बार्य/वा
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अभ, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) रामपन भी आर० काबरा, 20, सुभाषनगर को० आपरेटिय सोसाइटी, नवरंगपुरा, अहमदाबाद-9।

(अन्तरक)

(2) फैसिलिटीज शोष्स एण्ड आफिसेस, ओनर्स एसोसिएणन, बी-9-6, इलाइट अपार्टमेंट, शाही बाग, दफनाला, अहमवाबाद ।

(अन्तरिती) 📜

को यह सुचना पारी करके पृत्रोंकत सम्परित के अर्जन के जिल् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स्प) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 पिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्षि में द्वितद्वर्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगें।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में गरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

बिस्डिंग जो टी० पी० एत० नं० 3, एफ० पी० नं० 124 सब प्नाट 20 अहमदाबाद में स्थित है तथा रिजस्ट्रीकर्ता रिजस्ट्रेशन नं० 18246/वारीख 28-12-83 है।

> जी० के०पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--1, अहमदाबाद

नारीख: 23-7-19**84**

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा २६९-च (1) के ऋधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय . महायक आगकर आगुक्त (जिरक्षिण) अर्जन रेंज⊸ा, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 23 जुलाई 1984

निदेश सं० प ० आर० नं० 3085/I/23/84--85---अत: मुझे जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिमका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी मं० आफिस टी० पी० एस० एस० 3. एफ० पी० त० 131, तीपरी मंजिल है तथा जो एस० के० हाऊम, आश्रम रोड, अहमदाबाद मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप सेविणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद मे रिजिस्ट्रीकरण अधितियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-12-83 की पर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए कन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का नन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्विदेश से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उनत अधि-नियम की जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अअ, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) ,े अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती प्रतिभावेन यू० भट्ट, पारुत, अशोश याडी, पंचवदी, एलोम ब्रिज अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री विनोद मनी भाई मित्र (एच० यू० एफ०) और महेन्द्र चलभुज मर्चेन्ट (एच० यू० एम०), 6, तीसरी मजिल, एच० के० हाऊस, आश्रम रोड, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सरवन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की सामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकोंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम्, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आफिम जो एच० के० हाऊम, आश्रम रोड, तीसरी मंजिल टी० पी० एस० नं० 3, एफ० पी० 131 पर स्थित तथा 37 ईई० तारीख 29-12-83 को फाइल किया है।

> जी० के० पंडया मक्षम प्राधिकारी महायक आयमर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख: 23-7-1984

मोहर ध

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्पना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 23 जुलाई 1984 निदेश सं० पो० आर्फ्रु नं० 3086/23/1/84-85--अतः मुझे, जो० के० पंड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, , जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० बिल्डिंग टो० पी० एम० 21, एफ० पी० 144—145 सब प्लाट 48 हैं तथा जो शीत बन को० आपरेटिव सोसाइटी, भद्रपुर, अम्बावाड़ी, अहमदाबाद में स्थित हैं (और इससे उंपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31—12—1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपाल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उज्जत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- रेंक) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अकत अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हाँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितौ द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री रजनो कांत रीत लान पटेल,
48, णीत वन को० अ.परेटिव सोमाइटी.
अम्बावाडी भुदरपुरा,
अहमदावाद

(अन्तरह)

(2) श्रीमती शारदावेन चंपक लाल शाह, श्रीचम्पक लाल छगन लाल शाह, 18, शांत वन सोस।इटी, भुदरपुरा गांव, अम्बावाडी, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को या सूचना जा<u>री करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए</u> कार्यवा हयां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावार संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पर्ध्यांकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में लिया गया है।

मनसची

बिल्डिंग जो टी॰ पी॰ एस॰ 21, एफ॰ पी॰ 144-145 एम॰ पी॰ 48, शीतवन को॰ आपरेटिव सोसाइटी, भुदरपुरा, गाम अम्बावाड़ी, अहमदाबाद में स्थित है तथा रिजस्ट्रेशन नं॰ 18671 तारीख 31-12-1983

त्री०के० पंडया सक्षम प्रश्विकारी महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंग−1, अत्रमदाबाद

तारीख 23~7~1984 मोहर:

भ्रम् भार्यः, टी., एम., एस_{.प}. - a z---

नायकरु स्थिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के स्थीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निड्रीक्षण) प्रजीन रेंज ग्रहमवाश्राद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 23 जुलाई 1984 निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 3087/23—I/84—85— ग्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं विलंडिंग ठाकुर पार्क सोसायटी है सथा जो टी॰ पी॰ एस॰-6, एफ॰ पी॰ नं॰ 207+208 फ्लॉट नं॰ 2, श्रहमदाबाद में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 19-12-1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य संकम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मूओ यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एमें दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिसित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिसित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अवस बिधीनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्थ में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (क) एमें किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाच प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना गहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--31 ---226 GI[84

 (1) श्री सूरेग भाई ल्व्ह्रप्रसाद ठाकुर
 2, ठाकुर पाकं मासायटी, सरखेज रोड़, श्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2)श्रीमती मुकुल प्रवेश नंदा
सी०/507 कोठापाला श्रपार्टमेट
प्रीतमनगर, श्रहमदाबाध ।
नया पता 2, ठाकुर पार्क
को० श्रो० सोसायटी;
सरखेज रोड़,
पालडी, श्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के कर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हैं ।

उक्त सम्पत्ति को कर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ु---

- (कं)। इस सूचना के राज्यत्र में प्रकशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पृवीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे

स्पब्सीकरण :--इसमे प्रयुक्त थान्यों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं नर्थ होगा जी जस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रची

बिल्डिंग जो टी० पी० एस० 6 एफै० पी० 207, \pm 208 एफे० पी० नं० 2; ठाकुर पार्क को० ग्रो० सोसायटी पासडी ग्रहमदाबाद में स्थित है तथा र्राजस्ट्रीकर्ता रिजस्ट्रेशन नं० 1763/19-12-1983 है।

जी० के० पंडया सक्षम प्राक्षिकारी यहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज—Í, अहमदाबाद

तारीख 23-7-1984

माष्ठर :

ऽन्त लाह्र टी एल. एस.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज—¹, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 23 जुलाई 1984

निदेश मं० पी० भ्रार० नं० 3088/23—1/84—85—— भ्रतः मुझे, जी० के पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० बिल्डिंग मदया नृतननगर योजना—2 है तथा जो फ्लॉट नं० 349 सिटी सर्वे नं० 1573 में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ना ग्रिधकारी के कार्यालय महवा में रिजस्ट्री—करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 8—12—1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मून्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रम, निम्निजिसित उद्देष्य से उस्त अन्तरण लिचित में बाम्यविक हव से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबल, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचारे में सृविधा के लिए; और/या
- (ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों के किए भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधाननार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

शत. अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण धा, मी उक्त अधित्यम का धारा 269-थ की उपधारा (1) को पक्षीन जिम्मतिस्थित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) कीदारसेन वलीमोहमद बदामी रोसप्रानु कीदारसेन बदामी शर्राज्य अपार्टमेट, डी०-16 जुट्ट बीच बम्बई-49 ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री दोसा मनगुष्कााल पोरचन्द (एच० यु० एफ०) दोसी द्धीचन्द (एच० यु० एफ०) नुतन नगर श्रोजना न० 1, प्लॉट न० 349 महस्रा, जिला भावनगर ।

(अन्तरिती)

को मह सूचन। जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के अर्घन के लिए कार्यवाहिया करता हुं। उक्त सम्पत्ति के वर्जन के मध्यन्थ में कोड भी आक्षप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर जिल्हा का मिली का मिली का विभाग का सिना का सिना होती हो, के भीतर पूर्वों कर जिल्हा का सिना का सि
- (व) इस सूचना के राजपण मं प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे:

स्पष्टीकरण:--- इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहु अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा गया है।

बन्स्ची

बिल्डिंग जो महवा नुतननगर योजना-1 प्लाट नं० 349 मिटी सर्वे नं० 1573 पर स्थित है नथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 1783/8-12-1983 है

जी० कें० पडया सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुवन (निरीक्षण) स्रर्जेन रेज-I स्रहमदाबाद

तारीख 24-7-1984 मोहर

शक्य बाहें दी एवं एक ।

भावकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन सचना

क्षारात्र सम्बद्धकरू

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनाक 24 जलाई 1984

निदेश न**े पी० श्रार**े ने 3089/23-1/84-85---ग्रत: मुझे, जी० के० पंडया

बायकर रिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसम इसके भागत 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 265 🗷 के अभीन सक्षम प्राधिकारी को , यह विश्वास करने का फारण **है** कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 '-रु. से अधिक है

गौर जिसकी म० जमीन खर्मालिया वार्ड न० 5/11 है तथा जो जमीन ७०८ वर्ग यार्ड में स्थित है (ग्रॉर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिध-कारी के कार्यालय खभालिया जिला मे रजिस्टीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीश्र 16 - 12 - 1983

का पूर्वाक्त सम्परित क उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि संशासवाक्त संपत्ति की उचित बाजार मन्य, उसकं दश्यमान प्रतिफल मं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरका (अन्तरका) और अंतरिती (अतरितिया) के बीच एम अतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिसित उददेशय से उक्त अतरण लिखित मा वारत-विक रूप स कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए मौर/या
- (स) एसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहरी किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों अर्थातु:---

- (1) (1) श्री जयतीलाल लीलाधर
 - (2) चचललाल लीलाधर
 - (3) रिजमबेन लीलाधर श्रीराम कलावड गइ, नदा सोसायटी के नजदीक राजकोट ।

(भ्रन्तरक)

(2) पीनलदाम वृजदाम प्रभ्दास वृजदान भगवानदास वजदान हरीश वृजदास कनैयालाल वजदास बजार, सलाया, जिला जामनगर ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कांग्र्र भी आक्षेप:--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 4.5 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सच्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनकि बाद में समाप्त होती हां, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के बध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया यया है।

जन्सची

जमीन जो खभालिया वार्ड न० 5/11 पर स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन न० 1879/16-12-1983 है ।

> जी० के० पडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

तारीख 24-7-1984

प्रकृपं बाह्य . टी . एव . एस . ------

भायकर सिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-व (1) के अथीन स्वना

बारक करकान

कार्वासय, महायक सायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज—I, श्रष्टमधाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनाक 25 जुलाई 1984

निवेश नं॰ पी॰ ग्रार॰ नं॰ 3090/23-I/84-85--अतः मुझे, जी॰ के॰ पंडया,

नामकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- रह में निभक्ष है

भौर जिसकी सं० जमीन जो सर्वे नं० 334 पैकी है तथा जो जमीन में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में धौर पूर्ण रूप स वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय भुज मे रिजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन तारीख 12-12-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान ब्रितिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसं दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरिधियों) के बीच एसं बन्तरण के लिए तम पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक अप से कीचल नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिमियम के अभीन कर दोने के ज्यारक के दासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/बा
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे स्विका के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ---- (1) मेसर्स श्रमर इन्डम्ट्रीज जादवजी नगर, भुज (कच्छ)

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मुकेश ग्रारं० मरोलीया दमयंती बेन एम० मरोलीया, 171, पुष्पक श्रपार्टमेंट, 31, श्रस्टा माउन्ट रोड़, बम्बर्ड।

(श्रन्तरिती)

ना यह नुमना भारी करके प्रवॉक्त मञ्जूतित से वर्जन से किस् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

अक्त सम्मत्ति के वर्षत के सम्बन्ध में कोई भी बाहोप :---

- (क) इस स्वमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितमबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शस लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों कौर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मा तथा परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय म दिया गया ही।

जनसंद्री

जमीन जिसका सर्वे न'० 334 भुज में स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेगन नं० 2297/15-12-1983 है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–I, ग्रहमदाबाद

सारीख : 25-7-1984 .

मोहर स

प्रकप. भार्च. टी. एन. एस्. - - - -

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमवाबाद ग्रहमदाबाद, दिमांक 27 जुलाई 1984

निवेश नं० पी० ग्रार० नं० 3091/23-1/84-85---ग्रत: मुझे, जी० के० पंडया

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जमीन वस्त्रपुर सीम सर्वे नं० 118, 122, 123 है तथा जो 126, 128 एफ० पी० 110 सब प्लाट नं० 13 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप सं वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियन 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 26-12-1983

का पूर्वा क्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के सममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित् बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिचित उद्देश्य से उद्देश अन्तरण सिचित में शस्तिक अप से किचत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आयं की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ष) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की पयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निस्ति विकास व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मनुसूईयाबेन दिनेशकुमार जवेरी 24, मनाली भ्रपार्टमेंट वस्त्रापुर रोड़, महमदाबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) सुरम्य , को० भो० सोसायटी के० भ्रो० श्री एस० पी० व्यास श्रवंन ∤के० डिबीजन, रिजर्व वैंक भ्राफ इन्डिया ला गज्जर चेम्बर्स, श्राक्षमरोड, ग्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्यक्कीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों नौर पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मुद्या हैं।

बन्स्चीं

जमीन जो बस्त्रापुर में स्थित है जिसका रेवेन्यु सर्वे नं० 119, 122, 124, 126 जैकी जमीन एफ० पी० 110 सब प्लाट नं० 13 है तथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 18168/26-12-1983 है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-1, भ्रहमदाबाद

सारी**ख** : 27-7-1984

मोहरू 🛮

प्ररूप आहे, टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) को अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-1. श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 27 जुलाई 1984 निदेण नंद पीठ श्रारठ नंठ 3092/23-1/84-85-~

श्रत।: मुझे जी० के० पंडया, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के डाबीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का

25,000/- रत. से अधिक **ह**ै।

ग्रौर जिसकी सं० जमीन वासना सीम टी० पी० एस० 21 है तथा जो एफ० पी० 635 सब प्लाट नं० 5 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायालय, अहमदाबाद मं रिजस्ट्रीकरण अधिनियन 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 13-12-1983

कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य

को पूर्वित सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विद्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके धरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तथ पाथा गया प्रतिफल निम्निचितः उद्देश्य से उद्देश अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, जनक विभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्य को कनी करमें या अवल अचने में स्विधा के किए. और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तिया कारे, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिकी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अन्यरण ण मी, उक्त अधिनियम की धारा 260-न्न की प्रशास (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, संधीत :--- (1) डी० मीनाबेन बीयनिभाई शाह स्वेयरविहार फ्लेट, डी० विक्रम माराभाई रोड़, ग्रागावाड़ी, ग्रहमदाबाद ।

(श्रन्तरक)

(2) मेसर्स पटेल एन्ड शाह बिरुडर्स दयाल निवास, सुविधा शोषिण सेन्टर के सामने पालडी, श्रहमदाबाद ।

(ग्रन्नरिती)

क्ष्यं यह मृत्रना वारी करके पृत्रांक्त सम्पर्ति के वर्षत के सिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षपः --

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की वार्या तस्मक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबिध धंद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा तकेंगे।

स्पष्टीकरण:-- इसमें प्रगक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-के में यथा परि-भाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

मम्स्ची

जमीन जो टी० पी० एस० एफ० पी० 635 सब प्लाट नं० 404 वर्ग यार्ड जमीन है तथा रिजस्ट्रीकर्ता रिजस्ट्रेण्न नं० 17213/13-12-1983 है ।

जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज--1, ग्रहमदाबाद

नारीख: 27-7-1984

प्रकाप अपूर्ण हो ता का

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की परा 269-ए (1) ले अधीन संचना

भारत सरकार

नामा नम, सहसक भाषकर आमूरा (भिराक्षाण) ग्रजन रेज—1 ग्रहसदाबाद

श्रहमदाबाद दिनाक 31 जुलाई 1984

निदेश न० पी० धारा न० ३०१३/23—1/84—85—— भ्रत मझे, जी० कें० पडया

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वश्चात 'उक्त अधिनियम कहा गया हैं), को भारा 269- स के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सपिल जिसका जीवत बाबार मृत्य 25,000/- स संस्थिक हैं

श्रीर जिसकी में ० पिमावर रेजवे स्टेशन के सर्वे साइड जमीन का क्षेत्रफल है तथा जो 18496 वर्ग यार्ट विल्डिंग ग्रौर भेड कुग्रा श्रीरल भील, बीमाकदर जिला जुनागढ में स्थित है (ग्रीर व्समें उपाबद प्रनुस्ची में ग्रौर पूर्णव्य से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बीसापहर में रिज-स्ट्राकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन नारीख 27-12-1983

को पूर्वोतित सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्त्रोंकत सपस्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके स्वयमान प्रतिकल में एमें स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अतरकों) कीर अनिरती (अन्तरितयों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक क्य से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत उक्त किथ-नियम के अधीन नार धाने के अन्तरक के दायित्व मों कामी कारने या उत्तम अभने मों सुविधा के निए. और/या
- (क) एसी फिसी बाय था विश्ती धन या अन्य आस्तियों को एसी फिसी बाय था विश्ती धन या अन्य आस्तियों 19?? । १६२८ ना ११ मा अन्य अधिनियम या धन- ४२ ११ भी गर्म, १९६७ १६६० १८०७ १८०७ १८०० १८०० व्यावनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकृत नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मृतिधा

सत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (!) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अधीत ——

- (1) भागीदार मेसर्स फिनाभ्रोरल मिल्स
 - (1) पटेल लढः परवत
 - (2) पटेल क्लीलाल मानजी
 - (3) पटेल रमण मानजी
 - (4) पटेल नीलेशकुमार मानजी
 - (5) पटेल वसराम जैराम
 - (6) पटेल नादव जैराम
 - (7) पटेल मगनना बसराग कें क्रो० मेसर्ग कृष्णा क्रोरन मिल्स रेलवे स्टेशन के पीछे, बोसाबदर,

जिला जनागढ

(भ्रन्तरक)

- (2) मेसर्स गायती ट्रेडिंग कपनी पेटी ग्रीर उनके भागीदार
 - (1) पटेल मगनलाल वसराम
 - (2) पटेल नाथालाल जादबभाई
 - (3) पटेल भीखालाल गोरधनदास
 - (4) पटेल दामोदरदास देवद्रासंभाई कृष्ना ग्रोरल मिल्स क्पाउन्ड रेलवे स्टेशन के पीछे, वीसावदर,

जिला जुनागढ ।

अन्तर्रितो

को सह स्थाना आरी करक पुकाबल सम्पन्ति का लाजन का किए कार्यवाहिया करता दु। उक्त सम्पति व अर्जन के सम्बन्ध में कोंकों भी साक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र मी प्रकाशन की सारीख से 45 विन की संबंधि था तरसम्बन्धी स्पन्तियों पर सूचना की तामील ए १० दिन की संपधि, जो भी अवधि नाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पान्त्या ता राजसी क्यां कर द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंद्र- बद्ध कि,सी अन्य तिकत दनारा अधान्तस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीक रूप — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विषश गया है।

अनुसुधी

वीसावहर रेलवे स्टेशन के पूर्व साइड मे जमीन का क्षेत्रफल 18496 वर्ग यार्ष बिर्लंडग श्रीर रोड जिन पर मंशीनरी जो "कुन्ना श्रीरल मिल्स" नाम से प्रचलित है तथा ववीमादार जिला जुनागढ़ में स्थित है।

> जी० के० पडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) "पर्जन रेज- 1 श्रहमदाबाद

तारीख 31-7-1984 मोहर प्रसम्बाद्यां ही. एनं, एसं. -----

भायकर जीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की धरा 269-घ (1) को अधीन **मुघ**ना

भारत सरकार

कार्मालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज⊸I. **अहमदाबा**द

श्रहमवाबाच, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्वेश नं०पी० आर० नं० 3094-अर्जन रेंज-I/23-^I/84-85—यत: मुझे, जी०के०पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जमीन प्लाट सर्वे नं० 37 ब्लाक म०
10, सनव नं० 360/96 है तथा जी 612 वर्ग यार्ड,
पुराना हाउस मांगनाथ रोड़, जुनागढ़ में स्थित है (श्रीर इससे
उपाबब अनुसूचों में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री→
कर्ता अधिकारी के कार्यालय जुनागढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधि⊶
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
30→11→1983

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के देश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मृभ्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाचार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और पंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उव्वदेश से उक्त अन्तरण सिकित में शुस्तविक अप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उपत अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमीं करने या उससे अपने में सूर्विक। के निए; और/सा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजगार्थ जन्तरिती ब्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अधीत्:—— (1) श्री छगतलाल ठाकरशीभाई अभृतलाल ठाकरशीभाई बाबुलाल ठाकरशीभाई श्रीमती दूधीबेन राजाभाई श्री राजाभाई ठाकरशीभाई दूधबाला दूधवाला शोप, मांगनाथ रोड़, जुनागढ़

(अन्तरक)

(2) श्री मगनलाल करसन धार रामजीभाई मायजी जादव फे० ग्री० मेसर्सा गोकुल टिस्बर्म मांगनाथ रोड, जुनागढ़।

(अम्सरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी काक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीबा से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्रत सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के श्रीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए जा सकोंगे।

स्वच्चीकरण: इसमें प्रयुक्त सन्दों बौर पद्यों का, जो उक्त निधीनयम के नध्याय 20-क में परिभावित ही वहीं नधीं होगा को उस नध्याय में दिया नवा ही।

मनुसुची

प्लाट अमीन का जिसका सर्वे नं० 37, ब्लाक नं० 10 सनव नं० 360/96 क्षेत्रफल 612 वर्ग यार्ड है भौर पुराना हाउस मांगनाथ रोड जुनागढ़ में स्थित है।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

सारीख: 31 -7-1984

प्रकप् बाह्रां. टो. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्वना

भारत सुरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 31 जुलाई 1984

निदेश न० पा० आर० न० 3095/23-1/84-85---अत मुझे, जो० के० पड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसका म० बिल्डिंग तर्वे न० 457 प्लाट न० 7व। है तथा जो महिला कालेज के पोछे न्यू गुलाबनगर राजकोट मे स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध अनुसूच। में श्रौर पूर्ण रूप से बिणत है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकार। के कार्यालय, गोडल मे रिजस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारोख 9-12-1983

को पूर्वों कर सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके द्यमान प्रतिकल से ऐसे द्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) शेर अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया मृत्य प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण तिबित में बार्यां कम से से के थित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत आयकर बिभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उसमें अभने में मृदिभा के लिए: और/मा
- (था) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कारे, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था कियाने मा मंबिधा, के निरा

(1) श्रो दिनेशकुमार परषोतमभाई टौक नोमला मुख्य रोड राजकोट ।

(अन्तरक)

(2) चिमनलाल गुलाबचन्द भाई बालानी बालानी निवास, नागर शेरी, गोडल, (सौराष्ट्र)

(अन्तरिती)

को यह स्वाना आरी करके पृवाँकत संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुः। उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाँक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति ब्वास,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावार सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही क्षे होगा, जो उस कथ्याय में दिया गया।

जन्स्ची

बिल्डिंग जिसका सर्वे न० 457 प्लाट न० 7-बी० 'मोठाडिया दवार' महिला कालेज, के पीछे गुलाबनगर राजः कोट में म्थित है।

> जी० के० पश्चया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन (रिंज-1, अहमदाबाद

तारीख: 31-7-1984 मोहर

प्रथम बार्च हो. एव. युव .----

आयकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन स्चान

नारत बुद्रकार

कार्यासय, सहायक बायकर बाय्का (निरीज्ञण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 31 जुलाई 1984 निदेश नं० जो० आर० नं० 3096/23~1/84-85--अत: मझे जी० के० पंडया

भागकर निर्मानसम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उन्त मिनिनम' कहा गया ही की भाच 269-च में नभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपरित जिसका उचित बाबार मूक्य 25.000/- रह. से मधिक है

श्रीर जिसकी सं० ब्लाक नं० 4, बाह्मीकी आश्रम है तथा जो मालविया नगर के नजदीक गीडल रोड़, राजकोट में स्थित है (श्रीप इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रंकिती अधिकारी के कार्यालय, राजकीट में रिजस्ट्रंकिरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधोन तारीख दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रांतफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-क के निम्नीसीयत उद्दोष्य में उक्त अन्तरण जिवित में बास्त-जिक स्मा से कथित नहीं कि बा स्वा है। --

- (क) मन्दरण ये हुन्द जिल्ली भाग की शावत त्रवस अधि-नियम के अधीन कर योगे के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या अवसे अचने में ब्रोमिश के सिन्धे; और/या
- (था) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अज, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्यरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व का उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थातु :-- (1) श्रा जयमुखलाल अर्जनभाई पदगामा 5, णक्तिनगर राजकोट ।

(अन्तरक)

(2) श्रो एस० जे० लखानी 28, करनचरा शयडा फिडिंग, राजकोट ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करफे पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यपाहियां करता हो।

जनव सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई मी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 वित की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना के की तामील से 30 विन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्यक्ति व्यक्तियाँ में किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे:

स्पच्छीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वदा ही।

मन्स्ची

ब्लाक नं० 4, बाल्मीकी आश्रम, मालविया नगर नजदीक गोंडल रोड़, राजकोट ।

> जो० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

सारीख: 31-7-1984

प्रकप बाइ .टी . एन् . एत . -------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 31 जुलाई 1984

निदेश नं० पी० आर० नं० 3097/23-1/84-85-- अतः मुझे, पी० के० पंडया

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनयम' कहा गया है')., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्नित बाजार मूल्य 25,000/- रु. सं अधिक है

श्रीर जिसको सं० मकान मालकिन जागनाथ प्लाट शेरी नं० 26 है तथा जो राजकोट में स्थित है (श्रीर इससे उपाधद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1983

कां पृश्नों कत संप्रित के उचित बाजार मृत्य भे कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृभ्ने यह विद्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वों क्त सम्पर्तित का उचित बाजार मृत्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त किभिनिय्त्र, के सभीन कर देने के बस्त्रक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिका के लिए;

(1) मान्ताबेन होरालाल हीरानी के० ग्रो० राजा पाल एन्ड ग्रोरल मिल क्लो जिला यावातमल (महाराष्ट्र)

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शारदावेन मोहनलाल धकान वोशावदर, जिला जुनागढ़।

(अन्तरिती)

को यह मुखना आरी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के सर्वन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की दारीय हैं
 45 विन के भीतर सकत स्थानर सम्पत्ति में हितनब्ध किसी जन्म स्थानत ब्वारा नथाहस्ताकरी के एउस लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सिभ्मियन, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिवा प्याहै।

मन्सूची

मकान मालिकन जो जागनाथ प्लाट शेरी नं० 26, राजकोट में स्थित है।

> र्जा० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

बतः सम, सक्त अधिनियम कर्त भारा 269-ग के समृतरू मो, मौ स्थला अधिनियम को धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निचित व्यक्तियों, सर्थात्:—

तारीख : 31-7-1984

मोइर :

प्रकार बाद'. दी. एव. एस.------

नायकर निभित्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वभीन सूच्ना

भारत सरकार

कार्याक्य, सहायक कार्यकर जायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 31 जुलाई 1984

निदेश नं० पो० आर० न० 3098/23-1/84-85--अद मुझे, जि० केर०पडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उणित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट न० 16-बी० नूतन सर्वोदय सोप्तायटी हैं तथा जो कलावड रोड (सर्वे नं० 443) राजकोट में स्थिन हैं) और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कें कार्यालय, राजकोट में रिजिस्ट्री उरण अधिनियम 1908 (1908 जा 16) के अधीन नारीख 7-12-1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाषार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करमें का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार गूल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से, ऐसे इष्यमान प्रतिफल का पदह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नविधित उद्योदय से उक्त अन्तरण लिखित के वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है ----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी नाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर जिन्हों भारतीय आयकर जिम्हियम, 192-2 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के सिए;

बतः, अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-च के अनुसरणः में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1)श्रीमती हंमाबेन नटवरलाल देणाई नूनननगर, राजकोट ।

(अन्तरक)

(2) अमरबेन हरजीवनदाम सानी विनोदभाई हरजीवनदास सोनी बाबुलनाथ मन्दिर के नजटीक गीरी छाया स्टेन्ड, सोपाटी, बम्बई-6 ।

(अन्यरिती)

(3) श्रो कान्तीलाल हरीला व रानपरा प्लाट न० 16-बी०, नूचन नगर सर्वोदय सोक्षायटी कलावड रोड़, राजकोट ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

का यह सुचना चारी कारके पृत्रीक्त सपत्ति के अर्चन के शिष्य बादगाहिया करना हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवृधि, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषेक्ति स्थितियों में से किसी व्यक्ति बुवारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगें।

स्पष्टीकरण :---इसमं प्रयूक्त सन्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मं परिभाषित है, वहीं अर्थ होग्य जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्र्यो

ण्लाट नं० 16-बी, नूनन नगर सर्वोदय सोयायटी कलायड रोड (यर्वे न० 443) राजकोट।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--1, अहमदा**बाद**

नारीख: 31-7-1984

मोहर 🖫

शुक्त भार . टी. एत्. एक्. - ------

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-मु (1) के स्थीन सूचना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 31 जुलाई 1984

निदेण नं०पी० आर०नं० 3099/23-1/84-85---अन: ममे, जि० के०पंड्या

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसका सं जमीन 269.60 वर्ग यार्ड और घर हैं तथा जो भूपेन्द्र रोड, राजकोट में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्सा अधि— गारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर्ग 1983

को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्निसित उद्देश्य से उक्त अंतरण विश्वत में बास्तिबक रूप से किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भे, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) ड अधीन, निम्निलितित व्यक्तियों, अर्थातः:—

- (1) श्रो जे० पी० चोटाई एच० यु० एफ० अवयस्क के मुख्यार केतन जयंत्रीलाल
 - (2) श्रोमती चन्द्रमनी जे० चोटाई
 - (3) श्रो एम० एम० मेहना अवयस्क के मुख्यार परमेश (4) श्रीमती गुनवंती एल० लखानी

4) श्रामता गुनवता एल० लखाना रामकृष्णनगर, राजकोट ।

(अन्तरक)

(2) श्री एल० एच० लखानी
श्री ए० एल० लखानी
श्री बी० एल० लखानी
श्रीएल० एल० लखानी
श्री जी एल० लखानी
श्रो बी० एल० लखानी और अन्य
राजकोट ।

(अन्तरितीः)

को यह सृचना जारी करके पृथाँकत सम्वत्ति के अर्थन को सिध् कार्यवाहियां करता हुं।

सक्त सम्पारत के कर्बन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृष्या की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विष के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया हैं।

अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 276-60 वर्ग यार्ड है जो भुपेन्द्र रोड राजकोट में घर स्थित है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~1, अहमदाबाद

दिनांक: 31-7-1984

मोहर:

प्ररूप बाह्र . टी. एन. एस.-----

स्रायकर सिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 अगस्त 1984

निदेश लं॰ पी॰ आर॰ नं॰ 3100/23--I/84-85---अतः मुझो, जी के॰ पंड्या,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन जो टी० पी० एस०-3 एफ० पी० 751, सब प्लाट न० 2 है तथा जो एली पिक्रिज छड़ाबड़ सीम में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्रीकार्ता अधिकारी के बार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13-12-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिफल निम्निसिश्ति उद्देश्य से उक्त अंतरण सिवित में बाक्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ज़न्तरण से हुई किसी बाव की बाबत, अक्त अधिवियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के सिए: और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा की निए;

कतः जब, उक्त जिभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्रौ भानजीमाई करसनभाई जादव ला कालज के नजदीक, एलिसक्रिज, अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) णीतलछाया फ्लेट ओनर्स सुरेशकुमार जयतीलाल शाह आंबाबाड़ी, अहमदाबाद ।

(अन्तरितो)

को सह सूचना जारी कर्के पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को कर्जन को संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत-बक्ष किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वध्यक्तिरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ज: उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं अर्थ हरेग जो उस अध्याय में दिया गुया है।

वन्सची

जमीन जो छडावड एलीसिक्रज टी॰ पी॰ एस॰-3 एक॰ पी॰ 751 एम॰ पी॰ नं॰ 2 पर स्थित है तथा रिजस्ट्रीकर्ता रिजस्ट्रेशन नं॰ 17172/13-12-1983 है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर, आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I. अहमदाबाद

तारीखा: 1-8-1984

मोहर 🛭

प्रकृष आहे. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के प्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाँक 1 अगस्त 1984

निवेण नं० पी० आर० नं० 3101/23-1/84-85-- अतः मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् । उक्त प्रधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन स्थाम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० में अधिक है

और जिसकी सं० टी० पी० एस०-3 एफ० पी० 84 है तथा जो अहमदाबाद में स्थित हैं (और इसमें उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप म दाँणत हैं) रजिस्ट्रीकर्ता अधि कार्यालय अहमदाबार में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 37ईई तारीख 20-12-83 को प्वॉक्त मंगित के उवित बाजार मृध्य में काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार पृथ्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पिए अंतरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार पृथ्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डल प्रतिशत से प्रधिक है और प्रतर्शक (प्रन्तरकों) ग्रील प्रन्तरिती (प्रश्वितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निश्वलितियों उद्देश्य से उनन प्रस्तरण निक्वित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रिधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रमार के के वासित में कमी करने या उसने अपने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिल्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने ने

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, सर्थात :--- (1) श्री मुकेण नटवरलाल ठक्यार प्रभा कालाती, उस्मानपुरा, अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) समल एम्टेट कारपोरेशन
10 हरसिंध चेम्बर्म
आश्रमरोड़ अहमदाबाद
मेसर्म विश्नो पलेट ओनर्म एसोसिएशन
33, नेमोनाथ नगर सोसायटी
एस० एम० रोड़ आशावाड़ी,
अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके प्वांक्त सम्पत्ति के कर्जन के निष्क कार्ययाहियां शुरू करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच व 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथों कर स्थितियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्धीं और पद्धीं का, वो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में यथा परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका सवा है।

अनुस्ची

मिल्कत जो टो॰ पो॰ एस॰ 3, एफ॰ पो॰ 84 मब प्लाट नं॰ 6 पर स्थित हैं तथा 37ईई दिनांक 20-12-83 को फाइल किया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--I, अहमदाबाद्य

तारोख: 1-8-1984

मोहर:

प्ररूप. बाईं. टी. एन. एस. -----

जायकर अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 अगस्त 1984

निदेण सं० पी० आर० नं० 3102/23-I/84-85—अत. मुझे, जी० के० पंडया,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त निधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. संअधिक है

प्रौर जिसकी सं जिसेन टी पि एस 15 एफ पी 27 एस पी नं 3 है तथा जो मोजे वाड ज सीम में स्थित है (श्रौर इससे उपाब अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री कर्ता अधिकारों के कार्यालय, अहमदावाद में रिजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 17-12-83, को प्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि सथाप्योंक्त संस्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण से हुइ किसी आम की बाबत, उथल अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक क दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अत: अथ. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित स्यिक्तयों, अर्थात —— (1) 1. श्रीमती शकुंतलाबेन नानुभाई भुपतराय सौराष्ट्र सोसायटी, एलीसकीज, अहमदाबाद 2. श्री शान्तीलाल चन्द्रुलाल शाह नपा-वाडज, पुरुषोत्तमनगर, अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) मामीपार्क की० ग्री० सीसायटी आर्गेनाइजर-पुजीमम मियराम मटेल नपा-वाञ्चज बस स्टेण्ड के सामने अहमदाबाद ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकार न की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किमी व्यक्ति द्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पण्य लिखित में किए जा मर्कोंगे।

स्मच्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उक्त विधिनियम, के बच्चाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

अनुसूची

जमीन जो वाङ्ज टी० पी० एस० 15 एफ० पी० 27 सब ्ष्लाट नं० 3 पर स्थित है तथा रिजस्ट्रोक्षर्ता रिजस्ट्रेशन नं० 17586/ 17-12-83 हैं।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज---I, अहमदाबाद

दिनांक : 1-8-1984

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 अगस्त 1984

निदेण मं० पी० आर० नं० 3103/23-I/84-85----अतः मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० जमीन टी० पी० एस० 15 एफ० पी० 27 एस० पी० नं० 5 ए है। तथा जो बाइज, अहमदाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 17-12-83,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्मृह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व को कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-नार्थ अंतरिसी ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :---, 33—226 GI 84

(1) श्री नैपाधभाई नानुभाई महेना मौराष्ट्र सोसायटी, एलीसक्रीज, अहमदाबाद । संजीयनी ट्रस्ट श्री मी० जे० णाह णांनी सदन एस्टेट, दोनवाडी टावर सामने मिर्जापुर, अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री देवाभाई चेलाभाई भरवाड़ बावला, तालुका घोलका, जिला—अहमदाबाद ।

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना आरी करके पृष्ठीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कार्ड भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

क्षपच्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त कार्यों और पर्यों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विगा गया है।

बन्स्ची

जमीन जो बाडज में स्थित है टी० पी० एस० नं० 15 एफ० पी० 27 एस०पी० 5 ए तथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेणन नं० 17595/ 17—12—83 है ।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज—],अहमदाबाद

दिनांक : 1-8-1984

गाहर:

तर्केय वन्त्र . टी. यून. एत.------

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269 व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आगकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज⊷[, अहमदानाद

अहमदाबाद, दिनांक 31 ज्लाई 1984

निदेश सं० पा आप० न० 3104/23-J/84-85- अतः मझे, ज० के० पड्या.

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें शमके पश्चाम 'उन्तर अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधिन मक्षम प्राधिकारों की, गर्र विध्याम करने का कारण है कि स्थावन सम्पत्ति, जिसका उजित बाजान मृन्य 25,000/- रूट. से अधिक है

प्रोर जियको मं० सानन्द साम में जमान है तथा जो सर्वे नं० 1648-1649 में स्थित है (प्रौर इसने उपाबद्ध अनुसूची में प्रौर पूर्ण एप मे विणित है), रिजस्ट्र कर्ता अधिकारा के कार्यालय, सानन्द में 37-जा दिसम्बर 1983 में रिजस्ट्राक्षरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधान, दिनांक 31-3-1983

का प्रबंधित संपरित के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिकास में अधिक है और जन्तरक (जन्तरकों) और जन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रति-फल, निम्निगिसित उब्देक्य में उच्ने अग्तरण जिहिश्त में बाला-बिक कप म किंशन नहीं किया गया मृ

- (क) अन्तरण ने हुई किसी आय की वावत, अजल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कमी कारने या उपमने अचने में सविधा के विका; ब्योद/बा
- (च) एसी किसी बाय मा किसी भन या बन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकार जिम्हीनयम, 1922 (1922 का 11) या उकत मधिनियम, या धनकर मिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना काहिए था, कियाने में सिवधा के लिए

कतः वय, उक्त विधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण भें, मैं, उक्स अधिनियम की धारा 269-ण उपधारा (1) के अधीन, निम्हलिखिल व्यक्तियों, अधीन :--- (1) श्रः बलदेवभाई केंगलदाम पटेल सानन्द, जिला--अहमदाबाद ।

(अन्तरकः)

(2) उमाया पार्क को० स्रो० मोमायटी नेयरमैन श्री दणरथभाई बलदेवभाई पटेल मानन्द जिला---अहमदाबाद

(भ्रन्तरिती)

कां यह सूचना आरी करकंपृयाँक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

चनल सम्पत्ति को वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षीप :----

- (क) इस सूचना के राज्यक मां प्रकाशन की तारी का की 45 दिन की अविभिया तत्सं के बी क्यक्तियों पर मृचना की तामील से 30 दिन की जविथ, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हों, के भीतर पृवा कि का क्यक्तियों में से कि सी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब बं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंद बब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

भ्यक्तीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त विभिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मम्भूची

सानन्द सीम में जमीन जिसका सर्वे नं० 1648-1649 है तथा रजिस्ट्राकर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 762/83, फॉर्म नं० 37 जा दिसम्बर 1983 में मिला ।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज~1, अहसदाबाद

दिनांक : 31-7-1984

मोह्रर :

प्ररूप आह⁴.टी. एन . एस[.] . -------

बायक र ब्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की; भारा 269-च (1) के अथीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-।, अहमदाबाद

अहमदावाद, दिनाकः । अगस्त 1984

निदेश मं० पी० आर० नं० 3105/23-1/84-85--अत: मुझी, जा० के० पंडया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. में अधिक है

श्रौर जिसका स० प्लैट कोसेट/ए बिल्डिंग फ्लैट न० 1002 10वा मंजला है तथा जो रेस कोसे के सामने राजकोट बाई न० 15, सा० टा० एस० न० 1010 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनु-सूचा में श्रीर पूर्ण चप से बिणित है), रिजस्ट्र कर्ता अधिकारा के कार्यालय, राजकोट में किस्ट्र एरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधान, दिनांक 37ईई, 11-11-1983

को प्रवेकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई हैं और मुक्ते यह विख्याम करने का कारण है कि स्थापुत्राकत सम्पत्ति का उन्ति बाजार मृत्य, उसके दहयमान प्रतिफल को, एसे दहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत्त से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिशित उद्देश्य से उकत अतरण लिखित में बास्तिक रूप से किश्त नहीं किया गया हैं:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उन्तर अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; बौर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अर्थे प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुनिधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण भो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मसिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :-- (1) जे० एस० कारपोरेणन
48, इन्द्रनारायन रोष्ठ,
सान्ताऋुज (बेस्ट) बम्बई—-54 ।
(अस्टर्स)

(2) श्रीमता साक्षण्येन वेजाभाई रावालिया साकरवाले 21-ए, नालन्दा सोसायटा, क्लाबाड रोड, राजकोट ।

(अन्तरितः)

का यह सूचना जारी करक पूर्वाक्त सम्पत्ति के अजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को कर्जन को सम्बन्ध में काहे भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील व 45 दिन की अविश्व या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील में 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मां प्रकाशन की तारीक म 45 दिन के भीतर उथत स्थावर सम्पन्ति मा क्रिनग्रंथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधारस्ताक्षणी व पास सिम्बिस मो जिए आ सक्तेगे।

स्पष्टिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और गर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाणित हैं, बही अर्थ होंगा जा उस अध्याय में विशा गया है।

नगतकी

फ्लैट जो राजकाट म स्थित है किसेंट (बिल्ह्स ए, 10%) मंजला, फ्लैट नं ० 1002, 378ई 11-11-83 को फाइल किया है ।

जा० कें ० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्ष आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-॥ अहमदाबाद

दिनां भ : 1--3- 1984

मांहर :

प्रकप नाइ.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाँबाद अहमदाबाद, दिनांक 1 अगस्त 1984

निवेश सं० पी० आर० नं० 3106/23-1/84-85---अतः मुझे, जी० के० पंख्या,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० शोप नं० 1, 2 थौर 3 किसेंट 'ए' बिल्डिंग में, सी० एस० नं० 1010 है। तथा जो बोर्ड नं० 15 सर्वे नं० 402/21 ग्रीर 404/28, रेस कोर्म, राजकोट, में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णस्थ में बिणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 3755 फाइल किया में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 24-10-83,

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पत्तूह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निस्नलिखित उच्चेश्य से उभत अन्तरण लिखित में बाग्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोनेके अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अय उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निकालिंखित व्यक्तियों. अधीत :---- (1) मससं जे० एस० कारपोरेणन 48 इन्द्रनारायन रोड, सान्ताकुज (बेस्ट) बोम्बे---54

(अन्तरक)

(2) मेसर्स उद्योग भारती चावड़ी गेट, गोडल, जिला—-राजकीट ।

(ग्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के मर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्परित के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर
 सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अभोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त अन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नन्स्यी

शोप न० 1, 2 ग्रीर 3 किसेट-ए बिल्डिंग में सी० एस० नं० 1010, बीर्ड नं० 15, सर्वे नं० 404/21 ग्रीर 404/28 रेस कीर्स राजकोट ।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक : 1--8-1984 मोहर

प्ररूप नाई.टी.एन.एस. ------

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-।, अहमदाबादं

अहमदाबाद, दिनांक 1 अगस्त 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 3107/23-1/84-85--अत: मुझे, जी० के० पंडया,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदवास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000∕- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० णॉप नं० 4 किसेट ए बिल्डिंग में, सं10 एस० नं० 1010, बार्ड नं० 15 सर्वे नं० 404/21 धीर 404/28 है तथा जो रेस कोर्स, राजकोट में स्थित है (ध्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ध्रौर पूर्ण रूप से बिणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फार्म 3755/28-12-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्स्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या बन्य झास्तियों का जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुकरक कों, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ु— (1) मेससं जे० इएस० कारपोरेणन 48, इन्द्रमारायन रोष्ट, सान्तामुज वेस्ट, वोम्बे—-54 ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कोकिला धीरजलाक्ष टक्कर 562, तक्षणिला सीसायटी राजकोट ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथंक्ति संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्स संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप : --

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपीप में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्यारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पब्दोकरण:--इसमी प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उत्कर्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मी परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय मी दिया गया ही।

मन्स्ची

णांप मं० 4, क्रिसेट 'ए' श्विल्डिंग में जिसका सी० एस० नं० 1010, वॉर्ड नं० 15, सर्वे नं० 404/21 श्रौर 404/28 है, रेसकोर्स राजकोट में स्थित है।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज.—1, अहमदायाद

दिनांकः : 1-8-81

मोहर .

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायूक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज---!, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 3 अगस्त 1984

निदेश स० पीं० आर० न० 3108/23–I/84–85–-अन मुझे, जीं० के० पडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० बिल्डिंग टी० पा० एस०-29 एफ० पी० 127, टेनामेट 3738 है। तथा जी जेपीयमं की० श्री० मीसायटी अकुर सीसायटी नजदाक नारनपुरा अहमदाबाद भे स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे श्रीर पूर्णस्था मे बिणित है), रिजस्ट्राक्ती अधिकारा के कार्यानय, अहमदाबाद मे रिजस्ट्र करण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, दिनाक 30-12-83. को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह निश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूर्यमान प्रतिफल से, एसे रूर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात स अधिक है और अतरक (अतरको) और अतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिकित उद्ववस्य से उक्त अन्तरण लिकित मे वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है .---

- (क) अंतरण से हुई किसी नाम की बाबत, उक्त नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कामी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (क्ष) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के निए,

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण शें, भें उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के बभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) सतीयबैंन मखनलाल बघारा भारतभूथन ताराचन्द बसारा 3, दोपाका सीसायटी णाहीयाग, अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रा पानापेन रनबछोडमाई पटेल कौणाकसाई बबाभाई पटेल ब० न० 37-38, जेर्बायर्स को० श्रो० सोसायटा (हरयार्क टेनामेट) श्रकुर सोसावटी नजदीक नारनपूरा, अहमदबाद-13 ।

(अन्तरितं⊦)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोड भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण भे प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अवधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति प्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्थाब्दीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों सीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गवा हैं।

नगत ची

बिल्डिंग जा जैकीयर्स कां अधीय सामायटी में स्थित है जिसका टीअपाअएसअ 29, एफअपाअ 127 बजन अ 37-38 है तथा रजिस्ट्रीकर्ता जिस्ट्रेगन नक 18578/30-12-83 है।

> जी० कें० पडया सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

दिनाक : 3~8~84

मोहर .

प्रकथ आहें. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 260 घ (1) च जनी। सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आगकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेज-/ अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 3 अगम्य 1984

निदेश म० पी० आए० न० 3109/23—1/84—85——अत मुझे, जी० के० पच्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार म्ल्य 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वाम करने का क्षारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन वाजार भृत्य 25,000/- रापये से अधिक है

ष्ट्रीर जिसकी स० विल्डिंग जोधपुर माम में सर्वे त० 255, 256, तिश्वकर्मा है। तथा जो विहार मोसायटी बगला त० 17 ए, अहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूचा में ग्रीर पूर्णम्य से विणित है), रिजस्ट्राक्ति अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधितियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनास 30~12~1983,

को प्वेंकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कस के स्थमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और स्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकित सपित्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हो और अतरक (अतरकी) और अतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पांशा गया सितिफल, निम्तिखित उस्वार्य से उक्त अन्तरण लिखित में कार्तिक स्प से कांश्रत गृष्टी किया गया है --

- (क्.) अन्तरण म हुइ कि.मी जाय की बाबत, उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दासित्व में कमी अपने या उजमे बचने में मृश्विधा कीना और दा
- (क) एसी किसी जाय या किसी अन या अन्य आस्तियों स्ते, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या अन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ जन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, हिल्पाने में भृतिका के किस

अतं जब, जकतं अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की ज्यधारा (1) के अधीन, निम्नलिस्टित व्यक्तियों, अर्थात —— (1) श्रा पान्ताताल चिमनलाल परिक गाधानगर

(अन्तरक्)

(2) था नटवरताल केणवलाल पटेल 17-ए, विष्किमा बिहार का० स्रोत मोसायटा सेटेलाइट गोड, जोधपुर अहमदाबाद ।

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की संबंधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकरें।

स्पव्यक्तिरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अन्स्ची

र्बिन्डिंग जोधपुर टेकरा पर स्थित है जिसका सर्वे न० 255, 256, विश्वकर्मा बिहार मोसायटा, 17-ए है तथा रिजस्ट्रीकर्ना रिजस्ट्रेशन न० 17864/30-12-83 है ।

> जे० के० पडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज—I,अहमदाबाद

दिनाक 3-8-1984 मोहर श्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आसकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--- I. अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 अगस्त 1984

निदेश सं० पी० आग्० न० 3110/23-I/84-85—अतः ममे, जी० के० पंष्ट्या,

कायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित शाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० वींजील में मकान मर्वे नं० 312/2, धनपाले ध्वर है। तथा जो को० ग्रो० सोमायटो बंगला न० 36 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्चा में ग्रीर पूर्ण हप से वर्णित है), रिजस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदावाद में रिजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 31-12-83 को पूर्वे कित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वे कर संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिका) और अंतरिती (जन्दितियाँ) के बीच एसे यन्तरण के लिए तय पाया गया विकल निम्नसिवित उद्यक्त से जनत अन्तरण निवित्त में भारतिक से में कालत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण सं धुर्ड किसी नाम की बाबस, उक्त निर्धानयम के नभीन कर दोने के जन्तरक के दामित्व में कभी करने वा उससे बचने में तृतिभा के लिए; नौर/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या किसी जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

मतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) ■ अधीन, निम्निचिस व्यक्तियों, अधीत् :---- (1) श्री हसमुखभाई नागजीभाई पटेल 36, घनपालेश्वर की० ग्री० सीमायटी गटवा, अ**हमदाबाद** ।

(अन्तरकः)

(2) श्री अतिलकुमार रमनभाई पटेल गांव--पलान, तालुका नदीयाद जिला--खेड़ा । नया पता--36, घनपालेण्वर को० ग्रो० सोसायटी, बटवा, बीजोल, अहमदाबाद ।

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सेबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकाँगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

ननुसुन्धी

विल्डिंग वीजोल में जिसका सर्वे नं० 312/2, 36 वनपालेख्वर को० ग्रो० सोसायटी तथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 18662/ 31-12-83 है ।

> जी० के० पंडया मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 3-8-1984

मोहर:

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक वायकर जायूक्त (निरक्षिण)
अर्जन रेज-I, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 3 अगस्त 1984

निदेण स० पी० आर न० 3111/23-1/84-85—अत सुझे, जी० के० पंडया.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संव वासनामें जमीन टीं विश्व एसंव 22 एफ विंव 359 हैं। तथा जो सर्वे नंव 408 पैकी एसंव पींव नंव 11, नन्द गोपी कींव श्रोव सोसायटी में स्थित हैं श्रौर इंडमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 359 है। तथा जो सर्वे नंव 4081 पैकी एसंव पींव नंव 11, नन्द गोपी कोंव ओंव सोसायटी में स्थित हैं और इंडमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विद्वात हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमवाबाद; रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 21-12-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उध्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उध्यमान प्रतिफल से, एसे श्रयमान प्रतिफल का पन्न्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्त-विक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया बा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए,

अतः अव, उन्त अभिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम, निम्नितिसित व्यक्तियों. अर्थात् :---- 34---226GI/83

(1) श्री मनुभाई शंधुगीरी गोस्वामी बंद नंद 12. सन्द गोपी गोसायटी, वासना, अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री डाकोरभाई घेलाभाई चंचाल 5, नन्द गोपी सोसायटी, बामडोर होटल के पीछे, वासना, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आ<u>री क्रस्के पूर्वोक्त सम्पत्तिः</u> के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त स्म्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माओप र---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पा सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्साक्षरी के पास लिखित में किये जा सकींगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

ननुजुची

वासना में जमीन जिसका टी० पी० एस० 22 एफ० पी० 359 सर्वे नं 2 408 एस० पी० 11 है तथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेगन नं० 17823/21-12-83 है ।

जी० के पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—^I, अहमदाबाव

दिनांक : 3-8-1984

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 अगस्म 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 3112/2०-I/84-85 अस: मुझे, जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विद्वाम करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित क्षाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० राजपुर हीरपुर में मिल्कत सर्वे नं० 290/2 है। तथा जो टी० पी० एस०--2, ए० पी० 144 अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाध में रिजस्ट्रीकर्रा अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 29-12-83

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूथमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृत्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चदेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी फिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अबः, उक्तं अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्तं अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधारत :—— (1) श्रीमती शान्तावेन शंकलचन्द पटेल उपेन्द्र शंकलचन्द पटेल 124, मकरीबाद, रायपुर, अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) प्रमुख धर्मलोक एपार्टमेंट ओनर्स एसोसिएंशन भैरवनाथ रोड, मनीनगर, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्णन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सें 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (श) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त सम्पति में हिनवद्धं किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्वद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों आहेर पद्दों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

मिल्कत जो टी० पी० एस०-2, सर्वे नं० 290/2, एफ० पी० 144,पर स्थित है तथा रिजस्ट्रीकर्ती रिजस्ट्रेशन नं० 18439/29-12-83 है ।

जी० के० पंडया सक्षम अधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 6-8-1984

मोहर :

अक्य आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, -1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 अगस्त 1980

निवेश सं० पी० आर० नं० 3113/23-1/84-85- अतः मुझे, जी० के० पंडया,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269--ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

और जिसकी सं० मिकल बड़वा में है। तथा जो सर्वे नं० 290 प्लाट 3-4, पैंकी 950 वर्ग यार्ड जमीन में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विंगत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाह्याद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 2-12-83,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथामूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की वाबत, उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तितयों. अर्थात् :--- (1) श्री लोकेन्द्र सिंह जी सम्प्रजीत सिंह जी गोहेल (एच० यू० एफ०) मंगल महल, भावनगर ।

(अन्तरक)

(2) ज्युबीली होस्टेल प्राइवेट लिमिटेड, एम्बेसी सेन्द्रे, नरीमान पोइन्ट, बम्बई---400023 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाद्रियों शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्पाक्षरी के पास लिखित में किये जा सकीं।

स्पष्टिकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अभूसूची

मिस्कत जो भावनगर बाडवा में स्थित है जिसका सर्वे नं० 290 पैकी 3-4 है तथा रिजस्ट्रीकर्ता रिजस्ट्रेगन नं० 3581/3-12-83 है ।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सा**ह्यक आम**कर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–I, अहमदाबाद

दिनांक : 6~8~1984

मोहर :

> भारा 269-म (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर बाय्क्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, विनांक 6 श्रगस्त 1984 निवेश सं० पी० श्रार्० मं० 3114/23-1/84-85----श्रत. मुझे, जी० के० पंडया,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृस्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं ं मिल्कत , टी ं पी ं एस ं 4, एफ ं पी ं नं 126 है। तथा जो सब-प्लाट नं 11, 1/2 बीन पहेंचयी किया शेर में स्थित है (श्रौर इससे उपाब ब अनुसूची में श्रौर पूर्णस्प से विक्वित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकर्रा श्रिवियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 28-12-83

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसत उष्दिश्य से उसत अन्तरण लिसित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वादित्व में कबी करने वा उक्क्षे व्यने में बृविधा के लिए; बौर/वा
- (त) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री रामसन्द्र हरीनारामन भट्ट गनेण गली, मनीनगर चार रास्ता, मनीनगर, ग्रहमदाबाद ।

(ब्रन्तरक)

(2) कलीद भ्रपार्टमेंट विकास मंडल, के/श्रो नरेशचन्द्र मनीलाल सरपीदास के० सरपीदास एण्ड कम्पनी, मानेक चौक श्रहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यग्राहिमां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निर्मित में किए जा सकेंगे।

स्पष्यीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विचा गया है।

जम्सूची

मिल्कत जो टी॰ पी॰ एस॰ 4, एफ॰ पी॰ नं॰ 126, सब-प्लोट नं॰ 11 पैकी 1/2 बीन पहेंचणी कीया रोड़ तथा रिजस्ट्री-कर्ता रिजस्ट्रीमन नं॰ 18260/28-12-83 है।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज–1, श्रहमदाबाव

दिनोक: 6-8-1984

मोहर:

प्रक्य बाह् ुटी. एन्. एस. - - - - -

नायकर मिशीनयम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--I, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, विनांक 6 ग्रगस्त 1984

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 3115/23—I/84—85—ग्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित आजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं बिल्डिंग शानदीय सोसायटी में है तथा जो थालंडी टी० पी० एम० 6 एफ० पी 222-223-8 श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से बिषत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ब्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण प्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 37 'जी' दिसम्बर, 1983 में मिला ।

को प्रबेधित सम्परित के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरोको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बोच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिक, उद्देष्य से उक्त बन्तरण सिचित में धास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुइ किसी आय की वावता, उनता अभिनियम के अभीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उससे अचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (श) ऐसी किसी बाय या किसी भन या बन्य बास्तियों कां, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्भ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना चाहिए था, डिजाने में सुविभा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण भे, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- भानुमतीबेन मझुबाई पटेल स्वार० बी० महेता रोड,
 कैला निवास,
 घाटकोपर (ईस्ट)
 बम्बई---77

(श्रम्सरक)

(2) सदगुनाबेन प्रवीनकुमार शाह खुशाल प्रवीनकुमार शाह श्राणिष प्रवीनकुमार शाह शानदीय सोसायटी, पालडी, श्रष्टमदाबाद — 7 ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी नशी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए आ सकींगे।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, बही वर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा गया इं।

अम्स्यो

विलंडिंग जो पालडी टी॰ पी॰ एस॰ 6 सर्वे नं॰ 254 एफ॰ पी॰ 222, 223-8, एफ॰ पी॰ नं॰ 4 पर स्थित है तथा रिजस्ट्री-कर्ता रिजस्ट्रेशन नं॰ 7304/16-5-83 37'जी' दिसम्बर, 1983 में मिला है ।

जी. के० पंडया मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

विनांबः : 6-8-198*

मोहर :

प्ररूप मार्ड. टी. एन. एस. -----

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाश्राद, दिनांक 8 श्रगस्त 1984

निदेश सं० पी० भ्रार० नं० 3116/23—I/84—85——श्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उपित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं शेंड नं 193, 194, 195, कंडली में स्थित है तथा जो फ्री ट्रेड जोन, गांधीधाम में स्थित है (श्रौर इससे उपावड़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, भृज (कच्छ) में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक दिसम्बर, 1983

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहें प्रतिखत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्योचयाँ से उक्त अन्तरण निचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के बायित्य में कभी कर्म या उससे बचने में सुविभा के निए; बार/या
- (था) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269 ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ः— (1) पोण्डस एक्स पौर्ट लिमिटेड 26, कमाण्डर-इन-चीफ रोड, मद्रास---600105।

(श्रन्तरक)

(2) पोण्डस (इण्डिया) लिमिटेड26, कमाण्डर-इन-चीफ रोड, मद्रास---600105

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्प्ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्पना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निमित में किए जा सकेंगे।

स्वस्तीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

णेड नं 193, 194, 195 जो कंडला फी ट्रेड जोन गाधीधाम में स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं 20/84 (एस० नं मद्रास सर्केल) 37 'जी' दिसम्बर 1983 में मिला।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

दिनांक : 8-8-1984

मोहर 🗈

प्ररूप आहर .टी. एन एस -----

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन संभाग

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 10 श्रगस्त 1984

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 3117/23-1/84-85---यत: मझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मिल्कत टी॰ पी० एस० 6 एफ० पी० 229 से 232, 236 है तथा जो एस० पी० नं० 7, महालक्ष्मी सोसायटी पालडी ग्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबछ ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीम, दिनांक 30-12-83,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलियित उद्देश्य से उक्त अंतरण निलित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबस उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के असरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सविधा के निए; और/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किसा गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने जे सविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलियित व्यक्तियों, अर्थातु :---- (1) श्री प्रवीनधन्द्र गोविन्दलाल पटेल त्रिम्ति पलैटस (डुप्लेस) इन्क्लाब सोसायटी के नजदीक गुलबाई टेकरा, श्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री वासुदेव रमनलाल महेश कुमार रमनलाल 'वासुकुंज' प्राशापुरी मंडरीके नजदीक, मावलपुर, एलीसक्रीज, ग्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शारत करता हो।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क)। इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंसे 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिल्कत जो टी॰ पी॰ एस॰ 6, एफ॰ पी॰ 229 में 232 श्रांर सब प्लाट नं॰ 7, महालक्ष्मी सोसायटी, पालडी, श्रहमदाबाद में स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं॰ 18535/30-12-1983 है।

जी० के० पदया सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–1, ग्रहमदाबाद

दिनांक : 10-8-1984

भोहर:

बरूप गाइ[‡]. टी. एन. एत.----

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के निधीन सुमना

भारत सरकार

कायिनिय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कलकना

कलकत्ता, दिनांक 13 श्रगस्त 1984

शायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त विधिनयम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से विधिक है

न्नौर जिसकी सं० है तथा जो दिनहाटा में स्थित है। न्नौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में न्नौर, पूर्णरूप से विणित है।, रिजिष्ट्रीकर्त्ता न्निधिकारी के कार्यालय कोचबिहार में, रिजिष्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन, विनोक 26 दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्स सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल, से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्निलिखित उद्बेच्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंश्वरण से हुई किसी बाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाम या जिसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए।

अतः मध, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के, बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नौतीवत व्यक्तियों, अधीत :--- (1) श्री सुरज सिंह, मद्दुल साहा, किरम सिंह

(श्रन्तर्क)

(2) श्री रामलाल, मतिलाल मारावगी।

(अन्सरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मूं प्रकादन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों।
- (ख)। इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसूची

जमीन-एक सिनेमा' कुठी, जमीन का साथ मकान । पता-मौजा तथा थाना-दिनहाटा, जिला-कोचबिहार दिलस मं० 1983 का 8751।

> णंकर के० ब्यानाजी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रैंज 4/कलकत्ता

तारीख: 13-8-1984

मोहर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 18th July 1984

No. A, 32013/1/83-Admn.II.—In continuation of this office Notification of even number dated 27th April, 1984, the Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri Pradeep Mehta, a permanent Engineer in the office of Union Public Service Commission as Senior Engineer (Group 'A') in the Commission's office on ad-hoc basis for a further period from 1-7-1984 to 31-7-1984 or until further orders whichever is earlier.

- 2. The said appointment of Shri Pradeep Mehta as Senior Engineer is consequent upon the approval of the Union Public Service Commission.
- 3. This appointment is purely on ad-hoc basis and will not confer upon him any title for regular appointment, seniority, etc., in the post.

The 19th July 1984

No A. 35014|2|80-Admr.II(i).—In continuation of this office notification of even number dated 18th June, 1984, the Secretary. Union Public Service Commission hereby appoints Shri M. P. Mathur. Junior Accounts Officer in the office of the Union Public Service Commission to officiate as Accounts Officer in the Commission's office on ad-hoc basis for a further period w.e.f. 16-7-1984 to 31-8-1984 or till the regular appointment is made whichever is earlier.

No. A 35014|2|80-Admn.H(ii),...In continuation of this office notification of even number dated the 18th June. 1984, the Secretary. Union Public Service Commission hereby appoints the following officers to the ex-cadre posts of Accounts Officers in the office of Union Public Service Commission on ad-hoc basis for a further period w.e f 16-7-1984 to 31-8-1984 or till the regular appointments are made whichever is earlier.

S. No, Name and Designation

- 1. Shri Sudarshan Kumar, Section Officer (CSS cadre)
- 2. Shri V. C. Kajla. Section Officers (CSS cadre)
- 3. Shri A. K. Sharma, Section Officer (CSS cadre)
- 2. The above mentioned officers will be on deputation to the ex-cadre posts of Accounts Officers and their pay will continue to be regulated in terms of the instruction contained in the Ministry of Flaance (Department of Expenditure O. M. No. F. 1(11)-E.III(B)|75 dated 7-11-1975 as amended from time to time.

The 28th July 1984

To. A-32013/2/84-Adm-I—In continuation of this office notification of even number dated 27-3-84 the President is pleased to appoint the following permanent Grade I of officers the CSS as Deputy Secretaries in the Office of the Union Public Service Commission on regular/ad-hoc basis as under :—

St. Name of officer

Date of appointment/period

- Shri B S. Jagopota
- (i) 5-4-84 to 1-5-84 on ad-hoc basis (ii) From 2-5-84 on regular basis.
- 2. Shri L.B. Sinate
- On ad-hoc basis for a period of three months w.e.f. 20-6-84 or until further orders, whichever is earlier.

M. P. JAIN

Under Secy. (* dmn)

Union Public Service Commission

New Delhi, the 31st July 1984

No. P. 1583 Admn.II.—Consequent upon his selection to the post of Assistant Editor in the Encyclopaedia of Indian Literature Unit of the Sahitya Akadami on foreign service terms and his acceptance to the said post, Sh. M. L. Varadpande, permanent Research Assistant (Language) and at prevent working as Research Officer on ad-hoc basis in the office of the Union Public Service Commission is hereby 35-225 GI/84

relieved of his duties in the Commission's office w.e.f. the afternoon of the 31st July, 1984.

Sh. Varadpande is hereby directed to report for duty to the Secretary, Sahitya Akademi, New Delhi.

SUHAS BANERIFE Under Secy. Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 4th August 1984

No. A 32014|1|82-Admn.II.—In continuation of this notification of even number dated 20th December, 1983, the Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints Shr. 3. Ramakrishnan, Senior Investigator, National Building Organisation to the post Junior Research Officer (Research of Analysis) in the Commission's office on transfer on deputation for a further period 3 months w.e.f. 11-7-1984 to 10-10-1984 or until further orders whichever is earlier.

- 2. This extension of the deputation period is with the aproval of Chairman, Union Public Service Commission as the Head of the Department.
- 3. The pay of Shri S. Ramakrishnan will continue to be regulated in accordance with the instructions contained in the Ministry of Finance (Deptt. of Expenditure) O.M. No. F. 1(11)-E.III(B)|75 dated 7-11-1975.

VIJAY BHALLA Section Officer (Admn. II) Union Public Service Commission

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 7th August 1984

No. 2 22 83-Admn.—In supersession of this Commission's Notification of even number dated 21st May, 1984, the Central Vigilance Commissioner bereby appoints Shri Brahm Dutt, a permanent Section Officer in the Central Vigilance Commission as Under Secretary in the Commission in an officiating capacity in the scale of pay of Rs. 1200-1600-with effect from the forenoon of 31st July, 1984, until further orders.

The 14th August 1984

No. 2|1|83-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri J. C. Kapoor, a permanent Assistant in the Central Vigilance Commission as Section Officer in any officiating capacity on ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650 (700)-1200|—with effect from 31-7-84 to 28-10-84 or until further orders, whichever is earlier.

K. L. MALHOTRA Under Secy. (Admn.) For Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 19th August 1984

No. A-19021|6|81-Ad.V.—The services of Shri P. K. B. Chakravorty. IPS (MH-1971) Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment, Gentral Bombay Branch on repatriation are placed at the disconstruction of Govt. of Maharashtra with effect from the afternoon of 2nd August, 1984.

No. A-19014|8184-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri B. R., Puri. Deputy Superintendent of Police|CBI, New Delhi as Super. of Police in the Central Bureau of Investigation on nurely ad-hoc basis for a period of six months with effect from the forenoon of 31st July, 1984 against vacancy falling in deputationist quota.

R. S. NAGPAL Administrative Officer (E) (B)

DIRECTORATE GENERAL

CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delbi-110003, the 27th July 1984

No. E-32015(4) |78|84-Pers.—President is pleased to appoint Shri S. N. L. Bhatnagar, on promotion as Assistant Comandant CISF Unit PTPP Parichha with effect from the forenoon of 23rd June 1984 on purely ad-hoc basis and temporary for a period of six months or till such time regular appointments are made, which ever is earlier.

The 13th August 1984

No. E-31013(2)|2|82-GA.I.—The President is pleased to promote Shri T. K. Choudhary to officiate in the rank of Assistant Commandant on regular basis with effect from the Forenoon on 11 October, 1983.

No. E-31013(2) |6 |84-GA,I.—The President is pleased to promote the following officers (Assistant Commandants—(ad-hoc) to officiate in the rank of Assistant Commandant on regular basis with effect from 28-7-1984, without prejudice to the claim of other Assistant Commandants—ad-hoc Inspectors (Executive), whose orders of regularisation promotion to the rank of Assistant Commandant are being issued separately. Orders regarding inter-se seniority of these officers will be issued in due course.

- 1. Shri Kashmir Singh
- 2. Shri R. C. Sharma
- 3. Shri C. S. Salni
- 4. Shri Sudarshan Singh Pathanja
- 5. Shri M. K. Roy
- 6. Shrl B. K. Jha
- 7. Shri M. G. Dass
- 8. Shri A. V. Nambudaripad
- 9. Shri J. M. Pillai
- 10. Shrl R. N. Banerjee
- 11. Şhri J. K. Pahari
- 12. Shri Risal Singh
- 13. Shri A. Palaniappan
- 14. Shri A. K. Ghosh
- 15. Shri M. C. Biswas
- 16. Shri S. C. Roy
- 17. Shri S. L. Nagarkar
- 18. Shri D. K. Patil
- 19. Shri Bal Kishan
- 20. Shri K. K. Singh
- 21. Shri Samuel Sampson
- 22. Shri A. S. Shekhavat
- 23. Shri Ishwar Singh
- 24. Shii Vinai Singh
- 25. Shri G. H. Swamy
- 26. Shri Unnithan Chandran
- 27. Shri G. S. Reen
- 28. Shri S. C. Mehra
- 29. Shri R. P. Chadha
- 30. Shri N. K. Talwar
- 31. Shri J Ouseph
- 32 Shri D. S. Lamba
- 33 Shri J P, Thakur
- 34. Shri Sital Singh
- 35. Shri M. L. Grover
- 36. Shri V. B. Rao Magadum
- 37. Shri K. P. Dinakaran
- 38. Shri Uttam Singh
- 39. Shri N. R. Rao

- 40. Shri-S. -R. Dob
- 41. Shri P. Chandhary
- 42. Shri N. K. Banerjee
- 43. Shri S. K. Mondal
- 44. Shri I. R. Uppal
- 45. Shri S. K. Dutta
- 46. Shri S. K. Pal
- 47. Shri Y. P. S. Baliyan
- 48. Shri R. B. Sharma
- 49. Shri Bairagi Rom
- 50. Shri D. B. Raj

The 16th August 1984

No. E-16013(2) [1]78-Pers.—Consequent upon his repatriation to State Cadre, Shri R. B. Sreekumar, IPS (Guj: 71) relinquished charge of the post of Commandant CISF Unit VSSC Thumba with effect from the forenoon of 3rd July 1984.

No. E-32015(4) | 75 | 84-Pers.—President is pleased to appoint Shri Y. P. S. Balyan, on promotion as Assistant Commandant CISF Unit Bank Note Press, Dewas with effect from the forenoon of 14th July 1984 on purely ad-hoc basis and temporary for a period of six months or till such time regular appointments are made, which, ever is earlier.

S. ANANDARAM Director General CISF

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA New Delhi, the 21st August 1984

No. 10|35|81-Ad.I.—The President is pleased to appoint, by promotion, Dr. R. R. Tripathi, Map Officer in the office of the Registrar General, India, New Delhi as Assistant Registrar General (Map) in the same office, on a regular basis, in temporary capacity, with effect from the forenoon of the 23rd July, 1984, until further orders.

2. The headquarters of Dr. Tripathi will be at New Delhi.

No. 10/26/83-Ad. I—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, the Resident is pleased to appoint, by promotion, the undermentioned Investigators who are at present working as indicated against their names, to the post of Assistant Director, of Consus, Operations (Technical) on a regular basis, in temporary capacity, with effect from the forenoon of the 24th July, 1984, until further orders:—

S. Name of Officer No.	Present design and office in which working			
S/Shri				
1. A.V. Vallinathan	Assistant Director (DE) (On deputation, ad-hoc basis') Director of Census Operations, Tamil Nadu, Madras,			
2. S.S. Bahri	Assistant Director of Census Operations (Technical) (Ad-hoc) Q/O the Registrar General, India, New Delhi.			
3. M.N. Sarkar .	. Assistant Director of Census Operations (Technical)			
	(Ad-hoc), Director of Census Operations, West Bengal, Calcutta.			

V. S. VERMA,

Registrar General, India

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 18th August 1984

No. Admn.I/O.O. No. 192.—Consequent on his attaining the ago of superanuation, Shri R. N. Sharma a permanent Audit Officer of this office will be retiring from the service

of the Government of India with effect from the after of 31-8-1984. His date of birth is 1st September, 1926.	SI. Name of A. A. Os. Date of joint of
Deputy Director of Audit (Adi	DES
 OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUI	20. T.S. Prakash Rao 1-3-1984 (21. B.N. Murty
KERALA	22. J.M. Mein
Trivandrum, the 13th August 1984	24. B.S. Narayana Do.
No. A.G. Audit Entt & Cash 1 10-3 84-85The folio	25. M. Bhaskar Rao Do. wing 26. K. Natarajan
Audit Officers of the Office of the Accountant Ge Audit) Kerala retired from service on superannibilation	neral 27. M. M. Swamy
he dates mentioned against each.	on 28. B.M. Das
(1) Shri P. Madhavan Nair 31-7-1984	AN 30. R.A.R. Sharma Do.
(2) Shri A. Chandrasekharan 31-7-1984	31. M. Ramana Rao Do
Shrl T. L. Varky, Audit Officer retired voluntarily	from 33. S. Bhattacharya Do.
Bovernment service on 1-7-1984 F.N.	34. K.D. Mandal Do. 35. S.S Debprukayast Do.
V. LAKSHMINARAYAN	NAN 36, S. Ch. Das Do
Accountant Ger	57. R.C. Mananty
	38. B.C. Misra ,
	40. P. Ananta Rao Do.
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUI	DIT) 41. P.C. Dash
orts5a	43. K. Raja Rao-I
Bhubaneswar, the 30th May 1984	44. K. Raja Rao-II Do
	45. J.N. Panigrahi
No. Admn-I(Au)-17-2-1- (P&T) 1186.—The Accoun- general (Audit) Orissa, Bhubaneswar has been please	tant 47. K. Mukunda Rao Do.
romote the Section Officers (Audit) as per enclosure	48. N.S. Prakash Rao Do.
fficiate as Asstt. Audit Officer in the scale of Rs. 65	0-30- 50. J. Rama Rao Do.
40-35-880-EB-40-1040 in Group 'B' of General Ce sprices with effect from the dates noted against each	until 31. A.K. Ivanda
orther orders.	52. S. Raghava Rao
	53. R. K. Singh
	53. R. K. Singh
ANNEYURE	53. R. K. Singh
ANNEXURE	53. R. K. Singh
LIST OF SECTION OFFICERS (AUDIT) PROMOTED	53. R. K. Singh D6. 54. S. Bhubanswar Rao D6. 55. R.S. Dash D6. 56. S. Patnaik D6. 57. T.V. Rama Swamy D5. 58. U. Padhi D6. TO 59. K.C. Acharya D6.
· 	53. R. K. Singh Do. 54. S. Bhubanswar Rao Do. 55. R.S. Dash Do. 56. S. Patnaik Do. 57. T.V. Rama Swamy Do. 58. U. Padhi Do. 59. K.C. Acharya Do. 60. P. Dash Do. 61. G. Mahapatra Do.
LIST OF SECTION OFFICERS (AUDIT) PROMOTED OFFICIATE AS ASSISTANT AUDIT OFFICERS. SI. Name of A.A.Os. Date of	53. R. K. Singh 54. S. Bhubanswar Rao 55. R.S. Dash 56. S. Patnaik 57. T.V. Rama Swamy 58. U. Padhi TO 59. K.C. Acharya 60. P. Dash 61. G. Mahapatra 62. B.M. Tripathy Do. Do. Do. Do. Do. Do. Do. Do
OFFICIATE AS ASSISTANT AUDIT OFFICERS. SI. Name of A.A.Os. Date of joining on	53. R. K. Singh 54. S. Bhubanswar Rao 55. R.S. Dash 56. S. Patnaik 57. T.V. Rama Swamy 58. U. Padhi TO 59. K.C. Acharya 60. P. Dash 61. G. Mahapatra 62. B.M. Tripathy 10. 63. A. Ray Do. 50. 50. 50. 50. 50. 50. 50. 5
LIST OF SECTION OFFICERS (AUDIT) PROMOTED OFFICIATE AS ASSISTANT AUDIT OFFICERS. SI. Name of A.A.Os. Date of joining on promotion	53. R. K. Singh 54. S. Bhubanswar Rao 55. R.S. Dash Do. 55. R.S. Dash Do. 56. S. Patnaik Do. 57. T.V. Rama Swamy Do. 58. U. Padhi Do; 60. P. Dash Do. 61. G. Mahapatra Do. 62. B.M. Tripathy Do. 63. A. Ray Do. 64. V.V.R.J. Rao Do.
OFFICIATE AS ASSISTANT AUDIT OFFICERS. SI. Name of A.A.Os. Date of joining on	53. R. K. Singh 54. S. Bhubanswar Rao 55. R.S. Dash 56. S. Patnaik 57. T.V. Rama Swamy 58. U. Padhi TO 59. K.C. Acharya 60. P. Dash 61. G. Mahapatra 62. B.M. Tripathy 10. 63. A. Ray Do. 50. 50. 50. 50. 50. 50. 50. 5
CIST OF SECTION OFFICERS (AUDIT) PROMOTED OFFICIATE AS ASSISTANT AUDIT OFFICERS. SI. Name of A.A.Os. Date of joining on promotion	53. R. K. Singh 54. S. Bhubanswar Rao 55. R.S. Dash 56. S. Patnaik 57. T.V. Rama Swamy 58. U. Padhi 59. K.C. Acharya 60. P. Dash 61. G. Mahapatra 62. B.M. Tripathy 63. A. Ray 64. V.V.R.J. Rao 65. R.B. Lal 66. B.B. Dash 67. A. K. Dash Do. 67. A. K. Dash Do. 68. B. Singh Do. 69. 69. 69. 69. 69. 69. 69. 69. 69. 69
OFFICIATE AS ASSISTANT AUDIT OFFICERS. Sl. Name of A.A.Os. Date of joining on promotion S/Shri	53. R. K. Singh 54. S. Bhubanswar Rao 55. R.S. Dash Do. 55. R.S. Dash Do. 56. S. Patnalk Do. 57. T.V. Rama Swamy Do. 58. U. Padhi Do. 60. P. Dash Do. 61. G. Mahapatra Do. 62. B.M. Tripathy Do. 63. A. Ray Do. 64. V.V.R.J. Rao Do. 65. R.B. Lal Do. 66. B.B. Dash Do. 67. A. K. Dash Do. 68. S.V. Raju Do.
LIST OF SECTION OFFICERS (AUDIT) PROMOTED OFFICIATE AS ASSISTANT AUDIT OFFICERS. Sl. Name of A.A.Os. Date of joining on promotion S/Shri 1. K.C. Patjoshi 1-3-198	53. R. K. Singh 54. S. Bhubanswar Rao 55. R.S. Dash Do. 55. R.S. Dash Do. 56. S. Patnaik Do. 57. T.V. Rama Swamy Do. 58. U. Padhi Do. 60. P. Dash Do. 61. G. Mahapatra Do. 62. B.M. Tripathy Do. 63. A. Ray Do. 64. V.V.R.J. Rao Do. 65. R.B. Lal Do. 66. B.B. Dash Do. 66. B.B. Dash Do. 67. A. K. Dash Do. 68. S.V. Raju Do. 69. N.G. Maitra Do.
LIST OF SECTION OFFICERS (AUDIT) PROMOTED OFFICIATE AS ASSISTANT AUDIT OFFICERS. Sl. Name of A.A.Os. Date of joining on promotion S/Shri 1. K.C. Patjoshi 1-3-198 2. M.A. Ahad Do.	53. R. K. Singh 54. S. Bhubanswar Rao 55. R.S. Dash Do. 55. R.S. Dash Do. 56. S. Patnaik Do. 57. T.V. Rama Swamy Do. 58. U. Padhi Do. 60. P. Dash Do. 61. G. Mahapatra Do. 62. B.M. Tripathy Do. 63. A. Ray Do. 64. V.V.R.J. Rao Do. 65. R.B. Lal Do. 66. B.B. Dash Do. 66. B.B. Dash Do. 67. A. K. Dash Do. 68. S.V. Raju Do. 69. N.G. Maîtra Do. 70. L.M. Panda Do.
LIST OF SECTION OFFICERS (AUDIT) PROMOTED OFFICIATE AS ASSISTANT-AUDIT OFFICERS. SI. Name of A.A.Os. Date of joining on promotion S/Shri 1. K.C. Patjoshi 1-3-198 2. M.A. Ahad Do. 3. S.S. Prakash Rao Do. 4. M.N. Kashinath Do.	53. R. K. Singh Do. 54. S. Bhubanswar Rao Do. 55. R.S. Dash Do. 56. S. Patnaik Do. 57. T.V. Rama Swamy Do. 58. U. Padhi Do. 60. P. Dash Do. 61. G. Mahapatra Do. 62. B.M. Tripathy Do. 63. A. Ray Do. 64. V.V.R.J. Rao Do. 65. R.B. Lal Do. 66. B.B. Dash Bo. 68. S.V. Raju Do. 69. N.G. Maitra Do. 70. L.M. Panda Do. 71. S.K. Mahanty Do.
Date of joining on profitoin Date of joining on profitoin	53. R. K. Singh 54. S. Bhubanswar Rao 55. R.S. Dash Do. 55. R.S. Dash Do. 56. S. Patnaik Do. 57. T.V. Rama Swamy Do. 58. U. Padhi Do. 60. P. Dash Do. 61. G. Mahapatra Do. 62. B.M. Tripathy Do. 63. A. Ray Do. 64. V.V.R.J. Rao Do. 65. R.B. Lal Do. 66. B.B. Dash Do. 66. B.B. Dash Do. 67. A. K. Dash Do. 68. S.V. Raju Do. 69. N.G. Maîtra Do. 70. L.M. Panda Do.
Date of joining on promotion	53. R. K. Singh 54. S. Bhubanswar Rao 55. R.S. Dash 56. S. Patnaik 57. T.V. Rama Swamy 59. K.C. Acharya 60. P. Dash 61. G. Mahapatra 62. B.M. Tripathy 64. V.V.R.J. Rao 65. R.B. Lal 66. B.B. Dash 67. A. K. Dash 68. S.V. Raju 69. N.G. Maitra 70. L.M. Panda 71. S.K. Mahanty 72. K.C. Dey 73. D.N. Das 74. N. Desh-li 55. R.S. L.D. 56. S.B. Lal 57. Do. 77. Do. 77. C. C. Do. 77. Do.
Date of joining on promotion	53. R. K. Singh 54. S. Bhubanswar Rao 55. R.S. Dash 56. S. Patnaik 57. T.V. Rama Swamy 59. K.C. Acharya 60. P. Dash 61. G. Mahapatra 62. B.M. Tripathy 63. A. Ray 64. V.V.R.J. Rao 65. R.B. Lal 66. B.B. Dash 67. A. K. Dash 68. S.V. Raju 69. N.G. Maitra 70. L.M. Panda 70. L.M. Panda 71. S.K. Mahanty 72. K.C. Dey 73. D.N. Das 74. N. Desh-li 75. C.K. Murty 70.
Date of joining on promotion	53. R. K. Singh 54. S. Bhubanswar Rao 55. R.S. Dash 56. S. Patnaik 57. T.V. Rama Swamy 59. K.C. Acharya 60. P. Dash 61. G. Mahapatra 62. B.M. Tripathy 64. V.V.R.J. Rao 65. R.B. Lal 66. B.B. Dash 67. A. K. Dash 68. S.V. Raju 69. N.G. Maitra 70. L.M. Panda 71. S.K. Mahanty 72. K.C. Dey 73. D.N. Das 74. N. Desh-li 75. C.K. Murty 76. K.C. Sahoo Do. Do. Do. Do. Do. Do. Do. Do. Do.
Date of joining on promotion	53. R. K. Singh 54. S. Bhubanswar Rao 55. R.S. Dash 56. S. Patnaik 57. T.V. Rama Swamy 58. U. Padhi 59. K.C. Acharya 60. P. Dash 61. G. Mahapatra 62. B.M. Tripathy 63. A. Ray 64. V.V.R.J. Rao 65. R.B. Lal 66. B.B. Dash 67. A. K. Dash 68. S.V. Raju 69. N.G. Maitra 70. L.M. Panda 71. S.K. Mahanty 72. K.C. Dey 73. D.N. Das 74. N. Desh-li 75. C.K. Murty 76. K.C. Sahoo 77. B. Pradhan Do.
Date of joining on promotion	53. R. K. Singh Do. 54. S. Bhubanswar Rao Do. 55. R.S. Dash Do. 56. S. Patnaik Do. 57. T.V. Rama Swamy Do. 58. U. Padhi Do. 60. P. Dash Do. 61. G. Mahapatra Do. 62. B.M. Tripathy Do. 63. A. Ray Do. 64. V.V.R.J. Rao Do. 65. R.B. Lal Do. 66. B.B. Dash Bo. 67. A. K. Dash Do. 68. S.V. Raju Do. 69. N.G. Maîtra Do. 70. L.M. Panda Do. 71. S.K. Mahanty Do. 72. K.C. Doy Do. 73. D.N. Das Do. 74. N. Desh-li Do. 75. C.K. Murty Do. 76. K.C. Sahoo Do. 77. B. Pradhan Do. 78. B. Mohanty Do. 79. S. K.H. Rahman Do.
Date of joining on profitoling	53. R. K. Singh Do. 54. S. Bhubanswar Rao Do. 55. R.S. Dash Do. 56. S. Patnaik Do. 57. T.V. Rama Swamy Do. 58. U. Padhi Do. 60. P. Dash Do. 61. G. Mahapatra Do. 62. B.M. Tripathy Do. 63. A. Ray Do. 64. V.V.R.J. Rao Do. 65. R.B. Lal Do. 66. B.B. Dash Bo. 68. S.V. Raju Do. 69. N.G. Maitra Do. 70. L.M. Panda Do. 71. S.K. Mahanty Do. 72. K.C. Doy Do. 73. D.N. Das Do. 74. N. Desh-li Do. 75. C.K. Murty Do. 76. K.C. Sahoo Do. 77. B. Pradhan Do. 79. S.K.H. Ranman Do. 80. A. Mohanty Do.
Date of joining or promotion	53. R. K. Singh Do. 54. S. Bhubanswar Rao Do. 55. R.S. Dash Do. 56. S. Patnaik Do. 57. T.V. Rama Swamy Do. 58. U. Padhi Do. 60. P. Dash Do. 61. G. Mahapatra Do. 62. B.M. Tripathy Do. 63. A. Ray Do. 64. V.V.R.J. Rao Do. 65. R.B. Lal Do. 66. B.B. Dash Bo. 67. A. K. Dash Do. 68. S.V. Raju Do. 69. N.G. Maîtra Do. 70. L.M. Panda Do. 71. S.K. Mahanty Do. 72. K.C. Doy Do. 73. D.N. Das Do. 74. N. Desh-li Do. 75. C.K. Murty Do. 76. K.C. Sahoo Do. 77. B. Pradhan Do. 78. B. Mohanty Do. 79. S. K.H. Rahman Do.
Date of joining on promoted of promoted of A.A.Os. Date of joining on promoted of prom	53. R. K. Singh Do. 54. S. Bhubanswar Rao Do. 55. R.S. Dash Do. 56. S. Patnaik Do. 57. T.V. Rama Swamy Do. 58. U. Padhi Do. 60. P. Dash Do. 61. G. Mahapatra Do. 62. B.M. Tripathy Do. 63. A. Ray Do. 64. V.V.R.J. Rao Do. 65. R.B. Lal Do. 66. B.B. Dash Bo. 68. S.V. Raju Do. 69. N.G. Maîtra Do. 70. L.M. Panda Do. 71. S.K. C. Dey Do. 72. K.C. Dey Do. 73. D.N. Das Do. 74. N. Desh-li Do. 75. C.K. Murty Do. 76. K.C. Sahoo Do. 77. B. Pradhan Do. 78. B. Mohanty Do. 79. S.K.H. Rahman Do. 80. A. Mohanty Do. 81. P. K. Rao Naidu Do. 82. D. Puhan Do. 83. M. Panda Do.
Date of joining on promoted of promoted of A.A.Os. Date of joining on promoted of prom	53. R. K. Singh 54. S. Bhubanswar Rao 55. R.S. Dash 56. S. Patnaik 57. T.V. Rama Swamy 58. U. Padhi 59. K.C. Acharya 60. P. Dash 61. G. Mahapatra 62. B.M. Tripathy 63. A. Ray 64. V.V.R.J. Rao 65. R.B. Lal 66. B.B. Dash 67. A. K. Dash 68. S.V. Raju 69. N.G. Maitra 70. L.M. Panda 71. S.K. Mahanty 72. K.C. Dey 73. D.N. Das 74. N. Desh-li 75. C.K. Murty 76. K.C. Sahoo 77. B. Pradhan 78. B. Mohanty 79. S.K.H. Rahman 70. Raju 70. Raju 70. C. Sahoo 71. B. Pradhan 72. R.C. Sahoo 73. D.N. Das 74. N. Desh-li 75. C.K. Murty 76. K.C. Sahoo 77. B. Pradhan 78. B. Mohanty 79. S.K.H. Rahman 79. S.
LIST OF SECTION OFFICERS (AUDIT) PROMOTED OFFICIATE AS ASSISTANT AUDIT OFFICERS. SI. Name of A.A.Os. Date of joining on profinotion S/Shri 1. K.C. Patjoshi 1-3-198 2. M.A. Ahad De. 3. S.S. Prakash Rao Do. 4. M.N. Kashinath Do. 5. M.C. Dey Do. 6. V.V. Rama Rao Do. 7. D. Suryanarayan Do. 8. M.S.N. Murty Do. 9. N. Suryanarayan Do. 10. P.C. Samanata Do. 11. H. Khemka Do. 12. A.K. Mukherjee Do. 13. G.S.N. Murty Do. 14. N. P. Patra Do. 15. S.K.C. Sahu Do.	53. R. K. Singh Do. 54. S. Bhubanswar Rao Do. 55. R.S. Dash Do. 56. S. Patnaik Do. 57. T.V. Rama Swamy Do. 58. U. Padhi Do. 60. P. Dash Do. 61. G. Mahapatra Do. 62. B.M. Tripathy Do. 63. A. Ray Do. 64. V.V.R.J. Rao Do. 65. R.B. Lal Do. 66. B.B. Dash Bo. 68. S.V. Raju Do. 69. N.G. Maîtra Do. 70. L.M. Panda Do. 71. S.K. C. Dey Do. 72. K.C. Dey Do. 73. D.N. Das Do. 74. N. Desh-li Do. 75. C.K. Murty Do. 76. K.C. Sahoo Do. 77. B. Pradhan Do. 78. B. Mohanty Do. 79. S.K.H. Rahman Do. 80. A. Mohanty Do. 81. P. K. Rao Naidu Do. 82. D. Puhan Do. 83. M. Panda Do.
Date of joining on promoted of A.A.Os. Date of joining on promoted of A.A.Os. Date of joining on promotion	53. R. K. Singh 54. S. Bhubanswar Rao 55. R.S. Dash 56. S. Patnaik 57. T.V. Rama Swamy 58. U. Padhi 59. K.C. Acharya 60. P. Dash 61. G. Mahapatra 62. B.M. Tripathy 63. A. Ray 64. V.V.R.J. Rao 65. R.B. Lal 66. B.B. Dash 67. A. K. Dash 68. S.V. Raju 69. N.G. Maitra 70. L.M. Panda 70. L.M. Panda 70. L.M. Panda 70. L.M. Panda 70. R.C. Dey 71. S.K. Mahanty 72. K.C. Dey 73. D.N. Das 74. N. Desh-li 75. C.K. Murty 76. K.C. Sahoo 77. B. Pradhan 78. B. Mohanty 79. S.K.H. Rahman 79. S.K.H. Rahman 79. S.K.H. Rahman 700. Raju 701. S.K. Mahanty 702. Raju 703. D.N. Das 74. N. Desh-li 75. C.K. Sahoo 76. K.C. Sahoo 77. B. Pradhan 78. B. Mohanty 79. S.K.H. Rahman 79. S.
LIST OF SECTION OFFICERS (AUDIT) PROMOTED OFFICIATE AS ASSISTANT AUDIT OFFICERS. SI. Name of A.A.Os. Date of joining on profinotion S/Shri 1. K.C. Patjoshi 1-3-198 2. M.A. Ahad De. 3. S.S. Prakash Rao Do. 4. M.N. Kashinath Do. 5. M.C. Dey Do. 6. V.V. Rama Rao Do. 7. D. Suryanarayan Do. 8. M.S.N. Murty Do. 9. N. Suryanarayan Do. 10. P.C. Samanata Do. 11. H. Khemka Do. 12. A.K. Mukherjec Do. 13. G.S.N. Murty Do. 14. N. P. Patra Do. 15. S.K.C. Sahu Do. 16. R.K. Das Do. 17. B.S. Sastry Do.	53. R. K. Singh 54. S. Bhubanswar Rao 55. R.S. Dash Do. 56. S. Patnaik Do. 57. T.V. Rama Swamy Do. 58. U. Padhi Do. 60. P. Dash Do. 61. G. Mahapatra Do. 62. B.M. Tripathy Do. 64. V.V.R.J. Rao Do. 65. R.B. Lal Do. 66. B.B. Dash Do. 68. S.V. Raju Do. 69. N.G. Maitra Do. 69. N.G. Maitra Do. 70. L.M. Panda Do. 71. S.K. Mahanty Do. 72. K.C. Doy Do. 73. D.N. Das Do. 74. N. Desh-II Do. 75. C.K. Murty Do. 76. K.C. Sahoo Do. 77. B. Pradhan Do. 78. B. Mohanty Do. 80. A. Mohanty Do. 81. P. K. Rao Naidu Do. 82. D. Puhan Do. 83. M. Panda Do. 84. G.N. Mohapatra Do. 85. J.B. Basu Do. 86. MSarwar Do. 87. P. K. Bhutia Do. 88. S.C. Misra Do. 88. S.C. Misra Do. 88. S.C. Misra Do. 88. S.C. Misra
LIST OF SECTION OFFICERS (AUDIT) PROMOTED OFFICIATE AS ASSISTANT AUDIT OFFICERS. SI. Name of A.A.Os. Date of joining on promotion S/Shri 1. K.C. Patjoshi 1-3-198 2. M.A. Ahad De. 3. S.S. Prakash Rao Do. 4. M.N. Kashinath Do. 5. M.C. Dey Do. 6. V.V. Rama Rao Do. 7. D. Suryanarayan Do. 8. M.S.N. Murty Do. 9. N. Suryanarayan Do. 10. P.C. Samanata Do. 11. H. Khemka Do. 12. A.K. Mukherjee Do. 13. G.S.N. Murty Do. 14. N. P. Patra Do. 15. S.K.C. Sahu Do. 16. R.K. Das Do.	53. R. K. Singh 54. S. Bhubanswar Rao 55. R.S. Dash 56. S. Patnaik 57. T.V. Rama Swamy 58. U. Padhi 59. K.C. Acharya 60. P. Dash 61. G. Mahapatra 62. B.M. Tripathy 63. A. Ray 64. V.V.R.J. Rao 65. R.B. Lal 66. B.B. Dash 67. A. K. Dash 68. S.V. Raju 69. N.G. Maitra 70. L.M. Panda 70. L.M. Panda 70. L.M. Panda 70. L.M. Panda 70. R.C. Dey 71. S.K. Mahanty 72. K.C. Dey 73. D.N. Das 74. N. Desh-li 75. C.K. Murty 76. K.C. Sahoo 77. B. Pradhan 78. B. Mohanty 79. S.K.H. Rahman 79. S.K.H. Rahman 79. S.K.H. Rahman 700. Raju 701. S.K. Mahanty 702. Raju 703. D.N. Das 74. N. Desh-li 75. C.K. Sahoo 76. K.C. Sahoo 77. B. Pradhan 78. B. Mohanty 79. S.K.H. Rahman 79. S.

Name of A.A.Os.	Date of joining on promotion	Sl. Name of A.A.Oa. Date of dol No. on prom	
S/Shri		159. Chakradhar Boral 1-3-84 ((P.N.)
2. B.K. Chowdhury	1-3-84	160. J. Vithal Rao Do	
3. M. Kameswar Rao-II	Do.		
24. A. K. Roy	. Do.	161. Md. Samshul Haq Do	
95. K.C. Nandi	<u>D</u> o.	162. K.S. Rao Do	
96. B.C. Patnalk	D o.	163. Braja Kishore Das Do	
97. B. Hota 98. K. Prabhakar Rao	. , <u>D</u> o.	164. Sashi Sekhar Mohatra Do	
99. J.N. Das	. Do Do.	165. Radha Krishna Wattusik * De),
00. G.C. Mohapatra	Do.	166. G. Narayana Sastri Do	·.
01. S.K. Das	Do.	167. Prabir Kumar Sahu Do	١.
02. J.T. Rao	Do.	168. Baishnah Mohanty 11-4	-84
03. S.K. Mohanty	Do.	169. Kali Charan Watnaik 1-5-	84
14. S. Bhagirathi	Do .	170. Duryadhan Sahu 1-5-	94
05. R. Champati	. <u>D</u> ø.	171 ₆ S.C., Rame,	84:
or, A.C. Behera	. <u>Do</u> .		
08. G.A. Sitaramalah	. Do.		
09. M. Kameswar Rao-I	. Do.	No. Admy I (Ap) 17.2 1/(D&T)/1197 The Acc	-auntai
10. S. Mohanty	Do Do.	No. Admu-I (Au)-17-2-1 (P&T) 1187.—The Acc General has been pleased to promote the Section	Office
11. R.C. Jona	Do.	(Audit) as per annexure who are working out of t	
12. B.C. Das	Do.	lar line on deputation Foreign Service to officiate	
13. B.C. Mandal	. Do.	tant Audit Officer in Group 'B' of General Central	Serva
14. N.N. Das	Do .	in the scale of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-104	/0 uzw
15. A.K. Das-I	<u>D</u> o,	next Below Rule with effect from 1-3-1984 until	furt
le. L. K. Panda	<u>D</u> o.	orders.	
17. N. Sahoo	<u>D</u> o.		
18. M.S. Sutar 19. J.V. Krishna Rao	. <u>D</u> o.	ANNEXURE	
20. J. Mahapatra	. Do. Do.		
21. N. Bala	•	List of Section Officers (Audit), who have got p	profor
22. R. Paramanik	. Do, Do.	promotion N.B.R. with effect from 1-3-84.	
23. R.K. Sahoo	. Do.	C Ma Maura	
24. N. Rout	Do.	S. No. Name	
25. A. Saho	. D o.	S Shri	
26. B. Chakravarty	Do.	1. S. Ch. Mukheriee	
27. M. Ananda Rao	. Do.	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	
28. G.N. Murty-II	<u>D</u> o.	2. A. S. N. Murthy,	
29. K.C. Mohapatra 30. B.B. Patnaik	Do.	3. R. K. Roy	
31. H. K. Swain	Do.	4. S. K. Roychowdhury	
32. M. Krishna Murty	. Do.	5. S. M. Das	
33. T. Nageswar Rao	- •-	6. Chandra Mohan Patnaik	
34. R. P. Sarker	Do.	7. B. K. Das Gupta	
	Do.	8. Saroj Kr. Bhattacharya	
35. Y.V.R. Patra	3-4-84	9. A. K. Sengupta	
36. A.K. Pal	. 19-3-84 (F.N.)	10. Paramananda Rath	
37. A.V. Narasimham	31-3-84 (A.N.)	11. Sarat Sudhakar Patnaik	
38. B. Sanyasi Rao	31-3-84 (A.N.)		
39. D. Chattogadhya	2-4-84 (F.N.)	12. M. Satyabarayana	
40. S.B. Bebera	31-3-84 (A.N.)	13. V. B. Raju	
41. A.K. Mohanty	31-3-84 (A.N.)	14. K. V. S. S. P. Rao	
42. A.K. Sengupta	. 31-3-84 (A.N.)	15. L. R. Sastry	
43. V. Satyanarayana-II	2-4-84 (F.N.)	16. P. Appa Rao	
44. Bansidhar Naik	1-3-84	17. K. S. R. Murthy Patnaik	
45. Biswanath Ghosh		18. B. J. Ganguly	
46. S. Sudarsan Rao	<u>D</u> o.	19. Md. Elias Khan	
•	· . <u>P</u> o.	20, D. S. Sastry	
47. V.V. Ramana Rao	Do.	21. V. Vithal Rao	
48. P.C. Moitra	Do.	22. N. C. Biswal	
49. N. K. Behera	Do.	23. Satya Prasad Mukherjee	
50. C.S.P. Rao	Do.	24. Charu Charan Mohanty	
51. G. S. C. Bose	$\mathbf{D_0}$.	25. Virendra Kr. Pal	
52. K.R.K. Sastry		26. Sanjit Kumar Bhattacharya	
53. Dinabandhu Mohapatra	12-3-84 (F.N.)		
54. Mani Mukherjee	13-3-84	27. Brajakishore Mohanty	
• • •	· . 1-3-83 (F,N.)	28. G. Chittamaian	
55. Lokanath Mohapatra	Do,	29. P. S. N. Marty	
156. H. Y. Dora	· · · Do.	30. B. A. Suryanarayana	
57. G. Kodeswar Rao	Do.	31. G. V. Rao-I	
158. BiswannthMisra	. Do.	32. P. Rama Rao-I	
	-	33. D. S. N. Murty	
		34. Miss Sadhana Das	

35. Santoshi Kr. Mukherjee 36. Kamal Lochan Das 37. P. R. Rajgopalan 38. Duryadhan Bhol 39. Kishore Mohan Parida 40. D. V. Ramana Murty 41. Narayana Ch. Samanta 42. Bijay Krishna Basu 43. Dilip Kumar Roy 44. Jagadish Ch. Das 45. V. Ramakrishna 46. A. Vijayadwaja Rao 47. G. R. N. Sastry 48. Chanchalaesh Bhattacharya 49. G. R. S. Rao-I '50. Dipak Kumar Roy-I 51. S. G. Pal 52. R. G. K. Nair 53. Aurun Ch. Bhatta 54. V. S. Rao-I 55. S. Bhattacharya 56. D. P. Karmarkar 57. Talasidas Mandal 58. R. V. J. Das 59. D. G. K. Murty 60. Samarendra Nath Sethi 61. Chandrakanta Pal 62. Gopal Das, Banerice 63. Dasarathi Mahapatra 64. B. B. Ghatak 65. K. S. Krishna Murty 66. G. L. V. K. Murty 67. Ratis Munkhopadhyaya 68. E. H. Rao 69. K. S. Swamy 70. B, S. Das 71. G. C. Mishra-II 72, Jayadev Sahu 73. G. C. Rath 74. I. V. Ratanam 75. M. Ratho 76. S. R. Guhar 77. Pitabas Peni 78. Sanatan Sahu 79. Ch. S. Rao 80. Adir Dasgupta 81: S. K. Ghosal 82. P. K. Mohanty 83. M. Basu 84. Makhan Lal Dhar 85. Nirmalendu Roy 86. Padmanav Mahapatra 87. L. N. Jagdev 88. R. S. R. A. Sarma 89. H. N. Bisol 90. P. K. Mishra, II 91. S. K. Basu 92. Nitai Chand Sabar 93. Priyanath Mazumdar

> S. S. MANN Senior Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT)-I U.P.

Allahabad, the 8th August 1984

No. Admn. A.G. (Audit)-I/13-7/519.—Following Audit Officers, on attaining age or superannuation, have retired from

31st July 1984 with effect from Government service (A.N.) :-

- Shri Har Krishan Lal from the Office of the Accountent General (Audit)-II, U. P.
- 2. Shri Ram Beni Prasad Tewari from the Office of the Accountant General (Audit)-II, U. P.
- Shri Shyam Lal Srivastava-II from the Office of the Accountant General (Audit)-I, U.P.

B. K. CHATTOPADHAY Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT)-I, TAMIL NADU AND PONDICHERRY

Madras, the 8th August 1984

No.AG(Audit) AdmnI | G.B | 84-85 | 209.—Smt. C. S. Jagadambal (Date of Birth 12-95-1928), Audit Officer, Office of the Accountant General (Audit) I, Tamil Nadu and Poundicherry, Madras, expired on 24-7-1984.

M. V. SWAMINATHAN Accountant General (Audit) I Tamil Nadu & Pondicherry Madras

MINISTRY OF LABOUR AND REHABILITATION LABOUR BUREAU

Simla-171 004, the 1st September 1984

No. 23|3|84-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on Base: 1960-100 increased by eleven points to reach 585 (five hundred eighty five), for the month of July, 1984. Converted to Base: 1949=100 the index for the month of July, 1984 works out to 711 (seven hundred eleven).

> A. S. BHARADWAJ Director, Labour Bureau

(DEPARTMENT OF LABOUR)

OFFICE OF THE CHEIF LABOUR COMMISSONER (CENTRAL)

New Delhi, the 23rd July 1984

- No. Adm. I/4(12)/84(1) —Sh. B. Pandey, U.D.C. Office of the R.L C (C) Dhanbad has been appointed to officiate as LEO (C) Vijayawada w.e.f. 3-1-84 (FN).
 - Dο. (2)On his appointment by CLC (C) in a temporary capacity in this organisa-tion, Sh. Deepak Jain, assumed charge of the Office of the LEO (C) Bhilwara camp at New Delhi on 21-1-84 (AN).
 - Ď٥٬ (3) On his appointment by CLC (C) in a temporary capacity in this organisa-tion Sh. Babu Lal, assumed charge of the Office of the LEO (C) Jalan-dhar camp at New Delhi on 21-1-84 (AN).
 - On attaining the age of a superannuation, Sh. K.D. Srivastava relinquished charge of the Office of the LEO(C) Kanpur on 31-1-84 (AN). (4)Do.
 - On attaining the age of superannua-tion, Sh. Sunder Lal relinquished charge of the Office of the LEO (C) (5) Do. Neamatpur on 31-1-84 (AN).
 - On his appointment by CLC (C)-in a temporary capacity in this or-ganisation, Sh. Radhakrishan Do. (6)Meena, assumed charge of the Office of the LEO(C) Rajkot camp at New-Delhi on 28-1-84 (AN).

Admr.I/4	(12)/84(7)	Of his appointment by CLC(C) in a temporary capacity in this organisation, Sh. Lalit Kumar Sharma, assumed charge of the Office of the LEO(C) Ajmer Camp at New Delhi on 30.184 (FN)	No.Adm. I/4(12)/ 84(2	2)—On her appointment by CLC(C) in a temporary capacity in this organiza- tion, Kum. Vasdevi Abchandani assumed charge of the Office of LEO (C) Jabalpur on 16-3-84 (FN).
Ðo.	(8)	on 30-1-84 (FN). On transfer Sh. J. Venkataraman relinquished charge of the Office of the LEO (C) Mangalore on 27-12-83 (AN) and assumed charge	Do.	(23)	On reversion to the post of U.D.C., Sh. N. Ganapathy relinquished charge of the Office of LEO (C) Guntakal on 26-3-84 (AN).
Do,	(9)	on 22-2-84 (FN) after availing leave etc. On his appointment by CLC(C) in a	Do.	(24)	On attaining the age of superannuation, Sh. L.N. Sinha, relinquished charge of the Office of the LEQ (C) at CLC's Hqrs. New Delhi on
		temporary capacity in this organisation, Sh. Sudarshan Parcek, assumed charge of the Office of the LEO(C) Jodhpur camp at Ajmer on 15-2-84 (FN).	D ₀ .	(25)	31-3-84 (AN). On his appointment by CLC (C) in a temporary capacity in this organisation, Sh. P. S. Phought assumed charge of the Office of LEO (C)
Do.	(10)	—On reversion to the post of U.D.C., Sh. R.S. Ojha relinquished charge of the Office of the LEO (C) Ajmer on 30-1-84 (FTV).	Do.	(26)	Neamatpur on 29-3-84 (FN) camp at Asansol. On his appointment as ALC (C) Sh. B.R.S. Reddy relinquished
Do.	(11)	-On reversion to the post of U.D.C., Sh. T. P. Rajwar relinquished charge of the Office of the LEO (C) Chandi-			charge of the Office of LEO (C) at CLC's Hqrs. New Delhi on 9-4-84 (FN).
Do.	(12)	garh on 31-1-84 (FN). On reversion to the post of U.D.C., Sh. R.S. Agarwal relinquished charge of the Office of the LEO (C)	Do.	(27)	—On his appointment as L. O. (C.P.) Sh. V. Murali relinquished charge of the Office of the LEO (C) Hyderabad on 6-1-84 (AN).
Do.	(13)	Jodhpur on 15-2-84 (FN): On transfer from Allahabad Sh. H.R. Kureel assumed charge of the Office of the LEO (C) Kanpur on	Do.	(28)	—On her appointment as L. O. (C.P.) Smt. G. Vijayalakshmi relinquished charge of the Office of the LEO (C) Hyderabad on 16-1-84 (AN).
Dó.	(14)	14-2-84 (AN). On his appointment by CLC(C) in a temporary capacity in this organisation; Sh. Manohar Lal, assumed charge of the Office of the LEO (C)	Dð.	(29)	On reversion to the post of U.D.C. Sh. S. K. Dutta relinquished charge of Office of the LEO (C) Calcutta on 31-1-84 (AN).
Dø,	(15) '	Chandigarh on 31-1-84 (FN). On his appointment by CLC(C) in a temporary capacity in this organisation. Sh. Anand Kumar assumed charge of the Office of LEO (C) Allahabad on 15-2-84 (FN) camp at Kanpur.	Do.	(30)	"On his appointment by CLC (C) in a temporary capacity in this organisa tion, Sh. P. K. Vashishta assumed charge of the Office of the LEO (C) Hazaribagh on 7-4-84 (FN) camp at Dhanbad.
Do.	(16)	On his appointment by CLC(C) in a temporary capacity in this organisation, Sh. V. Suryanarayana assumed charge of the Office of LEO (C) Hyderabad on: 5-3-84 (FN).	Do.	(31)	—On his appointment by CLC (C) in a temporary capacity in this organisation, Sh. R.V. Kulkarni assumed charge of the Office of LEO (C) Bhopal on 2-4-84 (FN) camp at
Ďо.	(17)	On his appointment by CLC (C) in a temporary capacity in this organisation, Sh. Pirthi Singh, assumed charge of the Office of LEO (C) Borno on 29-2-84 (FN) camp at Dhanbas.	D ₀ .	(32)	Jabalpur. On transfer Sh. M.R. Dash relinquished charge of the Office of the
Do،	(18)	-On his appointment by CLC (C) in a temperary capacity in this organisation. Sh. Narendra Singh Panwar.			LEO(C) Gauhati on 31-3-84 (AN) and assumed charge in the same capacity at Barbil on 19-4-84 (FN).
Do	(19)	assumed charge of the Office of the LEO (©) Jharia at Dhanbad on 16-3-84 (FN). On his appointment by CLC(C) in a	Do.	(33)	On his voluntary retirement Shri M. Rama Rao relinquished charge of the Office of LEO (C) Hyderabad
Do.	(13)	temporary capacity in this organisa- tion, Sh. Raghunath Singh, assumed charge of the Office of the LEO (C) Ranchi on 12-3-84 (FN) camp at Dhandad.	Do.	(34)	on 31-3-1984 (AN). On his appointment by CLC(C) in a temporary capacity in the organisation, Sh. K. Kandasamy assuifed
Do.	(20)	On his appointment by CLC (C) in a temporary capacity in this organisation, Sh. Satish Kumar Vashisht, assumed charge of the Office of the			charge of the Office of LEO (C) Trichy on 4-4-84 (FN) camp at Madras.
Do.	(21)	LEO(C) Asansol on 12-3-84 (FN)—On his appointment by CLC(C) in a temporary—capacity in this organisation, Sh. K. Gopi Krishna assumed charge of the Office of the LEO(C) Gustalar on 26-3-84 (AN) camp at Hyderabad.	Do.	(35)	On his appointment by CLC (C) in a temporary capacity in this organisation, Sh. P. K. Jadia assumed charge of the Office of LEO (C) Baghniara on 16-4-84 (FN) camp at Dhanbad.

Part III—Sec. 1]	THE GAZETTE OF INDIA, SEI
lo. Adm.I/4(12)/84(3	6)—On his appointment by CIC(C) in a temporary capacity in this organisation, Sh. M. L. Verma assumed charge of the Office of LEO(C) Teipur on 16-4-84 (AN) camp at Gauhati.
Do. (37)	 On reversion to the post of U.D.C. Sh. S.B. Choudhury-II relinquished charge of the Office of LEO (C) Tejpur on 17-4-84 (FN).
Do. (38)	-On his appointment by CLC(C) in a temporary capacity in this organisation, Sh. V.B. Pandey assumed charge of the Office of LEO (C) at CLC's Hqrs., New Delhi on 30-4-84 (AN).
Do. (39)	On transfer Sh. A.B. Basu relinquished the charge of the Office of LEO (C) Delhi-II on 30-4-84 (FN) and assumed charge in the same capacity at CLC's Hqrs., New Delhi on 30-4-84 (FN).
Do. (40)	—On transfer Sh. S.N. Panda relinquished charge of the Office of LEO(C) Barbil on 18-4-84 (AN) and assumed charge in the same capacity at Gauhati on 3-5-84 (FN).
Do. (41)	—On reversion to the post of U.D.C., Sh. K. Narayanan relinquished charge of the Office of LEO (C Trichy on 3-4-84 (AN).
Do. (42)	—On his appointment by CLC (C) in a temporary capacity in this organisa- tion, Sh. Gyanendra Singh assumed charge of the Office of LEO (C) Bombay on 23-4-84 (AN).
Do. (43)	—On his appointment as ALC(C) Sh. S.N. Pathak relinquished charge of the Office of LEO (C) Dhanbad on 24-4-84 (AN).
Do. (44)	—On his appointment by CLC(C) in a temporary capacity in this organisa tion, Sh. M. Jagannadha Rao assumed charge of the Office of LFO (C) Hyderabad on 26-4-84 (FN).
Do. (45)	—On his appointment by CLC (C) in a temporary capacity in this organisa- tion, Sh. S. K. Jha assumed charge of the Office of LEO (C) Dhanbad on 30-4-84 (FN).
Do. (46)	—On his appointment as ALC (C), Sh. B.S. Duggal relinquished charge of the Office LEO (C) Chirimiri on 30-4-84 (FN).
Do. (47)	—On attaining the age of superannuation, Sh. C.R. Saha relinquished charge of the Office of LEO (C) Calcutta on 30-4-84 (AN).
Do. (48)	-On his appointment by CLC (C) in a

temporary capacity in this organisa-

charge of the Office of LFO (C) Mangalore on 3-5-84 (FN) camp at

On his appointment by CLC (C) in a

temporary capacity in this organisa-

L.J. Bobade assumed

Sh.

Bangalore.

(49)

Do.

tion, Sh. Amar Kant assumed charge of the Office of LEO (C) Chandigarh on 2-5-84 (FN).

- No.A dm. I/4(12)/84(50)—On his appointment by CLC(C) in a temporary capacity in this organisa-Sh. Roop Chand assumed tion, charge of the Office of LEO (C) Simla on 2-5-84 (FN) camp at Chandigarh.
 - Do. (51)-- On his appointment by the CLC(C) in a temporary capacity in this organisation, Sh. A. K. Kapoor assumed charge of the Office of LEO (C) Delhi-I on 30-4-84 (FN) camp at Kanpur.
 - Do. (52)-On transfer Sh. Manohar Lal, relinquished charge of the Office of LEO (C) Chandigarh on 30-4-84 (AN) and assumed charge in the same capacity at Dehradun on 11-5-84 (FN).
 - Do. (53) -On reversion to the post of U.D.C., N. Mariappam relinquished Sh. charge of the Office of LEO (C) Madras on 4-5-84 (AN).
 - Do. (54)-On his appointment by the CLC (C) in a temporary capacity in this organisation, Sh. S. Saroj Kumar assumed charge of the Office of the LEO(C) Madras on 7-5-84 (FN).
 - Do. (55)-On reversion to the post of U.D.C. Shaik Basheer Ahmed relin-Sh. charge of the Office of auished LEO(C) Mancherial on 28-5-84 (FN).
 - Do. (56)-- On his appointment by the CLC (C) in a temporary capacity in this organisation, Sh. M. Sivaramakrishna assumed charge of the Office of LEO (C) Mancherial at Hyderabad on 28-5-84 (F.N.)
 - -On attaining the age of Superannua-Do. (57)tion, Sh. R. V. Powale relinquished charge of the Office of LEO (C)-I Bombay on 31-5-84 (AN).
 - On reversion to the post of U.D.C., Do. (58)Sh. R. N. Dwivedi relinquished charge of the Office of the LEO (C) Agartala on 27-4-84 (AN).

M. L. MEHTA, Administrative Officer.

MINISTRY OF COMMERCE

DEPARTMENT OF TEXTILES OFFICE OF THE JUTE COMMISSIONER

Calcutta, the 17th August 1984

No. Jute(A) 147 65.—The Jute Commissioner hereby appoints Shri K. K. Das, Inspector (Technical) Grade-I in this office in the scale of Rs. 550-900 as Assistant Director (Jute Technology)—a Group "B" Gazetted post in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-1200]—in an officiating capacity in this office with effect from 12th December, 1983 (FN) until further orders.

No. Jute(A)|147|65.—The Jute Commissioner hereby appoints. Shri D. K. Dutta, Assistant Director (Jute Technology) in this office in the scale of Rs. 650-1200|- as Assistant Director (Jute Manufactures)—a Group "A" Gazetted post in the scale of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300|- in an officiating capacity in this office with effect from 12th December, 1983 (F|N) until further orders.

D. K. GOSWAMI Executive Officer for Jute Commissioner

MINISTRY OF INDUSTRY

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 21st August 1984

No. 1(38)2|83-EDP.—The Govt. of India hereby appoints Prof. H. N. Pathak, formely Professor, Indian Institute of Management, Ahmedabad, to be a Member of the National Entrepreneurship Development Board in addition to the existing Members with immediate effect and for the term of the existing board.

S. K. PURKAYASTHA Dy. Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPISALS (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 10th August 1984

No. A-1/2(440).—Shri P. C. Verughese, Superintendent in the office of Director of Inspection, Bombay, is appointed to officiate as Assistant Director (Admn.) (Grade II) on purely ad-hoc basis in the same office in the leave vacancy of Shri E. I. Devassy, AD (Admn.) (Gr. II) with effect from the forenoon of 2-7-1984.

The 13th August 1984

No. A-1 | 1(1189).—The President is pleased to appoint SiShri R. C. Garg and N. Roy, Senior Economic Investigators in D.G.S.&D. to officiate at Assistant Director (Statistics) (Grade IV of Indian Statistical Service) in this Directorate General purely on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 27th July, 1984, for a period of two months or till regular officers become available, whichever is earlier.

RAJBIR SINGH Deputy Director (Administration)

MINISTRY OF STEEL. & MINES (DEPARTMENT OF STEEL)

IRON & STEEL CONTROL

Calcutta-20, the 14th August 1984

No. EI-2(3)|75.—The undersigned hereby appoints Shri Kartick Dutta, Superintendent, to officiate in the post of Assistant Iron & Steel Controller in this office with effect from 13-8-1984 (FN) on ad-hoc basis against leave vacancy until further orders.

D. K. GHOSH Iron & Steel Controller.

(KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 13th August 1984

No. 5650B|A-19012(Press-OP-SR)|75-19A.—Shri Sujit Roy, Press Operator, Geological Survey of India relinquished charge of the post of Press Operator in the Geological Sur-

vey of India on resignation with effect from the afternoon of 30-6-1983.

A. KUSHARI Director (Personnel) for Director General, GSI.

DEPARTMENT OF CULTURE ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

New Delhi-110011, the 14th August 1984

No. 10|5|84-M.—In exercise of the power conferred under rule 6 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Rules, 1959. I, Jagat Pati Joshl, Additional Director General, hereby direct that the Archaeological area of Red Fort, Delhi will remain closed to visitors on 14th August, 1984 and upto 1200 hrs on 15th August, 1984.

JAGAT PATI JOSHI Addl. Director General

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-1, the 16th August 1984

No. F.8-9|83-Estt.—In supersession of this Deptt.'s Notification of even number dated 14th June 1984, Shri Shoorvir Singh. Temporary Asstt. Chemist (Gr. 1) is appointed as Scientific Officer in the National Archives of India, Bhopal in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1060-EB-40-1200|- in , officiating capacity with effect from 28-6-1984 (FN) until further orders.

The appointment of Sh. Shoorvir Singh as Scientific Officer in the National Archives of India, Bhopal is without prejudice to the claim of his senior Sh. B. L. Razdan, A nermanent Asstt. Chemist (Gr. I) and presently on deputation to the Sultanata of Oman, Muscat, to the post of Scientific Officer in the Department.

R. K. PERTI Director of Archives

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi-110001, the 23rd July 1984

No. 17/7/84-S. IV—Consequent upon their promotion, the undermentioned Senior Engineering Assistants have assumed charge of the post of Assistant Engineers in ad-hoc capacity at different offices of AIR/Doordarshan from the date shown against each:—

S1. N o.	Nâme	Station	Date of joining
	S/Shri		
1.	C. Dayanand Reddy	LPTV. Nizamabad	25-04-84
			(FN)
2.	Gajinder Singh .	LPTV, Sriganganagar	30-4-84
			(FN)
3.	C.K. Dash .	CE(EZ), AIR,	18- <i>5-</i> 84
		Calcutta	(FN
4.	J.L. Narayana ,	LPT, Karlmnagar	29-5-84
_			(FN)
5.	N.A. Siddiqui .	CE(NZ), AIR, Delhi	31-5-84
_			(FN
6.	Rishi Ram .	AIR. Najibabad	6-6-84
_			(FN)
7.	P. Mazumdar .	UDK, New Delhi	7-6-84
_			(FN
8.	R.S. Rai	'CE(NZ), AIR, Delhi	6-6-84
			(FN

1_	2	3	4
9.	N. Kumm	CE(SZ), AIR, Madras	7-6-84
			(LN)
10.	C.P Singh	AJR, Delhi	11-6-84
			(Ł N)
11.	K. Narayanan	CE(SZ), AIR, Madras	11-6-84
_			(AN)
12.	S.K. Sengupta	AIR, Aizawl	11-6-84
			(FN)
13.	G.S Patil	LPTV, MC, Belgaum	12-6-84
	N D D D	1 13 13 17 17 17	(AN)
14.	P. Pandia Raj	LPT TV Kurnool	16-6-84
15.	M.D. Dhamahaada	DINZ Non Della	(FN)
15.	M.R. Bhumback	DDK, New Delhi	20-6-84 (FN)
16.	A.S. Toor	AIR, New Dolhi	20-6-84
10.	A.S. (OO)	AIR, New Bolli	(FN)
17.	L. Balan	LPTV, Gadag, Botgeri	22-6-84
	L. Daniel	2. 1 1, Oddis, Dolgon	(FN)
18.	Baldev Kasturia	CE(R&D), AIR	29-6-84
		New Delhi	(FN)
19.	M. L. Yadav	LPTV, Jodhpur	27-6-84
		, =	(FN)

The 2nd August, 1984

No.3/61/83-S.III/IV—Consequent upon their premetion, the under mentioned Senior Engineering Assistants have assumed charge of the Post of Assistant Engineer in ad-hec capacity at different offices of All India Radio/Doordershan Kendras from the date as mentioned againts each:—

S. Name No.	Stat on white posted	dete of joining	
S/Shrì		,	
1. C'ngvi Lal Goel	. MC, DDK, Bhilwara	13-6-84 (FN)	
2. Shashi Pal	. AïR, Rewa	30-4-84 (FN)	
3, M,A. Modak .	. TVRC, Pune	24-3- 8 4 (FN)+	
4. B. Patnaik .	. TVRC, Bhubaneswar	7-5-84 (FN)	
5. R.K. Nayar	. O/O CE (NZ) AIR, New Delhi	10-4-84 (FN)	
6. L.R. Jayaraman	. LPTV, MC, Hospet	22-3-84 (FN)	
7. Prem Sadarangani	MC, Nasik	25-4-84 (FN)	
8. B. Srinivasan	. AIR, Cuddapah	4-5-84 (FN)	
9. Ganga Singh	HPT, AIR, Aligarh	17-4-84 (FN)	
0. S.C. Raina	DDK, Srinagar,	25-1-84 (FN)	
1. Tom K. Jose .	TVRC, Imphal	21-3-84 (FN)	
12. A.R. Puranik	. M.C Akola	20-2-84 (FN)	

MARKS. N. ELIAS
Deputy Director of Administration (E),
for Director General.

New Delhi-1, the August 1984

140. 4(58)84-81—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shir Prasancet Mohanty as Programme Executive. All India Radio. Simla in a temporary capacity with effect from 27th June, 1984 and until author orders, in the scale of pay of Rs. 650 30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-IB-40-1200

The 21st August 1984

No. 4(10)[84-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Smt. M. Krishna Kumari as Programme Executive at All India Radio, Vijayawada in a temporary capacity with effect from 5th July, 1984 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200.

No. 4(12)|84-SL.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Sh. Y. R. Dave as Programme Executive at All India Radio, Ahmedabad in a temporary capacity with effect from 26th July, 1984, and until further orders, in the scale of pay Rs. 650-30-740-35-810-FB-880-40-1000-EB-40-1200.

No. 4(53)[84-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Kailash Chander Verma as Programme Executive, All India Radio, Rohtak in a temporary capacity with effect from 4th July, 1984 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-1 B-40-1200.

No. 4(59)|84-SL.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shvi B C. Sadar as Programme Executive at All India Radio, Gulbarga in a temporary capacity with effect from 12th July, 1984 and until further orders, in the scale of pay of Rs 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200|-.

No 4(70)|84-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Anand Vasantrao Patil as Programme Executive at CBS, AIR. Bangalore in a temporary capacity with effect from 12th July, 1984 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200.

H. C. JAYAL Dy. Director of Admn. for Director General.

New Delhi, the 17th August 1984

No. 32|1|84-SII.—Director General, All India Radio is pleased to appoint Sh. V. P. Pathak, Field Reporter, AIR, Pune to officiate as Extension Officer, AIR, Nagpur with effect from 27th July 1984.

2. Sh. Pathak assumed charge of the post of Extension Officer at AIR. Nagpur on the same date.

MOHAN FRANCIS

Dy. Director Administration
for Director General.

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING FILMS DIVISION

Bombay-400026, the 30th July 1984

No. A-12026|1|84-Fet I—Shri N. V. V. Chalapathy, Resident Audit Officer in the Office of Accountant General (Audit), Orissa has been appointed, on deputation as Accounts Officer in the Films, Division, Bombay w.e.f. the forenoon of 25th July, 1984.

The 9th August 1984

No. 5]24'69-Fst 1-On the recommendations of the Departmental Promotion Committee, commetent authority hereby appoints Shi D. T. Rokade. Permonent. Background Artist in the Films. Division Office at Permote to efficience as Layout Artist in the same office with effect from the forenoon of as 3rd July 1984. He will draw now of Rs. 960|- p.m. in the scale of pay of Rs. 650-30-740.35-810-FB-880-40-1000-FB-40-1200.

No. A-19012|1|82-Fst.I.—Shri Bej Nath Officiating Cametaman in the Films Division, New Delhi has been appointed to officiate as Newsreel Officer on ad-hoc basis in the Films Division at Srinagar on a pay of Rs. 840|- per month in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200|- with effect from the forenoon of 23rd July, 1984 until further orders.

The 14th August 1984

No. A-19012|7|82-Est.I.—Shri Sunder Singh, officiating Cameraman in the Film Division New Delhi has been apnointed to officiate as Newsreel Officer on ad-hoc basis in the Films Division at Chandigarh on a pay of Rs. 840|- per month in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 5th August, 1984 until further orders.

N. N. SHARMA, Administrative Officer for Dir. of Admn.

DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY

New Delhi, the 11th June, 1984

No. A-12011/6/82-Exh. (A)—the Director of Advertising & Visual Publicity is pleased to appoint the following Exhibition Assistants to officiate as Field Exhibition Officers in a purely temporary capacity on adhor basis, at the units of the Directorate shown against each with effect from the date shown against each:

Sl. Name No.	From	Unit	Date
S/Shri			
 L. Venkatara- manappa 	Bangalore	Madras	23-4-84
2. Data Ram	Simla	Hyderabad	30-4-84
3. S.K. Ray	Agartala	Calcutta	2-5-84
4. Tek Chand	New Delhi	Lucknow	17-4-84
5. S. Ganguly	New Dolhi	Itanagar	9-5-84
6. S.C. Bhambhani	Lucknow	Jabalpur	4-5-84
7. Dayal Bhatnagar	New Delhi	New Delhi	10-4-84

G.P. BHATTI Deputy Director (Admn.)

for Director of Advertising & Visual Publicity.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 16th August 1984

No. A.12020|2|80-Admn.I(N).—The Director General of Health Services is pleased to appoint Kum, R. B. Porh to the post of Superintendent, Lady Reading Health School, Delhi, with effect from the foreroon of 12th March, 1984 on a regular temporary basis.

T. S. RAO, Dy. Dir. Admn. (COHS-I)

New Delhi, the 16th August 1984

No. A.12025.7.83-(AIIH&PH).PH(SDL).—On attaining the age of superannuation Sh. S. Suba Rao Professor of Sanitary Engineering in the All India Institute of Hygiene and Public Her!th. Calcutta under this Directorate retired from Government Service on the afternoon of 30th June, 1984.

The 21st August 1984

No. A.12025|8|82-(CR1)Admn.I|EPI.—The President is pleased to appoint Shri Ramesh Chander to the post of Deputy Assistant Director (Non-Medial) at the Central

Research Institute, Rasauli with effect from the forenoon of 16th March, 1984, in a temporary capacity and until further orders.

No. A.12025[8]82-(CRI)Admn.lEPL.—The President is pleased to appoint Shri Dinesh Kumar to the post of Deputy Assistant Director (Non-Med'cal) at the Central Research Institute, Kasauli with effect from the forenoon of 19th June, 1984 in a temporary capacity and until further orders.

NARAIN SINGH, Dy. Dir. Admn. (N)

MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT

(DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION)

Faridabad, the 16th August 1984

No. A.19025/17/84-A-III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri M. N. Ramachandran, has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Farldabad with effect from 30-7-84 (FN) until further orders by the Agricultural Marketing Adviser to the Govt. of India,

J. KRISHNA, Dir. of Administration

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 7th August 1984

Ref. No. PA|80(10)|82-R-III.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Tilak Raj Handa, permanent Assistant Security Officer and officiating Asstt. Security Officer and (SG) in the Bhabha Atomic Research Centre to officiate as Security Officer in this Research Centre with effect from the forenoon of July, 1. 1984 until further orders.

The 9th August 1984

Ref. No. PA|80(10)|82-R-III.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri S. H. Mahamulkar, permanent Assistant Security Officer and officiating Assistant Security Officer (SG) in the Bhabha atomic Research Centre to officiate as Security Officer in this Research Centre with effect from the forenoon of August 1, 1984 until further profess.

B. C. PAL, Dv. Estt. Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY' NARORA ATOMIC POWER PROJECT

Bulandshahar, the 18th August 1984

No. NAPP|Rectt|12(3)|84|S|1138.—Project Director, Narora Atomic Power Project appoints Shri Vijay Pal Singh, an offictiating Assistant Security Officer to officiate as Security Officer on ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-FB-40-960 in the Narora Atomic Power Project with effect from the forenoon of June 20, 1984 until further orders.

R. K. BALI, Administrative Officer

(DIRFCTORATE OF PURCHASE & STORFS)

Bombay-400 001, the 10th August, 1984

Ref. No DPS|41|1|83-Adm,|21491,—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shii K. N. S. Nair, a permanent Purchase Assistant to officiate as an Assistant Purchase Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from 6-6-84 (FN) to 27-7-84 (AN) in the

same Directorate vice Shri I. Ramkrishnan, Assistant Purchase Officer granted leave.

P. GOPALAN, Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 13th August, 1984

No. A.-32014|2|83-EC.—The Director General of Civil-Aviation is pleased to appoint the following Communication Assistants at present working as Assistant Communication Officers on ad-hoc basis to the grade of Assistant Communication Officer on regular basis with effect from the 31st December, 1983 and until further orders:—

SI. No. Name

- 1. Shri B. C. Biswas
- 2. Shri G. Titus

S. Name

No.

3. Shri C. R. Kutty

O. P. AGGARWAL, Assistant Director of Administration

New Dolhi, the 14th August, 1984

No. A. 32014/1/84-ES.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Superintendents to officiate as Administrative Officers on an ad-hoc basis, in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, at the stations given below, for a period of 6 menths with effect from the dates noted against them:—

Date of

Appoint-

	Ment as Admn. Officer (ad-hoc)		(ad-loc)		
S/Shri					
1. M.D. Sharma		5-7-84			Regional
			Direc	ctor, I	Delhi
2. M.L. Bhasin		14-6-84	O/o	the	Regional
			Direc	tor, I	Delhi
3. S.K. Saha		29-6-84	O/o	the	Regional

B. BHAUMIK

Director, Madras.

Station of posting

as Admn. Officer

Assistant Director of Administration.

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 13th August 1984

No. 1|158|84-Est.—The Director General, Overseas Communications Service hereby appoints Shri P. R. G. Menon, Officiating Superintendent, OCS, Headquarters Office, Bombay as Assistant Administrative Officer in an officiating capacity in the same office with effect from the forenoon of the 30th July, 1984 and until further orders.

R. K. THAKKAR, Dy. Director (Admn) for Director General

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 18th August 1984

No. 9|84.—In pursuance of Ministry of Finance, Department of Revenue's letter F. No. A-60011|10|84-Ad. II-B dated 20-7-84 and Directorate's Order of even number dated

31-7-84, Shri R. C. Gupta, Inspecting Officer, Gr. 'B' (Retired assumed charge of the post of Inspecting Officer, Gr. 'B' in this Directorate w.e.f. 1-8-1984 (FN) on his re-englowment in the same grade for a period of one year w.e.f. 1-8-1984.

No. 10|84.—On his retirement on superannuation Shri R. C. Gupta, relinquished charge of the post of Inspecting Officer, Gr. 'B' in the Directorate of Inspection & Audit, Customs & Central Excise, New Delhi w.e.f. 31-7-1984 (AN).

A. C. SALDANHA, Director of Inspection.

CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-110066, the 10th August 1984

No. 22]4|83-Adm.I(B).—The Chairman, Central Electricity Authority, hereby appoints Shri H. R. Mehta, Supervisor to the grade of Extra Assistant Director|Assistant Engineer of the Central Power Engineering (Group B) Service in the Central Electricity Authority in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 12th July. 1984, untilfurther orders.

B. M. LAL, Under Secretary

MINISTRY OF WORKS AND HOUSING

DIRECTORATE OF ESTATES

New Delhi, the 14th August 1984

No. A.-12033|1|76-Adm. B'.—The President is pleased to appoint Shri A. P. Bahl, permanent Assistant Director of Estates (Accounts), in the Directorate of Estates as Deputy Director of Estates (Rents) in the Directorate of Estates on regular basis with effect from the 13th July, 1984 (AN) until further orders.

VEENA BRAHMA, Deputy Director of Estates (E).

MINISTRY OF SUPPLY

NATIONAL TEST HOUSE, ALIPORE

Calcutta, the 16th August 1984

No. G-318|A.—The Director General, National Test House, Calcutta has been pleased to appoint Shri S. K. Deb, Assistant of Central secretariat Service in the Department of Supply as Assistant Director (Administration), Grade-II in the National Test House, Bombay Branch, Bombay on deputation basis w.e.f. 11-6-1984 (F|N).

G. C. DAS,
Assistant Director (Administration)
for Director, General

MENISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS, COMPANY LAW BOARD OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of Companies Act 1956 and of the Ritz Hotels (Madras) Ltd.

Madras-600006, the 4th August 1984

No. DN|2267|560(3)|84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Sec. 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M|s. The Ritz Hotels (Madras) Ltd. unless, cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

(Sd.) ILLEGIBLE

Asst. Registrar of Companies Tamil Nadu, Madras In the Matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Marble Finance Private Limited

Gwalior-474009, the 8th August 1984

No. 1119 PS CF 3804.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s MARBLE FINANCE PRIVATE LIMITED, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

S. KARMAKAR, Registrar of Companies Madhya Pradesh, Gwalior.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Alts Press & Printers Private Limited

Calcutta, the 13th August 1984

No. 27458|560(3).—Notice is hereby given purpursuant to sub-Section (3) of Section 560 Companies, Act, 1956, that but the expiration of three months from the date hereof the name of the Al's Press Printers Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companyles Act, 1956 and of Technocrat Publications Private Limited

Calcutta, the 13th August 1984

No. 28848[560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Technocrat Publications Private Limited, unless cause is shown to the countrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of thates Consultancy & Services Private Limited

Calcutta, the 13th August 1984

No. 30718|560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Achates Consultancy & Services Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Mint Pumps & Equipments Private Limited

Calcutta, the 13th August 1984

No. 29197|560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Mini Pumps & Equipments Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Associated Motor & Electrical Works Private Limited

Calcutta, the 13th August 1984

No. 24447 560(5).— Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Associated Motor & Electrical Works Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Prize Chit & Savings Company Private Limited

Calcutta, the 13th August 1984

No 30377 560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956,

that the name Prize Chit & Savings Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Apex Sea Food Private Limited

Calcutta, the 13th August 1984

No. 30543 560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of Companies Act, 1956, that the name of Apex Sea Pood Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Air Compressor Pneumatic Tools (India) Private Limited

Calcutta, the 13th August 1984

No. 30300|560(5).—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Air Compressor Pneumatic Tools (India) Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of General Savings & Chit Fund Private Limited

Calcutta, the 13th August 1984

No. 30193|560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of General Savings & Chit Fund Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Joseph Herherts & Company Limited

Calcutta, the 13th August 1984

No. 24972[560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Joseph Herberts & Company Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Tangall Weaving Corporation Private Limited

Calcutta, the 13th August 1984

No. 25236 560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Tangail Weaving Corporation Private I imited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Geotechnique (India) Private Limited

Calcutta, the 18th August 1984

No. 29348|560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Geotechnique (India) Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matur of the Companies 4ct, 1956 and of Golden Slipper Club Limited

Calcutta, the 13th August 1984

No. 14306[560(5).—Notice is hereby given pursuant to cub-section (5) of Section 560 of the Companies Act. 1956, that the name of Golden Slipper Club Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Contai Motor Workers' Transport & Industries Limited

Calcutta, the 13th August 1984

No. 21599|560(5).—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Contai Motor Workers' Transport & Industries Limited has this day been sturck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Bose & Sons Private Limited

Calcutta, the 13th August 1984

No. 9044|560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Bose & Sons Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Commercial Publishers Private Limited

Calcutta, the 13th August 1984

No. 23425|560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Commercial Publishers Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Boyle Fibre Glass Plastles Private Limited

Calcutta, the 13th August 1984

No. 27326 560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Bovic Fibre Glass Plastics Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissloved.

H. BANERIFF Assistant Registrar Companies West Bengal

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Ms. Electro Chemicals & Industries Limited

Bangalore-9, the 16th August 1984

No. 2344|560|84-85.—Notice hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M|s Electro Chemicals & Industries Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd.]- II.LEGIBLE Registrar of Companies Karnataka, Bangalore

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of Technical and Management Consultants Private Limited

Cochin-682 011, the 17th August 1984

No. 2798 Liq. |560(3) |8732 |84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of Technical and Management Consultants Private 1 imited unless cause is shown to the contrary will be struct, off the Register and the said company will be dissolved.

in the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of S. l'itchu Iyer and Sons Private Limited

Cochin-682 011, the 17th August 1984

No. 1034|Liq.|560(3)|8734|84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act. 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of S. Pitchu Iyer and Sons **Private Limited**, uncause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of Najoma Graphics Private Limited

Cochin-682 011, the 17th August 1984

No. 2627 Liq. 560(3)8736 84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of Najoma Graphics Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of Aroor Industries Private Limited

Cochin-682 011, the 17th August 1984

No. 69|Liq.|560(3)|8738|84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of Aroor Industries Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of Arcot Labs Private Limited

Cochin 682 011, the 17th August 1984

No. 2809|Liq.|560(5)|8740|84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Arcot Labs Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of Hima Chits Trades Private Limited

Cochin-682 011, the 17th August 1984

No. 2239|Liq.|560(5)|8742|84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Hima Chits and Trades Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of Stee Vihar Private Limited

Cochin-682 011, the 17th August 1984

No. 1953 Liq. 560(5) 8759 84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Sree Vihar Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of Cheeran and Company Private Limited

Cochin-682 011, the 17th August 1984

No. 2802 Liq. 560(5) 8757 84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act. 1956 that the name of Cheeran and Company Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of M. Peres and Company Private Limited

Cochin-682 011, the 17th August 1984

No. 726|Liq.|560(3)|8728|84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of M Peres and Company Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

K. PANCHAPAKESAN Registrar of Companies Kerala

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400020, the 10th August 1984

No. F.48-Ad(AT)|1984.—Shri N. C. Chaturvedi permanent Hındi Translator, Income-tax Appellate Tribunal, Allahabad Benches who was continued to officiate on ad-hoc basis in a temporary capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches, New Delhi for a period of 3

months with effect from 16th May, 1984 vide this office Notification No. F.48-Ad(AT)|1984, dated 27th July, 1984, is now appointed, on his being selected by the Union Public Service Commission for the same post, to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches. New Delhi on regular basis in a temporary capacity with effect from the forenoon of 10th August, 1984 in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200|-, until further orders.

He will be on probation for two years with effect from the 10th August, 1984.

The 13th August 1984

No. F.48-Ad(AT)|1984,—Shri R. Ramakrishnan, an officiating Superintendent in the Income-tax Appellate Tribunal, at present on deputation in the public interest to the Customs Excise and Gold (Control) Appellate Tribunal as Assistant Registrar in the said Tribunal, which post is hereby certified for the purpose of the second proviso to F.R. 30(1), to be outside the ordinary line, is granted pro forma promotion as Assistant Registrar in the Income-tax Appellate Tribunal in the pay-scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200|- (against promotion quota) with effect from the forenoon of 29th May, 1984, until further orders.

T. D. SUGLA President

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 13th August 1984

Ref No AC-17|ACQN R-1V|CAL|84-85 —Whereas, I, SANKAR K BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs 25 000 - and bearing

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at D S R, Cooch Behar on 26 12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt Suraj Devi Singha
 Wlo Shri Pannalal Singha of Dinhata Town
 Disi Cooch Behai
 Shii Maydul Lal Saha
 of Dinhata Town, Cooch Behar
 Smt Kitan Devi Singha
 of Rangpur, Road, Dinhata, Cooch-Behai
 (Transferor)
- (2) Sti Ram Lal Saraogi Sri Motilal Saraogi Jalpaiguri Town Dist Jalpaiguri

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land One Cinema House, Land with structures Address. Mouja & PS Dinhata, Dist Cooch-Behar Deed No 8751 of 1983

SANKAR K. BANERJEE
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Date 13 8 1984 Seal ·

FORM ITNS --

(1) Smt. Karam Devi Wlo Shri Dewan Chand, RlO Al93B, Lajpat Nagar, New Delhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii Jitender Kumar So Shii Shayam Sunder, Ro 3G/73, N. I. T., Faridabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, D. L. F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 8th August 1984

Ref No BGR|181|83-84.—Whereas, I. R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

Shop Plot No. 576, Type 'B' (35 Sq Yds) situated at Nehru Park, Faridabad,

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Ballabgarh in December, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being shop plot No. 576, Type 'B' (35 Sq. Wds.), Nehru Park, Faridabad and more fully described in the sale deed registered at Sr. No. 9999 dated 9-12-1983 with Sub-Registrar, Ballabgarh.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-8-1984.

Scal:

(1) Karam Devi Wlo Shri Dewan Chand, R'o Alous Laipat Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii Bharat Kumar So Shri Shayam Sunder, Ro 3G 79, N. I. T., Far dabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX

ACQUISITION RANGE, D. L. F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 8th August 1984

Ref. No. BGR 182 83-84 —Whereas, I, R. K. BHAYANA,

K. N. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Shop No. 577, Type 'B' (35 Sq. Yds.), situated at Nehru Ground, Faridabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the

Office of .he Registering Officer at Ballabgarh in December 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the linear lincome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

37--226 61,84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being shop plot No. 577, Type 'B' (35 Sq. Yds.) situated at Nehru Ground, Feridabad and more fully described in the sale deed registered at No. 10000 dated 9-12-83 with Sub Registrar, Ballabgarh,

> R. K. BHAYANA Competent Authority
> Inspecting Asstt. Commissioner of Incomeltax Acquisition Range, Rohtak

Date: 8-8-1984,

Scal:

FORM ITNS ---

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, D. L. F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 8th August 1984

Rc1 No BGR 185 83-84 — Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovible property having a fair market value exceeding Rs. 25 00 and hearing

Rs. 25,00]- and bearing
Flot No. 72, Block J (500 Sq. Yds.) situated at DLF, Model
Town. Sector No. 10 (Slhl), Faridabad

has been transferred under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabaach in December, 1983.

ton an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incone-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269°D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

(1) Shri Sunacep Singh Ba' Solt Col. Rajender Singh,
House No. 186A, Sector No. 16A, Chandigarh
through Lt. Col. Ranjender Singh,
Slo S, Eul Singh, rlo H. No. 186A, Sector No. 16A,
Chardigarh (U. T.)
(Transferor)

(2) Smt. Shakuntla Gupta Wo Shri Jai Prakash Gupta, R,o 118A, Ashutesh Mukherjee Road, Calcutta-700 025

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said imultivable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being plot No. 22. Block J. 500 Sq. Yds. D.L.F. Model Town, Sector No. 10 (Shb.), Faridabad and more fully described in the sale deed registered at No. 10264 dated 15 12 1983 with Sub Registrar, Ballabgarh.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range. Rohtak

Date : 3-8-1984. Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ΛCQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 8th August 1984

Ref. No. BGR|186|83-84.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Plot No. 19B, Block-J (500 Sq. Yds) situated at D. L. F. Model Town, Sector No. 10 (Vill. Sihi), Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in December, 1983. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Shail Bala Wo Dr. Jagdish Chandra, House No. 563, Sector No. 22, Housing Board Colony, Faridabad through Shri Om Prakash Grover So Shri Jetha Nand, Ro H. No. 170, M.I.G. (B), Sector No. 10, Housing Board Colony, Faridabad.

(Transferor)

(2) Shri Shashi Bhushan Gupta Soo Late Shri Nathu Ram Gupta, Ro 1823, Nai Basti, Rewari (Haryana).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Plot No. 19B, Block J (area 500 Sq. Yds.) situated at DLF Model Town, Sector No. 10 (Vill. Slhi), Faridabad and more fully described in the sale deed registered at No. 10265 dated 15-12-1983 with Sub Registrar, Ballabgarh.

R. K. BMAYANA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of IncomeAcquisition Range, Rohtak

Date: 8-8-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, D. 1. F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 8th August 1984

Ref. No. BGR|194|83-84.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 10A (area 881 Sq. Yds.) situated at DLF Industrial Estate No. 1 Mewla Maharajpur (Faridabad)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16of 1908)

in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in December, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fan market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitten per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Sheela Thakur Wlo Shri Basant Thakur, Rlo P-25, Malviya Nagar New Delhi.

(Transferoi)

- (2) Mis. Gupta Constitution Co., G-3, Deepali, 92-Nohru Place, New Delhi-110019 (Transferce)
- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Plot No. 10A (881 Sq. Yds.), DLF Industrial Estate No. 1, Mewla Maharajpur, D|Faridabad and more fully described in the sale deed registered at No 10844 dated 30-12-1983 with S.R. Ballabgarh

R. K. BHAYAN \
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-table Acquisition Rauge, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the followin persons namely:—

Date : 8-8-1984 Sent

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Ram Pyari Chawla Wo Dr. G. S. Chawla. Rlo 37, Pirthvi Raj Road. New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Santosh Hans W|o Shri Jagdish Hans, R|o 3-G, 56, N.I.T., Fandabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

ACQUISITION RANGE, D. L. F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 8th August 1984

Ref. No. BGR 197/83-84,--Whereas, I,

R. K. BHAYANA.

Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Bunglow Plot No. 3E|20. N. 1. T., Faridabad (1|2 part of plot) situated at N.I.T., Faridabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Faridabad

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chipter

THE SCHEDULE

Property being Plot No 3E-20 (12 part) situated at N.1.T. Faridabad and more fully described in the sale deed registered at No 10864 dated 30-12-83 with Sub Registrar, Ballabgarb

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate Proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 2691) of the old Act, to the following persons namely: --

Date: 8-8-1984

Sept :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF, D. L. F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 8th August 1984

Ret. No. HSR|118|83-84.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair marker value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Land 24 Kanal 4 Marlas situated at Hissar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer; at Hissar on 12/83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ---

(1) 1. Shri Guraya Ram
Slo Shri Sewa Ram;
2. Shri Hari Chand,
3. Sh. Girdhari Lal
4. Shri Krishan Kumar Sto Shri Guraya R

4. Shri Krishan Kumar Sio Shri Guraya Ram, Rio B-XVIII, 430-Mohalla Dogran, Hisar. (Transferor)

(2) The Mahabir Co-operative House Building Society Ltd., Hissar co Shri Raj Narain Chaturvedi, Secretary-cum-Cashier and Shri Dalbir Singh Phogat, President, 45, Patel Nagar, Hissar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

1.XPLANATION: The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land 24 Kanal 4 Marlas situated at Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at No 3648 dated 12-12-83 with Sub Registrar, Hissar.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 8-8-1984

Scal:

PORM ITNS --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE D.L.F. COLONY ROHTAK

Rohtak, the 9th August 1984

Ref. No. HSR|118|83-84.--Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

Shop No. 179 (Ground floor of East part) situated at New Grain Market, Nai Mandi Township, Hissar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hissar on Dec., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair-market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Sav.ni Devi Wd.jo Shri Ishwar Chander, V & P. O. Gorakhpur, Teh. Fatehbad, Distt. Hissar.

(Fransferor)

(2) Shri Munshi Ram So Shri Girdhari Lal, V&PO Saharwa, Tehsil & Dist. Hissar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective period. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Property being Shop No. 179 (Ground Floor of East Part) New Grain Market, Nai Mandi Township, Hissur and more fully describtd in the sale deed registered at No. 3593 duted 8-12-1983 with Sub Registrar, Hissur.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 9-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE D.I.F. COLONY ROHTAK

Rohtak, the 8th August 1984

Ref. No. HSR|120|83-84.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

transfer with the object of :-

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have season to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Shop No. 179 (Complete part of 1st Floor & West part of Ground Floor) situated at New Grain Market, Hissar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Registering
Officer at Hissar in December, 1983.

tor an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any lucome arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Savitti Devi Wd'o Shu Ishwit Chant Aggaiwal, R o Gorakhpui, Ceh. Faridabad, Dista Hisson.

(Transferor)

(2) Shii Munshi Ram Sⁱo Sh. Girdhari Lal, i Shop No. 179. New Anaj Mandi, Hissar Village Addres Village & P.O. Saharawa, T D-Hissar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official, Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period exp res later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

FXPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Shop No. 179 (Complete part of 1st Floor and West Part at Ground Floor), New Grain Market Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3682 dated 15-12-1983 with Sub-Registrar, Hissar.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Rohtak

Date: 8-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE ROHTAK D.I.,F. COLONY

Robtak, the 7th August 1984

Ref. No. HSR|126|83-84 - Whereas, I,

R. K. BHAYANA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Indl. Plot No. 45, Area 60:x150' situated at Industrial Development Colony, Delhi Roa J. Hissar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in Officer at Hissar in December, 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have no been o which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1927 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tar Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the raid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeasid property by the issue for this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following reasons matterly = 38-226 GI 84

(1) Shri Radha Kr'shan Agarwai Slo Shri Hari Ram, Rlo Opposite Sushita Bhayan, Mandi Road, Histor

MARKALL NEWSTERN STEEL STEEL

(Fransferor)

(2) Shri Phoof Chand Slo Shri Kundan Lal, Clo M's Haryana Nuc Bolt Industries, 45, In fustrial Development Colony, Hissar

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION The terms and expressions used herein as re defined in Chapter XXA of the said Act, hall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Industrial Plot No. 45, Industrial Development Lobony Delhi Road, Hissai and more fully described in the Hissai and more tully described in the sale deed register d at No. 3858 dated 27-12 1983 with Sub-Registrar, Hissai.

R. K. BHAYANA Competent Authority Insoceting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rayge, Robush

Date · 7-8-1984

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE ROHITAK DIF COLONY

Rohtisk the 8th August 1984

Ref No SPT|66|83-84 —Whereas I R K BHAYANA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/

and bearing Industrial Shed-area 120'x150' & Agii land 9571 Sq. Yds (15 K 15 Ms) situated at Vill Ferozpur Khadar Rail TD

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sonepat in December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said let or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) 1 Svs S K Chaudhary & Kirpal Sugh Chaudhary Silo Natha Singh
 2 Sh Thakar Singh
 Slo Karam Singh,
 ' Sunder Pil Singh Slo Thakar Singh
 4 S Kuldip Singh So Santhokh Singh of Mly Bharat National Industrial Corporation
 B 6 Miyapuri, Physe-Il, New Delhi
- (2) M₁₈ Corrl Chemicals Pvt, 1008 Akish Deep Building Barakhamba Road New Delhi Clo Shri Viney Kumai Bhuwania, Director

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property being Industrial Shed and Agri land (area 9571 Sq Yds) Village Ferozpur, Khadar Rai T|D, Sonepat and more fully described in the sale deed registered at No 4596 d ted 13 12-1983 with Sub Registrar, Sonepat

R K BHAYAN \
Competent Authority
Inspecting Assit Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date 8 8-1984 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE ROHTAK DLF COLONY

Rohtak, the 7th August 1984

Ref No KNL 84|83-84 —Whereas, I, R. K BHAYANA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing

Shop No 182 situated at Shashtii Anaj Mandi, Karnal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in December, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the nurposes of the Indian Income-tax Act 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely

(1) Shu And Kumar So Shri Sant Ram So Shri Pyare Lal, R|o 1344, MC 2E, Khatrian Muhalla, Karnal

(Transferor)

(2) Shri Dwarka Dass S o Shu Niranjan I al S o Shu Suraj Mal, R|o Village Pundrka, Tchsil & Distt Karnal (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the atoresald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter

THE SCHEDULL

Property being Shop No 182 situated at Shashtdi Anai Mandi, Kainal and more fully described in the sale deed registered at No 5012 dated 9-12-1983 with Sub Registrar, Karnal

> R K BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date 7 8-1984 Scal

==-3=== 7

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK D.I.F. COLONY

Rohtak, the 10th August 1984

Ref. No. UDR|92|83-84.—Whereas, I, R. K. BHAY NNA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000|- and bearing No.

Land A Kanals situated at 799-B, Laxmi Garden, Yainuna-nagar.

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhari in December, 1983.

not an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evaluon of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely:—

- (1) 1. Smt. Sarita Ranı W|o 5h11 Aiit Kumaı 2. Smt. Urmila Rani W|o Shri Dalip Kumaı R|o 799-B, Laxmi Garden, Yamunanagar. (Tiansieror)
- (2) Shri Shanti Sarup So Shri Shiv Ram, Ro Shanti Niwas, Railway Road, Yamunangar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 20 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Fv\$.(&(9) &:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land 4 kanals, 199-B, Laxmi Gaiden Yamunanagar and more fully described in the sale deed registered at No. 5590 dated 29-12-1983 with Sub Registrar, Jagadhari.

R. K. BHAYAN \
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 10-8-1984.

Stal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. I. F. COLONY

Rohtak, the 10th August 1984

Ref. No. AMB|81|83-84. -Whereas I R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

House No. 100 (area 400 sq. yds.) situated at Ajit Nagar, Ambala Cantt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala in December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the hald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Arjun Lal Kalra s|o Shri Pokhar Dass, Village Nanyola, Distt. Ambala.

(Transferor)

(i) Cap. Ranjeet Singh so Sh. Joginder Singh;
 (ii) Smt. Neelam wo Cap. Ranjeet Singh,
 Ro 100-C, Ajit Nagar, Ambala Can,t.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publiction of this notice in the Official Gazette or a period of 20 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being House No. 100, Ajit Nagar, Ambala Cantt. and as more mentioned in the sale deed registered at No. 5450 dated 12-12-1983 with Sub Registrar, Ambala.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 10-8 1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohtak, the 10th August 1984

Ref. No. AMB|80|83-84.—Whereas I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 11 situated at Baldev Nagar Camp, Ambala City (and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ambala in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afficen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(1) (i) Shri Jiwan Ram s|o Nathu Ram;
 (ii) Shri Ram Niwas s|o Shri Surjan Ram,
 R|o Barnala, Distt. Sangrur.

(Transferor)

(2) Shii Kartar Singh so Shri Kirpal Singh, 10 2181, Nai Abadi Baldev Nagar Camp, Ambala City.

(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 20 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any othr person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) faciliating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property being Plot No. 11 situated at Baldev Nagar, Ambala City and more fully described in the sale deed registered at No. 5416 dated 8-12-83 with Sub Registrar, Ambala.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohtak, the 10th August 1984

Ref. No. AMB|82|83-84.—Whereas I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the 'ncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

House Nos. 1, 2, 36 & 31 Dayal Bagh Colony situated at Mahesh Nagar, Ambala Cantt

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala in December, 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indiat Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Devindera Nath Mukherjee slo Shri Nagendera Nath Mukharjee, rlo 36-37, Dayal Bagh Colony, Mahesh Nagar, Ambala Canti.
- (Transferor)
 (2) Shri Ramesh Nand Lal Trusty & others clo
 The World Renewal Spiritual Trust, Bombay clo
 36-37, Dayal Bagh Colony, Mahesh Nagar,
 Ambula Cantt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

FYPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the saw Act, shall have the amse meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property House Nos. 1, 2, 36 & 31, Dayal Bagh Colony situated at Mahesh Nagar, Ambala Cantt and more fully described in the sale deed registered at No. 5487 dated 12-12-1983 with Sub Registrar, Ambala.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Prespecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Robtak

Date: 10-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohtak, the 10th August 1984

Ref No AMB|84|83-84.—Whereas I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.0001 and having 25,000|- and bearing Kothi No. 96 & 96A, B.I. Mess Road, Ambala Cantt situated

at Ambala Cantt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer

at Ambala in December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) (i) Shri P. A. Rosha.
 - (ii) Ajit Rosha, (iii) Ravi Rosha &
 - (1v) Ashok Rosha sons of Shri J. P. Rosha, Resident of 82-Mansfield Road, Ambala.

(Transferor)

(2) Shu L. D. Gupta, Karta of HUF Lachhman Dass & Sons cto M/s Baij Nath Asharfi Lal Tarpolin Division Show Room No. 18, Sector 7, Chandipmh.

(Transieree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned : -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property being Kothi No. 96 & 96A situated at B. I. Mess Road, Ambala Cantt and more fully described in the sale deed registered at No. 5527 dated 14-12-1983 with Sub Registrar, Ambala.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rolitak

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 10-8-1984

Scal:

FORM ITNS-- ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUINTION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 9th August 1984

Ref. No. 168 Dec. 83 R. II.—Whereas, I Mrs. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing

I and and building at Anapparpalayam situated at Colmbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore Doc. No. 5184|83 on December 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 39-226 G1 84

(1) Mrs. Rajalakshmi, who Srikandan, Mrs. Sarada, w.o Nagarajarao Mrs. Gowri, w.o Subbarao, 8|4 Abdul Raheem Road, Redfiled, Coimbatore,

(Transferor)

 Sri A. V. Govindarajan, slo Sri Velusamynaidu, and Mrs. Sarojini Govindarajan 11 13, Kalingarayar St., Ramnagar, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sail p operty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Anupparpalayam, Coimbatore Town Doc No. 5183'83, 5184'83, Coimbatore.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Madras-600 006

Date: 9-8-1984

NOTICE: UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-I'AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 9th August 1984

Ref. No. 299 Dec. 83 R. H.—Whereas, I Mrs. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Vacant land at Aruppupalayam Village situated at Ranga-

nathanuram

natingulating (and more fully described in schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Coimbatore Doc. No. 4442 83 on Dec. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have tearent believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Sii I. C. Vidyasankar, son of T. K. Chandra Mouli elias T. K. C. Mouli, Rajaji St., Ramnagar, Coimbatore. (in his capacity as the sole executor and Trustee of the last will and Testament of T. K. Chandramouli alias T. K. C. Mouli. (Transferor)
- (2) $M_{\rm P}$ s. Mouli & Sons Engineers (P.) Ltd., Pvt Ltd. (Rajaji St., Ramnagar, Coimbatore). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Aruppupalayam Village, Rancanathapuram, Coimbatore. Doc No. 4442183 Combatore

MRS. M. SAMUFI Competent Authority Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following Acquisition Range, II, Madras-600 006 Date: 9-8-1984 persons, namely :---

(1) Sri T. C. Mani, so T. V. Chacko, University Teacher, Zaria, Nigeria, West Africa, By power Agent Mr. M. C. Ittycheria. (Transferor)

(2) Mr. Gunvantrai M. Doshi, Pravinchandra M. Doshi, sons of Mr. Mafa lal Naranjee Doshi, Sengupta St., Ramnagar, Coimbatore-9.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 9th August 1984

Ref. No. 293|Dec. 83|R. II.—Whereas, I Mrs. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Land and building at Senganor Village situated at Senganor Village Survey Nos. 375, 394, 395 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at Gandhipuram Doc. No. 4439|83 on December 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(2) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building at Senganoor Village Survey No. 375, 394, 395, Gundhipuram.

THE SCHEDULE

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-8-1984

Seal

(1) Mls. Premier Fertilisers Ltd., Pachayankuppan, Cuddalore-607 003.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) M[s. Indag Products (P) Ltd., 29, Police Commissioner Office Road, Madras-600 008.

(fransferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 9th August 1984

Ref. No. 309 Dec. 83 R. II.—Whereas, I Mrs. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Property specified in the schedule to document No. 2441183

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Cuddalore Doc. No. Doc. No. 2441 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property specified in the Schedule to document No. 2441|83. Cuddalore.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the lesue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 9-8-1984

Scal:

(1) Mis Jaya Mary Ammal, wo R. Maria Joseph. Mi Iruthiyaraj, so R. Maria Joseph, Mr. Maria Joseph, so Rathna Naicker, 25, Peria Palli St., Raja Annamalaipuram, Madras-28

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr R Fkambaiam, so P Ramalingam, No 22, Periyar Salai Vanniya Teynampet

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 9th August 1984

Ref No 282 Dec 83 R 11—Whereas, I Mrs M SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing No

Vacant land at No 2, Peria Polli St., situated at Raja Annama

Lupuram Madras 600 028

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Mylapore Doc No 1596|83 on December 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid seeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been tinly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette

INPLANATION - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Vacant land at 2, Peria Palli St., Raja Annamalaipuram, Madras 28 Doc No 1596[83] Mylapore

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Iucome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

> MRS M SAMUEL Competent Authority Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras 600 006

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 26°D of the said Act to the following pulsons namely

9 8-1981 Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 9th August 1984

'Ref. No. 233|Dec. 83|R. II.-Whereas, I Mrs. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-

and bearing No.

Door No. 9, Land and Building at Linga Gounder St., situated at Thiruppur Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transfered in the office of the Registering Officer at Thiruppur Doc. No. 2063 83 on December 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction of evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. Angammal, wlo Ponnuswamy Naicker, 9, Linga Gounder St., Thiruppur. ('Transferor)

(2) Sri P. Selvaraj, so Ponnuswamy, 45, Sakthi Road. Veerappan Sathiram, Erode.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at 14th Ward, Linga Gounder, Thiruppur Town. Doc. No. 2063 83. Thiruppur.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to following persons, namely:--

Date: 9-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madras, the 9th August 1984

Ref. No. 151 Dec. 83 R. II.—Whereas, I Mrs. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land at Kumarapalayam Village, situated at Coimbatore

District

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at

Coimbatore. Doc. No. 100/84 on December 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the cansideration euch transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concenhent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri K. P. Maruthachalam, so M. S. Palaniappa Mudaliar, 189, Rajaveedhi, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Sri K. C. Adumugham Sri A. Paattiappan, 307/5, Jothiramalinganagar, Ramanathapuram,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gasette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Kumarupalayam Village, Coimbatore, Doc. No. 100/84[Coimbatore,

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistan Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-II, Madra; 600 006

Date: 9-8-1984

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONI-R
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 9th August 1984

Ref. No. 380|Dec. 83|R. II.—Whereas, I Mrs. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. 9, 1st Cross St., Raja Annamalaipuram, situated at Madras-28.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Triplicane Doc. No. 1578 83 on December 1983 for an apparent consideration which is less

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) fucilitating the reduction or evasion of the trability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the mid Act, to the following persons, namely:—

(1) Snit, Siyabagyam Annad, K. Rajathi and Kummozhi, 14, 1st Cross St., Raja Annamalaipurum, Madras-28.

(2) Sri K. R. Ranganathan, 7, Ramachandra Road, Madras-17.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 9, 1st Cross St., Raja Annamalaipuram, Madras. (Doc. No. 1578/83)/Tripolicane.

> MRS. M. SAMUFI Competent Authority Inspecting Assistant Commissiones of Income tax Acquisition Range, II, Madras-600 006

Date: 9-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 9th August 1984

Ref. No. 281 Dec. 83 R.II. - Whereas, I, Mrs. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable propetry, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 9, Desikachari Road, Alwarpet, Madras situated at Madras-600 004.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Mylapore (Doc. No. 1599|83) on December 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Mis. T. K. N. Private Limited, rep. by its Managing Director, Sri T. K. Narasimhan, 9, Lady Desikacheri Road, Alwarpet, Madras-4.

(Transferor)

(2) Sri S. Ganeshchand and N. Rajaram, No. 8. Sir Desikachari Road, Alwarpet, Madras-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Charter.

THE SCHEDULE

Land at Alwarpet, Mylapore, Doc. No. 1599[83] Mylapore

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Mad1as-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-secnon (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-40-226 GI184

Date: 9-8-1984

UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

FICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

COUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 9th August 1984

. 400 Dec. 83 R. II.—Whereas, I Mrs. M. SAMUEL. Competent Authority under Section 269B of the 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to id Act'), have reason to believe that the immovperty, having a fair market value exceeding)- and bearing and No. 10, in Parameswari Nagar, Urur Village,

Adyar, Madras

e fully described in the Schedule annexed hereto), transferred

Registration Act, 1908 (16 of 1903) in the office gistering Officer at

oc. No. 3490|83 on December 1983

marent consideration which is less than the fair lue of the aforesaid property, and I have reason to at the fair market value of the property as afore-eds the apparent consideration therefor by more en per cent of such apparent consideration and onsideration for such transfer as agreed to between has not been truly stated in the said instrument of ith the object of-

acilitating the reduction or evasion of the liability if the transferor to pay tax under the said Act, in espect of any income arising from the transfer; nd /or

acilitating the concealment of any income or any noneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for he purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. Dr. Kalpana Ramakrishnan, rep. by her Power of Attorney Agent P. Kandaswamy, No. 82, Second Main Road, Gandhi Nagar, Adyai, Madras-20.

(Transferor) (2) Mrs. Banumathi Arabindoo,

No. 3-C. Fifth St., Padmanabha Nagar, Second Street, Adyar, Madras-20.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:-The terms and expressions used herein sa are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land-Plot No. 10, in Parameswari Nagar, Urur Village Adyar, Madras, Doc. No. 3490[83] Saidapet.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, II Madras-600 006

perefore, in pursuance of Section 269C of the said eby initiate proceedings for the acquisition of the property by the issue of this notice under sub) of Section 269D of the aid Act, to the follows. namely:-

Date: 9-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madras, the 9th August 1984

Ref. No. 269]Dec.83[R.Π.—Whereas, I. MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

Rs. 25,000|- and bearing No. Land at Sulur Village, Coimbatore District. Situated at Coimbatore District

transfer with the object of :-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Sulur. Doc. No. 1616 83 on December 1983 for an apparent consideration which is less the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

A -- --

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Sri Jagannathan, So Venkatarayulu Naidu Nairanjankumar So Jaganathan, Anandakumar, Clo Jagannathan, 1|237B, Pollachi Road, Coimbatore-7.

(Transferot)

 Smt. K. Padmvathi, W|o K. V. Kuppuswamy, 242B, Trichy Road, Sulur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation: -The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Sulur Village, Coimbatore District Doc. No. 1616 83, Sulur.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras.

Date: 9-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 14th August 1984

Ref. No. 41|Jan|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing situated at Village No. 16, (Vilpatti) Kodaikanal, Madurar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Madras Central (Doc. No. 21|84) on Jan. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to centeve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

 Shri K. Miswanathan Director Mls Pond's Exports Ltd.
 Commander-in Chief Road. Madras-105.

(Transferor)

(2) Shri V. Narayanan Chairman and Managing Director M|s Pond's (India) Ltd. 26 Commander-in Chief Road, Madras-105.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Village No. 16 (Vilpatti) Kodaikanal, Madurai Dt. (Doc. No. 21/84)

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras,

Date: 14-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 12th July 1984

Ref. No. 1|Dec|83.-Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 273 & R. S. No. 61 Vembakkam Village, situated at Chingleput D.t.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at at JSR I Madras North (Doc. No. 4126 83) on Nov. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds one apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respectof of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M|s Zip Industries (P) Ltd., 118 Broadway, Ist Floor, Madras.

(Transferor)

(2) Aero Fashion Fasteners (P) Ltd., 118 Broadway, Ist Floor, Madras.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land (Site) at No. 273 Vembakkam village, Chingleput D.t. (Doc. No. 4126|83)

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-7-1984

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 12th July 1984

Ref. No. 2|Dec|83.—Whereas, I,
MRS, M. SAMUEL, M.A.
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000|- and bearing No.
Survey No. 398|4, T. S. No. 64|1
situated at Puliyur Village, Egmore, Madras
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at JSR Madras North I (Doc. No. 4207|83) on Nov. 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. Bakkiammal, Wo Shri Nataraji Mudaliar, 101 A. P. Road, Madras-112.

(Transferor)

(2) Shri V. Chinnadurai, S|o Shri Venkatasamy, No. 22 II main Rd. Trust puram, Madras-24.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site (house) survey No. 39874, T. S. No. 6411, at Puliyur Village, Egmore, Madras. (Doc. No. 4207183)

MRS, M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE U, MADRAS-600 006

Madras, the 12th July 1984

Ref. No. 91|Dec|83.-Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

67 Il Cross St.,

situated at Mylapore, Madras-4.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central (Doc. No. 368 83) on Nov. 1983 for an apparent consideration which is less than the fait market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri P. K. Soundararajan, S|o Sri A. Krishnachar, 6. II Cross Street, Madras-18.

(Transferor)

 (2) Shri M. S. Subramaniam, Slo Sri Seshadri 13 Padmayathiar Road, Jaypore Nagar, Madras-86

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by afty of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 6 Second Cross St., Mylapore, Medras-4. (Doc. No. 368|83)

MRS. M. SAMUEI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras.

Date: 12-7-1984

Scal :

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri V. M. Mohammed yousuff, 14 A Mannady St., Madras-1.

(Transferor)

(2) P. N. P. T. Baheer, 19, Tlatha Muthiappan Street, Madras-1.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11, MADRAS-600 006

Madras, the 12th July 1984

Ref. No. 94|Dcc|84.—Whereas, I, MRS. M. SAMUFL, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as 'he 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

3 New No. 3 Seethamma Extension
situated at IV Cross St., Madras-18,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Madras Central (Doc. No. 340[83) on Nov. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 3 Seethamma Extension IV Cross Street, Madras-18. (Doc. No. 340|83)

> MRS, M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Madray.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-7-1984

FORM TINS-

(1) Smt. R. Lakshmi Ammal, No. 5 Mowbrays First Cross Street, Sri Ram Nagar, Alwarpet, Madras-18.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri T Sornam No. 5 Mowbrays First Cross Street, No. 5 Mowbray Sri Ram Nagar, Alwarpet. Madras-18

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 12th July 1984

Ref. No. 96 Dec 83.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 25 the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair resolution between the competent and the compe property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing

5 Mowbrays First Cross Street, situated at Sr Ram Nagar, Alwarpet, Madras-18. has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Madras Central (Doc. No. 334|83) on Nov. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I-XPLANATION:—The terms and expressions used herein as one defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land & Building at 5 Mowbrays First Cross Street, (Front Portion only) Sri Ram Nagar, Alwarpet, Madras-18. ($\Gamma \sim No.~334|83$)

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereb" initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following prejons, namely :--41-226 GT 84

12-7-1984 : ع مايا

Scal

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 12th July 1984

Ref. No. 97 Dec 83.-Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

241 Mowbrys Road, Madras-18.

situated at Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Madras Central (Doc. No. 9149/83) on Nov. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Str R. S. Rajasekaran, So Late R. S. Hanumuga Rajeswara Sethupathi, Raja of Ramand, 241 Mowbray's Road, Alwarpet, Madras-18.

(Transferor)

(2) Sri V. Venkataraman Slo Sri V. Vaithiananthasamy Iyer, 3,28th St., Thillai Ganga Nagar, Nanganallur, Madras-18.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 50 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Expressions:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & Building at 241 Mowbrays Road, Madras-18. (Doc. No. 9149|83)

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by he issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manuely:---

Date: 12-7-1984

FORM I.T.N.S.-

(i) Shii P. K. Rajasekaran. No. 5, State Bank Old Colony, Tambaram West, Madras-45.

(Transferor)

(2) Shri S. Anandavelu, Gandhipuram. 1, Rajamundry. 3

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 12th July 1984

Ref. Nofl 150 Dec 8 3 R.II. - Whereas, I, M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Plot 61, T. S. 7|2, Adyar Village situated at Adyar (and more fully december 1).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Madras South Doc. No. 46/84 on Nov. 1983
for an apparent consideration which is less than the

far market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transferse agreed to between the parties has not been truly stated in as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetia.

I XPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Kotturpuram, Adyar Village. (Doc. No. 46/84)

M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madtas-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Dilip Kumar & Others, 5 II main road, C. I. T. Colony, Madras-4.

(Transferor)

(2) Shri M. Abu Backer 87 Luz Church Road, Mylapore, Madras-4.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madras-600006, the 12th July 1984

Ref. No. 124 Dec [83,—Whereas, I, M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No. 174 Fldams Rd., Teynampet.

situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central (Doc. No. 406|83) on Nov. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to be even that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other nesets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Ground at door No. 174, Fldams Rd., Madras-4, (Doc. No. 460[83)

> M. SAMULI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Acr, to the following persons, namely --

Date: 12-7-1984 Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th August 1984

Rcf. No. CHD 140 83-84.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing House No. 8

situated at Sector 33-A Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in Dec. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Madan Lal Slo Sh. Lal Chand Rlo H. No. 1414 Sector 34-C Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Asha Rani Wlo Sh. Des Raj and Smt. Rekha Rani Wlo Sh. Subhash Chander Rlo Vill. Billi Mar (Nasere Kc) Tch. Guru Harsahai Distt. Ferozepur, Punjab.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 8 Sector 33-A Chandigarh. (The Property as mentioned in the sale deed No. 1071 of Dec 1983 of the Registering Authority Chandigarh)

IOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 13-8-1984

FORM I.T.N.S.——-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th August 1984

Ref. No. CHD|130|83-84.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-(ax Act, (43 of 1961) (he,einafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing

II No. 1563

situated at Sector 34-D, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Chandigarh in Dec. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen pur cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa'd property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Sh. Ashok Bansal, MD M|s Model Builders Pvt. Ltd; 17|10A Chandigarh, J. P. attorney of Major Vijayargia.

(Transferor)

(2) Sh. Ram Singh and Gurbachan Kaur R|o 1563 Sector 34-D, Chandigath,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 1563 Sector 34-D, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1010 of Dec 1983 of the Registering Authority Chandigarh.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 13-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

through attorney Sh. Ajay Sangari Ro 412, Sector 22 A. Chandigarh.

(1) Sh. Magha Singh

(2) Sh. Khushi Ram Gupta, Ex, M.L.A. Village Thathal Via Amb, Distt. Una (H.P.)

(Transferce)

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th August 1984

Ref. No. CHD|124|83-84,—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

± share of H. No. 27 situated at Sector 27A, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indum Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigarh in Dec. 1983 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid pro-perty, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andior

(b) facultating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested n the said immovable property, within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used therein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

½ share of H. No. 27 Sector 27 A, Chandigath. (The property as mentioned in the sale deed No. 980 of Dec. 1983 of the Registering Authority Chandigarh.)

JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : -

Date: 13-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

LuJhiana, die 14th August 1981

Ref. No LDH|183 & 193|83-84.--Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing No. H No B-X-1101 1

situated at Gurdev Nagar Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Ludhiana in Dec. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exxceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agred to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Kulwant Kaur Wlo Sh. Kartar Singh Rlo 1090|4 Guidev Nagar Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Trishana Devi & Sh Abhey Kumar Jain Rlo 7-C, Sarabha Nagar Ludhiana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

H. No. B-X-1101|1 Gurdev Nagar Ludhiana, (The property as mentioned in the sale deed No. 10966 & 10804 of Dec. 1983 of the Registering Authority Ludhiana.)

> JOGINDER SINGH Competent Authority In perting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana .

Date . 14-8-1984 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sh Guljar Smgh S o Sh Hazara Singh R¹o 10 Sector 19-A. Chandieath

(Transferor)

(2) Sh Ram Saran Dasa Slo Sh Dhul Chind R o H No 212 Sector 18 A Chandrath

(Itansferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX,

> ACQUISITION RANGL, LUDHIAN A

Ludhiana, the 13th August 1984

Ref. No. CHD|123183-84 -- Where is -1

JOGINDER_SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000and be uing

Pht No 300

situated at 33 V. Chandigath (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

under registration_Act, 1908 (16 of 1908) in the office of

the Registering Officer

nt Chandigath in Dec 1983 for an apparent consideration which is less than the fair murket value of the aforesaid property and I have reason to hereve that the fair market value of the property is afterand exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as unleed to between the partie has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, on the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to be the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPL4NATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULF

Plot No 300 Sector 33-A Chandigarh, (The property as mentioned in the sale deed No. 979 of 1983 of the Registering Authority Chandigath)

> IOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tox Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acqui thon of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 209D of the art left to the following rersons, namely '-42-226 GI|84

Date 13 8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th August 1984

Ref. No. LDH|187 & 222A|83-84.—Whereas. I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Plot No. B-23-66|3A situated at Textile Colony Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in Dec. 1983 & Jan. 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Murari Parsad Slo Naval Kishore through Joginder Singh Slo Partap Singh Rlo B-8-566, New Mohalla Ludhiana

(Transferor)

(2) Sh. Surinder Mohan Bhardwoj Slo Gurparkash Rlo 3/4 Textile Colony, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. B-23-666 A, Textile Colony Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 10882 of Dec. 1983 and 11990 of Jan. 1984 of the Registering Authority Ludhiana)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 13-8-1984

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th August 1984

Rcf. No. CHD|138|83-84 —Whereas, I, JOGINDLR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property baving a fair market value exceeding

Rs. 25,0001- and bearing No

H. No. 9. Sector 33-A situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in Dec. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sh Satish Kumar
 Sho Sh. Han Parkash Rio
 Vill. Mohana Distt. Kurukshetra.

(Transferor)

 Smt. Bakhshish Keui Wio Sh. Dhandev Vill. and P.O. Kanech Disti-Ludhiana,

2 Gurcharan Kaut Wdlo Capt, Ranjit Singh Vill, Patarsi Khurd Teh, Sithand,

(Transferee)

(3) Sh. K. Bhaskatan Rio H. No. 9 Sector 33-A Chandigarh,

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I'XPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given at that Chapter

THE SCHEDULE

H. No. 9, Sector 33-A Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1062 of Dec. 1983 of the Registering Authority Chandigarh.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 13-8-1984

(1) Col. Harsaran Singh, 10|2, Army Hospital, New Delhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S. Mukhvinder Singh Dhillon Slo S. Waryam Singh Rlo H. No. 1040 Sector 36-C Chandigarh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th August 1984

Ref. No. CHD 135 83-84.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Plot No. 1730 Sector 33-D

situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Chandigarh in Dec. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- '(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the conceanment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objection, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. 1730 Sector 33-D Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 10 of Dec. 1983 of the Registering Authority Chandigarh.)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid proper'y by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-8-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDLR SECTION 269D(17) OF THE INCOML TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE LUDHIANA

Ludhiana the 13th August 1984

Ref. No. CHD₁122 83 84 —Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fan market value exceeding Rs 25,000/and bearing No

shite Plot No. 2 P street H. New No. 214 situated at Sector 11-A Chandigath

rand more fully described in the Schedule annexed hereto)

his been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Chandigath in Dec 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore and exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transier with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the dability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1927) or the said Act or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Khushi Ram Gupta ENMLA Slo Neki Ram Rlo Vill Thathil Vin Amb Distt Una (HP) (Transferor)

(2) Sh. Sund Bhosin Slo Sh. Rajindei Kumin Ro H. No. 126 Sector 16 A Chandigarh

(Transferee)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (1) by any of the aforestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

The terms and expressions used herein as use defined in Chapter XXA of the same LAPIANATION Act shall have the same meaning as given in that Chipter

THE SCHEDULE

hare of Plut No 2 P Street H New No 214 Sector il A Chuidigarh as mentioned in the sale deed No (The property 371 of Dec 1983 of the Registering Authority Chandigath)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-lax Acquisition Range, Ludhiana

Now therefore in pinsuance of Section 2690 of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesul propert by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely --

Date 13 8 1984 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

1 udhiana, the 13th August 1984

Ref. No. UNA 183-84.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incomee-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding R5, 25,000; and bearing No.

Land measuring 32 Kanal situated at Vill. Basal, Una (and more fully descirbed in the schedule annexed hereto) has been transferred

under registration Act, 1908 16 of 1901) in the Office of the

Registering Officer at Una in Dec. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mahant Sugreeva Nand Chela Mahant Atma Nand Chela Mahant Prama Nand Ro Deta Bawa Rudhia Nand Vill. Nari Thana Teh. Una. (11.P)

(Transferoi)

(2) Mis Himachal Khand Udyog Pvt. Ltd. Nai Singh Mandir, Village & Post Office Basal Distt. Una. (H.P.) through Sh Satya Parkash Director,

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herem as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land measuring 32 Kanal VIII. Basal. Teh. Una. (H.P.) (The property as mentioned in the sale deed No. 1165 of Dec. 1983 of the Registering Authority Una.)

JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:---

Date: 13-8-1984

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA Ludhiana, the 13th August 1984

Ref. No. CHD[134]83-84 -- Whereas, 1,

JOGINDER SINGH. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,0001- and bearing No. II. No. 2381 situated Sector 23-C. Chandigath. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of Registering officer at Chandigarh in Dec. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apperent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to he disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); (1) Smt. Sohna Devi Who Sh. Ram Kumai Rio 2381 Sector 23-C, Chanoigarh

(Transferor)

(2) Sh. balwant Singh Sto Sh. Dilip Singh R₁o H. No. 2381 Sector 23-C, Chandiearh,

(Transferce)

(3) Major Gill. R'e H. No. 2381 Sector 23-C, Chandigach.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 2381 Sector 23-C, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1043 of Dec. 1983 of the Registering Authority Chandigarh.)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date 13-8-1984

Scal:

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, LUDIHANA

Ludhima, the 14th August 1984

Ref. No LDH|158 & 159|83-84 —Whereas, I. JOGINDER SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,009/and bearing No.

House No. B. I. 809|4

situated at Prem Nagar, Kundanpuri, Civil Lines, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ludhiana in December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

(1) Shii Dault Ram Slo Sh. Gainda Rom Ro House No. B.I. 809'4. Prem Nagar, Kundan Puri, Civil Lines, Ludhiana.

(Transferor)

(2) I. Smt. Pratibha Rani Wio Sh. Kuldeep Kumar &

2. Smt. Meena Win Sh. Ajay Kumar

R'o House No. B. 4 202., Purana Bazat, Chowk Dr. Bimla Syal. Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. B. I. 80914, Prem Nagar, Kundanpuri, Civil

Lines, Ludhiana.
(The property as mentioned in the sale deed Nos. 10356 and 10349 of December, 1983 of Sub Registrar, Ludihana.

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 14-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQULITION RANGE, LUDHIANA Indhiana, the 13th August 1984

Ref. No. CHD|125|83-84.—Whereas, I, JOGINDER SINGH.

bling the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. SCF. No. 4

situated at Sector 23-C, Chandigath (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Chandigarh in Dec. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market valuue of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income on any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

(1) Sh. Ranjît Singh Dhillon S'o Sh. Arur Singh R'o H No 664 Phase I. Mobalc.

(Transferor)

(2)1. Smt. Krishna Wanti W.o Sh. Bhagwan Dass
2. Sh. Pardeep Kumar Slo Sh. Bhagwan Dass
3. Smt. Asha Rani W.o Sh. Pardeep Kumar R.o. SCF. 7, Sector 18-D. Chandigarh

(Transferee)

(3) Friends Photographer, SCF No. 4 Sector 23-C, Chandigarh.

(Person in occupation of the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichover period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

SCF. No. 4, Sector 23-C. Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 990 of Dec. 1983 of the Registering Authority Chandigarh.)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subnersons, namely ;—43—226 GI¹84

Date: 13-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th August 1984

Ref. No. CHD|133|83-84.—Whereas, I, IOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-and bearing No. Plot No. 3272

situated at Sector 35-D, Chandigarh

and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Chandigarh in Dec. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid xceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any meaning from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other any which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1927) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. f. S Dhingra Slo Sh. Amar Singh Rho No. 1, Lal Devi Bldg Near Sadar Police Station, Amritsar, through S. P. A. Sh. Joginder Lal Kumar H. No. 3272 Sector 35-D, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Shanti Devi Wio Sh. Joginder Lal Kumar Rio 3272 Sector 35-D, Chandigarh,

(Transferee)

(3) 1, Sh. Anya Kumar
2. Sh. Dev Dutt Sharma R|o
3272 Sector 35-D, Chandigarh,
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used begins as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3272, Sector 35-D, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1028 of Dec. 1983 of the Registering Authority Chandigarh.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-(ax
Acquisition Range, Indiana

Date: 13-8-1984

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th August 1984

Ref. No. LDH/251 to 256/83-84.—Whereas, I. JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the movable property having a fair market value exceeding Rs.

25,000|- and bearing No. H. No. B-19|94 near Govt. College for Women

situated at Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ludhiana in Jan. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I herey initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following региона, namely

(1) Smt. Sivtri Devi Urf Shanti Devi Wdio Brahma Nand R|o 1101|7 Tagore Nagar Ludhiana, 2. Smt. bably Urf Radha Do Barhma Nand 3. Smt. Sita Urf Sivia D|o Barhma Nand
4. Smt. Suda Urf Poonam
D|o Barhma Nand 5. Sh. Ravinder Kumar 6. Sh. Subash Kumar

Ssjo Barhma Nand R|o 1101|7 Tagore Nagar, Ludhiana.

(2) Sh. Subash Kumar Jain So Telu Ram Jain Ro B-IV-213, Wait Ganj, Ludhiana.

(Transferors)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. B-19 94, near Govt. College for Women, Ludhiana. (The Property as mentioned in the sale deed No. 12633, 12634, 12635, 12636, 12637, 12638 of Jan 1984 of the Registering Authority Ludhiana. Registering Authority Ludhlana.)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date : 13-8-1984 Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE. LUDHIANA

Ludhiana, the 13th August 1984

Ref. No. SML|11|83-84.--Whereas, I,

JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot bearing Khasra No. 59 A, measuring 480 sq. yds. and 8 sq. ft.

situated at Lakkar Bazar, Shimla

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Shimla in Dec. 1983 for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 SSh. Puran Chand, Krishan Chand, Gokal Chand and Gopal Dass Village & P. O. Pragpur, Distt. Kangra.

(Transferor)

(2) Sh. Rajiv Kumai S|o Mohan La! R|o Sukh Sagar Building, Sanjauli Shimla.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULL

Plot bearing Khasra No. 59 A measuring 480 sq. yds. and 8 sq. ft. Lakkar Buzar, Shimla.

(The property as mentioned in the sale deed No. 785 of

Dec. 1983 of the Registering Authority Shimla.)

IOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

1246 . 138-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE LUDHIANA

Ludhiana, the 14th August, 1984

Ref. No. LDH|209|83-84.-- Whereas, I, JOGINDER SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No 15th share in H. No. B. 12, 337, situated at Shahpur Road, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Ludhiana in December 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 Sh. Jagdish Singh Tuli Slo S. Hazur Singh through attorney Smt. Parkash Kaur Tuli Rlo B. 12, 337, Shahpur Road, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Tarsen Lal S|o Sh. Arjan Dass R|o House No. B.12.337, Shahpur Road, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

15th share in H.No.B.337, Shahpur Road, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 11450 of 12[83 of the Registering Authority, Ludhiana)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 14-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE LUDHIANA

Ludhiana, the 14th August, 1984

Ref. No. LDH,228|83-84.---Whereas, 1, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No.

1|5th share of House No. B-L 12 337

sitated at Shahpur Road, Ludhana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer n_{\parallel}

Ludhiana in January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Sh. Kuljit Singh Tuli S|o S. Hazur Singh, through Smt. Parkash Kaur, mother, R|o B.12.337, Shahpur Road Ludhlana.

(Transferor)

(2) Smt. Meena umati W.o Sh. Tarsem Lal Rlo House No.B.12.337, Shahpu. Road, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1|5th share of H.No.B.12.337, Shahpur Road, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 12071 of Jan., 1984 of the Registering Authority, Ludhiana)

JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date / 14-8-1984

Scal:

FORM NO. I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE LUDHIANA

Ludhiana, the 14th August, 1984

Ref. No. LDH 488 83-84 — Whereas, I. JOGINDER SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. 1|5th share in House No. B.12.337 situated at Shahpur Road Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Sh. Satvinder Singh Tuli Wo Hazur Singh, R o 8, 12, 337, Shahpu, Road, Ludhiana, (through attorney Smt. Parkash Kaur, mother). (Transferor)
- (2) Shii Tarsem Lal Slo Sh. Aijan Dass Ro H.B 12 337, Shahpur Road, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the suid property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein 15 are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

1|5th share in H.No.B.12.337. Shahpur Road, Ludhiana (The property as mentioned in the sale deed No 1086 of 12|83 of Sub Registrar, Ludhiana)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhana

Date: 14-8-1984

Soal:

(1) Smt. Parkash Kaur wdlo S. Hazur Singh Tuli rlo B 12 337, Shalman Pond Ludhiana

(Transferor)

(2) Sh. Arjan Dass slo Sh. Ronak Rain to B-12 337, Shahpur Road, Ludhiana.

(Fransferee)

NÓTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Ludhiana, the 14th August, 1984

Ref. No. LDH|229|83-84.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

1|5th share of House No. B 12.337 situated at Shahpur Road Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer at

Ludhiana in January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following episons, namely:—

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1|5th Share of H.No.B-12.337 Shahpur Road Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 12072 of Jan 1984 of the Registering Authority Ludhiana.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition R ne. Ludhana

Date: 14-8-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE LUDHIANA

Ludhiana, the 14th August 1984

Ref. No. LDH|210|83-84.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

No. 15th share in House No. B.12.337

situated at Shahpur Road Ludhiana

'and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

under registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the Office of the Regisering Officer

Ludhlana in December 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
44—226 GI[84

(1) Inderlit Kaur Tuli D|o S. Hazur Singh Tuli r|o H.No.B-12.337 Shahpur Road Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Parsini Devi wo Sh. Arjan Dass roo H.No.B-12.337 Shahpur Road I udhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1|5th Share of H.No.B-12.337 Shahpur Road Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 11451 of Dec 1983 of the Registering Authority Ludhiana.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date 14-8-1984

Scal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 9th August 1984

Ref. No. AP. No. 15548.—Whereas, 1, J. L. GIRDHAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on Dec. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Mohlader Singh so Gopal Singh Ro Koth Capoor Property dealers, Adarsh Nagar, near Foot Bal Chowk, Jalandhar, Mukhtiar Khas of Gopal Singh so Sunder Dass.

(2) Shri Balwant Singh Teji slo Bagh Singh rlo 9, Guru Nank Nagar near Model Town,

Jalandhar

(Transferee)

(3) as s. no. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the sequisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Clazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the data of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as an defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property portion Kothi No. 9 situated in Guru Nanak Nagar Valandhar and persons as mentioned in the registered Authority sale deed No. 5683 of Dec. 1983 of the Registering Authority Jalandhar.

I. L. CIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I. hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date :9-9-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Jalandhar, the 9th August 1984

Ref. No. A.P. No. 5549.—Whereus, I, J. L. GIRDHAR

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and 'ocaring

No. as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in Jan. 1984

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Nirmal Kaur wife of Mohinder Singh rlo Kothi Capoor Property dealer, Adarsh Nagar, near Footbal Chowk Jalandhar.
- (Transferor)
 (2) Shri Harjit Singh so Balwant Singh Teji
 Ro 9-Guru Nanak Nagar near Model Town,
 Jalandhar.

(Transferee)

(3) as s. no. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be

interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property portion Kothi No. 9 situated in Guru Nanak Nagar, Jalandhar & persons as mentioned in the registered sale deed No. 5939 of January 84 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jalandhar

Date : 9-8-84

FORM I.T.N.S. -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE

Jalandhar, the 9th August 1984

Ref. No. A.P. No. 5550.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. as per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in Jan. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transferor, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subing persons namely:—

- (1) Shri Mohinder Singh slo Gopal Singh Rlo Kothi Capoor Property dealer, Adarsh Nagar near Pootbal Chowk, Jalandhar.

 (Transferee)
- (2) Shrimati Mukhtiar Kaur D|o Bhagat Singh r|o 9-Guru Nanak Nagar, near Model Town, Jalandhar. (Transferee,
- (3) as s. no. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Actshall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Powerty portion Kothi No. 9 Guru Nanak Nagar, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 6094 of January, 84 of the Registering Authority, Jalandhar,

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jalandhar

Date: 9-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUÍSITION RANGE JALANDHAR

Jalandhai, the 10th August 1984

Ref. No. A. P. No. 5559.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

teing the Competent Authority under Section 269B of the Lucome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in Dec. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Pal Singh s|o Bhagat Singh r|o V. Wariana tehsil Jalandhar.

(Transferor)
(2) Shri Aytar Singh, Iqbal Singh, Jaswinder
Singh & Sarbjit Singh Sso Gurbax Singh 1/0 V.
Wariana Teh. Jalandhar.

(Transferee)

(3) as s. no. 2 above.

(4) any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be

interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land area 8 K 8 Mls. situated in V. Wariana and persons as mentioned in the registered sale deed No. 5798 of December, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

I. L. GIRDHAR
Competent, Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jalandhar

Date: 10-8-1984

Scal:

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. JALANDHAR

Jalandhar, the 9th August 1984

Ref. No. A.P. No. 5560.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing No.

as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in Dec. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or avasion of the liability of the transferor to may tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Ram Sahai slo Kishan Chand rlo 649-Mota Singh Nagar, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Kartar Singh slo Charan Singh 1 o Kholewala Distt. Kapurthala.

(Transferee)

(3) as s. no. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Plot No 636 (9 M-27 S. ft) situated in Mota Singh Nagar Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 5753 of December, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Jalandhar

Date: 10-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHTR

Jalandhar, the 10th August 1984

Ref. No. A.P. No. 5561.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Dec. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of *---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Nirmia Dabar Wo Maharaj Krishan Ro House No. 113, Harbans Nagar, Jalandhar. (Transfero:)
- (2) Shri Ram Chand slo Machi Ram rlo 113, Harbans Nagar near Adarsh Nagar, Jalandhar. (Transferee)
- (3) as s, no. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesist persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period captures later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property House No. 113, Harbanse Nagar, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 5317 of December 83 of the Registering Authority Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jalandhar

Date: 10-8-1984

NOTICE UNDER SUCTION 296D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE **JALANDHAR**

Jalandhar, the 10th August 1984

Ref. No. A.P. No. 5562.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No. as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jalandhar on Dec. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Shri Naresh Kumar soo Ram Kishan ro Harbans Nagar, Jalandhar.
 - (Transferor)
- (2) Shri Harbans Lal, Subash Chander sslo Sh. Ram Chand to 113, Harbans Nagar, Jalandhar, (Transferee)
- (3) as s. no. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property House No. 113 situated in Harbans Nagar Jalanthar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 6247 of January, 84 of the Registering Authority Jalan-

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Jalandhar

Date: 10-8-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(17) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th August 1984

Ref. No. A. P. No. 5563.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to is the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on December, 1983.

fauntinar on December, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said matternet of transfer with the object of ...

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any incomes of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesail property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following parents margely

45--226 GI 84

(1) Shri Ranjit Singh s|o Joginder Singh Sandhu self and Mukhtiar-am of Pritam Kaur wa|o Joginder Singh r|o 226-L, Model Town, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Gurdit Singh s|o Jawala Singh r|o V. Pheruman Distt. Amritsar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period approximately.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property 1|3 of 226-L, Model Town, Jalandhar and persons us mentioned in the registered sale deed No. 5584 of December, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rance Islandhar

inte : 13-8-84

Scal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JAI ANDHAR

Jalandhar, the 13th August 1984

Ref. No. A. P. No. 5564.—Whereas, I,

J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Jalandhar on Feb. 1984

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) Shri Ranjit Singh so Joginder Singh Sandhu self and Mukhtiar-am of Pritam Kaur wd|o Joginder Singh and Inderjit Singh Sasdhu Son Maj. Joginder Singh ro C-100, Ajit Nagar, Ambala Cantt.

(Transferor)

(2) Shri Sukhdev Singh Mann so Gurdit Singh Distt. Amritsar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (n) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property 1|3 of 226-L, Model Town, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed 6554 of Februhry, 1984 of the Registering Authority, Jalandhar,

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 13-8-84

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th August 1984

Ref. No. A P No. 5565.-Whereas, I, J. L GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000 - and bearing No.

No. as per schedule situated at Jalandhar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhai on February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(1) Maj. Ranjit Singh self and Mukhtiar-am of Smt. P₁ Itam Kaur w|o Joginder Singh r|o 226-L, Model Town, Jalandhar, and Capt, G. S Sandhu so Maj Joginder Singh Sandhu.

(Transferor)

(2) Shrimati Paramjit Kaur d[o Kundan Singh, rlo Fauji Colony, Bajpur Distt. Nainital (U.P.).

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersign A knows to be interested in the property:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period exputs later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property 1|3 of 226-L, Model Town, Jalandhar and persons as mentioned at the registered sale deed No. 6572 of Feb. 1984 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 13-8-84

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th August 1984

Ref. No. A.P. No. 5566 .-- Whereas, I,

J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar.

(and more fully described in the Scheduled annexed bereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Jalandhar on December, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income at any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Om Parkash Sharma s o Salig Ram, r o Canal Colony, Qr. No. S-3, Kapurthala Road, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Mastan Singh slo Sadhu Singh c o Jaswant Singh, r o 32. Guru Nank Nagar, Jalandhar,

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property house situated in Guru Nanak Nagar, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 5567 of December, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following cersons namely:

Date: 13-8-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th August 1984

Ref. No. A. P. 5567.—Whereas, I,

J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No as per schedule situated at Jalandhar.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) office of the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax at Jalandhar on December, 1983.

for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than after per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Mahan Singh s|o Bhagat Singh, r|o 661-L, Model Town, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Rakesh Kumar Arora s|o Prem Chand, r|o 491-R, Model Town, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property area 11 Mls. 123 Sq. ft situated at Green Model Town, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 566 3 of December, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 13-8-84

Seal .

FORM ITNS ------

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF 1" · INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th August 1984

Ref. No. A. P. No. 5568.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. as per schedule situated at Jalandhar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Malandhar in Jan. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any runneys or other asects which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :— (1) Shri Mahan Singh slo Bhagat Singh, rlo 661-L, Model Town, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shrimati Asha Rhni wife of Prem Chand, rlo 491-R, Model Town, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property area 11 Mls. 123 Sq. ft. situated at Green Model Town, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 5855 of January, 84 of the Registering Authority, Jalandhar,

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 13-8-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th August 1984

Ref. No. A. P. No. 5569 —Whereas, I,

J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 1908) in the Office of the Registering Officer

at Jalandhar on December, 1983.

tot an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen por cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) racditating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the social property by the issue of this notice under subsction (1) of Section 269D of the said Act, to the following regions, namely:—

(1) Shri Pritpal Singh s|0 Major Kirpal Singh Mukhtaa-am of Mahraja Sukhjit Singh Sahib Bahadur of Kapurthala.

(Transferor)

(2) Shrimati Gurdip Kaur wo Satwant Singh Bains, ro Mahilpur tehsil Garhshanker, Distt. Hoshiarpur.

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above.

ove.

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) hy any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pubcation or this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property portion Kothi situated in Baradari, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 5665 of December. 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Dafe: 13-8-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Inlandhar, the 14th August 1984

Red No A P No 5572—Whereas, I, J L GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25 000|- and bearing

No as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at flalandhar on December 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitten per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income straing from the transfer and/or
- 'b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the followin person namely:—

(1) Shri Piara Singh s|o Mehanga Singh and Karamjit Singh, Harvinder Singh, Harpal Singh ss|o Piara Singh, i|o E-32, Industrial area, Jatandhar

(Transferor)

(2) Shrimati Santosh Kumari wlo Shambu Nath, rlo WA 166, Chowk Sudan, Jalandhar,

(Transferee)

(3) As S No 2 above

ove

(Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property area 73 Mls 9 S ft situated at Balandpur road Byc pass, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No 5608 of December, 83 of the Registering Authority, Jalandhar

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Jalandhar

Date 14 8 84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMFTAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th August 1984

Ref. No. Λ. P. No. 5573.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000|- and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jalandhar on December, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the soid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

46-226 GI 84

(1) Shri Ram Singh 30 Vir Singh, rlo EA-186 Qazı Mohalla, Gali Tellan, Jalandhaı.

(Transferor)

(2) Shri Avtar Singh slo Vir Singh, rlo EA-186 Qazi Mohalla, Gali Telian, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property 1₁2 of House No. EA-186 Kazi Mohalla, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 5494 of December, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. 1. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 14-8-84

Scal:

HOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th August 1984

Ref. No. A. P. No. 5574.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

tat Jalandhar on December, 1983

nor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Tarsem Lal
slo Sibba Ram,
rlo Boota Mandi, Jalandhar
Mukhti... Khas of Ram Chand
slo Garib Chand,
rlo House No. 12, New Ambedkar,
Nakodur Road, Jalandhar,
Mukhtiat-an of Mohan Kaur
dlo Mehanga Singh and Kulwant Singh
slo Rakha Singh,
5 Carlyle Garden, South Hall.

Om Parkash

(2) Shri Om Parkash slo Bhagat Ram, rlo Boota Mandi, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property House situated in Rameshwar Colony, near Abad Pura, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 5/75 of December, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

Date: 14-8-84

FORM 11NS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th August 1984

Ref. No. A.P. No. 5571.—Whereas, {, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing

No. as per schedule situated at Hoshiaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Hoshiarpur on December, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Sheela Devi Wdo Ram Parasad. Prahlad Nagar, Hoshiarpur.

(Transferous

(2) Shi i Nem Chand So Ghulla Ram, Ro Nai Abadi, Hoshiarpur.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale Decd No. 4158 of December, 983 of the Registering Authority, Hoshiarpur.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 14-8-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th August 1984

Ref. No. A.P. No. 5570.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. as per schedule situated at Hoshiarpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur on December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Sheela Devi Wdlo Ram Harasad, Vinod Kumar, Jwahar Lal Sslo Ram Parasad, Rlo Moh. Piahlad Nagai, Hoshiarpur. (Transferor)
- Smt. Sualakshua Jain Wo Vijay Kumar, Nai Abadi, Hoshiarpur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property,
(Person whom the undersigned knows to
be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale Deed No. 3987 of December 1983 of the Registering Authority, Hoshiarpur.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 14-8-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th August 1984

Ref. No. A.P. No. 5575.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market vlaue exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Phagwara

No. as per schedule situated at Phagwara (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Phagwara on December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Amerik Singh Slo Mahya, Ro Banga Road, Phagwara.

(Transferor)

(2) Smt. Mohinder Kaur Wo Lahamber Singh, Rlo Vill. Nangal Majha, Teh. Phagwara

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale Deed No. 2139 of December, 1983 of the Registering Authority, Phagwara.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaiandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-rection (1) of ection 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 14-8-1984.

20920

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th August 1984

Ref. No. A.P. No. 5576.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing No. as per schedule situated at Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in January 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ...

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shu Amarik Singh Slo Mahya, Ro Ro Mehli gate, Phagwara.

(Transferor)

- (2) Smt. Mohindei Kaur Wlo Lahamber Singh. Rlo Vill. Nangal Majha, Teh. Phagwara.
- (3) As per St. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein a. are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale deed No. 2277 of January 1984 of the Registering Authority of Phagwara.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-8-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE 'NOOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTIL COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th August 1984

Ref. No. A.P. No. 5577.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

No. as per schedule situated at Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer

at Phagwain on February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other pasets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Amarik Singh Slo Mahya, Ro Banga Road, Phagwara.

(Transferor)

(2) Smt Mohinder Kaur Wo Lahmber Singh, R|o Vill, Nangal Majha, Teh. Phagwara.

(3) As per Sr. No 2 above.

(Transferee)

(Person in occupation of the property) (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale Deed No. 2499 of February, 1984 of the Registering Autho rity, Phagwara.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 14-8-1984,

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th August 1984

Ref. No. A.P. No. 5578.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Phagwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1938 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Phagwara on March, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or may moneys or other assets which have not been or which enght to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the statement of the following persons, namely:—

(1) Shri Amerik Singh Slo Mahya, Rlo Melhi Gate Phagwara

(Transferor)

(2) Smt. Mohinder Kaur Wo Lahmber Singh. Ro Vill. Nangal Majha, Teh. Phagwara.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale Deed No. 2683 of March, 1984 of the Registering Authority, Phagwara.

J. L. GIRDHAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 14-8-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, IALANDHAR

Jalandhar, the 14th August 1984

Ref. No. A.P. No. 5583.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing
No. as per Schedule situated at Jalandhar

No. as per Schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Jalandhar on December, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than theceonsideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and text

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Indrawanti wo Hukam Chand ro 53 Rajinder Nagar, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Vinod Kumar Sharma soo Ram Labhaya, Ro EN-181, Chowk Qade Shah, Jalandhar.

(L) 应证 (Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the Registered Sale Deed No. 5345 of December, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 14-8-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI,

TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 3rd August 1984

Ref. No. ASR|84-85|68.—Whereas, I, B. S. DHILLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

A plot of land situated at Batala Road, Amritsai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at S. R. Amritsar on December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed 'o between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kundan Chand soo Shri Narain Dass, Cooper Road, Amritsar.

(Transferor)

- (2) M/s Shakti Woollen Mills, Batala Road, Amritsar, through Shri Ramesh Kumar partner.
- (3) As at S. No. 2 above and tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 533 sq. yds., situated at Batala Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 10416, dated 5-12-1983 of Registering Authority, Amritsar.

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 3-8-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 4th August 1984

Ref. No. ASR 84-85 69.—Whereas, I, B. S. DHILLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. and bearing

Agricultural land situated at Vill. Bharoli Klan, Pathankot (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at S. R. Pathankot on December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property an di have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid acceds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Nanak Chand, Sunder Singh, slo Shri Maru Ram, rlo Vill. Bharoli Klan, Teh. Pathankot, District Gurdaspur.

(Transferor)

(2) Hindustan Bottle Store, Gurdaspur Road, Pathankot.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenants if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms ond expressions unsed herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 6 kanals, and 2 marlas, situated at Bharoli Klan, Teh. Pathankot, District Gurdaspur, as mentioned in Sale Deed No. 2627, dated 16-12-1983 of Regisering Authority, Pathankot.

Inspecting Assista

B. S. DHILLON, IRS mpetent Authority ner of Income-tax Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 4-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 30th July 1984

Ref. No. ASR|84-85|70.—Whereas, I, B. S. DHILLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

One property situated at Court Road, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at S.R. Amritsar on December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.

(b) fucilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, pamely:—

- (1) Smt. Puran Kaur wd. o Shri Harbhajan Singh, rlo 31, Punjab Roadways Colony, Amritsat. (Transfetor)
- (2) Smt. Parkash Kaur wd. o Shri Surinder Singh, rio 20, Mohindra House Colony, Court Road, Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above and tenants if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4th portion of property situated at Court Road, Amritsar as mentioned in Sale Deed No. 11134, dated 23-12-1983 of Registering Authority, Amritsar.

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 30-7-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI. TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 30th July 1984

Ref. No. ASR 84-85 71.—Whereas, 1, B. S. DHILLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

One property situated at Court Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at S. R. Amritsar on February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Puran Kaur wd. o Shri Harbhajan Singh, ro 31, Punjab Roadways Colony, Amrusai. (Transferor)
- (2) Smt. Kuldish Kaur wd. o Shri Nain Singh, r o Phagwara Satnampura through Shri Ravinderpal Singh s o Shri Surinder Singh, 20 Monindra House Colony, Court Road, Amritsar.
 (Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenants if any.

(Person in occupation of the property)
(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property),

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

4th portion of property situated at Court Road, Amritsar, as mentioned in sale Deed No. 12934, dated 10-2-1984 of Registering Authority, Amritsar.

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 30-7-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSEPCTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 30th July 1984

Ref. No. ASR 84-85 72.—Whereas, I, B. S. DHILLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

One property situated at Court Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Puran Kaur wd. o Shri Harbhajan Singh, rlo 31, Punjab Roadways Colony, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Parkash Kaur wd. o Shri Surinder Siugh, r o 20, Mohindra House Colony, Court Road, Ameritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above and tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

‡th portion of property situated at Court Road. Amritsar, as mentioned in Sale Deed No. 11835 dated 11-4-1984 of Registering Authority, Amritsar.

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 30-7-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 30th July 1984

Ref. No. ASR[84-85]73.—Whereas, I, B. S. DHILLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000|-and bearing No.

One property situated at Court Road, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer at

S.R. Amritsar on January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Puran Kaur wd. o Shri Harbhajan Singh, roo 31, Punjab Roadways Colony, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Ravinderpal Singh s|o Shri Surinder Singh, r|o 20, Mohindra House Colony, Court Road, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above and tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

th portion of property situated at Court Road, Amritsar, as mentioned in Sale Deed No. 12202, dated 20-1-1984 of Registering Authority, Amritsar.

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 30-7-1984.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI. TAYLOR ROAD, AMRITSAR

> > Amritsar, the 4th August 1984

Ref. No. ASR|84-85|74.—Whereas, I, B. S. DHILLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

One property situated at Guru Bazar, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritser on December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Ram Lal slo Shri Salig Ram, Katra Ahluwalia, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Harbans Lal Seth so Shri Bishan Dass Seth. Katra Bhai Sant Singh, Amritsar,

(Transferce)

(3) As at S. No. 2 above and tenants if any. Shri Bishan Dass Seth. Rs. 75|- p. (Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4 portion of property, situated at Guru Bazar, Amrilsar, as mentioned in Sale Deed No. 10633, dated 8-12-1983 of Registering Authority, Amritsar.

> B. S. DHILLON, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar

Date: 4-8-1984,

Seal

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI. TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 4th August 1984

Ret. No. ASR 84-85 75.—Whereas, I. B. S. DHILLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000;—and bearing No.

One property situated at Guru Bazar, Amritsai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

at S. R. Amritsar on December, 1983

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the

- (a) facilitating the reduction or evasion of the dability of the transferor to pay tux under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub
10.00 and Section 269D of the said Act, to the following persons, namely 1—

48—226GI|84

(1) Shri Ram Lal soo Shri Salig Ram, Katra Ahluwalia, Amritsar,

(Transferor)

(2) Shri Pran Nath so Shri Bishan Dass Seth, Katra Bhai Sant Singh, Amritsar.

(Transferce)

(3) As at S. No. 2 above and tenants if any. Shri Bishan Dass Seth. Rs. 75]- p.m.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

½ portion of property situated at Guru Bazar, Amritsar, as mentioned in Sale Deed No. 10877, dated 16 12-1983 of Registering Authority, Amritsar.

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assit Commissioner of the Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 4-8-1984.

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI.
TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 31st July 1984

Ref. No. ASR|84-85|76.—Whereas, I, B. S. DHILLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000|- and bearing

No. A plot of land situated at Majitha Road, Amritsar (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S. R. Amiltsar on December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability on the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Neelam Kanta who Shri Vijay Kumar.
 rlo Sharifpura, through Shri Rajinder Kumar,
 slo Shri Sadhu Ram, rlo Sharifpura, and Shri Surjit
 Chand slo Shri Kishan Chand, rlo Tehsilpura,
 Amritsar.
 (Transferor)
- (2) Shri Lal Chand Mehra slo Shri Jai Ram Dass Mehra rlo Mohindra Colony, Court Road, Amuitsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above and tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property),

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land situated at Majitha Road, near Lye Hospital Amritsar, as mentioned in Sale Deed No. 10920, dated 19-12-1983 of Registering Authority, Amritsan.

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 31-7-1984.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE—3 CHANDER PURI,

TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 31st July 1984

Ref. No. ASR|84-85|77.—Whereas, I, B. S. DHILLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

Rs. 25,000]- and bearing No.
One plot of land situated at Majitha Road, Amritsur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Amritsai on December, 1983

able property, having a fair market value exceeding

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Neelam Kanta woo Shri Vijay Kumar, ro Sharifpura, through Shri Rajinder Kumar, so Shri adhu Ram, no harifpura, and Shri Smjit Chand so Shri Kishan Chand, no Tehsilpura Amritsar.
- (2) Shri Lal Chand Mehra s|o Shri Jai Ram Das Mehra r|o Mohindra Colony, Court Road, Amritsan (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above and tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land, situated at Majitha Road, ucar Fye Hospital, Amittar, as mentioned in Sale Deed No. 11360, dated 28-12-1983 of Registering Authority, Amritsar.

B. S. DHILLON, 1RS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 31-7-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI. TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 3rd August 1984

Ref. No. ASR|84-85|78,—Whereas, I, B, S, DHILLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. one property situated at Katra Khazana, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than different per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee 101 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Bhim Sen s|o Shri Chuni Lal, r|o Kucha Bagh Choudhary, Katra Khazana, Amritsar.

(Transferor)

- (2) Shri Raj Kumar s|o Shri Hari Kishan, r|o Gurdwara Guru Ke Mahal, Gali Bhabrian, Amritsar.
 - (Transferce)
- (3) As at S. No. 2 above and tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

l portion of property situated at Bagh Choudhary, Katra Khazana, Amritsar, as mentioned in Sale Deed No. 11350, dated 28-12-1983 of Registering Authority, Amritsar.

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Juspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dato: 3-8-1984.

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI,
TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 3rd August 1984

Ref. No. ASR|84-85|79.—Whereas, J. B. S. DHILLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000]- and bearing

No one property situated at Katra Khazana, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any mone's or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, thereore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Sureshta Mahajan Wo Shri Bhim Sen, rlo Kucha Bagh Choudhary, Katia Khazana, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Sunita Soni woo Shri Raj Kumar. ro Gurdwara Guru Ke Mahal, Gali Bhabrian, Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above and tenants if any.
 (Person in occupation of the property).
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

l portion of property situated at Bagh Choudhaiv, Katra Khazana, Amritsar, as mentioned in a Sale Deed No. 11349, dated 28-12-1983 of Registering Authority, Amritsar.

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 3-8-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 3rd August 1984

Ref. No. ASR|84-85|80.—Whereas, I. B. S. DHILLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tux Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

One property situated at Gilwali Gate, Amritsar ford more fully described in the Sahadana and the Sahadana an

One property situated at Gilwali Gate, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Ac. 1908 (16 of 1908)) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on December 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the program as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer 25 agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Sudershan Kumari wo Shri Monohar Lal, ro Shaktinagar, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Sunil Das s|o Shri Englishbhan Seth, r|o Chowk Chintpurni, Amritsar.

(Transferce)

(3) As at S. No. 2 above and tenants if any. (Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

½ portion of property situated at Inside Gilwali Gate, mentioned in Sale Deed No. 11235, dated 26-12-1983 of Registering Authority, Amritsar.

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.

Date: 3-8-1984.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (17) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 3rd August 1984

Rcf. No. ASR[84-85]81.—Whereas, I, B. S. DHILLON, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

One property situated at Gilwali Gate, Amritsar and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on Dec. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 259C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—40—216GI|84

(1) Smt. Sudershan Kumari w|o Sh. Monohar Lal, r|o Shaktmagar, Amritsar.

(Transferee)

(2) Sh. Sunit Dass so Shri Englishbhan Seth, ro Chowk Chintpurni, Amritsar.

(Transferor)

- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—'the terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1|2portion of the property situated at Inside Gilwali Gate, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 11168 dt. 23-12-84 of registering authority, Amritsar.

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Amritsar

Date : 3-8-84 Seal :

PROTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR Amritsar, the 31st July 1984

Ref. No. ASR|84-85|82.—Whereas, I, B. S. DHILLON, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

One property situated at Partap Nagar, Amritsar (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on Dec. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income srising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. Harbans Kaur woo Sh. Balwant Singh, 488, East Mohan Nagar, Amritsar. Now 96, Hakikat Nagar, Patula.

(Transferor)

(2) Sh. Chattar Singh s|o Sh. Gajinder Singh, 1, New Partap Nagar, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the and property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XNA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at Partap Nagar, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 10986, dated 20-12-83 of registering authority, Amritsar.

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 31-7-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

*CQUISITION RANGE, 3-CHAND: R PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amilisar, the 31st July 1984

Ref. No. VSR184-85183.—Whereas, I, B. S. DHILLON, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

A plot of land situated at Rakshikargah, Amritsai and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

S.R. Amiitsai on Dec. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the adoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following cursons, namely:—

49 -- 226GI₁84

- (1) Sh. Jarnail Singh soo Shri Labh Singh, 10 Vill. Nangli, Teh. & Distt. Amritsar.
- (2) Sh. Sudhir Kumar s o Sh. Chiman Lal, 63, Lawrence Road. Amritsar.

(Transferec)

- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land measuring 800 sq. yds., situated at Rakshi-kargah on Bye-pass. Amritsar, as mentioned in sale deed No. 11462 dt. 30-12-83 of registering authority. Amritsar.

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Amritaar

Date: 31-7-84

['ART III→SEC. I

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 31st July 1984

Ref. No. ASR 84-85 84.—Whereas, I, B. S. DHILLON, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the In-metax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

One plot of land situated at Basant Avenue, Amritsar and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

S.R. Amritsar on Dec. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income prising from the transfer, and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

- Sh. Kanwarjit Singh so Shri Surjan Singh ro Chowk Baba Sahib, through Snit. Charanjit Kaur wo Sh. Tarlochan Singh, 445. Green Avenue, Amritsar.
- (2) Sh. Mohan Singh so Sh. Balwant Singh, 524, Basant Avenue, Amritsar.

(Transferee)

(Transferor)

- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any, (Person in occupation on the property)
- (4) Any other.

(Person^e whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION s—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land measuring 40 sq yds., at Basant Avenue, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 11407 dt 24-12-83 of registering authority, Amritsar.

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incone-tax
Acquisition Range,
Amritsar

Date: 31-7-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsav, the 31st July 1984

Ref. No. ASR|84-85|85.—Whereas, I, B. S. DHILLON, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

One property situated at Shakti Nagar, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

of the Registering Officer at S.R. Amritsar on Dec. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Kanhaya Lal sho Sh. Ram Chand, rho Bazar Lakar Mandi, Dhab Wasti Ram, Amritsai. (Transferor)
- (2) Sh. Madan Lal spo Shri Krishan Chand, 1'o Farik No. 1, Nimak Mandi, Amritsar.

 (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

One property situated at Shakti Nagar, Amritsar, as mentioned in Exchange deed No. 11432 dated 30-12-83 of registering authority, Amritsar.

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Amritsar

Date: 6-8-84

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 6th August 1984

Ref. No. ASR[84-85]86.—Whereas, 1, B. S. DHILLON, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. One property situated at Railway Link Road, Amritsar

No. One property situated at Railway Link Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on Dec., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any mome or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Sh. Chanan Singh S|o Sh. Vadbawa Singh, 54 Railway Link Road, Ameritan.
- (2) Sh. Hardeep Singh So Sh. Sunder Dass, 134 Pakki Gali, Gopal Nagar, Amritsar.
- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenant as under:

 M|s. Hans Pharma,
 (Person in occupation of the property)
 - Any other.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at Railway Link Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 10600 dt. 8-12-83 of registering authority, Amritsar.

B. S. DHILLON IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Antitien

Date: 6-8-1984 Seal:

(1) Sh. Narinder Singh Soo Sh. Dharam Singh, roo Bhinder, Teh; Amritsar.

(3) As at S. No. 2 over lear & tenants if any

(Transferor)

(2) Sh. Piem Sagai So Shri Chuni Lal, Gali Calcattian, Katra Sufaid, House No. 3790, Amritsar.

(4) Any other.

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows

to be interested in the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACOUISITION RANGE

3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amutsai, the 6th August 1984

Ret No. A\$R[84-85]87.--Whereas, I, B S. DHILLIN, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-

No. A plot of Land situated at Saido I al, Baba Bakala,

Amritsai.

(and more fully described in the Schedule annexed horeto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at S. R. Baba Bakala on Dec., 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to besieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring one kanal, situated at Saido Lal, Teh: Baba Bakala, Distt. Amritsar, as mentioned in sale deed No. 2639 dt. 23-12-83 of registering authority. Baba Bakala.

> B. 5. DHILLON IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Amritsar.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Date: 6-8-1984

Seal ·

FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsat, the 6th August 1984

Ref. No. ASR|84-85|88.--Whereas, I,

B. S. DHILLON, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the mcome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. One plot of land situated at Saido Lul Baba Bakala,

Amritsar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at S. R. Baba Bakala on Dec., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Sh. Narinder Singh S|o Sh. Dharam Singh, r|o Bhinder, Teh: Amritsor.

(Transferor)

(2) Sh. Prem Sagar So Shri Chuni Lal, Gali Calcattian, Katra Sufaid, House No. 3790, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any. (Person in occupation of the property)
- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land measuring one kanal, 6 marlas situated at Saiado Lal, Teh: Baba Bakala, Distt. Amritsar, as mentioned in sale deed No. 2639 dt. 23-12-83 of registering authority, Baba Bakala,

> B.S. DHILLON IRS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Amritsar.

Date: 6-8-1984

Sept :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 6th August 1984

Ref. No. ASR|84-85|89.--Whereas, I, B. S. DHILLIN, JRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. One property situated at G. T. Road, Khalsa College, Amritsar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at S. R. Amiitsar on Dec., 1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '--

- (a) facilititating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 et 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely:-

(1) Smt. Shiv Kaur Wo Sh. Tulsa Singh, rlo Kot Khalsa Amiitsar.

(Transferor)

- (2) Sh. Nitmal Jeet Singh Slo Sh. Sujan Singh, 644 288 & 649 689 Kot Khalsa, Opp. Khalsa College, Amfitsat. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 over leaf & tenant if any (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share of property situated on G. T. Road, Near Khalsa College, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 11372 dt. 28-12-83 of registering authority, Amritsar.

B. S. DHILLON IRS

Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Amritsar.

Date: 6-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 6th August 1984

Ref. No ASR|84-85|90.—Whereas I. B. S. DHILLIN, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 13 the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. One property situated at G. T. Road. Khalsa College,

Amritsar.

has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on Jan. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

facilitating the concealment of any mount of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the Indian Income-tax Act, 1922 (b) facilitating the concealment of any income or any the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Kuldip Kant dio Sh. Tulsa Single, through Smt. Shis Kam vido sh. ful i Sin h 1,0 Kot Khalsa, Amutsar,

(Transletor)

(2) Sh. Nurmal Jeet Singh, Sjo Sh. Sujan Singh, 644/288 & 649/689 Kot Khalsa, Opp. Khalsa College, Amritsai.

(Transferce) (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be in-terested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shell have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share of property situated on G. T. Road, Near Khalsa College, Amitisat, as mentioned in sale deed. No 11824 dt. 9-1-84 of registering authority, Amritsat.

B. S. DHILLON IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Infome tax Acquisition Range Amritsar

Date: 3-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 6th August 1984

Ref. No. ASR|84-85|91,—Whereas, I, B. S. DHILLIN, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. One property situated at G. T. Road,

Khalsa College, Amritsar.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (1% of 1908) in the Office

of the Registering Officer at S. R. Amritsar on Dec. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---50-226GI|84

(1) Smt. Paramjit Kaur do Sh. Tulsa Singh, through Smt, Shiv Kaur wdlo Sh. Tulsa Singh rlo Kot Khalsa, Amritsar. (Trapsferor)

- (2) Smt. Kashmir Kaur wo Sh. Nirmal Jeet Singh, rlo Rasulpura, Teh : Jhabal. Distt. Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any. (Person in 2 occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1|4th share of property situated on G. T. Road. Khalsa Collage, Amritsar, as mentioned in sale deed 11373 dt. 28-12-83 of registering authority. Amritsar. Near No.

> B. S. DHILLON IRS Competent Authority Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Amritsar.

Dato: 6-8-1984 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 6th August 1984

Ref. No. ASR 84-85 92.—Whereas. I, B. S. DHILLIN, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. One property situated at G. T. Road, Khalsa College,

Amritsar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S. R. Amritsar on Jan., 1984 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Sudarshan Kaur do Sh. Tulsa Singh, rlo Kot Khalsa, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Nirmaljeet Singh, S|o Sh. Sujan Singh, r|o Rasulpur, Teh. Jhabal, Distt. Amritsar.

(Transferce)

(3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.
(Person in 2 occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1|4th portion of property situated on G. T. Road. Near Khalsa College, Amritsar. as mentioned in sale deed No. 11832 dated 9-1-84 of registering authority, Amritsar.

B. S. DHILLON IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range
Amritsar.

Date: 3-8-84

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

PUNE.

Pune, the 9th August, 1984

Ref. No. IAW ACQICA-5137EE184-85.--Whereas, I, SANTOSH DATTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat No. 6, Pandurang Wadi, Dombivali (East)

No. Flat No. 6, Fandurang waar, Donotvan (Last) situated at Dist. Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC. Acqn. Range, Pune on Dec. 1983 for an apparent consideration which is less than the fau market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Suresh Laxman Damle, Vimal Smruti, Padurang Wadi, Dombivali(E) Dist. Thane

(Transferor)

(2) Shri Shrikrishna V. Ketkar, Vimal Smruti, 1st floor, Pandulang Wadi, Dombivali (East) Dist. Thane

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective surgests whichever period over the process. pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, first floor, New building R. S. No. 57, H. No. 57. H. No. IA (Pt) of village Gajbandhan Patharli off. Manpada Rd., Pandurangwadi, Dombivali, (East) Dist. Thane.

(Area-58.89 sq. meters (Property as described in the agreement so tale registered in the officer of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 3710|83-84 in the month of Dec. 1983.)

SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Assistant Commioner of Income-Tax, Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, unmely

9-8-1984 Date

(1) Mrs. Vijaya Ramesh Tawde, 138, Rasta Peth, Punc-411 011.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Haresh Kotumal Mirwani (Minor) and Gather Shri Kotumal Gianchande Mirwani, 688, Nana Peth. Pune-411 002.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE PUNE

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Pune, the 27th July 1984

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|84-85.—Whereas, I, SANTOSH DATTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

and bearing
No. Flat No. 3rd floor, Bapu Apartments, CTS No. 688,

Nana peth Arvind Industrial Estate,

Arvind industrial Estate, at situated at Pune
Navghar, Vasai Road, (East)
situated at Dist. Thane
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the Registering Officer IAC. Acqu. Range, Pune on Dec. 1983

fAC. Acqn. Range, Pune on Dec. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement so tale registered in the officer of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 3282 83-84 in the month of Dec. 1983.)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 27-7-1984

FORM ITNS----

(1) M|s. Makwana Construction Co. (S.S.W.) Divine Terrace, 911-914, Syngogue Street, Pune camp-Pune.

(Transferor)

(2) Shri Kuntilal Anandram Sholot, 26, Nana peth, Poopa-411 002.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE PUNE.

Pune, the 4th August 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|84-85.--Whereas, I; SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000]- and bearing
No. Shop No. gr. floor, Neelkanth Apt., Rasta peth, Pune-11 situated at Pune

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

IAC. Acqu. Range. Pune on Dec. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 /11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1, ground floor, 'Neelkanth' apartment, 60, Rasta peth, Pune-411 011.

(Area-380 sq. ft.)

(Property as described in the agreement so tale registered in the officer of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2347/83-48 in the month of Dec. 1983.)

SANTOSH DATTA Competent Authority Inspection Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said t. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oresaid property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269D of the said Act, to the following sons. namely :--

Date: 24-8-1984

FORM JINS. ----

(1) Mis Roop Builders, Tembhi Nake Thane 400601

(Transferor)

(2) Mrs. Deepah Robin Das, Quarter No. C-10 Ordnance Estate Ambarnath. P.O O.E. Ambainath Dist Thane .

(Transferee)

il any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE . PUNE

Pune, the 25th July 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|717|37EE|84-85,-Whereas, I, SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and

No. Flat No. 404, 4th floor, Jiwan Dharamas Apt. Mouje (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Kopri situated at Dist. Thane IAC. Acqn. Range, Pune on March 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid property as aforesaid the construction therefore by more than exceeds the apparent consideration therefore by more than filteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

THE SCHEDULE

(a) tachitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ac, in respect of any income arising from the transfer: and/or

Kopri Village Flat No. 404, S. No. 81 & 90 Mouje Then (Dist) (Area-51.65 sq. meteres)

(Area-51-65 sq. meteres) document No. 4007/83-84 in the month om Mar 1984,

(Property as described in the agreement so tale registere in the officer of the LA.C. Acquisition Range, Pune und

SANTOSH DAT Competent Authornspection Assistant Commissioner Income-Acquisition Range, Pc

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922

11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

Act, 1937 (274, 1937). Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D α^p the Act, to the following persons, namely

Date: 27-7-1984

FORM ITNS----

(1) M/s. Deepti Construction Co., Radha Sadan, 2nd floor, Tilak Road Ghatkopar (E) Bombay-400 077

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 196! (43 OF 1961)

(2) Miss. Anita Srivastava. Deptt. of Mathematics, St. Kavier's college, Bombay-1.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 28th July 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5'37LE 84-85—Whereas, I, SANTOSH DATTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sail Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat No. 105, S. No. 291, H. No. 3. Vyankatesh Darshan

P. Deen Dayal road Dombivali (W)

situated at Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, (16 of 1908) in the Restering officer at IAC. Acqn. Range, Pline on Jan. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of it maker with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 105, S. No. 291, H. No. 3, Vyanatesh Darshan, P. Deendayal Road, Dombivali (W), Thanc. (Area-82.48 sq. meters)

(Property as described in the agreement so tale registered in the officer of the LA.C. Acquisition Range, Pune under document No. 4226 37EE in the month of Jan. 1984.)

> SANTOSH DATTA Compotent Authority Inspection Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely : --

Date: 28-7-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 10th August 1984

Ref. No IAC ACQ|CA-5|37 G|84-85.—Whereas, I, SANTOSH DATTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Land at Survey No. 273, II. No. 1 of Thakurli (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of situated at Dist. Thane

S. R. Kalyan on Dec. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

Smt, Suganti R. Potnis,
 Clo. Mls. S. Aswni Kumar, Advocate,
 4-A Karim Chanmbers, Fort Bombay.

(Transferor)

 Mis. Raiguru Co-operative Housing society Ltd., Jaihind colony, Dombivali. Dist. Thane.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land alongwith plinth at survey No. 273, H. No. 1 Thakurli, Dist. Thano. (Area-465.50 sq. meters.)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the sub Registrar, Kalyan under document No. 2591|83 in the month of December, 1983.)

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Poona

Date: 27-7-1984

Scel :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE

> PUNE Pune, the 27th July 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/84-85.—Whereas, I, SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No Plot No. 19, S. No. 26, Mouje Kothrud, Pune city (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of situated at Pune

IAC. Acqu. Range, Pune on Dec. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair morket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excerts the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of wanter with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M|s Saj Enterprises, 704, Pulachi wadi Deccan Gymkhana, Pune-411 004.

(Transferor)

(2) Shri Raghunath Ukhadu Garole, 16, Milan Zenith Staff Colony KHOPOLI. Dist. Rajgad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 19, out of survey No. 26, Mouje Kothrud. Dist.

(Area-680 sq. ft.)

(Property as described in the agreement so tale registered in the officer of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2607/83-84 in the month of Dec. 1983.)

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Poona

Date: 27-7-1984

Seal,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 26th July 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|758|37EE|84-85.—Whereas, I, SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Flat No. 11, Prabhav Co-operative Housing Society, 469-A
Salisbury Park Pune

situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908 fat IAC. Acqn. Range, Pune Dec. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid avecade the apparent checkleration therefore by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than inferen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following the issue of the notice under subpersons namely :---

- (1) Shri Jitendra Nathulal Shah, Shanker Co-operative Housing society, Plot No. 23, 427 C Gultekadi, Pune-37. (Transferor)
- (2) Mrs. Nırmalabai Wo Jethanand Lulla 21|22|23, Rotex River View, Juna Tofkhana, Shivajinagar, Pune-411 004.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 11 Prabhav Co-operative Housing society, 469-A Sailsbury park, Punc.

(Area-950 sq. ft. carpet area)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 3069 83-84 in the month of Dec. 1983.)

> SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune

Date: 26-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 8th August 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|1154|37EE|84-85.—Whereas, I, SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Plot Nos. 1 to 5 S. No. 55 and 56, village Achole, Tal. Vassai,

situated at Dist. Thene

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Vasai on Dec. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Shri Harishchandra Vithal Choudhary, Tanapada, Gokhivare, Tal. Vasat, Dist. Thane.

(Transferor)

(2) Shri Vasanji Dharshi Dedhia, 7/8, New Prabha Kutir co-housing society, Ganesh Gally, Lalbaug, Bombay-400 012.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

N. A. Plot Nos. 1 to 5 under S. No. 55 & 56, village Achole, Tal. Vasai Dist. Thane.

(Area-2915 sq. ft.)

(Property a described in the sale deed registered in the office of the Lub-Registrar, Vasai under document No. 1619|83 in the month of December, 1983.)

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune

Date : 8-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Harishchandra Vithal Choudhary, Tanapada, Gokhivare, Tal. Vasai, Dist. Thane.

(Transferor)

(2) Shri Keshavji Dharshi Dedhia, Gulam Husein Building, 3rd floor, Room No. 26, Lalbaug, Bombay-400 012.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNB

Pune, the 8th August 1984

Ref. No. IAC ACQ CA-5 1155 37EE 84-85.—Whereas, I, SANTOSH DATIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25(000]—and bearing Piot No. 6 to 11. S. No. No. 55 & 56 village Achole, Tal. Vasai situated at Dist. Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Vasai on December, 1983

S. R. Vasai on December, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovsble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at survey No. 55 and 56 of village Achole, Tal. Vasai, Dist. Thane,

(Area-2756 sq. mts.)
(Property as described in the sale deed registered in the office of the S. R. Vasai, under document No. 1620|83 in the month of Dec. 1983.)

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shrl Harishchandra Vithal Choudhary, Tanapada, Gokhivare, Tal. Vasai, Dist. Thane.

(Transferor)

(2) Mrs. Usha Girish Dharod, 'Sita Parvati' 3rd floor, Telang Road, Matunga, Bombay-400 019.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, **PUNE**

Pune, the 8th August 1984

Ref. No. JAC ACQ|CA-5|1156|37EE|84-85.---Whereas, I, SANTOSH DATTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

NA. Plots Nost. 24 to 27, S. No. 55 & 56, village Achole, Tal. Vasat, Dist. Thane situated at Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred

under the Indian Registration Act, 1908 (1t of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Vasai on Dec. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

THE SCHEDULE

N. A. Plot Nos. 24 to 27, S. No. 55 and 56 Achole village, Tal. Vasai. Dist. Thane.

(Area-2848 sq. meters.)

(Property as described in the sale deed registred in the office of the sub. Registrar, Vasai under document 1623 83 in the month of Dec. 1983.)

> SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune

Date: 8-8-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 8th August 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|1157|37EE|84-85.—Whereas, I, SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Plot No. 18 to 23, S. No. 55 and 56, village Achole, Tal.

situated at Dist. Thane.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Vasai on Dec. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the tonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection ()1 of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Harishchandra Vithal Choudhary, Tanapada, Gokhivare, Tal. Vasai, Dist. Thane.

(Transferor)

(2) Shri Bharat Kumar Vasanji Dedhia, 2|3, Old Popatlal Building, Ranade Road, Dadar (W. Railway.) Bombay-400 028.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

N. A. Plot Nos. 18 to 23, Survey No. 55 & 56 village Achole, Tal. Vasai, Dist. Thane.

(Area-2475 sq. meters)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Vasai under document No. 1622[83- in the month of Dec. 1983.)

SANTOSH DATTA
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Competent Authority
Acquisition Range, Pune

Date: 8-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Tarun Kumar Dedhia, 251, Dr. SS. Rao Road, Parsi Advari Chawl,

(Transferee)

Lalbaug, Bombay-400 012.

Tanapada, Gokhivare, Tal. Vasai, Dist. Thane.

(1) Shri Harishchandra Vithal Choudhary,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 8th August 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|1158|37G|84-85.—Whereas, f, SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Plot 12 to 17, S. No. 55 & 56, village Achole, Tal.

Vasai

situated at Dist. Thane.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Vasai on Dec. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid prpoerty, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor have contained to the property as a foresaid exceeds the apparent consideration. more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in thes aid instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

N. A. Plot Nos. 12 to 17, S. No. 55 & 56 Village Achole, Tal Vesai, Dist. Thane.

(Area-2962 sq. mets.)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Vasai under document No. 1621 in the month of December, 1983.)

SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Secvicion 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date . 8-8-1964

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE Pune, the 8th August 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37G|1159|84-85.—Whereas, I, SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 23,000|-and bearing

No. NA. Plot Nos. 28 to 33, S. No. 55 & 56, Village Achole, Tal. Vasai situated at Dist. Thane

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Vasai in December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ':—

- (a) facilitating reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Harish Chandra Vithal Chaudhary, Tandapada, Gokhiyare, Tal. Vasai, Dist. Thane.

(Transferor)

(2) Shri Girish Shivji Dharod, Sita Parvatit Niwas, 3rd floor, Telang Road, Matunga, Bombay-400 019.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 40 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

N. Plot Nos. 28 to 33, S. No. 55 and 56 Village Achole, Tal. Vasai, Dist. Thane (Area-3141 sq. meters).

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Vasai under document No. 1624|83 in the month of December, 1983.)

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Assisetant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Thane

Date: 8-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 2nd August 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37G|84-85—Whereas, I, SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B · of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Property at CS. No 8331|14 & 8332|1B, Railway Lines situated at Solapur

(and more fully described in the Schedule annexted hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S. R. Solapui in December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth in Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
52—226GI|84

(1) Smt. Comtimal Jadomal Rajani & Others, at Navjeevan society,

Block No. 2, Solapur.

(Transferor)

(2) Shii Atun Vyankatrao Jadhav, At Tugaon, Dist. Solapur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at city solaput within the solapur Municipal area, Rathway lines, Municipal No. 77A, C.S. No. 8331/1A & 8332/1A Area-1521 sq. ft. & 945 sq. ft.

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, solapur under document No. 3660|83 in the month of Dec. 1983.)

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 2-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 19th July 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|759|84-85.—Whereas, I, SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 408, Plot No. 53, Sector-17, Vashi situated at New Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 1AC. Acqn. Range, Pune in December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri R. G. Shitut, Chief Promoter of the proposed Co-operative Housing society Ltd, 51/1194, Kannawar Nagar, Bombay-400 083.

(Transferor)

(2) Shri Shaikh Gows Mohammed Clo. Shaikh Haider, Ramabai colony, Near Chembur Rly Station, Bombay-400 089.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 408 Plot No. 53, Sector-17, Vashi, New Bombay. (Area 52.24 sq. mls.)

(Property as descrived in the agreement to sale registered in the office of the LA.C. Acquisition Range, Pune under document No 3989 37EE in the month of Jan., 1984.)

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 19-7-1984

Scal:

(1) M/s. Bansal & Co., 6, Aundh Road, Pooua-411 003.

(Transferor)

(2) Mr. Clement Manuel D'silva, 481, Moldina Road, Kirkec, Poona-411 003.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 4th August 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37FF|760|84-85.—Whereas, I, SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

Flat No. 5, 6 Aundh Road, Bopodi situated at Poona. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune in December, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Cnapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, 2nd floor 6 Aundh Road, Survey No. 46-D1 111A-1 C.T.S. No. 2043, 2046, 2050 Pune-3. (Area 626 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the 1.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2798 in the month of December, 1983.)

SANTOSH DAATA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-8-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 28th July 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|1161|84-85.—Whereas, I, SANTOSH DATTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000| and bearing

C.T.S. No. 546|A and 546|B, Mahabaleshwar, Tal. Was situated at Dist. Satara.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Bombay in January, 1984,

fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Smt. Laxmibai Dattatiay Rege, Bungalow on Plot No. 546B, Malcam peth, Mahabaleshwar, Dist. Satara.

(Transferor)

(2) 1. Shri Prakash V. Phadnis,

Shri Digambar S. Salvi,
 Shri B. R. Anand and

 Shri P. M. Rege, partners of Mls. Shilpa Constructions, Al3. Union House, Soonawal Agiary Marg, Mahim, Bombay-400 016.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C.T.S. No. 546-A and 546-B, Mahabaleshwar, Tal. Wat. Dist. Satara. (Area 1936.40 sq. mts.)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Bombay under document No. 238 in the month of January, 1984).

SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date . 28-7-1984 Seal.

(1) Shir Shivling Vishwanath Khadade, Agar-Takli, Gandhi Nagar, Nasik.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Aradhan Co-operative Housing society, Clo, L.I.C. of India, Jeevan Prakash,

(2) The Chairman,

Nasik.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 2nd August 1984

Ref. No. IAC ACQ₁CA-5|37G|1162|84-85.—Whereas, I, SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 23|3, 23|32, Plot Nos. 2, 3, 4, 5, 6, 7, Agar-Takli situated at Nasik.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officet at

IAC. Acqn. Range, Pune in December, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: .-..The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

THE SCHEDULE

1 and at S. Nos. 23/31, 23/32 plot Nos. 2, 3, 4, 5, 6, 7, Agar-takli, Nasik. (Area 1934.79 sq. meters).

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Nasik under document No. 4837 83 in the month of December, 1983.)

> SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 2-8-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 8th August 1984

Ref. No. 1AC ACQ|CA-5|37EE|1163|84-85.—Whereas, I, SANTOSH DATTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land at S. No. 83, Hissa No. 10 of Achole village, situated at Dist. Thane.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Vasni in December, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or emasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) sacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Kalubai Nago Chaudhaii and others (8) Achole, Tal. Vasai,

Dist. Thane.

(Transferor)

(2) Shri Mahadev Bhaskar Vartak and others,
 (8) At Tharkhad,
 Tal Vasai,
 Dist. Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EAPTANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and at survey No. 83. Hissa 8 (Part) Achole village Tal. (Area 10 gunthas i.s. 1210 sq. yards).

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Vasai under document No. 288 in the month of December, 1983.)

SANTOSH DAATA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 8-8-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 8th August 1984

Ref. No. IAC ACQ¹C A-5¹37G¹H64¹84-85.--Whereas, I, SANTOSH DATTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000[and bearing Survey No. 83, Hissa No. 7 (Part) Achole village, Tal. Vasai situated at Dist. Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Vasai in December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than listeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument O1 transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Smt. Kalubai Nago Chaudharl and others

(8) village Achole.Tal. Vasai,

Dist. Thane

(Transferor)

(2) Shri Mahadev Bhaskar Vartak and others

(8) At Tarkhand,

Tal. Vasai,

Dist. Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land at survey No. 83, Hissa No. 7 (Part of Achole village Tal. Vasai, Dist. Thane. (Area 10 gunthas.)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Vasai under document No. 619 83 in the month of December, 1983).

> SANTOSH DATTA Competent Authority In-pecting Asstl Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 8-8-1984

Se all

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 8th August 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37G|1165|84-85.-Whereas, I,

SANTOSH DATTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Survey No 83, Hissa No. 7 (Part) Achole village, Tal. Vasai situated at Dist. Thane.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908),

in the office of the Registering Officer at S. R. Vasai in December, 1983.

S. R. Vasat in December, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer. consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) Smt. Kalubai Naga Chaudhari and others (8) village Achole, Tal. Vasai,

Dist. Thane.

(Transferor)

(2) Shri Mahadev Bhaskar Vartak and others (8) At Tarkhan,

Tal. Vasni, Dist. Thane.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at survey No. 83, Hissa No. 8 (Part of Achole Vasai, Dist. Thane. (Area 10 gunthas).

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Vasai under document No. 287 in the month of December, 1983).

> SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 8-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 25th July 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|748|74-75.—Whereas, I, SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000'and bearing

Flat No. 204, 2nd floor, south side rare wing of Sai Kunj

569 Narayan peth, situated at Pune.

(and more fully described in the scheduled annexed hereto). has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune in December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair marks, value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore is pursuance of Section 269C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :-

(1) Mis. Kamal Builders (Poona), Sai Kunî, 169 Narayan peth. Pune-30.

(Transferor)

(2) Mrs. Vandana Arun Kulkarni, 'Gurukrupa' Vijaynagar colony, Bombay Pune Road, Vadgaon-Maval.

(Transferee)

Objection if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any o fihe aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 204, 2nd flor, south side rare wing of Sai Kuni 569 Narayan peth, Pune-30. (Area 633 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2276 83-84 in the month of December, 1983.)

> SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Assit Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona

Date: 25-7-1984

53 -226GI 84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M's Kamal Builders (Poona), Sai Kunj, 569 Natayan peth, Pune-411030

(Transferor)

(2) Shri Bhavan Vasant Mahajan, 212, Kasbe peth, Punc-11.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE Pune, the 25th July 1984

Ref. No. IAC AC SANTOSH DATTA, ACQ[CA 5|37FF|749]74-75 —Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No Flat No. 403, 4th floor, Rare side Sai Kunj, 569

Narayan peth, situated at Pune.30 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acqu Range,

on Dec. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; **∞ли /ог**

THE SCHEDULE

Flat No. 403, 4th floor, Rare side south each corner of Sai Kunj 569, Narayan peth, Pune-30. (Area 451,625 sq.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No 2293 83 84 in the month of December, 1983.)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesind property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :-

Date · 25-7-1984

Seat :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 28th July 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5[37EE|750|84-85,—Whereas, 1, SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. 106, 3rd floor, Ekant Apartment, Near Kamla Nehru Park, situated at Punc.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) ih the office of the registering officer at IAC. Acqn. Range, Pune on December, 1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid propercy, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shii Harshad Kantilal Vassa, 23. Banganga Cross Lane, Walkeshwar, Bombay-400 006.

(Transferor)

(2) Shri Fancy Kantilal Vassa, 23, Banganga Cross Lane, Walkeshwar, Bombay-6.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said homor-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. 106, 3rd floor, Ekant Apactment, Ekant operative Housing society Ltd., Near Kamla Nehru Park, Pune-411 004. (Area 1180 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C Acquisition Range, Pune under document No. 2556|83-84 in the month of Decreases 1032

ember, 1983.)

SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;-

Date: 28-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTAN'I COMMIS SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 27th July 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|751|84-85.-Whereas, 1, SANTOSH DATTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25000|- and bearing No Flat No. 2, Dhanalaxmi Apartment, C.T.S. No. 3025₁6

S. No. 93 A-1, Bhamburda

situated at Pune (and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune on December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesuid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in nursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the sense of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

(1) Mr. K. M. Gunjal Family through M|s. Hindustan Builders, 836, Sadashiv peth, Pune-411 030

(Transferor)

(2) Mrs. Anuradha Ashok Gokhala and Mr. Ashok Kashinath Gokhale, 15, Abhijit Society, College La ne, Dadar, Bombay-400 028.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons withm a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said invaovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, Dhanalaxmi Apartments at C.T.S. No. 3025 6 S. No. 93-A-1 Bhamburda, Pune. (Area 885 sq. ft.) (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Punc under document No. 2193 in the month of December, 1983).

> SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 27-7-1984 Seal;

(1) Shri Haribhau N. Dimble, Shri Dattu N. Dimble, Shri Shankar N. Dimble, Shri Krishna S. Dimble, Shri Maruti S. Dimble, Karla, Tal. Maval Dist. Poona.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PUNF

Pune, the 26th July 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|752[84-85.—Whereas, 1, SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

Non-Agril, land at S. No. 140, Hissa No. 2, Karla Tal. Mayal situated at Dist. Pune.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC. Acqn. Range, Pune in December, 1983. for an apparent consideration which is less than the fait market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appropriate consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(2) 1. Shri Bhimsam W. Nangia,

2. Mrs. Kanta Bhimsain Nangia, 3. Shri Indrasain Bhimsain Nangia,

4. Mrs. Punam I. Nangia,

Shri Chandrasain B. Nangia, Mrs. Renu C. Nangia,

Kalpana Building, Plot No. 546 TPS III, 33rd Road Ishar, Bombay-52.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice m the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The same and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Non-Agril, land at Bearing S. No. 140 Hissa No. 2, Kerla, Tal. Maval, Dist. Pune. Area 1 H-80.6 R).

(Property as described in the agreement to sale register ed in the officer of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 3093 83-84 in the month of December, 1983).

> SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 26-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMP TAY ACT, 1961 (4) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 2nd August 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|753|37EE|84-85.—Whereas, J, SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

Flat No. 1, Gecta Apartment, Nagar Rd., situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at IAC. Acqn. Range, Pune on December, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trasfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to be the following person samely:—

(1) Shii K D Oswal (HUF) 51. New Timber Market, Poona-2.

(Transferor)

(2) Mrs Promila S. Aggarwal, Geeta Apartment, Hat No. 1, Nagai Rd., Роопа-6 (Yeravada)

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Geeta Apartment, Nagar Road, Pune. (Atea-1090 S σ . ft)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C Acquisition Range, Pune under document No. 3110 83-84 in the month of Dec. 1983.)

SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tux Acquisition Range, Poona.

Date: 2-8-1984.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE

Pune, 24th July 1984

Ref. No IAC ACQ|CA-5!754|37EE|84-85.--Wherens, I, SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 |- and bearing

Flat No. 202, IInd floor Kalpana Apt., 388 Bhavani peth situated at Pune.

(and more fully described in the Schedule annxed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC, Acqn Range, Pune on December, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability
 of the transferor to pay tax under the said Act,—in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Pari Dharamdas Nanwani—now Known as Smt. Roma Kirshinchand Samtani, Kumar corner, Convent Street, Punc-1.

(Transferor)

(2) Sint. Iyoti Parsam Wadhwani Shri Parsiam Manganmal Wadhwani, Shashi Apartment, 161[4, Moledina Roal, Pune-411001.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Flat No. 202, 2nd floor, Kalpana Apartment, 388, Bhavani Peth, Pune-2.

(Area-517 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2708|83-84 in the month of Jan.1984).

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Poona.

Dato: ?4-7-1984.

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISION RANGE PUNE

Pune, the 24th July 1984

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|37EE|755'84-85.--Whereas I. SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'?, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Office premises 1st floor, Gandhi complex, Kel-

Kar Road, situated at Pune.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn Range, Pune on December, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Ms Bhavin Emerprises 217, Naigh parks Fall i Iosal Pootas

(Transferor)

(2) M|s. Dosoversha Trust, 92-A, Shantinagar, 98, Nepean sea Road, Bombay-6.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office premises on 1st floor, Gandhi Complex, Kelkar Rd. Poona.

(Area-4336 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2348 in the month of December, 1983).

> SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Date: 24-7-1983.

FORM ITN9-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISION RANGE PUNE

Pune, the 28th July 1984

Ref. No. IAC ACQ'CA-5'37EE|756|84-85 --- Whereas, I. SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

Flot No. 3, May flower Apt., 1155-A Saifee street, Camp situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Officer at IAC. Acqn. Runge, Pune on December, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfereo for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afores 4d property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
54—226 GI/84

(1) M[s. Beharay and Rath. Construction House' 796[189-8 Bhandarkai tastitute Rd., Pune-411 004

(Transferor)

(2) Shii Shabbii Taheibhai Limadiwala) 1678, Shukrawar peth, Nehru Chowk, Near Fish Market, Pune-411 002.

(Transfered)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, May flower Apartments, 1155-A Saifee street. Camp-Pune.

(Area-114 sq. ft)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the LAC Acquisition Range, Pune under document No. 2436.83.84 in the month of December, 1983

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Poona.

Date: 28-7-1984

Senl ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE Pune, the 13th August 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|1169|13-8-84|37G|460|84-85.— Whereas, L.

SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000[- and bearing No. Land & Bldg. & Machinery at R. S. No. 240, plot No. 4, Tal Hatkangale, Rukadi v.llage, situated at Kolha-

pur.

(and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registering Act. 1908 (16 of 1908) in the office of

the Registering Officer at S.R. Hatkangale, on December, 1983,

of S.R. Hatkangale, on December, 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of LAV income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri T P. Patil at & post Rukdi, T. Hatkangale, Dist Kolhapur.

(Transferor)

(2) Shri Appasaheh P. Paul At Tasur, Tal. Shinol. Dist. Kolhapur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said ammovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building and Machinery at R. S. No. 240, Plot No. 4, At Rukch, Pal. Hatkangale, Dist. Kolhapur. (Area-3432 sq. ft, land & 2664 sq. ft. Built-up area) (Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registral. Hatkangale under document No. 2382 83 in the month of December, 1983).

SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range,

Date: 13-8-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 17th July 1984

Ref. No. P.R. No. 2858 Acq.23 II 84-85.—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Sersion 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (aereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. R.S. No. 414 situated at Mehsana.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mehoana on 2-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) 1. Rasulbhai Nathubhai Seta
 - 2. Usmanbhai Nathubhai Seta
 - 3. Bhikhabhai Rasulbhai Seta
 - 4. Aminaben Asrafbhai
 - 5. Rahimbhai Rasulbhai Seta
 - 6. Bhikhubhai Asrafbhai Seta
 - 7. Sikandarbhai Asrafbhai Seta
 - 8. Mugalkhan Asrafbhai
 - 9. Mehboobkhan Asrafbhai
 - 10. Sabirhussein Asrafbha;
 - 11. Anubhai Usmanbhai Asrafbhai

Kasba---Masjidvadı,

Mehsana.

Transferor(s)

(2) Belim Dildarkhan Anvarkhan BabivaJa—Bahelimvas Mehsana.

Transferce(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Mehsana-Nagalpur R.S. No. 414 adın. Acre.1 Guntha 38. Document for transfer property regd. with S.R. Mehsana under No. 3263 Dt. 2-12-1983.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 17-7-1984.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF ENDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMFDABAD 380 009

Ahmedabad 380 009 the 17th July 1984

Ret No PR No 2859 Acq 23 [II | 84 85 - Whereas I, G K PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000]

and bearing No RS No 51, 52 situated at Mehsana—Nagalput (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registartion Act 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at Mehsana on 31-12 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been tiuly stated in the said instrum-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

(1) 1 Shri Bubulal Narottumbhat Thakar Sonal Socy Mehsana 2 Prahladbha: Naiottambhai Thakar Thakai no Madh Mehsana

(Transferor)

(2) Shii Shambhubhai Parbhuva Patel Nagalpur, Mehsana

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Ozzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land at Mehsana—Nagalpui sim RS No 51, 52 adm total 134 guntha Document for transfer of property negd with S R Mehsana under No 3464 Date 31-12-1983

G K PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons mnaely

Dw- 17 7 1964

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR. HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 17th July 1984

Ret. No. P.R. No. 2860 Acq.23, II | 84-85. -- Whereas, 1,

G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing R.S. No. 172[1, 172]2 situated at Uniha (and more fully described in the Schedule appeared hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of

the Registering Officer at Unjha on 29-12-1983.

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(1) Patel Ramjibhai Joitaram Uniha Dist . Mehsana

Transferor(s)

SShir

(2) 1, Perel Jayantilal Balchanddas 2. Patel Amratlal 3 Putel Marottambhai Balchanddas

- 4. Patel Vithalbhai Kachradas
- 5. Patel Popatlel Madhavlal
- 6 Patel Kuberbhai Ramjidas 7. Parel Somabhai Pitamberdas

Umjha Dist : Hehsana.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land at Unjha R.S. No. 172|1, 172|2 adm. 13050 sq. mtr. Document for transfer of property regd. with S.R. 1238 Dt. 29-12-1983.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following. persons, namely :-

Date: 17-7-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 41, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, AS ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th July 1984

Ref. No. P.R. No. 2861 Acq.23 [11] 84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/

and bearing R.S. No. 351, 1464 situated at Kadi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Officer at Kadi on 17 12-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) Patel Becharbhai Joitaram Shakkarpura, Kadi-Dist : Mehsana.

Dist: Mchsana.

(2) Shree Tejeshvarnagar Co. op. Socy. Clo Vrajlal Gatordas Darji Kadi,

Transferee(s)

Transferor(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Kadi R.S. No 351, 464 2 adm. total 8800 sq. mtr. Document for transfer of property regd. with S.R. Kadi under No. 2389, 2390, Dt: 17-12-1983.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Ahmedabad

Date: 17-7-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Vijay Sham Singh Bajaria, 103, Arunodaya Bldg. Rita-B Usha Park, Chandavarkar Rond, Portvoli, Bombay.

(Tiansferoi)

(2) Purmanand Ratanshi Bajaria 103, Arunodaya Bldg. Rita-B Harsha Park Borivali—Bombay.

(Tranferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGF-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMFDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 18th July 1984

Ref. No. P.R. No. 2862 Acq 23 II | 84-85 — Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000]-and bearing

S. No. 290+291, situated at Vapi—Tal Paidi Dist: Valsad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Pardi on 15-12 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated l_{\perp} the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the serice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Vapi The document is regd. at S R. Vapi vide No. 1878 Dt: 15-12-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date 18-7-1984, Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-LAY,

ACQUISITION RANGE-II.

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad 380 009, the 17th July 1984

Ref. No. P.R. No. 2863 Acq 23 II 84-85 —Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Intôme-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

S No. 541 and 542 Parks sunated at Pardi Kasba, Tal: Perdi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Pardi on 9-12-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937).

(i) Emt Sarojben Vincarai Walk M. Lali (Paul) Lai (Paul) Dia (Val)

Transferor(s)

(2) Shri Mandanlal Datulal Agarwal At Killa Pardi Tal: Pardi Dist: Bulsar,

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Pardi The Document's regd. of S.R. Pardi vide No. 1853 Dt: 9-12-1983.

The property is situated at Pardi The Document's regd. of S.R. Pardi vide No. 1853 Dt: 9-12-1983.

G K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-11,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 259C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 17-7-1984. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II,

AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 18th July 1984

Ref. No. P.R. No. 2864 Acq.23|II|84-85.--Whereas, f, K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to so the 'aid Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000|- and bearing No. S. No. 502+503 situated at Pardi Dist. Valsad (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Pardi on Dec. 83. at Pardi on Dec. 83.

for an apparent consideration which is less than the foir market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in

respect of any income arising from the transfer;

of transfer with the object of :--

andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--55---226 GI|84

(1) Chhaniyabhai Madhubhai Patel V. K. Dayaram Bhanabhai Patel at Village Khadaki Tal. Pardi,

(2) Prabhubhai Nathubhai Desai Director of Ova Con Construction System (Gujarat) Bombay Andheri

(Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the nublication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is istuated at Pardi, The document is regd. at S. R. Pardi vide No. 1328 & 1329 Dec. 1983.

> G. K. PANDYA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
> Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 18-7-1984

J.I.E UNDLR SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-11,

AHMEDABAD-380 009 >

Ahmedabad, the 19th July 1984

Ref. No. P.R. No. 2865 Acq. 23/11/84-85.—Whereas, 1, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 94 situated at Sama

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Baroda on 22-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer, and /01
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Smt, Kamlaben Chumbhai Patel Bhadran, Tal. Borsad Dist. Kaira.

(Transferor)

(2) Jay Shakti Construction Company, Clo Shri Anuphhai Bhailalbhai Patel & Ois, Pij, Tal. Nudiad Dist. Kairu.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in tht Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Sama R. S. No. 94 adm. 5005 sq. ft. Document for transfer of property regd, with S. R. Baroda under No. 8856 Dt. 22-12-83.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax. Acquisition Range-II. Ahmedabad

Date: 19-7-1984

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 19th July 1984

Ref. No. P.R. No. 2866 Acq.28 [I] 84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing S. No. 94 situated at Sama

(and more fully described in the schedule annexed hereio), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) 11 the Office of the Registering Officer at Baroda on 22-12-1983

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the propert yas aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sadi Act. In respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Madhubhai Ambalal Patel, Bhadran, Tal. Borsad

(Transferor)

(2) Jay Shaktı Construction Co. Clo Anubhai Bhailalbhai Patel & Ois. Pij

Tal, Nadiad Dist. Kaira.

Dist. Kaira.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nonce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land at Sama R.S. No. 94 adm. 5005, sq. ft. Document for transfer of property regd. with S. R. Baroda under No. 8858 Dt. 22-12-83.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 19-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 19th July 1984

Ref. No. P.R. No. 2867 Acq.23 $|\Pi|84-85$.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

R. S. No 94 situated at Sama (and morefully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 22-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) faciliting the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jayantibhai Chhotabhai Patel Bhadaran, Tal. Borsad Dist. Kaira,

(2) Jay Shakti Construction Co.C|o Anupbhai Bhailalbhai Patel & Ors.Pij

Tal. Nadiad Dist. Kaira.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 and at Sama R. S. No. 94 adm. 5005 sq. ft. Document for transfer of property regd. with S. R. Baroda under No. 8857 Dt. 22-12-83.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 19-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 19th July 1984

Ref No PR No 2868 Acq 23 II 84-85 -- Whereas, I, G K PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000 and bearing

S. No 115/2 situated at Baroda-Subhanpura (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at Baroda on 5-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Pokar Builders Clo Karamsibhai Hirjibhai Patel Sahkai Apartment Subhanpura, Baroda

(Transferor)

(2) Shrı Kekibhai Homi Daroga Sahkar Apartment, Subhanpura, Baroda

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the saul immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat at Sahkai Aptt Baroda Document for transfer property regd with S R Baroda under No 8413 Dt 5-12-83

> G K PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namely:---

Date 19 7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 19th July 1984

Ref. No. P.R. No. 2869 Acq.23[II]84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immervable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

S. No. 115-2 situated at Baroda Subhanpura

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Baroda on 5-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Pokar Builders
 Clo Karomsibhai Hirjibhai Patel
 Sahkar Apartment
 Subhanpura,
 Baroda,

(Transferor)

 Shi Jashvantbhai Chimanbhai Patel Sahkar Appartment, Subhanpura, Buroda.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Sahkar Aptt, at Subhannura, Document for transfer of property regd, with S. R. Baroda under No. 8411 Dt. 5-12-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 19-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 19th July 1984

Ref. No. P.R. No. 2870 Acq.23|II|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. S. No. 142 situated at Raopura, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 15-12-83
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have rea on to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Shantilal Prabhudas Sharma & Ors, Moti Chhipvad, Baroda.

(Transferors)

20993

(2) Shri Laxmilal Bhanvarlal Shah, Raopura, Nagarvada Main Road, Baroda.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Bldg. at Raopura S, No. 142. Document for transfer of property regd. with S. R. Baroda under No. 8712 15-12-83.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date . 19-7-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 19th July 1984

Ref. No. P.R. No. 2871 Acq.23|II|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

Sayajiganj S. No. 647/4

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Baroda 29-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (37 of 1957);

 Smt. Sudhaben. V. Patel & Ors. 10, Pratapganj Baroda,

(Transferor)

 (2) Smt. Hansaben Jitendrabhai Patel, Gajera,
 Tal, Jambusar
 Dist. Baroda.

(Transfere

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat at Baroda Sayajiganj S. No. 647|4 adm. 1400 sq. ft. Document for transfer of property regd. with S.R. Baroda under No. 9029 Dt. 29-12-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 19-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 21st July 1984

Ref. No. P.R No. 2872 Acq.23[11]84-85.--Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and

bearing No. 487[1, 487]2 situated at

Chandkheda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on 17-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--56-226 GI|84

(1) Chandubhai Parshottam Nayak Kali Tal. Daskroi, Dist Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Vrajeshvati Co.op. Socy. (Proposed) Clo Ambalal Ganeshdas Patel, Hicalal Chawl. Near Mali Kuva, Asarwa. Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Chandkheda S No. 487 1 and 487 2. Document for transfer of property regd. with S.R. Gandhinagar under No. 1309 Dt. 17-12-1983.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 21-7-1984

Scal:

2. 2. AND ROOM THE CONTROL OF THE CO

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Pushaben Manharlal Vashi Nanpura Timalia Vad,

(Transferor)

(2) 1. Smt. Kamladevi Jagdishchandra Kasat 2. Shantadevi Jethamal Kasat 6/1/29 Bhanu Smruti Mahidharpura Daliya Sheri, Surat.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 20th July 1984

Ref. No. P.R. No. 2873 Acq.23 II 84-85.-Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Setion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

property, naving and bearing
R. S. No. 41-8 Plot No. E. situated at Majura Surat and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 and 1908 in the office of the Registering Officer

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay rax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Property is situated at Majura. It is registered at S.R. Surat vide No. 11122 Dt. 7-12-1983.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 20-7-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 20th July 1984

Ref. No. P.R. No. 2874 Acq.23|II|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

R. S. No. 13|214 situated at Athwa Vistar in Virat Aptt, Flat No. 604 Surat.

tand more fully described in the Schedule annaxed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on Dec. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shashikant Thakordas Kansara
 Jivanbhai
 At Mahidharpura,
 Jade Khadi
 Surat

(Transferor)

(2) Shri Piakashchandra Shantilal Shab, Gopipura, Kazinu Medan, Surat

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Actishall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Flat is in Athwa Lines Vistar. The document 15 regd. at S.R. Surat vide No. 10226 Dec 1983.

G. K PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 20-7-1984

NOTICE, UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICI OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 20th July 1984

Ref. No. P.R. No. 2875 Acq.23|II|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the income tar. Act. 1961 (43 of 1961) (hereinefter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and hearing No.

and bearing No. S. No. 1704 Athwa Lines situated in Radha Krishna Aptt. Flat No. 102

Smat

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 9-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) Facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facd taking the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Rajendra Manharlai Vakharia Manharlai Chunnilai Vakharia 105, Abhijat Aptt., Nanpura, Surat.

(Transferor)

(2) Smt. Vihadevi Hansraj Dawer 102, Radhakrishna Aptt. Athwa Lines, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Athwa Lines Radhakrishna Aptt. adm. 900 sq. ft. The document is regd. at S.R. Surat vide No. 11160 Dt. 9-12-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 20-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mis J. Jammadas & Co. Prop. Navinchandra Ramanlal Chokhawala At Navapura Lad Sheri, Surat.

(Transferor)

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II. AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 20th July 1984

Ref. No. P.R. No. 2876 Acq.23|II|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. R. S. No. 118-119 & 120 situated at

Dumas Sultanabad Tal. Choryasi,

Dist. Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 ot 1908) in the Office of the registering Officer at Surat on 12-12-1983.

for an apparent consideration which is less than the fur market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(2) M_{|b} Sivyu Land Corporation At 3-4138 Navapura Daliya Sheri,

Surat.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The land situated at Dumas. R. S. No. 118-119 and 120. The document is regd. at S. R. Surat vide No. 11225 Dt. 12-12-1983.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 20-7-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-11, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 20th July 1984

Ref. No. P.R. No. 2877 Acq.23|II|84-85.—Whereas, 1, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

Ward No. 1 Nondh No. 496 paiki
situated at Priya Aptt. Surat
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Surat on 14-12-1983.

21000

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay taxe under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Kekin Manharkumar Sheth, Pleasant Park, Pedar Road, Rombay

(Transferor)

(2) 1. Babubhai Chhoganial Sheth 26, Madam Padar Road, Bombay.

2. Sumangauri Babubhai Sheth, at Ajan Dist. Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same menning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Ward No. 496 paiki Priya Aptt. Flat No. 5B. adm. 700 sq. ft. The document is regd. at S. R. Surat vide No. 11298 Dt. 14-12-1983.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 20-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 21st July 1984

Ref. No. P. R. No. 2878.Acq.23 II 84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. R. S. No. 234 sub Plot No. 24 F .P. No. T. P. Scheme situated at Athwa Vistar Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 9-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

- Virenbhai Ganpati Shankar Majmudar, Near Mahila Vidhayalaya School, Gopipura, Surat.
 - (Transferors)
- (2) Kinhary Aprt. Co. op. Hsg. Socy. R. G. No. 3596 Gopipura Near Mahila Vidhyalaya School, Chairman Hemalataben, ishorohand Kapadia, Gopipura. Surat.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publicution of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defiend in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Athwa Vistar R. S. No. 234 S. P. No. 24. The document is regd. at S. R. Surat vide No. 11172 dt. 9-12-83.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad.

Date : 20-7-1984

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AHMED 3 BAD-380 009

Ahmedabad, the 21st July 1984

Ref. No. P. R. No. 2879 Acq. 23¹H|84-85.—Whereas, 1, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.
R. S. No. 234 situated at Athwa Lines, Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 9-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Sh. Pravinchandra Ragunathji Naik At Gopipura Sangadiavad,

(Transferors)

(2) Kinnary Aptt. Flats Co-op. Hsg. Socy., Chairman Hemlata Kishorchand Kapadia Gopipura Mahila Vidhyalaya Secretary: Mangubhai Gelabhar Parekh Begampura. Surat.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Athwa Lines R. S. No. 234 Sub Plot No. 23 FP No. 78. The document is regd. at S. R. Surat vide No. 11173 Dt. 9-12-1983.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely --

Date: 20-7-1984

Seat:

(1) Mrs. Pravina Mulshankar Mehta, Pravin Villa Saraswati Road. Santacruz Bombay-400 054,

(Transferois)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Hiraben Ratilal Shab. Jhavai Valjino Madh Vr nagar.

(Transferces)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IF
2ND FIOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD

Ahmedabad, the 21st July 1984

Ref. No. P. R. No. 2880 Acq.23 II 84-85 - Whereas, I. G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
C. S. No. 1031 Sheet No. 35 situated at Visnagar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in form No. 37EL in the office of the undersigned at Ahmedabad on 12-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as ore defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Bldg. at Visnagar C. S. No. 1301 Sheet No. 35. Document for transfer of property regd, with the undersigned through form No. 37EE Dt. 12 12-1983

G. k, PANDYA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely — 57-226 G] 84

Date: 21-7-1984.

FORM ITNS ---

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD ARMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 1st August 1984

Ref. No. P. R. No 2881. Acq. 23 [II] 84-85 - Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 25,000!- and bearing No.

No. 218-219 situated at Sultanabad-Dumas-Tal: Choryasi Dist. Swat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on Dec., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds othe apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; mail/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

 Minorvara Navalsha Kapadia Taiyuras Navalsha Kapadia Saiyadpura Parsivad, Surat.

(Transferors)

(2) 1. Taibi Imdadbhai Kach ala Dipadi Pathanwad, Zampa Bazar,

2. Vishuukumai Hiralal Doriwala Sultanabad,

3. Rasida, 7. Haider Mota, Nurpura Khadi, Surat.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Sultanabad Domas No. 218-219. The transaction is regd. at S. R. Surat vide No. 11352 Dec. 83.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad.

Dated: 1-8-1984

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FIOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 1st August 1984

Rel. No. P. R. No. 2882 Acq 23/H/84-85.—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing S. No. 31 Hissa No. 11 situated at Katargam Tal:

Choivasi Dist. Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 20-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Ehakor Parsottam at Ved 'Fal : Choryashi, Dist. Surat

(Transferors)

(2) Bhikhabhai Vahibhai Varachha Road Surat, Power of Attorney Holder Bajibha Eurojibhai Patel.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land situated at Katargam. The document is regd. at S. R. Surat Vide No. 11675 Dt. 20-12-1983.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the saio Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 1-8-1984

FORM ITN9-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GQVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 2ND FIOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 1st August 1984

Ref. No. P. R. No. 2883.Acq.23|II|84-85.-Whereas. I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,600/and bearing

S. No. 31 Hissa No. 5 situated at Kataigam Tal:

Choryasi Dist. Surat (and more rully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 20-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tal Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:--

(1) Thakoi Paisottam at Ved Tal : Choryashi, Dist. Surat.

(Transferors)

(2) Dahyabhai Thakershi Patel Saiyed Pura—Surat. Power of Attorney Holder Harjibhai Rampishai Patel.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as herein as are defined in Chapter XXA or the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land is situated at Katargam S. No. 31. The document is regd. at S. R. Surat vide No. 11676 Dt. 20-12-83.

> G. K. PANDYA Compentent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad.

Date: 1-8-1984

Scal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 1st August 1984

Ref. No. P. R. No. 2884.Acq.23 [II]84-85.—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

S. No. 31 Hissa No. 3, situated at Katargam Tal: Choryashi Dist. Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 20-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising free; the transfermed/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Thakor Parsottam at Ved Tal: Choryashi, Dist. Surat.

(Transferors)

(2) Vallabhbhai Ravjibhai Patel, Saiyedpura—Surat Power of Attorney Vallabhbhai Ravifbhai Patel. Surat.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions, used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land is situated at Katargam. The document is regd. at S. R. Surat vide No. 11677 Dt. 20-12-1983.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad.

Date: 1-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION KANGE-II, 2ND FIOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 1st August 1984

Ref. No. P. R. No. 2885 Acq.23[II]84-85 —Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 31 Hissa No. 9, situated at Katargam Tal; Choryashi Dist. Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 29-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the tollowing persons, namely .—

(1) Makor Parsottam at Ved Tol : Choryashi, Dist. Surat.

(Transferors)

(2) Ravjibhai Dharamshi, Nagar Sheir Mahidharpura Power of Attorney Holder Harjibhai Ravjibhai Patel

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gozette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land is situated at Katargam S. No. 31. Hissa No. 9. The document is regd. at S. R. Surat vide No. 11678 Dt. 29-12-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad.

Date: 1-8-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II. 2ND FIOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 1st August 1984

Ref. No. P R. No. 2886 Acq 23/11/84-85.--Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing

S. No. 31 Hissa No. 9, situated at Katurgam Tal: Choryashi Dist. Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1903 (15 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Surat on 29-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of iransfer with the object of .-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Phakor Parsottam at Ved Tal . Choryashi, Dist. Smal.

(Transferors)

(2) Dungershibhai Ramjibhai Patel Sarvad Para—Surat. Power of Attorney Holder, Harpiblan Ramjibhai Patel.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land is situated at Katargam. The document is regd. at R Surat vide No. 11669 Dt. 29-12-1983.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 1-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Thakor Parsottam at Ved fal Choryashi, Dist Smat

(Transferces)

(2) Sarpiohai Rampibhai Patel, Saiyadpura, Surat

(Transferces)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 2ND FIOOR IIANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad 380 009, the 1st August 1984

Ref No P R No 2887 Acq 23 [11 | 84-85 - Whereas, I, G K PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S No 31 Hissa No 9, situated at Kataigam Tal Choryashi Dist Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration A t, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the Registering Officer at Surat on 29-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULI

The property is situated at Katargam. The document is registered at S. R. Surat vide No. 11680 Dt. 29 12-1983

> G K, PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the afcressed property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely-:-

Date 1 8 1984 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II.
2ND FLOOR. HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD.
AHMEDABAD

Abmedabad-380 009, the 1st August 1984

Ref. No. P. R. No. 2888 Acq 23 | H | 84-85. - Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 1933 Nondh No. 2 at Majura Gate Flat No. 9 2nd Floor, Majura Gate, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), form No. 37EE is filled in the office of the undersigned in Dec. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

58-226 GI|84

(1) M₁₃, 7 T Enterprise
 2/3728 Navsari Bazar,
 Main Road, Surat. 395 002

(Transferors)

(2) Smt. Ramilaben, D. Malı Block No. IV|315 Category IV Narmada Project Colony, Near Chhani Jakat Naka, Baroda 390 002.

(Transferois)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Majura Gate Form No. 37EF is filed in the office of the undersigned in December, 1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad.

Date 1-8-1984

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedebad-380 000, the 3rd August 1984

Ref. No. P. R. 2889 Acq. 23/II/84-85.--Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

Flat No. 903 at Rajeshwar Aptt. Naopura Athugar Street Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), and form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in December, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Mls. Shree Ram Aptt. Co.op. Hsg. Ltd. 1 864 Athugar Street Nannura-Surat

(Transferor)

(2) Smt. Jimmatiben Ramanlal Mehta, 903, Rajeshwar Aptt. Naupura-Athugar Street, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Rajeshwar Aptt. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Dec. 1983.

> G. K. PANDAYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date: 3-8-1984 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONLR OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, HANDLOOM HOUSE. ASHRAM ROAD, 2ND FLOOR AHMEDABAD-380 009

Ahmedebad-380 009, the 3rd August 1984

Ref. No. P. R. No. 2890 Acq. 23¹11]84-85 —Whereus, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000 - and bearing

Wd. No 2 Nondh No. 4468 situated at Sagrampura Shivdas

Zaveri's Pole-Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 21-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestal exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) 1. Induben Wo Babubhai Maganlal

2. Shirish Babubhai Minor Dhaval Shirish

3. Nilesh Babubhai 4. Nita Babubhai

5. Sudha

Sagrampura Shivdas Zaveri's Pole, Surat.

(Transferor)

(2) 1 Navinchandra Mansukhalal

Rameshchandra Mansukhlal

3. Vinodchandra Mansukhlal

4. Nareshchandra Mansukhlal Vadi Falia, Store Sheri Surat

(Fransferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

1 XPI ANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Ward-2 Nondh No. 4468. The document is regd. as S. R. Surat vide No. 11462 Dt: 21-12-1983.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 3-8-1984

FORM ITNS———

(1) D.V.C. Enterprise Silvasa.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Beckay Fabrics Pvt. Ltd. Ind. Estate D & N.H. Plot No. 57-58-63 to 69 Silvasa.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD. AHMEDABAD-380 009

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Ahmedebad-380 009, the 31d August 1984

Rel. No. P. R. 2891 Acq. 23 H 84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Plot No. 57-58, 63 to 69 Ind. Estate D & N.H. Silwasa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Silvasa on 31-12-1983

for an apparent consideration which is less than the lan market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any incomes arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

The property is situated at Silvasa. The document is regd. at S. R. Silvasa vide No. 489 Dt: 31-12-83.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 3-8-1984

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF NCOME-TAX
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
ACQUISITION RANGE-II
AHMEDABAD-380 009

Ahmedebad-380 009, the 3rd August 1984

Ref. No. P. R. 2892 Acq. 23 | II | 84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 |- and bearing No. Ward No. 3 Nondh No. 2885-D office No. 618 situated at Ajanta Shopping and Textile Arked Surat Ring Road, Surat Form No. 37EE submitted (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), in the office of the undersigned in October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infleen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of a ansfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating me concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Mls Ajanta Shopping & Textile Arcade, Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Ramniyas Ramjiyan Kasad At P.O. Parda Dist: Ahmednagar Maharashtra State.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Ajanta Shopping And Textile Arcade. 37EE is filed in Nov. 83 in the office of the undersigned.

G. K. PANDAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 259D of the said Act to the following persons namely

Date: 3-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, A ACQUISITION RANGE-II ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-389 009, the 4th August 1984

Ref. No. P. R. No. 2893 Acq. 23 [1] 84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. 18|3A and 18|3B situated at village: Andada Tal; Ankleshwar Dist: Bharuch

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ankleshwar on 13-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mahavir Organisors, Partner: Bhailalbhai Ranchhodhai Patel Kantibhai Narandas Patel

At P. O. Andada. Tal: Ankheshwar.

(Transferor)

(2) Ishverbhai Ambalal Patel President of Shri Krishna Co. op. Hsg. Socy. At Anadada Tal: Ankleshwar Dist: Bharauch.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same menning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

The land is situated at Andada S. No. 18|3A and 18|3B. The document is regd. at S. R. Ankleshwar vide No. 2797 Dt: 13-12-83.

> G. K. PANDAYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad,

Date: 4-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, ACQUISITION RANGE-II AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 4th August 1984

Ref. No. P. R. No. 2894 Acq. 23[II] 84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. S. No. 37 paiki situated at Dhawda Tal: Gandevi Dist:

Valsad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandevi on 14-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid property as a foresaid the constant of the property as a foresaid property as a foresaid the constant of the property as a foresaid the proper exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: -

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Bhangiyabhai Bhanabhai Patel At Devsar Tal: Gandevi Dist: Valsad.

(Transferor)

SShri

Amitkumar Shirishchandra.
 Sujitkumar Shirishchandra.
 Farulkumar Shirishchandra.
 Nishaben Nitinchandra.

5. Pritiben Nitinchandra

6. Priteshkumar Nitinchandia

7. Patel Mohanlal Kuberbhai 8. Patel Parsottam Kuberbhai 9. Patel Kanubhai Ashabhai 10. Gandhi Maganlal, H.

11. Gandhi Babubhai Nathubhai12. Gandhi Vasantlal. P.13. Mistri Khushaldas. M.

Patel Mohanlal Sukhubhai & Ors.

Bilimora Tal: Gandevi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land is situated at village Dhakwad Tal: Gandevi. The document is regd. at S. R. Gandevi vide No. 1628 Dt: 14-12-1983.

> G. K. PANDYA Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedahad

Date: 4-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
ACQUISITION RANGE-II,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th August 1984

Ref. No. P. R. 2895 Acq. 23II|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, teing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing.

No. C.S. No. 62 Plot No. 124 Unjha Market yard. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Uunjha on 12-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Ishverlat Snankerdas Nr. Krishna Cinema, Unjha Dist Mehsana

(Fransferor)

(2) 1. Manilal Parshottamdas Bahar Madh. Unjha.

Kantilal Chhaganial Nr. Cadechi Mata, Unjha
 Arvindhai Shivramdas, Nr. Rusan Chora, Unjha

4. Vishnubhai Manilal, Bahar Madh. Unjhs.
5. Khodabhai Kashiramdas, Uma Socy. Unjha.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office-Godown at Plot No. 124, Unjha Market Yard Document for transfer of property regd. with S. R. Unjha under No. 1229 12-12-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 7-8-1984

Şeal :

FORM ITNS----

(1) Patel Hargovanbhai Shankardas Gani Bazar, Uniha

(2) 1. Harshadrai Kanjibhai

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th August 1984

Re. No. F R. 2896 Acq. 23^{1} ff¹84-85.—Whereas. I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. C.S. No. 7131 Plot No. 125 Unjha

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Unjha on 26-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons, namely:---

59--226 GI|84

2 Pushpaben Natvarlal Shivram 125, Ganj Bazar, Uniha (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given 'n that Chapter.

THE SCHEDULE

Office-Godown at Uniha Market Yard Plot No. 125. Document for transfer of property regd, with S.R. Unjha under No. 1118/26-12-1983.

> G. K. PANDAYA Competent Authority
> Inspecting Assit Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 7-8-1984

Seal ·

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th August 1984

Ref. No. P. R. No. 2897 Acg. 23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961. (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Muni. C.S. No. 6/10/102 Plot No. 76 Unjha

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Uniha on 12-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the porties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acuisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Patel Shankerbhai Ramdas HUF
 Clo Navinbhai Shankerbhai Patel
 Ranehhodhbhai Ramdas Patel
 Ishverbhai Ramdas Patel

3. Ishverbhai Ramdas Patel, Unjha Dist : Mehsana.

(Transferor)

(2) Patel Hasmukhlal Joitaram, Plot No. 76, Market Yard, Unjha Dist : Mehsana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Godown at Plot No. 76 of Unjha Market Yard. Document for transfer of property regd. with S.R. Unjha under No. 4284 Dt: 21-12-83.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date: 7-8-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th August 1984

Ref. No. P. R. 2898 Acq. 23|II|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

able property. having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. R. S. No. 503-1-2-7-8 Plot No. 88, Sayajiganj Baroda

No. R. S. No. 503-1-2-7-8 Plot No. 88, Sayajiganj Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office

the Registering Officer at Baioda on 27-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Shri Kundanlal Smt. Kamuben Sammukhlal Sampatrao Colony, R. C. Datt Road, Baroda.

(Transferor)

(2) Smt. Nirmalaben Chandu Sadarangani Opp: Alkapuri Bunglow No. 1 Alkapuri Socy. Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Nirmal Aptt. Baroda S. No. 503. Document for transfer of property regd. with S. R. Baroda under No. 8965 Dt: 27-12-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
OR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, 2ND FLOOR. AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th August 1984

Ref. No. P. R. 2899 Acq. 23|II|84-85.--Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing No. S. No. 503 Plot No. 88, Sayaji Gani Baroda.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Baroda on Dec. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Kundanlal Smt. Kamuben Sanmukhlal Sampatrao Colony, R. C. Dutta Road, Baroda.

(Transferor)

(2) Mrs. Rohinaji Malkaui Clo Nirmala Chandu Sadarangani Opp: 1. Alkapuri, Alkapuri Socy. Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Nirmal Aptt. Baroda. Document for transfer for property regd, with S. R. Baroda under No. 4173 Dt; Dec.

> G. K. PANDAYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-8-1984

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II

ASHRAM ROAD, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th August 1984

Ref. No. P. R. No. 2900|Acq. 23|II|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R₉, 25,000- and bearing No. Ilesh Aptt. Subhanpura, Baroda

(and more fully described in the schedule annexed nereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of

the Registering Officer at Baroda on 19-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration

therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

th) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957): 1922

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely :---

(2) Mr. Yogesh Pravinbhai Patel F. 2. Sandeep Aptt.

R. C. Dutta Road, Baroda-390 005.

(Transferor)

(2) Mrs. Subhadraben Ravindrabhai Amin, 'Chitrakut Bunglow'

R. C. Dutta Road, Baroda-390 005.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat Ilesh Aptt. Baroda, Document for transfer at property regd. with S. R. Baroda under No. 8779 19-12-1983.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 3-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th August 1984

Re. No. P. R. 2901 Acq. 23|II|84-85.--Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Plot No. 121

(and morefully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred in the office of the undersigned Ahmedabad as per 37EE form reed on 30-12-1983

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesuld exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mahendra Kumar Singari Prop: of M|s Chrometography & Instruments Co. 122, C.I.D.C. Industrial Estate, Makarpura, Baroda.

(Transferor)

(2) M/s Chrometographt & Instruments Co. 122, GIDC Industrial Estate, Makarpura, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory Shed on Plot No. 121 of GIDC Makarpura Document of agreement to transfer of the property read or per form 37EE on 30-12-1983 with the undersigned.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad-380009

Date :7-8-1984

(1) M|s. Darshan Builders, C|o Kantilal Chhaganlal Gohel Kiishna Road, Anand.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M|s. Darshan Park, Co. op. hsg. Socy. (Proposed), c|o R. M. Zala, Anand,

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahemedabad, the 7th August 1984

Ref. No. R.N. No. 2902 Acq.23 $|\Pi|84-85$ Whereas, 1, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269D at the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000|- and bearing

No TPS.3 FP. 159 Anand

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anand in December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :——

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /cs

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Anand T.P.S. 3 FP No. 159 adm. total 3031 sq. mtr. Document for transer of property regd. with S. R. Anand under Nos. 4903, 4904, 4905, 4906, 4907 Dt Dt. 9-12-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
AHMEDABAD

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahemedabad, the 7th August 1984

-Ref. No. P.R No. 2903 Acq.23 II 84-85—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 2691, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. TPS.3 F.P. 48 Vadi Baroda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Baroda on 29-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Aminabibi Gulam, Haji Noormahmod, Baroda

 Shree Kotiyarknagar Co.op. Hsg. Socy. Clo Kantilal Motilal 89, Kotyark Nagar Socy., Vadi—Baroda.
 Ambalal Somabhal Panchal 93, Motyaknagar Socy Vadi—Baroda.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Vadi TPS.3FP 4adm. total land area 5177 sq. mtr. Document for transfer of property regd. with S.R. Baroda under Nos. 9055, 9057, 9059, 9054, 9058, 9076 Dt. Dcc. 1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range-II,
AHMEDABAD

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 7-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Chanchalben Chhotabhai Patel & Ira. Nana-Adadh Gosai Palia Anand.

(Transferor)

(2) Shri Dahyabhai Fulabhai Patel & Ors. Near Parabdi, Adas. Tal: Anand.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, AHMFDABAD

Ahemedabad, the 7th August 1984

Ref. No. P.R. No. 2904 Acq.23 II 84-85-Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing R. S. No. 863 2 Anaud. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the Office of the Registering Officer

at Anand in December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of mansfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in these Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Land at Anand R. S. No. 863|2 adm. 2833 sq. mtr. Document for transfer of property regd. with S. R. Anand under No. 5016 Dt: 19-12-83.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II AHMEDABAD .

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---60-226 GI|84

Date: 7-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, TACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahemedabad, the 7th August 1984

Ref. No. R.R.No. 2905 Acq.23 II 84.85 Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. Nos. 563, 564 Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 1-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s Nirman 134/136, Zaveri Bazan, Bombay-400002

(Transferor)

(2) The Chairman, Bombay Shopping Centre Premises Co op. Socy. Ltd. R. C. Circle, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned_i==

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Multistoryed bldg, at R. C. Circle, Baroda document for which was regd, with S.R. Baroda under No. 5886 Dt: 1-12-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range-II
AHMI:DABAD

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-8-1984

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahemedabad, the 7th August 1984

Ref. No. P.R. No. 2906 Acq. 23 II 84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000|- and bearing S. No. 504 Nadiad (and more fully described in the schedule annexed hereto),

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Nadiad in December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Parshottambhai Waghjibhai Patel
 Shri Babubhai Vaghjibhai Patel Lakha Vad, Nadiad.

(Transferor)

 Shri Kanubhai Ambalal Desai
 Smt. Nirmalaben Kanubhai Desai & Ors., 'Ganga Maiya'
 College Road, Nadiad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Nadiad adm. A-2 G.2 at S. Nos. 503, 504, Document for transfer of property regd. with S.R. Nadiad under No. 3949, 3949, Dt: 12-12-83.

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
AHMEDABAD

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-8-1984

FORM No. I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th August 1984

Ref. No. P. R. No. 2907|Acq. 23|1|84-85,-Whereas, I, G, K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961 (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

R.S. No. 623 situated at Baroda has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Baroda on 26-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (11 of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Diptiben Jaysukhlal Bhayani, B-4, Sterling Aptt., R. C. Dutt Road, Baroda.

(Transferors)

(2) Shreeyut Dipan Jaysukhlal Bhayani,
 B. 4, Storling Aptt.,
 R. C. Dutt Road
 Baroda.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a perio dof 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Sterling Aptt. Baroda. Document for transfer of regd, with S.R. Baroda under No. 8922 dated 26-12-1983.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 7-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th July 1984

Ref. No. P. R. No. 3057 Acq. 23 [184-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and

bearing

Flat at Paldi seem S. No. 193#194 at Smitti Apartment

Flat at Paldt seem S. No. 1954-194 at Smith Apartment Opp. Old Sachivalaya Ambawadi, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Ahmedabad on 25-4-1984 (Regd. in December, 1983) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as afores. believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than liftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties; has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : --

(1) Mis. Sejal Construction Co.. Partner: Satish Babulal, Near Gita Bag, Sheth C. G. Road, Paldi, Ahmedabad,

(Transferor)

(2) Narendra Puranjan Dholakia, Smruti Apartment, Opp. Old Sachivalaya, Ambawadi, Ahmedabad-15.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressons used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULL

Flat at Paldi Seem S. No.193#194 FP 328 at Smruti Apartment Regd. vide R. No. 5734.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 17-7-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Amrutlal Chunilal Parekh. Near Post Office, Chhipawad, Bulsar, District Surat.

(Transferor)

(2) Babubhai Dwarkadas Shah. A-2, New Amitkunj Flat, Panchvati Lane-2. Ahmedabad.

(Transferco)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th July 1984

Ref. No. P. R. No. 3058 Acq. 23 [184-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority, under Section 369D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Land at Vejalpur S. No. 1157 Satyagrah Chhavani Sector-3, Plot No. 27 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred as er deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 29-11-1983 (Regd. in December 1983) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than freen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act is
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land at Satyagrah Chhavani Vejalpur S. No. 1157, Sector No. 3, Plot No. 27 Regd. No. 16486.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-7-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th July 1984

Ref. No. 7. R. No. 3059 Acq. 23 | I | 84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat at Wadai S. No. 326 Vijay Nagar, Flat No. 93-554 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 3-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings or the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Balkrishna Bavalbhai Jadav, 93-554 Vijayanagar Flat, Naranpura, Ahmedabad-13.

(Transferor)

(2) Maneklal Mohanlal Patel, 118, Naranpura gam, Ahmedabad-13, Now at Flat No. 93-554, Vijayanagar Flat, Naranpura, Ahmedabad-13.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later; —
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Vijaynagar, Naranpura Flat No. 93-554 Regd. vide R. No. 16694, dated 3-12-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissional of Income tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 17-7-1984,

NOTICI (INDIER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th July 1984-

Ref. No. P. R. No. 3060|Acq. 23|I|84-85.--Whereas, I, G. X. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing

Flat at T.P.S. 20 F P. 390 1, New Girdhar Park, Ambawadi

Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Ahmedabad on 5-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ar
- (b) facilitating the concesiment of any income or any memors or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Sarojben Navinbhal Kamdar.
 Govt. Officer's Socy.,
 Opp. Sardar Patel Institute,
 Drive-in-Road,
 Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Smt. Hasumati Ramesh Chandra Patel, New Girdhar Park Socy., Block No. F¹4, Ambawadi, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are dened in Chapter XXA of the said Act, shall have the same menning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at T.P.S. 20 F.P. 390/1 at New Girdhar Park, Ambawadi, Regd. vide R. No. 15558, dated 5-12-1983

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assit, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 17-7-1984.

(1) Smt. Padmindarkumani Harbirsing Mrudul Park Socv., Ambawadi, Ahmedabad-15.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Hasumati Ramanlal Shah, Flat No. B|9, Nef Girdhar Park Socy.. Ambawadi, Ahmedabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, 380 009, the 17th July 1984

Rof. No. P. R. No. 3061 Acq. 23/1/84-85,-Whereas, I.

G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing No. Flat at Kochiab T.P.S. 20 F. P. 390 1. New Girdhar Park

No. Flat at Kochiah T.P.S. 20 F. P. 390 1. New Girdhar Paik Socy., Ambawadi, Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 1-10-1983 (recd, in December 1983) for an apparent consideration which is Jess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat at New Girdha park, Ambawadi, T.P.S. 20, F.P. 390[1 Regd. vide R. No. 13816.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assit, Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedahad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-61--226 GI|84

Date: 17-7-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM RUAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th July 1984

Ref. No. P. R. No. 3062 Acq. 23/I/84-85.--Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing
No. Flat at Paldi S. No. 56-1 FP No. 192 T.P.S. 22 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Parinteration Act. 1908 (16

has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Ahmedabad on 8-12-1983
for an apparent consideration which is less than the fair nor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Navanaben Chandrakant Zaveri, Bus Stop Corner, Narayan Nagar, Paldi, Ahmedabad-7.

(Transferor)

(2) Smt. Arvindaben Kirankumar Shah, Sugam Appartment, Vasana, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at S. No. 56-1 & FP 192 at Paldi Regd. vide R. No. 4124, dated 8-12-1983.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedahad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Date: 17-7-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACUISITION RANGE-I. 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMFDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th July 1984

Ref. No. P. R. No. 3063 Acq. 23|1|84-85.—Whereas, I. G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

Land at T.P.S. 21 Vasana F.P. 635 S.P. No. 2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 15-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been en which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Ravjibhai Shankarbhai Patel, "Shivkunj' Behind Commerce College, Bank of India Staff Socy., Navrangpura, Ahmedabad-9.

(Transferor,

(2) Patel Ashabhai Babarbhai, Karta Chandrakant Ashabhai Patel, Tagor Road, Anand, District Kaira.

(Transferce :

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter NXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Vasaua Seem T.P.S. 21 F.P. 635 S.P. No. 2 Regulated R. No. 17324, dated 15-12-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 17-7-1984,

Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-1, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th July 1984

Ref. No. P. R. No. 3064 Acq. 23[f|84-85,—Whereas, I,

G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat at Samir Apartment, Flat No. 8 Azad Socy., AmbawaJ

Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedadad on 13-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) faciliating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Hemlataben Ramanlal Pátel, A-2, Samir Apartment, Azad Socy., Ambawadi, Ahmedabad-15.

(Transferor)

(2) Miss Yamini Bhupendra Gandhi, Flat No. 8, Samir Apartment, Azad Socy., Ambawadi, Ahmedabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in Writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined to Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Ambawadi Azad Socy., Regd. vide R. No. 17168 dated 23-12-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 17-7-1984

Scal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-800 009, 19th July 1984

Ref. No. P. R. No. 3065 Acq. 23|1|84-85,—Whereas, I. G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Agri. land at S. No. 30 village Dolatpura, District Juaqually (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer

at Junagadh on 13-12-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid execceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the naties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : -

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Shri Bhikhabhai Kababhai Poshia.

Smrt Duikhaonai Kababhai Poshia.
 Smt, Rambhaben Kababhai Poshia.
 Minor Jashmat Kababhai, Minor Gopal Kababhai, by Guardian Smt. Rambhaben Kababhai All at village Dolatpara, District Junagadh.

(Transferor)

(2) Khetiwadi Utpan Bazar Samiti, Chairman Shri Bhikhabhai Chanabhai. Vanzarichawk at Junagadh.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said momovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same menning he given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land at \$. No. 30 at village Dolatpula District Junagadh Regd, vide R. No. 2609 & 2610, dated 13-12 1983

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 19-7-1984.

Seal.

- (1) I. Smt. Sarlaben Nautamial Shukla,
 - Smt Hinaben Nautamlal Shukla.
 - 3. Rohitkumar Nautamlal Shuklu, 4. Shri Trilokkumar Nautamlal Shukla, at Palace Road, Gondal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Devendrabhai Ravjibhai Karkar, Palace Road, Near Court. Gondal, District Rajkot.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 20th July 1984

Ref. No. P. R. No. 3066 Acq. 23|1|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

House Property, Palace Road near Court Gondal, District Rajkot.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer

at Gondal on 17-12-1983

for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatta

f xplanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property at Palace Road, Near Court, Gondal, Distt. Rajkot.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 20.7-1984.

Sent :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACI, 1961 (43 OF 1941)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDI OOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMED \BAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 20th July 1984

Ref. No. P. R. No. 3067 Acq 23/I/84-85,---Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000|- and bearing No

fland S. No. 1750 paiki 1586-43 sq. vds. at Wadhwan District Surendranagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office, at at Wadhwan on 23-12-1983

for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been touly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely --

(1) (, Shu Indiavadan Lalshankar Trivedi. 2. Smt. Premilaben Lalshankar Trivedi.

In Shukla Dehla Wagheswari, Wadhwan District Surendranagar

(Transferor)

21041

(2) S|Shri

I. Dineshbhai Jayantial Shah

2 Balaben Jayantilal Shah.

3 Jyotiben Mahendrakiumai Rawal

G. N. Soni,

5. Indumatiben Rameshchandra Shah,
6. Nitunkumar Ambalal Shah,
7. Madhavlal Prabhudas,

8. Hasmukhlal Dalsukhbhai,

9. Rameshchandra Dipchand Shah.

10. Arvindkumar Chimanlal, All: Shah Purohit & Co., Mehta Market, Surendranagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

FXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

1 and S. No 1750 paiki Sq. yd 1586-43 at Wadhwan Distt. Surendranagar.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedaba.l.

Date: 20-7-1984.

S-a1

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, 2ND 11 OOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMFDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 20th July 1984

Ref. No. P. R. No. 3068 Acq. 23/I/84-85.--Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

bearing No. 1 and S. No. 1750 paiki 1784-75 sq. yd. at Wadhwan District

Surendranagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Wadhwan on 8-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been tinly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) 1. Shri Keshavlal Prabhashankar Trivedi.
 - Shri Praymumar Keshavlal Trivedi, Shri Arvindkumar Keshavlal Trivedi
 - Shri Manharlal alias Manuprasad K. Trivedi,
 - Shri Janakrai Keshavlal Trivedi,

 @ Bungalow No. 8-B Shakti Colony, Bhulabhai Park, Gua Mundir Road, Ahmedabad-22.

(Transferor)

(2) SShri

I. Dinesh Jayantilal Shah,

- 2. Balaben Jayantilal Shah, 3. Jyotiben Mahendrakumai Rawal,

4. G. N. Soni,

- Indumatiben Rameshchandia Shab.
- Nitinkumar Ambalal Shah. Madhavlal Prabhudas. 8. Hasmukhlal Dalsukhbhai.
- 9. Rameshchandra Dipchand Shah,
- 10. Arvindkumai Chimanlal. All: Shah Purohit & Co.. Mehta Market, Surendranagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expranation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULF

Land S. No. 1750 paik Sq. yd. 1784.75 at Wadhwan Distt. Surendranagar.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Asett, Commissioner of Income-tax Acanisirion Range-I, Ahmedabad

Date: 20-7-1984.

NOTIFIE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ASQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-383 009

Ahmedabad-380 009, the 20th July 1984

Ref. No. P. R. No. 3069 Acq. 23(1)84-85.--Whereas, 1, G. K. PANDYA.

being the Competent Amhority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing

No. Land S. No. 1750 paiki 982-37 sq. yd. at

Wadhwan Dist : Surendranagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at

Wadhwan on 8-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section(1) of Section 2697 of the said Act, to the following mersons namely !--62--226QI[84

(1) 1. Shri Kishorkumar Parshottam Trivedi.
 2. Shri Kirltkumar Parshottam Trivedi.

Taraben Parshottam Trivedi,

at Shiv Krupa Socy. Office Manialpur Vadodara (Baroda).

(Transferor)

(2) 1. Balaben Jayantilal Shah.

Jyotiben Mahendrakumar Rawal.
 G. N. Soni,

4. Indumatiben Rameshchandra Shah.

Nitinkumar Ambalal Shah,
 Madhavlal Prabhudas,
 Hasmukhlal Dalsukhbhai,

8. Rameshchandra Dipchand Shah,

Arvindkumar Chimanlal,

10. Dineshbhai Jayantilal Shah, All Shah Purohit & Co., Mehta Market, Surendranagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land S. No. 1750 paiki sq. yd. 982-37 at Wadhwan District Surendranagar.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Ahmedahad

Date: 20-7-1984.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE. ASHRAM ROAD, AHMFDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, 20th July 1984

Ref. No. P.R. No. 3070 Acq 23[I[84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

No. Land S. No. 1750 paiki 892-37 sq. yd. at wadhawan Dist. Surendranagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registering Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Wadhwan on 23-12-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth far Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow to persons, namely ----

(1) 1. Shri Pradhyuman Jayantilal Trivedi

Shri Kansiyalal Jayantilal Trivedi
 Shu Mayantilal Trivedi Kalu Mehta's Pole.

Near Wagheswari

Wadhwan Dist : Surendranagar.

(Transferots)

(2) 1. Shri Dineshbhar Inyaatilal Shah

2. Balaben Jayantilal Shah
3. Jyotiben Mahendraktumar Rawal

4. G. N. Soni

5. Indumatiben Rameshchandra Shah

Nitin Kumar Ambalal Shah

Madhavlal Prabhudas

- 8. Hasmukhlal Dalsukhbhai 9. Rameshchandra Dipchand Shah
- 10. Arvindkumar Chimanlal All at Shah Purohit & Co Mehta Market, Surendranagar.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gueztte.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land S. No. 1750 paiki sq. yd. 892.37 at Wadhwan Dist: Surendranagar.

> G, K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 20-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I.

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, 20th July 1984

Ref. No. P.R. No. 3071|Acq 23|1|84-85.--Whereas, I, G. k. PANDYΛ,

being the Competent Authority under Section 269B of the as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

bearing No. Land1 adm 58-4 sq. vd. and old Bldg. thereon at Bhupendra Road, situated at Rajkot.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has ben transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Raikot on December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the tair murket value of the property as aforemid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in tespect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Woulth-tax Ast, 1667 (27 of 1957);

(1) 1. Shri J. P. Chotai-Karta of HUF and guardian of Minor.

- Smt. Chandramani J. Chotai
 Shri M. M. Mehta-Manager of HUF and guardian of minors.
- Smt. Lilavati, C. Chotai Ram Krishna Nagar, Raikot.

(Transferor)

- (2) Shii L. H. Lakhani 2. Shri A. L. Lakhani
 - 3. Shri B. L. Lakhani
 - 4. Shri L. L. Lakhani
 - 5. Shri V. L. Lakhani
 - 6. Smt. Gunvantiben. L. Lakhani 7. Smt. Premilaben. A. Lakhani Mangla Road, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 58-4 sq. yd. & old Bldg, thereon at Bhupendra Rd. Rajkot.

> G. K. PANDYA Competent Authority: Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of atoresaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely -

Date: 20-7-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR. HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 23rd July 1984

Ref. No. P.R. No. 3072Acq.23|I|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000 and bearing

No. Bldg. at T.P.S. 3 F.P. 1 at Suhash Nagar Co.op Socy. A'bad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at A'bad, on 27-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or vasiontttaaaaaoooooo of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Mr. Hasmukhlal Parshottamdas Shah
 Suhash Nagar Co. op. Socy.
 Behind Swastik Super Market,
 Ashram Road,
 Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Mr. Balchandra Ratilal Mody, Karta of Bhalchandra. R. Mody, HUF A-17, 6th Floor, Royal Aptt. Khanpur, A'bad. New Address: Shri Bhalchandra Ratilal Mody, 1, Suhas Nagar Co. Op. Socy. Behind Swastik Super Market, Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bidg. at 1 P.S 3 F.P. 124 S.P. No. 1 Subash Nagar Socy. Read. No. 18212 Dt. 27 12-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date · 23-7-1984.

FORM No. I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24rd July 1984

Ret. No. P.R. No. 3073 Acq.23|1|84-85.—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat at T.P.S. 19 F.P. 487, Sub Plot No. 26

'and more fully described in the Schedule annexed hereto), has ben transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

A'bad on 30 12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:——

 Smt. Indirabon. K. Hegada D-2, Sunrise Shopping Centre, Opp: Drive-in-Cinema, Memnagar Road, Ahmedabad.

(Transferor)

Shri Kailashchandra Subhkatan Sureka
 Smt. Kiranben Kailashchandra Sureka
 Arunesh Socy.
 Xaviers High School Road,
 Naranpura-Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the came meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at T.P.S. 19 F.P. 487 Sub Plot No. 26 Flat No. 5 regd, vide R. No. 1857 Dt: 30-12-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I. Ahmedabad

Date: 23-7-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24rd July 1984

Ref. No. P. R. No. 3074 Acq. 23|I|84-85,—Whereas, I. G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

Flat at Ambawadi Statelight Road, Parul Flats, A'bad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at A'bad on 26-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Smt. Shantaben Parshottambhai Patel,
 Nanda Nagar Socy.
 Bapunagar,
 Ahmedabad.

(Trasnferor)

(2) Chhaganbhai Shambhubhai Kathiria, H. 11, Parul Flats, Satelight Road, Ambawadi, Ahmedabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other potson interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .-- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Ambawadi Satelight Road, Parul Flat, Regd. vide R. No. 18146 Dt: 26-12-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 23-7-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR. HANDI OOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 24rd July 1984

Ref. No. P.R. No. 3075Acq.23|I|84-85,--Wherens, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Bldg. at Shahpur II S. No. 3296[7]1 Paraskunj Socy. Khanpur, A'bad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

has been transferred under the Registering Act, 1908 (16 of 1908) in the office of

the Registering Officer at A'bad on 28-12-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any lacome arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the conculment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Himatlal Mohanlal Shah, 7, Paraskunj Socy Khanpur, Ahmedabad-7.

(Transferor)

 1. Ramnikant Ramniklal Patadia
 2. Mansukhlal Devshibhai Vadnagarl Hathikhana, Navewas, A'bad.
 New Address: 7, Paraskunj Socy.
 Khanpur Ahmedabad.

(Transferec)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg. at Paraskunj Socy. Khanpur Shahpur II, regd. vide R. No. 1822 Dt: 28-12-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 23-7-1984,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 23rd July 1984

Ref. No. P.R. No. 3076Acq.23[I]84-85.—Whereas, J, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat at Shaikhpur-Khanpur Navrangpura T.P.S. 19 S. N. O.

177-2 Plot No. 4
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

officer at A'bad on 37G regd. in December, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Rajkumar Įshardas 88, Non Cloth Market Ols Rupur Gate Ahmedabad

(Transferor)

PART III—SEC. 1

(2) Atul Jashbhai Amin Sobhaben Atul Amin 26, Kiran Socy. Os Shahpur Gaie, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning - given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat at T.P.S. 19 Shaikhpur-Khanpur seem S. No. 177-2. Regd. vide R No 14479G reed in December, 1983

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissione, of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 23-7-1984, Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAY,

ACOUSTION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 23rd July 1784

Ref No PR No 3077Acq 23|I|84-85—Wherens, I, G K PANDYA

being the complicat Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rajendia Vardhman Plot No 4 situated at Roop Ngr., Delhi and bearing

Flat at Wadaj Seem TPS 29 F P 305 (Part)-A'bad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officei

at IAC Acqn Range, Pune on Dec 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following namely;—
63 226 GUS4

(1) Miss Laxmi Newwandram Jotwani Swart Vihar Sour Panjara Pole, Ahmedabad-15

(Transferor)

(2) Shri Jagdishkumar Jhamatmal Malukani M-67/401 Jeevan Sadhana Co Op Hsg Socy Itd Pragatmagar, Naianpura, Ahmedabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at TPS 29 FP 305 (Part) Wadaj seem regd vide R No 17702 Dt 19-12-1983

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date · 23-7-1984 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

GFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 23rd July 1984

Ref. No P.R. No. 3078-Acq 23 | I | 84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act)

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and Flat at Wadaj Seem S. No. 725-306 Block No. 75 TPS.29-A'bad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering officer at A'bad on 22-12-1983,

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of filter property as afore exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :----

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in tespect of any income atising from the transferor and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subveture (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

 Mukundiar Bhurabhai Parkh 29, Yashkunj Socy. Opp: Rana Park, Ghatlodia, Ahmedabad.

(Transferor)

Vasudevkumar Bhuralal Baheti
 New Cloth Market,
 Out side Raipur Gate,
 Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at TPS, 29 Wadaj Seem S No. 325-3 of Block No. 75 regd. vide R. No. 17876 Dt : 22-12-1983.

G. K. PANDY \
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 23-7-1984

Scal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, AS ACQUISITION RANGE-I, ASHRAM ROAD.

Ahmedabad-380 009, the 23rd July 1984

Ref. No. P.R. No. 3079Acq.23 [I]84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat at Wadaj Seem S. No. 325 306 A'bad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 28-12-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Balvantsing. N. Gupta Block No. 14, Room No. 109 Bombay Hsg. Colony, Saraspur. Ahmedabad.

Transferor(s)

(2) Lilavatiben Shankarlal Shab, 75 445, Vijay Nagar Flats, Naranpura, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Wadai Seem S. No. 326-305 Regd. vide R. No. 18284 Dt: 28-12-1983.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 23-7-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380|009.

Ahmedabad-380 009, the 23rd July 1984

Ref. No. P.R. No. 3080Acq.23|I|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and

bearing No. Flat at Shaikhpur-Khanpur Navrangpura Seem. S. No. 177/2 situated at A'bad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 28-12-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Keval Krishnacharandas S.B.I. Plats, Navrangpura, Ahmedabad-9.

(Transferor)

Smt. Savitaben Vrandavan Popat.
 Smt. Dakshaben Rashmikant Popat

 Jay Suketu Flat, Opp: Navraugpura Municipal Market,
 Ahmedabad.

(Transieree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from he date of publication of this notice in the Official Gazzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXX of the and Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULL

Flat at Shaikhpur-Khanpuh Navrangpura Seem S. No. 17712 Regd. vide R. No. 13461 Dt: 28-12-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 23-7-1984,

THE SEC LETTER STREET

The second secon

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOUR. HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380|009.

Ahmedabad-380 009, the 32rd July 1984

Ref. No. P.R. No. 3081Acq. 23|I|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. land & building

Land at T.P.S. 21 Vasana F.P. 578, 579, 604, 605 at Tapovan Co. Op. Socy. Sub Plot No. 20, A'bad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Annanagar (Doc. No. 4164|83)

for an apparent consideration which is Jess than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid acceeds the apparent consideration therefor by more than different per consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Kantilal Dalsukhbhai Shah, 1077, Kapoor Building, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad

(Transferor)

 Shri Bhagwanji Meghjibhai Patel
 Smt. Pushpa Bhagwanji Patel
 Seema Socy. Drive-in-Road, Memnagar, Ahmedabad.
 New Address: 20, Tapovan Co. Op. Socy. Nr. Manekbag Socy.
 Vasana Road, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land at TPS. 21 F.P. 578, 579-604, 605 at Tapovan Co. Op. Socy. Sub Plot 20 regd. vide R. No. 18176 Dt: 27-12-83.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Admedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforegrid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 23-7-1984,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 23rd July 1984

Ref. No. IAC ACQ₁CA-5|703|37EE|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat at TPS, 20 F.P. 286 at

Mantrana Socy. Behind L.D. Eng, Hostel

Ahmedabad-9

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has ben transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

A'bad on 37G read, in Dec. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cept of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Sh. S. S. Chaudhry,
 A. 4 Mantrana Socy,
 Behind L.D. Eng. Hostel,
 Navrangpura, Abad.-9.

(Transferor)

Hasmukhlal Bababhai Rajdev
 Niranjan Babubhai Rajdev
 Bharat Babubhai Rajdev
 Anil Babubhai Rajdev
 A-4 Mantrana Socy.
 Behind L.D. Eng. Hostel
 Navrangpura,
 Ahmedabad-9.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the wadersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at TPS. 20 F.P. 286. Behind L.D. Eng. Hostel. Mantrana Socy. Regd. vide R. No. 17901.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad,

Date: 23-7-1984

SenI:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 23rd July 1984

Ref. No. P.R. No. 3083 Acq. 23 [I]84-85.—Whereas I, G. K. PANDYA,

being the competent authority under section 269B

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat at TPS 29, Wadaj Seem S No. 290-267,

situated at Ahmedalad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Abmedabad on 26-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such aparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/org
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Dalpatram Bhanushankar Joshi, Vishram Nagai Co. op. Socv. Menagar, Ahmedabad.

(Transferor)

1. Kamlaben Natvarlal
 2. Kokilaben Natvarlal
 Audit Employee's Co.op Socy
 Wadaj
 Ahmedabad-13

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Wadaj Seem, S. No. 290-67 regd. vide R. No. 18191 Dt. 26-12-1982.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 23-7-1984

FORM I'INS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 23rd July 1984

Ref. No. P.R. No. 3084 Acq. 231184-85.—Whereas I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs: 25,000; and bearing No. Bldg, at TPS 3 J.P. 12: Sub Plot 20, situated at Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 28-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the reforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Raindhanii P. Kalair 20, Suhash Nogai Crop Socy, Navraegpuia Ahmedahad-9.

(Fransferor)

(2) Facilities Shops and Offices Owners Association B-9-6 Ellite Appartment Shahibaug, Dafnala, Ahmedabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg. at TPS, 3 E.P. 124 Sub Plot 20 Ahmedabad regd, vide R, No 48246 dt 28-12-1983,

G, K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 23-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMLTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-1, AHMFDABAD Ahmedabad 380 009, the 23id July 1984

Ref. No. P.R. No 3085 Acq 23¹ [84-85—Whereas I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a tail market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Office at TPS 3 F.P. 131, 31d floor, H. K. House, Ashiam Road,

situated at Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer Ahmedabad at (37EE filed on 29-12-83) on 6-12-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property at aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely in64-226GI[81]

 Smt Pratimaben U. Bhati, Parul, Ashol wadi, Panchvati, Ellisbridge, Ahmedabud-6.

(Transferor)

(2) Vinod Manibhai Mitia (HUF) & Mahendia Chatuibhuj Merchant (HUF) 6, 3rd Floor, H.K. House, Ashram Road, Ahmedabad-9.

(Transferce)

Objectious, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the mid immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THF SCHEDULE

Office at H.K. House Ashram Read, 3rd Floor, TPS 3, F.P. 131, 371 E filed on 29-12-1983.

G, K, PANDYA
Competent Aupthority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 23-7-1984

THE STATE OF THE S

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGUAL AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 23rd July 1984

Ref. No. P.R. No. 3086 Aug. 23)1[84-85.--Whereas I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tux Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Bldg, at TPS 21 FP 144-145 Sub Plot 48, Shitvan Co.op,

Socv. Bhuderpura. Ambawadi, Almedabad

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmenabad on 31-12-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceess the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, In respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax act, 1957 (27 of 1957):

(1) Shri Rajnikant Ratilal Patel, 48, Shitvan Co.op. Socy Ambawadi, Bhuderpura, Ahmed ibad.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Shardaben Champaklal Shah. 2. Shri Champaklal Chhaganlal Shah, 48, Shivan Socy, Ebuderpura gam, Ahmedahad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette on a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg. at TPS 21 F.P. 144-145 S.I. 48 at Shitvan Co-op. Socy. Bhuderpura gam. Ambawadi, Ahmedabad regd. vide 18671 di 31-12-1983.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 23-7-1984 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesail property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following sersons namely

The state of the s

FORM ITNS-

ana andrea and a grand and a desired westered ala

(1) Shri Sureshbhai Induprasad Thakore, 2. Thaker Park Socy. Sarkhej Road, Ahmedabad-7.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt.Mukul Prayesh Nanda C|507, Kothawala Apti Pritamnagar, Ahmedabad-6 New Address.
2. Thakor Park Co. op Socy. Sarkhej Road, Paldmi, Ahmedabad-7.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 23rd July 1984

Ret. No. P.R. No. 3087 Acq. 23/1/84-85.-Whereas I, G. L. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to oclieve that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.
Bidg. at Thakor Park Socy
TPS 6 P.P. No. 207+208 Plot No. 2 Ahmedabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 19-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the cair market value of the property as aforeby said exceeds the apparent consideration therefor than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FTPI ANATION : -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a; facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Bldg, at TPS 6 F.P. 207 -208 FP No. 2 at Thakore Park Co.op. Socy. Paid: Ahmedabad regd vide R. No. 1763 dt. 19-12-1983.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Abmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 23-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th July 1984

Ref. No. P. R. No. 3088 Acq. 23|84-85,—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. Bldg. at Mahuva Nutan Nagar Yojna-2 Plot No. 349 City S. No. 1573

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the Office of the Registering Officer at

Mahuva on 8-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Fidahussein Valimohmed Eudami Roshanbanu Fidahussein Badami Rising Aptt.
 D. 16, Juhu Beach, Bombay-49.

(Transferor)

(1) Doshi Mansukhlal Virchand HUF

(2) Doshi Hathichand Virchand HUF Nutan Nagar Yojitki No. 1, Plot No. 349, Mahuva,

Dist : Bhavnagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg, at Mahuva Nutan Nagai Yojna 1, Plot No. 349, City S. No. 1573 regd. vide R. No. 1783 Dt: 8-12-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assett. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date: 24-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, **AHMEDABAD-380 009**

Ahmedabad-380 009, the 24th July 1984

Ref. No P. R. No. 3089 Acq.23[1]84-85.—Wheeras, I, G K. PANDYÂ

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land at Khambhaliya Ward No. 5/11 having land 608 sa. vd.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto)

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Khambaliya Dist. Jamnagar on 16-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the late market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the saul instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act. in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) L. Jayantilal Liludhar 2. Champaklal Liladhar
3. Ujumben Liladhar
"Shree Ram" Kalavad Road,
Near Nandu Socq.

Rajkot.

(2) I Vithaldas Vrajdas
2. Prabhudas Vrajdas
3. Bhagwandas Vrajdas

 Harish Vrajdas
 Kanaiyalal Vrajdas Bazar, Salaya, Dist: Jamnagai.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Khambhaliya Ward No. 5/11 regd. vide R. No. 1879 Dt: 16-12-1983.

> G. k. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Dute: 24-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMF-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th July 1984

Ref. No. P. R. No. 3090 Acq.23|1|84-85,--Whereas, J. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority

under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Land at S. No. 334 paiki Land

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhuj on 15-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) M/s Amar Industries Jadavji Nagar, Bhuj (Kutch).

(Transferor)

(2) (1) Mukesh R. Matolia
 (2) Damyantiben M. Marolia
 171, Pushpak Appartment,
 31, Ultra Mount Road,
 Ahmedabad.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ladn at S. No. 334 at Bhuj 1egd, vide R. No. 2297 Dt. 15-12-1983.

C. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date: 25-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

DEFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOO,R HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMFDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 27th July 1984

Ref. No. P. R. No. 3091 Acq 23|I|84-85.—Whereas, 1, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs 25,000]- and bearing

No. I and at Vastrapur seem S No 118.122-123 126, 128 F. P. 110 S. P. No. 13

has been transfereed

(and morefully described in the schedule annexed hereto) under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 26-12-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any means arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said 4ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Ansuyaben Dineshkumar Zaveri 24, Manali Apartment Vastrapur Road, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Suramaya Co.op. Socy.
Clo Shii S. P. Vytas,
Urban Bank Division,
Reserve Bank of India,
La Gajjar Chambers,
Ashram Road,
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Vastrapur R. S. No. 119, 122, 124, 126 paiki land F.P. 110 S.P. No. 13 regd. vide R. No. 18188 Dt: 26-12-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1,
Ahmedabad

Diale: 27-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-J, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 27th July 1984

Ref. No. P. R. No. 3092 Acq.23|1|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. I and at Vasana Seem T.P.S. 21 F.P. 635 Sub Plot No. 5

(and more fully described in the schedule annexed here(o), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at A'bad on 13-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notic; under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Dr. Meenaben Bipunt'ai Shah Opp. Swair Vihar Flat, Dr. Vikiam Sarabhai Road, Ambawadi, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) M|s Patel & Shah Builders Dayal Nivas, Opp: Suvidha Shopping Centre, Paldi, Ahmedabad.

(Tinnsferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at T.P.S. 21 F.P. 635 S.P. No. 5 404 sq. yd. land regd R. No. 17213 Dt; 13-12-1983

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1,
Ahmedabad

Dnte: 27-7-1984

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 31st July 1984

Ref. No. P. R. No. 3093 Acq 23/1/84-85,---Whereus, I,

G. K. PANDÝA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. On East side of Vishvada: Rly. Station Land adm. 18496 sq. yd, and Building and shed on it and machinery called 'Krishna Oil Mill at Vishavadar Dist: Junagadh. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vishawa far on 27-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-65- -226G1|84

- (1) Partners of M/s Krishna Oil Mills
 - Shri Patel Ladha Parbat
 Shri Patel Ratifal Manji

 - 3. Shii Patel Ramesh Manji 4. Shii Patel Nileshkunai Manji 5. Shri Patel Vashram Jeram 6. Shri Patel Jadav Jeram

7. Shri Patel Maganlal Vashram All @ Clo Ms Krushna Oil Mills Compound, Behind Rly. Station Vishvadar,

Dist. Junagadh.

(Transferor)

- (2) M|s Gayatri Trading Co. Firm and its partners:—
 1. Patel Maganial Vashiam
 2. Patel Nathalal Jadavbhai
 3. Patel Bhikhalal Gordhandus
 4 Patel Damodardas Devdasbhai

 - All—Krishna Oil Mill Compound, Behind Rly. Station, Vishvadar Dist: Junagadh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-ble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

On Fast side of Vishvadar Rly, station I and adm. 18496 sq. yd. and bldg, and shed on it and machinery called Krishna Oil Mills, at Vishvadar Dist; Junagadh.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 31-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 31st July 1984

Ref. No. P. R. No. 3094 Acq.23 [1]84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Re. 25,000/-

and bearing No.
Flot of land bearing S. No. 37 Block No. 10 Sanad No. 360|96 adm. 612 sq. yd. and old house theron at Mangnath Road—Junegadh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Junagadh on 30-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Shri Chhaganlal Thakarshibhai 2. Shri Amrutlal Thakarshibhai

4. Smt. Dudhiben Rajabhai All @ Shri Rajabhai Thakarshibhai Dudhwala Dudhwala Shop, Mangnath Road, Junagadh.

(Transferor)

(2) 1. Shri Maganlal Karshan Varu 2. Shri Ravjibhai Mavji Jadav Clo Mls Gokul Timbers Mangnath Road, Junagadh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land bearing S. No. 37 Block No. 10 Sanand No. 360|96 adm. 612 sq. yd. and old house thereon at Mangnath Rd. Junagadh.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 31-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 31st July 1984

Ref. No. P. R. No. 3095 Acq.23 [I 84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. Building on S. No. 457 Plot No. 7 B Behind Mahila College & New Gulab Nagar—Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer at Gondal on 9-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferred for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act., I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) Shri Dinesh Kumar Parshottambhai Tank Nirmala Main Road, Rajkot.

(Transferor)

(2) Shu Chimanlal Gulabchandbhai Valani Now at Valam Niwas Nagar Sheri, Gondal (Saurashtra).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested to the said immer able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein 64 are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg. on S. No. 457 plot No. 7-B 'Pıthadia Dwar' Behind Mahila College and New Gulab Nagar, Rajkot.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date: 31-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-1. 2ND FLOOR,

HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDÁBAD

Ahmedabad-380 009, the 31st July 1984

Ref No. P. R. No. 3096 Acq. 23|I|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

Block No. 4 Valmiki Ashram Near Malviya Nagar-Gondal Road, Rajkot.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot in Dec. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Jaysukhlal Arjanbhai Vadgama 5, Bhakti Nagar, Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri S. J. Lakhani 28, Karanpara, Raj Thatha Building, Rajkot.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 4 Valmiki Ashram Near Malaviya Nagar, Gondal Road, Rajkot.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 31-7-1984 Seal:

FORM ITNS-

 Smt. Shantaben Hiralal Hirani Clo Raja Dal & Oil Mill at Vali Dist: Yavatmal Maharashtra.

(Transferor)

(2) Smt. Shardaben Mohanlal Dhakan at Vishvadar Dist. Junagarh,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-1,.
2ND FLOOR,

HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 31st July 1984

Ref. No. P. R. No. 3097 Acq. 23|I|84-84.--Whereas I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

House property at Jagnath Plot Sheri No. 26-Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on Dec. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act 12 respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Incometax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the gald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property at Jagnath Plot Sheri No. 26 - Rajkot.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 31-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF UNDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-1. 2ND FLOOR,

HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 31st July 1984

Ref. No. P. R. No. 3098 Acq. 23|I|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Plot No. 16-B Nutan Sarvodaya Socy. Kalavad Road (S. No. 443) Rajkot.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Rajkot on 7-12-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

ing persons, namely :-

(1) Smt. Hansaben Natwarlal Desai Nutan Nagar, Rajkot.

(Transferor)

(2) 1, Smt. Amarben Harjivandas Soni 2. Shri Vinodhhai Harjivandas Soni at Near Babul Nath Temple, Giri Chhaya Stand, Chopati, Bombay-6.

(Transferce)

(3) Shri Kantilal Harilal Ranpara Plot No. 16B Nutan Sarvodaya Socy. Kalavad Road, Rajkot, (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 16B-Nutan Sarvodaya Socy. Kalayad Road (S. No. 443) Rajkot.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 31-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,

HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 31st July 1984

Ref. No. P. R. No. 3099 Acq. 23|I|84-85.—Whreas I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Bhupendra Road at Rajkot-Land adm, 269,60 sq. yd, and House thereon.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on Dec. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or

(b) facilitating the avealment of not income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri J. P. Chotai-Karta of HUF 1A. and Guardina of Minors ketan Jayantilal 2. Smt Chandramani, J. Chotai

3. Shii M. M. Mehta Indl. & Guardian of 3A Minnors. Dharmesh.

4. Smt. Gunvanti. L. Lakhani at Ramkrishna Nagar, Rajkot.

(Transferor)

(2) 1. Shri L, H, Lakhani2. Shri A, L, Lakhani3. Shri B, L, Lakhani4. Shri G, L, Lakhani

5. Shri V. L. Lakhani & others Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm, 276-60 sq. yd. adm, House thereon at Bhupendra Rd. Raikot.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 31-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-1, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

> > Ahmedabad, the 1st August 1984

Ref. No. P. R No. 3100 Acq. 23 I 84-85.—Whereas I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Land at T. S. 3 F. P. 751 Sub Plot No. 2 Ellisbridge,

Chadawada seem

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at A'bad on 13-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and Apr
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely -

(1) Bhanjibhai Karsanbhai Jaday, Near Law College, Ellisbridge, Ahmedabad, "

(Transferor)

(2) Shital Chhaya Flat owners Association, Sureshkumar Jayantilal Shah, Ambawadi, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Chadawada - Ellisbridge T.P.S. 3 F.P. 751, S.P. No. 2 regd, vide R. No. 17172 Dt : 13-12-1983.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Ahmedabad

Date: 1-8-1984 Seal:

21075

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-1. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 1st August 1984

Ref No. P. R. No. 3101 Acq. 23|I|84-85.—Whereas I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Rs. 25,000|- and bearing No.

T. P. S. 3 F. P. 84 Usmanpura.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on Dec. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—66—226GI|84

 Mukesh Natvarlal Thakkar Prabha Colony, Usmanpura, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Kamal Estate Corporation, 10, Harisiddha Chambers, Ashram Road, Ahmedabad, Mls. Virti Flat Owner's Association. Ambawadi, A'bad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at T.P.S. 3 F.P. 84 Sub Plot No. 6 37 EE filed on 20-12-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 1-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD380 009

Ahmedabad-380 009, the 1st August 1984

Ref. No. P.R. No. 3102 Acq.23|I|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Land at T.P.S. 15 F.P. 27 SP No. 3, Moje Wadaj Seem (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 0f 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 17-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of, 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shakuntalaben Nanubhai Bhupatray Saurashtra Society, Ellisbridge, Ahmedabad.

 Shantilal Chandulal Shah, Nawa-Wadaj, Purshottam Nagar, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shashi Park Co. op. Society, Organisor. Pujiram Shivram Patel, Opp: Nava-Vadaj Bus Stand. Ahmedabad

(Transferee)

. Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days fromthe service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Wadaj T.P.S. 15 F.P. 27. Sub-Plot No. 3 Land Regd. vide R. No. 17586 Dt 17-12-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-STONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD380 009

Ahmedabad-380 009, the 1st August 1984

Ref. No. P.R. No. 3103 Acq.23|I|84-85.—Whereas, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000| and bearing No.

Land at T.P.S 15 F.P. 27 S.P. No. 5A at Wadaj, A'bad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 17-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Naishadbhai Nanubhai Mehta, Saurashtra Socy. Ellisbridge, Ahmedabad,
 Sanjivani Trust

Shri C. J. Shah, Shanti Sadan Estate, Opp: Mirzapur Dinbai Tower. Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Devibhai Chelabhai Bharwad, Balva, Tal: Dholka Dist: Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Wadaj T.P.S. 15 FP 27 S.P. 5A Regd. vide No. 17595 Dt. 17-12-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 1-8-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD380 009

Ahmedabad-380 009, the 1st August 1984

Ref. No. P.R. No. 3104 Acq,23|I|84-85.-Whereas, 1, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Land at Sanand Seem S. No 1648-1649

has been transferred under the

(16 of 1983) in the office of the registering officer at (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sanand 37G recd. in Dec. 1983 on 31-3-1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been @ which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Baldevbhai Kevaldas Patel, Sanand,

Dist: Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Uma Park Co.op. Socy. Chairman

Dashrathbhai Baldevbhai Patel,

Sanand.

Dist: Abmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Sanand Seem. S. No. 1648-1649 regd. vide R. No. 762|83 37G reed. in December, 1983.

> G. K. PANDYA Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Competent Authority Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 1-8-1984

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(*) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 J. S. Corporation, 48, Indranarayan Road, Santa Cruz (West) Bombay-54.

(Transferor)

(2) Mrs. Sakarben Vejabhai Ravalia Sakar Ville, 21-A, Nalanda Socy. Kalawad Road, Rajkot.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD380 009

Ahmedabad-380 009, the 1st August 1984

Ref. No. P.R. No.3105 Acq. 23|I|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority Under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Flat at Crescent A Bldg, Flat No. 1002 10th Floor Opp: Race Course Rajkot ward No. 15 CTS. No. 1010 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1983) in the office of the registering officer at Rajkot 37EE filed on 11-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, naturely:—

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Rajkot Cr. Crescent, Bldg. A, 10th Floor, Flat No. 1002. 37EE filed on 11-11-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 1-8-1984 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD380 009

Ahmedabad-380 009, the 1st August 1984

Ref. No. P.R. No. 3106 Acq.23|I|84-85.--Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing

Shop No. 1, 2 & 3 in Cresent 'A' Bldg. C.S. No. 1010 Wd. No. 15 S. No. 402|21 & 404|28. Race Course, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad 37EE filed on 24-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M|s. J. S. Corporation, 48, Indranarayan Road, Santacruz (West), Bombay-54.

(Transferor)

(2) M|s. Udyog Bharati Chawdi Gate, Gondal Dist: Rajkot.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a periodof 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1, 2 & 3 in Crescent-A Bldg. C.S. No. 1010 Wd. No. 15, S. No. 404|21 and 404|28 Race Course, Rajkot.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Sestion 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 1-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THF INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 M|s. J. S. Corporation, 48, Indranarayan Road, Santa Cruz, West, Bombay-54.

(Transferer)

(2) Mrs. Kokila Dhirajlal Thukkar, 562, Taxashila Sovy. Rajkot.

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-J.

AHMEDABAD-380 009. Ahmedabad, the 1st August 1984

Ref. No. P.R. No. 3107 Acq. 23/I/84-85.--Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Chop No. 4 in Crescent A Bldg. C.S. No. 1010 Ward No. 15 S. No. 404|21 and 404|28 Face Course, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Form No. 37 EE filed on 28-12-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of me liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (1) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THF SCHEDULE

Shop No. 4 in Crescent 'A' Bldg. C. S. No. 1010 Wd. No. 15. S. No. 404|21 and 404|28 Race Course, Rajkot.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, threfore, is pursuance of Section 269C of the said section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following

persons, namely :--

Date: 1-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I,

AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 3rd August 1984

Ref. No. P.R. No. 3108 Acq.23|I|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Bldg. at TPS, 29 F.P. 127 Tenament 37-38 Xavier's Co-op. Socy. Nr. Ankui Socy. Naranpura A'bad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Registering Officer

at A'bad on 30-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Santoshben Makhanlal Bhandara
 Bharatbhushan Tarachand Bandhara
 Deepakaa Socy, Shahibap, A'bad.

(Transferor)

 1. Pecnaben Ranchhodbhai Patel
 2. Kaushikhbhai Babubhai Patel
 B. No. 37-38, Xuvicr's Co. op. Socy. Near Ankur Socy. Naranpura,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the taid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bidg. at Xavier's Co. op. Socy. T. P. . 24 F. P. 127 B. No. 37-38 R. No. 78578 Dt. 30-12-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date 3-8-1984

A'bad.

FORM ITNS-

(1) Shri Kantilal Chimanlal Parekh, Gandhinagar,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 3rd August 1984

Ref. No. P.R. No. 3109 Acq.23[I]84-85.--Whereas, 1, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Bldg. at Jodhpur seem S. No. 255-256 Vishva Karma Vihar Socy. B. No. 17A

A'bad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

at A'bad on 30-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than increase the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (2) Shri Natwarlal Keshavlal Patel 17A, Vishva Karma Vihar Co. op. Socy. Satalight Road, Jodhpur,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Bldg. at Jodhpur seem No. 255, 256 at Vishva Karma Vihar Socy. 17A regd. vide R. No. 17864 Dt. 30-12-83.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsction (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '-- 67- 226GI'84

Date: 3-8-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009 Ahmedabad, the 3rd August 1984

Ret. No. P.R. No. 3110 Acq.23[1]84-85,---Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

Bldg. at Vizol S. No. 312|2 at Dhan Papeshwar Co. op Socy. B. No. 36

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regisat Abad on 31-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C or the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 Hasmukhbhai Nagjibhai Patel, 36, Dhanpapeshwar Co. op. Socy. Vatva, A'bad.

(Transferor)

(2) Anilkumar Ramanbhai Patel,
Vilage Palana
Tal, Nadlad
Dist. Kaira.
New Address: 36, Dhanpapeshwar Co. op. Socy.
Vatva Vinzol,
Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

LAPLIMATION .—Ine terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg. at Vinzol S. No. 312/2, 36, Dhanpapeshwar Co. op. Socy. Regd. vide R. No. 1866 Dt. 31-12-83.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I. Ahmedabad

Date . 3-8-1984 Seal :

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

AHMI DABAD 380 009. Ahmedabad, the 3rd August 1984

Ref. No. P.R. No. 31111 Acq. 23|I|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000 and bearing

Land and Vasana TPS. 22 F.P. 359 S No. 408 Paiki S. P. No. 11 at Nand Gopi Co.op. Socy.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at A'bad on 21-12-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Manugiri Shambhugiri Goswami B. No 12 Nand Gopi Socy Vasann Vbad

(Transferor)

 Shri Thakorbhai Chelabhai Panchal
 Nand Gopi Socy Vasana Ahmedabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the unleading of the

- (a) by an, of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Vasana TPS, 22 F.P. 359 S. No. 408 SP 11 regd. vide R. No. 17823 Dt. 21-12-83.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subscriber 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-J, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 6th August 1984

Ref. No. P.R. No. 3112 Acg|23|84-35.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Property at Rajpur Hirpur S. No. 290|2 T.P.S. 2 F.P. 144.

A'bad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 29-12-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 ed 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Smt. Shantaben Sankalchand Patel
 Upendra Sankalchand Patel
 Makari Vad,
 Raipur,
 Ahmedabad.

(Transferor)

(2) President, Dharmalok Aptt. Owners Association, Bhairavnath Road, Maninagar, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Property at T.P.S. 2 S. No. 290|2 F.P. 144, Regd. No. 18439 Dt. 29-12-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Runge-I, Ahmedabad

Date: 6-8-1984 Seal: FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 6th August 1984

Ref. No. P.R. No. 3113 Acq.23|I|84-85|---Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

Property at Vadva S. No. 290 Plot 3 4 paiki 950 sq. yd. land (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 2-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid nexceeds the apparent consideratio therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrumen of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Lokendiésinghi Chandrajitsinghji Gohil, HUF Mangal Mahal, Bhavnagar,

(Transferor)

(2) Jubilee Hostels Pvt. Ltd. Ambassay Cente, Nariman Point, Bombay-400 023.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Bhavnagar Vadva S. No. 290, paiki 3-4 regd. vide R. No. 3581 Dt. 2-12-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 6-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Ramchandra Harinagar Bhatt, Ganosh Gali, Maninagar Char Rasta Maninagar, Ahmedabad.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(2) Kalind Aptt. Vikas Mandal C|o Nareshchandra Mahilal Sakhidas K. Sakhidas & Co. Nanck Chowk, Ahmedabad.

(Transferee)

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Ahmedabad, the 6th August 1984

Ref. No. P.R. No. 3114 Acq.23|I|84-85,--Whereas, I, G. K. PANDYA,

G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- bearing No.

Property at TPS 4 F.P. No. 126
Sub Plot No. 11 1|2 undivided share.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at A'bad on 28-12-1983
for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent considerations and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

Property at TPS 4 F. P. No. 126 Sub Plot No. 11 paiki 1 2 undivided property regd. vide R.No. 18260 Dt. 28-12-83.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets: which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-J, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date / 6-8 1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 6th August 1984

Ref. No. P.R. No. 3115 Acq.23 184-85.—Whereas, 1, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Bldg, at Gyandeep Socy. Paldi IPS, 6 F.P. 222-223-8 A'bad

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 37G reed, in Dec. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Bhanumatiben Madhubhai Patel, R. B. Mehta Road, Kailash Nivas, Ghatkopar (East) Bombay-77.

(Transferor)

(2) I. Sadgunaben Pravinkumar Shah Kaushal Pravinkumar Shah 3. Rshish Pravinkumar Shah

Gyandeep Socy. Paldi, Ahmedabad-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg. at Paldi TPS. 6 S. No. 254 FP. 222, 223-8 S. P. No. 4 Regd. vide R. No. 7304 Dt. 16-5-83 37G reed. in. Dec. 1983.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 6-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Pond's Export Limited, 26, Commander-in-Chief Road, Madras-600 105.

(Transferor)

(2) Pond's (India) Limited, 26. Commander-in-Chief Road, Madras-600 105.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-J, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 8th August 1984

Ref. No. P.R. No. 3116 Acq.23|1|84-85.--Whereas, I,

G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing No. Shed No. 193, 194, 195 situated at Kandla Free Trade Zone, Gandhidham,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhuj (Kutch) on Dec. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later: whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION . - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Sheds at No. 193, 194, 195 situated in Kandla registered zone, Gandhidham regd. vide R. No. 20184 (S. No. Madras Circle) 37G recd. in Dec. 1983)

(b) st cilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income ta Acquisition Range-I, Ahmedabac

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 8-8-1984

Scal :

A'bad

FORM ITN9----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 10th August 1984

Ref. No. P.R. No 3117 Acq.23 | 84-85.—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000;—and bearing No.

Property at TPS 6 FP. 229 to 232 of 236, SP. No. 7 at Mahalaxmi Socy. Paldi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at A'bad on 30-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Pravinchandra Govindlal Patel Trimurti Flats (Duplex) Near Inklab Socy. Gulbai Tekra. Ahmedabad

(Transferor)

 Vasudev Ramanlal
 Maheshkumar Ramanlal 'Vasukunj'
 Near Ashapuri Mandic, Madalpur, Ellisbridge, Ahmedabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined, in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at TPS, 6 F.P. 229 to 232 and Sub Plot No. 7 at Mahalaxmi Socy, Paldi A'bad Regd, vide R. No. 18535 30-12-1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I. Ahmedabad

Date: 10-8-1984

Seal:

PRINTED BY THE MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, FARIDABAD, AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1984